आज़ादी का अमृत महोत्सव

गेल (इंडिया) लिमिटेड

हरित ऊर्जा की दिशा में अग्रसर

सतत विकास रिपोर्ट 2021-22

एनर्जाइज़िंग पॉसिबिलिटीज़

हरित ऊर्जा की दिशा में अग्रसर

ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के संबंध में दुनिया की बढ़ती चिंताओं ने स्थायी ऊर्जा के लिए एक ठोस वैश्विक संक्रमण का आह्वान किया है। एक ऊर्जा अग्रणी के रूप में, गेल स्वच्छ और किफायती ईंधन पर ध्यान देने के साथ भारत की ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारत में प्राकृतिक गैस नेटवर्क का विस्तार करने के लिए गेल के अथक प्रयास से सीजीडी के रूप में नए शहरों और शहरों तक पहुँचने के स्पष्ट परिणाम सामने आ रहे हैं। कंपनी ने हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए नेट–ज़ीरो भविष्य को आकार देने की दिशा में पवन, सौर, सीबीजी और हाइड्रोजन में अपनी ऊर्जा बास्केट को और खोला है। इस 'हरित ऊर्जा की दिशा में अग्रसर' के साथ, गेल एक बेहतर दुनिया की ओर परिवर्तन की परिचायक है।

विषय–सूची

इस रिपोर्ट के बारे में	2
मुख्य प्रबंध निदेशक का संदेश	4
गेल की झलकियाँ	12
गेल एक नज़र में	26
गेल में सतत विकास	34
हमारा हितधारक समावेशन एवं भौतिकता	38
मजबूत नियंत्रण और व्यापार लचीलापन	46
व्यापार वृद्धि	64
प्रचालनगत उत्कृष्टता	76
ऊर्जा और पर्यावरण	86
जलवायु परिवर्तन	100
हमारे कर्मचारी	108
सभी के लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करना	120
हमारे आपूर्तिकर्ता	130
ज़िम्मेदार आपूर्ति शृंखला प्रबंधन	134
हमारे ग्राहक	140
हमारा समुदाय	148
प्रदर्शन एवं मानक	158
स्वतंत्र आश्वासन वक्तव्य	168
जीआरआई विषय सूचकांक	172
सस्टेनेबिलिटी एकाउंटिंग स्टैण्डर्ड बोर्ड के साथ संलग्नता	183
आईपीआईईसीए से संलग्नता	186
यूएनजीसी और आईएसओ 26000:2010 अनुच्छेद	188
यूएनएसडीजीएस के साथ संलग्नता	189
टीसीएफडी सिफ़ारिशों के साथ संयोजन	193

1

गेल की **12वीं** सतत विकास रिपोर्ट

12वीं

राष्ट्रीय एवं विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सतत विकास मानकों जैसे **जीआरआई कंप्रेहेंसिव ऑप्शन, बीआरएसआर दिशा–निर्देशों** के साथ संरेखण के अंतर्गत खुलासा

यह सतत विकास रिपोर्ट **टाइप 2 मध्यम स्तर** सुनिश्चित रिपोर्ट है

इस रिपोर्ट के बारे में

2011 से, गेल (इंडिया) लिमिटेड (इसके बाद गेल के रूप में संदर्भित) अपनी समर्पित वार्षिक सतत विकास रिपोर्ट के माध्यम से कंपनी के पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक कार्यनिष्पादन का खुलासा करती आ रही है। सतत विकास रिपोर्टिंग के माध्यम से, हम अपनी कंपनी की रणनीति, लक्ष्यों, ध्येय एवं प्रदर्शन का खुलासा करने का प्रयास करते हैं। इससे हम अंततः एक ऐसा सतत विकास व्यवसाय मॉडल बनने में सक्षम होंगे जो हमारे हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य का सृजन करेगा।

यह सतत विकास रिपोर्ट हमारे हितधारकों के साथ, हमारी कंपनी के जुड़ाव और हमारे साझा मिशन को प्राप्त करने के लिए, की गई पहलों एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करती है। हमारे व्यवसाय और हितधारकों के लिए महत्वपूर्ण सामग्री विषयों से संबंधित विवरण भी इस रिपोर्ट में दिए गए हैं।

1.1 रिपोर्टिंग वर्ष और चक्र

इस रिपोर्ट में प्रदान किए गए वित्तीय लेखांकन एवं प्रदर्शन से संबंधित आँकड़ों में गेल के वित्तीय वर्ष, 01 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 तक की जानकारी शामिल है। इसी अवधि का उपयोग सतत विकास कार्यनिष्पादन की रिपोर्ट तैयार करने के लिए भी किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए सतत विकास रिपोर्ट 31/08/2021 को प्रकाशित की गई थी। वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए पर्यावरण, आर्थिक और सामाजिक कार्यनिष्पादन को प्रदर्शित करने वाली यह गेल की 12वीं सतत विकास रिपोर्ट है। इस रिपोर्ट का इलेक्ट्रॉनिक संस्करण हमारी वेबसाइट (https://gailonline.com/SbSustainability.html) पर प्राप्त किया जा सकता है।

1.2 रिपोर्टिंग मानक

हम अंतर्राष्ट्रीय पेट्रोलियम उद्योग पर्यावरण संरक्षण संघ (आईपीआईईसीए) दिशा–निर्देशों के नवीनतम संस्करण के अनुसार रिपोर्ट तैयार करते हैं। आईपीआईईसीए पर्यावरण और सामाजिक मुद्दों हेतु एक वैश्विक तेल एवं गैस उद्योग संघ है। हमारे द्वारा किया गया खुलासा, जीआरआई सस्टेनेबिलिटी रिपोर्टिंग मानकों के अनुरूप भी है; स्थिरता लेखा मानक बोर्ड (एसएएसबी); जिम्मेदार व्यावसायिक आचरण हेतु राष्ट्रीय दिशा–निर्देश (एनजीआरबीसी) से संबंधित सिद्धांतों और सेबी की व्यावसायिक जिम्मेदारी एवं सतत विकास रिपोर्टिंग (बीआरएसआर) आवश्यकताओं, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी), जलवायु से संबंधित वित्तीय प्रकटीकरण पर टास्क फोर्स (टीसीएफडी) से संरेखित है। यह रिपोर्ट अमेरिकी पेट्रोलियम संस्थान (एपीआई) दिशानिर्देश, आईएसओ 26000:2010, और संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट (यूएनजीसी) के भी अनुरूप है।

1.3 इस रिपोर्ट का दायरा

इस रिपोर्ट के दायरे के अंतर्गत सभी स्थानों पर विभिन्न पर्यावरणीय, आर्थिक, सामाजिक एवं शासन मानकों पर गेल के कार्यनिष्पादन को शामिल किया गया है। कंपनी–संयुक्त उद्यम, सहायक कंपनियाँ, पट्टे

GRI 102-1, GRI 102-8, GRI 102-49, GRI 102-52, GRI 102-50, GRI 102-51

पर दिए गए संयंत्र, आउटसोर्स प्रचालन, और अन्य संस्थाओं को इस दायरे से बाहर रखा गया है।

जब तक अन्यथा उल्लेख न कर दिया जाए, भारत हमारे संचालन का महत्वपूर्ण स्थान है। जहाँ भी लागू हो, 'स्थानीय' शब्द भारत को संदर्भित करता है।

1.4 इस रिपोर्ट सीमा

जब तक अन्यथा उल्लेख न किया गया हो, हमारी इस रिपोर्ट सीमा में शामिल हैं:

- पाता, विजयपुर, वाघोडिया, गांधार में गेल के विनिर्माण और प्रसंस्करण संयंत्र
- प्राकृतिक गैस कंप्रेसर स्टेशन (हजीरा, वाघोड़िया, झाबुआ, खेड़ा, विजयपुर, दिबियापुर, कैलारस और छायंसा)
- द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) पंपिंग/रिसीविंग स्टेशन (लोनी, मंसारामपुरा, नसीराबाद, आबू रोड, समाख्याली, जामनगर, कांडला, विजाग, जी कोंडुरु, और चेरलापल्ली)
- एनसीआर, बड़ौदा, मुंबई, पुडुचेरी, राजमंड्री, अगरतला और दाबोल बेंगलुरु पाइपलाइन (डीबीपीएल) में क्षेत्रीय पाइपलाइन कार्यालय
- ई एंड पी व्यवसाय
- नई दिल्ली में निगमित कार्यालय में कार्यालय भवन
- नोएडा और जयपुर में गेल प्रशिक्षण संस्थान
- नोएडा में इन्फो–हब और जुबली टॉवर कार्यालय
- क्षेत्रीय विपणन कार्यालय (नोएडा, चंडीगढ़, जयपुर, लखनऊ, भोपाल, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, भुवनेश्वर, कोलकाता, गुवाहाटी, अहमदाबाद, मुंबई।)

1.5 सूचना प्रबंधन

यह रिपोर्ट जीआरआई मानकों: व्यापक विकल्प के अनुसार तैयार की गई है। सभी संयंत्रों/कार्यालयों में हमारे सतत विकास समन्वयक विभिन्न पहलों को लागू करने और रिपोर्ट तैयार करने के लिए सूचनाएँ एकत्र करने के प्रति उत्तरदायी हैं। सतत विकास संबंधी सूचनाओं का पता लगाने के लिए हमारे पास एक मजबूत शासन तंत्र है। समन्वयक, सूचनाओं का पता लगाने और रिपोर्ट करने के लिए, हमारे आंतरिक सतत विकास पोर्टल्स का लाभ उठाते हैं। इस पोर्टल पर प्रस्तुत की गई सूचनाओं की सत्यता को संबंधित विभागीय प्रमुखों द्वारा सत्यापित किया जाता है।

1.6 सूचना सत्यापन एवं आश्वासन

एक बाहरी आश्वासन एजेंसी ने इस रिपोर्ट का आश्वासन दिया है। यह सतत विकास रिपोर्ट AA1000AS V3 मानक के बाद टाइप 2 मध्यम स्तर की सुनिश्चित रिपोर्ट है। आश्वासन प्रक्रिया में कई कारखानों और कार्यालयों, कॉर्पोरेट विभागों में भौतिक आश्वासन और प्रदान की गई सूचनाओं को वैध करने के लिए, कई स्थानों पर किए गए आभासी आश्वासन शामिल हैं। भौतिक विषयों पर सूचनाएँ कार्यात्मक विभागों के प्रत्येक प्रक्रिया मालिकों द्वारा संकलित किया जाता है और फिर उसका उपयोग सतत विकास विभाग द्वारा रिपोर्ट विकसित करने के लिए किया जाता है, और फिर उसे बोर्ड की सतत विकास समिति द्वारा अनुमोदित किया जाता है।

यह सतत विकास रिपोर्ट, हमारे सभी हितधारकों के लिए एक संचार उपकरण एवं एक प्रचालन दस्तावेज़ भी है। इससे हमें सूचित निर्णय लेने में सहायता मिलती है। इस रिपोर्ट से संबंधित कोई भी प्रतिक्रिया या प्रश्न श्री आर के मित्तल, मुख्य महाप्रबंधक (एसडी) rk.mittal@gail.co.in, श्री एस के अग्रवाल, महाप्रबंधक (एसडी) rk.mittal@gail.co.in को सूचित किया जा सकता है। पाठक हमारे प्रदर्शन और सतत विकास प्रकटीकरण में सुधार से संबंधित प्रतिक्रिया प्रदान करने के लिए sustainability@gail.co.in पर भी हमसे संपर्क कर सकते हैं।

अस्वीकरण: गेल सतत विकास रिपोर्ट वित्त वर्ष 2021–22 में प्रस्तुत किए गए ब्योरे "भविष्य उन्मुख विवरण" हो सकते हैं। इन्हें 'योजनाओं', 'उम्मीद', 'इच्छा', 'अनुमान', 'विश्वास', 'इरादा', 'परियोजना' 'अनुमान' जैसे शब्दों से पहचाना जा सकता है और उक्त शब्द लागू नियमों एवं विनियमों के अर्थ के भीतर प्रगतिशील हो सकते हैं। कंपनी इस तरह भविष्य उन्मुख विवरण को अद्यतन करने के प्रति किसी भी दायित्व को अस्वीकार करती है, सिवाय इसके कि कानून द्वारा आवश्यक हो जाए।

GRI 102-46, GRI 102-45, GRI 102-48, GRI 102-49, GRI 201-1, GRI 102-45, GRI 102-54, GRI 102-56, GRI 102-55, GRI 102-30, GRI 102-31, GRI 102-32, GRI 102-45, GRI 102-46, GRI 102-53

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

"जलवायु संकट के कारण पैदा हुई स्थितियों के बीच, "हरित ऊर्जा की दिशा में अग्रसर" एक बेहतर दुनिया की ओर अग्रसर हेतु एक महत्वपूर्ण प्रवर्तक होगी।"

प्रिय हितधारकगण,

मुझे गेल की 12वीं सतत विकास रिपोर्ट, 'हरित ऊर्जा की दिशा में अग्रसर' प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है। यह रिपोर्ट पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) के कार्यनिष्पादन में सुधार के हमारे प्रयासों को प्रदर्शित करती है। वैश्विक महामारी के बाद वाली दुनिया में पैदा हुई चुनौतियों के बावजूद, इस वर्ष, हमें फलने–फूलने में सक्षम बनाने में गेल का उदार रुख एक प्रमुख कारक रहा है। हमारे कर्मचारीगण और सिस्टम, जलवायु परिवर्तन की तात्कालिकता को अपना रहे हैं और हम प्रभावी शमन एवं अनुकूलन रणनीतियों पर काम कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, भू–राजनीतिक परिवर्तनों के कारण आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और कमोडिटी की कीमतों में उतार–चढ़ाव ने भी इस अवधि के दौरान गेल को चुस्त रहने की आवश्यकता को बिंबित किया है। गेल ने इस वर्ष 2070 तक नेट ज़ीरो तक पहुँचने के भारत के लक्ष्य की ओर, परिवर्ती ईंधन के रूप में गैस की आपूर्ति में वृद्धि सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया है।

गेल अक्षय ऊर्जा, और वैकल्पिक ईंधन में विविधता लाकर और नवीन प्रौद्योगिकियों की खोज करके अपने कार्बन प्रभाव को कम करने के प्रति समर्पित है। 2070 तक नेट जीरो तक पहुँचने के भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध, गेल ने पहले ही विज्ञान आधारित महत्वाकांक्षा और कार्य–योजना के माध्यम से अपनी नेट–जीरो यात्रा शुरू कर दी है। इसका उद्देश्य 2040 तक "स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन में 100% कमी और स्कोप 3 उत्सर्जन में 35% की कमी" लाना है। इसके अतिरिक्त, स्कोप (SCOPE) द्वारा समन्वित जीआईज़ेड, जर्मनी द्वारा समर्थित आंतरिक कार्बन मूल्य निर्धारण परियोजना में गेल भाग ले रही है। वित्त वर्ष 2021–22 में, हमने गेल पाता (कुछ विनिर्माण स्थानों में से एक) को सीआईआई से ग्रीनको "गोल्ड" रेटिंग प्राप्त करने के साथ अपनी सतत विकास यात्रा में एक और मील का पत्थर अर्जित किया है, इससे पता चलता है कि सतत विकास हमारी प्रचालन प्रक्रिया में गहराई से अंतर्निहित है।

भारत सरकार के "एक राष्ट्र, एक गैस ग्रिड" के दृष्टिकोण को बनाए रखने और प्राप्त करने के लिए हमारे संगठन के पास एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। इसे पूरा करते हुए, गेल पर्यावरण और समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने का प्रयास करती है। ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में हमारा बढ़ता योगदान और निम्न कार्बन वाली अर्थव्यवस्था में भारत की बढ़ती ऊर्जा माँगें पूरी करनी के क्रम में हमारी भागीदारी बेमिसाल है। गेल वर्तमान में लगभग 14,500 किलोमीटर पाइपलाइन नेटवर्क का संचालन करती है और देश में बेची जाने वाली प्राकृतिक गैस की कुल मात्रा का दो–तिहाई का विपणन करती है। इसके अतिरिक्त, हम अगले पाँच वर्षों में एक और 5,000 किमी लंबी पाइपलाइन अपने पोर्टफोलियो में जोड़ेंगे।

प्राकृतिक गैस, एक ऐसा प्रमुख परिवर्ती ईंधन होगा जो सभी क्षेत्रों में डीकार्बोनाइजेशन यात्रा को आकार देगा। बड़े निगमों के अलावा, मध्यम और छोटे व्यवसाय भी पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए प्राकृतिक गैस में स्थानांतरित हो रहे हैं। जोखिमों को कम करने और

GRI 102-14, 103-2, 103-3

उभरते अवसरों का लाभ उठाने के संदर्भ में, हमारा समग्र रणनीतिक उद्देश्य, हमारी प्रचालन प्रणालियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा और पुनर्रचना द्वारा समर्थित है।

इस वित्तीय वर्ष में, गेल ने नए शहरों में गैस बाजारों को बढ़ावा देने और बाजार के नए अवसर पैदा करने के लिए अतिरिक्त पहल की है। हमने बाज़ार विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया है और इस बात को सुनिश्चित किया है कि हम पूर्वी भारत में स्वच्छ ऊर्जा लाने के लिए 'ऊर्जा गंगा' परियोजना पर निर्धारित महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सही दिशा में चल रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी (ओटीपीसी) में 26% इक्विटी हिस्सेदारी के हमारे सहक्रियात्मक अधिग्रहण के माध्यम से, हम देश के उत्तर पूर्वी क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करेंगे। इसके अलावा, राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन के अनुरूप, गेल ने हाइड्रोजन–आधारित और नेट–जीरो भविष्य की दिशा में काम करने के लिए, प्राकृतिक गैस में हाइड्रोजन को मिलाने के लिए ऐसी पहली, एक पायलट परियोजना शुरू की है। गेल विजयपुर (गुना जिला, मध्य प्रदेश) में 10 मेगावाट का ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र स्थापित कर रही है, जैसा कि हम भारत में हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था की स्थापना की ओर अग्रसर हैं, गेल भारत में संभावित हाइड्रोजन डेरिवेटिव जैसे अमोनिया, मेथनॉल, आदि की व्यवहार्यता की भी खोज कर रही है।

गेल प्रचालन सुरक्षा, कार्यनिष्पादन और विकास सुनिश्चित करने के लिए, विश्व स्तरीय मानकों को बनाए रखने के प्रति प्रतिबद्ध है। हम अपनी सीएसआर पहलों के माध्यम से अपने कर्मचारियों और समुदाय के बेहतर स्वास्थ्य एवं कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए कई उपाय करते रहे हैं। 'गेल हृदय' पहल के तहत, हमारा लक्ष्य शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्रों में सामाजिक पूँजी पैदा करके हजारों वंचित लोगों के जीवन स्तर में सुधार करना है। एक जिम्मेदार कंपनी के रूप में, हमने 'हृदय' की विभिन्न पहलों के तहत ₹ 204.97 करोड़ खर्च किए हैं।

हम प्रधानमंत्री के 'वोकल फॉर लोकल' के लक्ष्य के अनुरूप अपनी आपूर्ति श्रृंखला में स्थानीय विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। हमारा मानना है कि इससे न केवल पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में मदद मिलेगी बल्कि दूरगामी सकारात्मक सामाजिक प्रभाव भी पड़ेंगे।

गेल में, हमारा मिशन – विभिन्न घरों, उद्योगों और परिवहन क्षेत्र को पर्यावरण के अनुकूल, ईंधन से जोड़कर पूरे देश में "स्वच्छ ऊर्जा और उससे आगे के जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि" पर ध्यान केंद्रित करना है। गुणवत्ता, नवाचार और प्रतिक्रिया के माध्यम से सकारात्मक ग्राहक अनुभव और प्रधान मूल्य सृजित करना हमारे व्यापार विकास मॉडल का एक रणनीतिक स्तंभ भी है।

गेल हमेशा मजबूत शासन और ट्रिपल–बॉटम–लाइन प्रबंधन रणनीतियों एवं नीतियों के एक मजबूत सेट हेतु प्रयासरत रही है। इससे हमें संयुक्त उद्यमों, स्थानों और सहायक कंपनियों में हमारे सतत विकास एजेंडे के निरंतर कार्यान्वयन में हमें मार्गदर्शन मिलता है। सही नेतृत्व स्थापित करके, हमारा उद्देश्य, नैतिकता और विश्वास की संस्कृति को बढ़ावा देना है। गेल की "आचार संहिता" को उच्चतम संभव नैतिक मानकों के साथ व्यापार करने की हमारी प्रतिबद्धता को पूरी करने में हमारी मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हमारी व्यावसायिक प्रक्रियाएँ और प्रथाएँ पर्यावरण, स्वास्थ्य, सुरक्षा और मानवाधिकार जैसे मुद्दों को संबोधित करते हुए उत्कृष्टता प्राप्त करने पर केंद्रित हैं। हमारे शासन प्रथाओं की मजबूती ने गेल को हर वर्ष उच्चतम गुणवत्ता के साथ देश को सेवाएँ प्रदान करते हुए कार्यनिष्पादन और प्रचालन उत्कृष्टता हासिल की है। हम अपने शेयरधारकों को निवेश पर लगातार दीर्घकालिक रिटर्न प्रदान कर रहे हैं। इस वर्ष कुल लाभांश राशि के संदर्भ में गेल द्वारा अब तक का सर्वाधिक लाभांश भुगतान किया गया है।

हमारी यह रिपोर्ट वैश्विक रिपोर्टिंग पहल (जीआरआई) के "व्यापक" रिपोर्टिंग मानकों के अनुरूप है। यह रिपोर्ट अद्यतन व्यावसायिक उत्तरदायित्व एवं सतत विकास रिपोर्ट (बीआरएसआर), जिम्मेदार व्यावसायिक आचरण पर राष्ट्रीय दिशानिर्देश (एनजीआरबीसी), आईपीआईईसीए 2020 और स्थिरता लेखा मानक बोर्ड (एसएएसबी) की आवश्यकताएँ भी पूरी करती है। मैं गेल के सभी कर्मचारियों को उनके निरंतर समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ।

हमें यह उल्लेख करते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि गेल (इंडिया) लिमिटेड को 2021 के लिए संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट–एक्सेंचर सीईओ स्टडी ऑन सस्टेनेबिलिटी के हिस्से के रूप में सीओपी26 में चित्रित किया गया था। यह अध्ययन वैश्विक सतत विकास सम्मेलनों के इतिहास में स्थिरता और जलवायु परिवर्तन पर अब तक का सबसे बड़ा सीईओ अध्ययन था। दुनिया भर में मौजूद कई व्यवसायों में से केवल दस भारतीय व्यवसायों को उक्त रिपोर्ट में शामिल किया गया था और गेल उनमें से एक थी।

इसके अतिरिक्त, गेल ने इस वित्तीय वर्ष में फेडरेशन ऑफ इंडियन पेट्रोलियम इंडस्ट्री (एफआईपीआई) से प्रतिष्ठित "सस्टेनेबल ग्रोइंग कॉर्पोरेशन ऑफ द ईयर" पुरस्कार जीता है। गेल की अपनी संरक्षण प्रथाओं के लिए पीसीआरए (पेट्रोलियम कंजर्वेशन रिसर्च एसोसिएशन) 'सक्षम' द्वारा सम्मानित किया गया है। ये पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया एक अभियान है। ये पुरस्कार गेल द्वारा सतत विकास से संबंधित किए जा रहे निरंतर प्रयासों को स्वीकार करने के संदर्भ में है। हम अपनी सतत विकास यात्रा को जारी रखने हेतु तत्पर हैं और इस रिपोर्ट के माध्यम से अब तक की अपनी प्रगति को साझा करते हुए हमें खुशी हो रही है।

मनोज जैन

मनोज जैन

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

निदेशक (व्यापार विकास) का संदेश

गेल इस तथ्य से अवगत है कि ईएसजी को अंतःस्थापित करना व्यवसाय के विकास के लिए अनिवार्य है। यह जोखिमों का आकलन करने और उन्हें कम करने में सहायक है और व्यापार के विकास को बढ़ावा देने वाले अवसरों को अधिकतम करने में उपयोगी है। हमारा निरंतर व्यापार उदारता दृष्टिकोण, उस समग्र दृष्टिकोण का साक्षी है जिसे गेल ने एक मुख्य व्यवसाय रणनीति के रूप में सतत विकास को अंतःस्थापित करने के लिए वर्षों से अपना रखा है।

हम भारत को ऊर्जा पहुँच एवं वहनीयता अर्जित करने में मदद करने हेतु सम्पूर्ण देश को निर्बाध सेवा प्रदान करने के प्रति प्रतिबद्ध हैं। हालाँकि हम अपने समग्र कार्यनिष्पादन को बढ़ाते एवं मजबूत करते हुए, हम अपने स्वयं के प्रचालन और आपूर्ति श्रृंखला के माध्यम से उत्पन्न उत्सर्जन को कम करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। स्वच्छ और हरित ऊर्जा के नए आयामों में प्रवेश करने के साथ ही, हमें ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए डीकार्बोनाइजेशन की अपनी प्रगति को जारी रखने में मदद मिलेगी।

गेल ने 2040 तक स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन की तुलना में नेट जीरो बनने की महत्वाकांक्षी यात्रा शुरू की है। सीबीजी, अक्षय ऊर्जा परियोजनाएँ, हरित हाइड्रोजन, दक्षता में सुधार, आदि कुछ ऐसे प्रमुख बिंदु हैं जिनकी पहचान उक्त महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में उपयोगी कारक के रूप में की गई है।

गेल ने सिटी गैस स्टेशन, इंदौर में हाइड्रोजन सम्मिश्रण से संबंधित भारत की पहली परियोजना को सफलतापूर्वक चालू कर दिया है। गेल द्वारा वर्तमान में भारत के सबसे बड़े पीईएम आधारित हरित हाइड्रोजन संयंत्रों में से एक के निर्माण की प्रक्रिया चल रही है। गेल विजयपुर में 10 मेगावाट की ग्राउंड–माउंटेड सौर परियोजना भी स्थापित कर रही है।

हम जटिल जलवायु परिवर्तन मुद्दे से निपटने में योगदान देने हेतु अन्य एजेंसियों और संस्थानों के साथ सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने कॉर्पोरेट पार्टनर के रूप में इंटरनेशनल सोलर एलायंस (आईएसए) के साथ गठबंधन किया है। वर्तमान में, हम जैविक एवं अजैविक दोनों मार्गों के माध्यम से अपने वर्तमान पोर्टफोलियो में 1 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा जोड़ने की महत्वाकांक्षा रखते हैं।

हम अपनी व्यावसायिक रणनीति और विकास योजनाओं के अंतर्गत यह सुनिश्चित करने के लिए सतत विकास पहलुओं पर विचार करते रहते हैं कि हम पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार तरीके से काम करते हैं, साथ ही साथ, सभी हितधारकों के लिए मूल्य का सृजन भी करते हैं। हम अपने मूल्यवान और विश्वसनीय हितधारकों के समर्थन से अपने निरंतर व्यापार विकास और राष्ट्र विकास में योगदान के प्रति तत्पर हैं।

एम वी अय्यर
निदेशक (व्यापार विकास)

निदेशक (वित्त) का संदेश

वित्तीय वर्ष 2021–22 कोविड–19 वैश्विक महामारी से उबरने का वर्ष रहा है। इस वैश्विक महामारी ने उद्योग एवं अर्थव्यवस्था पर कई तरह से प्रतिकूल प्रभाव डाला था। उस कठिन अवधि में स्वयं को बनाए रखने और उससे उबरने के लिए, हमने गेल में प्रचालन और लाभप्रदता बढ़ाने हेतु विभिन्न उपाय किए। वित्त वर्ष 2021–22 में गेल ने प्रचालन से राजस्व में 62% की वृद्धि दर्ज की, जो वित्त वर्ष 2020–21 में ₹ 56,738 करोड़ के मुकाबले ₹ 91,646 करोड़ हो गया, कर पूर्व लाभ (पीबीटी) वित्त वर्ष 2020–21 में ₹ 6,386 करोड़ की तुलना में वित्त वर्ष 2021–22 में 113% बढ़कर ₹ 13,590 करोड़ हो गया। वित्त वर्ष 2021–22 में कर पश्चात लाभ (पीएटी) 112% बढ़कर ₹10,364 करोड़ हो गया, हालाँकि वित्त वर्ष 2020–21 में यह ₹ 4,890 करोड़ था। हमें यह बताते हुए बेहद गर्व महसूस हो रहा है कि तीनों मानकों पर आधारित कंपनी द्वारा अपने इतिहास में दर्ज किया गया यह अब तक का सबसे अधिक वित्तीय परिणाम है।

गेल ने ₹ 3,996 करोड़ (@₹ 9/शेयर) के लाभांश का भुगतान किया है, इसके अलावा, गेल बोर्ड ने शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन @₹ 1/शेयर की दर से अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। इससे वित्त वर्ष 2021–22 के लिए कुल लाभांश ₹ 4,435 करोड़ की राशि बनती है और ये राशि गेल द्वारा दी जाने वाली अब तक की सबसे अधिक राशि है। इसके अलावा, गेल ने ₹ 190/शेयर की कीमत पर ₹ ~1,083 करोड़ (उस पर कर को छोड़कर) की कीमत पर ~5.70 करोड़ शेयरों का पुनर्खरीद प्रक्रिया पूरी की है।

कोविड–19 वैश्विक महामारी के बाद, जबकि चीजें सामान्य होने लगी हैं, डिजिटलीकरण और डिजिटल प्रौद्योगिकियों ने व्यापार करने के पारंपरिक तरीके पर कब्जा कर लिया है और सतत विकास और व्यापार निरंतरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। हमने व्यापार प्रक्रिया और तकनीकी पहलुओं को सुगम बनाने हेतु पहले से मौजूद पहलों के अलावा, डिजिटल पहलों और ई–पहलों के संदर्भ में कई नए कदम उठाए हैं।

गेल में, आगामी स्वच्छ एवं हरित प्रौद्योगिकियों में निवेश के अवसरों की पहचान करने की प्रक्रिया चल रही है ताकि हमारे व्यापार को जलवायु संबंधी चिंताओं से निपटने में मदद मिल सके साथ ही साथ जलवायु परिवर्तन पर अन्तर्शासकीय पैनल (आईपीसीसी) के 1.5°सेन्टीग्रेड मार्ग के साथ संरेखण में रहने के लिए हमारी ओर से योगदान दिया जा सके और भारत का नेट–जीरो लक्ष्य प्राप्त किया जा सके एवं गेल को भविष्य में होने वाले व्यापार परिवर्तन के लिए तैयार किया जा सके।

गेल के बोर्ड ने ₹ 231 करोड़ की परियोजना लागत पर ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए 10 मेगावाट का इलेक्ट्रोलाइजर स्थापित करने की भी मंजूरी दे दी है।

हमने आने वाले वर्षों में कंपनी की वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए जोखिम का आकलन करने और शमन उपायों को लागू करने के लिए एक सक्षम वातावरण बनाया है।

गेल में, हमने न केवल व्यवसाय का ध्यान रखा है, बल्कि कर्मचारियों और समाज के लिए विभिन्न राहत उपाय भी किए हैं। वित्तीय वर्ष 2021–22 में, गेल ने विभिन्न सामाजिक परियोजनाओं के माध्यम से ₹ 204.97 करोड़ (पिछले तीन वर्षों के औसत पीएटी का ~3% अनिवार्य 2% के मुकाबले) खर्च किया है।

गेल के पास स्थिर आउटलुक (मूडीज) के साथ घरेलू 'एएए', अंतर्राष्ट्रीय 'बीएए3', स्थिर आउटलुक (फिच) के साथ बीबीबी– भारत की सॉवरेन रेटिंग के बराबर क्रेडिट रेटिंग भी है। रेटिंग्स, कंपनी के मजबूत प्रदर्शन और भविष्य के दृष्टिकोण का संकेतक होती हैं। इसके अलावा, मुझे विश्वास है कि हम मौजूदा मार्जिन से बेहतर प्रदर्शन करने और सतत विकास करने में सक्षम होंगे।

राकेश कुमार जैन
निदेशक (वित्त)

निदेशक (परियोजना) का संदेश

गेल में, हम मानते हैं कि सतत विकास केवल आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक पहलुओं के उद्देश्यपूर्ण एकीकरण के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। हमारी कंपनी का समग्र कार्यनिष्पादन इस दिशा में हमारे सभी प्रयासों का परिणाम है। गेल हमारे देश की सेवा करने और आत्मनिर्भर बनने के लिए ऊर्जा की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

हम जलवायु परिवर्तन और कार्बन उत्सर्जन के बारे में बढ़ती चिंताओं को दूर करने के साथ–साथ ऊर्जा सुरक्षा हासिल करने के लिए बहुत लगन से काम कर रहे हैं।

गेल अगले कुछ वर्षों के दौरान ₹ 25,000 करोड़ से अधिक के निवेश की बुनियाद पर अपने पाइपलाइन नेटवर्क का 5,400 किलोमीटर से अधिक विस्तार कर रही है। जबकि पीएम ऊर्जा गंगा पाइपलाइन परियोजना का काम जोरों पर है, गेल महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा को जोड़ने वाली पीएम गति शक्ति के तहत 1755 किलोमीटर लंबी मुंबई–नागपुर–झारसुगुड़ा पाइपलाइन (एमएनजेपीएल) का भी क्रियान्वयन कर रही है। इसके अलावा, बरौनी–गुवाहाटी (729 किमी) श्रीकाकुलम–अंगुल (744 किमी), धामरा–हल्दिया (252 किमी), आदि अन्य प्रमुख पाइपलाइन हैं जो राष्ट्रीय गैस ग्रिड से जुड़ने के लिए क्रियान्वयन के अधीन हैं।

हम शून्य–उत्सर्जन भविष्य के सपने को साकार करने के प्रति अपने प्रयासों में प्रगति कर रहे हैं। तदनुसार, गेल ने 31 जनवरी 2022 को सिटी गैस स्टेशन (अवंतिका गैस लिमिटेड), इंदौर में हाइड्रोजन सम्मिश्रण के लिए भारत की पहली परियोजना को सफलतापूर्वक चालू किया है। गेल के बोर्ड ने ₹ 231 करोड़ की लागत से ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन करने के लिए 10 मेगावाट इलेक्ट्रोलाइजर के निर्माण को भी मंजूरी दी है।

कार्बन उत्सर्जन को कम करने के हमारे प्रयासों में, गेल की कुल स्थापित क्षमता 131.75 मेगावाट वैकल्पिक ऊर्जा है, जिसमें से 118 मेगावाट पवन ऊर्जा और 13.8 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजनाएँ हैं। गेल ने पाता पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स में भारत का दूसरा सबसे बड़ा सोलर रूफटॉप, 6 मेगावाट का ग्रिड से जुड़ा कैप्टिव सोलर पावर प्लांट स्थापित किया है। इसके अलावा, कैप्टिव उपयोग के लिए विभिन्न कार्यालय भवनों में रूफ–टॉप और ग्राउंड–माउंटेड सौर मॉड्यूल स्थापित किए जा रहे हैं। हम अगले तीन से चार वर्षों में या तो सौर और पवन के माध्यम से या किसी अन्य नवीकरणीय घटक के माध्यम से 1 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा प्राप्त करने की इच्छा रखते हैं।

हमने अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के संदर्भ में, एक आत्मनिर्भर राष्ट्र होने के साथ–साथ ग्रह एवं समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए, एक क्रांतिकारी, दीर्घकालिक मार्ग शुरू कर दिया है। मुझे अपनी प्रतिबद्धता और मौजूदा स्तरों से बेहतर प्रदर्शन करने और स्थायी तरीके से विस्तार करने की क्षमता पर पूरा भरोसा है।

दीपक गुप्ता
निदेशक (परियोजना)

निदेशक (मानव संसाधन) का संदेश

गेल इस बात को स्वीकार करती है कि कंपनी के रणनीतिक ढाँचे में एकीकृत प्रणाली होने पर सतत विकास प्रक्रिया सबसे प्रभावी होती है। गेल, एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट के रूप में, समाज और पर्यावरण पर पड़ने वाले अपने प्रचालन के प्रभावों के प्रति जागरूक है। पिछले कुछ वर्ष पर्यावरण और जलवायु एजेंडे के लिए महत्वपूर्ण रहे हैं। जैसे–जैसे डीकार्बोनाइजेशन की दिशा में माँग मजबूत हुई है, हम अपने सभी हितधारकों को मूल्य श्रृंखला में सतत विकास के अपने दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए एकजुट कर रहे हैं।

जिस गति से हमारे चारों ओर सामाजिक, राजनीतिक और तकनीकी वातावरण बदल रहा है, मानव संसाधन से तेज गति से या बल्कि सक्रिय रूप से प्रतिक्रिया देने की अपेक्षा की जाती है। श्रमिकों की अगली पीढ़ी सार्थक संगठनों के लिए काम करने को तरस रही है क्योंकि वे एक स्थिर आय और प्रगति के अवसरों से अधिक की पेशकश करते हैं। गेल में, हम लगातार क्षमताओं के निर्माण, सीखने के माहौल को पोषित करने, वैश्विक मानकों के अनुरूप सर्वोत्तम मानव संसाधन प्रथाओं को लागू करने, मानव संसाधन प्रक्रिया के डिजिटलीकरण और नेतृत्वकर्त्ताओं को व्यापार में उतार–चढ़ाव की स्थिति के अनुकूल तैयार करने में मदद करने के अपने प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। हमारा उद्देश्य वेतन समानता, कार्यबल समावेश, विविधता और लिंग संवेदनशीलता के माध्यम से एक सकारात्मक संस्कृति का पोषण करना है।

नौकरी प्रशिक्षण और कोचिंग के माध्यम से कर्मचारियों की मानव पूँजी के विकास में गेल की गहरी दिलचस्पी है। सीखने और विकास को उच्च प्राथमिकता देने के गेल के दर्शन के अनुरूप, संगठन के बौद्धिक और ज्ञान प्रबंधन विंग के रूप में, वर्ष 1997 में स्थापित गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई) ने इस वर्ष अपने गौरवशाली अस्तित्व के 25 वर्ष पूरे किए हैं। हमारे कौशल विकास प्रयासों के तहत कुल 325 प्रशिक्षुओं की संख्या वित्त वर्ष 2021–22 में कार्यरत थी जो संविदा कर्मचारियों सहित कुल कार्यबल का 6.69% है।

गेल चिकित्सा विभाग, मानव संसाधन विभाग के साथ, 24x7 ऑनलाइन परामर्श के माध्यम से समय पर और कुशल चिकित्सा देखभाल की उपलब्धता सुनिश्चित करने, कोविड–19 के सकारात्मक मामले में होम आइसोलेशन किट, और कर्मचारियों, उनके आश्रित परिवार के सदस्यों, और पीआरएमएस लाभार्थियों के लिए टीकाकरण शिविर का आयोजन करने हेतु अपने अथक प्रयास करता है। हमने यह सुनिश्चित करने के लिए अपने सभी प्रयासों और संसाधनों को संरेखित किया है कि हम अपने कर्मचारियों को वैश्विक महामारी से निपटने के लिए पर्याप्त ज्ञान और सहायता प्रदान करके, उनकी भावना को बनाए रखते हुए, कोविड –19 और उसके बाद के प्रभावों के खिलाफ उनकी लड़ाई में तैयार करें। परिवार की कठिनाइयों को कम करने के लिए शिक्षा, चिकित्सा और आवास की सुविधा प्रदान करके मृतक कर्मचारियों के आश्रितों की देखभाल के लिए व्यापक राहत उपायों को अधिसूचित किया गया है।

कोविड–19 दूसरी लहर (अप्रैल 2021–जून 2021) के चरम बिंदु के दौरान, "स्पर्श" नामक एक अनूठी पहल को फिर से शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य कोविड–संक्रमित कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को उपचारात्मक स्पर्श प्रदान करना था। "स्पर्श" टीम ने कर्मचारियों को जल्द से जल्द चिकित्सा संसाधन जैसे – दवा, बिस्तर, ऑक्सीजन सांद्रता, आदि प्रदान करने में दैनिक सहायता प्रदान की और कोविड टास्क फोर्स के साथ समन्वय किया।

लॉकडाउन की अवधि के दौरान, सुरक्षा कर्मियों ने सभी कार्यालयों/टाउनशिप/पाइपलाइन प्रतिष्ठानों में चौबीसों घंटे सुरक्षा सेवाएँ प्रदान कीं, जहाँ सुरक्षा का कोई उल्लंघन नहीं किया गया।

गेल के "हृदय कार्यक्रम" के तहत गेल की सीएसआर परियोजनाएँ जैसे – आरोग्य, उज्ज्वल, कौशल, उन्नति, सशक्त और हरित, समाज के दीर्घकालिक सतत विकास एवं समावेशी विकास में मदद देने के हमारे प्रयास का प्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व हैं। हमारी सामाजिक प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, गेल ने वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान सीएसआर गतिविधियों पर ₹ 204.97 करोड़ (पिछले तीन वर्षों के औसत शुद्ध लाभ का 3%) खर्च किया जो कि पिछले तीन वर्षों के औसत शुद्ध लाभ का 2% (₹ 136.46 करोड़) के वैधानिक रूप से अनिवार्य व्यय से अधिक है।

मेरा दृढ़ विश्वास है कि सतत विकास की संस्कृति संगठन में सामाजिक वातावरण की सामूहिक भावना को प्रोत्साहित करने और उसे बनाए रखने के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मक लाभ पैदा करने में मदद करती है। सतत व्यापार और व्यावसायिक सफलता को एक दूसरे का समर्थन करने की आवश्यकता है। हमारे संगठन की अनूठी ऊर्जा और क्षमता का उपयोग करके, सतत विकास रणनीति समाज और कंपनी के लिए मूल्य पैदा कर सकती है।

आयुष गुप्ता

निदेशक (मानव संसाधन)

गेल (इंडिया) लिमिटेड

- **14,500 किमी** का मौजूदा गैस पाइपलाइन नेटवर्क और अतिरिक्त **5,000 किमी** निर्माणाधीन
- गेल द्वारा प्रचालित कुल **46%** सीएनजी स्टेशन
- गेल द्वारा वित्त वर्ष 2022 में 11.5 लाख नए कनेक्शनों के साथ घरेलू पीएनजी कनेक्शन का कुल **67%** भारत में आपूर्ति किए गए
- पॉलीथीन पोर्टफोलियो में **दूसरा** सबसे बड़ा योगदानकर्ता
- पूरे भारत में **67** भौगोलिक क्षेत्रों में काम करने के लिए अधिकृत
- पेट्रोकेमिकल्स में **15%** घरेलू बाजार हिस्सेदारी

GRI 102-9, GRI 102-10, GRI 103-2, GRI 103-3

गेल की अखिल भारतीय आपूर्ति श्रृंखला

- गेल का 2025 तक 400 सीबीजी संयंत्र स्थापित करने का लक्ष्य
- देश के प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन में गेल की हिस्सेदारी 68% है
- भारत की गैस आधारित बिजली के लगभग 60% के लिए गैस की आपूर्ति
- 4.3 टीपीडी ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए सबसे बड़ा पीईएम इलेक्ट्रोलाइजर स्थापित किया।
- गेल ने वित्त वर्ष 2022 में देश में उर्वरक क्षेत्र में खपत होने वाली लगभग 69% गैस की आपूर्ति की।

GRI 103-2, GRI 103-3

2

गेल की झलकियाँ

माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने
बोकारो–अंगुल प्राकृतिक गैस पाइपलाइन राष्ट्र को समर्पित किया

श्री हरदीप सिंह पुरी, माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस और आवास एवं शहरी मामले मंत्री ने
गेल ग्रुप ऑफ कंपनीज के 166 सीएनजी स्टेशनों का उद्घाटन किया

GRI 102-12

गेल–एचपीसीएल मित्तल एनर्जी लिमिटेड (एचएमईएल) प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का उद्घाटन श्री मनोज जैन, गेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और श्री प्रभ दास, एचएमईएल के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ ने श्री दीपक गुप्ता, गेल के निदेशक (परियोजना) और अन्य की उपस्थिति में किया।

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष हेतु गेल (इंडिया) लिमिटेड की वार्षिक रिपोर्ट एवं वित्तीय विवरण ने 2020–21 के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया अवार्ड्स के अंतर्गत 'गोल्ड शील्ड' जीता है।

गेल ने भारत प्रकाशन लिमिटेड द्वारा हवा बदलो अभियान के लिए "ट्रेंड–सेटिंग क्रिएटिव मार्केटिंग कैंपेन कैटेगरी अवार्ड" जीता है। यह पुरस्कार श्री एम. वी. अय्यर, निदेशक (व्यापार विकास) और श्री राकेश कुमार जैन, निदेशक (वित्त) ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्राप्त किया।

गेल ने श्री पीयूष गोयल, माननीय केंद्रीय मंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग, कपड़ा, उपभोक्ता मामले एवं खाद्य और सार्वजनिक वितरण द्वारा प्रस्तुत आईसीएआई से लागत प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है। यह पुरस्कार श्री राकेश कुमार जैन, निदेशक (वित्त) और श्री दीपक गुप्ता, निदेशक (परियोजना) ने प्राप्त किया।

गेल को श्री अर्जुन राम मेघवाल, माननीय केंद्रीय संसदीय कार्य और संस्कृति राज्य मंत्री द्वारा गैस क्षेत्र हेतु निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए गोल्डन पीकॉक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। श्री राकेश कुमार जैन, निदेशक (वित्त) ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किया।

गेल ने 2023 के अंत तक हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने के लिए मध्य प्रदेश के गुना में 99.99% शुद्धता के 4.3 टीपीडी ग्रीन हाइड्रोजन (लगभग 10 मेगावाट क्षमता) के उत्पादन के लिए सबसे बड़ा पीईएम इलेक्ट्रोलाइज़र स्थापित करने का अनुबंध किया है।

कार्यनिष्पादन की झलकियाँ

वित्तीय निष्पादन – एकल

कारोबार (सकल) (करोड़ रुपये)

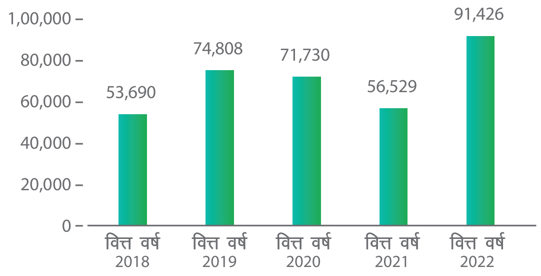

सकल मार्जिन (ईबीआईटीडीए) (करोड़ रुपये)

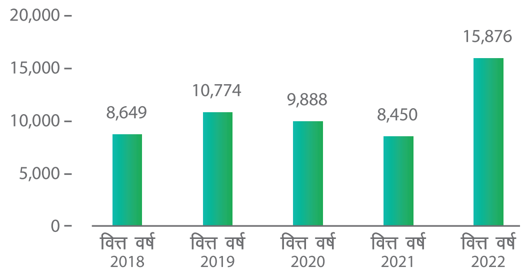

कर पूर्व लाभ (पीबीटी) (करोड़ रुपये)

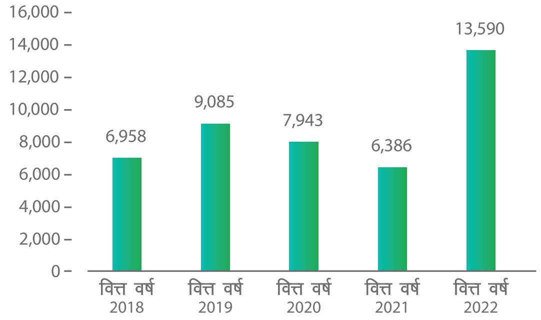

कर पश्चात लाभ (पीएटी) (करोड़ रुपये)

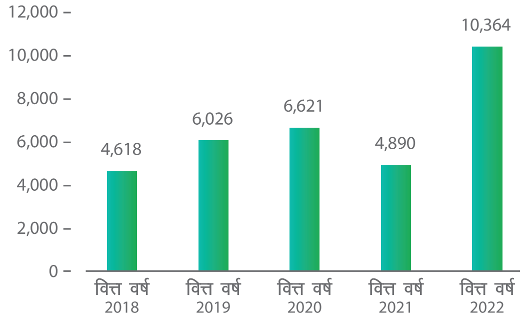

नियोजित पूँजी (करोड़ रुपये)

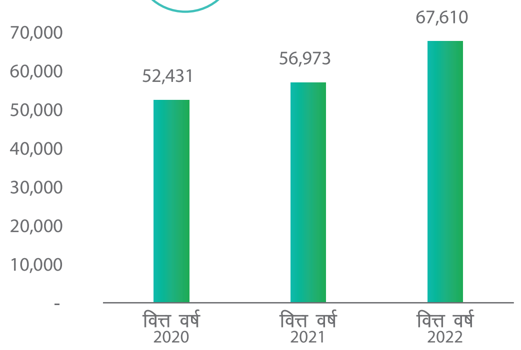

शुद्ध संपत्ति* (करोड़ रुपये)

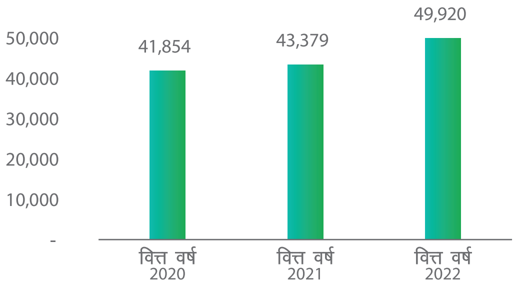

*कम्पनी अधिनियम के अनुसार

आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय कार्यनिष्पादन

आर्थिक मूल्य सृजित बनाम वितरित* (करोड़ रुपये)

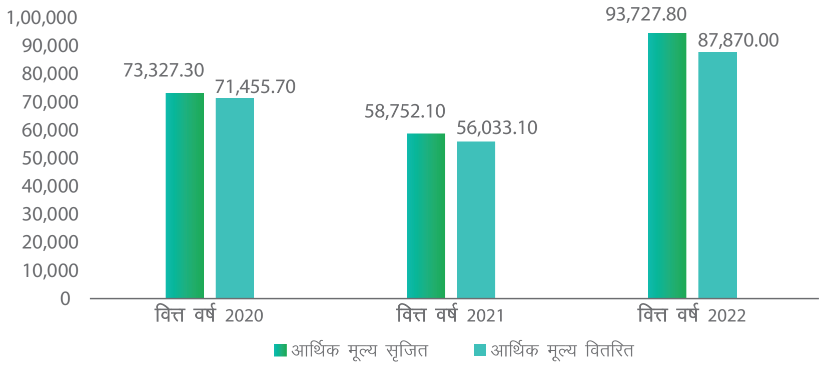

*आर्थिक मूल्य सृजित, और वितरित गणना पद्धति अन्य रिपोर्ट की गई सूचनाओं से अलग है

खरीद की मुख्य विशेषताएँ (करोड़ रुपये)

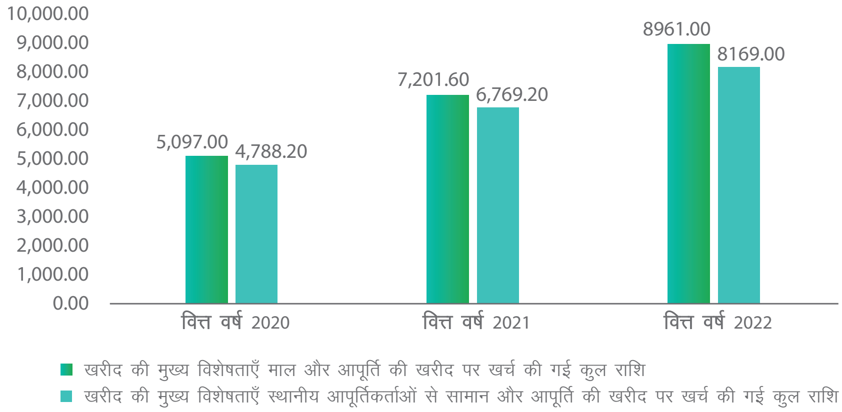

अनुसंधान एवं विकास व्यय (करोड़ रुपये)

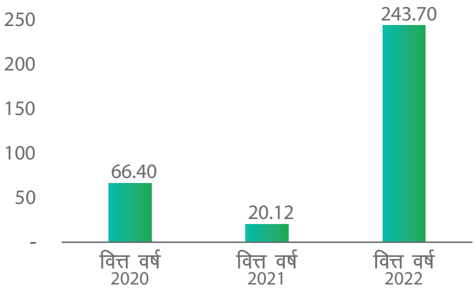

प्रचालन लागत (करोड़ रुपये)

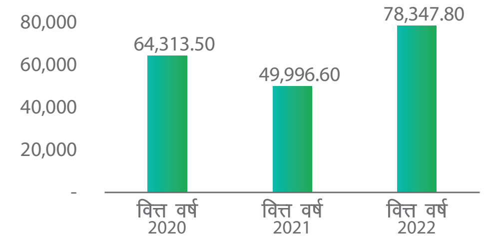

GRI 201-1, GRI 204-1

आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय कार्यनिष्पादन

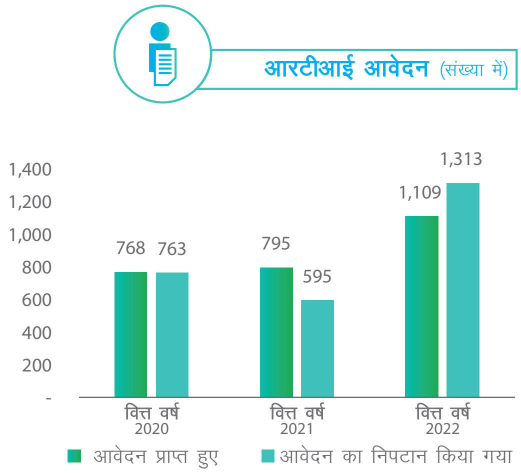

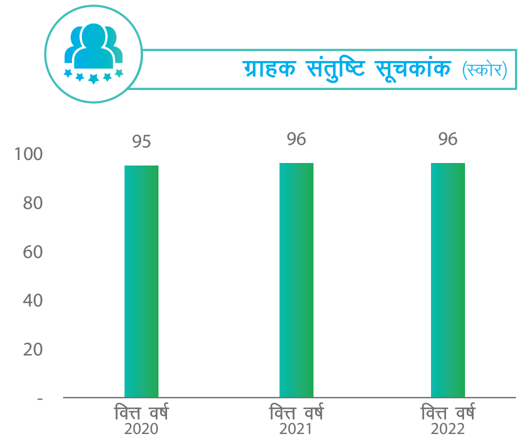

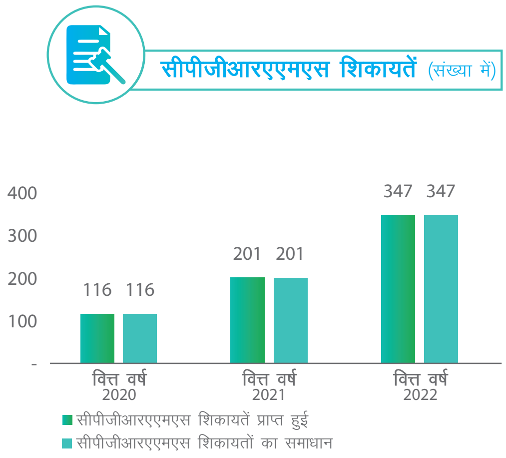

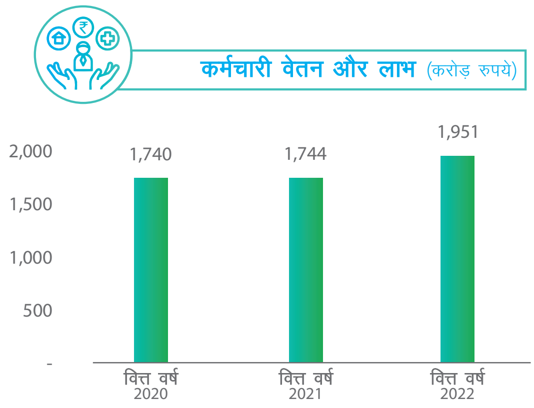

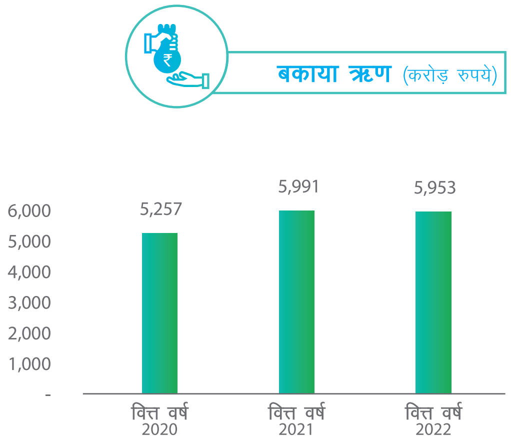

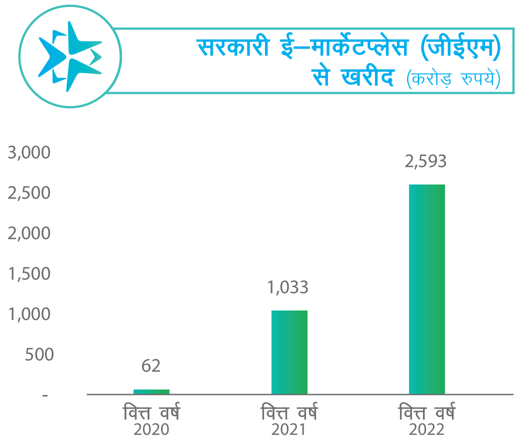

*पट्टा देयता को छोड़कर

आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय कार्यनिष्पादन

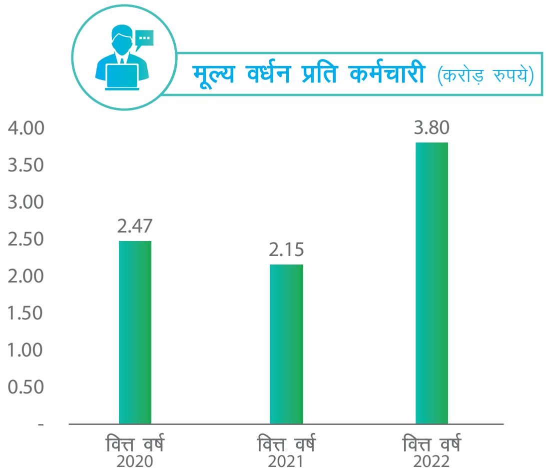

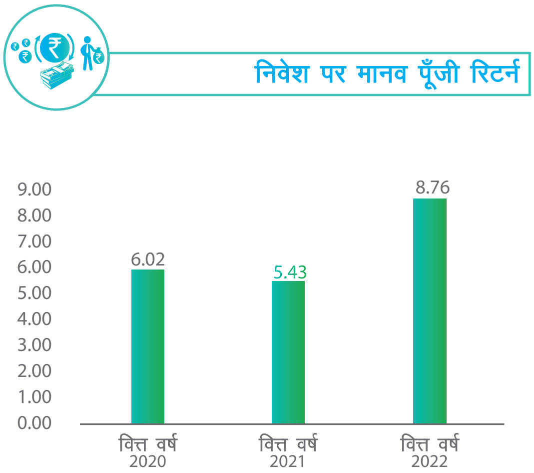

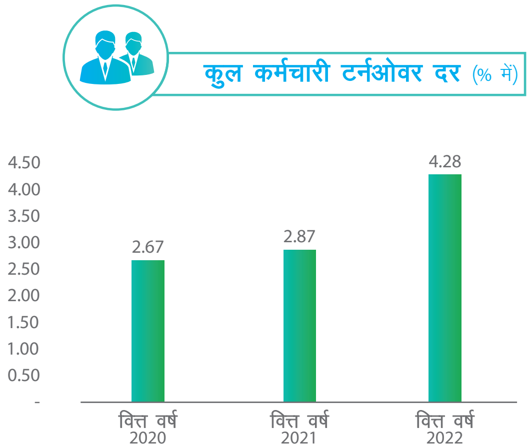

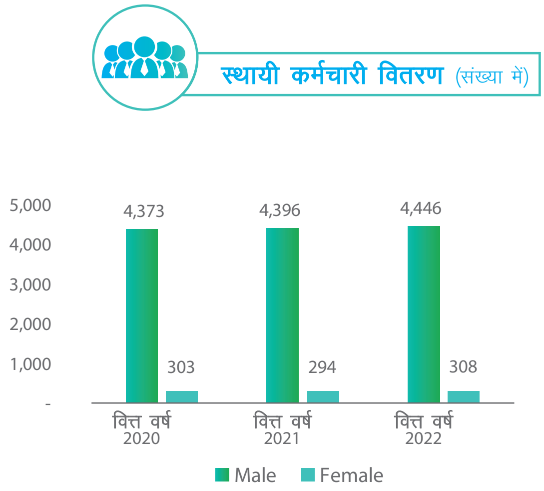

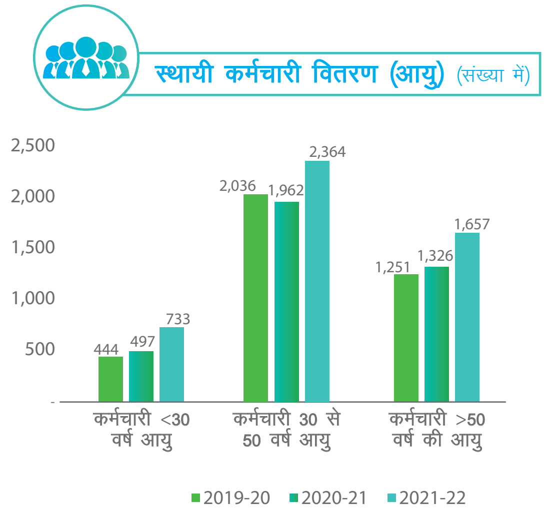

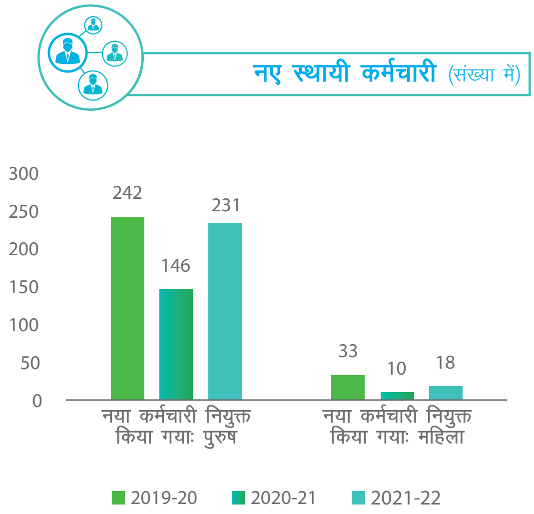

GRI 401-1, GRI 405-1

आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय कार्यनिष्पादन

ऊर्जा की खपत (जीजे में)

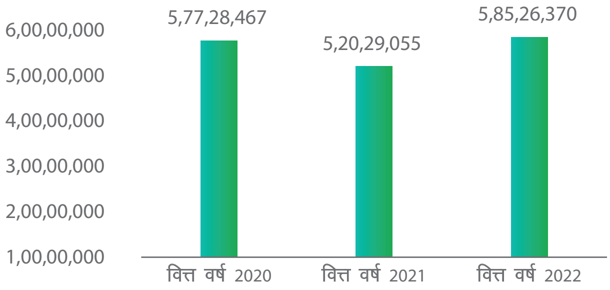

ऊर्जा बचत (जीजे में)

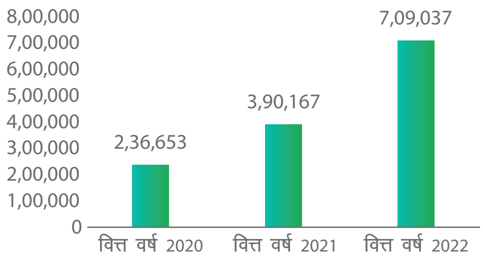

कार्यस्थल/कार्यालयों पर कार्यान्वित ऊर्जा–बचत पहलों के आधार पर बचत की सूचना दी जाती है

जीएचजी उत्सर्जन (टीसीओ$_2$ई)

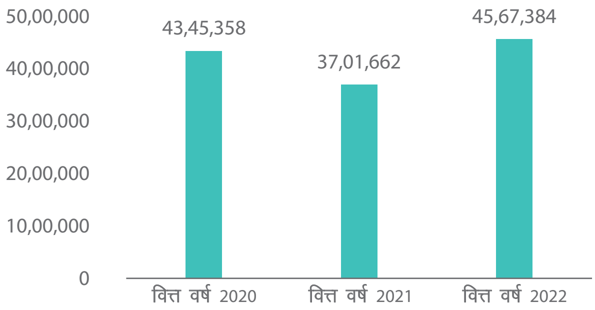

जीएचजी बचत (टीसीओ$_2$ई)

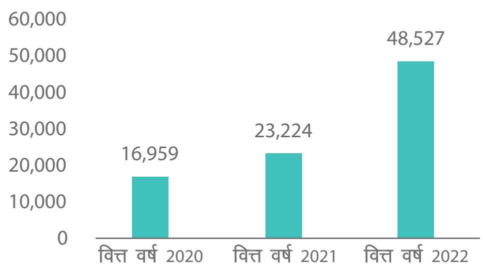

कार्यस्थल/कार्यालयों पर कार्यान्वित ऊर्जा बचत पहलों के आधार पर बचत की सूचना दी जाती है

जीएचजी तीव्रता (स्कोप 1+2)
(टीसीओ$_2$ई)/करोड़ रुपये में कारोबार)

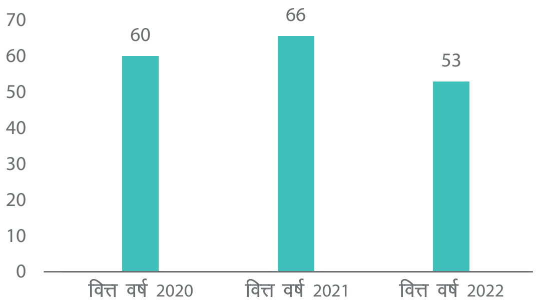

GRI 302-1, GRI 302-2, GRI 302-3, GRI 302-4, GRI 305-1, GRI 305-2, GRI 305-3, GRI 305-4, GRI 305-5

आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय कार्यनिष्पादन

पानी की खपत (मिलियन मी^{3} में)

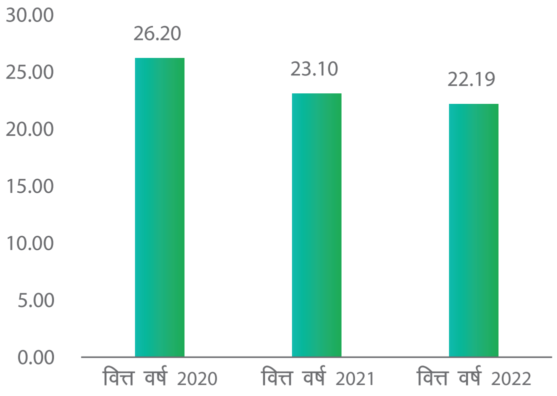

जल पुनर्चक्रण (मिलियन मी^{3} में)

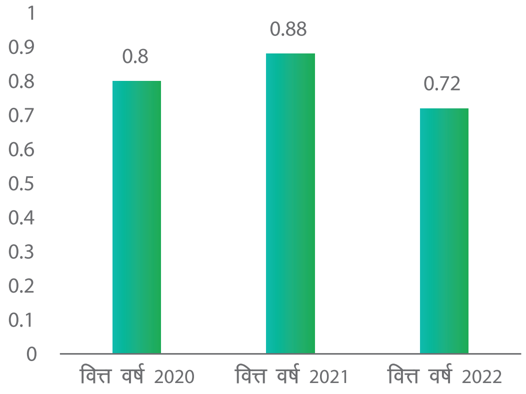

अपशिष्ट पुनर्चक्रण (खतरनाक और गैर–खतरनाक सहित)

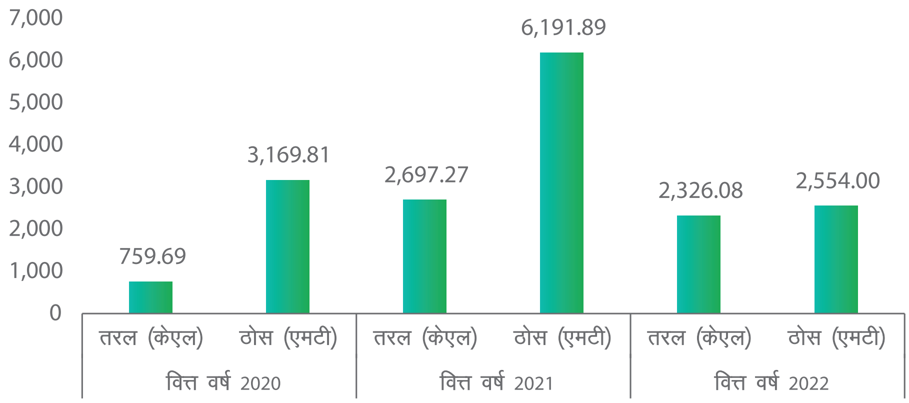

स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण स्कोर

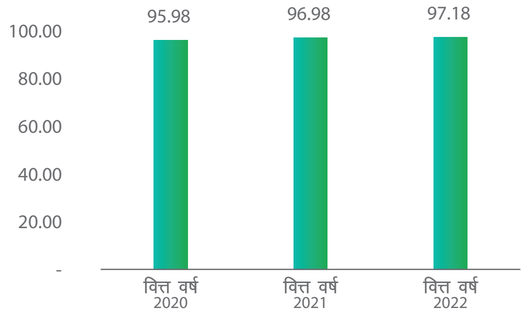

कुल नियर मिस केस (संख्या में)

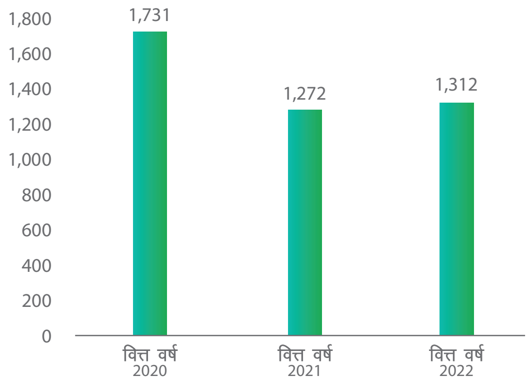

GRI 303-5

आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय कार्यनिष्पादन

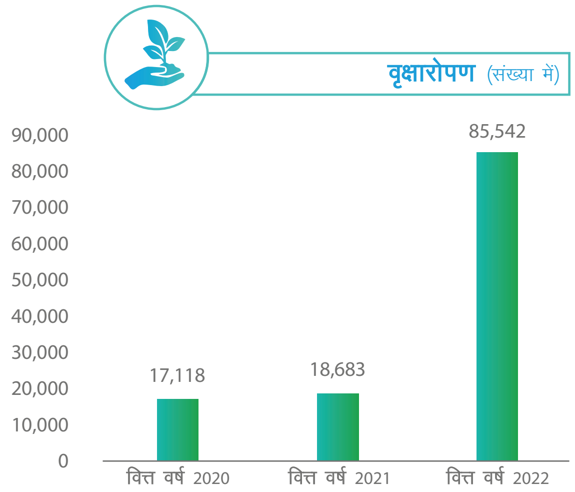

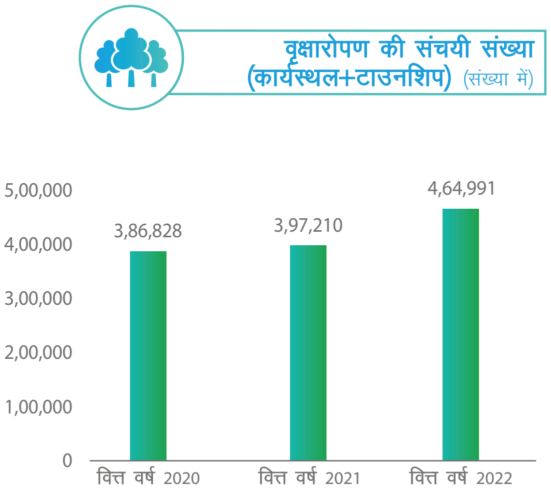

हम अपने सतत विकास पोर्टल में विभिन्न साइटों/कार्यालयों से वृक्षारोपण आँकड़ा संग्रह की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित कर रहे हैं।

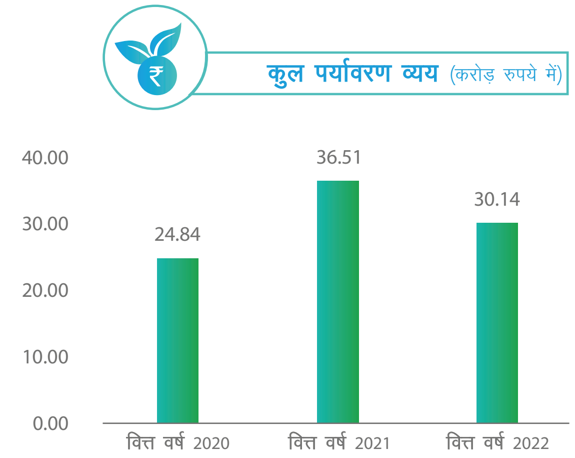

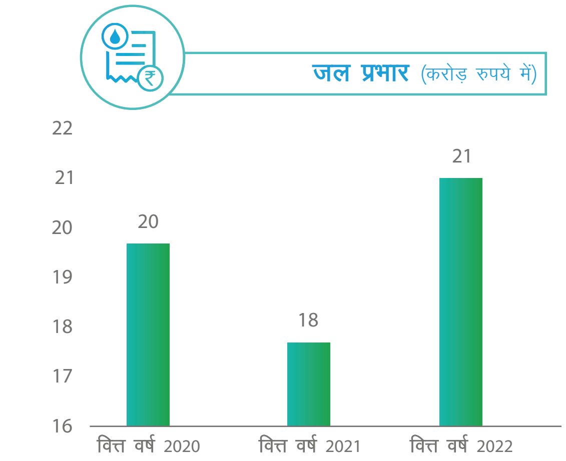

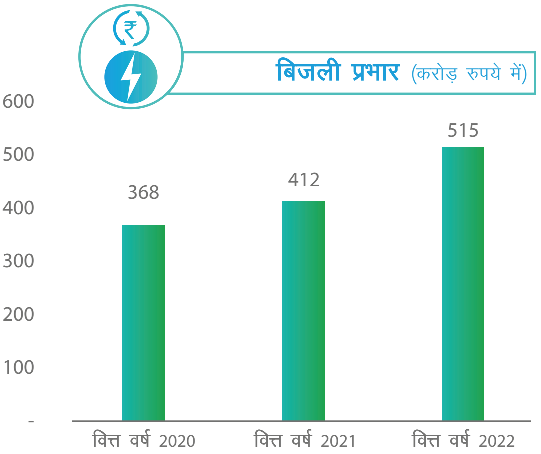

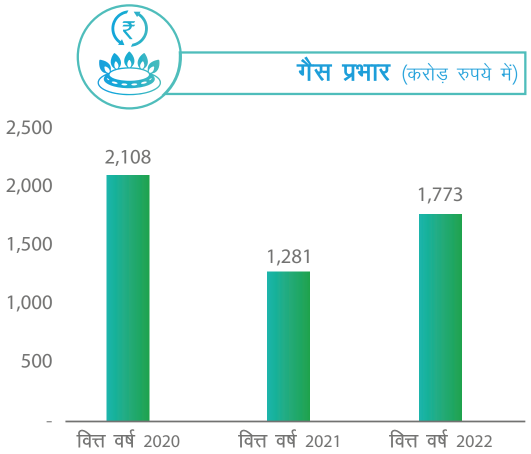

प्रचालन कार्यनिष्पादन

तरल हाइड्रोकार्बन बिक्री (टीएमटी)

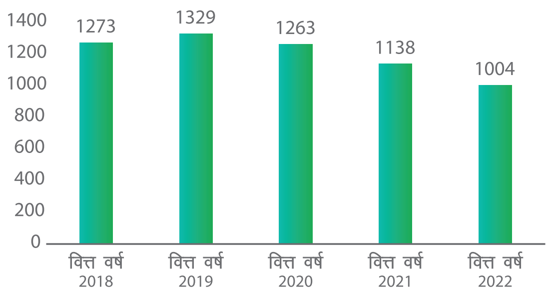

पेट्रोकेमिकल्स बिक्री (टीएमटी)

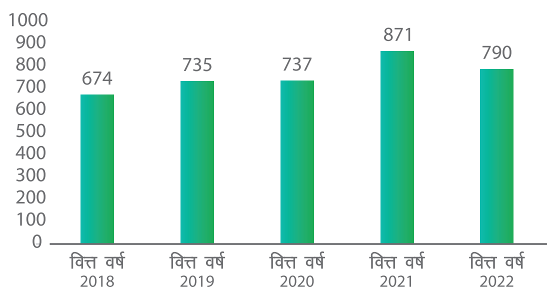

एलपीजी ट्रांसमिशन (टीएमटी)

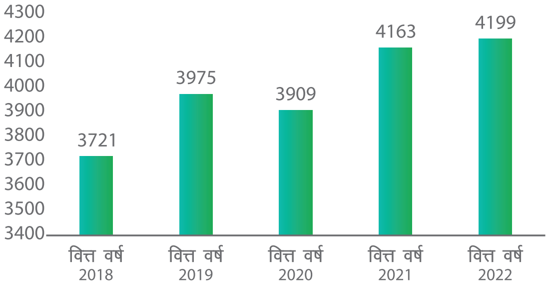

गैस वॉल्यूम ट्रेंड (एमएमएससीएमडी)

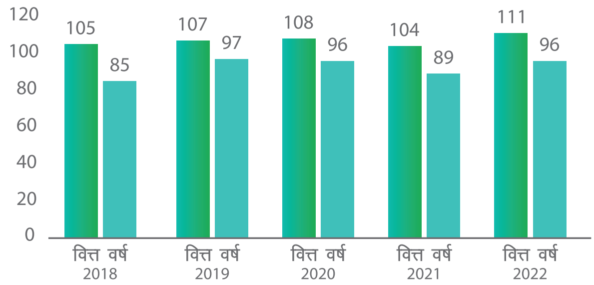

प्रशिक्षण दक्षता स्कोर

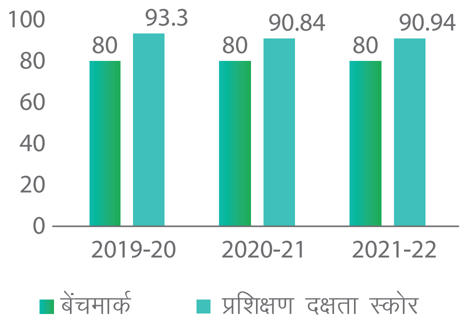

गेल की डिजिटल रिकॉर्ड यात्रा

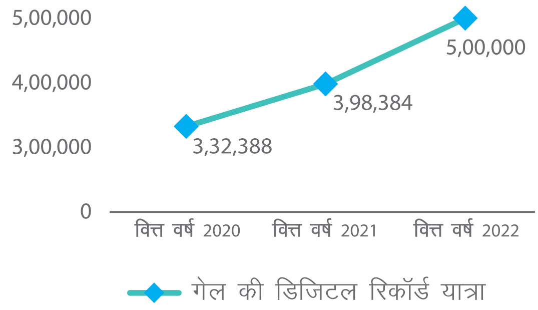

गैस सोर्सिंग और क्षेत्रवार आपूर्ति (वित्त वर्ष 2021–22)

(कुल 96.24 एमएमएससीएमडी, % शेयर)

44.69 एमएमएससीएमडी

41.86 एमएमएससीएमडी

9.69 एमएमएससीएमडी

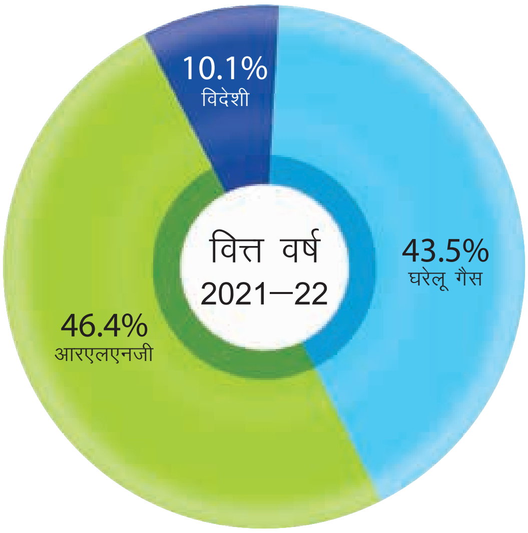

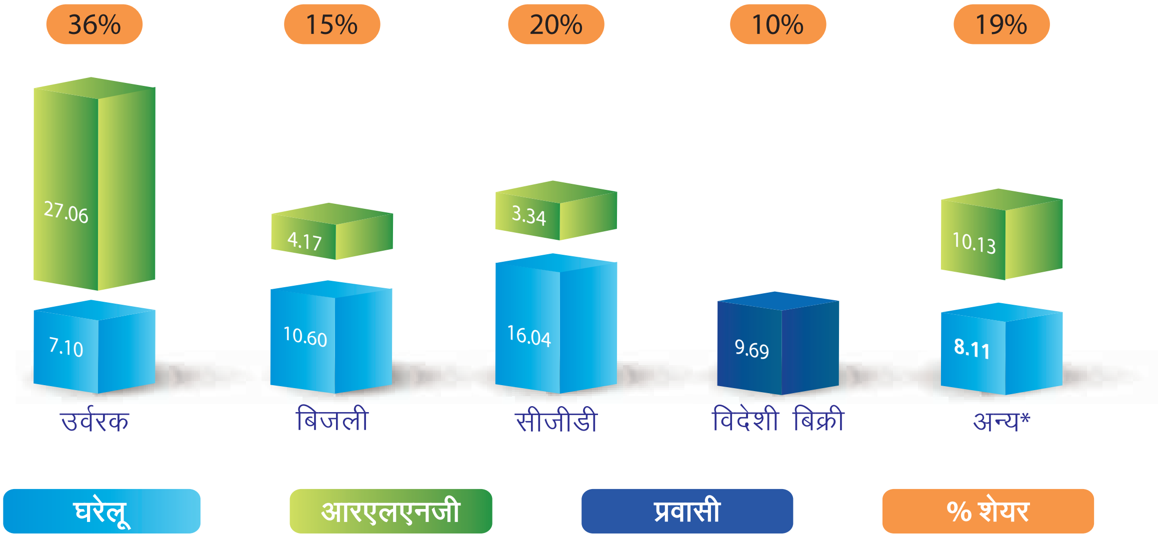

- आयातित गैस में मुख्य रूप से दीर्घकालिक आरएलएनजी और स्पॉट शामिल होते हैं
- घरेलू गैस के प्रमुख स्रोत ओएनजीसी (एपीएम और एमडीपी), रावा, रावा उपग्रह, सीबीएम आदि हैं।

**अन्य में स्टील, रिफाइनरी, स्पंज आयरन, पेट्रोकेमिकल्स, गेल आंतरिक खपत आदि शामिल हैं

कुल आय के प्रतिशत के रूप में लागत और लाभ

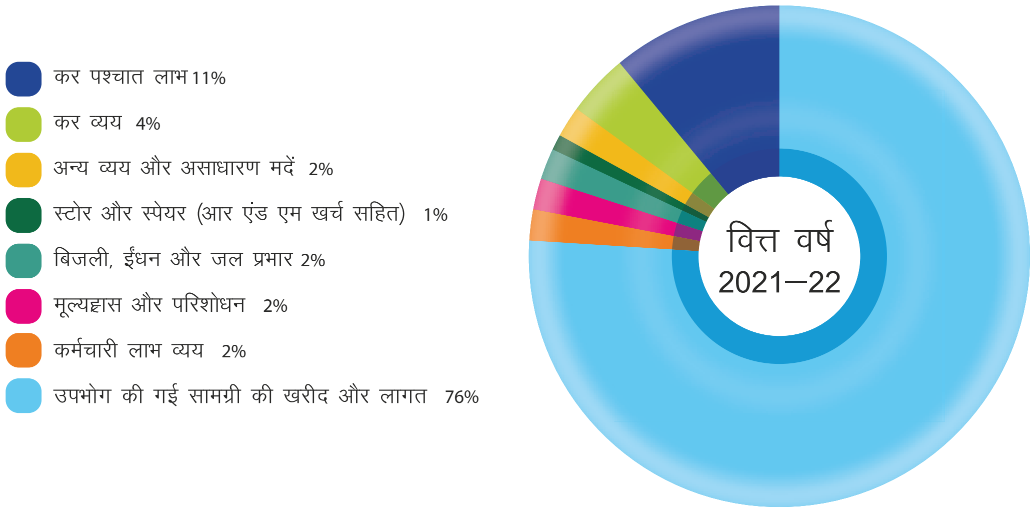

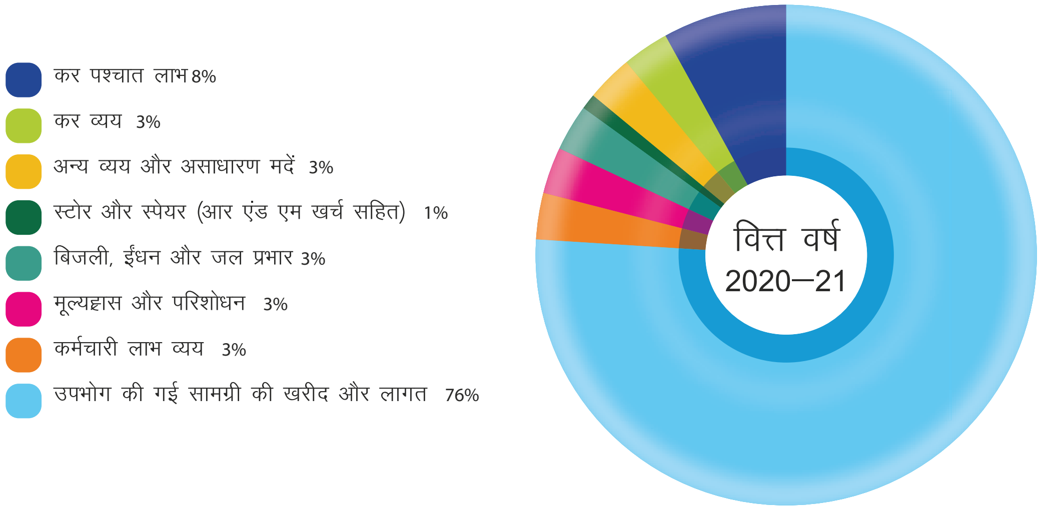

3

गेल देश भर में **14,500 कि.मी.** प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क का प्रचालन कर रही है

गेल ने **4.3 टीपीडी** ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए सबसे बड़ा पीईएम इलेक्ट्रोलाइजर स्थापित करने का अनुबंध किया है

कुल नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता **131.75 मे.वा.** (117.95 मे.वा. पवन ऊर्जा और 13.8 मे.वा. सौर ऊर्जा)

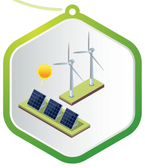

गेल एक नज़र में

3.1 गेल का अवलोकन

38 वर्षों के विशिष्ट इतिहास के साथ, गेल (इंडिया) लिमिटेड ने अगस्त 1984 में अपनी यात्रा शुरू की थी और आज देश के अग्रणी प्राकृतिक गैस वितरक के रूप में अत्यंत गर्व के साथ मौजूद है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत, इस केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) को भारत सरकार द्वारा 2013 में एक प्रतिष्ठित महारत्न का दर्जा दिया गया था। यह यात्रा पाइपलाइन बिछाने से लेकर कम समय में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ–साथ सिंगापुर में सहायक कंपनियों के साथ, एक सराहनीय वैश्विक उपस्थिति तक फैली हुई है।

अन्वेषण, उत्पादन, प्रसंस्करण, ट्रांसमिशन, वितरण और विपणन सहित प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला में विविध रुचि के साथ, सम्पूर्ण देश में 14,500 किमी प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क और 2,023 किमी एलपीजी पाइपलाइनों का प्रचालन करके हम भारतीय ऊर्जा क्षेत्र के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। गेल को भारत में सिटी गैस प्रोजेक्ट स्थापित करने, सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यम कंपनियों के माध्यम से घरों, व्यवसायों और परिवहन उद्योग को गैस की आपूर्ति करने में अग्रणी के रूप में मान्यता प्राप्त है।

हम स्वच्छ ऊर्जा और उससे आगे के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के मिशन पर काम कर रहे हैं। इस दिशा में एक कदम हमारे मौजूदा व्यापार पोर्टफोलियो में सौर, पवन और जैव ईंधन जैसे हरित ऊर्जा रूपों को एकीकृत करना भी है। इसके साथ, हम मूल्य श्रृंखला में सभी हितधारकों के लिए अधिकतम मूल्य उत्पन्न करने का भी इरादा रखते हैं।

कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए वैश्विक और राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के अनुरूप, हमने पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार कॉर्पोरेट की छवि के साथ अपनी भूमिका को मजबूत करने के लिए, एक रणनीतिक कार्य योजना तैयार की है। इस रणनीति के अंतर्गत, अक्षय ऊर्जा से लेकर प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों के विस्तार और इलेक्ट्रिक वाहनों, नवाचार और डिजिटलीकरण पर ध्यान केंद्रित करने वाले स्टार्ट–अप जैसे कई क्षेत्रों में जोखिमों को कम करके और अवसरों से फायदा उठाकर इस गतिशील बाजार में अपनी अनुकूलन क्षमता में इज़ाफा करना भी है।

भारत के कुल गैस ट्रांसमिशन और व्यापार में गेल की हिस्सेदारी लगभग 66 प्रतिशत है। गेल और उसकी अनुषंगियों/संयुक्त उद्यमों का भी शहर गैस वितरण बाजार में एक बड़ा बाजार हिस्सा है। हमारे पास एक बड़ा एलएनजी पोर्टफोलियो भी है और हम अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहे हैं। उदार व्यापार मॉडल बनाकर, बाजार की स्थिति का लाभ उठाकर, और मूल्य–सृजन क्षेत्रों को मजबूत करके, हमारा उद्देश्य प्रत्येक कंपनी क्षेत्र को अपनी पूरी क्षमता का एहसास करने में सहायता करना है।

GRI 102-2, GRI 102-7, GRI 102-1, GRI 102-5, GRI 102-4, GRI 102-6

दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ, हम अनुसंधान एवं विकास, सहयोग, अधिग्रहण और विस्तार के माध्यम से आने वाले वर्षों में राष्ट्र को ऊर्जा प्रदान करने का प्रयास कर रहे हैं। सतत विकास के विचार उन सभी प्रचालनों में शामिल हैं, जहाँ हमारा अक्षय ऊर्जा पोर्टफोलियो आज 131.75 मेगावाट है और अगले 3–4 वर्षों में 1गीगावाट तक पहुँचने का इरादा है। इसके अलावा, नए व्यापार अन्वेषण होते रहते हैं। उनमें से कुछ हैं – इथेनॉल सम्मिश्रण के लिए एक इथेनॉल संयंत्र की स्थापना, स्वर्णिम चतुर्भुज और प्रमुख राजमार्गों के साथ 23 एलएनजी स्टेशनों की स्थापना, और मोबाइल सीएनजी स्टेशनों की स्थापना।

गेल का मुख्यालय, नई दिल्ली, भारत में स्थित है। गेल एक सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है। 31 मार्च 2022 तक, प्रदत्त इक्विटी पूँजी में सबसे बड़ा हिस्सा 51.45% भारत सरकार का है, जबकि एफपीआई 19.49%, म्यूचुअल फंड/यूटीआई के पास 9.06% है, ओएनजीसी के पास 4.91%, एलआईसी यूलिप ग्रोथ–फंड के पास 5.62%, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के पास 2.45%, वित्तीय संस्थानों/ बैंकों के पास 0.08% और अन्य की हिस्सेदारी 6.94% है। कंपनी सूचीबद्ध है और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) दोनों पर सार्वजनिक रूप से कारोबार करती है।

गेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री मनोज जैन ने एकेएएम मेगा शो के उद्घाटन सत्र में गेल मंडप का उद्घाटन किया

GRI 102-3, GRI 102-5, GRI 201-4

3.2 गेल का विज़न एवं मिशन

विज़न

"प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला और इत्तर क्षेत्रों में वैश्विक उपस्थिति हितधारकों के लिए मूल्य सृजन और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के साथ अग्रणी बनाना।"

मिशन

"स्वच्छ ऊर्जा और इतर के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाना।"

GRI 102-16

3.3 गेल नेटवर्क

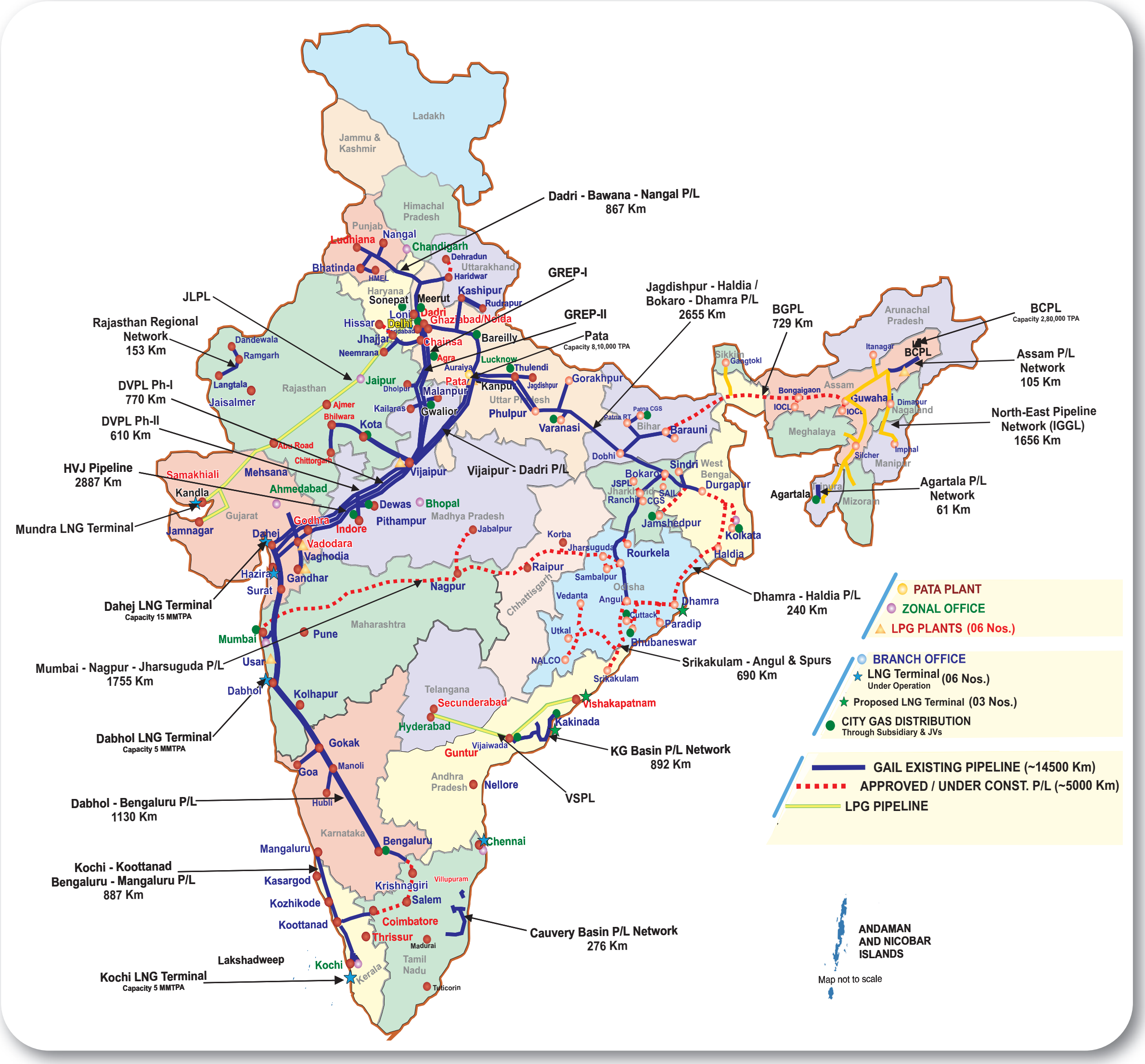

भारतीय अर्थव्यवस्था स्वस्थ विकास पथ पर है। बढ़ती आबादी के साथ–साथ बढ़ती अर्थव्यवस्था देश में प्राथमिक ऊर्जा संसाधनों जैसे कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और नवीकरणीय ऊर्जा की खपत में वृद्धि करने जा रही है।

उपलब्ध ऊर्जा स्रोतों में, प्राकृतिक गैस, पर्यावरण अनुकूल स्वच्छ ईंधन होने के कारण, पर्यावरणीय चुनौतियों के साथ–साथ निरंतर बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं के समाधान प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की क्षमता रखती है। तदनुसार, भारत सरकार ने प्राथमिक ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को 6.7 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने के लिए देश–भर में ईंधन/फीडस्टॉक के रूप में प्राकृतिक गैस के उपयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया है।

गैस पाइपलाइन ढाँचा, गैस के स्रोतों को गैस की खपत करने वाले बाजारों से जोड़कर, प्राकृतिक गैस के परिवहन का एक किफायती और सुरक्षित साधन है। गैस पाइपलाइन व्यावहारिक रूप से गैस बाजार की संरचना और उसके विकास को निर्धारित करती है। इसलिए, देश के सभी हिस्सों में प्राकृतिक गैस की पर्याप्त उपलब्धता और समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए एक इंटरकनेक्टेड नेशनल गैस ग्रिड की परिकल्पना की गई है।

भारत के लिए, एक गैस आधारित अर्थव्यवस्था महत्वपूर्ण है और "एक राष्ट्र, एक गैस ग्रिड" के लक्ष्य की दिशा में प्रगति हो रही है। एक राष्ट्र, एक गैस ग्रिड कई क्षेत्रीय नेटवर्कों के एकीकरण को संदर्भित करता है, जिसके परिणामस्वरूप केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और सार्वजनिक और वाणिज्यिक क्षेत्रों जैसे विभिन्न हितधारकों को प्राकृतिक गैस से उत्पन्न ऊर्जा की आपूर्ति के लिए एक राष्ट्रीय ग्रिड का निर्माण होता है।

GRI 102-4, GRI 102-6, GRI 103-2, GRI 103-3

3.1.1 राष्ट्रीय गैस ग्रिड

गेल, भारत सरकार के उद्देश्य के अनुरूप, प्राकृतिक गैस प्रणाली का विस्तार करके गैस आधारित अर्थव्यवस्था स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रही है। गेल हमारे देश के गैस बुनियादी ढाँचे में सुधार कर रही है, गैस आपूर्ति को प्रमुख माँग केंद्रों से जोड़ रही है, और प्राकृतिक गैस उपलब्धता में क्षेत्रीय असंतुलन को कम कर रही है। देश भर में लगभग 14,500 किमी प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क, गैस मूल्य श्रृंखला में विविध रुचि के साथ प्रचालित कर रही है।

हमारी प्रमुख गैस पाइपलाइनें (निर्माणाधीन):

क्रम संख्या	पाइपलाइन परियोजना	क्रियान्वना–धीन	जिन राज्यों से पाइपलाइन गुजरेगी
1	जगदीशपुर–हल्दिया–बोकारो धामरा पाइपलाइन	36.19	झारखंड (88 किमी), पश्चिम बंगाल (433 किमी), और ओडिशा (492 किमी)
2	मुंबई–नागपुर–झारसुगुड़ा पाइपलाइन	18.12	महाराष्ट्र (963 किमी), मध्य प्रदेश (255 किमी), छत्तीसगढ़ (448 किमी) और ओडिशा (89 किमी)
3	कोच्चि–कुट्टानाड बेंगलुरु मंगलुरु पाइपलाइन	22.56	तमिलनाडु (312 किमी)
4	अंगुल–श्रीकाकुलम पाइपलाइन	0.95	आंध्र प्रदेश (125 किमी) और ओडिशा (619 किमी)
5	बरौनी–गुवाहाटी पाइपलाइन	20.99	बिहार (278 किमी), पश्चिम बंगाल (189 किमी), और असम (262 किमी)
6	धर्मा–हल्दिया पाइपलाइन	4.64	ओडिशा (154 किमी) और पश्चिम बंगाल (99 किमी)
7	सीजेएचपीएल का सुल्तानपुर–झज्जर–हिसार खंड	2.36	हरियाणा (135 किमी)
8	डीबीपीएनएल का हरिद्वार–ऋषिकेश–देहरादून खंड	90.65	उत्तराखंड (50 किमी)

3.4 हमारी सामाजिक पहुँच

इस रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, गेल ने समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए कई परियोजनाएँ शुरू की हैं। वित्त वर्ष 2021–22 में कुल 25 लाख से अधिक लोग सीएसआर परियोजनाओं – गेल आरोग्य, गेल कौशल, गेल उज्ज्वल, गेल सक्षम, गेल सशक्त, गेल हरित, गेल उन्नति, अन्य (कोविड राहत एवं आपदा प्रबंधन) के माध्यम से लाभान्वित हुए हैं।

गेल हमेशा अपने समाज के विकास के लिए प्रतिबद्ध है, वित्त वर्ष 2021– 22 में गेल ने अपनी विभिन्न सामाजिक परियोजनाओं पर 204.97 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जो 2% के अनिवार्य योगदान के मुकाबले पीएटी के 3% के बराबर है।

कुल खर्च में से, विभिन्न पहलों (पीएम केयर्स फंड, पीएसए प्लांट्स, ऑक्सीजन कॉन्संट्रेटर्स, रेगुलेटर्स, पीपीई किट/मास्क/सैनिटाइज़र) के माध्यम से कोविड–19 महामारी के उन्मूलन के लिए लगभग 65 करोड़ रुपये का योगदान दिया गया है।

3.5 हमारी सहायक कंपनियाँ एवं संयुक्त उद्यम

गेल ने शहर गैस वितरण और पेट्रोकेमिकल्स के लिए सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यम कंपनियों का गठन किया है। गेल भारत में सहायक कंपनियों/संयुक्त उद्यम कंपनियों का गठन करके घरों, वाणिज्यिक उपयोगकर्ताओं और परिवहन क्षेत्र में गैस की आपूर्ति के लिए शहर गैस परियोजनाओं की शुरुआत करने वालों में से एक है।

GRI 102-2, GRI 102-6, GRI 102-7, GRI 102-10

गेल के सहयोगी/संयुक्त उद्यम

अवंतिका गैस लिमिटेड (एजीएल) **49.99%**	इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) **22.5%**
बंगाल गैस कंपनी लिमिटेड **77.20%**	महाराष्ट्र प्राकृतिक गैस लिमिटेड (एमएनजीएल) **22.5%**
भाग्यनगर गैस लिमिटेड (बीजीएल) **48.73%**	ओएनजीसी पेट्रो–एडिशंस लिमिटेड (ओपीएएल) **49.21%**
ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड **70%**	ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी (ओटीपीसी) **26%**
सेंट्रल यू.पी. गैस लिमिटेड (सीयूजीएल) **25%**	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल) **12.5%**
चाइना गैस होल्डिंग्स लिमिटेड (चाइना गैस) **2.71%**	रामागुंडम फर्टिलाइजर एंड केमिकल लिमिटेड **14.72%**
फ्यूम गैस कंपनी (फयूम गैस) **19%**	एलएलसी भारत ऊर्जा कार्यालय **20%**
ग्रीन गैस लिमिटेड (जीजीएल) **49.97%**	तापी पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड (टीपीसीएल) **5.0%**
इन्द्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड **20%**	तालचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड **33.33%**
महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) **32.5%**	वडोदरा गैस लिमिटेड (वीजीएल) **50%**

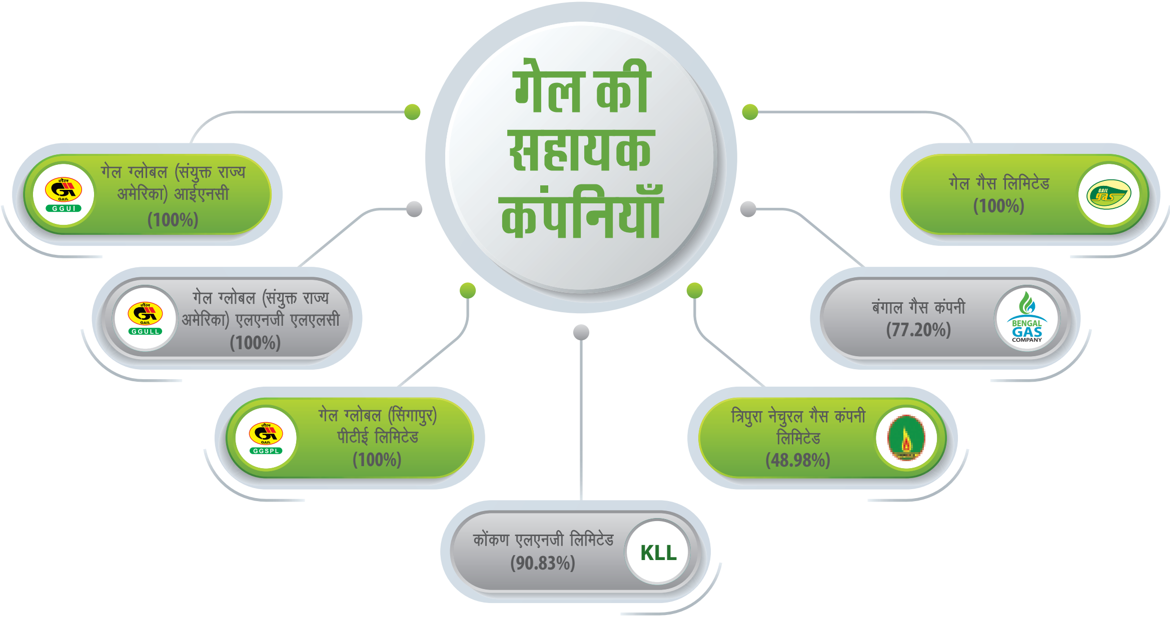

3.6 हमारी यात्रा

38 वर्षों की ऊर्जावान संभावनाएँ

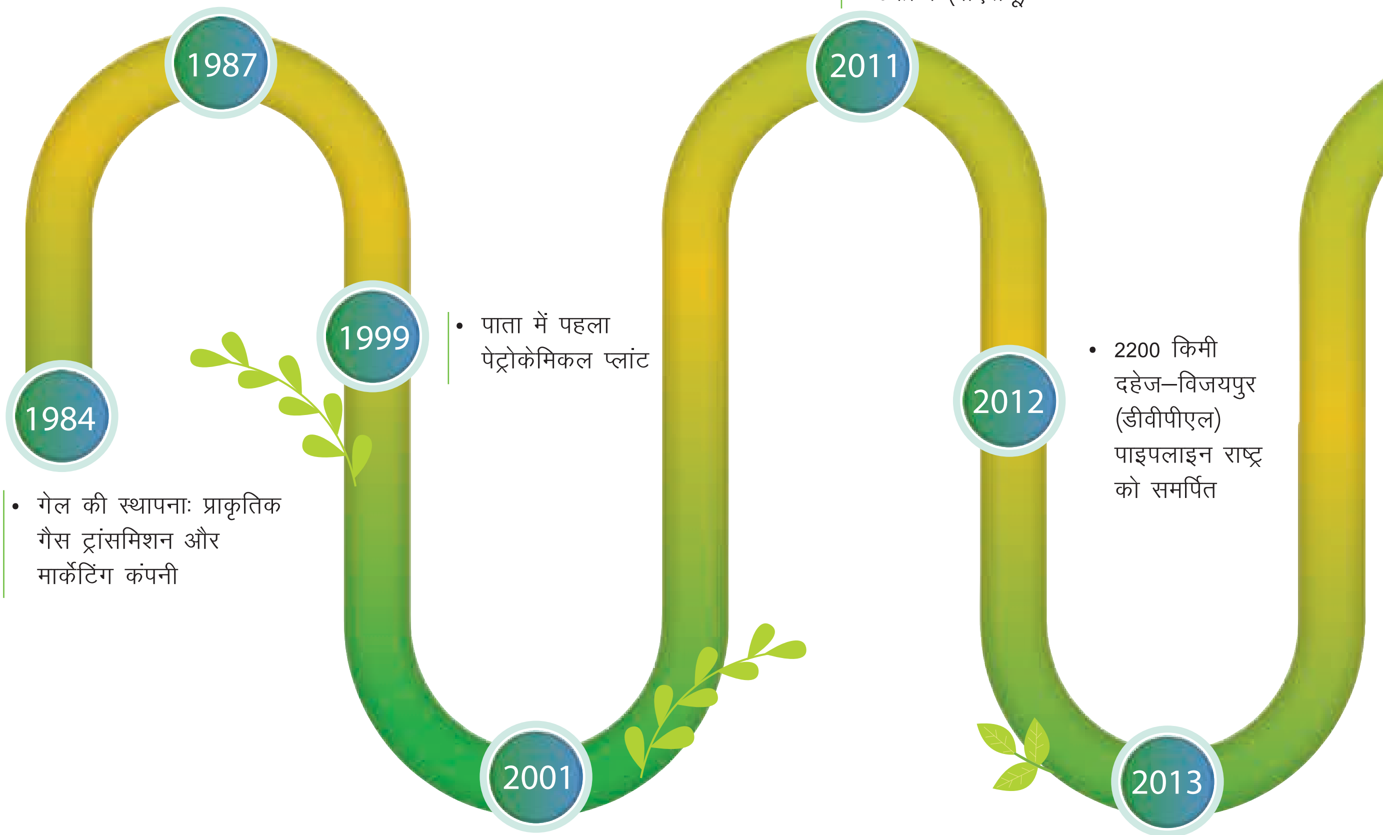

- 1984: गेल की स्थापना: प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन और मार्केटिंग कंपनी
- 1987: भारत की पहली प्राकृतिक गैस पाइपलाइन– हजीरा–विजयपुर–जगदीशपुर (एचवीजे) प्रारम्भ
- 1999: पाता में पहला पेट्रोकेमिकल प्लांट
- 2001: जेएलपीएल, भारत की पहली एलपीजी ट्रांसमिशन पाइपलाइन प्रारम्भ हुई
- 2011: अमेरिका के भीतर अमेरिकी सहायक कंपनी में शेल गैस एक्रेज हासिल करने वाला पहला सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (पीएसयू)
- 2012: 2200 किमी दहेज–विजयपुर (डीवीपीएल) पाइपलाइन राष्ट्र को समर्पित
- 2013:
  - महारत्न का दर्जा हासिल किया
  - दाभोल टर्मिनल और दाभोल–बेंगलुरु प्राकृतिक गैस पाइपलाइन प्रारम्भ
  - यूएस में कोव प्वाइंट एलएनजी टर्मिनल में क्षमता बुकिंग

GRI 102-7

2015

- जगदीशपुर–हल्दिया और बोकारो–धामरा पाइपलाइन परियोजना का निर्माण कार्य शुरू
- पाता में दुगुनी पेट्रोकेमिकल उत्पादन क्षमता बढ़ी

2016

- ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स राष्ट्र को समर्पित

2017

- बेंगलुरु सीजीडी परियोजना का उद्‌घाटन
- कटक में सीएनजी स्टेशनों का उद्‌घाटन
- भुवनेश्वर में पीएनजी की आपूर्ति शुरू

2018

- वाराणसी सीजीडी परियोजना का उद्‌घाटन
- संयुक्त राज्य अमेरिका से भारत का पहला एलएनजी कार्गो गेल के पहले चार्टर–किराए पर लिए जहाज में प्राप्त किया गया
- रूस के साथ दीर्घकालिक अनुबंध के तहत पहला एलएनजी कार्गो प्राप्त हुआ

2019

- तालचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) के कार्य का शुभारंभ
- जमशेदपुर सीजीडी परियोजना का उद्‌घाटन
- रांची सीजीडी परियोजना और पटना सीजीडी परियोजना का उद्‌घाटन

2020

- FTSE4 अच्छा सूचकांक समावेश जारी है
- जेएचबीडीपीएल पाइपलाइन के तहत गेल को प्रदान किए गए सभी छह सीजीडी ने अपना प्रचालन शुरू कर दिया है

2021

- 1 गीगावाट अक्षय ऊर्जा का लक्ष्य
- गेल ने दो साइटों – वाघोडिया और विजयपुर के लिए ग्रीनको सिल्वर रेटिंग प्राप्त की है
- कोच्चि–मंगलुरु प्राकृतिक गैस पाइपलाइन राष्ट्र को समर्पित

2022

- गेल ने नेट जीरो एक्शन प्लान तैयार किया
- गेल पाता को सीआईआई ग्रीनको द्वारा "गोल्ड लेवल" रेटिंग से सम्मानित किया गया

4

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन **(COP26)** 2021 में 10 भारतीय कंपनियों में से 1 पर प्रकाश डाला जाएगा

गेल ने **400 सीबीजी संयंत्र** स्थापित करने का लक्ष्य रखा है

पीईएम-आधारित परियोजना स्थापित करने का ठेका दिया गया है, ये **प्रति दिन 4.3 टन हरित हाइड्रोजन** का उत्पादन करेगी

गेल में सतत विकास

4.1 सतत विकास के प्रति गेल का दृष्टिकोण

गेल, भारत का शीर्ष गैस वितरक होने के नाते, अपने प्रचालन और निर्णय लेने में सतत विकास वाले पहलुओं को शामिल करके, देश के ऊर्जा क्षेत्र को एक स्थायी तरीके से आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। हमारे लिए, सतत विकास – पर्यावरण के पारिस्थितिक, आर्थिक और सामाजिक तत्वों के संदर्भ में अपनी कंपनी के प्रचालन की जाँच करके दीर्घकालिक मूल्य बनाने की एक विधि का नाम है।

कंपनी की दीर्घकालिक व्यवहार्यता सुनिश्चित करने और अपनी समग्र नेतृत्व स्थिति को बनाए रखने में मदद करने के लिए, हमने एक ऐसा सतत विकास रोडमैप विकसित किया है जो यह सुनिश्चित करने में हमारी सहायता करेगा कि पर्यावरण और समाज पर हमारा प्रभाव तटस्थ या सकारात्मक रहे। हमारा सतत विकास रोडमैप, हमारे हितधारकों की आवश्यकताओं, स्वच्छ और सुलभ ऊर्जा के लिए देश की रणनीति और हमारे देश में प्राकृतिक गैस की बढ़ती माँग को ध्यान में रखते हुए सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है। हमारा प्रयास है कि देश की डीकार्बोनाइजेशन की महत्वाकांक्षाओं से पैदा होने वाले नए अवसरों की पहचान के माध्यम से सक्रिय और पारदर्शी सतत विकास रणनीति विकसित की जाए।

4.1.1 सतत विकास नीति

गेल की सतत विकास नीति, हमारे सतत व्यापार उत्कृष्टता की खोज में हमारा मार्गदर्शन करती है, साथ ही हमारे ट्रिपल बॉटम लाइन कार्यनिष्पादन को बढ़ाने के लिए, लघु और दीर्घकालिक लक्ष्यों और उद्देश्यों को परिभाषित करने के साथ–साथ हमारे सतत विकास दायित्वों के साथ ट्रैक पर रहने में हमारी सहायता करती है। जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में, अपनी भूमिका से अवगत होने के नाते, हमने विभिन्न कार्यक्रमों और पहलों के विकास और कार्यान्वयन के माध्यम से अपनी व्यापार प्रथाओं में सतत विकास को संस्थागत बनाया है।

हमारी सतत विकास नीति को गेल की वेबसाइट https://www.gailonline.com/SBPolicy.html पर सतत विकास अनुभाग पर जाकर देखा जा सकता है।

4.1.2 सतत विकास शासन

गेल में, हम मानते हैं कि अखंडता, नैतिकता, सम्मान, सुरक्षा, नवाचार और हितधारक कल्याण के स्तंभों पर बनी एक मजबूत शासन संरचना हमें सतत विकास का अवसर प्रदान करने और "हरित ऊर्जा के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने और उसके बाद" के हमारे मिशन को पूरा करने में सक्षम बनाती है। हमारी सतत विकास नीति के साथ हमारी मजबूत शासन संरचना, पर्यावरण एवं सामाजिक जवाबदेही को हमारी विकास रणनीति के मूल सिद्धांत में एकीकृत करने में सक्षम बनाती है।

गेल के निदेशक मंडल में तीन सदस्यीय सतत विकास समिति (एसडीसी) है। दिनांक 31 मार्च 2022 तक, इस समिति की अध्यक्षता गेल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) द्वारा की जाती है और इसमें निदेशक (परियोजना), और निदेशक (व्यापार विकास)

GRI 102-20, GRI 102-29, GRI 102-18, GRI 102-30, GRI 102-31, GRI 102-32, GRI 103-2, GRI 103-3

सदस्य के रूप में शामिल होते हैं। समिति की भूमिका में संगठन के सतत विकास एजेंडा पर विचार–विमर्श के साथ–साथ कंपनी की जलवायु परिवर्तन रणनीति, रणनीति के प्रति आपातकालीन प्रतिक्रिया और एचएसई प्रदर्शन की जाँच करना शामिल है। एसडीसी हमें पूरे व्यवसाय में सतत विकास रणनीति को लागू करने, लक्ष्य निर्धारण और रिपोर्टिंग प्रक्रियाओं का प्रबंधन करने, बाहरी हितधारकों के साथ संबंधों को मजबूत करने और पूरे संगठन में समग्र जवाबदेही सुनिश्चित करने के तरीके पर भी मार्गदर्शन करती है। हमारे सतत विकास शासन का उद्देश्य – ग्राहकों, उपभोक्ताओं, कर्मचारियों, शेयरधारकों, आपूर्तिकर्ताओं, निर्णय निर्माताओं और समुदाय के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न हितधारक समूहों के लिए समूह की प्रतिबद्ध ताओं को सुनिश्चित करना है। वित्त वर्ष 2021–22 में एसडीसी की चार बार बैठक हुई। एसडीसी को सतत विकास संचालन समिति (एसडीएससी) द्वारा सूचित किया जाता है, ये समिति सतत विकास पॉलिसी के निर्देशों का समर्थन करती है और कंपनी के सतत विकास संबंधी लक्ष्यों के साथ–साथ जोखिम और प्रदर्शन प्रबंधन को पूरा करने हेतु उत्तरदायी है।

4.1.3 सतत विकास संचालन समिति

गेल में, सतत विकास संचालन समिति (एसडीएससी), एक बहु–विषयक समिति है। इसमें सीएंडपी, एचआर, एसडी, एफ एंड ए, जोखिम, सीएसआर, सीसी, सीएसटी, मार्केटिंग–पीसी, मार्केटिंग–गैस, और एचएसई के विभागाध्यक्षों सहित कई विभागों के विभागीय प्रमुख (एचओडी) शामिल हैं। एसडीएससी को अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में सतत विकास समिति (एसडीसी) की सहायता करने का काम सौंपा गया है, इसके अंतर्गत सतत विकास एवं जलवायु परिवर्तन से संबंधित रणनीति, प्रचालन मॉडल और रिपोर्टिंग ढाँचे का निर्माण शामिल है।

यह समिति समस्त सतत विकास पहलों के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण के माध्यम से नीति का अनुपालन भी सुनिश्चित करती है और कंपनी के सतत विकास लक्ष्यों के साथ–साथ जोखिम और कार्यनिष्पादन प्रबंधन को क्रियान्वित करने के लिए जिम्मेदार है। हम अपने प्रचालनों के पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में अत्यधिक चिंतित हैं और उसी के प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाती है। ग्रीनहाउस गैसों के प्रभाव को कम करने या बेअसर करने और शून्य अपशिष्ट निपटान प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

इस संगठन की विभिन्न इकाइयाँ जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न जोखिमों का सक्रिय रूप से आकलन कर रही हैं। हमारे पास ऐसे अलग–अलग समूह हैं जो पूरे फर्म में जोखिम प्रबंधन का समन्वय करते हैं। जबकि एचएसई पर्यावरण और सुरक्षा मुद्दों से संबंधित सभी जोखिमों के लिए समन्वय कर रही है, सीएसआर समूह सामाजिक प्रभाव से संबंधित मुद्दों से संबंधित सभी जोखिमों के लिए समन्वय कर रहा है। ये समूह सुनिश्चित करते हैं कि सभी मौजूदा और प्रत्याशित पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक जोखिमों का समाधान किया गया है। जोखिमों की पहचान की जाती है, गुणात्मक और मात्रात्मक रूप से मूल्यांकन किया जाता है, विश्लेषण किया जाता है, और शमन योजनाओं को लागू करके प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जाता है।

4.1.4 सतत विकास गतिविधियाँ

गेल में, हम देश की डीकार्बोनाइजेशन रणनीतियों के अनुरूप भारत की ऊर्जा सुरक्षा स्थापित करने में अपनी भूमिका और भारत की लगातार बढ़ती स्वच्छ ऊर्जा माँग को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हैं। इसे प्राप्त करने के लिए, हमारे यहाँ अपनी आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाने के साथ–साथ स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों का एक पोर्टफोलियो बनाने की प्रक्रिया चल रही है। हमारे सतत विकास प्रयासों के एक साक्षी के रूप में, हम संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP26) 2021 में संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट – एक्सेंचर सीईओ स्टडी ऑन सस्टेनेबिलिटी के एक भाग के रूप में हाइलाइट की जाने वाली 10 भारतीय कंपनियों में से एक थे।

वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान, हमने अपने सतत विकास विज़न को साकार करने के लिए अपनी वार्षिक सतत विकास कार्य योजना के हिस्से के रूप में विभिन्न साइटों पर कई परियोजनाओं और कार्यक्रमों को शुरू किया और निष्पादित किया:

- हमने 2040 तक अपने स्कोप 3 उत्सर्जन को 35% (2020–2021 के आधारभूत वर्ष से) तक कम करते हुए नेट–जीरो (स्कोप 1 और स्कोप 2) की स्थिति प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है।
- गेल ने पीईएम प्रौद्योगिकी पर आधारित 10 मेगावाट, हरित हाइड्रोजन परियोजना स्थापित करने का ठेका दिया है जो 99.99% शुद्धता के प्रति दिन 4.3 टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करेगी। इसे उद्योगों को आपूर्ति के लिए प्राकृतिक गैस में मिलाया जाएगा।

GRI 103-2, GRI 103-3

- सीबीजी के क्षेत्र में, गेल ने 7 करोड़ रुपये की वित्तीय प्रतिबद्धता के लिए कंप्रेस्ड बायो–गैस (सीबीजी) क्षेत्र में काम कर रहे 04 स्टार्ट–अप्स के साथ निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा, हमारे यहाँ राँची नगर निगम के सहयोग से 5 टीपीडी क्षमता के साथ अपनी पहली सीबीजी सुविधा का निर्माण करने की प्रक्रिया चल रही है और नगरपालिका ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू) की आपूर्ति और संयंत्र का निर्माण करने के लिए संबंधित बुनियादी ढाँचे हेतु 22 साल का रियायत सौदा किया है।
- गेल ने सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ माइनिंग एंड फ्यूल रिसर्च (सीआईएमएफआर), धनबाद के सहयोग से पाटा पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स में एक ओपन रेसवे तालाब में माइक्रोएल्गे का उपयोग करके सीओ$_2$ (1 टीपीडी) को ठीक करने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट लागू किया है।

4.1.5 सतत विकास परियोजनाओं की निगरानी

4.1.5.1 डैशबोर्ड्स

संसाधनों के कुशल प्रबंधन के लिए वास्तविक समय की निगरानी के महत्व को समझते हुए, हमने अपनी आंतरिक क्षमताओं का उपयोग करते हुए कई डैशबोर्ड्स विकसित किए हैं। ये डैशबोर्ड्स हमें विभिन्न महत्वपूर्ण ऊर्जा उपयोगकर्ता यंत्रों (एसईयू), जैसे – गैस टर्बाइन, हैवी ड्यूटी स्टीम टर्बाइन, सेंट्रीफ्यूगल कंप्रेसर, गैस क्रैकिंग फर्नेस, बॉयलर, हीट रिकवरी स्टीम जेनरेटर (एचआरएसजी), अन्य प्रोसेस हीटर, एक्सट्रूडर इकाइयों की वास्तविक समय की निगरानी करने में सक्षम बनाते हैं।

4.1.5.2 वैश्विक रिपोर्टिंग पहल (जीआरआई) समुदाय का सदस्य

2013 से जीआरआई साउथ एशिया कंसोर्टियम के संस्थापक सदस्य होने के नाते, गेल अपनी सतत विकास रिपोर्टिंग प्रथाओं को अधिक प्रासंगिक और पारदर्शी बनाने के लिए विभिन्न पहलुओं में जीआरआई के साथ जुड़ी हुई है।

4.1.5.3 साइटों का ग्रीनको आकलन

अपनी ऊर्जा खपत को कम करने के अपने प्रयासों के हिस्से के रूप में, हम लगातार अपनी साइटों पर विभिन्न ऊर्जा दक्षता पहलों को लागू कर रहे हैं। इन प्रयासों को और कारगर बनाने के लिए, गेल ने अपनी कई साइटों पर ग्रीनको रेटिंग को लागू करने की प्रक्रिया शुरू की है।

ग्रीनको रेटिंग कार्यान्वयन से फर्मों को नेतृत्व और दिशा निर्धारित करने में मदद मिलती है कि कैसे जीवन–चक्र दृष्टिकोण का उपयोग करके अपनी गतिविधियों की पर्यावरण अनुकूल उद्यमों का मूल्यांकन करके अपने उत्पादों, सेवाओं और प्रक्रियाओं को अधिक पर्यावरण अनुकूल बनाया जाए। वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान, गेल के पाता संयंत्र ने सीआईआई सोहराबजी ग्रीन बिजनेस सेंटर द्वारा "ग्रीनको गोल्ड" रेटिंग से सम्मानित होने वाली पहली गेल इकाई बनने का गौरव हासिल किया। इसके अलावा, गेल, गंधार इकाई और विजाग–सिकंदराबाद एलपीजी पाइपलाइन (वीएसपीएल) को "ग्रीनको सिल्वर" रेटिंग प्राप्त हुई है।

सीआईआई गोदरेज जीबीसी, हैदराबाद में 16 और 17 जून 2022 को आयोजित गेल इंडिया लिमिटेड के लिए "ग्रीनको रेटिंग और नेट जीरो दृष्टिकोण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम" की एक झलक

GRI 102-12

ग्रीनको द्वारा गेल, पाता को गोल्ड रेटिंग से सम्मानित किया गया है

वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान, गेल, पाता संयंत्र ने सीआईआई सोहराबजी ग्रीन बिजनेस सेंटर द्वारा "ग्रीनको गोल्ड" रेटिंग से सम्मानित होने वाली पहली गेल इकाई बनने का गौरव हासिल किया है।

CII
Confederation of Indian Industry

CII - Sohrabji Godrej Green Business Centre

hereby certifies that

GAIL (India) Limited, Pata

has successfully achieved the standards as required for the following level of certification under the GreenCo - Green Company Rating System which is valid for a period of 3 years

GreenCo Gold

Issue Date: 17-03-2022 Expiry Date: 16-03-2025

Jamshyd N Godrej	Pradeep Bhargava	L S Ganapati	K S Venkatagiri
Chairman	Chairman	Chairman	Executive Director
CII-Godrej GBC	GreenCo Rating System	GreenCo Assessor Panel	CII-Godrej GBC

5

'सतत विकास एवं नेट जीरो की ओर गेल सर्वे 2021–22' आयोजित किया गया

प्रमुख भौतिक मुद्दों की पहचान करने के लिए मजबूत **पाँच चरणों की भौतिकता मूल्यांकन प्रक्रिया**

गेल ने **वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन 2022** में भाग लिया

हमारा हितधारक समावेशन एवं भौतिकता

गेल में, हम सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने के लिए हितधारकों की अपेक्षाओं की पहचान करने और उन्हें पूरा करने की अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करते हैं। हम अपने हितधारकों के साथ जुड़ते हैं और भौतिकता मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से उनकी चिंताओं और हितों को समझते हैं। महत्वपूर्ण विषयों को निर्धारित करने के लिए भौतिकता मूल्यांकन महत्वपूर्ण है। ये बिंदु हमारे हितधारकों के साथ–साथ हमारे व्यापार पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। नई बीआरएसआर आवश्यकता के अंतर्गत अब पहचाने गए महत्वपूर्ण भौतिक मुद्दों और उनकी पहचान करने के औचित्य पर रिपोर्टिंग भी शामिल है।

वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान, हमने अपने हितधारकों से उनके दृष्टिकोण एवं प्रतिक्रियाएँ एकत्र करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में 'सतत विकास एवं नेट जीरो की ओर गेल सर्वे 2021–22' शुरू किया। इस सर्वे में लगभग 252 कर्मचारियों की भागीदारी दर्ज की गई थी। इस तरह की प्रतिक्रियाओं एवं भौतिकता मूल्यांकन के परिणामों का उपयोग कंपनी की प्रमुख ईएसजी प्राथमिकताओं को परिभाषित करने और उन्हें संबोधित करने के लिए एक कार्य योजना विकसित करने में किया गया था।

5.1 हमारे हितधारकगण

"हितधारक जुड़ाव" हितधारकों की पहचान करने और उन्हें प्राथमिकता देने, जुड़ाव के साधनों और तरीकों की पहचान करने और समय–समय पर हितधारकों की अपेक्षाओं को प्रबंधित करने की एक बहु–चरणीय प्रक्रिया है। हमने अपने आंतरिक और बाहरी हितधारकों को अपने व्यवसाय के सापेक्ष महत्व और हमारे व्यवसाय पर उनके प्रभाव और इसके विपरीत पहलू के आधार पर पहचान और प्राथमिकता दी है। ऐसे व्यक्तियों और समूहों की एक पूरी सूची है, इनके हित हमारी गतिविधियों से प्रभावित होते हैं या प्रभावित हो सकते हैं, उनको आंतरिक और बाहरी हितधारक समूहों में वर्गीकृत और बाँटा किया गया था। आंतरिक हितधारकों में सभी कर्मचारी शामिल हैं जबकि प्रमुख बाहरी हितधारकों में शेष 12 हितधारक समूह शामिल हैं।

1. सरकार और अन्य नियामक
2. निवेशकगण
3. कर्मचारी
4. आपूर्तिकर्ता
5. ग्राहक
6. संयुक्त उद्यम और सहायक कंपनियाँ
7. उद्योग संघ
8. समुदाय
9. ठेकेदार/कार्यान्वयन एजेंसियाँ
10. शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थान
11. गैर सरकारी संगठन/नागरिक समाज संगठन
12. वृहद जनसमूह
13. मीडिया

GRI 102-20, GRI 102-40, GRI 102-42

5.1.1 हमारा हितधारक जुड़ाव ढाँचा

हमारी सतत विकास पहल, उद्योग की सबसे महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों की पहचान करने के साथ–साथ उनका समाधान करने के लिए हमारी मूल्य श्रृंखला से जुड़े हितधारकों को एक साथ लाती है। हमारे हितधारकों के साथ बातचीत के व्यवस्थित चैनल, हमारी व्यावसायिक प्रक्रियाओं में अंतर्निहित हैं। इसके अंतर्गत सामान्य बैठकें आयोजित करना, वार्षिक आम बैठकें आयोजित करने के साथ–साथ इसके अंतर्गत प्रशिक्षण, समूह चर्चा, सर्वेक्षण, आपूर्तिकर्ता और ग्राहक बैठकें और शिकायत निवारण प्रक्रियाएँ शामिल हैं।

हितधारकों की चिंताओं का मूल्यांकन किया जाता है और उन्हें रणनीतिक स्तर पर ध्यान में रखा जाता है। यह हमारा निरंतर प्रयास है कि हम अपने हितधारक जुड़ाव तंत्र को मजबूत करें और हितधारकों की भागीदारी का लगातार विस्तार करें। अपने हितधारकों की अपेक्षाओं को पूरा करना अविश्वसनीय रूप से मूल्यवान है और हमारा हितधारक जुड़ाव ढाँचा दर्शाता है कि हम उनके साथ कैसे जुड़ते हैं और उनकी चिंताओं को दूर कैसे करते हैं।

गेल, बंगाल ग्लोबल ट्रेड एक्सपो में, बीजीबीएस 2022 के भाग के रूप में, कोलकाता में होने वाला एक व्यापार शिखर सम्मेलन।

श्री एम वी अय्यर, निदेशक (बीडी), गेल ने पहले दिन कोलकाता में बंगाल ग्लोबल ट्रेड एक्सपो में गेल स्टॉल का उद्घाटन किया।

ग्लोबल बिजनेस समिट – 2022 में सम्बोधित करते हुए, गेल के निदेशक (व्यापार विकास), श्री एम. वी. अय्यर, ने कहा, "जेएचबीडीपीएल परियोजना के क्रियान्वयन के माध्यम से – जिसे प्रधान मंत्री ऊर्जा गंगा परियोजना कहा जाता है, गेल द्वारा एक राष्ट्र, एक गैस ग्रिड" के अंतर्गत पूर्व और पूर्वोत्तर भारत को राष्ट्रीय गैस ग्रिड से जोड़ दिया जाएगा।

गेल पश्चिम बंगाल के 15 जिलों में लगभग ₹4,000 करोड़ के निवेश से 846 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन का क्रियान्वयन कर रही है। डोभी से दुर्गापुर तक और अगस्त 2021 में मेसर्स मैटिक्स फर्टिलाइजर्स, दुर्गापुर को गैस की आपूर्ति शुरू होने के बाद, अब कोलकाता को स्पर लाइन सहित 315 किलोमीटर लंबी दुर्गापुर से हल्दिया पाइपलाइन का निर्माण सितंबर 2023 तक विभिन्न चरणों में पूरा करने के लक्ष्य के साथ किया जा रहा है।

हितधारक समूह	एन्गेजमेंट के लक्ष्य	एन्गेजमेंट की आवृत्ति	एन्गेजमेंट का तरीका
सरकार और अन्य नियामक – बाहरी हितधारक	» सतत विकास लक्ष्यों को बढ़ावा देने के लिए सरकारी मिशनों का समर्थन करना » स्वच्छ गैस आधारित अर्थव्यवस्था में स्थानांतरित होने में सरकार का समर्थन करना » संबंध स्थापित करना » समझौता ज्ञापनों के माध्यम से कार्य निष्पादन मूल्यांकन करना » प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करना » प्रमुख निवेश योजनाओं पर चर्चा करना	वार्षिक, मासिक और आवश्यकता–आधारित	» समझौता ज्ञापन » तिमाही प्रगति रिपोर्ट » वार्षिक रिपोर्ट

GRI 102-9, GRI 102-21, GRI 102-29, GRI 102-43, GRI 102-44

हितधारक समूह	एन्गेजमेंट के लक्ष्य	एन्गेजमेंट की आवृत्ति	एन्गेजमेंट का तरीका
वित्तीय संस्थान –आंतरिक और बाहरी हितधारक	» वित्तीय कार्य निष्पादन » भविष्य की व्यापक रणनीतियाँ साझा करना » प्रतिक्रिया प्राप्त करना और चिंताओं को दूर करना » प्रमुख निर्णयों पर शेयरधारकों से मंजूरी लेना	वार्षिक, त्रैमासिक	» निवेशकों के साथ आमने–सामने की बैठकें करना » आईआर सम्मेलनों/रोड शो में भाग लेना » निवेश समुदाय के लिए साइट का दौरा करना » निवेश समुदाय के लिए कांफ्रेंस कॉल की व्यवस्था करना » विश्लेषक बैठकें आयोजित करना » सार्वजनिक प्रकटीकरण और त्रैमासिक परिणामों का प्रकाशन करना » प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन करना » शेयरधारकों और एडीआर धारक के साथ संचार करना
कर्मचारीगण –आंतरिक हितधारक	» गेल के व्यावसायिक लक्ष्यों, मूल्यों और सिद्धांतों पर संचार करना » प्रमुख परियोजनाओं पर कार्य योजना तैयार करना » सर्वोत्तम प्रथाओं का कार्यान्वयन करना » सीखने की सुविधा और विकास का अवसर पैदा करना » प्रमुख कार्य निष्पादन संकेतकों और कार्य योजनाओं को ट्रैक करना » आइडिया जनरेशन, शेयरिंग और लर्निंग से संबंधित चिंताओं को समझना और उनका समाधान करना	वार्षिक, त्रैमासिक, मासिक, दैनिक	» संतुष्टि सर्वेक्षण » सामाजिक मीडिया » शिकायत निवारण » सुझाव योजनाएँ » सीएमडी ओपन हाउस » विभिन्न समितियाँ » गेल दिवस समारोह » ईमेल, जर्नल, » कर्मचारी संघों और यूनियनों के साथ बैठकें
आपूर्तिकर्तागण –बाहरी हितधारक	» प्रचालन निर्णयों का संचार करना » उनके प्रदर्शन डेटा/सूचना की तलाश करना » उनकी चिंताओं को समझना और उनका समाधान करना » विवाद समाधान » अनुबंधों की समीक्षा	वार्षिक, त्रैमासिक, मासिक, दैनिक	» सप्लायर मीट » उद्योग सम्मेलन » अधिकार प्राप्त सी एंड पी समिति तक पहुँच » विक्रेता विकास कार्यक्रम/विक्रेता कोचिंग कार्यक्रम » अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के स्वामित्व वाले एमएसई के लिए हैंड–होल्डिंग कार्यक्रम » सभी निविदाओं के लिए प्री–टेंडर या प्री–बिड मीटिंग » सूक्ष्म और लघु उद्यमों के साथ बैठकें
ग्राहक – बाहरी हितधारक	» उनकी संतुष्टि के स्तर को समझना » प्रचालन संबंधी चिंताओं को दूर करना » नए उत्पाद विकास पर प्रतिक्रिया प्राप्त करना	वार्षिक, त्रैमासिक	» वार्षिक ग्राहक बैठक » जोनल कस्टमर मीट » ग्राहक इंटरएक्टिव मीट » ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण

GRI 102-44

हितधारक समूह	एन्गेजमेंट के लक्ष्य	एन्गेजमेंट की आवृत्ति	एन्गेजमेंट का तरीका
गेल (इंडिया) लिमिटेड के संयुक्त उद्यम और सहायक कंपनियाँ –बाहरी हितधारक	» प्रमुख निवेश योजनाओं पर चर्चा करना » निष्पादन डेटा साझा करना » प्रमुख विषयों पर निर्णय लेने की सुविधा प्रदान करना	आवश्यकता आधारित	» आवश्यकता आधारित बैठकें » रिपोर्ट्स और न्यूज़–लेटर्स
उद्योग संघ –बाहरी हितधारक	» प्रमुख निर्णयों और परियोजनाओं पर आधारित निष्पादन डेटा सूचनाएँ साझा करना » सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लेना » सार्वजनिक पॉलिसी एडवोकेसी में शामिल होना	आवश्यकता आधारित	» सेमिनार » सम्मेलन » उद्योग एक्सपो » साक्षात्कार » रिपोर्ट्स और न्यूज़–लेटर्स
समुदाय – बाहरी हितधारक	» आवश्यकता मूल्यांकन करने और सामुदायिक विकास परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए समुदायों के साथ जुड़ना » गंभीर घटनाओं पर उनकी चिंताओं को समझना और उनका समाधान करना » सामुदायिक शिकायत निवारण	आवश्यकता आधारित	» बैठकें और सीधी बातचीत » सामुदायिक कार्यक्रम » विश्लेषण और प्रभाव आकलन की आवश्यकता है » सीएसआर पहल » कॉर्पोरेट संचार सामग्री
ठेकेदार/ कार्यान्वयन एजेंसियाँ – बाहरी हितधारक	» प्रचालन निर्णयों का संचार करना » कंपनी की नीतियों और जनादेश (अनुपालन) के साथ अपने काम को संरेखित करना » उनके निष्पादन डेटा/सूचना मंगवाना » उनकी समस्याओं को समझना और उनका समाधान करना » अनुबंध नवीनीकरण, भुगतान आदि जैसे कंपनी के दायित्वों का संचार करना। » विवाद समाधान करना » अनुबंधों की समीक्षा करना	वार्षिक, त्रैमासिक, मासिक, दैनिक	» आवश्यकता आधारित बैठकें » बैठकें » वेबसाइट
शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थान – बाहरी हितधारक	» भागीदार और गेल अनुसंधान और विकास गतिविधियों में भाग लेना	आवश्यकता आधारित	» परियोजना बैठकें » आवधिक समीक्षा » वेबसाइट » सामाजिक मीडिया » प्रेस
गैर सरकारी संगठन/नागरिक समाज संगठन – बाहरी हितधारक	» सामुदायिक विकास परियोजनाओं को क्रियान्वित करना » महत्वपूर्ण घटनाओं पर उनकी चिंताओं को समझना और उनका समाधान करना	आवश्यकता आधारित	» परियोजना बैठकें » वार्षिक समीक्षा
बड़े पैमाने पर सार्वजनिक –बाहरी हितधारक	» जनता के लिए गेल की पहल में भाग लेना और समर्थन करना » निष्क्रिय नागरिकों को सक्रिय उपभोक्ता में बदलना » ब्रांड जागरूकता और बेहतर ब्रांड रिकॉल करना » महत्वपूर्ण घटनाओं पर उनकी समस्याओं को समझना और उनका समाधान करना	वार्षिक, त्रैमासिक, मासिक, दैनिक	» सोशल मीडिया अभियान/पोस्ट आदि। » सामुदायिक कार्यक्रम » सीएसआर पहल » कॉर्पोरेट संचार सामग्री जैसे वेबसाइट आदि। » प्रेस

GRI 102-44

5.2 फोकस क्षेत्र का पता लगाना: भौतिकता आकलन

हम मानते हैं कि इस बात की पहचान करना महत्वपूर्ण है कि हमारे संचालन हमारे हितधारकों को कैसे प्रभावित कर रहे हैं और सभी हितधारकों के लिए सतत व्यवसाय विकास और मूल्य निर्माण सुनिश्चित करने के लिए हितधारकों की अपेक्षाएँ हमारे व्यवसाय को कैसे प्रभावित करती हैं। हमारी मूल्य श्रृंखला और उससे आगे के सभी हितधारकों के लिए मूल्य सृजन हमेशा हमारे विज़न के लिए महत्वपूर्ण रहा है। इसलिए, हमारे संचालन, साथ ही हमारे हितधारकों को प्रभावित करने वाले प्रमुख भौतिक विषयों का निर्धारण (भौतिकता मूल्यांकन) एक महत्वपूर्ण अभ्यास बना हुआ है। यह हमें अपने सतत विकास एवं व्यावसायिक उद्देश्यों को सामाजिक आवश्यकताओं और अपेक्षाओं के साथ संरेखित करने में सक्षम बनाता है, जिससे दीर्घकालिक सतत विकास और हितधारक मूल्य में वृद्धि सुनिश्चित होती है।

किसी एक मानक दृष्टिकोण अथवा रणनीति को अपनाने के बजाय, हमने भौतिकता मूल्यांकन हेतु तेल और गैस क्षेत्र के लिए विशिष्ट मानकों जैसे अंतर्राष्ट्रीय पेट्रोलियम उद्योग पर्यावरण संरक्षण संघ (आईपीआईईसीए) और अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) मानकों को अपतटीय अन्वेषण और एसएएसबी उद्योग–विशिष्ट मानकों के लिए संदर्भित किया है। इससे यह सुनिश्चित हो जाता है कि प्रकटीकरण भौतिक और तुलनीय है और ये कि निवेशकों के लिए एक निर्णायक रास्ता प्रदान करेगा।

व्यापक और रणनीतिक भौतिकता मूल्यांकन ढाँचे ने हमें ऐसे सभी संभावित पर्यावरणीय, सामाजिक और शासन (ईएसजी) मुद्दों की पहचान, समीक्षा और विश्लेषण करने में सक्षम बनाया है जो हमारे संचालन और हितधारकों को प्रभावित कर सकते हैं। हमने समसामयिक प्रासंगिकता को देखते हुए अपनी भौतिकता की पुनर्गणना की है। भौतिक विषयों की पहचान और प्राथमिकता कंपनी के सतत विकास दृष्टिकोण और निष्पादन को समझने की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम हैं। यह कदम हमें यह समझने में सक्षम बनाते हैं कि संसाधनों का आवंटन और उपयोग कैसे किया जाए।

भौतिकता मूल्यांकन के अंतर्गत पाँच चरण होते हैं: संदर्भ को समझना, वास्तविक और संभावित प्रभावों की पहचान करना, प्रभावों के महत्व का आकलन करना, प्रभावों को प्राथमिकता देना और वरिष्ठ नेतृत्व द्वारा समीक्षा करना। निम्नलिखित अनुभाग भौतिक विषयों को अधिक विस्तार से निर्धारित करने के लिए उक्त पाँच चरणों का वर्णन करते हैं।

GRI 102-44

5.2.1 चरण I: संदर्भ को समझना

इस चरण में गतिविधियों और व्यावसायिक संबंधों का प्रारंभिक अवलोकन करना शामिल है। इसमें गेल द्वारा नियंत्रित सभी संस्थाओं की व्यावसायिक गतिविधियों, व्यावसायिक संबंधों, हितधारकों और सतत विकास संदर्भ शामिल हैं अथवा अल्पसंख्यक हितों सहित, (जैसे, सहायक, संयुक्त उद्यम, सहयोगी) में रुचि है।

5.2.2 चरण II: वास्तविक और संभावित प्रभावों की पहचान करना

इस कदम में अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और लोगों पर विषयों के वास्तविक और संभावित प्रभावों की पहचान करना शामिल है। इसके अंतर्गत उनके मानवाधिकारों पर पड़ने वाले प्रभाव, हमारी गतिविधियों और व्यावसायिक संबंधों में शामिल हैं। वास्तविक प्रभाव वे हैं, जो पहले ही पड़ चुके हैं और संभावित प्रभाव वे हैं जो पड़ सकते हैं लेकिन अभी तक नहीं पड़े हैं। इन प्रभावों में नकारात्मक और सकारात्मक प्रभाव, अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रभाव, इच्छित और अनपेक्षित प्रभाव, तथा प्रतिवर्ती और अपरिवर्तनीय प्रभाव शामिल हैं।

तेल और गैस क्षेत्र–विशिष्ट मानकों, कानूनी समीक्षा, भ्रष्टाचार विरोधी अनुपालन प्रबंधन प्रणाली, वित्तीय ऑडिट, व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा निरीक्षण, और शेयरधारक फाइलिंग जैसे विविध स्रोत ऐसे प्रभावों की पहचान करने में मदद करते हैं।

5.2.3 चरण III: प्रभावों के महत्व का आकलन करना

प्रासंगिक जुड़ाव तंत्र के माध्यम से, उसके प्रभावों के महत्व का आकलन करने के लिए प्रासंगिक हितधारकों से परामर्श किया जाता है। संभावित सामग्री मुद्दों के प्रभाव के महत्व को निर्धारित करने के लिए प्रासंगिक हितधारकों की प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण किया जाता है। वास्तविक या संभावित नकारात्मक प्रभाव की गंभीरता निम्नलिखित विशेषताओं द्वारा निर्धारित की जाती है:

- **स्केल:** प्रभाव कितना गंभीर है।
- **दायरा:** प्रभाव कितना व्यापक है, उदाहरण के लिए, प्रभावित व्यक्तियों की संख्या या पर्यावरणीय क्षति की सीमा।
- **अपरिवर्तनीय चरित्र:** परिणामी नुकसान का प्रतिकार करना या उसे ठीक करना कितना कठिन है।

5.2.4 चरण IV: रिपोर्टिंग के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रभावों को प्राथमिकता देना

हितधारक परामर्श के अनुसार सामग्री विषयों को उनके महत्व के आधार पर प्राथमिकता दी जाती है और उन्हें उच्च, मध्यम और निम्न स्थान दिया जाता है। प्राथमिकता हमें पहले अत्यधिक भौतिक विषयों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करती है और फिर हमारे प्रयासों को अन्य भौतिक विषयों की ओर निर्देशित करती है।

5.2.5 चरण V: समीक्षा

एक बार विषयों को प्राथमिकता देने के बाद, हमारे वरिष्ठ अधिकारी या संगठन में वरिष्ठ अधिकारियों का एक समूह विषयों की समीक्षा करता है। वरिष्ठ नेतृत्व मूल्यांकन की प्रक्रिया और परिणामों की समीक्षा करता है और अपने इनपुट प्रदान करता है। भौतिकता मूल्यांकन में वरिष्ठ नेतृत्व की भागीदारी इस तथ्य का एक प्रमाण है कि भौतिकता मूल्यांकन और हितधारक परामर्श को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। निम्नलिखित तालिका आर्थिक और शासन, पर्यावरण और सामाजिक आयामों के तहत, गेल के लिए प्रमुख भौतिक मुद्दों पर प्रकाश डालती है। गेल के लिए उनके महत्व और हमारे हितधारकों के लिए उनके महत्व के आधार पर मुद्दों को आगे तीन श्रेणियों – उच्च, मध्यम और निम्न में विभाजित किया गया है।

क्रम संख्या	विषय	यह महत्वपूर्ण क्यों है	ई एंड जी/ई/एस	पद
1.	संसाधन अनुकूलन (अपशिष्ट, जल, ऊर्जा प्रबंधन)	गेल के लिए संसाधन अनुकूलन अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि गेल नेट जीरो की ओर बढ़ रही है	पर्यावरण	
2.	सबके लिए सुलभ और सस्ती स्वच्छ ऊर्जा	एक वितरण कंपनी के लिए, स्वच्छ ऊर्जा की पहुँच और सामर्थ्य एक प्रमुख एजेंडा होता है	पर्यावरण	
3.	उत्पाद और सेवा की गुणवत्ता	उपभोक्ता और व्यवसाय विकास की प्राप्ति के संदर्भ में नीति एवं नियमों का अनुपालन करते हुए उत्पाद और सेवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करना एक महत्वपूर्ण कारक है।	आर्थिक तथा नियंत्रण	
4.	जोखिम और संकट प्रबंधन (क्लोजर और पुनर्वास, असेट इंटग्रिटी)	एक उचित व्यवसाय योजना के लिए, कोविड, युद्ध एवं बाजार परिवर्तन द्वारा पैदा हुए आपूर्ति–माँग के आसन्न जोखिम का पता लगाने की आवश्यकता होती है	आर्थिक तथा नियंत्रण	
5.	सामुदायिक विकास (स्वदेशी लोगों के अधिकार, भूमि और संसाधन अधिकार)	किसी भी कंपनी को प्रचालित करने के लिए लाइसेंस सुनिश्चित करने हेतु निरंतर सामुदायिक जुड़ाव आवश्यक है	सामाजिक	
6.	ग्राहक संबंध, अनुभव और संतुष्टि	किसी भी व्यवसाय के फलने–फूलने के लिए, उचित ग्राहक संबंध बनाए रखना और ग्राहक अनुभव को बढ़ाना सर्वोच्च प्राथमिकता होती है	आर्थिक तथा नियंत्रण	
7.	डीकार्बोनाइजेशन और नेट जीरो की ओर	वर्तमान परिदृश्य में, जहाँ जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए डीकार्बोनाइजेशन, समय की आवश्यकता है, वहीं गेल नेट जीरो प्राप्त करने के लिए गेल सक्रिय कदम उठा रही है।	पर्यावरण	
8.	मानव पूँजी प्रबंधन (कल्याण, जुड़ाव, विविधता और समावेशन)	कार्यबल किसी भी व्यवसाय के लिए एक स्तंभ होता है, इसलिए एक सक्षम कार्यबल विकसित करना है जो व्यापार रणनीति का मूल–बिंदु होना चाहिए	सामाजिक	
9.	स्वास्थ्य और सुरक्षा (ग्राहक, कर्मचारी और आपूर्तिकर्ता)	पाइपलाइन और गैस आपूर्ति के व्यवसाय में होने के कारण, मूल्य श्रृंखला के साथ उचित स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करना, अत्यधिक महत्व का विषय बन जाता है	सामाजिक	
10.	व्यापार वृद्धि और लाभप्रदता (व्यापार मॉडल लचीलापन, बाजार में उपस्थिति)	किसी भी व्यवसाय के लिए, एक उचित व्यवसाय मॉडल बनाए रखने के लिए जो लचीलापन, निरंतरता और उचित आपूर्ति और माँग पर केंद्रित हो, सर्वोत्कृष्ट है	आर्थिक तथा नियंत्रण	

GRI 102-47, GRI 103-1

क्रम संख्या	विषय	यह महत्वपूर्ण क्यों है	ई एंड जी/ई/एस	पद
11.	व्यापार नैतिकता, अखंडता और अनुपालन (रिश्वत और भ्रष्टाचार विरोधी, प्रतिस्पर्धा–विरोधी व्यवहार, धोखाधड़ी, कर पारदर्शिता और रणनीति)	व्यावसायिक नैतिकता, भ्रष्टाचार–विरोधी, रिश्वत–विरोधी, कर पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा–विरोधी व्यवहार नैतिकता से समझौता किए बिना निरंतर व्यावसायिक विकास प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन जाता है।	आर्थिक तथा नियंत्रण	
12.	सतत सोर्सिंग (मानव अधिकार, मजदूरी, काम की स्थिति, बाल/जबरन श्रम)	सतत सोर्सिंग जो पर्यावरण के अनुकूल और सामाजिक रूप से जिम्मेदार सोर्सिंग दोनों को सुनिश्चित करती है, उसे एक सतत एवं मजबूत मूल्य श्रृंखला सुनिश्चित करने के लिए व्यावसायिक रणनीति में शामिल करने की आवश्यकता होती है।	आर्थिक तथा नियंत्रण	
13.	नवाचार, पेटेंट और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण	प्रकृति आधारित प्रौद्योगिकी, अनुसंधान क्षमताओं का निर्माण करना, क्योंकि उसी से व्यापार और संबंधित गतिविधियों को उचित समर्थन सुनिश्चित होता है, उसे प्राथमिकता देनी होती है	आर्थिक तथा नियंत्रण	
14.	विपणन और लेबलिंग परिपाटियाँ	हमारे उद्योग और उत्पादों की प्रकृति के कारण, सुरक्षित संचालन के लिए विपणन और लेबलिंग का प्रमुख महत्व है।	आर्थिक तथा नियंत्रण	
15.	जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन	जलवायु परिवर्तन, अब एक परिधीय चिंता का विषय ही नहीं है बल्कि एक केंद्रीय स्तर पर पहुँच गया है। गेल अग्रणी स्थिरता चैंपियनों में से एक है, यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि हमारे पास उचित जलवायु शमन योजनाएँ हों।	पर्यावरण	
16.	आर्थिक प्रदर्शन	किसी भी व्यवसाय को फलने–फूलने के लिए आर्थिक प्रदर्शन जरूरी है	आर्थिक तथा नियंत्रण	
17.	डेटा गोपनीयता (कर्मचारी, आपूर्तिकर्ता, ग्राहक, संवेदनशील डेटा) और साइबर सुरक्षा	डाटा की अस्थिरता के साथ गोपनीयता के उचित उपाय सुनिश्चित करना सर्वोत्कृष्ट है	आर्थिक तथा नियंत्रण	
18.	मानवाधिकारों का संरक्षण	मूल्य श्रृंखला के साथ मानवाधिकार उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि जिम्मेदार व्यवसाय सुनिश्चित करने के लिए व्यावसायिक परिसर के भीतर मानवाधिकारों को बनाए रखना ज़रूरी है	सामाजिक	
19.	जैव विविधता और पारिस्थितिकी का संरक्षण	विकास और संचालन के दौरान कम से कम अथवा नुकसान न पहुँचना, गेल के लिए एक प्रमुख फोकस–बिंदु है, गेल अपने व्यवसाय को अत्यंत जिम्मेदार तरीके से संचालित करती है	पर्यावरण	
20.	आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन (आपूर्तिकर्ता जुड़ाव और क्षमता निर्माण)	यह सुनिश्चित करने के लिए कि संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में सतत विकास बिंदु शामिल है कि गेल के लिए अपने जटिल आपूर्तिकर्ता नेटवर्क की क्षमता को बढ़ाना बहुत महत्वपूर्ण है	आर्थिक तथा नियंत्रण	
21.	नियंत्रण में ईएसजी और रिपोर्टिंग में पारदर्शिता (बोर्ड की निगरानी, प्रबंधन की भूमिका, नेतृत्व और नीति की वकालत)	उचित निष्पादन और निरीक्षण सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक और पर्यावरणीय रूप में किए गए प्रयासों को रेखांकित करने वाले नियंत्रण की आवश्यकता होती है	आर्थिक तथा नियंत्रण	
22.	डिजिटल परिवर्तन	किसी भी व्यवसाय को विकसित करने के लिए, डिजिटल दृष्टिकोण विकसित करने पर पर्याप्त ध्यान देना चाहिए	आर्थिक तथा नियंत्रण	

आख्यान: उच्च मध्यम कम

GRI 102-47, GRI 103-1

सामग्री विषय के संबंध में सीमा और केपीआई

सामग्री विषय	उप सामग्री विषय	जीआरआई विषय	सीमा	केपीआई
व्यापार वृद्धि और लाभप्रदता (व्यापार मॉडल लचीलापन, बाजार में उपस्थिति), आर्थिक निष्पादन	गेल का आर्थिक निष्पादन , बिजनेस आउटलुक, इंडस्ट्री इवेंट और एंगेजमेंट, मार्केट में उपस्थिति	201 – आर्थिक प्रदर्शन, 202 – बाजार में उपस्थिति	गेल के भीतर	प्रचालन से कुल राजस्व, आर्थिक मूल्य सृजित और वितरित, आर्थिक मूल्य वितरित, एमएमएससीएमडी में गैस संचरण
उत्पाद सेवा और गुणवत्ता	ग्राहक संतुष्टि		गेल के भीतर और बाहर	ग्राहक संतुष्टि सूचकांक
नियंत्रण में ईएसजी और रिपोर्टिंग में पारदर्शिता (बोर्ड की निगरानी, प्रबंधन की भूमिका, नेतृत्व और नीति की वकालत)	नियंत्रण और जोखिम प्रबंधन, नियंत्रण संरचना, सतत विकास समिति, नियंत्रण तंत्र		गेल के भीतर और बाहर	बोर्ड संरचना (समितियों की संख्या, सदस्यों की संख्या), निदेशकों के ईएसजी विशिष्ट प्रशिक्षण घंटे
सबके लिए सुलभ और सस्ती स्वच्छ ऊर्जा	गैस आधारित अर्थव्यवस्था, उत्पाद मूल्य श्रृंखला में निवेश, नीति सुधार, स्वच्छ ऊर्जा बाजार, एसपीए और खरीद अनुबंध		गेल के भीतर	किलोमीटर गैस पाइपलाइन नेटवर्क, गेल द्वारा संचालित सीएनजी का प्रतिशत, विभिन्न क्षेत्रों को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति का प्रतिशत
डिजिटल परिवर्तन	ई टेंडरिंग ई पेमेंट		गेल के भीतर और बाहर	जीईएम पोर्टल के माध्यम से खरीद का प्रतिशत
नवाचार, पेटेंट, और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण	अनुसंधान एवं विकास,		गेल के भीतर	अनुसंधान और विकास के लिए व्यय
आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन (आपूर्तिकर्ता जुड़ाव और क्षमता निर्माण), सतत सोर्सिंग (मानव अधिकार, मजदूरी, काम की स्थिति, बाल / जबरन श्रम)	सतत खरीद, आपूर्ति श्रृंखला में डिजिटल परिवर्तन, आपूर्तिकर्ता पर्यावरण मूल्यांकन, आपूर्तिकर्ता मानवाधिकार मूल्यांकन,	204 – प्रापण प्रथाएँ, 308 – आपूर्तिकर्ता पर्यावरण आकलन, 414 – आपूर्तिकर्ता सामाजिक मूल्यांकन,	गेल के भीतर और बाहर	एमएसई से प्रतिशत प्रापण, जीईएम पोर्टल के माध्यम से ओडर मूल्य, मूल्यांकन किए गए नए आपूर्तिकर्ताओं की संख्या
जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन, डिकार्बोनाइज़ेशन और नेट–ज़ीरो की ओर	जलवायु परिवर्तन और सतत विकास, अनुकूलन, गेल ने नेट–जीरो एक्शन प्लान की कल्पना की	302 – ऊर्जा, 305 – उत्सर्जन	गेल के भीतर और बाहर	ऑपरेशनल डीकार्बोनाइजेशन, एनर्जी ट्रांजिशन, कार्बन कैप्चर यूटिलाइजेशन एंड स्टोरेज, ऑफसेटिंग
संसाधन अनुकूलन (अपशिष्ट, जल, ऊर्जा प्रबंधन)	सामग्री की खपत, ऊर्जा की खपत और कमी, अक्षय ऊर्जा की खपत, पानी की खपत, अपशिष्ट प्रबंधन	301 – सामग्री, 302 – ऊर्जा, 303 – जल और अपषिश्ट 306 – अपशिष्ट	गेल के भीतर और बाहर	ऊर्जा की खपत, ऊर्जा की बचत, बेची गई ऊर्जा, अक्षय ऊर्जा सृजित, जल पुनर्चक्रण, प्रमुख कारखानों में संसाधन अनुकूलन के लिए ग्रीनको रेटिंग का कार्यान्वयन, क्षमता उपयोग प्रतिशत, क्यूसी परियोजनाओं के माध्यम से वित्तीय बचत, पर्यावरण व्यय
जैव विविधता और पारिस्थितिकी का संरक्षण	जैव विविधता प्रबंधन	304 – जैव विविधता	गेल के भीतर और बाहर	विभिन्न स्थलों पर जैव विविधता पहल, हरित पट्टी क्षेत्र, लगाए गए वृक्षों की संख्या
स्वास्थ्य और सुरक्षा (ग्राहक, कर्मचारी और आपूर्तिकर्ता)	एचएसई प्रबंधन प्रणाली, व्यवसाय स्वास्थ्य और सुरक्षा, ग्राहक स्वास्थ्य और सुरक्षा, असेट इंटग्रिटी प्रबंधन प्रणाली	403–व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा, 403–7 व्यावसायिक संबंधों से सीधे जुड़े व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रभावों की रोकथाम और षमन, 416–ग्राहक स्वास्थ्य और सुरक्षा	गेल के भीतर और बाहर	एचएसई स्कोर, छोटी घटनाओं की संख्या, रिपोर्ट की गई सुरक्षा टिप्पणियों की संख्या नियर मिस, एलटीआईएफआर, गंभीरता दर, मृत्यु दर, सुरक्षा ऑडिट
जोखिम और संकट प्रबंधन (बंद और पुनर्वास, संपत्ति अखंडता)	नियंत्रण और जोखिम प्रबंधन असेट इंटग्रिटी प्रबंधन प्रणाली	102–15 प्रमुख प्रभाव, जोखिम और अवसर, 102–29 आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों की पहचान और प्रबंधन, 102–30 जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया की प्रभावशीलता, 102–31 आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक विषयों की समीक्षा	गेल के भीतर और बाहर	प्रमुख जोखिम और शमन उपाय
डाटा गोपनीयता (कर्मचारी, आपूर्तिकर्ता, ग्राहक और संवेदन–शील डेटा) और साइबर सुरक्षा	सूचना प्रणाली और डिजिटलीकरण, डेटा गोपनीयता, साइबर सुरक्षा	418–1 ग्राहक गोपनीयता के उल्लंघन और ग्राहक डाटा के नुकसान से संबंधित प्रमाणित शिकायतें	गेल के भीतर और बाहर	डाटा उल्लंघनों की घटनाओं की संख्या
व्यापार नैतिकता, अखंडता, और अनुपालन (रिश्वत और भ्रष्टाचार विरोधी, प्रतिस्पर्धा विरोधी व्यवहार, धोखाधड़ी, कर पारदर्शिता और रणनीति)	नैतिकता और अखंडता, प्रतिस्पर्धा विरोधी व्यवहार, भ्रष्टाचार विरोधी, व्यावसायिक नैतिकता, व्यापार में पारदर्शिता, कर रणनीति	102–16 मूल्य, सिद्धांत, मानक और व्यवहार के मानदंड, 102–17 नैतिकता के बारे में सलाह और चिंताओं के लिए तंत्र, 205– भ्रष्टाचार विरोधी, 206 प्रतिस्पर्धा–विरोधी व्यवहार	गेल के भीतर और बाहर	भ्रष्टाचार विरोधी नीतियों और अन्य संगठनात्मक प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कर्मचारियों का प्रतिशत, रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के मामलों की संख्या
मानव पूँजी प्रबंधन (कर्मचारी कल्याण, कर्मचारी जुड़ाव, विविधता और समावेशन)	प्रतिभा अधिग्रहण और विकास, विविध और समावेशी कार्यबल, कर्मचारी जुड़ाव, नेतृत्व और उत्तराधिकार योजना, श्रम अभ्यास और मानवाधिकार, कर्मचारी कल्याण, शिकायत तंत्र सुरक्षा अभ्यास	401–रोजगार, 402–श्रम प्रबंधन, 404–प्रशिक्षण और शिक्षा, 407–सामूहिक सौदेबाजी की स्वतंत्रता, 408–बाल श्रम, 409–जबरन श्रम, 410–सुरक्षा व्यवहार, 412–मानव अधिकार मूल्यांकन, 405– विविधता और समान अवसर	गेल के भीतर	औसत प्रशिक्षण घंटे, नौकरी छोड़ने की दर, कर्मचारियों की संख्या, मानव अधिकारों पर प्रशिक्षण, प्रशिक्षण प्रभावकारिता स्कोर, प्रशिक्षण व्यय
मानवाधिकारों का संरक्षण, सामुदायिक विकास (स्वदेशी लोगों के अधिकार, भूमि और संसाधन अधिकार), ग्राहक संबंध, अनुभव और संतुष्टि, विपणन और लेबलिंग परिपाटियाँ	प्रापण प्रथाएँ, स्वदेशी अधिकार, स्थानीय समुदाय, सामुदायिक जुड़ाव, ग्राहक संबंध प्रबंधन, उत्पाद लेबलिंग, ग्राहक संतुष्टि	411– स्वदेशी लोगों के अधिकार, 413– स्थानीय समुदाय, 417– विपणन और लेबलिंग, 418–ग्राहक गोपनीयता,	गेल के भीतर और बाहर	स्थानीय सामुदायिक जुड़ाव के साथ संचालन की कुल संख्या, स्थानीय समुदायों पर महत्वपूर्ण वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों के साथ संचालन की कुल संख्या, शिकायतों और निवारण तंत्र के माध्यम से शिकायतों की संख्या, आकांक्षी जिलों में कुल सीएसआर व्यय, ग्राहक संतुष्टि सूचकांक

प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदा जोखिम – विभिन्न जोखिम गैस परिवहन और वितरण से जुड़े होते हैं जैसे पाइपलाइनों का फटना, भूकंप, सुनामी, आतंकवादी गतिविधियाँ आदि। इन जोखिमों को इन परियोजनाओं के डिजाइन चरण से ही कम किया जा रहा है। हालाँकि, ऐसे प्राकृतिक या मानव निर्मित जोखिम आकस्मिक घटनाएँ हैं और इन्हें पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता है। यदि ऐसी कोई घटना होती है, तो कंपनी महत्वपूर्ण देनदारियों को वहन करेगी।

GRI 102-47, GRI 103-1, GRI 103-2, GRI 103-3

6

गेल की शासन संरचना में निदेशक मंडल की **13 उप–समितियाँ** शामिल हैं

उद्यम जोखिम प्रबंधन (ईआरएम), गेल को वित्तीय और गैर–वित्तीय दोनों जोखिमों का पता लगाने और प्रबंधन करने में सक्षम बनाता है

गेल जोखिम प्रबंधन में एक **3–चरणीय मूल्यांकन** शामिल है जिसमें पहचान, विश्लेषण और आकलन शामिल है।

मजबूत नियंत्रण और व्यापार लचीलापन

6.1 गेल में नियंत्रण और बोर्ड की निगरानी

6.1.1 नियंत्रण और जोखिम प्रबंधन

गेल, एक जिम्मेदार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के रूप में एक ठोस निगमित नियंत्रण संरचना के विकास और कार्यान्वयन को प्राथमिकता देकर नैतिक व्यापार आचरण के लिए मानक निर्धारित करती है। गेल के कॉरपोरेट गवर्नेंस फ्रेमवर्क का उद्देश्य जोखिमों का पता लगाना, उनका विश्लेषण करना और उन्हें संभालना है, साथ ही कंपनी के बोर्ड की निगरानी के साथ प्रबंधन की जिम्मेदारियों को संरेखित करने के लिए रचनात्मक प्रतिक्रिया प्रदान करना भी है। हम जोखिम का शिकार होने वाली स्थितियों को प्रबंधित करने के लिए नियमित आधार पर अपनी नीतियों और प्रक्रियाओं की जाँच और अद्यतन करते हैं, क्योंकि ये हमारी कंपनी के सुचारू कामकाज के लिए महत्वपूर्ण है।

6.1.2 नियंत्रण संरचना

निदेशक मंडल और विभिन्न बोर्ड समितियाँ नियंत्रण प्रणाली के शीर्ष पर रहती हैं। गेल की एक एकीकृत बोर्ड संरचना है जिसे एक औपचारिक बोर्ड चार्टर द्वारा नियंत्रित किया जाता है जो बोर्ड की संरचना, जिम्मेदारियों और सदस्य चयन प्रक्रिया को रेखांकित करता है।

31 मार्च 2022 तक, बोर्ड में 12 सदस्य हैं, जिनमें 05 फंक्शनल निदेशक (अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सहित) और 07 गैर–कार्यकारी निदेशक (01 सरकारी नामित निदेशक और 06 स्वतंत्र निदेशक शामिल हैं)। हमारे बोर्ड में 01 महिला निदेशक भी शामिल हैं। बोर्ड के सदस्य का सामान्य कार्यकाल तीन से चार वर्ष का होता है। हमारे निदेशक मंडल की विविधता नीति के अंतर्गत उल्लेख किया गया है कि बोर्ड में कार्यकारी और गैर–कार्यकारी निदेशकों का इष्टतम मिश्रण शामिल होना चाहिए, जिसमें बोर्ड में कम से कम एक महिला स्वतंत्र निदेशक हो। भारत सरकार निदेशकों को नामित और नियुक्त करती है।

हमारे अधिकारियों के पास विपणन, परियोजना, ऑपरेटर, वित्त और नियंत्रण के क्षेत्र में व्यापक अनुभव है और वे सतत विकास और ईएसजी पर अत्यधिक जोर देते हैं। हम जलवायु परिवर्तन सहित बदलते ईएसजी परिदृश्य पर लगातार क्षमता–निर्माण सत्र भी आयोजित करते रहते हैं। इनका विवरण इस रिपोर्ट के अगले अध्यायों में दिया गया है। बोर्ड की संरचना और सदस्य प्रोफाइल के बारे में अतिरिक्त जानकारी हमारी वेबसाइट – https://www.gailonline.com/ABLeadership.html से ली जा सकती है।

निदेशक मंडल, संगठनात्मक प्रबंधन की देखरेख करता है और यह सुनिश्चित करता है कि सभी हितधारकों की जरूरतें तुरंत पूरी हों। निदेशक मंडल और वरिष्ठ प्रबंधन टीम हमारी मूल्य श्रृंखला में हितधारकों की चिंताओं को जिम्मेदारी से हल करके विभिन्न पार्टियों के दीर्घकालिक हितों को पहचानने का प्रयास करती

GRI 102-9, GRI 102-18, GRI 102-19, GRI 102-20, GRI 102-21, GRI 102-22, GRI 102-23, GRI 102-24, GRI 102-27, GRI 102-29, GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 202-2 GRI 405-1

है। सोच–विचार करके डिजाइन की गई इंडक्शन और ओरिएंटेशन वर्कशॉप नवनियुक्त निदेशकों को संगठनात्मक संरचना को समझने और फर्म के समग्र विकास में योगदान करने में मदद करती है। प्रेरण अवधि के दौरान उन्हें एक ऐसी स्वागत किट दी जाती है जो उनके कार्यों और जिम्मेदारियों के साथ–साथ किसी भी कानूनी या नियामक नीतियों का पालन करने के लिए आवश्यक होती है। हम अपनी प्रशिक्षण नीति के अनुसार बोर्ड के सदस्यों को उनके कौशल और विशेषज्ञता को बढ़ाने और उन्नत करने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। इस नीति के हिस्से के रूप में निदेशकों सहित बोर्ड के सदस्यों को अक्सर सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई), सार्वजनिक उद्यमों के स्थायी सम्मेलन (एससीओपीई), और अन्य वैश्विक संगठनों विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ), अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए), अंतर्राष्ट्रीय गैस संघ (आईजीयू) और ब्लूमबर्ग जैसे संगठनों द्वारा आयोजित उद्योग सम्मेलनों में बोलने के लिए नामित किया जाता है।

वित्तीय वर्ष 2021–22 में निदेशक मंडल के लिए प्रशिक्षण

क्रम सं.	प्रशिक्षण विषय	भाग लेने वाले निदेशकों की संख्या
1.	पहली बोर्ड बैठक पर उन्मुखीकरण सत्र का आयोजन	06
2.	सीपीएसई के नवनियुक्त गैर–सरकारी निदेशकों के क्षमता निर्माण के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम	05
3.	"बोर्ड के अध्यक्ष और स्वतंत्र निदेशकों की भूमिका" में भाग लेने के लिए गेल से नामांकन	01
4.	भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) और भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) के सहयोग से ऑनलाइन मोड के माध्यम से सीपीएसई के स्वतंत्र निदेशकों के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम	03
5.	शहर गैस वितरण एवं संपीडित प्राकृतिक गैस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित की गई	01

6.1.3 बोर्ड की समितियाँ

31 मार्च 2022 तक, गेल की नियंत्रण संरचना में निदेशक मंडल की 13 समितियाँ शामिल हैं जिनमें पाँच सांविधिक समितियाँ मुख्य रूप से लेखा परीक्षा समिति, निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व समिति, नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति, हितधारक संबंध समिति और जोखिम प्रबंधन समिति शामिल हैं। अच्छी तरह से परिभाषित संदर्भ की शर्तें प्रत्येक समिति को कुशलता से काम करने में सक्षम बनाती हैं, जिसमें चिंताओं का त्वरित समाधान भी शामिल है, क्योंकि प्रत्येक समिति विशेष जिम्मेदारियों का पालन करती है। निम्न तालिका में बोर्ड स्तर पर विभिन्न समितियों की गणना प्रस्तुत की गई हैः

क्रम सं.	बोर्ड की समितियाँ	वित्तीय वर्ष 2021–22 में आयोजित बैठकों की संख्या
1.	लेखा परीक्षा समिति	11
2.	व्यवसाय विकास और विपणन समिति	10
3.	निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व समिति	04
4.	अधिकार प्राप्त संविदा एवं प्रापण समिति – ईसीपीसी	15
5.	अधिकार प्राप्त समिति (प्राकृतिक गैस, एलएनजी और पॉलिमर)	शून्य
6.	वित्त समिति	04
7.	मानव संसाधन समिति	02
8.	नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति	01
9.	परियोजना मूल्यांकन समिति	02
10.	हितधारक संबंध समिति	01
11.	सतत विकास समिति	04
12.	हितधारक शिकायत निवारण समिति	02
13.	जोखिम प्रबंधन समिति	02

प्रत्येक समिति में स्वतंत्र और गैर–स्वतंत्र दोनों निदेशकों को शामिल करने से न केवल बोर्ड में विविधता पैदा होती है बल्कि इससे उन्हें अपनी कार्यवाही में निष्पक्ष और न्यायपूर्ण होने का मौका भी मिलता है। जबकि बोर्ड अपने पूर्व–निर्धारित रणनीतिक फोकस क्षेत्रों पर काम करता है, यह प्रदर्शन लक्ष्य निर्धारित करने के लिए समर्पित है जिसमें पूरे वर्ष के लिए ईएसजी–विशिष्ट और जलवायु परिवर्तन से संबंधित लक्ष्य शामिल हैं। निदेशक मंडल नियमित रूप से समितियों के प्रदर्शन के साथ–साथ कंपनी के लक्ष्यों और ध्येय का मूल्यांकन और निगरानी करता है।

GRI 102-18, GRI 102-22, GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 405-1

वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए हमारी इस वार्षिक रिपोर्ट में हमारी सांविधिक बोर्ड समितियों की संरचना और गेल की निगमित प्रशासन नीतियों पर विस्तृत जानकारी शामिल है। इसे हमारी वेबसाइट https://www.gailonline.com/pdf/CSR/CGRAsOn31032022.pdf पर भी देखा जा सकता है।

कम उत्सर्जन आधारित भविष्य के प्रति प्रतिबद्ध!

गैर–नवीकरणीय ऊर्जा श्रेणी के तहत गेल को इकोनॉमिक टाइम्स एनर्जी ट्रांजिशन अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया है। श्री दीपक गुप्ता, निदेशक (परियोजना) ने गेल की पूरी टीम की ओर से पुरस्कार प्राप्त किया।

6.1.4 निष्पादन मूल्यांकन, पारिश्रमिक और प्रोत्साहन

हम एक सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम हैं और हमारे निदेशकों को भारत सरकार द्वारा नियुक्त/नामित किया जाता है। सरकार नियुक्ति प्राधिकारी के रूप में प्रदर्शन मूल्यांकन भी करती है। नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की भूमिका सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015, कंपनी अधिनियम, 2013 और सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) के केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों हेतु निगमित प्रशासन, 2010 समय–समय पर संशोधित दिशा–निर्देशों के अनुसार है। 31 मार्च 2022 तक, कंपनी की नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति में अध्यक्ष के रूप में डॉ नंदगोपाल नारायणसामी, डॉ नवनीत मोहन कोठारी और सदस्य के रूप में श्री शेर सिंह शामिल थे। बोर्ड द्वारा विचार करने से पहले नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति प्रदर्शन संबंधित भुगतान (पीआरपी) के अलावा मुआवजे और प्रोत्साहन से संबंधित मुद्दों की समीक्षा करने के लिए जिम्मेदार है। कंपनी और बोर्ड के सदस्यों के प्रदर्शन का मूल्यांकन वित्तीय और गैर–वित्तीय दोनों मानदंडों पर किया जाता है, जैसा कि गेल और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) के बीच समझौता ज्ञापन में निर्दिष्ट है। एमओयू विजन, वेटेज और लक्ष्य प्रदान करता है जो राजस्व, मार्केट कैप, कैपेक्स, ईबीआईटीए, आदि जैसे आर्थिक मापदंडों से संबंधित है, साथ ही साथ, अनुसंधान एवं विकास/नवोन्मेषी पहल पर खर्च, एमएसएमई (हाशिए पर रहने वाले समूहों और महिलाओं) से खरीद, कंपनी के अधिनियम, आदि अनुपालन से संबंधित हैं। वरिष्ठ प्रबंधन प्रदर्शन मूल्यांकन, जिसमें सीएमडी, निदेशक, ईडी और जीएम शामिल हैं, रिपोर्टिंग अवधि के दौरान गेल के व्यवसाय, वित्तीय, सीएसआर, मानव संसाधन और आर एंड डी प्रदर्शन के आधार पर व्यक्ति के पैरामीट्रिक स्कोरिंग पर आधारित है। इसमें कंपनी के समग्र ईएसजी प्रदर्शन में सुधार लाने के उद्देश्य से वित्तीय और गैर–वित्तीय दोनों लक्ष्य शामिल हैं। सरकार के साथ हस्ताक्षरित वार्षिक रिपोर्ट और समझौता ज्ञापन में प्रदर्शन लक्ष्य और उसके समकक्ष मुआवजे के बारे में अधिक जानकारी मौजूद है। निष्पादन से संबंधित पारिश्रमिक की गणना, निष्पादन मूल्यांकन स्कोर और समग्र स्कोर का उपयोग करके की जाती है। चालू रिपोर्टिंग वर्ष में, कोविड–19 महामारी के निरंतर प्रतिकूल प्रभावों के बावजूद गेल ने अपनी समझौता ज्ञापन की जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए ईमानदारी से प्रयास किए हैं। वित्त वर्ष 2021–22 के लिए एमओयू का स्व–मूल्यांकन पूरा किया जाएगा और समय पर लोक उद्यम विभाग (डीपीई) को प्रस्तुत किया जाएगा।

GRI 102-35, GRI 102-26, GRI 102-28, GRI 102-36, GRI 102-37

वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान, प्रबंधन और गैर–प्रबंधन पदों पर हमारी महिला कर्मचारियों को क्रमशः ₹1,31,652 और ₹62,168 का औसत मासिक पारिश्रमिक प्राप्त हुआ, जबकि कार्यकारी और प्रबंधन पदों में उनके पुरुष समकक्षों ने क्रमशः ₹1,49,724 और ₹ 67,540 अर्जित किए। प्रबंधन और गैर–प्रबंधन स्तरों का अनुपात 0.87 और 0.92 (औसत महिला वेतन से औसत पुरुष वेतन) है। इस रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, गेल को अपने कर्मचारियों के मुआवजे के भुगतान में कोई देरी नहीं हुई। भुगतान स्थापित किए गए वेतन चक्र के अनुसार निष्पादित किए जाते हैं।

वित्त वर्ष 2020–21 से वित्त वर्ष 2021–22 तक सबसे अधिक वेतन पाने वाले व्यक्ति के लिए वार्षिक कुल पारिश्रमिक में 35.44% की कमी आई है। वित्त वर्ष 2020–21 से वित्त वर्ष 2021–22 तक सभी कर्मचारियों (उच्चतम वेतन पाने वाले व्यक्ति को छोड़कर) के लिए वार्षिक कुल मुआवजे में औसतन 6.23% की वृद्धि हुई है। संगठन के उच्चतम–भुगतान वाले व्यक्ति के वार्षिक कुल मुआवजे का सभी कर्मचारियों के लिए औसत वार्षिक कुल मुआवजे का अनुपात (उच्चतम–भुगतान वाले व्यक्ति को छोड़कर) 2.58 है।

6.1.5 गेल में पारिश्रमिक और प्रोत्साहन की मुख्य विशेषताएँ

1. वित्त वर्ष 2021–22 में, सीईओ/सीएमडी का कुल मुआवजा ₹97,10,831 था।
2. वित्त वर्ष 2021–22 में, सभी कर्मचारियों (सीईओ/सीएमडी को छोड़कर) का औसत मुआवजा 14,06,628 रुपये था।
3. वित्त वर्ष 2021–22 में, सभी कर्मचारियों (सीईओ/सीएमडी को छोड़कर) का औसत मुआवजा ₹ 15,65,645 था।
4. सीईओ/सीएमडी वार्षिक मुआवजे और सभी कर्मचारियों के मुआवजे के औसत का अनुपात 2.58 है।
5. सीईओ/सीएमडी वार्षिक मुआवजे और सभी कर्मचारियों के मुआवजे के औसत के बीच का अनुपात 6.2 है।

हितों के टकराव से बचाव

सही नेतृत्व स्थापित करके हमारा उद्देश्य नैतिकता और विश्वास की संस्कृति को बढ़ावा देना है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि कार्यबल संचालन में हितों का कोई टकराव नहीं है, हम अपने सभी हितधारकों के बीच पारदर्शिता और जिम्मेदारी को बढ़ावा देते हैं। इसके अलावा, हम एक भरोसेमंद कार्यस्थल के रूप में बढ़ावा दे रहे हैं जिसमें कर्मचारी हितों के संभावित टकराव को उठाने और उजागर करने में संकोच नहीं करते हैं। ऐसी कठिनाइयों और चिंताओं को पर्याप्त रूप से प्रबंधित करने के लिए बोर्ड स्तर पर विचार–विमर्श भी किया जाता है। इसी अर्थ में हितों के टकराव के संदर्भ में गेल की नीतियाँ इस प्रकार हैं:

GRI 102-38, GRI 102-39, GRI 405-2, GRI 102-25, GRI 202-1

- जब भी किसी निदेशक की किसी एजेंडा/मामले में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हिस्सेदारी होती है तो वे चर्चा में भाग लेने से परहेज करते हैं। प्रत्येक निदेशक लिखित रूप में नोटिस देकर किसी कंपनी या निकाय की कॉर्पोरेट फर्म या व्यक्तियों के अन्य संघ में अपनी रुचि का खुलासा करता है और उसे बोर्ड के सामने रखा जाता है।
- गेल की संबंधित पार्टी लेनदेन नीति, हमें किसी भी संबंधित पार्टी लेनदेन से संबंधित चुनौतियों और चिंताओं को दूर करने में सक्षम बनाती है। सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) (चौथा संशोधन) विनियम, 2019 (समय–समय पर संशोधित) और कंपनी अधिनियम, 2013, इस नीति के मापदंडों को नियंत्रित करते हैं। इसमें संबंधित पक्षों से जुड़े लेनदेन को सँभालने के लिए भौतिकता नीतियाँ और सिफारिशें भी शामिल हैं। हमारी वार्षिक रिपोर्ट वह साधन है जिसके माध्यम से हम हितों के टकराव के साथ अपनी चिंताओं का खुलासा करते हैं।

हमारी वार्षिक रिपोर्ट में प्रत्येक निदेशक की उपस्थिति, अतिरिक्त निदेशकों की संख्या, समितियों की अध्यक्षता/सदस्यता और स्टॉक स्वामित्व के बारे में अतिरिक्त जानकारी शामिल है।

6.1.6 आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और उनकी समौचित्य

परिचालन और वित्तीय अखंडता बढ़ाने के लिए हमने अपनी आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के हिस्से के रूप में आशाजनक सिद्धांतों, ढाँचे और नीतियों की स्थापना की है। बेहतर वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया, अधिक सटीक और भरोसेमंद वित्तीय विवरणों की तैयारी के साथ–साथ

अधिक व्यापक ऑडिट में योगदान करती है। गेल की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली (आईएफसी), इस संगठन को अद्यतन औपचारिक, केंद्रीकृत और नियंत्रित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण दस्तावेज तैयार करने में मदद करती है। आईएफसी अनुपालन अध्ययन के बाद बाहरी सलाहकारों के परामर्श से एक जोखिम नियंत्रण मैट्रिक्स (आरसीएम) बनाया गया था।

गेल को वित्त वर्ष 2021–22 में लगातार 13वें वर्ष नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) से कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई है।

लेखापरीक्षा समितियाँ, आंतरिक नियंत्रण की निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हमारी आंतरिक ऑडिट टीम संभावित कमियों और जोखिमों के साथ–साथ संभावित दक्षताओं और प्रक्रिया में सुधार के संबंध में मार्गदर्शन और सिफारिशें प्रदान करती है। लेखा परीक्षा दल के सदस्यों की लेखांकन, सूचना प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग में अकादमिक एवं व्यावसायिक पृष्ठभूमि है। यह समूह जोखिम प्रबंधन प्रणाली का मूल्यांकन करता है और लेखा परीक्षा समिति को सूचित करता है। बोर्ड की ऑडिट कमेटी वार्षिक ऑडिट को अधिकृत करने और ऑडिट टीम के निष्कर्षों की समीक्षा करने के साथ–साथ सीएजी ऑडिट के लिए जिम्मेदार है। आंतरिक ऑडिट टीम, प्रमोटरों के लिए सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और ईएंडपी ब्लॉकों का भी ऑडिट करती है।

6.1.7 नैतिकता और सत्यनिष्ठा

गेल की आचार संहिता का उद्देश्य, उच्चतम नैतिक मानकों के साथ व्यापार करने की हमारी प्रतिबद्धता का समर्थन करना है। हमारी निगमित प्रक्रियाएँ और परिपाटियाँ, पर्यावरण, स्वास्थ्य और सुरक्षा, तथा मानव अधिकारों जैसे मुद्दों को संबोधित करते हुए उत्कृष्टता प्राप्त करने की दिशा में हमें सक्षम बनाती हैं।

हमारे विश्वासों, सिद्धांतों और मानकों को गेल की आचार संहिता और उससे जुड़े परिपत्रों में उल्लिखित किया गया है, यही हमारे संचालन की आधार के रूप में काम करते हैं। हम दीर्घकालिक विकास के साथ–साथ अपने ग्राहकों, कर्मचारियों और व्यावसायिक भागीदारों के साथ भरोसेमंद संबंध विकसित करते हैं और उन्हें संजोकर रखते हैं। वरिष्ठ प्रबंधन और बोर्ड के सदस्यों, ठेकेदारों और समस्त कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों सहित सभी कर्मचारियों द्वारा इस आचार संहिता का पालन करना आवश्यक है। एक जिम्मेदार कंपनी के रूप में, हम अपने सभी स्थानों पर भ्रष्टाचार विरोधी, बहिष्कार, निर्यात नियंत्रण और व्यापार प्रतिबंध कानून का पालन करते हैं। वित्त वर्ष 2021–22 में, 215 कर्मचारियों (कुल कर्मचारियों का 4.52%) ने भ्रष्टाचार विरोधी और अन्य संगठनात्मक परिपाटियों पर प्रशिक्षण लिया। हमारे मजबूत नीतिगत ढाँचे, हमें भ्रष्टाचार और अन्य अनैतिक आचरण से बचाने के साथ–साथ हमें अपने व्यवसाय को सतत विकास वाले तरीके से करने का अवसर देते हैं।

हमारे संगठन में नैतिकता और सत्यनिष्ठा की निगरानी करने वाली नीतियाँ नीचे सूचीबद्ध हैं।

- आचार संहिता, अनुशासन और अपील (सीडीए) नियम / स्थायी आदेश
- धोखाधड़ी निवारण नीति
- व्हिसल ब्लोअर नीति
- निष्पक्ष प्रकटीकरण और आचरण संहिता
- अप्रकाशित मूल्य–संवेदनशील जानकारी के प्रकटीकरण की परिपाटियाँ एवं प्रक्रियाएँ।
- अंदरूनी सूत्रों द्वारा व्यापार को विनियमित करने, निगरानी करने और रिपोर्ट करने हेतु आचार संहिता
- बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों हेतु आचार संहिता

हमने यह सुनिश्चित करने के लिए भौतिकता प्रकटीकरण का निर्धारण करने हेतु एक नीति भी अपनाई है कि हमारी भौतिक चिंताओं के बारे में हमारे हितधारकों को समय पर सूचित किया जाता है। यह नीति सेबी एलओडीआर, 2015 के विनियम 30 के अनुसार है।

हम यह सुनिश्चित करने के लिए नियमित आधार पर जागरूकता कार्यशालाएँ आयोजित करते हैं कि हमारे कर्मचारी और आपूर्तिकर्ता भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि हम इससे पूरी तरह स्वतंत्र हैं। इसके अलावा, हम अपनी परिचालन इकाइयों में संभावित भ्रष्टाचार के मुद्दों की पहचान करने के लिए समय–समय पर जोखिम मूल्यांकन करते हैं। वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान, हमारे पास भ्रष्टाचार से संबंधित एक उदाहरण था और भ्रष्टाचार के किसी अन्य बड़े जोखिम की खोज और रिपोर्ट नहीं की गई थी।

कर्मचारियों को सूचना के अधिकार, व्हिसल ब्लोअर नीति, धोखाधड़ी निवारण नीति और सत्यनिष्ठा संधि के तहत, व्यवसाय में किसी भी संदिग्ध, गैरकानूनी, अनैतिक या अनुचित कार्यों की रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इससे संगठन के भ्रष्टाचार

GRI 102-16, GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 205-2, GRI 205-1, GRI 205-3

विरोधी प्रयासों में सहायता मिलती है और सतर्कता प्रणाली मजबूत होती है।

गेल मूल गुण:

सत्यनिष्ठा और नैतिकता: हम सभी लोगों के साथ लेनदेन करने में पारदर्शी, निष्पक्ष और सुसंगत हैं। हम अपनी सभी गतिविधियों में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और विश्वसनीयता पर जोर देते हैं और व्यक्तिगत एवं संस्थागत सत्यनिष्ठा के उच्चतम स्तर का प्रदर्शन करना चाहते हैं।

सम्मान: हम लोगों में विश्वास करते हैं। हम कर्मचारियों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं और उनके अद्वितीय योगदान, टीम वर्क, गरिमा, अधिकारों और गोपनीयता का सम्मान करते हैं।

ग्राहक: हम अपने ग्राहकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए अथक प्रयास करते हैं और बेहतर उत्पाद और सेवाएँ प्रदान करके और स्थायी मूल्य सृजित करके उनकी पहली प्राथमिकता बनते हैं।

सुरक्षा: हमारा उद्देश्य पर्यावरण का सम्मान करते हुए अपने कार्यबल और अपने आसपास के समुदायों के लिए एक सुरक्षित कार्यस्थल प्रदान करना है।

उत्कृष्टता: हम सभी व्यावसायिक कार्यक्षेत्रों में उत्कृष्टता के शिखर को प्राप्त करना चाहते हैं, और यहाँ निरंतर सुधार और सीखने के साथ हमारी महत्वपूर्ण उपस्थिति है।

प्रौद्योगिकी एवं नवाचार: हम उद्यमशीलता की भावना को स्वीकार करते हैं और लगातार नई प्रौद्योगिकियों के विकास, नए विचारों/उत्पादों की शुरूआत, बेहतर प्रक्रियाओं, बेहतर सेवाओं और प्रबंधन परिपाटियों का समर्थन करते हैं।

नियंत्रण तंत्र

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के सिद्धांतों के अनुसार पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए पूरे संगठन में एक पर्याप्त ढाँचा तैयार किया गया है। हमने आरटीआई अधिनियम की आवश्यकताओं के तहत, नागरिकों को जानकारी प्रदान करने के लिए अपनी प्रत्येक इकाई/कार्यालय में सीपीआईओ/एसीपीआईओ/अपीलीय प्राधिकारी नामित किए हैं। आरटीआई दिशानिर्देश और अन्य संबंधित जानकारी गेल की वेबसाइट http://www.GAILonline.com/final site/RTI.html पर उपलब्ध हैं। इसके अलावा, यही लिंक आरटीआई आवेदनों पर एमआईएस रिपोर्ट, रिकॉर्ड रिटेंशन शेड्यूल और नवीनतम आरटीआई ऑडिट रिपोर्ट को होस्ट करती है।

वित्त वर्ष 2021–22 के लिए गेल के कॉर्पोरेट आरटीआई सेल के पास आरटीआई आवेदनों और प्रथम चरण की आरटीआई अपीलों के संबंध में 100% निपटान अधिकार है और कुल 1,109 प्राप्त आवेदनों के साथ ही वित्त वर्ष 2021–22 में 1,313 (वित्त वर्ष 2020–21 के लिए आवेदनों सहित) का निपटारा कर दिया गया है । इसके अलावा, गेल को केंद्रीय सूचना आयोग से वर्ष 2021–2022 के लिए अपीलकर्ताओं के नेतृत्व वाली दूसरी अपीलों के संबंध में 'शून्य' जुर्माना/प्रतिकूल टिप्पणी प्राप्त हुई है।

आरटीआई आवेदन की स्थिति 2021–22

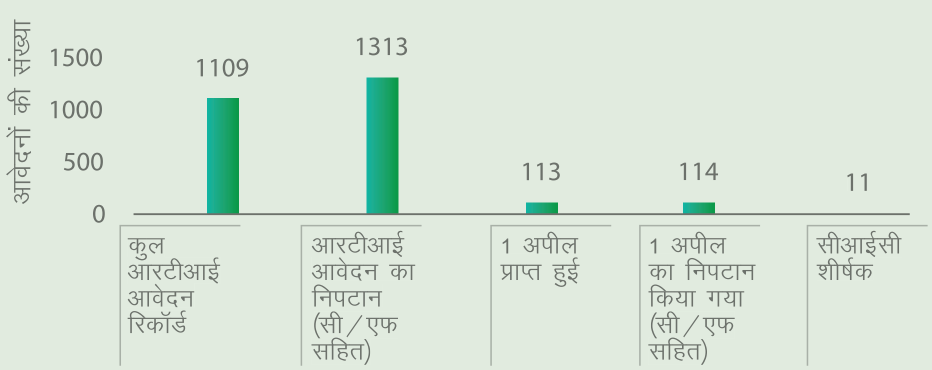

GRI 103-2, GRI 103-3

व्हिसल ब्लोअर नीतिः

हम अपने उन कार्यकर्ताओं को प्रतिशोध के भय से मुक्त होकर अपनी बात कहने के लिए प्रोत्साहित करते हैं जो संदिग्ध दुर्व्यवहार के बारे में चिंतित हैं। इस नीति के अंतर्गत कर्मचारियों को किसी भी तरह से परेशान या दुर्व्यवहार के भय से मुक्त अपनी चिंताओं को व्यक्त करने के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने का प्रयास किया गया है।

धोखाधड़ी निवारण नीतिः

गेल ने धोखाधड़ी या संदिग्ध धोखाधड़ी/धोखाधड़ी वाले कार्यों का पता लगाने, उन्हें रोकने और रिपोर्ट करने के लिए, इस नीति को लागू किया है। इसमें गेल के कर्मचारी (कर्मचारियों), सलाहकार के रूप में काम करने वाले कर्मचारी, तदर्थ/अस्थायी/संविदा व्यक्ति, विक्रेता, आपूर्तिकर्ता, ठेकेदार, ग्राहक, ऋणदाता, सलाहकार, सेवा प्रदाता, कोई बाहरी एजेंसी या उनके प्रतिनिधि, ऐसी एजेंसियों के कर्मचारी और/या अन्य पक्ष द्वारा गेल के साथ व्यापार लेनदेन में की गई धोखाधड़ी या संदिग्ध धोखाधड़ी शामिल है।

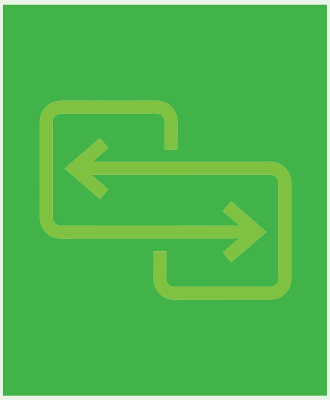

संबंधित पार्टी लेनदेनः

सेबी एलओडीआर, 2015 और कंपनी अधिनियम, 2013 के विनियम 23 की आवश्यकता के अनुरूप, गेल की लेखा परीक्षा समिति, त्रैमासिक रूप से संबंधित पार्टी लेनदेन के विवरण की समीक्षा करती है। संबंधित पार्टी के लेन–देन के लिए आवश्यकतानुसार ऑडिट कमेटी/बोर्ड/या शेयरधारकों का अनुमोदन लिया जाता है। इस प्रणाली के अंतर्गत पारदर्शिता में सुधार के लिए ई–निविदा, ई–भुगतान, बिल वाच सिस्टम आदि जैसी पहल की गई है।

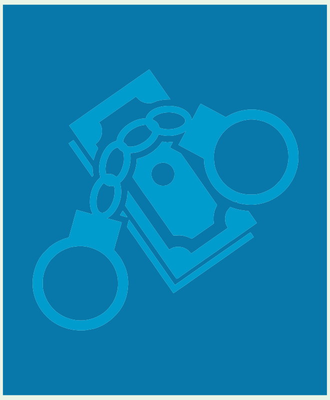

भ्रष्टाचार विरोधीः

गेल, संगठनात्मक स्तर पर नैतिकता, रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के दिशा–निर्देशों और परिपत्रों का दृढ़ता से समर्थन करती है। यह नीति गेल और उसकी सहायक कंपनियों के साथ–साथ गेल सतर्कता विभाग के अधिकार क्षेत्र वाले संयुक्त उद्यमों पर भी लागू होती है। भ्रष्टाचार के खिलाफ गेल के हितधारकों को संवेदनशील बनाने के लिए एक वार्षिक सतर्कता जागरूकता सप्ताह भी आयोजित किया जाता है।

GRI 102-17, GRI 102-16, GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 205-1, GRI 205-2, GRI 205-3, GRI 206-1

व्यापार में पारदर्शिता

हम अपने समर्थन देने के दृष्टिकोण को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने हेतु नियमित बैठकें करते हैं और अपने हितधारकों, शेयरधारकों, नीति निर्माताओं और सहकर्मी कंपनियों के साथ संवाद करते हैं। यह हमारी भ्रष्टाचार–विरोधी प्रथाओं के साथ–साथ हमारी सतत विकास परियोजनाओं के अन्य हिस्सों को बढ़ाने और मजबूत करने में हमारे लिए सहायक है। निदेशक मंडल नियमित आधार पर प्रशिक्षण, कार्यान्वयन और निगरानी कार्यों से संबंधित आंतरिक नीतियों की जाँच करता है। हम सार्वजनिक रूप से स्पष्ट स्थिति बताते हैं, अपनी चिंताओं को व्यक्त करते हैं और संवादों तथा मंचों के माध्यम से अपनी परियोजनाओं को अनुकूलित करने और बढ़ाने के लिए उद्योग की सर्वोत्तम परिपाटियों से खुद को अपडेट रखते हैं।

कर रणनीति

गेल सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। भारत सरकार (जीओआई) के पास पेड–अप इक्विटी शेयर पूँजी का 51.45ः है। कर रणनीतियों से संबंधित नीति भारत सरकार द्वारा शासित होती है। हम भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर, उपकर, माल और सेवा कर, तथा किसी भी अन्य वैधानिक बकाया सहित वैधानिक आवश्यकताओं का पालन उपयुक्त अधिकारियों के माध्यम से करते हैं। हम भारत सरकार द्वारा अधिसूचित कर नीतियों के अंतर्गत आए संशोधनों का कड़ाई से पालन करते हैं।

प्रत्यक्ष कर मामलों का निपटान – गेल ने 'विवाद से विश्वास' योजना के तहत वित्त वर्ष 2020–21 के प्रत्यक्ष कर विवाद के निपटारे के लिए आवेदन किया है और इसे आयकर विभाग ने स्वीकार कर लिया है। इससे प्रत्यक्ष कर के 44 मामलों का निपटान होगा।

प्रतिस्पर्धा विरोधी व्यवहार

हमारे सभी हितधारकों की कार्रवाइयाँ, हमारे व्यापार संचालन में स्पष्टता बनाए रखने और प्रोत्साहित करने में हमारी मदद करने के लिए होती हैं। हम यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारे व्यवसाय को मजबूत करने के लिए प्रतिस्पर्धा–विरोधी व्यवहार को हतोत्साहित किया जाए। हमारे संगठन के सभी स्तरों पर हम अपनी प्रणालियों और प्रक्रियाओं को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के साथ संरेखित करके ऐसा करते हैं। पिछले पाँच वर्षों में हमने इस तरह के गलत कामों के लिए कोई जुर्माना या समझौता नहीं किया है।

GRI 206-1, GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 419-1

विवाद समाधान प्रक्रियाओं के अंतर्गत संज्ञान में लाए गए मामले अभी भी लंबित हैं।

इसके अलावा, कुछ ऐसे मामले भी दर्ज किए गए हैं जिनमें हमें, अद्यतन स्थिति के अनुसार, प्रतिस्पर्धा–विरोधी गतिविधि, विश्वास उल्लंघन, एकाधिकार कानून और अनुचित व्यापार प्रथाओं के संदर्भ में एक भागीदार के रूप में पहचाना गया है। ऐसे सभी मामले जिसके अंतर्गत, हमें अग्रलिखित मामलों में एक प्रतिभागी के रूप में पहचाना गया है – प्रतिस्पर्धा–विरोधी व्यवहार, गैर–जिम्मेदार विज्ञापन, अनुचित व्यापार व्यवहार और विश्वास–विरोधी और एकाधिकार कानून के उल्लंघन से संबंधित कारणों को प्रस्तुत किया गया है।

हमने वित्तीय वर्ष 2021–22 तक निम्नलिखित मामलों की स्थिति प्रस्तुत की है, जो गेल के खिलाफ पहचाने गए अनुचित व्यापार प्रथाओं, प्रतिस्पर्धा–विरोधी व्यवहार और एकाधिकार के संबंध में निपटाए गए/लंबित थेः

i) जीएसपीसीएल ने गेल–पीएलएल से जीएसपीएल–पीएलएल कनेक्टिविटी को बदलने की अनुमति नहीं देने के लिए प्रतिबंधात्मक व्यापार अभ्यास (आरटीपी) का दावा करते हुए पीएनजीआरबी के समक्ष गेल के खिलाफ मामला दायर किया। पीएनजीआरबी ने गेल के खिलाफ फैसला सुनाया। गेल ने इसे एपीटीईएल के समक्ष चुनौती दी जिसने गेल के पक्ष में निर्णय लिया। जीएसपीसीएल ने उस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील कर रखी है और वह लंबित है।

ii) जीएसपीसी गैस ने पीएनजीआरबी के समक्ष आरटीपी का दावा करते हुए गेल के खिलाफ मामला दायर किया, लेकिन वह गेल के पक्ष में था। जीएसपीसी गैस ने एपीटीईएल के समक्ष उक्त आदेश के खिलाफ अपील दायर की है और पीएनजीआरबी के आदेश को उलट दिया गया है। अब गेल ने सुप्रीम कोर्ट में एक अपील दायर की है और वह लंबित है।

iii) जीएसपीसीएल ने पीएनजीआरबी के समक्ष गेल के खिलाफ अक्षय ऊर्जा के आधार पर पाइपलाइन क्षमता की बुकिंग करते समय प्रतिबंधात्मक अभ्यास का आरोप लगाते हुए एक शिकायत दर्ज की। पीएनजीआरबी ने आरई आधार पर क्षमता की बुकिंग के लिए जीएसपीसीएल द्वारा दायर की गई शिकायत का निपटारा करते हुए कहा कि सामान्य वाहक क्षमता की बुकिंग करते समय गेल द्वारा अपनाई गई प्रथा भेदभावपूर्ण है और यह प्रतिबंधात्मक व्यापार अभ्यास के बराबर है, क्योंकि इसके अंतर्गत जहाज या भुगतान आधार पर मानक जीटीए निष्पादित करने और अन्य गैस

आपूर्तिकर्ताओं पर इस तरह का प्रतिबंध लगाने के लिए अपने ग्राहकों को बिना आवश्यकता के बंडल सेवाएँ प्रदान की गई हैं। पीएनजीआरबी ने गेल को आरटीपी बंद करने का निर्देश दिया और गेल पर 1 लाख रुपये का नागरिक जुर्माना भी लगाया। गेल ने उक्त आदेश को एपीटीईएल के समक्ष चुनौती दी। एपीटीईएल द्वारा दिए गए आदेश दिनांक 28 नवंबर 2014 द्वारा गेल की अपील को खारिज कर दिया गया। इसके बाद गेल ने सर्वोच्च न्यायालय में अपील दायर की। सुप्रीम कोर्ट ने 31 जनवरी 2016 के आदेश द्वारा पीएनजीआरबी के आदेश को रद्द कर दिया और संबद्ध आचार संहिता पर विचार करते हुए नए निर्धारण के लिए पीएनजीआरबी को मामला वापस भेज दिया। हालाँकि, पीएनजीआरबी ने एक बार फिर गेल के खिलाफ आरटीपी लगा दिया। गेल ने उक्त आदेश को एपीटीईएल के समक्ष चुनौती दी जिसमें 28 फरवरी 2019 के आदेश द्वारा मामले को पीएनजीआरबी अधिनियम के अनुसार पुनर्निर्धारण के लिए पीएनजीआरबी को वापस भेज दिया गया। हालाँकि, जीएसपीसीएल ने एपीटीईएल के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की, जिसमें नोटिस जारी किया गया है और यथास्थिति बनाए रखी जानी है। ये मामला अभी लंबित है।

iv) मेसर्स पायनियर गैस पावर लिमिटेड ने गेल के खिलाफ जीटीए के तहत जहाज या भुगतान शुल्क चार्ज करने के लिए आरटीपी का आरोप लगाते हुए एक शिकायत दर्ज की है। उक्त शिकायत पीएनजीआरबी के समक्ष लंबित है।

v) जीआईपीसीएल – जीआईपीसीएल ने सीसीआई के समक्ष गेल के खिलाफ बाजार में प्रमुख स्थिति के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज की थी। हालाँकि, सीसीआई ने शिकायत को खारिज कर दिया। लेकिन जीआईपीसीएल ने कॉम्पैट के समक्ष उस आदेश के खिलाफ अपील की जिसने डीजीआई द्वारा इस तरह के दुरुपयोग के लिए गेल के खिलाफ जाँच का निर्देश दिया। गेल ने उक्त आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में अपील दायर की है जिसमें जाँच के निर्देश पर रोक लगा दी गई है और यह मामला उच्चतम न्यायालय के समक्ष लंबित है।

vi) 2016 की अपील संख्या 131, 132, और 133, श्रवणथी एनर्जी प्रा. लिमिटेड, बीटा इंफ्राटेक प्रा. लिमिटेड, गामा इंफ्राप्रॉप प्रा. लिमिटेड ने पीएनजीआरबी के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें गेल के खिलाफ आरटीपी का आरोप लगाया गया था, जिसे पीएनजीआरबी द्वारा 11 अप्रैल 2016 के आदेश के तहत गेल के खिलाफ तय किया गया था। गेल ने एपीटीईएल के समक्ष पीएनजीआरबी के आदेश को चुनौती दी थी। एपीटीईएल ने 27 अक्टूबर 2021 को अपने फैसले में पीएनजीआरबी के निष्कर्षों को उलट दिया और अपील को खारिज कर दिया। एसएलपीईएल के फैसले के खिलाफ भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय में श्रवणथी एनर्जी प्रा. लिमिटेड, और गामा इंफ्राप्रॉप प्रा. लिमिटेड द्वारा एसएलपी दायर किया गया है, जो लंबित है।

GRI 205-2, GRI 206-1, GRI 102-43, GRI102-33, GRI 102-34, GRI 103-2

वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान निपटानः

i) राठी स्पेशल स्टील, राठी बार्स और राठी दक्षिण स्टील और अन्य ने प्रतिस्पर्धा अधिनियम के तहत व्यापार विरोधी प्रथाओं का आरोप लगाते हुए सीसीआई के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी। हालाँकि, इसे दिनांक 08.11.2018 के आदेश द्वारा खारिज कर दिया गया था। सीसीआई के फैसले से व्यथित, राठी स्पेशल स्टील, राठी बार्स, और राठी दक्षिण स्टील और अन्य ने एनसीएलएटी में अपील की। आदेश दिनांक 24.06.2021 के द्वारा, एनसीएलएटी ने तीनों अपीलों को खारिज कर दिया, क्योंकि पार्टियों ने अदालत के बाहर समझौता कर लिया था।

ii) 2016 की अपील संख्या 131, 132, और 133, श्रवणथी एनर्जी प्रा. लिमिटेड, बीटा इंफ्राटेक प्रा. लिमिटेड, गामा इंफ्राप्रॉप प्राइवेट लिमिटेड ने पीएनजीआरबी के समक्ष एक शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें गेल के खिलाफ आरटीपी का आरोप लगाया गया था, जिसे पीएनजीआरबी ने गेल के खिलाफ दिनांक 11.04.2016 के आदेश के तहत तय किया था। गेल ने पीएनजीआरबी के आदेश को एपीटीईएल के समक्ष चुनौती दी। एपीटीईएल ने अपने निर्णय दिनांक 27.10.2021 द्वारा पीएनजीआरबी के निष्कर्षों को उलट दिया और अपील को खारिज कर दिया। एसएलपीईएल के फैसले के खिलाफ भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय में श्रवणथी एनर्जी प्रा. लिमिटेड, और गामा इंफ्राप्रॉप प्रा. लिमिटेड द्वारा एसएलपी दायर किया गया है, जो लंबित है।

विवाद समाधान तंत्रः–

i) वित्तीय वर्ष 2021–2022 के दौरान सुलह के माध्यम से पेश आए मामलेः–

  क) गोल्ड प्लस ग्लास इंडस्ट्रीज बनाम गेल – समझौता विफल हुआ क्योंकि निपटान के

प्रस्ताव को गेल की निपटान शिकायत निवारण समिति (एसजीआरसी) द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया था।

ii) वित्तीय वर्ष 2019–2020 में सुलह के माध्यम से पेश आए मामलों की वर्तमान स्थिति निम्नानुसार है:

क) न्यूटन इंजीनियरिंग बनाम गेल, निपटान का प्रस्ताव एसजीआरसी के समक्ष लंबित है

ख) गेल बनाम भिलोसा, एसजीआरसी द्वारा अनुशंसित बंदोबस्त का प्रस्ताव। निदेशक मंडल (बीओडी) की स्वीकृति प्राप्त की जा रही है।

61.8 हितधारक शिकायत निवारण

समुदाय, हितधारकों, बड़ी जनता, आदि की शिकायतों को प्राप्त करने और हल करने के लिए हमारे पास कई तंत्र (शिकायत निवारण फोरम, ग्राहक संबंध प्रबंधन (सीआरएम), सतर्कता शिकायतें, विक्रेता शिकायत) हैं। हमारी शिकायत प्रणाली पारदर्शिता और समुदाय की अपेक्षाओं को भी सुनिश्चित करती है। गेल ने अपने प्रत्येक कार्यालय में एक समर्पित शिकायत प्रकोष्ठ स्थापित किया है और सभी शिकायतें एक ही प्रणाली में प्राप्त होती हैं और प्रत्येक शिकायत की अलग से एवं समान महत्व के साथ जाँच की जाती है। गेल के पास एक ऐसा ऑनलाइन शिकायत प्रणाली है जिसे समुदाय की शिकायतों को प्राप्त करने और उनके निवारण के 360° मूल्यांकन के एक भाग के रूप में पेश किया गया है। इसके अतिरिक्त, हम सीपीजीआरएएमएस पर प्राप्त शिकायतों का निवारण और उनका समाधान भी करते हैं।

6.1.9 शिकायत निवारण तंत्र

गेल में हमारी दो शीर्ष प्राथमिकताएँ–हितधारकों की प्रतिक्रियाएँ और चिंताएँ हैं। शिकायत निवारण तंत्र, हमारे हितधारकों को कंपलेंट्स या शिकायतें प्रस्तुत करने का अवसर देता है। इसके परिणामस्वरूप, हमें उनके द्वारा उठाए गए किसी भी मुद्दे पर त्वरित प्रतिक्रिया देने का अवसर प्राप्त होता है, जिससे हमें बेहतर सेवाएँ प्रदान करने का मौका मिलता है। हमने 'समाधान' नामक एक ऑनलाइन शिकायत निवारण मंच बनाया है जिसका उपयोग हमारे सभी हितधारक अपनी शिकायतें हम तक पहुँचाने के लिए कर सकते हैं। सिस्टम के उल्लंघन और भ्रष्टाचार, जालसाजी, धोखाधड़ी, दुर्विनियोजन, एहसान, जानबूझकर अज्ञानता, लापरवाह निर्णय लेने, प्रक्रियाओं, और प्रत्यायोजित शक्ति के प्रयोग में अनियमितताएँ सभी को हमारे ऑनलाइन पोर्टल http:// GAILonline.com/onlineComplants.html का उपयोग करके रिपोर्ट और नियंत्रित किया जा सकता है। ओआईसी संपर्क ईमेल के माध्यम से हमारे संचालन के प्रत्येक स्थान पर कारखाने के प्रमुख के साथ सीधे शिकायत या समस्याएँ दर्ज करने का विकल्प भी हमारे पास है।

नागरिकों और जनता को व्यापक रूप से शिकायत निवारण तंत्र प्रदान करने के लिए सभी कार्यस्थलों और केंद्रों से प्राप्त सभी लिखित शिकायतों को केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) पर अपलोड किया जाता है, जो सभी नागरिकों यानि जिन्होंने यह शिकायत दर्ज कराई हो, उनके लिए सुलभ है। सीपीजीआरएएमएस भारत सरकार का एक पोर्टल है, जिसका उद्देश्य नागरिकों को उनकी शिकायतों के निवारण के लिए एक मंच प्रदान करना है। इसके अंतर्गत शिकायतें सीधे पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा प्राप्त की जाती हैं।

वित्तीय वर्ष 2021–22 में, रिपोर्टिंग अवधि के दौरान केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) के माध्यम से कुल 347 जन शिकायतें प्राप्त हुईं। सीपीजीआरएएम पोर्टल पर प्राप्त सभी शिकायतों को शिकायत निवारण प्रणाली के तहत हल किया जाता है।

सीपीजीआरएएमएस के माध्यम से प्राप्त कंपलेंट्स/शिकायतें – वित्तीय वर्ष 2021–22

पर्यावरण		श्रम अभ्यास		मानवाधिकार		समाज		
कंपलेंट्स/शिकायतों का स्रोत								
आंतरिक हितधारक	बाहरी हितधारक	आंतरिक हितधारक	बाहरी हितधारक	आंतरिक हितधारक	बाहरी हितधारक	आंतरिक हितधारक	बाहरी हितधारक	कुल
00	00	05	28	52	19	14	229	347

6.1.10 गेल में सतर्कता

गेल, उसकी सहायक कंपनियों के साथ–साथ गेल सतर्कता विभाग के अधिकार क्षेत्र वाले संयुक्त उद्यमों (जेवी) में रिश्वतखोरी या भ्रष्टाचार से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशा–निर्देशों और परिपत्रों का पालन करती है।

केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुसार, गेल ने कार्यों, वस्तुओं की खरीद और सेवाओं के लिए

एक करोड़ से अधिक मूल्य की अपनी निविदाओं में खरीद में सत्यनिष्ठा समझौते के प्रावधान को अपनाया है। सत्यनिष्ठा समझौता, निविदा और शिकायतों के समाधान में सीवीसी की स्थापित प्रक्रियाओं, नीतियों और दिशा–निर्देशों के अनुपालन की निगरानी के लिए एक स्वतंत्र मंच प्रदान करता है। वर्तमान में गेल के पास सभी निविदाओं में एलपी के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए तीन स्वतंत्र बाहरी मॉनिटर्स (एलईएम) का एक पैनल है।

गेल विजिलेंस, आंतरिक प्रक्रियाओं की समीक्षा करता है, नियमित औचक निरीक्षण करता है, आवधिक निरीक्षण करता है, विस्तृत गहन निरीक्षण करता है और सतर्कता कोणों, यदि कोई हो, का पता लगाने के लिए सीएजी/आंतरिक लेखापरीक्षा पैराओं की जाँच करता है। देखी गई कमियों का विश्लेषण किया जाता है और चूक की पुनरावृत्ति से बचने को सुनिश्चित करने के लिए प्रणालीगत सुधारों का सुझाव दिया जाता है। मैनुअल हस्तक्षेप को कम करने के लिए प्रक्रियाओं की अधिक पारदर्शिता और स्वचालन सुनिश्चित करने हेतु निरंतर प्रणाली में सुधार लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। हितधारकों – कर्मचारियों, ग्राहकों, ठेकेदारों और विक्रेताओं को संवेदनशील बनाने के लिए गेल के विभिन्न स्थानों पर विभिन्न जागरूकता कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं। वित्तीय वर्ष –2021–22 के दौरान, गेल के विभिन्न स्थानों से संबंधित विभिन्न अनुबंधों/प्रक्रियाओं/फाइलों का 38 औचक/आवधिक निरीक्षण किया गया। इसके अलावा, सतर्कता विभाग द्वारा ठेके/परियोजनाओं का 10 गहन निरीक्षण किया गया है।

हम हर साल केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के मार्गदर्शन में सतर्कता जागरूकता सप्ताह (वीएडब्ल्यू) भी मनाते हैं, जिसमें सभी वरिष्ठ नेतृत्व और अन्य कर्मचारी सक्रिय रूप से कार्यक्रमों और जागरूकता सत्रों में भाग लेते हैं। वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान, 26 अक्टूबर से 01 नवंबर 2021 तक हमारे निगमित कार्यालय और विभिन्न साइट कार्यालयों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह (वीएडब्ल्यू) मनाया गया और इस वर्ष की थीम "स्वतंत्र भारत / 75: सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भरता"। वीएडब्ल्यू के अवसर पर, केंद्रीय सतर्कता आयुक्त, श्री सुरेश एन. पटेल ने गेल निगमित कार्यालयों के सभी गेल कर्मचारियों को संबोधित किया। गेल के सभी प्रमुख 40 स्थानों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जोड़ा गया। गेल को प्रौद्योगिकी और मजबूत प्रणालियों का लाभ उठाने के लिए सराहना की गई थी और गेल के नेतृत्व को भुगतान और करों के केंद्रीकरण और रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन (आरपीए) जैसी विभिन्न व्यावसायिक प्रक्रियाओं के विजन और डिजिटलीकरण के लिए भी सराहना की गई थी। इस अवसर पर सीवीसी ने गेल सतर्कता विभाग के एक विशेष प्रकाशन 'जागरूक' का भी शुभारंभ किया।

वीएडब्ल्यू वित्त वर्ष 2021–22 की मुख्य विशेषताएँ हैं:

- वीएडब्ल्यू 2021 के दौरान, महाप्रबंधक (सतर्कता), नोएडा को सीवीसी द्वारा निवारक सतर्कता में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया था।
- गेल सीवीओ ने केवडिया, गुजरात में सीवीसी और सीबीआई के संयुक्त सम्मेलन के दौरान आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2021 के रन–अप कार्यक्रम में भाग लिया
- नई दिल्ली में बिजनेस पार्टनर इंटरएक्टिव मीट (वेंडर मीट) और एनसीआर, जयपुर और लखनऊ जोन के गैस, पेट्रोकेमिकल और एलएचसी ग्राहकों के लिए कस्टमर मीट का आयोजन किया गया।
- हितधारकों–कर्मचारियों, ग्राहकों, ठेकेदारों और विक्रेताओं को संवेदनशील बनाने के लिए गेल के विभिन्न स्थानों पर विभिन्न जागरूकता कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं। इस वर्ष, गेल ने जनहित प्रकटीकरण और मुखबिरों की सुरक्षा (पीआईडीपीआई) शिकायतों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सीवीसी के विशेष अभियान का समर्थन किया और एक लघु वीडियो फिल्म का प्रदर्शन करके पीआईडीपीआई शिकायत तंत्र के तहत विभिन्न प्रावधानों पर जनता को जागरूक किया।

इस अवधि के दौरान, मामलों की जाँच/ औचक जाँच के आधार पर, निम्नलिखित प्रणालीगत सुधारों का सुझाव दिया गया थाः

i. अनुबंध जनशक्ति के भुगतान/मजदूरी को सुव्यवस्थित करने के सुझाव– जैसे अनुबंध की मॉडल विशेष शर्तों में विभिन्न प्रावधानों को शामिल करना–भुगतान में देरी के लिए दंड प्रावधान, मजदूरी के भुगतान के खिलाफ साक्ष्य, अनुबंध कर्मचारियों के केवाईसी आदि।

ii. सीवीसी के विग्य वाणी न्यूजलेटर के डिजाइन, प्रकाशन और छपाई के लिए सीवीसी को सहायता और आवश्यक सहायता प्रदान की।

iii. एसएपी प्रणाली में लागू सीपीबीजी की राशि और सीपीबीजी की वैधता के लिए नियंत्रण एवं संतुलन बनाने हेतु सुझाव। इसके अतिरिक्त, संबंधित अभियंता प्रभारी/वित्त/अनुबंध अधिकारी को सीपीबीजी राशि की स्वतः गणना के कार्यान्वयन और ऑटो ई–मेल अलर्ट की तैयारी के लिए सुझाव दिए गए।

iv. ट्रकों में पॉलीमर उत्पादों की अधिक मात्रा में अनाधिकृत लोडिंग से बचने के लिए प्रत्येक लोडिंग बे में सीसीटीवी लगाने, सामग्री का मिलान आदि करने का सुझाव दिया गया।

जनता को जागरूक करने के लिए बंगलौर और राँची के 4 गाँवों में ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। भ्रष्टाचार को कम करने और समग्र सुशासन सुनिश्चित करने के लक्ष्य के साथ नीतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा भी की गई है। सतर्कता पर जागरूकता फैलाने और मुद्दों को प्रभावी ढंग से सँभालने के लिए सभी हितधारकों के लिए विक्रेता बैठकें, ग्राहक संवादात्मक बैठकें, सतर्कता जागरूकता कार्यशालाएँ / संवेदीकरण कार्यक्रम और इंजीनियर–प्रभारी कोचिंग नियमित आधार पर आयोजित की जाती हैं।

विजिलेंस विभाग विभिन्न स्रोतों से प्राप्त शिकायतों की जाँच करता है। शिकायतों/मामलों की जाँच और छानबीन के आधार पर संबंधित अधिकारियों/विक्रेता/आपूर्तिकर्ता आदि के खिलाफ अनुशासनात्मक प्राधिकारी को उचित कार्रवाई की सिफारिश की जाती है। इसके अलावा, नियमित रूप से औचक जाँच/निरीक्षण किए जाते हैं ताकि किसी भी सिस्टम आधारित खामी/चूक/अनियमितता या भ्रष्टाचार की किसी भी घटना का पता लगाया जा सके।

वित्त वर्ष 2021–22 में हमें सतर्कता के तहत 128 शिकायतें मिलीं और 125 शिकायतों (पिछले वर्ष की शिकायतों सहित) का सफलतापूर्वक समाधान किया गया।

6.2 जोखिम प्रबंधन

जोखिम प्रबंधन गेल की सभी परिचालन इकाइयों के भीतर जोखिमों की पहचान, विश्लेषण और प्रबंधन की एक सतत प्रक्रिया है। हालाँकि, हम सभी मानकों का पालन करते हैं और अपने उद्योग के साथियों के साथ तालमेल रखते हैं, हम एंटरप्राइज रिस्क मैनेजमेंट (ईआरएम) के माध्यम से वित्तीय और गैर–वित्तीय दोनों जोखिमों का पता लगाने के साथ–साथ उसका प्रबंधन भी करते हैं।

हमारे व्यवसाय के विकास को संभावित रूप से प्रभावित करने वाले कई कारकों (जलवायु परिवर्तन, ईंधन की कीमतों, ऊर्जा आपूर्ति सुरक्षा, आदि) का जोखिम मूल्यांकन, उद्यम जोखिम प्रबंधन के माध्यम से अध्ययन और विश्लेषण किया जाता है। प्रक्रिया के एक भाग के रूप में जोखिम प्रबंधन योजना में व्यवसाय निरंतरता योजना, जोखिम संचार और संसाधन आबंटन एवं अन्य शामिल हैं।

निम्नलिखित ढाँचा गेल में जोखिम प्रबंधन संरचना और जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया का वर्णन करता है:

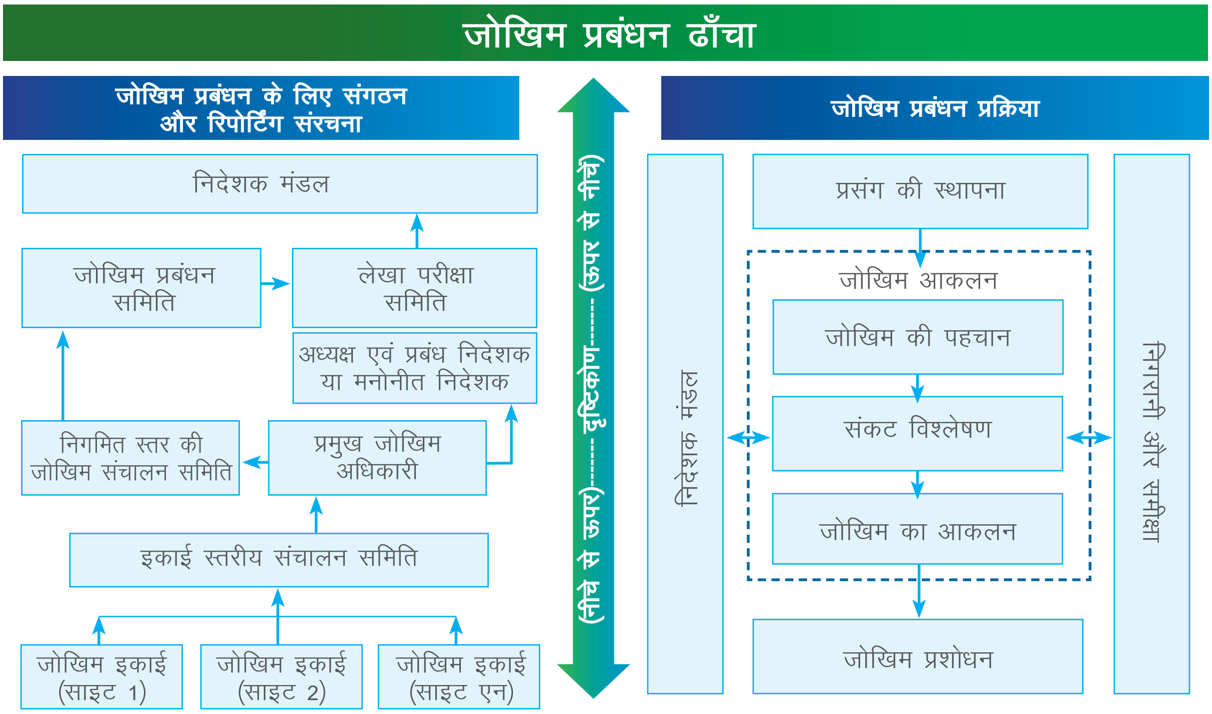

GRI 201-2, GRI 102-15, GRI 102-30, GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 403-2

हमारा प्रतिबद्ध और स्वतंत्र जोखिम प्रबंधन विभाग एक विकसित कारोबारी माहौल की माँगों को पूरा करने के लिए जोखिम प्रबंधन के प्रति हमारे दृष्टिकोण को बेहतर बनाने के लिए कॉर्पोरेट और व्यावसायिक दोनों स्तरों पर व्यापक जोखिम प्रबंधन नीतिगत ढाँचे को लागू करता है। जोखिम प्रबंधन नीति हमें लंबी अवधि के व्यापार विकास में योगदान करते हुए हमारी कंपनी में जोखिमों की समीक्षा करने, रिपोर्ट करने और कम करने में सक्रिय होने का अवसर देती है।

ईआरएम, समग्र नियंत्रण प्रणाली की एक वस्तुपरक तस्वीर पेश करके नियमित आधार पर संगठनात्मक जोखिमों की जाँच करने हेतु बोर्ड के लिए एक ऐसा एकीकृत ढाँचा प्रदान करता है जो गेल और इसकी सहायक कंपनियों के समग्र जोखिम प्रबंधन को एक स्थान पर इकट्ठा कर देता है। इसके अलावा, यह संचालन से संबंधित कंपनी प्रक्रियाओं में सुधार के अवसरों की बेहतर समझ प्रदान करता है।

ईआरएम को कंपनी–भर में आंचलिक विपणन कार्यालयों सहित सभी सुविधाओं में लागू किया गया है। गेल के जोखिम प्रबंधन प्रथाओं की दक्षता का आकलन करने के लिए निदेशक मंडल सर्वोच्च शासी प्राधिकरण है। बोर्ड, लेखा परीक्षा समिति, जोखिम प्रबंधन समिति और निगमित स्तर की जोखिम प्रबंधन समिति के माध्यम से पूरे संगठन में जोखिम प्रबंधन की एक पर्याप्त प्रणाली की स्थापना और कार्यान्वयन की देखरेख करता है। मुख्य जोखिम अधिकारी (सीआरओ), इकाई स्तर की जोखिम प्रबंधन समिति के अध्यक्ष और निगमित स्तर के जोखिम प्रबंधन समिति विभिन्न प्रकार के जोखिमों की समीक्षा करते हैं, चाहे वे मौजूदा और या लघु, मध्यम और दीर्घकालिक भविष्य में प्रत्याशित हों। जोखिम प्रबंधन विभाग, त्रैमासिक निदेशक (बीडी) की अध्यक्षता में कार्यकारी निदेशकों की निगमित स्तर जोखिम प्रबंधन समिति (सीएलआरएससी), स्वतंत्र निदेशक की अध्यक्षता में आरएमसी की बोर्ड स्तरीय समिति और लेखा परीक्षा समिति और बोर्ड को सालाना अवगत कराता है।

सामाजिक और पर्यावरणीय जोखिमों सहित इकाई स्तर के जोखिमों का मानचित्रण किया जाता है और कार्यकेन्द्रों के प्रभारी अधिकारी/फंक्शनल इकाई ओआईसी/कार्यात्मक प्रमुखों की अध्यक्षता वाली इकाई स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति के माध्यम से तिमाही निगरानी की जाती है। शमन उपाय भी संबंधित इकाइयों द्वारा तैयार और निगरानी की जाती है। गेल ने शीर्ष निगमित प्रमुख जोखिमों की पहचान की है जिसमें बाजार, रसद, रणनीतिक, संयुक्त उद्यम सहायक और वित्तीय जोखिम शामिल हैं।

जोखिम प्रबंधन और रणनीतिक पहल

गेल की व्यापक जोखिम प्रबंधन पहल हमें कानूनी, नियामक और सामाजिक अपेक्षाओं का पालन करते हुए अपने लक्ष्यों को पूरा करने और हमारे प्रचालन की रक्षा करने में सक्षम बनाती है। हम जोखिमों को कम करके प्रतिक्रिया देने और बदलते परिवेश के अनुकूल होने की अपनी क्षमता में सुधार करते हैं।

हमारे जोखिम प्रबंधन में तीन चरणों वाली जाँच होती है जिसमें निगमित प्रचालन के लिए संभावित खतरों की पहचान, विश्लेषण और मूल्यांकन शामिल है। यह प्रक्रिया, हमारी कंपनी के प्रचालन की रणनीतिक दिशा और प्रबंधन के साथ–साथ उचित जोखिम प्रबंधन में सहायता करती है। एक जोखिम रजिस्टर समीक्षा रिपोर्ट तिमाही के अंत के बाद 10वें दिन तक त्रैमासिक रूप से यूनिट जोखिम मालिकों द्वारा प्रस्तुत की जाती है और ऑनलाइन जोखिम प्रबंधन प्रणाली (आरएमएस) के माध्यम से वित्तीय वर्ष के अंत के बाद 15 जून तक सालाना एक जोखिम डाटाबेस समीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत की जाती है।

कंपनी विभिन्न प्रकार के जोखिमों का मूल्यांकन करती है, जिसमें वाणिज्यिक और वित्तीय जोखिम के साथ–साथ गैर–वित्तीय जोखिम जैसे कि जलवायु परिवर्तन, ईंधन मूल्य निर्धारण और ऊर्जा आपूर्ति सुरक्षा शामिल हैं, जिनका भविष्य में कंपनी पर प्रभाव पड़ सकता है। "जोखिम रेटिंग" संगठन पर उनके प्रभाव और घटना की संभावना के आधार पर पहचाने गए जोखिमों के अनुसार दी जाती है। "जोखिम वेग" की गणना करते समय किसी घटना के घटित होने और गेल पर उसके प्रभाव के बीच की अवधि पर विचार किया जाता है।

GRI 102-11, GRI 102-15, GRI 102-30, GRI 201-2, GRI 103-2, GRI 103-3

निगमित स्तर की जोखिम प्रबंधन समिति (सीएलआरएससी) से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अधिकृत जोखिम प्रबंधन नीति के अनुसार तिमाही आधार पर आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक जोखिमों सहित सभी निगमित स्तर के अवशिष्ट प्रमुख जोखिमों की स्थिति की जाँच करेगी। लेखापरीक्षा समिति के समक्ष रखने से पहले जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी) द्वारा स्थिति पर विचार किया जाता है। स्थिति को अनुमोदन के लिए प्रतिवर्ष बोर्ड के समक्ष रखा जाता है। हम अपने कार्यों के पर्यावरणीय प्रभाव के प्रति बहुत संवेदनशील हैं। ग्रीनहाउस गैसों के प्रभाव को कम/बेअसर करने और शून्य अपशिष्ट निपटान के लिए हमेशा प्रयास किए जाते हैं। जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न खतरे की पहचान करने के लिए विभिन्न इकाइयाँ काम कर रही हैं। गेल एचएसई के भीतर ऐसे समूह हैं जो पर्यावरण और सुरक्षा मुद्दों से संबंधित सभी जोखिमों का समन्वय करते हैं। सीएसआर समूह, सामाजिक और सीएसआर मुद्दों से जुड़े सभी जोखिमों के समन्वय की देखरेख करता है। ये समूह सुनिश्चित करते हैं कि प्रभावी शमन योजनाओं के कार्यान्वयन के माध्यम से सभी वर्तमान और भविष्य के पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक जोखिमों की पहचान की जाए, गुणात्मक और मात्रात्मक रूप से मूल्यांकन, विश्लेषण और सही ढंग से प्रबंधित किया जाए। हमारा प्रबंधन दोनों समूहों द्वारा नियमित आधार पर अद्यतन किया जाता है।

विस्तृत जोखिम को हमारी आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से गेल वार्षिक रिपोर्ट वित्त वर्ष 2021–22 के प्रबंधन, चर्चा और विश्लेषण अनुभाग में देखा जा सकता है।

6.2.2 प्रमुख जोखिम और शमन उपाय

कुछ जोखिमों को नियंत्रित करना आसान होता है, जबकि अन्य में काफी समय लगता है। नतीजतन, वित्तीय वर्ष के लिए जोखिम प्रबंधन चुनौतीपूर्ण रहता है। परिचालन प्रदर्शन में सुधार के लिए गेल निगमित स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति ने जोखिमों और शमन रणनीतियों की पहचान की है। हम पहचाने गए जोखिमों के समाधान/विचार–विमर्श के लिए आवश्यक कदम उठा रहे हैं। विशिष्ट जोखिमों के बारे में अधिक जानकारी के लिए हितधारकों को वार्षिक रिपोर्ट के प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण (एमडी एंड ए) अनुभाग को देखना चाहिए।

क्र.सं.	जोखिम विवरण	शमन योजना
1.	महामारी/महामारी/आपदा की स्थिति के कारण गेल के प्रचालन और व्यवसाय पर पड़ने वाले प्रभाव।	• कर्मचारियों का टीकाकरण 99% कवर • कोविड उपयुक्त व्यवहार और सरकारी दिशा–निर्देश/एसओपी अनुपालन विकसित • गैर जरूरी यात्रा से बचें • संभावित संक्रमणों की ट्रैकिंग और गेल के प्रतिष्ठानों पर निगरानी • प्रारंभिक चरण में संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए समय पर स्वास्थ्य प्रणाली का समर्थन/आंतरिक हितधारकों की चिकित्सा आवश्यकताएँ • परीक्षण शिविर/परीक्षण अभियान • विभिन्न प्रतिष्ठानों में कोविड केयर सेंटर।
2.	उपयोग का अधिकार (आरओयू)/भूमि प्राप्त करने में देरी के कारण परियोजना निष्पादन में देरी का जोखिम	• किसानों/भूस्वामियों के उम्मीदों/ मुद्दों के समाधान के लिए राज्य/जिला/राजस्व विभाग के साथ घनिष्ठ और प्रेरक संपर्क • स्थानीय लोगों के लिए जागरूकता अभियान। • सरकार के माध्यम से स्थायी भूमि का अधिग्रहण। किसानों/भूस्वामियों के साथ प्रक्रिया और बातचीत की जा रही है।

GRI 201-2, GRI 102-15

क्र.सं.	जोखिम विवरण	शमन योजना
3.	गैस ऊर्जा खपत में धीमी वृद्धि के कारण पाइपलाइनों के कम उपयोग का जोखिम	• छोटे ग्राहकों के लिए अधिक ग्राहक अनुकूल लचीला जीटीए/जीएसए • गैस परिवहन पर आस्थगित वितरण सेवाओं के लिए विकसित ढाँचा समझौता। • छोटे उपभोक्ताओं/शिपर्स के लिए लागू "गैस परिवहन समझौते के तहत उपभोक्ताओं/शिपर्स के साथ विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान" पर स्वीकृत दिशा–निर्देश। • सीजीडी बोली–प्रक्रिया को प्राथमिकता देने के लिए पीएनजीआरबी/एमओपीएनजी के साथ ऑनलाइन एनजी क्षमता बुकिंग की जा रही है • नए प्रमुख ग्राहक और एलएमसी बढ़ाना
4.	सिस्टम को दुर्भावनापूर्ण हमलों से बचाने के लिए अपर्याप्त नियंत्रण के परिणामस्वरूप डाटा की हानि हो सकती है और प्रचालन में व्यवधान आ सकता है।	• गेल का साइबर बीमा प्रस्ताव प्रगति पर है। • जीरो ट्रस्ट फ्रेमवर्क विकसित करना: मूल्यांकन पूरा हो गया है और कार्यान्वयन के लिए सिफारिशों की समीक्षा की जा रही है। • नेटवर्क ऑपरेशन एंड कंट्रोल सेंटर (एनओसीसी) सिस्टम सभी नेटवर्क मैनेजमेंट सिस्टम (एनएमएस) मशीनों पर स्थापित एंटी–वायरस (एंटी–स्पैम, एंटी–मैलवेयर इत्यादि की विशेषताएँ) के माध्यम से सुरक्षित है। सिस्टम आईटी नेटवर्क के साथ इंटरफेस नहीं करता है और इंटरनेट से अलग है। • एंटी–वायरस परिभाषाएँ नियमित रूप से अपडेट की जाती हैं। ओईएम से प्राप्त सॉफ्टवेयर पैच मैन्युअल रूप से एनओसीसी मशीनों पर लागू होते हैं। • एससीएडीए प्रणाली की सुभेद्यता का आकलन बाह्य एजेंसियों द्वारा प्रतिवर्ष किया जाता है। • आईटी सिस्टम सॉफ्टवेयर के नवीनतम संस्करण पर काम करते हैं। सिस्टम को साइबर हमले की संभावना कम रखने के लिए सॉफ्टवेयर पैच और खतरे की परिभाषाओं को नियमित रूप से अपडेट किया जा रहा है। इसके अलावा, साइबर सुरक्षा प्रणालियों की कई परतें मौजूद हैं और सिस्टम और डाटा को बाहरी/आंतरिक खतरों से बचाने के लिए सुरक्षा प्रचालन केंद्र (एसओसी) के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है। • प्रचालन/संयंत्रों में प्रयुक्त प्रणालियों से संबंधित सिफारिशों की नियमित लेखापरीक्षा और कार्यान्वयन।
5.	उद्योग की कम माँग, कम कीमत और उच्च इनपुट लागत के कारण पेट्रोकेमिकल के मार्जिन में कमी का जोखिम।	• पॉलिमर की कीमतों में तेज वृद्धि के साथ माँग में वृद्धि के कारण जोखिम कम हो गया है। • विपणन योग्य ग्रेड के उत्पादन के लिए उत्पादन संयंत्र के साथ समन्वय। • पॉलिमर बिक्री और मार्जिन में वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों/सीएस के साथ समन्वय। • फीडस्टॉक और रूपांतरण लागत का अनुकूलन (सी2/सी3 और पॉलिमर)
6.	कच्चे तेल की कीमतों में प्रतिकूल उतार–चढ़ाव के मामले में एचएच से जुड़े एलएनजी का बाजार जोखिम, एलएनजी की कीमतों में लगातार गिरावट और घरेलू गैस की मात्रा में वृद्धि की उम्मीद	एलएनजी वॉल्यूम के डेस्टिनेशन स्वैप, इंटरनेशनल मार्केट्स में सेल, टाइम स्वैप आदि और घरेलू माँग जैसी शमन योजनाओं के माध्यम से जोखिम को काफी हद तक कम किया जाता है।
7.	बड़े रिसाव का जोखिम– क). एलपीजी पी/एल और उनके आरटी/एसवी स्टेशन ख). एनजी पाइपलाइन और उनके आरटी/एसवी स्टेशन ग). पेट्रोकेमिकल और जीपीयू/सी2–सी3 संयंत्र	• निर्धारित अखंडता प्रबंधन प्रणाली के अनुसार पाइपलाइनों (एनजी और एलपीजी) और प्रक्रिया संयंत्रों के स्वास्थ्य एवं अखंडता की नियमित निगरानी। • लीक डिटेक्शन सिस्टम के माध्यम से पाइपलाइन/प्रोसेस सिस्टम लीकेज की निगरानी। • ओ एंड एम नीति और दिशा–निर्देशों के अनुसार पाइपलाइन रिसाव एवं अंतर्वेधन जाँच प्रणाली (पीएलआईडीएस) का कार्यान्वयन। • ईआरडीएम और निकासी एसओपी लागू हैं। • हॉट/मोबाइल फ्लेयर सिस्टम।

क्र.सं.	जोखिम विवरण	शमन योजना
		• उन्नत सीसीटीवी प्रणाली और क्यूआरटी की तैनाती के माध्यम से वास्तविक समय की निगरानी • अग्नि शमन उपकरण, आपातकालीन शटडाउन वाल्व, सुरक्षा ऑडिट, प्रशिक्षण, पीपीई का उपयोग और एसओपी का अनुपालन, पीएसवी अंशांकन, नियमित रूप से गुजरने वाले पीएसवी की जाँच। • एम बी लाल समिति की सिफारिशों का कार्यान्वयन और निगरानी। • तैयारियों की जाँच के लिए मॉक ड्रिल। • सिस्टम मैनुअल में अच्छी तरह से प्रलेखित आपातकालीन हैंडलिंग एवं शटडाउन हैंडलिंग योजनाएँ दी हुई हैं और नियंत्रण कक्ष में इसकी एक प्रति रखी हुई है। • सर्वश्रेष्ठ अग्निशमन प्रणाली
8.	तृतीय–पक्ष क्षति एवं अंतर्वेधन का जोखिम	• हेलीकाप्टर द्वारा आरओयू निगरानी में वृद्धि • पैदल गश्त– शहरी क्षेत्र/नगर (दैनिक), बहुत अधिक जनसंख्या घनत्व या संवेदनशील स्थान (दिन में दो बार) • नगर निगम/शहरी विकास प्राधिकरणों के साथ घनिष्ठ समन्वय • संवेदनशील स्थानों पर चेतावनी/सुरक्षा बोर्ड प्रदर्शित किए गए हैं। • संबंधित स्थलों द्वारा अतिक्रमण हटाने का प्रयास किया जा रहा है। • ओ एंड एम नीति और दिशा–निर्देशों के अनुसार पाइपलाइन रिसाव और अंतर्वेधन का पता लगाने वाली प्रणाली (पीएलआईडीएस) का कार्यान्वयन।
9.	प्रतिकूल नियामक परिवर्तनों का जोखिम	• नियामक द्वारा आयोजित सार्वजनिक परामर्श अभ्यासों में नियमित भागीदारी से गेल को किसी भी आसन्न नियामक परिवर्तन का अनुमान लगाने और उसके प्रति प्रतिक्रिया देने में मदद मिलती है। • मसौदा विनियमों के संबंध में नियामक को लिखित रूप में प्रस्तुत करने से गेल के दृष्टिकोण को नियामक के सामने प्रस्तुत करने में मदद मिलती है और इस प्रकार विनियमों में किसी भी आकस्मिक या अप्रत्याशित परिवर्तन से जुड़े जोखिमों में कमी आती है। • जहाँ कहीं उपयुक्त सरकारी हस्तक्षेप आवश्यक हो, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ कार्य करना।
10.	ओएनजीसी संयंत्रों के बंद होने और गेल की आंतरिक खपत के लिए एपीएम/गैर–एपीएम गैस के आबंटन में कमी के कारण गेल व्यवसाय पर प्रभाव।	• ओएनजीसी, नियोजित शटडाउन के मामले में समय पर सूचना प्रदान करता है। • सीजीडी संस्थाओं और अन्य क्षेत्रों को एपीएम/गैर–एपीएम गैस आबंटन मौजूदा एमओपी एंड एनजी दिशा–निर्देशों के अनुसार किया जाता है और ओएनजीसी के बंद/आपूर्ति में व्यवधान/बिक्री में व्यवधान के मामले में गैस आबंटन को तदनुसार संशोधित किया जाता है। • अनियोजित/आपातकालीन शटडाउन के मामले में गेल ओ एंड एम एक सुरक्षित तरीके से उतार–चढ़ाव को सँभालने के लिए सभी निवारक कार्रवाई करती है और गेल मार्केटिंग टीम कुल थ्रूपुट पर न्यूनतम प्रभाव के लिए ओएनजीसी गैस की कमी के अंतर को कम करने के लिए अतिरिक्त आरएलएनजी आबंटित करती है।
11.	गेल का पुनर्गठन जोखिम। (गेल की पाइपलाइन परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण और ट्रांसपोर्ट सिस्टम ऑपरेटर (टीएसओ) के निर्माण के कारण चुनौतियाँ)	गेल उपयुक्त संपत्ति मुद्रीकरण मोड के माध्यम से बाजार का परीक्षण करने पर विचार कर रही है। लेन–देन से प्राप्त आय का उपयोग गेल द्वारा पूरी तरह से अपनी आगामी बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं में नए निवेश के लिए किया जाता है।
12.	वैधानिक/विनियामक अननुपालन का जोखिम	वैधानिक आवश्यकता के अनुरूप पाइपलाइनों के लिए पीईएसओ अनुमोदन लिया जाता है, और ये प्रकृति में गतिशील है। नवीनीकरण के लिए निरंतर आवेदन जमा किए जाते हैं/नए सिरे से अनुमोदन नियमित रूप से किए जाते हैं।

6.2.3 गठबंधनों और संघों के माध्यम से समर्थन

व्यापार और उद्योग संगठनों के माध्यम से हम हमेशा सार्वजनिक नीति बहस और विधायी विकास में शामिल होते हैं। वित्त वर्ष 2021–22 में गेल 19 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों का हिस्सा थी। ये संस्थाएँ नीचे सूचीबद्ध हैं:

- तरलीकृत प्राकृतिक गैस आयातकों का अंतर्राष्ट्रीय समूह (जीआईआईजीएनएल)
- भारतीय पेट्रोलियम उद्योग संघ (एफआईपीआई)
- सार्वजनिक उद्यमों का स्थायी सम्मेलन (एससीओपीई)
- फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की)
- वैश्विक रिपोर्टिंग पहल (जीआरआई)
- केमिकल्स एंड पेट्रोकेमिकल्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सीपीएमए)
- टीईआरआई – सतत विकास के लिए व्यापार परिषद (टीईआरआईबीसीएसडी)
- भारतीय पवन ऊर्जा संघ (आईडब्ल्यूपीए)
- प्राकृतिक गैस सोसायटी (एनजीएस)
- बायोगैस इंडियनटेक एसोसिएशन
- इंटरनेशनल स्वैप एंड डेरिवेटिव्स एसोसिएशन (आईएसडीए)
- ब्रिटिश सुरक्षा परिषद
- राष्ट्रीय अग्नि सुरक्षा संघ (एनएफपीए)
- ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल इंडिया (टीआईआई)
- दिल्ली उत्पादकता परिषद (डीपीसी)
- यूएस इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम
- भारत म्यांमार चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएमसीसी)
- अंतर्राष्ट्रीय बाजार मूल्यांकन सीएफओ फोरम
- निदेशक संस्थान (आईओडी)

हम कई ऐसे सम्मानित उद्योग संगठनों और संघों के सदस्य हैं, जो उद्योग के मुद्दों पर चर्चा करने और अधिक समावेशी नीतियों और सुधारों को विकसित करने के लिए उद्योग की आवाज को सरकार के ध्यान में लाने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं।

GRI 102-13

यह जनता के कल्याणकारी विकास के लिए एक ठोस आधार प्रदान करता है। हमने इस रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान विभिन्न व्यापार संघों और थिंक टैंक समूहों को 1.4 करोड़ रुपये का सदस्य शुल्क दिया है ताकि व्यवसायों और हितधारकों के लिए एक सकारात्मक और पोषक वातावरण का निर्माण किया जा सके। हम नियमित आधार पर पीएनजीआरबी, नियामक एजेंसी के साथ संवाद करते हैं ताकि उन्हें वर्तमान घटनाओं और उद्योग के दृष्टिकोण से अपडेट रखा जा सके।

हम भारत के तरल प्राकृतिक गैस आयातकों के अंतर्राष्ट्रीय समूह (जीआईआईजीएनएल) के तीन सदस्यों में से एक हैं। जीआईआईजीएनएल, गेल को एलएनजी आयातों और एलएनजी आयात टर्मिनल परिचालनों की सुरक्षा, विश्वसनीयता और दक्षता में सुधार के लिए सूचना और विशेषज्ञता साझा करने के लिए उद्योग समकक्षों के लिए एक स्थान प्रदान करता है।

हम फेडरेशन ऑफ इंडियन पेट्रोलियम इंडस्ट्रीज (एफआईपीआई) की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य हैं। एफआईपीआई में गेल के हितों के लिए समर्पित कई कार्यकारी समितियाँ हैं, जिनमें से सभी में गेल सदस्य का प्रतिनिधित्व है। एफआईपीआई, भारत सरकार, नियामक एजेंसियों, बड़े पैमाने पर जनता और व्यापार संघों के साथ संसाधन अनुकूलन, सुरक्षा, टैरिफ, निवेश, एक स्वस्थ वातावरण और ऊर्जा संरक्षण जैसे अन्य मुद्दों पर काम करने के लिए तेल उद्योग के इंटरफेस के रूप में कार्य करती है।

हम सार्वजनिक उद्यमों के स्थायी सम्मेलन (एससीओपीई) के एक सक्रिय सदस्य हैं, जो भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (पीएसई) के पूरे स्पेक्ट्रम का प्रतिनिधित्व करने वाला सर्वोच्च निकाय है। एससीओपीई का विभिन्न उच्च–स्तरीय समितियों/बोर्डों में प्रतिनिधित्व है और इसके सदस्य सार्वजनिक उपक्रमों को विभिन्न प्लेटफार्मों पर अपनी आवाज पहुँचाने में मदद करते हैं।

हम फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) की कार्यकारी समिति के सदस्य और फिक्की हाइड्रोकार्बन समिति के सह–अध्यक्ष हैं। हाइड्रोकार्बन समिति का उद्देश्य देश की ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े मामलों पर विचार–विमर्श करना और अपने बौद्धिक इनपुट के माध्यम से इस क्षेत्र में भारत सरकार और अन्य निकायों के काम को बढ़ावा देना है। गेल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तेल उद्योग विकास बोर्ड (ओआईडीबी) के भी सदस्य होते हैं।

ग्लोबल रिपोर्टिंग इनिशिएटिव अर्थात वैश्विक रिपोर्टिंग पहल (जीआरआई) एक स्वतंत्र, बहुराष्ट्रीय संगठन है जो कंपनियों और अन्य संगठनों को वैश्विक मानक भाषा स्थापित करके उनके प्रभावों की जिम्मेदारी लेने में सहायता करती है जिसके माध्यम से वे इस तरह के प्रभावों को संप्रेषित कर सकते हैं। 2013 से हम जीआरआई साउथ एशिया कंसोर्टियम के संस्थापक सदस्य हैं। हमने जीआरआई के उद्देश्य और एक सदस्य के रूप में जीआरआई मानकों के निरंतर विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जीआरआई, सतत विकास के समर्थन में निगमित गतिविधियों का प्रबंधन एवं मूल्यांकन करने के लिए कंपनियों, निवेशकों, नीति निर्माताओं और अन्य हितधारकों को सक्षम बनाने, सतत विकास रिपोर्टिंग के लिए वैश्विक आम भाषा में सर्वोत्तम अभ्यास को समेकित करती है।

हम केमिकल्स एंड पेट्रोकेमिकल्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सीपीएमए) के सदस्य हैं। ये एसोसिएशन उद्योग का सर्वोच्च मंच है। ये एसोसिएशन, जिसे 1993 में स्थापित किया गया था, सदस्यों को अपने विचार साझा करने, अपनी चिंताओं को व्यक्त करने और प्रासंगिक विषयों पर सिफारिशें करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह निजी क्षेत्र, सरकार और समाज के बीच एक कड़ी के रूप में कार्य करता है। एक सामंजस्यपूर्ण और अनुकूल कारोबारी माहौल को बढ़ावा देने और बनाए रखने के लिए यह नीति निर्माताओं और उद्योग संघों के साथ काम करता है।

हम टेरी–काउंसिल फॉर बिजनेस सस्टेनेबिलिटी (टेरी–सीबीएस) के सदस्य हैं, जो सस्टेनेबिलिटी विशेषज्ञों का एक उद्योग–नेतृत्व वाला संघ है। गेल और टेरी ने एक दस्तावेज पर सहयोग किया है जो जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने के साथ–साथ इस क्षेत्र में सरकारी पहल के साथ दृष्टि को संरेखित करने के कई क्षेत्रों में भारतीय कॉर्पोरेट दृष्टि की व्याख्या करता है।

हमने भारत में प्राकृतिक गैस क्षेत्र में अनबंडलिंग और उसके प्रभाव, गैस बाजार केंद्रों का अध्ययन और गेल के लिए रणनीतिक अनिवार्यता–बिंदुओं जैसे गैस समर्थन के क्षेत्रों पर विभिन्न अध्ययन किए हैं। इसके अतिरिक्त, देश के गतिशील प्राकृतिक गैस बाजारों को आंकने और उनका मूल्यांकन करने के लिए बैटरी मूल्य श्रृंखला में गेल के लिए अवसर का पता लगाने, रिफाइनरी क्षेत्र, इस्पात क्षेत्र में माँग मूल्यांकन करने, किसी भी सीजीडी गैस के तहत उद्योगों में ठोस और तरल प्रदूषणकारी ईंधन खपत के प्रतिस्थापन के रूप में प्राकृतिक गैस की क्षमता और मूल्य–संवेदनशील माँग मूल्यांकन करने, इस्पात क्षेत्र में प्राकृतिक गैस के लिए समर्थकारी कारकों पर आधारित अध्ययन किया गया है। इसके अलावा, उद्योगों के लिए जीएसटी समावेशन की दृष्टि से प्राकृतिक गैस की प्रतिस्पर्धात्मकता का विश्लेषण किया गया है। हमने तेल और गैस क्षेत्र के विकास और भारत में सीजीडी क्षेत्र के विकास के लिए नीति तैयार करने में सहायता की है।

गेल (इंडिया) लिमिटेड और पाइपलाइन इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (पीआईएल) ने सुश्री आयुषी अग्रवाल, सहायक उपाध्यक्ष – रणनीतिक योजना एवं नई पहल (पीआईएल), श्री अखिल मेहरोत्रा – एमडी और सीईओ (पीआईएल) और श्री एम.वी. अय्यर – निदेशक (व्यापार विकास) (गेल), श्री आशु सिंघल – कार्यकारी निदेशक – (सीएसपीए, आरएम, टीक्यूएम और एसडी) (गेल) की उपस्थिति में भारत में हाइड्रोजन आधारित पारिस्थितिकी तंत्र के विकास और मजबूती के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

7

गेल ने **₹91,426** करोड़ का सकल कारोबार और **10,364** करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया है

मूडीज द्वारा घरेलू स्तर पर **"एएए"** और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर **"बीएए2"** की क्रेडिट रेटिंग

भारत सरकार ने देश के प्राथमिक ऊर्जा (पीई) मिश्रण में गेस्ट शेयर को **6.7%** से बढ़ाकर **15%** करने का लक्ष्य

व्यापार वृद्धि

7.1 व्यापार वृद्धि

वित्तीय वर्ष 2021–22 वैश्विक ऊर्जा और तेल बाजारों के संदर्भ में महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वर्ष कोविड–19 महामारी से उबरने का साक्षी है। उक्त महामारी से ऊर्जा उत्पादन और खपत में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

हाल ही में चल रहे भू–राजनीतिक संकट का वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र पर भी प्रभाव पड़ा है। इसके अंतर्गत ऊर्जा सुरक्षा प्राप्त करने की दिशा में दुनिया–भर के देशों के लिए ऊर्जा आपूर्ति में विविधता लाने के महत्व पर बल दिया गया है।

इसके अलावा, सीओपी–26 (पार्टियों के सम्मेलन) के बाद जलवायु परिवर्तन पर बढ़ते जोर के कारण, दुनिया–भर की सरकारें अक्षय, इलेक्ट्रिक वाहन, नीली और हरी हाइड्रोजन परियोजनाओं, कार्बन कैप्चर युटिलाइज़ेशन एवं उपयोग और भंडारण (सीसीयूएस) एवं अतिरिक्त जैसे निम्न–कार्बन ऊर्जा प्रणालियों में स्थानांत्रित होने की दिशा में काम कर रही हैं। बीपी वर्ल्ड एनर्जी आउटलुक 2022 के अनुसार वैश्विक प्राथमिक ऊर्जा मिश्रण में अक्षय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ने की उम्मीद है। हालाँकि, इसके अंतर्गत इस बात पर भी जोर दिया गया है कि जीवाश्म ईंधन समग्र प्राथमिक ऊर्जा मिश्रण में प्रमुख बने रहेंगे और आने वाले दशकों में दुनिया–भर में सामाजिक एवं आर्थिक विकास के प्रति उत्तरदायी होंगे।

बीपी सांख्यिकी समीक्षा के अनुसार, नीचे दिए गए पिछले 5 वर्षों में प्राकृतिक गैस की खपत की ओर इशारा किया गया है कि महामारी के बाद गैस की वैश्विक माँग में तेजी से सुधार हुआ है:

साल	2017	2018	2019	2020	2021
खपत (बीसीएम में)	3,654	3,837	3,903	3,822	4,038

वैश्विक गैस की माँग 2035 में चरम पर होने की उम्मीद है। उसके बाद दुनिया–भर में राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में परिलक्षित बढ़ते डीकार्बोनाइजेशन दबावों के कारण स्थितियों में बदलाव का अनुमान है।

एलएनजी भी अगले कुछ वर्षों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रही है क्योंकि प्राकृतिक गैस को दुनिया की ऊर्जा टोकरी में बड़ा हिस्सा मिलने जा रहा है। मजबूत माँग का एक संयोजन, एलएनजी आयात के लिए कड़ी एशियाई प्रतिस्पर्धा (विशेषकर कोयला संकट के कारण चीन से), वर्तमान भू–राजनीतिक स्थिति, और सर्दियों के गर्म होने के मौसम की शुरुआत में अपेक्षाकृत कम इन्वेंट्री के परिणामस्वरूप दुनिया–भर में किसी हद तक अल्पकालिक प्राकृतिक गैस आपूर्ति संकट पैदा हो गया है।

एलएनजी आयात के आंकड़े नीचे सारणीबद्ध हैं:

साल	2017	2018	2019	2020	2021
एलएनजी आयात (बीसीएम में)	393	431	484	487	516
% वृद्धि	-	9.67	12.3	0.62	5.95

GRI 102-7, GRI 103-2, GRI 103-3

भारत ऊर्जा क्षेत्र

ऊर्जा खपत के मामले में भारत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। बढ़ती आय और जीवन स्तर के कारण भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता है। सन् 2000 के बाद से ऊर्जा की खपत दोगुनी से अधिक हो गई है; कोयला, तेल और ठोस बायोमास अभी भी 80% माँग को पूरा कर रहे हैं। प्रति व्यक्ति आधार पर मापी गई निरपेक्ष ऊर्जा खपत में तीव्र वृद्धि के बावजूद, भारत की ऊर्जा खपत अभी भी वैश्विक औसत (स्रोत–आईईए) के आधे से भी कम है। जैसे–जैसे भारत 2020 में आई कोविड महामारी–प्रेरित मंदी से उबरेगा, यह अपनी ऊर्जा विकास यात्रा में एक अत्यधिक गतिशील चरण में फिर से प्रवेश करेगा।

एक विस्तारित अर्थव्यवस्था, तेजी से शहरीकरण और बढ़ती आबादी भारत की ऊर्जा माँग के मूल कारक हैं। फलस्वरूप, भारत 2040 तक सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा बाजारों में से एक बनने की राह पर अग्रसर है। देश की प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत में लंबी अवधि में तीन से चार गुना वृद्धि होने की उम्मीद है और इसलिए देश के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

2021–22 के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा देश में ऊर्जा के किसी भी अन्य स्रोत की साल–दर–साल वृद्धि से आगे निकल जाएगी। जनोपयोगी सेवाओं (61.42%) में कुल स्थापित क्षमता का सबसे बड़ा हिस्सा थर्मल ऊर्जा का है, इसके बाद अक्षय ऊर्जा (24.7%) और हाइड्रो (12.09%) का स्थान आता है। कोयला भारत का सबसे महत्वपूर्ण और प्रचुर मात्रा में जीवाश्म ईंधन है। देश की ऊर्जा जरूरतों का 55% हिस्सा उसी से पूरा होता है।

प्राकृतिक गैस वर्तमान में भारत के प्राथमिक ऊर्जा मिश्रण का लगभग 6.7% है और 2030 तक 15% तक पहुँचने का लक्ष्य है। बढ़ते बुनियादी ढाँचे और सहायक पर्यावरण नीतियों के कारण प्राकृतिक गैस की खपत के लिए भारत का मध्यम अवधि का दृष्टिकोण आशावादी बना हुआ है। आवासीय, परिवहन और ऊर्जा से भी माँग बढ़ने की उम्मीद है।

विनियामक मोर्चे पर सरकार, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने भारत में गैस के उपयोग को बढ़ावा देने और एक मजबूत गैस–आधारित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं।

भारत में विभिन्न क्षेत्रों के अंतर्गत प्राकृतिक गैस की खपत को दर्शाने वाला 5 साल का डेटा (% वार)

क्षेत्र	2017-2018	2018-2019	2019-2020	2020-2021	2021-2022
उर्वरक	27.70	27.83	28.52	31.70	30.37
शहर गैस वितरण	16.24	17.09	19.26	16.40	20.37
बिजली	22.76	22.29	19.61	19.30	15.00
रिफाइनरी	12.36	13.08	13.78	14.10	8.92
पेट्रोकेमिकल्स	7.61	6.28	6.31	5.50	4.63
अन्य	13.33	13.43	12.52	13	20.71

(स्रोत–पीपीएसी)

सभी नागरिकों के लिए सस्ती एवं स्वच्छ ऊर्जा की उपलब्धता बढ़ाने के लक्ष्य के साथ ही भारत सरकार के पास देश के लिए एक ऊर्जा रणनीति भी है। नवंबर 2021 में ग्लासगो में सीओपी26 शिखर सम्मेलन में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 2030 तक भारत के कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन में 1 बिलियन टन की कटौती करने और दशक के अंत तक देश की अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता को 45% से कम करने और 2070 तक नेट–ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन तक पहुँचने का संकल्प लिया था। फलस्वरूप, एक ऐसे वैकल्पिक ऊर्जा बाजार का उदय हुआ है, जिसका मिशन निम्न–कार्बन अर्थव्यवस्था में परिवर्तित होना है। इस प्रयास के अंतर्गत गैस के परिवर्ती ईंधन के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है।

गेल कार्बन उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन जैसे प्रमुख सतत विकास मुद्दों पर विचार करते हुए राष्ट्र के लिए ऊर्जा सुरक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में अपने लक्ष्यों और रणनीतियों को आगे बढ़ा रही है। वर्तमान में हम 14,500 किमी के पाइपलाइन नेटवर्क का संचालन करते हैं और देश में बेची जाने वाली प्राकृतिक गैस की कुल मात्रा का दो–तिहाई बाजार हमारे पास है। इसके अतिरिक्त, हम अगले पाँच वर्षों के दौरान एक और 5,000 किमी पाइपलाइन की लंबी पाइपलाइन अपने पोर्टफोलियो में जोड़ेंगे। भारत

GRI 103-2, GRI 103-3

सरकार ने 'एक राष्ट्र, एक गैस ग्रिड' की स्थापना की दिशा में अरबों अमरीकी डालर के निवेश की योजना बनाई है, जो गैस आधारित अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस राष्ट्रव्यापी गति ने गेल को विस्तार के लिए जगह प्रदान की है। गेल ने विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया है और यह सुनिश्चित किया है कि हम पूर्वी भारत में स्वच्छ ऊर्जा लाने के लिए ऊर्जा गंगा परियोजना के अंतर्गत निर्धारित महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसके अतिरिक्त, हम ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी (ओटीपीसी) के अपने सहक्रियात्मक अधिग्रहण के माध्यम से देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहे हैं।

विभिन्न व्यावसायिक कार्यक्षेत्रों में कई रणनीतिक पहलों की पहचान की गई है, मुख्य रूप से गैस सोर्सिंग और मार्केटिंग, नेशनल गैस ग्रिड (एनजीजी) का विस्तार, और पीडीएचपीपी और सीजीडी सहित पेट्रोकेमिकल्स जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसके अलावा, नए संभावित विकास आयामों जैसे – एक बड़ा अक्षय ऊर्जा पोर्टफोलियो बनाना, रसायन विशिष्टता क्षेत्रों में प्रवेश करना और नई प्रौद्योगिकियों में निवेश करना, साथ ही साथ स्वच्छ ऊर्जा का भी विश्लेषण किया गया है।

अल्पकालिक रणनीतिक उद्देश्यों के हिस्से के रूप में, हम देश–भर में गैस पाइपलाइन के बुनियादी ढाँचे का निर्माण करते हुए देश की प्राकृतिक गैस की माँग पूरी करने का सिलसिला जारी है। भारत को गैस आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में सक्षम बनाने की दृष्टि से हम घरेलू, औद्योगिक और वाणिज्यिक ग्राहकों को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति करने के लिए सीजीडी परियोजनाओं और बाजार विकास योजनाओं को लागू कर रहे हैं। पेट्रोकेमिकल्स के संदर्भ में हम संगठन को पाता में मौजूदा संयंत्र में विस्तार देकर और ऊसर में एक नई इकाई की स्थापना करने का साथ ही एक नई ग्रीनफील्ड ईथेन क्रैकर परियोजना की खोज के माध्यम से अग्रणी घरेलू पेट्रोकेमिकल खिलाड़ी बनाने की उम्मीद करते हैं। हम शीर्ष दस वैश्विक एलएनजी खिलाड़ियों में शामिल होने पर गर्व करते हैं और हम अपने विविध पोर्टफोलियो का लाभ उठाकर और 4–5 अंतरराष्ट्रीय बाजारों में व्यावसायिक हितों को आगे बढ़ाते हुए एलएनजी के क्षेत्र में एक वैश्विक ऊर्जा पोर्टफोलियो खिलाड़ी बनने का प्रयास करते रहे हैं।

नियामक, बाजार और मूल्य जोखिम, राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर गतिशील तेल एवं गैस उद्योग की रणनीतिक पहल से जुड़े हुए हैं। भू–राजनीतिक परिवर्तनों के कारण आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और कमोडिटी की कीमतों में उतार–चढ़ाव ने भी इस अवधि के दौरान हमें चुस्त रहने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला है। इस साल, हम तिमाही 2 और तिमाही 3 में आर्बिट्रेज के लिए यूएस कार्गो का उपयोग और कार्गो के फॉरवर्ड टाइम स्वैप जैसे लाभकारी पूर्ण सक्रिय कारक बने हुए हैं। हम जोखिम कम करने को सुनिश्चित करने के लिए नियमित रणनीति पुनरीक्षण अभ्यास करते हैं।

हम अपनी पूँजी संरचना के प्रबंधन और विभिन्न आर्थिक परिस्थितियों में स्वयं को फलने–फूलने में सक्षम बनाने के लिए आवश्यक परिवर्तन करने के बारे में भी सक्रिय रहे हैं। हम शेयरधारकों को लाभांश भुगतान को समायोजित करते हैं, शेयरों को पूँजी लौटाते हैं, पुनर्खरीद साझा करते हैं, और आवश्यकतानुसार नए शेयर जारी करते हैं। हम अपने शेयरधारकों के निवेश पर लगातार दीर्घकालिक रिटर्न प्रदान कर रहे हैं। इस वर्ष कुल लाभांश राशि के संदर्भ में गेल द्वारा अब तक का सर्वाधिक लाभांश भुगतान किया गया।

7.2 गेल का आर्थिक निष्पादन

वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान, हमने वित्त वर्ष 2020–21 में ₹56,529 के मुकाबले ₹91,426 करोड़ का सकल कारोबार दर्ज किया है। पीबीटी मुख्य रूप से उच्च गैस विपणन प्रसार के कारण ₹6,386 करोड़ (वित्त वर्ष 2020–21) से बढ़कर ₹13,590 करोड़ (वित्त वर्ष 2021–22) हो गया है। पीएटी ने ₹4,890 करोड़ (वित्त वर्ष 2020–21) से ₹10,364 करोड़ (वित्त वर्ष 2021–22) तक 112% की वृद्धि दिखाई है। 31 मार्च 2022 तक, कंपनी का बाजार पूँजीकरण ₹69,137 करोड़ है जो कंपनी में निवेशकों के मजबूत विश्वास को दर्शाता है। वित्तीय वर्ष 2021–22 में न तो गेल द्वारा कोई राजनीतिक योगदान दिया गया और न ही सरकार से उक्त वर्ष के दौरान जेएचबीडीपीएल परियोजना के लिए ₹589.55 करोड़ के पूँजीगत अनुदान को छोड़कर कोई वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है।

गेल ने दिसंबर 2021 के महीने में अपने शेयरधारकों को ₹4 प्रति शेयर और मार्च 2022 में ₹5 प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश घोषित किया है। इसके अलावा, संपूर्ण पहले, दूसरे अंतरिम एवं अंतिम लाभांश (यदि अनुमोदित हो) को प्रति इक्विटी शेयर ₹10 तक ले जाते हुए गेल बोर्ड ने वार्षिक आम बैठक के दौरान, शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन 1 रुपये प्रति शेयर के अंतिम लाभांश की सिफारिश की।

GRI 102-9, GRI 102-10, GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 201-4, GRI 415-1

गेल के निदेशक मंडल ने 31 मार्च 2022 को, ₹190 प्रति शेयर की दर से ~5.70 करोड़ शेयरों के पुनर्खरीद को मंजूरी दी, जो कुल मिलाकर लगभग ₹1,083 करोड़ (करों को छोड़कर) था। इक्विटी शेयरों का पुनर्खरीद मूल्य एनएसई में पिछले दिन के समापन मूल्य पर 24% प्रीमियम पर होता है।

गेल के व्यवसाय के प्रमुख खंड (टर्नओवर के 90% से अधिक के लिए लेखांकन) और कुल कारोबार में उनका संबंधित प्रतिशत योगदान इस प्रकार है:

क्र.सं.	उत्पाद/सेवा	एनआईसी कोड	कुल कारोबार का % योगदान
1	ठोस, तरल और गैसीय ईंधन एवं संबंधित उत्पाद– कच्चा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस (एनजी ट्रेडिंग)	99611912	77
2	प्राथमिक रूप में प्लास्टिक (पेटकेम)	99611715	9
3	प्राकृतिक गैस (एनजी ट्रांसमिशन) की पाइपलाइन के माध्यम से परिवहन	99651312	7
4	ठोस, तरल और गैसीय ईंधन एवं संबंधित उत्पाद एन.ई.सी – तरल हाइड्रोकार्बन (एलएचसी)	99611919	5
5	बिजली (पवन और सौर ऊर्जा)	99611970	*

**बिजली सेवा और अन्य उत्पाद/सेवाएँ, कुल कारोबार का 2% योगदान करती हैं*

तालिका 1: भौतिक प्रदर्शन

क्र.सं.	उत्पाद/सेवा	वित्त वर्ष 2020-21 बनाम वित्त वर्ष 2021-22		
		वित्त वर्ष 2020-21	वित्त वर्ष 2021-22	वृद्धि %
	ट्रांसमिशन/बिक्री			
1	प्राकृतिक गैस संचरण (एमएमएससीएमडी)	104.2	110.98	7
2	एलपीजी ट्रांसमिशन (टीएमटी)	4,163	4199	1
3	प्राकृतिक गैस बिक्री (एमएमएससीएमडी)	89.2	96.24	(8)
4	पेट्रोकेमिकल्स (टीएमटी)	871	790	(9)
5	एलएचसी (टीएमटी)	1,138	1,004	(12)
	उत्पादन (टीएमटी)			
1	पेट्रोकेमिकल्स	813	777	(4)
2	एलएचसी	1,137	1,001	(12)

तालिका 2: आर्थिक मूल्य सृजित* (₹ करोड़)

क्र.सं.	आर्थिक मूल्य सृजित	वित्त वर्ष 2019-20	वित्त वर्ष 2020-21	वित्त वर्ष 2021-22
1.	कुल राजस्व (ईडी का शुद्ध)	73,327.30	58,752.10	93,727.80

**आर्थिक मूल्य उत्पन्न और वितरित गणना पद्धति अन्य रिपोर्ट किए गए डाटा से अलग है*

तालिका 3: आर्थिक मूल्य वितरित* (₹ करोड़)

क्र.सं.	आर्थिक मूल्य वितरित	वित्त वर्ष 2019-20	वित्त वर्ष 2020-21	वित्त वर्ष 2021-22
1	कर्मचारी वेतन और लाभ	1,740.40	1,744.20	1951.2
2	प्रचालन लागत	64,313.50	49,996.60	78347.8
3	पूँजी प्रदाताओं को भुगतान	3,422.20	2,569.20	4344.7
4	सरकार को भुगतान	1,979.60	1,723.10	3226.3

**कर्मचारी मजदूरी और लाभ सहित। सीडब्ल्यूआईपी को t/f+ पीएफ और अन्य निधियों में योगदान (पूर्व अवधि) और कल्याण+ प्रतिनियुक्ति से अन्य आय*

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 201-1

7.3 प्रमुख व्यावसायिक पहल

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान हमने विस्तार और विकास के नए अवसरों के संबंध में महत्वपूर्ण पहल की है। इसके अतिरिक्त, हमें अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए एक पसंदीदा आपूर्तिकर्ता बने रहने पर गर्व है, साथ ही साथ हमारे प्राथमिकता वाले ग्राहकों के साथ पर्याप्त मात्रा में नवीनीकरण अनुबंध और नए अनुबंध हैं। इस वर्ष की गई हमारी कुछ व्यावसायिक पहलों में शामिल हैं:

- जनवरी 2022 में गेल ने एक खुली बोली प्रक्रिया में आईएल एंड एफएस समूह की कंपनियों से ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी (ओटीपीसी) में 26% की इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। ओएनजीसी, त्रिपुरा पावर कंपनी त्रिपुरा के पलटाना में 726.6 मेगावाट गैस आधारित संयुक्त चक्र बिजली संयंत्र की मालिक है और उसका प्रचालन करती है। ओटीपीसी ओएनजीसी से लंबी अवधि की आपूर्ति के साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र में सबसे बड़ा गैस आधारित बिजली संयंत्र है। एक एकीकृत ऊर्जा कंपनी होने के नाते इस स्थायी व्यवसाय का अधिग्रहण सहक्रियात्मक होगा और गेल को देश के उत्तर पूर्वी क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत करने में सक्षम बनाएगा।
- गेल देश की पहली ऐसी पाइपलाइन कंपनी है जिसने अपनी प्राकृतिक गैस पाइपलाइन में कॉमन कैरियर कैपेसिटी की आसान और पारदर्शी बुकिंग के लिए एक ऑनलाइन पाइपलाइन ओपन–एक्सेस पोर्टल शुरू किया है। वित्त वर्ष 2021–22 में, पोर्टल के माध्यम से लगभग 5,000 क्षमता ट्रेंच (सीटी) अनुरोधों को संसाधित किया गया है। 2018 में ऑनलाइन पोर्टल के शुभारंभ होने के बाद से 31 मार्च 2022 तक प्राप्त कुल सीटी आवश्यकताएँ 11,000 से अधिक हैं।
- भारत सरकार ने तेल आयात को कम करने के उद्देश्य से इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की आपूर्ति करने का संकल्प लिया है और 2022 तक 10% सम्मिश्रण और 2025 तक 20% का लक्ष्य निर्धारित किया है। विदेशी मुद्रा बचत में योगदान के अलावा, इथेनॉल–मिश्रित पेट्रोल परिणामस्वरूप कम उत्सर्जन होता है। भारत सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप गेल संयुक्त उद्यम के माध्यम से इथेनॉल संयंत्र स्थापित करने की संभावनाएँ तलाश रही है। इस संबंध में गेल ने गुजरात में 500 केएलडी 1जी अनाज आधारित इथेनॉल संयंत्र के विकास के लिए मैसर्स गुजरात अल्कालाईज़ एंड केमिकल्स लिमिटेड (जीएसीएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

GRI 102-12, GRI 201-4

इसके अलावा, गेल ईओआई मार्ग के माध्यम से 1जी एथेनॉल परियोजनाओं में इक्विटी भागीदारी की संभावना तलाश रही है।

नए शहरों में गैस बाजारों को बढ़ावा देने और बाजार के नए अवसर पैदा करने के लिए गेल द्वारा निम्नलिखित पहलें की गई हैं:

- पूर्वी भारत में स्वच्छ ऊर्जा लाने के उद्देश्य से ऊर्जा गंगा परियोजना पर निर्धारित महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पूरा करने हेतु गेल ट्रैक पर है
- वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान, ~1,000 किमी गैस पाइपलाइन परिचालनात्मक रूप से तैयार है। इसके अलावा, राष्ट्रीय गैस ग्रिड और अन्य छोटी कनेक्टिविटी के हिस्से के रूप में लगभग 5,400 किमी पाइपलाइन परियोजना निष्पादन के विभिन्न चरणों में है। गेल ने वित्त वर्ष 2021–22 में 1,139 किलोमीटर पाइपलाइन कम करने का लक्ष्य भी हासिल किया है।
- प्रधान मंत्री ऊर्जा गंगा पाइपलाइन परियोजना के तहत – जिसे जगदीशपुर हल्दिया और बोकारो धामरा पाइपलाइन (जेएचबीडीपीएल) के रूप में भी जाना जाता है – सभी 4 प्रमुख एंकर उर्वरक संयंत्रों अर्थात् मैसर्स मैटिक्स फर्टिलाइजर्स, दुर्गापुर और गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी में मैसर्स हिंदुस्तान उर्वरक एंड रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) की 03 इकाइयों को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति प्राप्त करते हुए 2,655 किमी पाइपलाइन लंबाई में से कुल 1,521 किमी चालू किया गया है।
- गेल अपनी तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आयात क्षमता का विस्तार कर रही है। भारत के सबसे बड़े तरल गैस आयातक पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड के एक हिस्से के मालिक होने के अलावा, हम महाराष्ट्र के दाभोल में एक एलएनजी आयात संयंत्र के मालिक हैं और उसका संचालन भी करते हैं। दाभोल में एक ब्रेकवाटर का निर्माण, जिसे अगले वर्ष पूरा हो जाना चाहिए, टर्मिनल को 50,00,000 टन प्रति वर्ष की पूर्ण क्षमता पर संचालित करने में सक्षम होना चाहिए।
- गेल उत्तर प्रदेश में पाता पेट्रोकेमिकल संयंत्र का विस्तार करने और उसर, महाराष्ट्र में एलपीजी इकाई को 2024–25 तक 5,00,000 टन पॉलीप्रोपलीन योजना में बदलने की भी योजना बना रही है।

- गेल ने हरित अमोनिया संयंत्रों के लिए इंडस्ट्रियल प्रमोशन एंड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन ऑफ ओडिशा लिमिटेड (आईपीआईसीओएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
- गेल ने अपने संयुक्त उद्यमों के साथ लगभग 11.5 लाख ग्राहकों को घरेलू पीएनजी कनेक्शन प्रदान किए हैं और वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान ~415 सीएनजी स्टेशन स्थापित किए गए थे।
- गेल एलएनजी ट्रकिंग यानी लंबी दूरी के परिवहन के लिए एलएनजी और ट्राइजेनरेशन सिस्टम में प्राकृतिक गैस के उपयोग जैसे नए क्षेत्रों में गैस की आपूर्ति के अवसरों की तलाश कर रही है। वित्तीय वर्ष 2021–22 में, मंडीदीप में एलएनजी स्टेशन चालू किया गया था और नासिक, अजमेर, मुंबई, वडोदरा और कानपुर के अन्य स्टेशन पूरा होने के अंतिम चरणों में हैं।
- वित्त वर्ष 2021–22 के केंद्रीय बजट में, भारत सरकार ने हाइड्रोजन को ऊर्जा स्रोत के रूप में उपयोग करने के लिए एक रोड मैप तैयार करने के लिए "हाइड्रोजन मिशन" की घोषणा की। मिशन का व्यापक उद्देश्य भारत को हरित हाइड्रोजन उत्पादन, उपयोग और निर्यात के लिए एक वैश्विक हब बनाना है। इसे भविष्य का ईंधन माना जा रहा है। भारत सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप, गेल मध्य प्रदेश के गुना जिले के विजयपुर में अपने गैस प्रसंस्करण संयंत्र में 10 मेगावाट का ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र स्थापित कर रही है।
- राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन के अनुरूप, गेल ने प्राकृतिक गैस में हाइड्रोजन मिलाने के लिए भारत में अपनी तरह का पहला पायलट प्रोजेक्ट भी शुरू किया है। इस मिश्रण की आपूर्ति इंदौर में कार्यरत एचपीसीएल के साथ गेल की संयुक्त उद्यम (जेवी) कंपनियों में से एक अवंतिका गैस लिमिटेड को की जाएगी। इसका लक्ष्य हाइड्रोजन–आधारित और कार्बन–तटस्थ भविष्य की दिशा में काम करने के लिए सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क में सम्मिश्रण हाइड्रोजन की तकनीकी–व्यावसायिक व्यवहार्यता स्थापित करना है। उम्मीद है कि यह पायलट प्रोजेक्ट प्राकृतिक गैस में हाइड्रोजन डालने के पहलुओं को कवर करने के लिए एक मजबूत मानक और नियामक ढाँचा बनाने में मदद करेगा और पूरे भारत में इसी तरह की कई परियोजनाओं को पूरा करने का मार्ग प्रशस्त करेगा।
- स्थायी व्यावसायिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए निम्न कार्बन प्रौद्योगिकी के विकास पर अनुसंधान एवं विकास पहल समय की आवश्यकता है। इसी के अनुरूप, गेल सीओ$_2$ के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मूल्यवान रसायनों और ऊर्जा उत्पादों में रूपांतरण के लिए ऐसी उभरती प्रौद्योगिकियों में निवेश कर रही है, जिनके पास एक उच्च संभावित बाजार और आशाजनक लाभ भी हैं।
- समीक्षाधीन वर्ष में आरएंडडी और इनोवेशन पहल पर हमारा कुल खर्च ₹243.70 करोड़ था। इसमें ₹11.73 करोड़ प्रमुख रूप से विभिन्न अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास कार्यों पर खर्च किए गए और ₹231.97 करोड़ गेल के विभिन्न संयंत्रों में नवाचार/विकासात्मक पहल करने पर खर्च किए गए।
- विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) और सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के सहयोग से सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास कार्य किए जाते हैं। ये सहयोगी प्रयास मुख्य रूप से हरित हाइड्रोजन जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों, जैसे – बैटरी प्रौद्योगिकी; सीओ$_2$ उपयोग और अपशिष्ट मूल्य निर्धारण; प्रक्रिया का इष्टतीमीकरण; पाइपलाइन अखंडता प्रबंधन और उत्प्रेरक के विकास पर केंद्रित हैं।

वर्तमान में, हमारे सहयोगी अनुसंधान कार्य पोर्टफोलियो में विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाली 22 परियोजनाएँ शामिल हैं, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है:

क्र. सं.	थ्रस्ट क्षेत्र	परियोजनाओं की संख्या
1	एनजी/प्रक्रिया पी/एल सुरक्षा/निगरानी	4
2	एनजी स्टोरेज का विकास, मीथेन से ओलेफिन्स, बायो–सीएनजी, एनजी यूटिलाइजेशन/स्टोरेज	3
3	सीओ$_2$ उपयोग	3
4	मूल्य वर्धित पेट्रोकेमिकल्स / पॉलिमर / उत्प्रेरक का विकास	3
5	अपशिष्ट मूल्य निर्धारण/अन्य	5
	हाइड्रोजन/ईंधन सेल/बैटरी	4
	कुल	**22**

GRI 102-12, GRI 201-4

गेल में प्रमुख डिजिटल प्रबंधन पहल

- आपूर्तिकर्ताओं और ठेकेदारों के बिलों पर नज़र रखने और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए बिल वॉच सिस्टम
- एलएनजी कार्गो के लिए ई–बोली
- अंजानी ई–माप और ई–बिलिंग पोर्टल
- सीबीजी पोर्टल
- गेल (इंडिया) लिमिटेड कर्मचारी भविष्य निधि ट्रस्ट का ई–निवेश
- बैंक संचार प्रबंधन मॉड्यूल
- चिकित्सा प्रतिपूर्ति ऐप
- एलटीसी लियू पोर्टल के तहत प्रतिपूर्ति
- क्वारंटाइन मॉड्यूल एचआरडी के दौरान डब्ल्यूएफएच के लिए अनुमति
- भारत बिल भुगतान प्रणाली (बीबीपीएस) को सीजीडी व्यवसाय में लागू किया गया है ताकि ग्राहक मोबाइल भुगतान ऐप के माध्यम से पीएनजी बिलों का भुगतान आसानी से कर सकें
- मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से यात्रा बिल के दावे की प्रतिपूर्ति का डिजिटलीकरण और गोल्डन सेवानिवृत्ति पोर्टल के माध्यम से पीआरएमएस का दावा
- एनजी ट्रेडिंग और ट्रांसमिशन का केंद्रीकृत चालान लागू किया गया

7.4 वित्त वर्ष 2021–22 में वित्तीय प्रबंधन सुधार पहल

गेल ने वित्त वर्ष 2021–22 में कई नई वित्तीय प्रबंधन पहलों पर ध्यान केंद्रित किया है जैसा कि नीचे दिया गया है:

- गेल समय–समय पर अनुमोदित बैंकों के पास अस्थायी अल्पकालिक जमाराशियों में अधिशेष निधि का निवेश करती है। ऐसे जमा गेल बोर्ड द्वारा अनुमोदित बैंकों में डीपीई दिशा–निर्देशों के अनुसार किए जाते हैं
- कंपनी ने उधार और आंतरिक उपार्जन के विवेक–पूर्ण मिश्रण के माध्यम से अपनी तरलता आवश्यकता को प्रबंधित किया है
- बहु–प्रतिस्पर्धी एवं पुराने ऋणों को बहुत कम दर पर पुनर्वित्त करने के माध्यम से नए उधार लेने पर निधियों की समग्र लागत में कमी आती है।

GRI 201-4

7.5 बिजनेस आउटलुक

पिछले कुछ वर्षों में हम सभी व्यावसायिक क्षेत्रों में तेजी से बढ़े हैं। वित्तीय वर्ष के दौरान विभिन्न एजेंसियों और नियामक निकायों द्वारा हमारे विकास को मान्यता दी गई है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, गेल के स्थिर दृष्टिकोण और संभावित व्यापार वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू स्तर पर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थिर दृष्टिकोण के साथ 'एएए' की क्रेडिट रेटिंग, मूडीज द्वारा स्थिर आउटलुक के साथ 'बीएए3' और फिच द्वारा स्थिर दृष्टिकोण के साथ 'बीबीबी–' रेटिंग प्राप्त हुई है।

7.5.1 गेल के लिए अवसर

- मार्च 2022 में सालाना आधार पर 4.6% की वृद्धि के साथ, भारत दुनिया की सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक ऊर्जा खपत वृद्धि दर वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।
- भारत सरकार का लक्ष्य 2030 तक प्राथमिक ऊर्जा (पीई) मिश्रण में गैस की हिस्सेदारी 6.7% से बढ़ाकर 15% करना है
- वैश्विक रुझान निम्न कार्बन ईंधन मिश्रण और उच्च कार्बन कीमतों की ओर है और प्राकृतिक गैस के प्रति नीति और निवेशक वातावरण सहायक है।
- नीले और हरे हाइड्रोजन के उत्पादन की संभावना के साथ (निकट) शून्य–कार्बन ऊर्जा के स्रोत के रूप में प्राकृतिक गैस की भूमिका महत्वपूर्ण होगी
- इसके अतिरिक्त, सरकार प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला में महत्वपूर्ण निवेश कर रही है:
  - गैस पाइपलाइनः ₹60,000 करोड़ से ₹70,000 करोड़
  - एलएनजी टर्मिनलः ₹25,000 करोड़
  - गैस आधारित उर्वरक क्षेत्रः ₹30,000 करोड़
  - सीजीडीः ₹70,000 करोड़ से ₹80,000 करोड़
- भारत में प्लास्टिक की प्रति व्यक्ति खपत अगले कुछ वर्षों में बढ़ने की उम्मीद है। यह प्रवृत्ति हमारे पेट्रोकेमिकल खंड के लिए विकास के अवसर सृजित करेगी।

गेल के प्रत्येक व्यवसाय खंड का अतिरिक्त विवरण नीचे दिया गया है।

7.5.2 प्राकृतिक गैस मार्केटिंग

गैस ट्रांसमिशन और गैस मार्केटिंग गेल के व्यवसाय के प्रमुख घटक हैं और इसने लगभग 110.98 एमएमएससीएमडी का संचार किया है। वित्त वर्ष 2021–22 के लिए गेल की प्राकृतिक गैस की बिक्री 96.24 एमएमएससीएमडी थी। इसमें से 86.55 एमएमएससीएमडी घरेलू बिक्री थी और 9.69 एमएमएससीएमडी अंतरराष्ट्रीय बिक्री थी। यह वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान दर्ज 89.20 एमएमएससीएमडी की बिक्री से 7.89% की वृद्धि है। प्राकृतिक गैस विपणन से गेल का सकल राजस्व भी वित्त वर्ष 2020–21 में ₹43,846 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2021–22 में ₹77,326 करोड़ हो गया।

गेल ने वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान वित्त वर्ष 2020–21 में 42.62 एमएमएससीएमडी के मुकाबले घरेलू गैस का लगभग 41.86 एमएमएससीएमडी विपणन किया है। यह घरेलू प्राकृतिक गैस भारत में गेल द्वारा विपणन की गई कुल प्राकृतिक गैस का 48% थी।

उर्वरक क्षेत्र

गेल ने 2,200 एमटीपीडी अमोनिया और 3,850 एमटीपीडी यूरिया का उत्पादन करने के लिए एनएफएल, ईआईएल और एफसीआईएल द्वारा गठित संयुक्त उद्यम रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) में 14.72% इक्विटी हिस्सेदारी खरीदी। वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान आरएफसीएल संयंत्र के प्रचालन में उल्लेखनीय सुधार हुआ और प्रमुख पुराने मुद्दों का समाधान किया गया आरएफसीएल ने 26 अप्रैल 2022 को अमोनिया और यूरिया के 100% संयंत्र भार को प्राप्त करने का एक प्रमुख मील का पत्थर हासिल किया। यह उपलब्धि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पूरे वर्ष के दौरान 389 मीट्रिक टन यूरिया और 256 मीट्रिक टन अमोनिया का उत्पादन किया गया।

विद्युत क्षेत्र: गेल ने लगातार देश–भर में गैस आधारित बिजली में अपनी उपस्थिति बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया है। वर्तमान में हम देश के गैस–पावर प्लांटों द्वारा खपत होने वाली गैस का लगभग 60% आपूर्ति करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में विकास की एक नई राह के तौर पर गेल बिजली उत्पादकों के साथ उनकी फँसी हुए इकाइयों को चालू करने के लिए साझेदारी कर रही है। इसके अतिरिक्त, हम किफायती कीमतों पर गैस आधारित बिजली उत्पादन इकाइयों को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के अवसर तलाश रहे हैं। इस वर्ष, गेल ने आबंटित घरेलू गैस के अलावा, विद्युत संयंत्रों को लगभग 4.17 एमएमएससीएमडी आरएलएनजी की आपूर्ति की।

GRI 102-1

नई प्राकृतिक गैस पाइपलाइन बिछाकर और गेल द्वारा प्रचालित मौजूदा पाइपलाइनों का विस्तार करके देश की प्राकृतिक गैस पाइपलाइन के बुनियादी ढाँचे का विकास करना, हमारे लिए एक फोकस क्षेत्र है। आगामी नए स्रोतों के लिए, गेल पाइपलाइनों के क्षेत्र में नए गैस इंजेक्शन को सक्षम करने के लिए प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों के साथ टाई–इन कनेक्शन भी प्रदान कर रही है। इसके अतिरिक्त, गेल पूरे भारत में अन्य पाइपलाइन संस्थाओं की प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों के साथ इंटरकनेक्शन (आईसी) प्रदान करती है।

इसके अलावा, गेल कई औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए लास्ट माइल कनेक्टिविटी (एलएमसी) को सक्षम करने, प्राकृतिक गैस तक पहुँच प्रदान करने और अन्य वैकल्पिक ईंधन में स्थानांत्रित होने पर ध्यान केंद्रित करता है। गेल द्वारा प्रदान किया जाने वाला एक अन्य समाधान ट्रंक प्राकृतिक गैस पाइपलाइन से सीजीडी नेटवर्क को कनेक्ट करना है, जो पूरे भारत में 100 से अधिक सीजीडी नेटवर्क के लिए किया गया है। रिपोर्टिंग के दौरान, गैस की आपूर्ति और परिवहन के लिए 8 नए लास्ट माइल कनेक्टिविटी और 29 हुक–अप पूरे किए गए।

गेल भारत की एकमात्र ऐसी गैस पाइपलाइन कंपनी है, जो सफलतापूर्वक एक ऑनलाइन पाइपलाइन ओपन–एक्सेस पोर्टल का संचालन कर रही है। यह पोर्टल हमारी प्राकृतिक गैस पाइपलाइन में सामान्य वाहक क्षमता की आसान और पारदर्शी बुकिंग का अवसर देता है। वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान, पोर्टल के माध्यम से 5,000 से अधिक क्षमता ट्रेंच (सीटी) अनुरोधों को संसाधित किया गया था और 2018 में पोर्टल के शुभारंभ के बाद से 11,000 से अधिक सीटी अनुरोधों को संसाधित किया गया है। कुल मिलाकर, नए स्थापित गैस एक्सचेंज में कारोबार की जाने वाली गैस के सुगम परिवहन को सुविधा प्रदान करने के लिए, गेल ने गैस एक्सचेंज के साथ मिलकर एक साधन को अंतिम रूप दिया है।

7.5.3 एलपीजी ट्रांसमिशन

गेल, एलपीजी ट्रांसमिशन के लिए पाइपलाइनों का स्वामित्व और प्रचालन करने वाली भारत की पहली इकाई है। वर्तमान नेटवर्क 2,023 किमी का है। यह पाइपलाइन भारत के पश्चिमी और उत्तरी हिस्सों (जामनगर–लोनी)

को जोड़ती है और यह पाइपलाइन देश के दक्षिणी हिस्से को पूर्वी तट (विजाग–सिकंदराबाद) से जोड़ती है। दोनों पाइपलाइन नेटवर्कों ने वित्त वर्ष 2020–21 में 4.163 एमएमटीपीए की तुलना में वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान 4.199 एमएमटीपीए का थ्रूपुट हासिल किया। वित्त वर्ष 2021–22 में एलपीजी परिवहन से टर्नओवर 669 करोड़ रुपये था।

7.5.4 पेट्रोकेमिकल्स

पेट्रोकेमिकल्स की गेल की कुल मार्केटिंग पोर्टफोलियो क्षमता 1,090 किलो टन प्रति वर्ष (केटीए) है। पाता कॉम्प्लेक्स में हमारी पॉलीमर उत्पादन क्षमता 810 केटीए है। इसके अतिरिक्त, गेल की ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड (बीसीपीएल) में 70% इक्विटी हिस्सेदारी और संयंत्र के विपणन अधिकार हैं, जिसकी क्षमता 280 केटीए है।

पेट्रोकेमिकल्स सेगमेंट के अंतर्गत, गेल, उत्पादों और पीई, पीपी पॉलीमर ग्रेड की एक विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से अपने पॉलीमर ग्रेड्स का विस्तार करने के अवसर तलाश रही है। गेल 500 केटीए पॉलीप्रोपिलीन संयंत्र स्थापित कर रही है, जो भारत में अपनी तरह की ऐसी पहली परियोजना है जो डाउनस्ट्रीम पॉलीप्रोपिलीन इकाई के साथ एकीकृत प्रोपलीन के उत्पादन के लिए प्रोपेन डिहाइड्रोजनेशन तकनीक का उपयोग करेगी। पीडीएच और पीपी इकाइयों के लिए लाइसेंसकर्ता का चयन पूरा होने के बाद खरीद गतिविधियों के साथ–साथ अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त करने की प्रक्रिया जोरों पर है। इसके अलावा, गेल अपनी पीपी पेशकश में विविधता लाने के लिए अपने पाटा पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स में 60 केटीए पीपी प्लांट भी स्थापित कर रही है।

वित्त वर्ष 2021–22 में पाता प्लांट और बीसीपीएल की 96% क्षमता का उपयोग करके, गेल ने पाता पेट्रोकेमिकल्स कॉम्प्लेक्स से 777 केटीए और बीसीपीएल से 274 केटीए का उत्पादन किया। वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान, गेल ने 1,064 केटीए से अधिक पेट्रोकेमिकल्स का विपणन किया। देश के उच्च घनत्व और लाइनर लो–डेंसिटी पॉलीथिलीन (एचडीपीई और एलएलडीपीई) बाजार में गेल और बीसीपीएल का वर्चस्व है, जिसमें उसकी 18.5% की संयुक्त उत्पादन हिस्सेदारी है। हमने भारतीय पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में दूसरे सबसे बड़े भागीदार के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखी है और 1,000 केटीए से अधिक का पोर्टफोलियो रखकर स्थानीय पॉलीथीन बाजार में अपनी बाजार हिस्सेदारी बनाए रखी है। इसके अलावा, गेल ने कई एशियाई बाजारों में 11 केटीए मूल्य के पॉलिमर का निर्यात किया।

7.5.5 एलपीजी और अन्य तरल हाइड्रोकार्बन उत्पादन

गेल वर्तमान में विजयपुर (2 यूनिट), पाता, गांधार और वाघोड़िया में 5 गैस प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) प्रचालित कर रही है। हमारी कुल एलएचसी उत्पादन क्षमता 1.4 मिलियन मीट्रिक टन है। समीक्षाधीन अवधि (वित्त वर्ष 2021–22) के दौरान, कुल तरल हाइड्रोकार्बन उत्पादन वित्त वर्ष 2020–21 में 1.14 मिलियन मीट्रिक टन की तुलना में लगभग 1 मिलियन मीट्रिक टन ही था। इस मात्रा के 91% में एलपीजी और प्रोपेन होते हैं।

7.5.6 खोज और उत्पादन

गेल के वर्तमान में 13 ईएंडपी ब्लॉक हैं: भारत में 10, म्यांमार में 2 और ईगल फोर्ड बेसिन, टेक्सास, यूएसए में 1 शेल गैस संयुक्त उद्यम (एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी – जीजीयूआई के माध्यम से)। घरेलू ईएंडपी ब्लॉक असम–अराकान (2), खंबे (5), कावेरी (1), राजस्थान (1) और गुजरात कच्छ (1) जैसे बेसिन में हैं। 2 विदेशी ब्लॉक म्यांमार (ए–1 और ए–3 ब्लॉक) में हैं। गेल इन ब्लॉकों में से कई के लिए ऑपरेटरों के साथ साझेदारी करती है और 3 (कैंबे बेसिन में 2 और राजस्थान बेसिन में 1) पर ऑपरेटर है। विभिन्न संघों (शेल गैस जेवी–यूएसए को छोड़कर) में भागीदारी हित के अनुसार 12 ब्लॉकों का रकबा 2,656 किमी^{2} है।

ये पाँच उत्पादक ब्लॉक हाइड्रोकार्बन बिक्री राजस्व की ओर बढ़ रहे हैं: म्यांमार में ए–1 और ए–3 और भारत में सीबीओएनएन–2000/1 और सीबी–ओएनएन–2003/2 (कैंबे तटवर्ती ब्लॉक के 2) और एक (1) शेल गैस ईगल फोर्ड बेसिन, टेक्सास, यूएसए में संयुक्त उद्यम का रकबा। ई एंड पी गतिविधियों ने वित्त वर्ष 2021–22 में ₹ 833 करोड़ का कुल राजस्व अर्जित किया है, जबकि वित्त वर्ष 2020–21 में ₹ 838 करोड़ था।

दो ब्लॉकों में विकास गतिविधियाँ प्रगति पर हैं: त्रिपुरा ऑन लैंड ब्लॉक (एए–ओएनएन–2002/1), यहाँ जेओजीपीएल ऑपरेटर है, और कैम्बे ऑन लैंड ब्लॉक (सीबी–ओएनएन–2010/11), यहाँ गेल ऑपरेटर है। दो ब्लॉकों में अन्वेषण गतिविधियाँ भी प्रगति पर हैं: कैम्बे ओलैंड ब्लॉक (सीबीओएनएचपी–2017/12), यहाँ गेल ऑपरेटर है और असम लैंड ब्लॉक (एए–ओएनएन–2010/2), यहाँ ओआईएल ऑपरेटर है।

7.5.7 शहर गैस वितरण

गेल पूरे भारत में 67 भौगोलिक क्षेत्रों (जीए) में काम करने के लिए अधिकृत है और दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद,

बेंगलुरु और कोलकाता सहित अधिकांश प्रमुख मेट्रो शहरों को कवर करती है। शहर गैस वितरण के संदर्भ में, हम देश में कुल 93.02 लाख घरेलू पीएनजी कनेक्शनों में से 67% को कवर करते हैं। सीएनजी के संबंध में गेल की 46% हिस्सेदारी है और एक समूह के रूप में हम 2030 सीएनजी स्टेशनों का प्रचालन करते हैं। वित्त वर्ष 2021–22 में, गेल ने 11.50 लाख घरेलू पीएनजी कनेक्शन और 415 सीएनजी स्टेशनों की सूची अपने पोर्टफोलियो में जोड़ा है।

गेल वर्तमान में बेंगलुरु सहित 16 नेटवर्कों में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) परियोजनाओं का संचालन कर रही है। इसके अतिरिक्त, हमारे 6 जेवीसी के माध्यम से, गेल 9 अतिरिक्त जीए में परियोजनाओं को भी कार्यान्वित कर रही है। कुल मिलाकर, संयुक्त उद्यम कंपनियों के साथ नेटवर्क सहित, हम 7.79 लाख परिवारों को डीपीएनजी प्रदान कर रहे हैं और जीए में फैले अपने 345 सीएनजी स्टेशनों के माध्यम से वाहनों के लिए स्वच्छ ईंधन आवश्यकताएँ पूरी कर रहे हैं।

7.5.8 कोयला गैसीकरण

राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स (31.85% हिस्सेदारी), कोल इंडिया लिमिटेड (31.85% हिस्सेदारी) और फर्टिलाइजर्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआईएल) (4.45% इक्विटी) के साथ एक संयुक्त उद्यम के रूप में, गेल तालचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया में है। कोयला गैसीकरण आधारित यूरिया संयंत्र, यूरिया के उत्पादन के लिए आयातित प्राकृतिक गैस पर निर्भरता को कम करेगा, जिससे एलएनजी आयात बिल में कमी आएगी। इसके अलावा, गैसीकरण प्रक्रिया से सीधे कोयले से चलने वाली प्रक्रियाओं की तुलना में नगण्य एसओएक्स, एनओएक्स और मुक्त कण उत्सर्जित होने की उम्मीद है, जिससे पेरिस समझौते, 2016 के तहत भारत द्वारा की गई प्रतिबद्धताओं का समर्थन किया जा सकेगा।

तालचर क्षेत्र में उत्तरी अर्खापाल की एक कैप्टिव खदान से उद्गमित इस परियोजना की अनुमानित लागत ₹13,277 करोड़ है और इसमें 2,200 एमटीपीडी अमोनिया और 3,850 एमटीपीडी यूरिया का उत्पादन करने की परिकल्पना की गई है। मार्च 2022 तक हासिल की गई समग्र परियोजना प्रगति 23% है। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने 20 अप्रैल 2021 को टीएफएल द्वारा उत्पादित यूरिया के लिए विशेष सब्सिडी नीति को मंजूरी दे दी है। परियोजना का वित्तीय समापन जून 2021 में ₹9,560 करोड़ (लगभग) के ऋण समझौते के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। ₹11,000 करोड़ के लगभग मूल्य का एक अनुबंध पहले ही प्रदान किया जा चुका है।

GRI 103-2, GRI 103-3

7.5.9 नवीकरणीय ऊर्जा

गेल कार्बन उत्सर्जन को कम करने और नवी–करणीय परियोजनाओं को लागू करने की अपनी प्रतिबद्ध ता में भारत के साथ है। हमारे पास वैकल्पिक ऊर्जा की कुल स्थापित क्षमता 131.75 मेगावाट है; जिसमें से 117.95 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजनाएँ और 13.8 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजनाएँ हैं। हमने अपने पाता पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स में भारत का दूसरा सबसे बड़ा ~6 मेगावाट का सोलर रूफटॉप, ग्रिड–कनेक्टेड और कैप्टिव सोलर पावर प्लांट स्थापित किया है। इसके अलावा, गेल उत्तर प्रदेश के पाता में 2.6 मेगावाट, मध्य प्रदेश के विजयपुर में 10 मेगावाट, और विभिन्न दूसरी ओ एंड एम साइटों पर 3.2 मेगावाट सौर रूफटॉप परियोजनाओं को भी कार्यान्वित कर रहे हैं। विजयपुर में, मौजूदा सौर क्षमता 55 किलोवाट है, साथ ही साथ 1.8 मेगावाट और 1.6 मेगावाट के 2 संयंत्र चालू हैं, जिससे साइट पर कुल सौर स्थापित क्षमता 3.562 मेगावाट हो गई है। इसके अलावा, कैप्टिव उपयोग के लिए विभिन्न कार्यालयों और कार्य केंद्रों पर रूफ–टॉप और ग्राउंड–माउंटेड सौर इकाइयाँ भी स्थापित की जा रही हैं। अगले तीन से चार वर्षों में 1 गीगावॉट का नवीकरणीय रूप से ऊर्जा उत्पादन करने का लक्ष्य है।

निम्न कार्बन उत्सर्जन पर अपने रणनीतिक फोकस के अनुसार, हम जैविक और अकार्बनिक दोनों दृष्टिकोणों के माध्यम से अपने नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो के विस्तार के लिए कई रास्ते तलाश रहे हैं।

जब जैविक कचरे से बने कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) के उत्पादन और विपणन की बात आती है, तो गेल कई वाणिज्यिक विकल्पों पर विचार कर रही है। गेल ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की परियोजना, एसएटीएटी (वहनीय परिवहन हेतु सतत विकल्प) के हिस्से के रूप में आपकी कंपनी और उसके संयुक्त उद्यमों के रिटेल आउटलेट्स पर सीबीजी की मार्केटिंग टाई–अप की पेशकश के लिए विभिन्न सीबीजी उत्पादकों से रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) का अनुरोध किया है। वित्त वर्ष 22 के अंत तक, संभावित सीबीजी उत्पादकों को कुल 253 "लेटर ऑफ इंटेंट (आशय पत्र)" जारी किए गए थे।

गेल ने भी सीबीजी उत्पादन संयंत्रों की स्थापना कर सीबीजी बाजार में प्रवेश करने का निर्णय लिया है। राँची में, हम 5 टन प्रति दिन (टीपीडी) क्षमता के

साथ, अपने सीबीजी संयंत्र का निर्माण कर रहे हैं। राँची नगर निगम के साथ, हमने संयंत्र के निर्माण के लिए नगरपालिका ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू) और संबंधित बुनियादी ढाँचे की आपूर्ति के लिए 22 साल का रियायती सौदा किया है।

7.6 उद्योग की घटनाएँ एवं जुड़ाव

आजादी का महोत्सव, 1 अक्टूबर 2021

गेल ने शहर गैस वितरण एवं संपीडित प्राकृतिक गैस के बारे में जानकारी के संदर्भ में जागरूकता फैलाने के लिए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। गेल प्रशिक्षण संस्थान ने गेल कर्मचारियों, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, तेल एवं गैस पीएसयू कर्मचारियों और विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों के लिए एक हाइब्रिड प्रशिक्षण (भौतिक एवं वेब कास्ट ऑनलाइन दोनों) आयोजित किया।

दो जागरूकता सत्र – श्री एम वी रवि सोमेश्वरुडु, कार्यकारी निदेशक, (प्रचालन एवं अनुरक्षण), गेल द्वारा 'सीजीडी – भारत के ऊर्जा क्षेत्र के लिए माँग सृजित करना', और 'सीएनजी – आम मिथक एवं वास्तविकता' श्री अनुपम मुखोपाध्याय, मुख्य महाप्रबंधक (सीजीडी – मार्केटिंग), गेल द्वारा आयोजित किए गए।

आजादी का अमृत महोत्सव, 27 मई 2022

गेल ने शहर गैस वितरण (सीजीडी) पर अपना 11वां जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें 130 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित थे और यह कार्यक्रम भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जम्मू में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में आईआईटी, जम्मू और आईआईएम, जम्मू के छात्रों को आमंत्रित किया गया था। जागरूकता सत्र 'सीएनजी–सामान्य मिथक एवं प्राकृतिक गैस के उपयोग पर वास्तविकता और सुरक्षा' पर दिया गया था और श्री अनुपम मुखोपाध्याय, कार्यकारी निदेशक (सीजीडी–विपणन), गेल द्वारा भी कवर किया गया था।

7.6.1 वित्त वर्ष 2021–22 में निवेशकों के साथ जुड़ने की पहल की गई

निवेशक संबंध प्रबंधन, गेल के लिए फोकस का एक प्रमुख क्षेत्र है। हमारा लक्ष्य घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों से हर साल अधिक से अधिक संख्या में निवेशकों तक पहुँचना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वित्तीय एवं गैर–वित्तीय दोनों तरह की सूचनाओं को समय पर संप्रेषित किया जा सके और निवेशकों की चिंताओं को दूर किया जा सके। आज की अस्थिर दुनिया में निवेशकों की अपेक्षाएँ पूरी करने के लिए कंपनियों को सक्षम बनाने हेतु निवेशक संबंध (आईआर) का प्रबंधन तेजी से महत्वपूर्ण होता जा रहा है। निवेशक अब वित्तीय प्रदर्शन से परे कंपनियों के पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) के निष्पादन को भी देख रहे हैं। इसलिए निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व, सतत विकास और स्वास्थ्य सुरक्षा पर्यावरण (एचएसई), आदि में की गई पहलों से संबंधित अतिरिक्त विषयों को संप्रेषित करना महत्वपूर्ण है।

GRI 102-12

निवेशकों के साथ नियमित रूप से बातचीत करने के जज़्बे के तहत, वित्त वर्ष 2021–22 के लिए, गेल ने 10 जून 2021 को वेबएक्स के माध्यम से एक निवेशक–विश्लेषक बैठक का आयोजन किया। हमारे वरिष्ठ प्रबंधन और अधिकारियों ने देश के शीर्ष ब्रोकरेज हाउस जैसे – बीएंडके, एमके ग्लोबल, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, एमओएसएल, जेपी मॉर्गन, आदि द्वारा आयोजित 9 निवेशक संबंध (आईआर) कार्यक्रमों में भी भाग लिया, ताकि अधिक से अधिक निवेशकों को कवर किया जा सके। तिमाही वित्तीय परिणामों की घोषणा के तुरंत बाद क्यू1 वित्त वर्ष 2021–22, क्यू2 वित्त वर्ष 2021–22, और क्यू3 वित्त वर्ष 2021–22 के लिए कॉन्फ्रेंस कॉल आयोजित किए गए थे। बैठकों और सम्मेलनों के अलावा, हमने निवेशकों की आवश्यकताओं के आधार पर हर एक के साथ एक–एक करके आभासी बैठकों की भी व्यवस्था की थी। विश्लेषकों की प्रस्तुतियाँ और उनकी लिखित प्रतिलिपि हमारी वेबसाइट– https:// gailonline.com/IZ-GeneralInformation.html के इस लिंक पर उपलब्ध कराए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान, गेल ने भौतिक और आभासी मोड में विश्लेषकों और निवेशकों के साथ 15 से अधिक कार्यालयी बैठकों में भाग लिया।

गेल द्वारा की गई ऐसी सभी सूचना प्रसार पहलों को निवेशक और विश्लेषक समुदाय द्वारा मान्यता और सराहना प्राप्त हुई है। इसके अतिरिक्त, गेल ने अपने कर्मचारियों को अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील सूचना (यूपीएसआई) को संभालने के तरीके के बारे में संवेदनशील बनाने हेतु एक सक्रिय भूमिका निभाई है।

गेल ने 2021 में ईएसजी प्रकटीकरण की श्रेणी के तहत निवेशक संबंध पुरस्कार भी जीता है।

प्राकृतिक गैस के समर्थन हेतु पहल

गेल ने गैस के समर्थन से संबंधित विषयों पर कई अध्ययन किए हैं, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं:

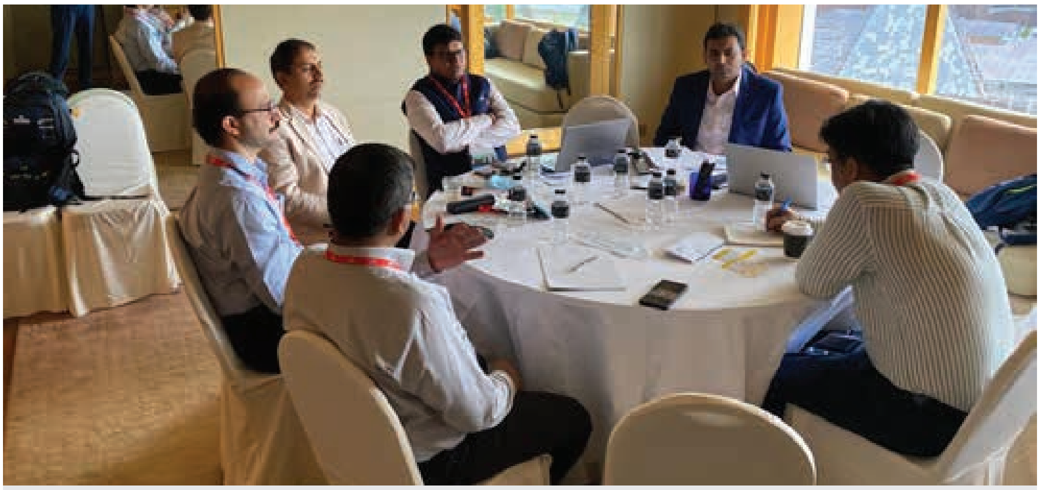

जून 2022 सिंगापुर में निदेशक वित्त श्री राकेश कुमार जैन की उपस्थिति में गेल के निवेशक और विश्लेषक मुलाकात

- गैस को डीकार्बोनाइजेशन के दूसरे स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए। प्राकृतिक गैस अक्षय ऊर्जा की अस्थायीता से निपटने में एक परिवर्ती ईंधन के रूप में सहायक होगी
- गेल ने एक सीजीडी जीए में ईवी चार्जिंग ढाँचे की स्थापना की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए एक अध्ययन किया है
- भारत सरकार लंबे समय से योजना बना रही है; प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला के विभिन्न उप–क्षेत्रों में ₹4 लाख करोड़ से अधिक का निवेश किया जाएगा
- गेल अक्षय और वैकल्पिक ऊर्जा और नए मोबिलिटी समाधानों को शामिल करने के लिए व्यापार पोर्टफोलियो में विविधता लाने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रही है
- एफआईपीआई के माध्यम से विद्युत क्षेत्र में प्राकृतिक गैस का उपयोग
- उद्योगों में ठोस और तरल प्रदूषणकारी ईंधन की खपत के प्रतिस्थापन के रूप में प्राकृतिक गैस की क्षमता
- रिफाइनरी क्षेत्र और इस्पात क्षेत्र में गैस की माँग का आकलन
- बैटरी मूल्य श्रृंखला में गेल के लिए अवसर का पता लगाना
- किसी भी सीजीडी गैस और मूल्य–संवेदनशील माँग, मूल्यांकन के तहत उद्योगों में ठोस और तरल प्रदूषणकारी ईंधन खपत के प्रतिस्थापन के रूप में प्राकृतिक गैस की क्षमता।

श्री मनोज जैन, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, और श्री आर.के. जैन, निदेशक (वित्त) ने 19 अप्रैल 2022 को एसवी स्टेशन, गेल, कोच्चि में वृक्षारोपण के लिए दौरा किया

8

वित्त वर्ष 2021–22 के लिए गेल का ग्राहक संतुष्टि सूचकांक **96%** है।

वित्त वर्ष 2021–22 में कुल **107 टीक्यूएम परियोजनाएँ** लागू की गईं, जिसमें ₹44.07 करोड़ की बचत हुई

गेल ने वित्त वर्ष 2021–22 में **जेम पोर्टल के माध्यम से ₹ 2,593 करोड़** का ऑर्डर खरीदा है

प्रचालनगत उत्कृष्टता

हमारे उद्योग को कई प्रमुख कारकों द्वारा परिभाषित किया जाता है, इनमें से सबसे महत्वपूर्ण तेल बाजारों की अस्थिरता, बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा और जलवायु परिवर्तन है। इन परिवर्तनों का अर्थ है कि प्रचालन उत्कृष्टता प्राप्त करना कंपनी के दिन–प्रतिदिन के प्रचालन के लिए महत्वपूर्ण है। हम हमेशा सर्वोत्तम उपलब्ध तकनीकों के माध्यम से अपने प्रचालन प्रदर्शन को अधिकतम करने का इरादा रखते हैं जिससे हमारे सभी हितधारकों के लिए मूल्य वर्धन होता है। गेल में, हम मानते हैं कि सिस्टम, प्रक्रियाओं और प्रचालन में निरंतर सुधार का यह दृष्टिकोण, हमारे सतत विकास एजेंडा का मूल बिंदु है और यही हमारे व्यवसाय का केंद्र–बिंदु भी है। प्रचालन सुधार की दिशा में हमारा निरंतर प्रयास व्यवसाय में संसाधन और ऊर्जा दक्षता को बढ़ाता है, जिससे उच्च सतत विकास के सोपान प्राप्त होते हैं।

8.1 हमारा दृष्टिकोण

गेल में, हम अपनी सतत विकास रणनीति द्वारा समर्थित एक जिम्मेदार तरीके से मूल्य सृजित करते हैं। हम नवाचार और सर्वोत्तम उपलब्ध अवसरों की पहचान और आकांक्षा करके अपने संचालन के पैमाने, दक्षता और लाभप्रदता को बढ़ाने का लक्ष्य रखते हैं। प्रचालन लागत को कम करने के हमारे अथक प्रयास, हमें तेजी से बदलते परिवेश में लाभदायक और टिकाऊ दीर्घकालिक व्यवसाय करने में सक्षम बनाते हैं। हम अपने व्यवसाय के लिए प्रतिस्पर्धात्मक लाभ अर्जित करने और उसे बनाए रखने के लिए लगातार अपनी कॉर्पोरेट रणनीतियों का सृजन करते हैं।

GRI 103-2

भारत में एक प्रमुख प्राकृतिक गैस कंपनी के रूप में, गेल भारत की जरूरतों के लिए आवश्यक और टिकाऊ ऊर्जा आपूर्ति प्रदान करने के लिए अपनी जिम्मेदारियों से अवगत है। इस चुनौती पर अपनी जीत जारी रखते हुए, गेल ने अपने परिचालन पदचिह्न में सतत विकास संबंधी विचारों को एकीकृत करते हुए दक्षता, लचीलापन और विकास को आगे बढ़ाने हेतु एक रणनीतिक दृष्टिकोण विकसित किया है। हम नेट ज़ीरो की अपनी यात्रा का अनुसरण करने का भी प्रयास करते हैं और अपने सभी उत्पादन और ट्रांसमिशन गतिविधियों में शासन एवं सत्यनिष्ठा के उच्च मानकों को अपनाते हैं। चूँकि "सतत विकास" की अवधारणा, गेल और उसके हितधारकों के बीच संबंधों पर परिप्रेक्ष्य प्रदान करती है, अतः हम प्रचालन दक्षता को अनुकूलित करके, संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग करके और अपने लोगों के बीच सांस्कृतिक परिवर्तनों को प्रोत्साहित करके अपने प्रचालन में सतत विकास बिंदु को एकीकृत कर रहे हैं।

हमारे प्रचालन और अनुरक्षण को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानकों और दिशानिर्देशों के साथ नियमित और अद्यतन किया जाता है। गेल में, हमारे ओ एंड एम दर्शन को विशेषज्ञों के व्यापक आंतरिक परामर्श और एक उचित परिश्रम प्रक्रिया के माध्यम से मानकीकृत और समीक्षा की जाती है। हमने अपने पैनल में अंतरराष्ट्रीय ख्याति के विषय विशेषज्ञ (एसएमई) प्रमाणित किए हैं और हम नियमित रूप से उपरोक्त दर्शन को विकसित करने और समीक्षा करने के लिए उनका मार्गदर्शन लेते हैं। इसके अलावा, सुरक्षा में उल्लंघनों के लिए सर्वोत्तम एहतियाती उपायों

और शून्य सहनशीलता के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए, हमने किसी भी घटना के मूल कारण विश्लेषण (आरसीए) करने के लिए एक 3–स्तरीय जाँच तंत्र स्थापित किया है।

8.2 गेल का नेतृत्व उत्तरदायित्व

हमारा नेतृत्व समर्पण और प्रतिबद्धता, हमारे प्रचालन लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रमुख चालक हैं। गेल में, सतत विकास रणनीतियाँ और योजनाएँ हमारे शीर्ष प्रबंधन द्वारा संचालित होती हैं जो हमारे मूल्यवान हितधारकों (आंतरिक और बाहरी) और विशेषज्ञ एजेंसियों के परामर्श से होती है। सभी योजनाओं के उचित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने की प्राथमिक जिम्मेदारी गेल की सभी साइटों पर विभाग प्रमुखों की होती है जिनकी निगरानी कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा की जाती है।

8.3 एकीकृत प्रबंधन प्रणाली (आईएमएस)

गेल में, हम सक्रिय रूप से ध्यान केंद्रित करते हैं और प्रचालन उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं। अपने प्रचालन को मजबूत करने के लिए, हमने अपने संयंत्र और पाइपलाइन प्रचालन, उपकरण/संपत्ति अखंडता प्रबंधन और एचएसई प्रदर्शन के प्रबंधन के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया हुआ है। आईएमएस ढाँचा, हमारे व्यवसाय को टिकाऊ बनाने में एक मार्गदर्शक भूमिका निभाता है और गुणवत्ता एवं दक्षता के साथ प्रचालन लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है। इस एकीकृत दृष्टिकोण में निम्नलिखित बिंदु शामिल हैं:

- एसेट इंटीग्रिटी मैनेजमेंट सिस्टम
- गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली
- पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली
- ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली

8.3.1 एसेट इंटीग्रिटी मैनेजमेंट सिस्टम

हमारी संपत्तियाँ हमारे व्यवसाय के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। परिसंपत्ति अखंडता को मजबूत और अनुकूलित करने के लिए, गेल ने परिसंपत्ति अखंडता प्रबंधन प्रणाली योजना स्थापित करने में निवेश किया है। हम बेहतर उपयोग, जोखिम को कम करने, कुशल संचालन सुनिश्चित करने, जोखिम योजना के कार्यान्वयन की अनुमति देने, इन्वेंट्री के प्रबंधन और सुरक्षा को बढ़ाने के लिए परिसंपत्तियों के रिकॉर्ड को नियमित रूप से ट्रैक और अपडेट करते हैं। हम अपने परिसंपत्ति प्रबंधन के लिए विभिन्न पहल और कार्यक्रम भी करते हैं। ऐसे कार्यक्रमों की मुख्य विशेषताएँ हैं:

1. गेल सर्वश्रेष्ठ कार्य–प्रक्रियाएँ संचालित करने में विश्वास रखती है, इसलिए हम यह सुनिश्चित करते हैं कि डिजाइन, निर्माण, इंजीनियरिंग, कमीशनिंग और प्रचालन तथा अनुरक्षण के दौरान सभी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों (पीईएसओ, एपीआई, एनएफपीए, पीएनजीआरबी, एएसएमई) का पालन किया जाए।
2. प्लांट/साइट में काम करते समय कर्मचारियों की व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य, हमारा मुख्य ध्यान–बिंदु है। नई परिसंपत्तियों के विकास में हमारे निवेश का मूल्यांकन हमेशा संबंधित खतरों की पहचान और जोखिम विश्लेषण की प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। गेल में, कार्यान्वयन के लिए स्वीकृत हमारी सभी परियोजनाएँ, सकारात्मक एचएजेडओपी अध्ययन और जोखिम विश्लेषण के बाद ही शुरू होती हैं। यह न केवल जुड़े जोखिम को कम करता है बल्कि हमें नियमित अंतराल पर निवारक उपाय करने में सक्षम बनाता है
3. चूँकि गैस की आपूर्ति हमारा प्राथमिक व्यवसाय है, इसलिए गैस पाइपलाइन में किसी भी तरह के रिसाव या अंतर्वेधन को खत्म करना महत्वपूर्ण है। ट्रंक गैस पाइपलाइन नेटवर्क के लिए लीक डिटेक्शन सिस्टम के साथ एक सेंट्रलाइज्ड एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर (एपीपीएस) सिस्टम लागू किया गया है। आगे की सावधानी के लिए, ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) आधारित पाइपलाइन रिसाव और अंतर्वेधन का पता लगाने (पीएलआईडीएस) को भी पाइपलाइन राइट ऑफ यूज़र (आरओयू) में पता लगाने की वास्तविक समय की निगरानी के लिए संवेदनशील स्थानों पर लगाया जा रहा है
4. पीएनजीआरबी (प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों के लिए सत्यनिष्ठा प्रबंधन प्रणाली) विनियम 2012 के अनुसार क्रॉस कंट्री पाइपलाइनों के पूरे नेटवर्क के लिए एक अखंडता प्रबंधन प्रणाली मौजूद है और उसका पालन किया जाता है।
5. पाइपलाइन जंग, कैथोडिक संरक्षण (सीपी), लाइन निरीक्षण (आईएलआई), कोटिंग, धातु विज्ञान, और वेल्डिंग के संबंध में विशेषज्ञ सेवाओं के लिए विषय वस्तु विशेषज्ञों का पैनल बना हुआ है
6. मरम्मत और अनुरक्षण के संबंध में सभी उपकरणों की स्थितियों की निगरानी के लिए एसएपी में हमारे सभी उपकरणों पर जानकारी का एक संरचित सेट मैप किया गया है।
7. किसी भी जोखिम या रिसाव की घटना को खत्म

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 403-2, GRI 416-1

करने के लिए हवाई गश्त भी की जा रही है। पर्यवेक्षण के दौरान किसी भी असाधारण स्थिति में तुरंत सूचना दी जाती है और उसे ठीक किया जाता है।

8.3.2 जिम्मेदार पाइपलाइन अखंडता प्रबंधन प्रणाली

पाइपलाइन की अखंडता डिजाइन और निर्माण चरण से शुरू होती है। हमारे गैस पाइपलाइन नेटवर्क में मुख्य रूप से 4" से 48" व्यास के आकार की कार्बन स्टील पाइपलाइन और एपीआई 5LX 80 तक स्टील ग्रेड शामिल हैं। इन पाइपलाइनों का निर्माण पीएनजीआरबी जैसे विभिन्न कोड और मानकों के अनुसार कड़े गुणवत्ता विनिर्देशों–तकनीकी मानक और प्राकृतिक गैस पाइपलाइन–2009 और एएसएमई बी 31.8 गैस ट्रांसमिशन और वितरण पाइपिंग सिस्टम के लिए सुरक्षा विनिर्देशों सहित समस्त संबंधित विनिर्देशों के माध्यम से किया जाता है। पाइपलाइनों को बाहरी जंग से बचाने के लिए इम्प्रेस्ड करंट कैथोडिक प्रोटेक्शन (आईसीसीपी) सिस्टम द्वारा समर्थित बाहरी सतह पर पॉलीइथाइलीन (टीएलपीई) की तीन परतों के साथ लेपित किया जाता है और उन्हें भूमिगत किया जाता है।

निर्बाध और निरंतर प्रचालन के लिए, पाइपलाइनों का प्रचालन और अनुरक्षण उद्योग के सर्वोत्तम मानकों के अनुसार किया जाता है। चौबीसों घंटे निगरानी प्रत्येक नेटवर्क के मुख्यालय में क्षेत्रीय नियंत्रण कक्षों से अत्याधुनिक संचार और टेलीमेट्री सिस्टम के माध्यम से और नोएडा में एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से की जाती है जिसे राष्ट्रीय गैस प्रबंधन केंद्र (एनजीएमसी) कहा जाता है। सभी गेल पाइपलाइनों में पीएनआरजीबी विनियमों और एएसएमई बी31.8एस/एपीआई 1160 के अनुसार पाइपलाइन अखंडता प्रबंधन कार्यक्रम का समावेशन है। अखंडता प्रबंधन प्रणाली में, कॉर्पोरेट ओ एंड एम, क्षेत्रीय अखंडता प्रबंधन समूह (आरआईएमजी) सभी पाइपलाइन मुख्यालयों में अनुरक्षण अड्डों के साथ समर्थित केंद्रीय अखंडता प्रबंधन समूह (सीआईएमजी) के साथ 3–स्तरीय शासन तंत्र शामिल है। पाइपलाइनों के लिए प्रचालन और अनुरक्षण नीति और दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन की कड़ाई से निगरानी की जाती है और नियमित रूप से उसकी समीक्षा की जाती है। पाइपलाइनों से संबंधित विशाल डेटा के विश्लेषण और प्रबंधन के लिए विभिन्न पाइपलाइन इंटीग्रिटी वेब एप्लिकेशन और डेटाबेस विकसित किए गए हैं। इन–लाइन इंस्पेक्शन (आईएलआई), डायरेक्ट असेसमेंट (डीए), और हाइड्रोटेस्ट जैसे उपकरणों के माध्यम से अखंडता मूल्यांकन परिभाषित आवृत्तियों के अनुसार या आवश्यकतानुसार अधिक अंतराल पर किया जाता है और तदनुसार समय पर शमन कार्रवाई की जाती है। कैथोडिक सुरक्षा प्रणाली की निगरानी और अनुरक्षण द्वारा बाहरी जंग प्रबंधन, सफाई और पिगिंग द्वारा आंतरिक जंग प्रबंधन किया जाता है। कूपन और जाँच निगरानी के साथ–साथ गैस स्रोतों की गुणवत्ता की निगरानी भी की जाती है।

पाइपलाइन अखंडता प्रबंधन प्रणाली की पहलः

- गेल ने सीजीडी में वर्चुअल पाइपलाइनों की एक अवधारणा भी शुरू की है जिसे एमओपीएनजी द्वारा भौगोलिक क्षेत्रों (जीए) को घरेलू गैस आवंटित करने के लिए अनुमोदित किया गया था। यह मोड संपीड़ित रूप में कैस्केड के माध्यम से या तरल रूप में एलएनजी टैंकरों के माध्यम से सीएनजी और पीएनजी को सीजीडी संयंत्रों तक ले जाने में सक्षम बनाता है।
- गेल ओ एंड एम और एचएसई के अधिकारियों ने आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा प्रबंधन योजनाओं, खुदरा आउटलेट वितरण, प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों के लिए अखंडता प्रबंधन प्रणाली और शहरी गैस वितरण नेटवर्क, गैस प्रसंस्करण संयंत्र और रिफाइनरी, आदि पर तकनीकी संहिताओं और मानकों के विकास/संशोधन के बारे में पीएनजीआरबी विनियमों की विभिन्न उप–समिति की बैठकों में भाग लिया।
- हमारी विजाग–सिकंदराबाद एलपीजी पाइपलाइन (वीएसपीएल) को सतत औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने की दिशा में हमारे प्रयास की स्वीकृति के रूप में सीआईआई–ग्रीनको रेटिंग सिल्वर रेटिंग से सम्मानित किया गया है।
- हम अपने देश के सभी कोनों में (जम्मू और कश्मीर से कन्याकुमारी और कच्छ से कोहिमा) गैस स्रोतों को जोड़कर गैस के बुनियादी ढाँचे का विकास कर रहे हैं।
- पर्यावरण प्रबंधन योजना की हरित पट्टी की पहल के तहत, गेल पाइपलाइन क्षेत्रों में 25–30 वर्षों से सफलतापूर्वक हरित कवर बनाए हुए है।
- हम लगभग 14,500 किमी प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों का प्रचालन कर रहे हैं और अन्य 5000 किमी प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का विस्तार करने की प्रक्रिया में हैं।
- गेल अपने 2,023 किलोमीटर लंबे एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क के साथ देश में खाना पकाने का ईंधन उपलब्ध करा रही है।

GRI 416-1

पाइपलाइन सुरक्षा पर जन जागरूकता कार्यक्रम

गेल ने गेल के विभिन्न स्थलों पर कॉर्पोरेट दिशानिर्देशों के तहत पाइपलाइन सुरक्षा पर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान नीचे उल्लिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:

1. हमने 21 जनवरी 2022 को शहरी गैस वितरण और संपीड़ित प्राकृतिक गैस पर एक आभासी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में गेल के 250 से अधिक कर्मचारियों, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार और तेल और गैस सार्वजनिक उपक्रमों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अभिनव समाधानों को अपनाने के लिए गेल के प्रयासों को प्रदर्शित करते हुए, "सीजीडी को मजबूत करने के लिए आईटी ओटी संचालित समाधान" सत्र में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि कैसे प्रौद्योगिकी अपनाने ने हमारे व्यवसाय को अधिक स्मार्ट, अधिक कुशल, प्रभावी और लचीला बना दिया है।
2. 25–27 मार्च 2022 को गेल संस्थान द्वारा भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग–आईटीईसी के तहत 'शहरी गैस वितरण (सीजीडी) की परियोजनाओं और प्रचालन परिप्रेक्ष्य' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

8.3.3 सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन

गेल में, हम गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन के माध्यम से ग्राहकों की संतुष्टि में अपने प्रदर्शन में सुधार और व्यावसायिक प्रक्रियाओं को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गेल के पास सभी टीक्यूएम कार्यान्वयन और कर्मचारी जागरूकता के लिए एक समर्पित कॉर्पोरेट टीक्यूएम विभाग है। हमारे सर्वोत्तम अभ्यास, अभिनव समाधान, प्रौद्योगिकियाँ और मानकीकरण निरंतर और सतत विकास की ओर हमारी टीक्यूएम यात्रा का समर्थन करते हैं। हमने कॉर्पोरेट और मार्केटिंग कार्यालयों में विभिन्न पाइपलाइनों और प्रक्रिया इकाइयों के साथ गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली और ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली भी लागू की है। हम अपने कर्मचारियों को टीक्यूएम परियोजनाओं या हमारी प्रचालन परियोजनाओं को टीक्यूएम पद्धति के माध्यम से एक अभिनव और टिकाऊ समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। इससे हमारे ज्ञान के साथ–साथ समग्र प्रचालन दक्षता में सुधार होता है।

हम ग्राहक मूल्य प्रबंधन और ग्राहक संतुष्टि सूचकांक सर्वेक्षणों के माध्यम से अपने ग्राहकों की आवाज को सुनते हैं। गेल को यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि वित्त वर्ष 2021–22 के लिए ग्राहक संतुष्टि सूचकांक 96% है।

टीक्यूएम विभाग का मूल उद्देश्य कर्मचारियों में एक गुणवत्ता संस्कृति मानसिकता पैदा करना है। उपायों का एक निश्चित सेट गेल में लागू किया जा रहा है और कॉर्पोरेट टीक्यूएम विभाग से केंद्रीय रूप से नियंत्रित किया जा रहा है।

हमारे सभी कार्य केंद्रों में ग्राहक संतुष्टि सूचकांक, गुणवत्ता परिधि परियोजनाएँ और आईएसओ 9001 जैसे कई उपाय लागू किए जा रहे हैं।

उत्पाद की गुणवत्ता और गेल द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं पर ग्राहकों से प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए गेल में दो प्रकार के सर्वेक्षण किए जाते हैं। ग्राहक संतुष्टि सूचकांक (सीएसआई) गेल द्वारा ग्राहकों से फीडबैक एकत्र करने का एक आंतरिक प्रयास है। गेल के सभी सक्रिय ग्राहकों को उनकी पंजीकृत ईमेल आईडी के माध्यम से एक लिंक प्रदान किया जाता है। ग्राहक, गुणवत्ता और सेवाओं पर कुछ पूर्वनिर्धारित मापदंडों पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। उनकी प्रतिक्रिया एसएपी के माध्यम से एकत्र की जाती है और उनका विश्लेषण किया जाता है। वित्त वर्ष 2021–22 में, कुल 69 ग्राहक चिंताएँ प्राप्त हुईं और सभी का समाधान कर दिया गया है। उपभोक्ता शिकायतों को प्राप्त करना और उनका जवाब देना और उनके अवलोकन को गेल द्वारा उचित रूप से कम किया जाता है और टिप्पणियों को कम करने के बाद, ग्राहकों को कमियाँ दूर करने के बारे में सूचित किया जाता है।

गेल के कर्मचारियों के मन में गुणवत्ता पैदा करने का एक प्रमुख साधन क्वालिटी सर्किल (क्यूसी) है। यह कंपनी में एक सांस्कृतिक और प्रक्रिया परिवर्तन का प्रयास है। कर्मचारियों को प्रक्रिया, सेवा, प्रक्रिया और कार्य प्रणाली से संबंधित अपने कार्य क्षेत्र में सुधार/संशोधन परियोजना शुरू करने के लिए 3–4 व्यक्तियों सहित छोटे समूह बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

वित्त वर्ष 2021–22 में, कुल 139 क्यूसी परियोजनाओं को पंजीकृत किया गया था और 107 परियोजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया गया था, इन सभी परियोजनाओं के परिणामस्वरूप ₹44.07 करोड़ की वित्तीय बचत, 7.9 एमएमएससीएम की गैस बचत और 5,02,690 किलोवाट की ऊर्जा बचत हुई। दो क्यूसी परियोजनाओं, गेल विजयपुर के स्पार्टन से प्रति वर्ष ₹10 करोड़ का वास्तविक लाभ हुआ है, और

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 416-1

गेल वाघोडिया से वरुण–द्वितीय के परिणामस्वरूप ₹30 करोड़ प्रति वर्ष का वास्तविक लाभ हुआ है।

इसके अतिरिक्त, गेल में क्यूसी परियोजनाओं से जुड़ी प्रेरक योजनाएँ भी हैं। इन–हाउस योजना सर्वश्रेष्ठ क्यूसी परियोजनाओं के लिए सीएमडी ट्रॉफी पुरस्कार है। इसके अलावा, क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इंडिया (क्यूसीएफआई) भी भारत में गुणवत्ता की अवधारणा का प्रचार करता है–यह उद्योगों को (i) क्षेत्रीय स्तर, (ii) राष्ट्रीय स्तर, और (iii) अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

गेल क्यूसी टीमें क्यूसीएफआई के लगभग 32 क्षेत्रीय केंद्रों में आयोजित क्षेत्रीय स्तरीय चैप्टर सम्मेलन में भाग लेती हैं। क्षेत्रीय स्तर पर उच्च स्कोर करने वाली टीमें नेशनल चैप्टर के लिए क्वालीफाई करती हैं। यह आयोजन भारत में वर्ष में एक बार आयोजित किया जाता है जहाँ निजी और सार्वजनिक उद्योगों की सभी टीमें एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करती हैं।

जोड़े जाने वाले संबंधित विवरण–राष्ट्रीय चैप्टर, संबद्ध देशों में हर साल आयोजित होने वाली अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए अर्हता प्राप्त करता है।

टीक्यूएम विभाग, कॉर्पोरेट कार्यालय में क्षेत्रीय कार्यालयों और विभागों में आईएसओ 9001 (क्यूएमएस) के कार्यान्वयन का कार्य भी कर रहा है।

उपरोक्त के अलावा, गेल ने गेल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (जीटीआई) के माध्यम से 150 अधिकारियों के लिए दो दिवसीय कार्यक्रम "नेक्स्ट जेनरेशन लीडरशिप टू सेकेंड इन कमांड" भी आयोजित किया है। गेल तेल और गैस संरक्षण के अवलोकन की दिशा में भी गतिविधियाँ संचालित करती है। यह सक्षम कार्यक्रम के तहत पीसीआरए/एमओपीएनजी द्वारा अनिवार्य एक महीने की गतिविधि है। गेल द्वारा साइक्लोथॉन, वॉकथॉन और टॉक शो आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों की व्यवस्था और निगरानी की जा रही है। वित्त वर्ष 2021–22 में, साइक्लोथॉन – 'ग्रीन राइड' ने सफलतापूर्वक मुंबई से दिल्ली तक 1,000 किमी की दूरी तय की।

8.3.4 पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस)

एक स्वस्थ और लचीला ग्रह उन प्राकृतिक संसाधनों के लिए महत्वपूर्ण है जिन पर हम अपने उत्पादों के निर्माण और अपनी व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए भरोसा करते हैं। गेल में, हमारे पास एक मजबूत पर्यावरण नीति है जो हमारी सतत विकास रणनीति का मार्गदर्शन करती है और हमारी प्रचालन उत्कृष्टता में निरंतर सुधार और सरकारी नियमों का पालन करने के लिए सक्रिय निगरानी सुनिश्चित करती है। गेल की पर्यावरणीय प्रतिबद्धताएँ एक पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली पर आधारित हैं, जो अनुपालन का प्रबंधन करने, पर्यावरण पदचिह्न और हमारे संचालन से संबंधित लागत को कम करने, सक्रिय पर्यावरण निगरानी सुनिश्चित करने और निरंतर सुधार के माध्यम से पर्यावरण प्रदर्शन को संचालित करने के लिए आईएसओ 14001:2015 मानकों के अनुरूप है। 'प्लान–डू–चेक–एक्ट' का हमारा दृष्टिकोण शून्य गैर–अनुपालन सुनिश्चित करता है और हमारी प्रचालन गतिविधियों को भी बढ़ाता है। इसके अतिरिक्त, जैव विविधता संरक्षण, जल, अपशिष्ट, ऊर्जा प्रबंधन इत्यादि जैसी हमारी विभिन्न पहलों पर 'ऊर्जा और पर्यावरण' खंड में विस्तार से चर्चा की गई है।

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 307-1, GRI 413-1, GRI 419-1

हमारे पास ऐसे विभिन्न उपाय हैं जो किसी भी परियोजना की शुरुआत से पहले अमल में लाए और निष्पादित किए जाते हैं:

- पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए),
- सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए),
- रैपिड रिस्क असेसमेंट (आरआरए)
- मुख्य विस्फोटक नियंत्रक (सीसीओई निकासी),
- खतरा और प्रचालन अध्ययन (एचएजेडओपी),
- बाजार का अध्ययन
- तटीय नियामक क्षेत्र की मंजूरी,
- निर्माण प्रबंधन योजना (सीएमपी),
- निर्माण परियोजनाओं के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाना जिसमें न्यूनतम संसाधनों की आवश्यकता होती है और अपव्यय को कम करना होता है।

प्रस्तावित विस्तार परियोजनाओं के लिए हमारी सभी ईआईए/ईएमपी रिपोर्टें http://environmentclearance.nic.in. पर उपलब्ध हैं।

गेल के पास, वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए साइटों से प्राप्त मासिक अपवाद रिपोर्ट के आधार पर, उत्पादों/सेवाओं की सुरक्षा पर नियामक प्राधिकरणों द्वारा की गई दंड/कार्रवाई से संबंधित 'शून्य' मुद्दा है (एचएसई नियामक निकाय जैसे कारखाने निदेशक, पीईएसओ, पीएनजीआरबी, केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भारतीय बॉयलर निरीक्षक, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, आदि ने अपने विषय क्षेत्रों पर विभिन्न नियमों को अधिसूचित किया है)।

गेल ने चालू वित्त वर्ष में ईआईए नहीं किया, क्योंकि प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों के लिए यह कानून द्वारा अनिवार्य नहीं था।

8.3.5 ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली (ईएनएमएस)

हम अपने ग्राहकों को स्थायी ऊर्जा की आपूर्ति करने के लिए अपने व्यवसाय में प्रगति करना जारी रखते हैं। एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम (एनएमएस) के पीछे हमारा प्रमुख उद्देश्य निवेश और नवीन समाधानों को विकसित करके समग्र ऊर्जा खपत को कम करना है जो हमारी मूल्य श्रृंखला में स्थायी प्रभाव डालते हैं और पर्यावरणीय प्रभावों को कम करते हैं और हमारी कंपनी के कार्बन पदचिह्न को सीधे कम करते हैं। इस संबंध में, हम अपने सभी प्रचालनों में ऊर्जा दक्षता को पहचानने की अपनी प्रतिबद्धता भी बनाए रखते हैं। हम अपनी खपत का आकलन करने के लिए हर स्थान पर स्थापित सिस्टम के साथ लगातार अपने प्रदर्शन की निगरानी करते हैं। यह ऊर्जा खपत, ऊर्जा संरक्षण के अवसरों, दक्षता में सुधार, और लागत–कुशल और पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ विकल्पों की सिफारिश करने में सक्षम बनाता है। हमारी सभी साइटों ने आईएसओ 50001 एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम (एनएमएस) लागू किया है। इसके अलावा, हमारे एनएमएस के बारे में विवरण इस रिपोर्ट के "ऊर्जा और पर्यावरण" खंड में दिया गया है।

गेल में, ऊर्जा दक्षता हमारे प्रचालन में सतत विकास बिंदु और दीर्घकालिक लागत बचत बढ़ाने की हमारी रणनीति का एक प्रमुख घटक है। ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने और उसे अपनाने से हमें अपनी नेट ज़ीरो यात्रा की ओर बढ़ने में मदद मिलती है, हमारे संयंत्रों और सुविधाओं के परिचालन प्रदर्शन में सुधार होता है और पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार समुदायों को बढ़ावा मिलता है। सर्वोत्तम इंजीनियरिंग प्रथाओं को अपनाकर ऊर्जा दक्षता को अमल में लाना, और सभी ऑपरेटिंग सिस्टमों की आवधिक सर्विसिंग और अनुरक्षण करना, ओईएम की सिफारिशों के अनुसार है। वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान, हमने नई प्रौद्योगिकियों, प्रशिक्षण/ कार्यशालाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के माध्यम से ऊर्जा दक्षता, ऊर्जा प्रबंधन, और 'जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन उपायों' के प्रभावी कार्यान्वयन के माध्यम से अपनी ऊर्जा दक्षता में सुधार के लिए विभिन्न पहलें की हैं।

ऊर्जा संरक्षण और दक्षता के उच्चतम स्तर को सुनिश्चित करने के लिए, हमारे सभी प्रमुख प्रतिष्ठान ऊर्जा प्रबंधन प्रणालियों के लिए आईएसओ 50001 प्रमाणित हैं। एक जिम्मेदार संगठन के रूप में, हम राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो भारत सरकार द्वारा जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने और इसके पर्यावरणीय पदचिह्न को कम करने के लिए संभावित उपाय करने हेतु निर्धारित किया गया है।

वित्त वर्ष 2021–22 में हमारे संयंत्रों में लागू की गई प्रमुख ऊर्जा–बचत पहलें निम्नलिखित हैं:

- सी2–सी3 की फ्लेयर गैस रिकवरी यूनिट (एफजीआरयू) को गेल विजयपुर में एलपीजी फ्लेयर हेडर से जोड़ने के लिए इसका उपयोग करके स्थापित किया गया था। इससे प्रति माह लगभग 0.2 एमएमएससीएम फ्लेयर गैस की बचत होगी। रिकवर किया गया ईंधन गैस, युटिलिटी बॉयलर और एचआरएसजी में ईंधन गैस के रूप में उपयोग किया जाएगा
- डीवीपीएल (दहेज विजयपुर पाइपलाइन) कंप्रेशर्स के लिए 2 एचआरएसजी (हीट रिकवरी स्टीम जेनरेटर) की स्थापना। एचआरएसजी इकाई की क्षमता 17.5 टीपीएच एचपी भाप है जो अनुमान के अनुसार सालाना लगभग 12 एमएमएससीएम ईंधन गैस की बचत करेगी।
- ₹ 60 करोड़ की परियोजना लागत के साथ एकीकृत एचवीजे पाइपलाइन नेटवर्क के लिए रिच–लीन गैस कॉरिडोर परियोजना जुलाई 2021 में चालू की गई थी। इसने गेल को एचवीजे पाइपलाइन नेटवर्क में स्थापित कंप्रेसर का कुशलतापूर्वक उपयोग करने में सक्षम बनाया है और लगभग 0.22 एमएमएससीएमडी प्राकृतिक ईंधन गैस के रूप में गैस बचाने का अनुमान है।

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 302-4

आधुनिक और नए ऊर्जा कुशल प्रकार के उपकरणों की स्थापना

गेल की साइटों पर पुराने और कम ऊर्जा दक्ष प्रकार के उपकरणों को आधुनिक डिजाइनों और ऊर्जा दक्ष प्रकार के उपकरणों से बदलने के लिए निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इस दिशा में की गई कुछ प्रमुख पहलों का उल्लेख नीचे किया गया है:

- एफजीसी एयर कूलर, आरजीसी एयर कूलर, और एलपीजी कॉलम एयर कूलर मोटर्स जैसी निरंतर चलने वाली सेवाओं में नई ऊर्जा कुशल आईई3 –प्रीमियम दक्षता श्रेणी के मोटर्स के साथ गेल गांधार में पुराने मोटर्स को बदलना। इसके कारण महत्वपूर्ण विद्युत ऊर्जा खपत बचत का अनुमान है।
- विभिन्न गेल प्रतिष्ठानों में के संयंत्र क्षेत्रों और टाउनशिप में ऊर्जा कुशल एलईडी फिटिंग और प्रकाश व्यवस्था जैसे हाई मास्ट, मेन गेट, वॉच टावर आदि में पारंपरिक एचपीएमवी/एचपीएसवी लैंप और अन्य प्रकाश प्रणालियों की रेट्रोफिटिंग/प्रतिस्थापन का काम पूरा किया गया।
- ऊर्जा दक्ष स्टार–रेटेड एसी सिस्टम के साथ पुराने और ऊर्जा–अक्षम एसी सिस्टम को बदलना।

हजीरा संयंत्र

- ऊर्जा बचत परियोजना शुरू की गई। सभी पुराने एचपीएसवी/एचपीएमवी लाइटों को हाई मास्ट, मेन गेट, वॉच टावर आदि पर एलईडी से बदल दिया गया था। परियोजना की लागत लगभग ₹13.12 लाख थी। अनुमानित वार्षिक बचत ₹12. 59 लाख मानी गई है
- नए बैटरी चार्जर्स की स्थापना के बाद बिजली की खपत में कमी: यह परियोजना मई 2021 में चालू की गई थी, और इसका उद्देश्य पुरानी बैटरियों को त्यागना और अधिक ऊर्जा–कुशल बैटरी स्थापित करना था। हजीरा कंप्रेसर स्टेशन पर कंप्रेसर सक्शन लाइन में, एचएलपीएल हजीरा से एचवीजे कम्प्रेसर डिस्चार्ज में आरएलएनजी इंटेक की सुविधा के लिए एक आइसोलेशन वाल्व की स्थापना के परिणामस्वरूप एचवीजे पाइपलाइन नेटवर्क में मिश्रण के लिए आरएलएनजी हेतु कोई अतिरिक्त संपीड़न आवश्यक नहीं होने के कारण ईंधन गैस की बचत हुई है।

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 419-1

गेल और उसके भागीदारों की मुलाकात की झलक

8.4 जिम्मेदार अनुपालन प्रबंधन

गेल में, हम हमेशा अनुपालन से परे काम करने की इच्छा रखते हैं और हमारी आंतरिक कानूनी अनुपालन प्रणाली (एलसीएम) राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विनियमों और नीतिगत ढाँचे के सर्वोत्तम अनुपालन और प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करती है। नियमों और विनियमों के साथ कार्यान्वयन को सत्यापित करने के लिए संबंधित साइटों या स्थानों के लिए आवधिक लेखा परीक्षा की जाती है। हमारी आंतरिक ऑडिट टीम या एचएसई टीम सत्यापन के लिए ऑडिट करती है और अनुपालन के लेंस से सुधार के किसी भी दायरे की पहचान करती है, हालाँकि वह ऑडिटिंग या संयंत्र–नियामक ढाँचे के कर्मचारी साक्षात्कार, समीक्षा, ज्ञान साझाकरण और स्थिति अपडेट प्रभावी रूप से किए जा रहे हैं, इसका निरीक्षण करती है। कर्मचारी की भागीदारी और 'बियॉन्ड कंप्लायंस कल्चर' का निर्माण करना। किसी भी परियोजना को शुरू करने से पहले गेल के बोर्ड कक्ष में एचएसई अनुपालन प्राथमिकता है, इसलिए बोर्ड स्तर की लेखा परीक्षा समितियों द्वारा मूल्यांकन किया जाता है, और सभी विभागीय प्रमुखों को उनकी जिम्मेदारी के बारे में सूचित किया जाता है। हमारी मजबूत अनुपालन प्रथाओं के कारण हमारे किसी भी उत्पाद या सेवा को किसी भी बाजार/भूगोल में प्रतिबंधित नहीं किया गया है। साथ ही, वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान गैर–अनुपालन से संबंधित कोई मौद्रिक या गैर–मौद्रिक प्रतिबंध गेल द्वारा नहीं लगाया गया था।

8.5 सूचना प्रणाली और डिजिटलीकरण

गेल में, हम लगातार गोपनीय और व्यक्तिगत जानकारी की रक्षा करने का प्रयास करते हैं। सूचना सुरक्षा/साइबर सुरक्षा हमारे समग्र जोखिम प्रबंधन ढाँचे का

एक महत्वपूर्ण घटक है। हम डेटा सत्यनिष्ठा, सुरक्षा और गोपनीयता के महत्व को महत्व देते हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न प्रणालियों और उपायों की स्थापना की है कि हम किसी भी व्यक्तिगत या गोपनीय जानकारी को एकत्र करने, संग्रहीत करने, उपयोग करने, साझा करने, स्थानांतरित करने और निपटाने के दौरान जिम्मेदार बने रहें।

गेल एक जिम्मेदार कंपनी है, वैश्विक महामारी के बावजूद गेल ने सभी स्थानों पर अपना प्रचालन जारी रखा है और वर्चुअल टीमों की बैठक और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का आयोजन किया है। वित्त वर्ष 2021—22 में हमने 2,37,567 घंटे ऑनलाइन मीटिंग और 2,957 वर्चुअल रूम के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की।

गेल हमेशा अपने हितधारकों की पारदर्शिता और विश्वास में सुधार के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध डिजिटल तकनीक को अपनाने का प्रयास करती है। प्रभावी निर्णय लेने के लिए और व्यावसायिक प्रदर्शन और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ में सुधार के लिए उन्नत डिजिटल तकनीकों और उन्नत एनालिटिक्स का लाभ उठाने के लिए गेल की एक "डिजिटल रणनीति" है। हमारी डिजिटल रणनीति भविष्य की जरूरतों, प्रचालन, व्यवसाय योजना, सतत विकास प्रदर्शन और कंपनी के समग्र दृष्टिकोण पर हमारे ध्यान केंद्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

गेल का डिजिटल विजन कर्मचारियों, आपूर्तिकर्ताओं, ग्राहकों और समाज सहित सभी प्रमुख हितधारकों की जरूरतों और आकांक्षाओं को पूरा करता है। यह ब्रांड की ताकत, स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण, ग्राहक संतुष्टि, सतत खरीद और हितधारक समावेश जैसे अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी ध्यान केंद्रित करता है। डिजिटल दुनिया की वर्तमान प्रथाओं और भविष्य की अपेक्षाओं के बीच की खाई को पाटने के लिए एक अच्छी तरह से संरचित रोडमैप विकसित किया जा रहा है।

गेल द्वारा अत्याधुनिक डिजिटल तकनीकों को अपनाने से बेहतर निगरानी और डेटा संग्रह के माध्यम से सतत विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए डिजिटल समाधान और सेवाओं को साझा करने के लिए एक व्यापक बहु—हितधारक गठबंधन और प्लेटफॉर्म की आवश्यकता है। नई डिजिटल विधियाँ आपके संगठन में सतत विकास को बढ़ावा देने और प्रचालन के उचित निष्पादन में सहायता करने के लिए प्रासंगिक डेटा की समय पर और सटीक निगरानी को सक्षम बनाती हैं। प्लेटफ़ॉर्म सहयोग एक डेटाबेस बनाने में सहायता करता है जिसका बेहतर योजना और अनुकूलन का समर्थन करने के लिए बड़े डेटा एनालिटिक्स—आधारित समाधानों के लिए उपयोग किया जा सकता है।

हमारे सिस्टम पर एक सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (आईएसओः 27001:2013) के कार्यान्वयन से हमारी प्रतिबद्धता का मूल्यांकन होता है। किसी भी साइबर खतरे को खत्म करने और एक मजबूत आईटी प्रणाली का निर्माण करने के लिए, हमारे पास एक उन्नत निरंतर खतरा—शमन प्रणाली के साथ एक समर्पित सुरक्षा प्रचालन केंद्र (एसओसी) है। इसके अलावा, हमने नेटवर्क कनेक्टिविटी और सूचना सुरक्षा जैसे निजी क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए विभिन्न पहलें और परियोजनाएँ शुरू की हैं। प्रभावी नियंत्रण के लिए गेल में साइबर हमलों और साइबर आतंकवाद का मुकाबला करने हेतु हमारे पास एक संकट प्रबंधन योजना है। हमारे पास एक हादसा प्रबंधन टीम है जिसमें एक संकट प्रबंधन प्रकोष्ठ (सीएमसी) और एक स्तर—II घटना समाधान टीम शामिल है।

शीर्ष साइबर सुरक्षा बैठकों में मासिक आधार पर सूचना सुरक्षा/साइबर सुरक्षा रणनीति की समीक्षा और अद्यतन करने के लिए हमारे पास एक सुस्थापित तंत्र है। निदेशक मंडल सूचना सुरक्षा/साइबर सुरक्षा रणनीति की समीक्षा में लगा हुआ है।

सभी खतरों या फ़िशिंग गतिविधियों को हमारी आईटी प्रणाली द्वारा संरक्षित किया जाता है, हमारी नीतियाँ विभिन्न स्तरों पर इंटरलॉक सिस्टम के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारी तक पहुँच वाले कर्मचारियों के लिए सूचना सुरक्षा/साइबर सुरक्षा को नियमित करती हैं या अस्वस्थ साइटों तक पहुँच को सीमित करती हैं। आपातकालीन स्थितियों में काम करने और ऐसी किसी भी घटना को रोकने के लिए, हमारे पास एक विशिष्ट साइबर—खतरा आसूचना टीम है।

वित्तीय वर्ष 2021—22 में गेल में कोई सूचना सुरक्षा उल्लंघन, अन्य साइबर सुरक्षा घटनाएँ या आईटी घटनाएँ नहीं हुईं।

जिम्मेदार सूचना प्रणाली और डिजिटलीकरण के लिए नई पहल और गतिविधियाँ शुरू की गई हैं:

1. गेल ने आत्मनिर्भर भारत की दृष्टि से सरकारी ई—मार्केटप्लेस की एक नई पहल की है, जिससे वस्तुओं और सेवाओं की खरीद में डिजिटलीकरण में सुधार हुआ है। यह बेहतर पारदर्शिता और दक्षता की गारंटी भी देता है। गेल ने वित्त वर्ष 2021—22 में जेम (गवर्नमेंट ई—मार्केटप्लेस) के

GRI 102-9, GRI 103-2, GRI 103-3

माध्यम से ₹2,593 करोड़ का ऑर्डर मूल्य दिया है। जेम ने भागीदारी को बढ़ाया है, पूरे देश में निविदा, एसओपी का समय कम किया है, और प्रोसेसिंग में आसानी पैदा हुई है।

2. गेल निम्न की निगरानी के लिए वेब आधरित अनुप्रयोगों के माध्यम से डिजिटलीकरण का उपयोग कर रही है–
   - प्रमुख जोखिम और उनके शमन
   - अभ्यर्थियों का ऑनलाइन दस्तावेज सत्यापन
   - विभिन्न अवार्ड किए गए संविदाओं की ट्रैकिंग के लिए जहाजरानी वेब ऐप
3. सीजीडी खंड में, गेल ने अपने संयुक्त उद्यम/सहायक कंपनियों द्वारा पीएनजी और सीएनजी सुविधाओं के प्रवेश की निगरानी के लिए सीजीडी डीपीआर मोबाइल ऐप लागू किया है। ऐप–आधारित सीजीडी मीटर रीडिंग कार्यक्षमता के साथ–साथ बीबीपीएस–आधारित भुगतान प्रणाली ने सीजीडी ग्राहकों को बहुत सुविधा प्रदान की है।
4. गेल निविदाओं के लिए एक उपयोगकर्ता के अनुकूल एनआईसी ई–निविदा पोर्टल (जीईपीएनआईसी) को अपनाना।
5′. वास्तविक समय (पेंटेन, एमएफओ, और स्लोप ऑयल) में नियंत्रित उत्पादों के सभी ग्राहकों को नवीनतम मूल्य जानकारी की सूचना के लिए ऑटो–जेनरेटेड ई–मेल अलर्ट।
6. गैस ट्रांसमिशन एग्रीमेंट (जीटीए) कॉन्ट्रैक्ट्स और आयातित गैस सेल्स एग्रीमेंट (जीएसए) कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए नामांकन (किसी विशेष दिन पर प्राकृतिक गैस की एक निश्चित मात्रा में लेने की इच्छा) करने के लिए एक ऑनलाइन ग्राहक पोर्टल बनाया गया है और इसे लाइव किया गया है।
7. गेल के सभी व्यावसायिक खंडों के लिए ग्राहक/विक्रेता से जीएसटी पोर्टल और टीसीएस/टीडीएस के साथ एएसपी/जीएसपी एकीकरण के माध्यम से ई–चालान के प्रावधानों का कार्यान्वयन।
8. क्रॉसिंग परमिशन पोर्टलः गेल की पाइपलाइनों/ओएफसी को क्रॉस करने और आवेदनों के प्रसंस्करण के लिए किसी तीसरे पक्ष द्वारा अनुरोध प्रस्तुत करने के लिए एक एकीकृत वेब पोर्टल विकसित किया गया है। एप्लिकेशन में एप्लिकेशन को संसाधित करने के लिए संबंधित साइटों के अनुरोधों को मैप करने के लिए एक इनबिल्ट वर्कफ़्लो है। सभी आवश्यक दस्तावेज पार्टी द्वारा सिस्टम में अपलोड किए जाते हैं और उसी के आधार पर, संयुक्त दौरे का समय निर्धारण किया जाता है और सिस्टम से एक संयुक्त यात्रा रिपोर्ट तैयार की जाती है।
9. पॉलिमर के लिए ऑनलाइन बिक्री पोर्टलः ग्राहक वेबसाइट पर लॉग इन करके ऑर्डर दे सकते हैं।

GRI 102-9

अन्य पहलें:

1. छूट/मूल्य संबंधी संप्रेषण का स्वचालनः सभी आवश्यक अनुलग्नकों के साथ गेल के कंसाइनमेंट स्टॉकिस्टों को छूट और मूल्य संबंधी संचार भेजने के लिए वेब एप्लिकेशन।
2. क्यूआर कोड स्कैनिंग ऐपः एक मोबाइल ऐप जो इनवॉइस में उपलब्ध क्यूआर कोड को स्कैन करने के बाद इनवॉइस विवरण जैसे आईआरएन नंबर, इनवॉइस नंबर, इनवॉइस राशि और जीएसटीआईएन नंबर आदि को स्वचालित रूप से कैप्चर करता है।
3. सीजीडी पीएनजी ग्राहकों के लिए मास मीटर रीडिंग ऐपः यह ऐप डीपीएनजी ग्राहकों के लिए डीएमए के लिए मीटर रीड अपलोड को सरल बनाता है
4. क्रेडिट नोट्स के निर्माण पर सीएस और ग्राहकों को ऑटो अलर्टः हितधारकों के लिए सूचना का रेडी प्लो।
5. पॉलिमर ग्राहकों और कंसाइनमेंट स्टॉकिस्टों के लिए ऑटो अलर्टः पॉलीमर ग्राहकों के लिए ऑटो अलर्ट और कीमत में बदलाव के मामले में स्टॉक स्टॉकिस्ट के लिए ऑटो अलर्ट जेनरेट किए जाते हैं।
6. एसएपी में हाइड्रोजन कार्यात्मकता की खरीद और बिक्री के लिए व्यावसायिक प्रक्रिया का कार्यान्वयन
7. सैप में एसएटीएटी योजना के तहत सीजीडी संस्थाओं को बिक्री के लिए संपीड़ित बायो गैस/बायो गैस योजना का कार्यान्वयन
8. अपने सोशल मीडिया की मदद से, हम प्रभावी ढंग से संचार करते हैं और अपने हितधारकों के साथ ज्ञान साझा करते हैं। गेल के फेसबुक परिवार की संख्या 60 लाख हो गई है।
9. हम सभी शिकायतों के समाधान के लिए डिजिटलीकरण को अत्यधिक बढ़ावा देते हैं और टोल–फ्री नंबर, ईमेल आदि के माध्यम से अपने ग्राहकों का समर्थन करते हैं।
10. हमारे सभी प्रमुख औपचारिक संचार, रिकॉर्ड कीपिंग, और प्रचालन में दस्तावेज़ डिजिटलीकृत हैं जो हमारे कागज़ की खपत को कम करता है।

वाराणसी में विश्व का पहला तैरता सीएनजी स्टेशन

पवित्र नदी गंगा को प्रदूषण मुक्त बनाने के एक दूरगामी कदम के अंतर्गत, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज पेट्रोल और डीजल से पर्यावरण के अनुकूल संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) पर चलने के लिए परिवर्तित 500 नावों को राष्ट्र को समर्पित किया।

इन नावों को यहाँ नमो घाट पर गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा निर्मित भारत के पहले फ्लोटिंग सीएनजी स्टेशन से सीएनजी की आपूर्ति की जा रही है।

वाराणसी नगर निगम (वीएनएन) के सहयोग से गेल की निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के तहत सीएनजी पर चलने के लिए पेट्रोल/डीजल से चलने वाली नावों का रूपांतरण भी किया गया। वीएनएन ने वाराणसी स्मार्ट सिटी को परियोजना का समन्वयक नियुक्त किया, जबकि मेकॉन लिमिटेड सीएनजी पर चलने वाली नावों के रूपांतरण के लिए इंजीनियरिंग और परामर्श सेवाएँ प्रदान कर रही है।

गंगा नदी के विभिन्न घाटों के पर मौजूद कई नावों का उपयोग पर्यटकों द्वारा पवित्र शहर वाराणसी की यात्रा के दौरान किया जाता है। हालाँकि, पारंपरिक ईंधन से रिसाव और निकास एक प्रमुख चिंता का विषय है जो गंगा नदी के पानी की गुणवत्ता और समुद्री जीवन को प्रभावित करता है।

सीएनजी में परिवर्तन से न केवल प्रदूषण कम होगा बल्कि ईंधन पर होने वाली बचत से नाविकों की आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

जहाँ अब तक 500 नावों को सीएनजी में बदला जा चुका है, वहीं अन्य नावों को भी स्वच्छ ईंधन में बदलने का काम तेज गति से चल रहा है।

9

इंदौर, मध्य प्रदेश में प्राकृतिक गैस प्रणाली में **हाइड्रोजन के मिश्रण** की भारत की पहली परियोजना

गेल पाता प्लांट में मियावाकी तकनीक के माध्यम से **1,50,000** पौधे रोपना

वित्त वर्ष 2021–22 में अनुसंधान एवं विकास/नवाचार पहल के तहत गेल का कुल खर्च **₹243.70 करोड़** है

ऊर्जा और पर्यावरण

पर्यावरण की सुरक्षा गेल के लिए एक प्रमुख चिंता का विषय है। हमारे प्रचालन और वर्तमान नियंत्रणों का विश्लेषण करके, हम अपनी रणनीति को बेहतर बनाने के लिए अपने प्रयास बढ़ाने और उन्हें लागू करने के अवसरों की पहचान करते हैं। हम मूल्य श्रृंखला में अपने प्रभाव का आकलन करते हैं और अपने लिए उच्च मानक निर्धारित करते हैं। नियमित आधार पर, हम सुधार के लिए क्षेत्रों का विश्लेषण और पहचान करते हैं।

हम प्रचालन उत्कृष्टता प्राप्त करने के साथ–साथ अपने पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए सुविज्ञ कार्रवाई करने में विश्वास करते हैं। उन पहलों और शमन योजनाओं को लागू कर रहे हैं जिनका पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

गेल ने 29 मार्च 2022 को **"प्रदूषण समाधानः एक स्वच्छ, हरित पृथ्वी"** पुस्तक के विमोचन का समर्थन किया है

एक जिम्मेदार कंपनी के रूप में गेल का लक्ष्य हमेशा प्रदूषण की रोकथाम और हमारे संयंत्र को हरित और स्वच्छ बनाने में योगदान देना है। गेल ने द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टीईआरआई) को बच्चों की पुस्तक लॉन्च – "पोल्यूशन सॉल्यूशंसः फॉर ए क्लीनर, ग्रीनर अर्थ" में सहयोग दिया है, यह पुस्तक बच्चों को पर्यावरण प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक करने की आशा के साथ स्वच्छ और टिकाऊ पर्यावरण के लिए प्रदूषण पर अंकुश लगाने के महत्व के प्रति भी समर्पित है। स्कूली शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए उद्योग, शिक्षाविदों और नीति निर्माताओं के दृष्टिकोण के माध्यम से प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन को कम करने की प्रासंगिकता पर चर्चा करने के लिए 'ए वे टू क्लीनर एंड ग्रीनर अर्थ' पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई थी।

हमने कर्मचारी विकास गतिविधियों और पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रमों में वित्त वर्ष 2021–22 के प्रशिक्षण, सेमिनार और कार्यशालाओं में ₹9,56,484 खर्च किए हैं।

गेल में, हम कर्मचारियों, परिवारों, छात्रों और अन्य हितधारकों के लिए गेल–पाता एवं गेल गाँव में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस, वन महोत्सव, विश्व जल दिवस, पृथ्वी दिवस, जन्मदिन, वृक्षारोपण आदि जैसे विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

9.1 ऊर्जा और पर्यावरण में शासन एवं नीति

हमारे प्रचालन में ऊर्जा के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण है हमारी सतत विकास प्रचालन समिति, सतत विकास नीति निर्देशों का समर्थन करती है और कंपनी की सतत विकास महत्वाकांक्षाओं के साथ–साथ जोखिम और प्रदर्शन प्रबंधन को पूरा करने के प्रति जिम्मेदार है। हमारी सतत विकास https://gailonline.com/pdf/Sustainability/Sustainability%20

GRI 103-2

Policy10-02-2020.pdf एक ऐसा व्यापक दस्तावेज है जो विकास और पारिस्थितिकी तंत्र के बीच सामंजस्य स्थापित करने के आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय पहलुओं की दिशा में हमारी पहल को दर्शाता है। साइट–विशिष्ट एसओपी और अन्य प्रचालन मेमो सुनिश्चित करते हैं कि हमारे सभी कार्य इस तरह से संरेखित हैं कि हमारी प्रक्रियाओं का पर्यावरण पर कम से कम प्रभाव पड़ता है।

9.2 जैव विविधता प्रबंधन

गेल नियामक मानकों के अनुसार अपनी प्रचालन गतिविधियों और आपूर्ति शृंखला के लिए जैव विविधता/पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने, बढ़ाने और संरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है। गेल क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने में जैव विविधता प्रबंधन के महत्व को पहचानती है। गेल आईयूसीएन श्रेणी I-IV संरक्षित क्षेत्रों और विश्व धरोहर स्थलों के पास परिचालन गतिविधियों से दूर रहने के साथ–साथ शमन पदानुक्रम (बचें, न्यूनतम करें, पुनर्स्थापित करें और ऑफसेट करें) का पालन करने के लिए समर्पित है।

गेल स्थानीय जैव विविधता की रक्षा के लिए सक्रिय उपाय करती है और यह सुनिश्चित करती है कि इसके प्रचालन का उन क्षेत्रों में स्थानीय पर्यावरण पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े जहाँ यह प्रचालित होता है। गेल नए संयंत्रों के निर्माण से पहले पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन करती है। हमारे पास एक सुपरिभाषित पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी) है जो गेल स्थानों पर विभिन्न हरित पट्टी और जैव विविधता प्रबंधन कार्यक्रमों को लागू करने के लिए सिद्धांतों और प्रक्रियाओं को निर्धारित करती है। ग्रीन–बेल्ट क्षेत्रों का विकास जैव विविधता को संरक्षित करने और उन क्षेत्रों में पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए गेल के प्रयासों का उदाहरण है जहाँ यह प्रचालित होता है। इन ग्रीनबेल्ट क्षेत्रों में विविध प्रकार के देशी पौधे और जीव पाए जा सकते हैं। इन ग्रीन–बेल्ट क्षेत्रों के भीतर बड़े जलाशय भी हैं, जो विभिन्न प्रकार के जलीय जंतुओं का घर हैं। इन ग्रीन–बेल्ट क्षेत्रों की देखभाल और संरक्षण के लिए एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण का उपयोग स्थानीय प्रशासन के सहयोग से किया जाता है। हम समस्या की रोकथाम और समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए गेल इकाइयों में और आसपास के क्षेत्र के पर्यावरण और पारिस्थितिकी पर नियमित सर्वेक्षण और अध्ययन करते हैं। इस प्रणाली ने एसडीजी 14 और 15 में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और इसका पानी के भीतर और जमीन पर रहने वाले जीवों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यह आवश्यक शमन और निवारक उपायों की पहचान में भी सहायता करता है। जैव विविधता की रक्षा के हमारे प्रयासों के एक भाग के रूप में, हमने यह सुनिश्चित किया है कि गेल के किसी भी प्रचालन स्थल के 10 किमी के भीतर कोई संरक्षित आवास न हो। हरित आवरण वाले क्षेत्रों में बिछाई गई पाइपलाइनों की आयु 25–30 वर्ष होती है। इस उद्देश्य के लिए न्यूनतम क्षेत्र का उपयोग किया जाता है। एक बार जब पाइपलाइन बिछा दी जाती है, तो वन क्षेत्र को पुनर्स्थापित/पुनर्प्राप्त करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाती है और रखरखाव की आवश्यकता उत्पन्न होने तक इसे आमतौर पर छुआ नहीं जाता है। पर्यावरण पर पाइपलाइनों के नकारात्मक प्रभाव को सीमित करने के लिए, हम वन क्षेत्र से गुजरने वाली पाइपलाइनों के लिए आरओयू के एक तिहाई से भी कम का उपयोग करते हैं।

पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों (जैसे राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण्य, बायोस्फीयर रिजर्व, आर्द्रभूमि, जैव विविधता हॉटस्पॉट, वन, तटीय विनियमन क्षेत्र, आदि) के आसपास गेल का कोई कार्यालय नहीं है।

हमारा सबसे बड़ा संयंत्र, पाता एक सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण बनाने, बनाए रखने और सुनिश्चित करने पर केंद्रित है। सतत विकास और विभिन्न हरित पहलों में गेल का पाता संयंत्र एक प्रमुख योगदानकर्ता है और कंपनी पर्यावरण की दृष्टि से जिम्मेदार व्यावसायिक इकाई के रूप में देखे जाने का प्रयास करती है। डॉक्यूमेंट्री 'संजीवनी – ए सस्टेनेबल जर्नी' में सतत विकास पहलों और प्राप्त किए गए बेंचमार्क्स पर चर्चा की गई है। यह डॉक्यूमेंट्री एक हाउस टीम द्वारा डिजाइन की गई है और 1 जनवरी 2022 को जारी की गई थी। इसमें गेल के पाता कर्मचारियों और उनके परिवारों के समर्पण और योगदान को दर्शाया गया है। गेल ने सीओएमपीए (प्रतिपूरक वनीकरण) के माध्यम से उत्सर्जन में कमी लाने में भी योगदान दिया है, ये वन भूमि के माध्यम से पाइपलाइन बिछाने के दौरान किया जाता है।

9.2.1 विभिन्न स्थलों पर जैव विविधता पहलें

पाता

गेल गाँव (चरण–3 में तालाब क्षेत्र) में जैव विविधता के संरक्षण के लिए इको पार्क के विकास हेतु रोडमैप को सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किया गया है और 17 हेक्टेयर क्षेत्र को जैविक रूप से संरक्षित क्षेत्र

GRI 102-12, GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 304-1, GRI 304-2, GRI 304-3, GRI 304-4

के रूप में सीमांकित किया गया है। ईको पार्क के विकास के लिए रोडमैप के तहत, पहचान की गई कुछ गतिविधियों को पहले चरण के अंतर्गत पूरा कर लिया गया है। पाता में बर्डहाउस कम फीडर, जैव विविधता संवर्धन और पारिस्थितिक तालाब में और उसके आसपास पर्यावास विकास का एक उदाहरण है। गेल पाता के पास लगभग 500 एकड़ भूमि (कुल क्षेत्रफल का लगभग 33%) है जो ग्रीन बेल्ट के रूप में समर्पित है। वित्तीय वर्ष 2021–22 में प्रचालन स्थल और आवासीय क्षेत्र में कुल ~75,821 पेड़ लगाए गए।

विजयपुर

गेल विजयपुर के पास कुल 321 एकड़ भूमि (कुल क्षेत्रफल काझ 30%) है जो हरित पट्टी के रूप में समर्पित है।

वित्तीय वर्ष 2021–22 में परिचालन स्थल और आवासीय क्षेत्र में कुल ~1,557 पेड़ लगाए गए।

दिबियापुर

गेल दिबियापुर के पास लगभग 28 एकड़ भूमि (कुल क्षेत्रफल का लगभग 45.52%) है जो हरित पट्टी के रूप में समर्पित है। वित्तीय वर्ष 2021–22 में प्रचालन स्थल और आवासीय क्षेत्र में कुल ~572 पेड़ लगाए गए।

अन्य स्थल वार पहल

- गेल गाँव टाउनशिप में, जैव विविधता संवर्धन हेतु एक तितली उद्यान विकसित किया गया है। नेक्टर पौधों की उपयुक्त प्रजातियों, लार्वा मेजबान पौधों और अल्कलॉइड उत्पादक पौधों का रोपण भी किया गया है।

9.2.2 विश्व पर्यावरण दिवस समारोह

गेल (इंडिया) लिमिटेड ने संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की थीम 'केवल एक पृथ्वी' के समर्थन में पर्यावरण के साथ रहने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व पर्यावरण दिवस पर कई कार्यक्रमों में भाग लिया।

नई दिल्ली और अन्य स्थानों में गेल कॉर्पोरेट कार्यालय में ऑनलाइन और ऑफलाइन कार्यक्रमों की योजना बनाई गई थी। पूरे देश में गेल के सभी कर्मचारियों को पौधे वितरित किए गए। कर्मचारियों ने हरित भविष्य के लिए अपना समर्थन देने का संकल्प लिया। गेल ने स्वच्छ पर्यावरण और अधिक टिकाऊ जीवन के लिए 'ऊर्जावान संभावनाओं' में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसमें से एक सबसे महत्वपूर्ण पहलू 'पर्यावरण उत्तरदायित्व' है। गेल अपनी 'हवा बदलो' परियोजना का भी समर्थन करती है, क्योंकि वायु प्रदूषण के साथ–साथ हरित एवं स्वच्छ कल सुनिश्चित करने वाले समाधानों के कारण होने वाली समस्याओं के बारे में जागरूकता बढ़ाती है।

गेल (इंडिया) लिमिटेड, पाता ने वन महोत्सव 2022 के अवसर पर 1,50,000 पौधे लगाने के लिए हरित पहल की है। इस बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण गतिविधि के सफल निष्पादन के लिए, गेल (इंडिया) लिमिटेड, ने दिनांक 06.06.2022 को उत्तर प्रदेश राज्य वन विभाग (यूपीएसएफडी) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उत्तर प्रदेश राज्य वन विभाग के संभागीय वन कार्यालय, औरैया द्वारा मियावाकी पद्धति पर 4.3 हेक्टेयर क्षेत्र में वृक्षारोपण किया जाएगा।

GRI 304-1, GRI 304-2, GRI 304-3

मियावाकी आधारित वनरोपण

पाता ने वन महोत्सव और स्वच्छता पखवाड़ा उत्सव के उपलक्ष्य में 1,50,000 पौधे लगाकर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की। गेल पाता ने 4.3 हेक्टेयर के क्षेत्र में इस बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण गतिविधि के सफल निष्पादन के लिए उत्तर प्रदेश राज्य वन विभाग (यूपीएसएफडी) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व श्री अजय त्रिपाठी, कार्यकारी निदेशक (पीसी–ओ एंड एम) और ओआईसी पाता ने गेल पाता के मुख्य महाप्रबंधकों और यूपी राज्य वन विभाग के प्रतिनिधियों के साथ किया था।

GRI 304-1, GRI 304-2, GRI 304-3, GRI 102-12

9.3 ऊर्जा प्रबंधन

गेल सर्वोत्तम इंजीनियरिंग प्रथाओं के कार्यान्वयन और ओईएम की सिफारिशों के अनुसार सभी ऑपरेटिंग सिस्टमों की नियमित मरम्मत और अनुरक्षण के माध्यम से अपने प्रचालन में ऊर्जा दक्षता में सुधार के तरीकों की लगातार तलाश कर रही है। गेल ने वित्तीय वर्ष 2021—22 में प्रभावी प्रबंधन प्रक्रियाओं के माध्यम से ऊर्जा दक्षता में सुधार के लिए कई पहलें की हैं, जिसमें कुशल प्रौद्योगिकियों, सर्वोत्तम प्रथाओं, ऊर्जा दक्षता प्रशिक्षण/कार्यशालाओं, और 'जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन उपायों को अपनाना (प्रतिस्थापन और रेट्रोफिटिंग) शामिल है। ऊर्जा खपत की निगरानी करना, ऊर्जा ऑडिट कराना और ऊर्जा दक्षता उपायों को लागू करना हमारे अत्यधिक कुशल एकीकृत ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली द्वारा आसान बना दिया गया है।

हमारे सभी प्रमुख प्रतिष्ठान आईएसओ 50001 एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम प्रमाणित हैं। गेल संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित एनडीसी (राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान) को समर्पित है।

9.3.1 केंद्रीय स्वीकृत ऊर्जा बचत पहल

गेल (इंडिया) लिमिटेड पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपी एंड एनजी) के प्रशासनिक नियंत्रण में एक सरकारी कंपनी है। गेल का पाता प्लांट, ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) परफॉर्मेंस, अचीव एंड ट्रेड (पीएटी) साइकिल ट्ट के तहत एक नामित उपभोक्ता है। हमने 2016—17 के बेसलाइन वर्ष से 6.17% की पीएटी योजना में कमी का लक्ष्य हासिल किया है।

9.3.2 स्थल वार ऊर्जा बचत पहल

गेल ने बिहार और पश्चिम बंगाल में अपनी परियोजना पूरी कर ली है जो इन दोनों राज्यों की गैस आधारित बुनियादी ढाँचा प्रक्रियाओं को मजबूत करेगी। इस परियोजना की कुल लागत लगभग ₹2,433 करोड़ होने का अनुमान है। यह पाइपलाइन राज्य में खाना पकाने का ईंधन लाएगी जो कि एलपीजी और सीएनजी से सस्ता है और जिसकी कीमत पेट्रोल और डीजल से कम है।

बिहार के डोभी से पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर तक 348 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा परियोजना का हिस्सा है। यह विचार पर्यावरण के अनुकूल प्राकृतिक गैस को भारत के पूर्वी हिस्सों में ले जाने का था, वास्तव में, ये क्षेत्र अभी तक गैस आधारित अर्थव्यवस्था का लाभ नहीं उठा पाए हैं। अगले 3 वर्षों में, घरेलू रसोई में लगभग 3—4 लाख प्राकृतिक गैस पाइपलाइन कनेक्शन उपलब्ध कराने की योजना है। करीब 200 सीएनजी स्टेशन लगाने की योजना पर भी विचार किया जा रहा है।

अन्य प्रमुख पहलें

ग्रीनको— ग्रीनको रेटिंग "दुनिया में अपनी तरह का पहला" समग्र ढाँचा है जो जीवन चक्र दृष्टिकोण का उपयोग करके अपनी गतिविधियों की पर्यावरण अनुकूलता पर कंपनियों का मूल्यांकन करता है। गेल ने वित्त वर्ष 2019—20 में ग्रीनको रेटिंग को अपनाने की यात्रा शुरू की है। 2020 में, वाघोडिया सीआईआई ग्रीनको द्वारा सिल्वर रेटिंग प्राप्त करने वाला पहला गेल स्थान बन गया। उसके बाद विजयपुर को भी सीआईआई ग्रीनको द्वारा सिल्वर रेटिंग मिली। वित्त वर्ष 2021—22 में गेल पाता सीआईआई ग्रीनको द्वारा गोल्ड रेटिंग जीतने वाली पहली गेल साइट थी।

गेल साइटों पर अक्षय ऊर्जा

गेल ने अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में कदम रखा है और पहले से ही अपनी मेगा परियोजनाओं के माध्यम से 13.8 एमडब्ल्यूपी सौर ऊर्जा और 117.95 एमडब्ल्यूपी पवन ऊर्जा की स्थापित क्षमता रखती है। इन मेगा परियोजनाओं के अलावा, गेल ने ग्रिड पावर की आवश्यकता को कम करने के लिए अपने पाइपलाइन प्रतिष्ठानों संयंत्रों और टाउनशिप में छोटे क्षमता वाले सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए हैं। उक्त वित्तीय वर्ष के दौरान भी, गेल ने सौर ऊर्जा के आगे उपयोग के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं।

गेल पाता में, 2.64 मेगावाट का एक अतिरिक्त रूफटॉप सौर पीवी संयंत्र ₹13.28 करोड़ की परियोजना लागत के साथ स्थापित किया गया है जिसके परिणामस्वरूप उत्सर्जन में कमी आई है।

सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना और चालू करना

- **जेएलपीएल नेटवर्क:** ग्रिड से जुड़ी सोलर रूफटॉप बिजली उत्पादन क्षमता — 270 केडब्ल्यूपी (आबू रोड — 200 केडब्ल्यू, नसीराबाद — 50 केडब्ल्यूपी, मंसारामपुरा — 20 केडब्ल्यू)। गेल जामनगर में, कुल सौर स्थापित क्षमता 203 केडब्ल्यूपी है जिसे आरआईएल डीटी एडमिन बिल्डिंग (80.4 केडब्ल्यूपी), आरआईएल डीटी कंट्रोल रूम (58.3 केडब्ल्यूपी), और आरआईएल डीटी कंट्रोल रूम (64.6 केडब्ल्यूपी) में विभाजित किया गया है। इसके अलावा, एसवी स्टेशन पर छह सौर ऊर्जा का

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 302-1, GRI 302-2, GRI 302-5, GRI 302-4, GRI 102-12

प्रस्ताव निविदा चरण में है जिसमें 7.2 केडब्ल्यूपी प्रति एसवी स्टेशन कुल 43.2 केडब्ल्यूपी है।

- **केजी बेसिन:** ग्रिड से जुड़े सोलर रूफ टॉप बिजली उत्पादन क्षमता – 128 किलोवाट
- **मुंबई क्षेत्र:** ग्रिड से जुड़े सोलर रूफ टॉप बिजली उत्पादन क्षमता – 28 किलोवाट

गेल ने देश भर में विभिन्न प्रतिष्ठानों में लगभग 3.2 मेगावाट की संयुक्त क्षमता के साथ रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्रों को लागू करने का भी कार्य किया है।

गेल भारत में एक अग्रणी प्राकृतिक गैस कंपनी है। हम वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान 1159 किलोमीटर पाइपलाइन खंड को प्राकृतिक गैस पहुँचाने के बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। हमारी पाइपलाइनों के एसवी/आईपी स्टेशनों पर सौर ऊर्जा का उपयोग बैकअप पावर या दैनिक कार्यों के लिए ऊर्जा स्रोत के रूप में किया जा रहा है।

9.3.3 ऊर्जा संरक्षण उपकरण में पूँजी निवेश

कंपनी द्वारा उक्त वर्ष के दौरान पूर्ण हुई परियोजनाओं के अंतर्गत ऊर्जा संरक्षण उपकरण पर पूँजी निवेश लगभग ₹33 करोड़ है, जिसका विवरण यहाँ दिया जा रहा है:

तालिका 1: वित्तीय वर्ष 2021–22 में शुरू की गई परियोजना की लागत

परियोजना	व्यय (₹ करोड़)
डीवीपीएल कंप्रेशर्स के लिए दूसरे एचआरएसजी की कमीशनिंग	27.91
एफजीआरयू के साथ इंटरकनेक्शन द्वारा एलपीजी इकाइयों से फ्लेयर गैस की बहाली	28.25
गेल के विभिन्न प्रतिष्ठानों में रूफ टॉप सोलर पावर सिस्टम	17.22
ऊर्जा दक्ष प्रकार के उपकरणों से पुराने और अप्रचलित प्रकार के उपकरणों का प्रतिस्थापन	12.33

9.3.4 अन्य परियोजनाएँ और उपलब्धियाँ

- **प्रौद्योगिकी अवशोषण:**
  - एलपीजी संयंत्र, विजयपुर में लीन गैस कम्प्रेसर–2, एलईएफ–1 एवं 2, पीआरयू–1 एवं 2 मशीन की अप्रचलित अग्नि एवं गैस पहचान प्रणाली का उन्नयन।
  - विजयपुर में गोले के वैधानिक निरीक्षण के दौरान एलपीजी क्षेत्रों बी एंड डी में एसआईएल 2 प्रमाणित गाइडेड वेव रडार लेवल ट्रांसमीटर की स्थापना।
  - वीकेपीएल–II लाइन में 5 यूएसएम की मीटरिंग प्रणाली की स्थापना और कमीशनिंग और नई 24 "एचपी रिटर्न लाइन और एचवीजे से जीपीयू, विजयपुर तक 24" आरएलएनजी लाइन
  - फायरवाटर पंप ए, बी और सी के विद्युत नियंत्रण पैनल का गंधार में रिले पैनल से पीएलसी सिस्टम में उन्नयन।

GRI 302-1, GRI 302-2, GRI 302-4, GRI 302-5

9.4 उत्सर्जन प्रबंधन

हम राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) में अपनी प्रतिबद्धताओं और पेरिस समझौते के प्रति प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए भारत सरकार की क्षमता को बढ़ाने के प्रयास के अंतर्गत एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट के रूप में अपने प्रचालन से उत्पन्न उत्सर्जन को नियंत्रित करके निम्न कार्बन अर्थव्यवस्था वाली स्थिति प्राप्त करने में अपनी भूमिका को समझते हैं। वायु उत्सर्जन और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, गैस संचरण, तरल हाइड्रोकार्बन, प्राकृतिक गैस प्रसंस्करण और पॉलिमर निर्माण उद्योगों में सबसे महत्वपूर्ण उत्सर्जन स्रोत हैं।

हम विश्व व्यापार परिषद सतत विकास (डब्ल्यूबीसीएसडी) ग्रीनहाउस गैस रिपोर्टिंग मानकों, आईएसओ 14064–2006 और अमेरिकी पेट्रोलियम संस्थान (एपीआई) के अनुसार उत्सर्जन की निगरानी और विनियमन करते हैं, इसलिए कि ये तेल एवं प्राकृतिक गैस उद्योग–2009 के लिए जीएचजी उत्सर्जन पद्धति का एक संग्रह है। उत्सर्जन नियंत्रण को और मजबूत करने के लिए हम जीएचजी उत्सर्जन को कम करने और निगरानी करने हेतु विभिन्न पहलें करते हैं। हमारी उत्सर्जन प्रबंधन पहलों को निम्नलिखित मुख्य क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है।

9.4.1 मीथेन उत्सर्जन को कम करना

प्राकृतिक गैस के प्राथमिक घटकों में से एक मीथेन में ग्लोबल वार्मिंग की संभावना अधिक होती है और दहन के दौरान उत्सर्जन की दर कम होती है। प्राकृतिक गैस संचरण के दौरान, कुछ गैस वातावरण में, विशेष रूप से पंपिंग और भंडारण कार्यों के बीच और भंडारण स्टेशन और अंतिम उपयोगकर्ता के बीच निकल जाती है, अतः ऑपरेटरों द्वारा बाजार में बेची गई मात्रा कम हो जाती है। गेल जैसी प्राकृतिक गैस विपणन और वितरण कंपनी के लिए पर्यावरणीय और आर्थिक प्रभाव के कारण उत्सर्जन दरों का प्रबंधन करना विवेकपूर्ण

है। हम संभावित लीक का पता लगाने और कम करने के लिए प्रभावी रणनीति विकसित करने हेतु अपने उद्योग के साथियों की मदद से ट्रांसमिशन के दौरान रिसाव को कम करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उत्पादन से संबंधित जीएचजी उत्सर्जन को कम कर रहे हैं।

प्राकृतिक गैस, डीजल और एलपीजी का दहन उत्सर्जन का प्राथमिक स्रोत है। प्राकृतिक गैस और एलपीजी भी कुछ प्रक्रियाओं में कम मात्रा में बाहर निकल रहे हैं जिससे मीथेन उत्सर्जन होता है। विनिर्माण और संचरण सहित प्रचालन उद्देश्यों के लिए खरीदी गई बिजली अप्रत्यक्ष उत्सर्जन में योगदान करती है। जीएचजी उत्सर्जन में कमी की पहल की गई है।

जीएचजी में कमी की हमारी पहल ने 52 एचटी एसएफ6 सर्किट ब्रेकरों को वैक्यूम सर्किट ब्रेकर से बदलकर 156 किलोग्राम जीएचजी उत्सर्जन में कमी की है।

हम उत्पादन से संबंधित जीएचजी उत्सर्जन को कम करने के लिए कुछ प्रथाओं का पालन करते हैं जैसेः

- हमारी ऊर्जा खपत की निगरानी और ट्रैकिंग
- खपत को कम करने के लिए आंतरिक लक्ष्य निर्धारित करना
- अक्षय स्रोतों यानी सौर, पवन, आदि के माध्यम से ऊर्जा उत्पादन।

9.4.2 अन्य वायु उत्सर्जन को कम करना

गेल में हम क्लाउड–आधारित निगरानी प्रणाली का उपयोग करके उत्सर्जन का प्रबंधन करते हैं और ये प्रक्रिया हमारे उत्सर्जन विश्लेषक से जुड़ी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी) की वेबसाइटों को उचित निगरानी के लिए जोड़ा गया है। वायु उत्सर्जन को कम करने के लिए पूरे वर्ष के दौरान हमारे सभी स्थानों पर उत्सर्जन प्रबंधन हेतु कई पहलें की गई हैं।

ओजोन–निःशेष करने वाले पदार्थ (ओडीएस), जो हमारी आंतरिक नीतियों द्वारा प्रतिबंधित हैं, इस संदर्भ में, रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर जैसे घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स एक प्रचलित घटक हैं। वे अपने लंबे वायुमंडलीय जीवन के लिए जाने जाते हैं, जिसके दौरान वे समताप मंडल में ओजोन रिक्तीकरण परत के अग्रदूत के रूप में कार्य करते हैं। इसके अलावा, ओडीएस शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैसें हैं।

”क्रॉस–कंट्री पाइपलाइन के माध्यम से एलपीजी ट्रांसमिशन में अपनाए गए सर्वोत्तम अभ्यास” पर पेपर प्रस्तुति संगोष्ठी

जीटीआई–जयपुर ने 28 मार्च 2022 को आईपीएस मंसारामपुरा में जेएलपीएल और वीएसपीएल कार्य केंद्रों में तैनात ई4 और उससे नीचे के स्तर (गैर–कार्यकारियों सहित) ने कर्मचारियों के लिए ”क्रॉस कंट्री पाइपलाइन के माध्यम से एलपीजी ट्रांसमिशन में अपनाए गए सर्वोत्तम अभ्यास” पर एक दिवसीय पेपर प्रस्तुति संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्याम सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित करके श्री जीआर चौहान, मुख्य महाप्रबंधक (ओ एंड एम – जेएलपीएल) और प्रभारी अधिकारी जयपुर, श्री एल एस राव, महाप्रबंधक (ओ एंड एम–एलपीजी पी/एल) विजाग, की उपस्थिति में किया गया, श्री. अविजित मजूमदार, महाप्रबंधक (ओ एंड एम–एलपीजी–पी/एल), एम खादर, श्री. पी के डे, महाप्रबंधक (प्रशिक्षण) सत्र अध्यक्ष के रूप में इस कार्यक्रम में शामिल हुए। श्री दीपक गुप्ता, निदेशक (परियोजना) और श्री. एम वी रवि सोमेश्वररुडु, कार्यकारी निदेशक (ओ एंड एम–सीओ), वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की–नोट स्पीकर के रूप में उद्घाटन सत्र में शामिल हुए।

GRI 302-4, GRI 302-5

9.5 जिम्मेदार जल प्रबंधन

पृथ्वी पर सबसे कीमती संसाधनों में से एक होने के नाते गेल में हम मानते हैं कि पानी की बचत करना और पानी के प्रभावी उपयोग के लिए अपने लोगों में जागरूकता लाना हमारी जिम्मेदारी और कर्तव्य है। औद्योगीकरण की वर्तमान प्रवृत्ति और विनिर्माण सुविधाओं के विस्तार के अनुसार, यह स्पष्ट है कि भविष्य में पानी की माँग बढ़ेगी और भविष्य में पानी की उपलब्धता महत्वपूर्ण होगी। पानी की कमी दुनिया के तेजी से विकास के लिए एक अहम मुद्दा है। गेल का मानना है कि 'जल हमारे समाज की जीवनदायिनी है।' इसके परिणामस्वरूप, पानी को संरक्षित करने और खपत को अधिकतम करने के लिए हम सर्वोत्तम उपलब्ध प्रौद्योगिकियों और प्रणालियों पर लगातार शोध और विकास कर रहे हैं जिनका नवाचार के माध्यम से जल संरक्षण पर मात्रात्मक प्रभाव पड़ा है। गेल में हमने अपने प्रचालन के जोखिम और अवसरों का मूल्यांकन करने के लिए जल–भराव वाली साइटों का आकलन किया है। हमारा आकलन भविष्य की माँग की कल्पना करने में भी मदद करता है। इस दौरान जल निकायों पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पाया गया।

जल स्रोत का %

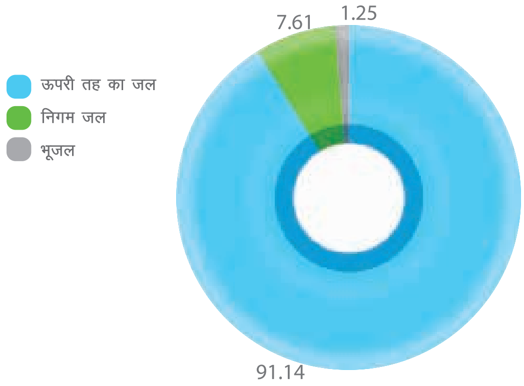

वित्त वर्ष 2021–22 में हमारा जल रुझान, हम 22.19 मिलियन एम^3 पानी निकालते हैं, जिसमें से 91.14% पानी सतही पानी (टीडीएस <1000 मिलीग्राम/लीटर), 7.61% नगरपालिका से और केवल 1.3% पानी भूजल से प्राप्त होता है। जल संकट क्षेत्र में पानी की खपत कुल पानी की खपत का लगभग 6% है।

एक जिम्मेदार कंपनी के रूप में हम यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं कि हमारे कार्यों का हमारी साइटों पर जल संसाधनों की आपूर्ति या गुणवत्ता पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े। नतीजतन, हमने भविष्य में पानी से संबंधित किसी भी जोखिम की पहचान, मूल्यांकन और उसे कम करने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं, जिससे हमारी प्रचालन गतिविधियों का लचीलापन बढ़ रहा है। हमारे सक्रिय दृष्टिकोण के हिस्से के रूप में हम अत्यधिक पानी की माँग के मूल कारण को निर्धारित करने के लिए समय–समय पर आंतरिक/बाहरी ऑडिट आयोजित करते हैं... हम हमेशा कम मीठे पानी जैसे विभिन्न जल प्रबंधन पहलों के माध्यम से अपनी साइटों पर जल संरक्षण के लिए अभिनव और स्मार्ट दृष्टिकोण को प्रोत्साहित एवं समर्थन करते हैं। हमारी पर्यावरण नीति, राष्ट्रीय, स्थानीय और क्षेत्रीय दिशानिर्देशों के आधार पर खपत, वर्षा जल संचयन/संग्रह प्रणाली, अपशिष्ट जल निर्वहन की निगरानी और प्रबंधन, अपशिष्ट जल उपचार और रीसाइक्लिंग पर आधारित है।

गेल सभी लागू पर्यावरण नियमों और विनियमों का ईमानदारी से पालन एवं उनका अनुपालन करती है, जिससे हमारी प्रचालन क्षमताओं में सुधार होता है और उससे पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता परिलक्षित होती है। इसके अलावा, ऑनलाइन कंटीन्यूअस एमिशन मॉनिटरिंग सिस्टम (ओसीईएमएस) के माध्यम से निर्माण स्थलों पर पानी के निर्वहन की वास्तविक समय के आधार पर लगातार निगरानी की जाती है और साथ ही संबंधित मानकों के साथ निर्वहन के सभी विवरण ओसीईएमएस के सर्वर में दर्ज किए जाते हैं ताकि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी)/राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी) प्रवाह सीमा के अनुपालन को मान्य किया जा सके। प्रक्रियाओं से उत्पन्न अपशिष्ट जल को एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) के माध्यम से उपचारित किया जाता है। उपचार प्रणाली में पीएच स्थिरीकरण, प्रसुप्त ठोस पदार्थों को हटाना और जैविक ऑक्सीजन माँग (बीओडी) को कम करना शामिल है ताकि कोई भी जल निकाय निर्वहन से प्रभावित न हो। गेल के अधिकांश प्रचालन और अनुरक्षण संयंत्र शून्य तरल निर्वहन हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी)/राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी) की प्रवाह सीमा के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए विनिर्माण स्थलों पर पानी के निर्वहन की निगरानी की जाती है। एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) प्रक्रियाओं से अपशिष्ट जल का उपचार करते हैं, जिसमें पीएच को समायोजित करना, प्रसुप्त ठोस को हटाना और जैविक ऑक्सीजन माँग (बीओडी) को कम करना शामिल है, यदि कोई हो। उपचारित अपशिष्ट जल के निर्वहन का किसी भी जल निकाय पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। गेल मुंबई एक जीरो डिस्चार्ज बिल्डिंग है जो एचवीएसी और बागवानी उपयोग के लिए 2000 लीटर/दिन

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 303-1, GRI 303-2, GRI 303-3,

के उपचारित पानी का उपयोग करती है। वित्त वर्ष 2021–22 में, कुल अपशिष्ट जल का निर्वहन 1.64 मिलियन एम^3 था। गेल विजयपुर में एक जेडएलडी संयंत्र है जहाँ सभी अपशिष्ट जल का उपयोग बागवानी में किया जाता है। वित्त वर्ष 2021–22 में, 5,51,353 घन मीटर अपशिष्ट जल को एक अपशिष्ट उपचार संयंत्र के माध्यम से उपचारित करने के बाद बागवानी उद्देश्यों के लिए उपयोग किया गया था।

चूँकि गेल पाता हमारा सबसे बड़ा विनिर्माण संयंत्र है। कुल पानी के निर्वहन में 95% से अधिक का योगदान इसी का है, अतः पानी को उच्च प्रदर्शन वाले एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट के साथ उपचारित किया जाता है (टीडीएस <1000 मिलीग्राम/लीटर) और समस्त अनुमेय सीमा और अनुमतियों का निर्वहन के अनुपालन के साथ सेंगर नदी में उसे छोड़ा जाता है। हमारे परिसर के बाहर अपशिष्ट जल का निर्वहन करने से पहले हम प्रमुख मापदंडों और संबंधित नियामक एजेंसियों (एसपीसीबी/सीपीसीबी) द्वारा विस्तृत विश्लेषण कराते हैं, जो प्लांट आउटलेट और अंतिम जल निकाय में उपचारित अपशिष्ट जल की गुणवत्ता की निगरानी करते हैं।

9.5.1 गेल साइटों पर जल पदचिह्न/जल प्रबंधन पहलों को कम करने हेतु गेल का दृष्टिकोण

गेल पाता में पहल

- **पावर प्लांट–II में यूबी I और यूबी I के सीबीडी/आईबीडी पानी की रिकवरी:** सीटी को ब्लोडाउन डायवर्ट करने के लिए एक एनआरवी और I/V के साथ व्यक्तिगत बॉयलर ब्लो डाउन (सीबीडी और आईबीडी) को कूलिंग वॉटर रिटर्न हेडर से जोड़ने के लिए एक इन–हाउस संशोधन किया गया था। लागू किया गया संशोधन संसाधन संरक्षण और अनुकूलन के संदर्भ में फायदेमंद है क्योंकि अच्छी गुणवत्ता वाले पानी को ठंडे पानी के रूप में पुनः उपयोग किया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य अपशिष्ट जल उपचार संयंत्रों पर अपशिष्ट भार को कम करते हुए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना और ताजा पानी की 300 एम^3/दिन की खपत को बचाना है।
- **कंडेनसेट हेडर के माध्यम से फ्लेकर यूनिट से स्टीम कंडेनसेट की रिकवरी:** वर्तमान में मेल्टर ड्रम से स्टीम कंडेनसेट और लो पॉलीमर ट्रांसफर पंप की जैकेटेड सक्शन/डिस्चार्ज लाइनों को पूरी तरह से हटा दिया गया है, जिसके परिणामस्वरूप स्टीम कंडेनसेट का संपूर्ण नुकसान हो जाता है। इस क्यूसी प्रोजेक्ट का लक्ष्य कंडेनसेट हेडर के माध्यम से कंडेनसेट को स्टीम कंडेनसेट ड्रम में स्थानांतरित करके फ्लेकर यूनिट से स्टीम कंडेनसेट को पुनर्प्राप्त करना है। कंडेनसेट हेडर का कनेक्शन 2021 में पूरा हुआ, जिसके परिणामस्वरूप 617 टन/माह की घनीभूत बचत हुई।

9.6 जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन

गेल में हम नवीन संसाधन–कुशल प्रौद्योगिकी तक पहुँच को सक्षम करके गोलाकार अर्थव्यवस्था की अवधारणा को लागू करने की इच्छा रखते हैं। हमारे संयंत्रों से अपशिष्ट उत्पादन में कमी और हमारे प्रचालनों में यथासंभव पुनर्चक्रण/पुनः उपयोग के तरीके तलाशने की दिशा में अधिक ध्यान देने के साथ ही हम इस दिशा में अग्रसर हैं। हमारे व्यवसाय की प्रकृति को देखते हुए हमारे प्रचालन से उत्पन्न कचरा खतरनाक और गैर–खतरनाक दोनों हो सकता है।

हमारी अपशिष्ट प्रबंधन प्रक्रिया में हमारा लक्ष्य खतरनाक और गैर–खतरनाक दोनों तरह के कचरे को कम करना है। इसके अतिरिक्त, हम गेल साइटों पर रिड्यूसिंग, रीयूज और रिसाइक्लिंग की 3–आर रणनीति का पालन करते हैं, जिससे हमारे अपशिष्ट न्यूनीकरण लक्ष्य की दिशा में प्रगति तेज होती है। हम स्रोत पर या प्रचालन में छोटे बदलावों के माध्यम से कचरे में कमी के लिए और अधिक विचारों का पता लगाने हेतु आंतरिक और बाहरी एजेंसियों के माध्यम से अपशिष्ट ऑडिट आयोजित करते हैं। यह विनियमों के अनुसार हमारे अपशिष्ट प्रबंधन अनुपालनों का पता लगाने में भी सहायता करता है। हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अपशिष्ट ऑडिट के दौरान व्यावसायिक प्रचालन या उत्पादों पर कोई अपशिष्ट–संबंधी प्रभाव नहीं पाया गया है।

प्रदूषण को संरक्षित करने और समाज में एक सकारात्मक छवि बनाने और हमारे कार्यबल और हमारे अन्य मूल्य श्रृंखला भागीदारों के बीच जागरूकता लाने में एक सक्रिय भागीदार के रूप में गेल आईसीपीई के माध्यम से प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन पर पहल का समर्थन कर रही है जहाँ नीति निर्माताओं, नौकरशाहों, उद्योग के प्रतिनिधियों, गैर सरकारी संगठनों, आदि प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के मुद्दों को संबोधित करते हैं। गेल टीम ने सम्मेलनों/संगोष्ठियों में भाग लिया, जिसने प्लास्टिक और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के सकारात्मक पहलुओं पर शेयरधारकों के बीच

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 303-1, GRI 303-2, GRI 303-5, GRI 306-1, GRI 306-2

जागरूकता पैदा करने के लिए एक मंच प्रदान किया। गेल टीम "प्लास्टिक को हाँ कहें" के प्रसार अभियान के लिए सीपीएमए, आईसीपीई, प्लास्टइंडिया फाउंडेशन, एआईपीएमए, एआईएफटीएमए, जीएसपीएमए, एसपीएमए इत्यादि जैसे विभिन्न संघों से सक्रिय रूप से जुड़ी हुई है।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से 16 फरवरी, 2022 की गजट अधिसूचना'' के अनुसार, जिसमें प्लास्टिक कचरा प्रबंधन (संशोधन) नियम' 2022 में संशोधन किया गया था ताकि प्लास्टिक पैकेजिंग के लिए विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व पर दिशानिर्देश शामिल किए जा सकें। चूंकि गेल पेट्रोकेमिकल उत्पादों की पैकेजिंग के लिए लगभग 4000 मीट्रिक टन पीपी बुनी बोरियों का उपयोग करती है अतः उसे स्पष्टीकरण की आवश्यकता होती है, जी–लेक्स और जी–लेन के ब्रांड मालिक के रूप में गेल को पीपी बुनी बोरियों के संबंध में अधिसूचना के अनुसार प्लास्टिक की पैकेजिंग के अंतर्गत ईपीआर के तहत दायित्व लेना होगा।

9.6.1 अपशिष्ट प्रबंधन के लिए गेल का दृष्टिकोण/गेल की साइटों पर गोलाकार अर्थव्यवस्था/अपशिष्ट प्रबंधन पहलों की दिशा में गेल द्वारा उठाए गए कदम

गेल पाता में स्लोप ऑयल की रिकवरी

जीएएल पाता ने एक ऐसी प्रक्रिया को लागू किया है जिसके परिणामस्वरूप अपशिष्ट में कमी और मूल्यवान संसाधनों का पुनर्चक्रण होता है। इसके परिणामस्वरूप आग के खतरे के जोखिम को कम किया गया है और फ्यूजिटिव उत्सर्जन भी कम हुआ है। इस पहल के परिणामस्वरूप आसपास के क्षेत्रों में गंध/बदबू में भी कमी आई है। इस तंत्र के माध्यम से वित्त वर्ष 2021–22 में 2776.82 मीट्रिक टन स्लोप तेल रिकवर किया गया था।

9.6.2 खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन

हम खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बहुत गंभीरता से लेते हैं और खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन के गैर–अनुपालन के लिए हमारी शून्य–सहिष्णुता नीति है। जहरीले, ज्वलनशील, संक्षारक और अन्य गुणों वाले खतरनाक कचरे के रूप में, इसमें मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने की उच्च क्षमता है। खतरनाक कचरे का उत्पादन हमारी प्रचालन गतिविधियों और स्थान के आधार पर भिन्न होता है। उदाहरण के लिए, गेल पाता साइट पर, खतरनाक कचरे में टार, ऑयली डब्ल्यूडब्ल्यूटीपी स्लज, स्लोप

हवा बदलो वारियर प्रतियोगिता विजेता समारोह

हवा बदलो अभियान के आयोजकों ने स्कूल वारियर 2.0 प्रतियोगिता को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के लिए प्रत्येक प्रतिभागी को धन्यवाद दिया। एक पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया, जिसके बाद शांतनु रॉय, कार्यकारी निदेशक (व्यापार विकास, सतत विकास और निगमित मामले), गेल (इंडिया) लिमिटेड डॉ सुमित शर्मा, कार्यक्रम अधिकारी, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम, प्रोफेसर दिनेश कुमार, शिक्षा विज्ञान और गणित विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद–एनसीईआरटी, श्रीमती अनुराधा जोशी, प्रधानाचार्य, सरदार पटेल विद्यालय और प्रार्थना बोरा, पूर्व भारत निदेशक, स्वच्छ वायु एशिया और निदेशक भारत, कार्बन डिस्क्लोजर, के साथ वायु प्रदूषण के कारण, प्रभाव और समाधान पर चर्चा करने के लिए एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 306-1, GRI 306-2, GRI 306-4

ऑयल, मॉलिक्यूलर सिस्टर्स, यूज्ड ऑयल, वेस्ट मिनरल ऑयल, स्पेंडेड कार्बन, ऐश आदि शामिल हैं, जबकि विजयपुर साइट पर खतरनाक कचरे में एस्बेस्टस, काँच के ऊन, सिरेमिक, खाली बैरल/कंटेनर/लाइनर जो खतरनाक रसायनों/अपशिष्ट से दूषित होते हैं, प्रयुक्त या खर्च किए गए तेल, अपशिष्ट या तेल युक्त अवशेष आदि शामिल है। अधिकांश साइटें अपशिष्ट तेल का उत्पादन करती हैं। हम खतरनाक कचरे के परिवहन के दौरान सर्वोत्तम अनुपालन और सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं, जो एक बहुत ही महत्वपूर्ण और संवेदनशील प्रक्रिया है। हमारे सभी खतरनाक कचरे को अधिकृत राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी)/केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) उपचार भंडारण एं निपटान सुविधाओं (टीएसडीएफ) या पुनर्चक्रणकर्ताओं को भेजा जाता है। हम खतरनाक कचरे का परिवहन करते समय मेनिफेस्ट (फॉर्म–10) और ट्रांसपोर्ट इमरजेंसी कार्ड (टीईआरएम) के दिशानिर्देशों का भी पालन करते हैं और रिपोर्टिंग वर्ष 2021–22 में कोई महत्वपूर्ण रिसाव नहीं हुआ था।

अपशिष्ट प्रबंधन की अन्य पहलें

- विभिन्न खतरनाक और गैर–खतरनाक कचरे के अलग–अलग भंडारण के लिए अपशिष्ट भंडारण शेड का विकास परिसर में कचरे के स्थायी प्रबंधन के लिए चालू है।
- कचरे को स्टोरेज शेड में स्थानांतरित करने के लिए विकसित एसओपी को संबंधित विभागों को परिचालित किया गया है।
- कर्मचारियों को अपशिष्ट प्रबंधन पर ज्ञान–साझाकरण सत्र आयोजित करने की भी जानकारी दी गई है।
- एक फ्लेकर इकाई में उप–उत्पाद एलपी मोम को फ्लेक्स में परिवर्तित करना और उच्च गुणवत्ता वाले बिक्री योग्य उत्पाद का उत्पादन करना। एक्सट्रूडर मशीन अपशिष्ट (पॉली गाँठ), प्लांट स्वीप और ग्राउंड स्वीप, और पॉलिमर पाउडर/फाइन्स भी ग्राहकों को बेचा जाता है। और यह लैंडफिल अपशिष्ट उत्पादन को कम करता है।

9.7 अनुसंधान और विकास संबंधी पहलें

तेजी से शहरीकरण और बढ़ती आबादी के साथ अच्छी विकास गति भारत की ऊर्जा माँग को बढ़ाती है। नतीजतन, तेल और गैस की माँग कई गुना बढ़ने की उम्मीद है। इस पहलू में, ईंधन स्रोत के रूप में प्राकृतिक गैस वैकल्पिक जीवाश्म ईंधन की तुलना में बहुत अधिक "हरित" है और एक परिवर्ती ईंधन के रूप में आर्थिक विकास से समझौता किए बिना डीकार्बोनाइजेशन के माध्यम से जलवायु परिवर्तन को संबोधित कर सकता है। ऊर्जा टोकरी में प्राकृतिक गैस का हिस्सा लगातार बढ़ रहा है और व्यापक रूप से बिजली, उर्वरक और पेट्रोकेमिकल उद्योगों के लिए ईंधन और फीडस्टॉक के रूप में उपयोग किया जाता है, भारत में प्राकृतिक गैस अर्थव्यवस्था के अग्रणी के रूप में गेल सतत विकास पर जोर देती है और प्राकृतिक गैस एवं संबद्ध क्षेत्र में विकास (आर एंड डी) अनुसंधान गतिविधियों में निवेश को बढ़ावा देती है।

हमारे सहयोगी अनुसंधान एवं विकास कार्य विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) और सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के सहयोग से किए जाते हैं। इन सहयोगों के माध्यम से हमारा मुख्य ध्यान उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे कि ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरी प्रौद्योगिकी, सीओ$_2$ उपयोग, अपशिष्ट मूल्यांकन, पाइपलाइन अखंडता प्रबंधन, और नए उत्प्रेरकों के विकास आदि पर है।

इसके अलावा, हमारे सहयोगी अनुसंधान प्रयासों को पूरा करने के लिए विभिन्न गेल साइटों पर नई नवाचार और विकास परियोजनाएँ लागू की जाती हैं, जिससे प्रौद्योगिकी नवीनीकरण और आधुनिकीकरण के माध्यम से मौजूदा प्रक्रियाओं और प्रणालियों की प्रक्रिया/दक्षता/सुरक्षा और/या लागत में कमी, प्रणाली अनुकूलन आदि में सुधार होता है।

हम हमेशा अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमताओं को देने की आकांक्षा रखते हैं और आत्म–निर्भर–भारत के निर्माण में भारत का समर्थन करते हैं। 2021–22 में हमारी केंद्रित अनुसंधान एवं विकास पहलों ने उपरोक्त प्रमुख क्षेत्रों की पहचान पर जोर देना जारी रखा।

इस दिशा में ग्रीन हाइड्रोजन पहल के तहत हम इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), कोलकाता के सहयोग से बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रोकेमिकल हाइड्रोजन के लिए एक कम लागत वाला इलेक्ट्रोकैटलिस्ट और स्व–समर्थित इलेक्ट्रोड विकसित कर रहे हैं। इसके अलावा, हम भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान – मद्रास के साथ बायोमास गैसीकरण के माध्यम से हाइड्रोजन के कुशल उत्पादन के लिए एक शोध परियोजना भी संचालित कर रहे हैं।

दुनिया भर में ई–ऑटोमोटिव की बढ़ती माँग के साथ, अवसर से लाभ उठाने के लिए बैटरी प्रौद्योगिकी में

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 306-1, GRI 306-2

निरंतर सुधार आवश्यक है। बैटरी प्रौद्योगिकी क्षेत्र में, गेल ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान–बॉम्बे के सहयोग से पर्यावरण के अनुकूल, किफायती, सुरक्षित और उच्च प्रदर्शन वाली ना–आयन (सोडियम–आयन) बैटरी के विकास के लिए पहल की है।

हमारे वेस्ट वेलोराइजेशन पहल में, गेल एक बुदबुदाती फ्लुइडाइज्ड बेड पायरोलिसिस प्रक्रिया का उपयोग करके पेट्रोकेमिकल ऑयली स्लज से मूल्य वर्धित रसायनों और ईंधन की रिकवरी पर एक शोध परियोजना का अनुसरण कर रही है। यह परियोजना भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान–कानपुर के सहयोग से संचालित की जा रही है। इसके अलावा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान– मद्रास के साथ हाइड्रेट प्रक्रिया का उपयोग करके अपशिष्ट जल के उपचार के लिए एक शोध परियोजना का अनुसरण किया जाता है। आरओ–आधारित अपशिष्ट जल शोधन प्रक्रियाओं की तुलना में अनुकूलित हाइड्रेट–आधारित प्रक्रियाओं का विकास ऊर्जा कुशल होने की उम्मीद है।

इसके अलावा, उपग्रह छवियों का उपयोग करके गैस पाइपलाइन आरओयू निगरानी के लिए एक ऑटो–चेंज डिटेक्शन सिस्टम के विकास पर एक शोध परियोजना भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान–रुड़की के साथ शुरू की जा रही है। गेल बॉक्स भट्टियों के जीवनकाल को बढ़ाने और थर्मल नुकसान को कम करने के लिए गैस–क्रैकिंग फर्नेस के फायरबॉक्स के लिए सीएसआईआरसीईसीआरआई के साथ नव थर्मल बैरियर कोटिंग और फिलर सामग्री भी विकसित कर रही है।

इसके अलावा, गेल अधिक गोलाकार और जलवायु–तटस्थ अर्थव्यवस्था के विकास के लिए ईंधन और रसायनों हेतु सीओ$_2$ को रासायनिक रूप से मूल्यवान बनाने हेतु गहन शोध कार्यों में भी शामिल है। इस पहलू में, हम मेथनॉल के लिए सीओ$_2$ के प्रत्यक्ष हाइड्रोजनीकरण और सीओ$_2$–आधारित पॉली कार्बोनेट पॉलिमर के उत्पादन के लिए उन्नत स्थिर उत्प्रेरक के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसी तरह, गेल भी परीक्षण के आधार पर सीओ$_2$ जैव–शमन के लिए माइक्रोएल्गे का उपयोग कर रही है।

9.7.1 अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के लिए व्यय

गेल में, हम हमेशा नवाचार को प्रोत्साहित और समर्थन करते हैं और चीजों को बेहतर तरीके से करते हैं। हमारे पास गेल की विभिन्न साइटों पर अपने नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास का समर्थन करने और प्रतिष्ठित अनुसंधान और शैक्षणिक संस्थानों के साथ विभिन्न सहयोगी अनुसंधान पहलों को आगे बढ़ाने के लिए एक समर्पित बजट है।

गेल ने हमारे व्यापार संचालन के क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यों और विभिन्न नवाचार गतिविधियों को पूरा करने के लिए अनुसंधान एवं विकास/नवाचार पहल के तहत पर्याप्त बजट निर्धारित किया है। वित्त वर्ष 2021–22 में अनुसंधान एवं विकास/नवाचार पहल के तहत गेल का कुल व्यय ₹243.70 करोड़ है और इसमें ₹11.73 करोड़ प्रमुख रूप से विभिन्न अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास कार्यों पर खर्च किए गए हैं और ₹231.97 करोड़ गेल के विभिन्न संयंत्रों पर नवाचार/विकासात्मक पहल करने पर खर्च किए गए हैं।

हमारे सहयोगी अनुसंधान प्रयास मुख्य रूप से ग्रीन हाइड्रोजन जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित हैं; बैटरी प्रौद्योगिकी; सीओ$_2$ उपयोग और अपशिष्ट मूल्यांकन; प्रक्रिया का इष्टतीमीकरण; पाइपलाइन अखंडता प्रबंधन और उत्प्रेरक आदि का विकास, जबकि हमारे नवाचार प्रयास, प्रौद्योगिकी नवीकरण और आधुनिकीकरण कार्यों के माध्यम से मौजूदा प्रक्रियाओं और प्रणालियों के प्रदर्शन और दक्षता में सुधार पर केंद्रित हैं।

9.7.2 सीओ$_2$ उपयोग, स्वच्छ ऊर्जा आदि सहित कम कार्बन प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने की पहल

कार्बन उत्सर्जन में कमी विश्व समुदाय के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है और प्रत्येक बोर्डरूम में चर्चा का एक प्रमुख बिंदु है। गेल में, हम 2040 तक नेट जीरो बनने की आकांक्षा रखते हैं और जिम्मेदार नागरिक होने के नाते, हम भारत की कार्बन–न्यूट्रल और नेट जीरो यात्राओं का समर्थन करने के प्रति प्रतिबद्ध हैं। अपने स्थायी व्यावसायिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, हम नई तकनीक के साथ अपने संचालन को आगे बढ़ा रहे हैं और कम कार्बन प्रौद्योगिकी के विकास पर नई आर एंड डी पहल कर रहे हैं। इस पहल के तहत, गेल मुख्य रूप से उभरती प्रौद्योगिकियों पर दाँव लगा रही है, जिसमें सीओ$_2$ के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूपांतरण के लिए मूल्यवान रसायनों और ऊर्जा उत्पादों में उच्च संभावित बाजार और आशाजनक लाभ हैं।

गेल भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)–दिल्ली के सहयोग से मेथनॉल में कार्बन डाइऑक्साइड के सीधे

GRI 103-2, GRI 103-3

हाइड्रोजनीकरण और डीएमई में इसके सिंगल–पॉट रूपांतरण के लिए नए उत्प्रेरक विकसित कर रही है।

गेल इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), तिरुपति के सहयोग से कार्बन डाइऑक्साइड आधारित पॉली कार्बोनेट डायोल पॉलिमर के उत्पादन के लिए एक उपन्यास और किफायती उत्प्रेरक विकसित कर रही है, जिसे शामिल करके ~45–47% सीओ$_2$ को पॉली कार्बोनेट पॉलिमर वाले उत्पाद में उसे ठीक करने की उम्मीद है।

हम सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ माइनिंग एंड फ्यूल रिसर्च (सीआईएमएफआर), धनबाद के सहयोग से अपने पाटा पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स में एक ओपन रेसवे तालाब में माइक्रोएल्गे का उपयोग करके सीओ$_2$ (1टीपीडी) को ठीक करने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट भी लागू कर रहे हैं। खुले तालाबों में उपयुक्त सूक्ष्म शैवाल उपभेदों के साथ परीक्षण शुरू किया गया है और वर्तमान में इसके विकास स्तर की निगरानी की जा रही है।

इसके अलावा, हमारी स्वच्छ ऊर्जा पहल के तहत, गेल इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), कोलकाता के सहयोग से बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रोकेमिकल हाइड्रोजन उत्पादन के लिए नए इलेक्ट्रोकैटलिस्ट्स के विकास और आईआईटी–मद्रास के साथ बायोमास गैसीकरण के माध्यम से हाइड्रोजन के उत्पादन से जुड़ी ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं को आगे बढ़ा रही है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान–बीएचयू वाराणसी के सहयोग से, गेल एक एकीकृत झिल्ली सुधारक का उपयोग करके अल्ट्रा–शुद्ध हाइड्रोजन के उत्पादन में अनुसंधान भी कर रही है।

9.7.3 गेल द्वारा शुरू की गई स्टार्ट–अप पहलें

हमारी स्टार्ट–अप पहल 'पंख' देश में नवाचार और स्टार्ट–अप को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए सफलतापूर्वक जारी है। 'पंख' की हमारी पहल के माध्यम से, हम उद्यमिता की भावना का निर्माण और प्रोत्साहन कर रहे हैं। इस पहल के तहत, ₹100 करोड़ का एक कोष एआई, लॉजिस्टिक्स, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, पोषण, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, पाइपलाइन निरीक्षण/ओ एंड एम, अक्षय ऊर्जा, पर्यावरण, जैव उत्पाद, आईओटी, स्वास्थ्य, आदि जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे नए और आशाजनक स्टार्ट–अप को बढ़ावा देने के लिए निर्धारित किया गया है। इस वर्ष, गेल ने ₹7.0 करोड़ की वित्तीय प्रतिबद्ध ता के लिए संपीड़ित बायो–गैस (सीबीजी) क्षेत्र मं काम कर रहे चार स्टार्ट–अप्स के साथ निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। अब तक हमने ₹68.20 करोड़ की कुल निवेश प्रतिबद्धता के साथ 31 स्टार्ट–अप का समर्थन किया है। इनमें से कुछ स्टार्ट–अप के मूल्यांकन में कई गुना वृद्धि हुई है।

प्लास्टिक कचरे के उपयोग पर आधारित जागरूकता सत्र की एक झलक

त्रिपुरा पी/एल क्षेत्र के तहत डुकली के रास्ते आनंदनगर से महाराजगंज के एसवी सह टैप–ऑफ स्टेशन का उद्घाटन

गेल (इंडिया) लिमिटेड अगरतला इकाई लगभग 65 किलोमीटर के पाइपलाइन नेटवर्क का प्रचालन और रखरखाव कर रही है। गेल को ओएनजीसीएल के दो अलग–अलग गैस स्रोतों अर्थात कोनाबन गैस कलेक्टिंग स्टेशन और एडीबी डोम गैस कलेक्टिंग स्टेशन से प्राकृतिक गैस प्राप्त होती है। बदले में गेल बिजली संयंत्रों द्वारा बिजली उत्पादन के लिए एजीटीपीपी नीपको आर सी नगर और रोखिया में टीएसईसीएल के गैस थर्मल पावर प्लांट को गैस की आपूर्ति करती है। इसके अलावा मैसर्स टीएनजीसीएल को अपने उपभोक्ताओं के लिए गैस की आपूर्ति मुख्य रूप से ऑटो क्षेत्रों के लिए सीएनजी, घरेलू उपयोग के लिए पीएनजी, और अन्य लघु उद्योगों को भूमिगत पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से करती है।

वर्तमान में अगरतला शहर और उसके आसपास टीएनजीसीएल द्वारा घरेलू पीएनजी कनेक्शनों की कुल संख्या का विस्तार किया जा रहा है। पीएनजी से लाभान्वित आम जनता लगभग 54724, वाणिज्यिक उपभोक्ता 499, औद्योगिक उपभोक्ता 42 और सीएनजी स्टेशन 28 हैं। इसलिए टीएनजीसीएल के लिए गैस आपूर्ति की माँग पहले के दिनों की तुलना में काफी बढ़ गई है। इसलिए हमारे आनंद नगर से महाराजगंज टर्मिनल को डुकली एसवी कम टैप ऑफ स्टेशन से जोड़ने वाली 8"X9.47 किलोमीटर की पाइपलाइन बिछाना आवश्यक और महत्वपूर्ण हो गया है। यह पाइपलाइन 30 मार्च 2022 को सफलतापूर्वक बिछाई गई है। पाइपलाइन चालू करने के लिए पेसो की अनुमति 18.05.2022 को पेसो नागपुर से आदेश संख्या ए/एम/मुख्यालय/टीआर/पीएल/1 (पी461277) के तहत प्राप्त हुई है और तदनुसार, एडीएमपीएल पाइपलाइन श्री गौतम प्रसाद, कार्यकारी निदेशक (ओ एंड एम)–उत्तरी क्षेत्र गेल ने श्री टिंकू रॉय, अध्यक्ष टीएनजीसीएल और टीआईडीसी, श्री तरुण मलिक, कार्यकारी निदेशक/संपत्ति प्रबंधक ओएनजीसीएल, श्री ए अंबारेसन, एमडी टीएनजीसीएल, श्री इंद्रनील सेन, सीजीएम (तेल और गैस) पीएमसी मेकॉन और श्री बिस्वजीत देब बर्मा, महाप्रबंधक (ओ एंड एम)/प्रभारी अधिकारी गेल अगरतला इकाई की उपस्थिति में दिनांक 25.05.2022 को 12:00 बजे उद्घाटन किया गया।

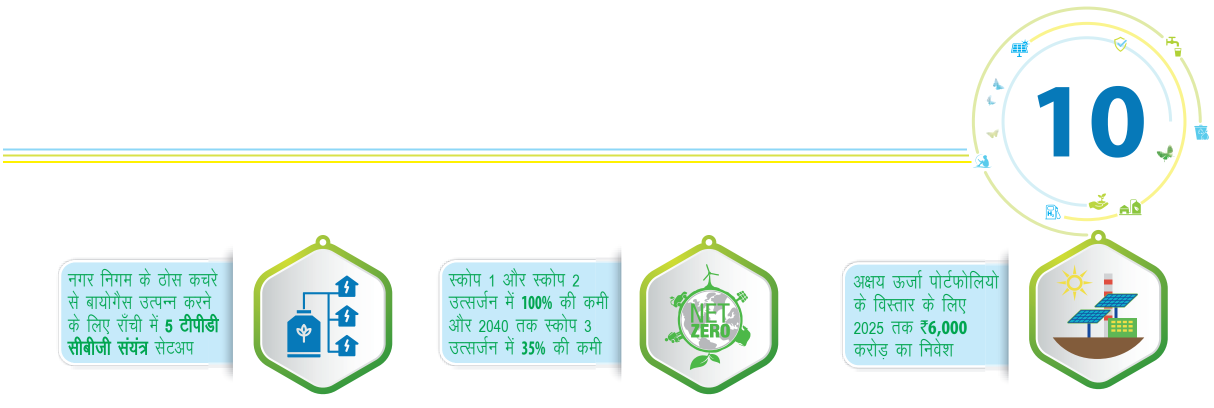

जलवायु परिवर्तन

क्लाइमेट एक्शन ट्रैकर के अनुसार, वैश्विक औसत तापमान पहले ही 1.2°से. बढ़ चुका है और अगर हमें आज की तारीख में कड़े कदम नहीं उठाते हैं, तो हम पूर्व–औद्योगीकरण अवधि की तुलना में वैश्विक तापमान में 2.4°से. की वृद्धि दिख रही है।

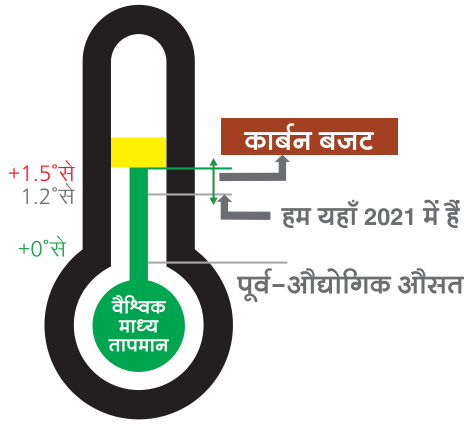

दुनिया भर के देश पहले से तेज एवं लगातार तथा भीषण बाढ़, सूखा, लू, जंगल की आग, वर्षा और उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के रूप में त्वरित जलवायु परिवर्तन का खामियाजा भुगत रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों का ह्रास हमारे समाज के लिए खतरा हैं। भविष्य में वैश्विक तापमान में वृद्धि का व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र पर भी गहरा प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए, जैसे–जैसे व्यवसाय बढ़ता जा रहा है, व्यवसायों के लिए उचित जलवायु परिवर्तन रणनीति/कार्य योजना तैयार करने के संदर्भ में यह बिंदु पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जा रहा है।

10.1 जलवायु परिवर्तन और सतत विकास

जलवायु परिवर्तन शमन एवं वैश्विक जीएचजी उत्सर्जन को कम करने के लिए, समग्र वैश्विक रणनीति – जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध रूप से समाप्त करते हुए नवीकरणीय ऊर्जा जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की ओर एक परिवर्ती ऊर्जा के आसपास केंद्रित है।

इसके अलावा, सीओपी 26 के दौरान, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 2070 तक भारत के 'नेट–जीरो' उत्सर्जन बनाने के लक्ष्य की घोषणा की थी। अपने संबोधन के एक भाग के रूप में, उन्होंने इससे निपटने के लिए "पंचामृत" (एक पाँच गुना रणनीति) भी रखी थी। जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के संदर्भ में, भारत के लिए निम्नलिखित लक्ष्य शामिल थे:

I. 2030 तक गैर–जीवाश्म ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावाट तक बढ़ाना।

II. अक्षय ऊर्जा से 2030 तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 50% पूरा करना।

III. 2030 तक अनुमानित कार्बन उत्सर्जन में एक अरब टन की कमी करना।

IV. 2030 तक अपनी अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता को 45% तक कम करना।

V. 2070 तक नेट–जीरो हासिल करना।

भारत की एक प्रमुख गैस वितरक एजेंसी होने के नाते, गेल ने भारत सरकार की नेट ज़ीरो महत्वाकांक्षाओं को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वर्तमान में भारत के ऊर्जा मिश्रण में कार्बन–गहन जीवाश्म ईंधन

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 103-2

यानी कोयला/तेल का वर्चस्व है, जिसमें लगभग 80% का संयुक्त योगदान है। जीवाश्म ईंधन पर इस निर्भरता को कम करने के लिए प्राकृतिक गैस एक स्वच्छ और अधिक व्यावहारिक विकल्प होने के नाते भारत की डीकार्बोनाइजेशन रणनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, जो इस तथ्य से स्पष्ट है कि भारत सरकार की रणनीति 2030 के अंतर्गत भारत के ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस का 6.7% से 15% तक हिस्सेदारी में वृद्धि की परिकल्पना की गई है।

गेल आगे भी प्रतिबद्ध है और भारत सरकार के दृष्टिकोण के साथ विज्ञान आधारित महत्वाकांक्षा और कार्य योजना के माध्यम से अपनी नेट-जीरो यात्रा शुरू कर चुकी है और 2040 तक नेट-जीरो (स्कोप 1 और स्कोप 2) की स्थिति को कम करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। हमारा लक्ष्य स्कोप 3 उत्सर्जन 2040 तक 35% (2020-2021 के आधारभूत वर्ष से) करने का है। हमने आईईए के 1.5-डिग्री सेल्सियस परिदृश्य के अनुरूप अपने डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपने नेट जीरो रोडमैप को विकसित करना शुरू कर दिया है।

हमारी नेट-जीरो रणनीति ऑपरेशनल डीकार्बोनाइजेशन, एनर्जी ट्रांजिशन, कार्बन कैप्चर एंड यूटिलाइजेशन (सीसीयूएस) और एक मजबूत गवर्नेंस स्ट्रक्चर द्वारा समर्थित ऑफसेटिंग सहित 4 रणनीतिक स्तंभों पर आधारित है।

गेल की डीकार्बोनाइजेशन पहल संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के प्रति भारत की प्रतिबद्धताओं में योगदान करने में भी मदद करेगी।

एसडीजी में 2030 तक की अवधि के लिए अग्रणी विकास हेतु एक ढाँचे का निर्माण करने वाले लक्ष्यों की एक श्रृंखला शामिल है। अपने 17 एसडीजी और 169 लक्ष्यों सहित सतत विकास के लिए सार्वभौमिक 2030 एजेंडा का समर्थन करके वैश्विक समुदाय ने निरंतर और समावेशी आर्थिक विकास, सामाजिक समावेश, पर्यावरण संरक्षण और एक नई वैश्विक साझेदारी के माध्यम से शांतिपूर्ण, न्यायसंगत, समावेशी समाजों को बढ़ावा देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है।

गेल की जलवायु परिवर्तन कार्रवाइयाँ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से निम्नलिखित एसडीजी में योगदान दे रही हैं:

एसडीजी 12: जिम्मेदार उपभोग एवं उत्पादन: आज की तारीख में वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन न केवल प्राकृतिक संसाधनों को कम कर रहा है और मिट्टी, पानी और वायु प्रदूषण सहित पर्यावरणीय गिरावट का कारण बन रहा है बल्कि बड़ी मात्रा में जीएचजी उत्पन्न कर रहा है, इसलिए अपने पूरे जीवन-चक्र के दौरान जलवायु परिवर्तन का कारण बन रहा है।

एसडीजी 7: सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा: भारत के एनडीसी के तहत बताए गए पेरिस लक्ष्यों तक पहुँचने के लिए अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और बढ़ी हुई ऊर्जा दक्षता में तत्काल वृद्धि एक अनिवार्य हिस्सा है। पारंपरिक उच्च कार्बन उत्सर्जक ईंधन की तुलना में स्वच्छ ईंधन नेट-जीरो तक पहुँचने के लिए एक परिवर्ती मंच के रूप में काम करेगा।

ऊर्जा दक्षता पर जलवायु कार्रवाई ऊर्जा पहुँच को बढ़ा सकती है और ऊर्जा व्यय (एसडीजी 1, 7) को कम कर सकती है, स्वास्थ्य में सुधार कर सकती है (एसडीजी 3), जल प्रदूषण को कम कर सकती है (एसडीजी 11, 14), और आर्थिक उत्पादकता (एसडीजी 8, 9) बढ़ा सकती है।

तेल और कोयले जैसे गंदे जीवाश्म ईंधन को जलाने में कमी का अर्थ है हमारे शहरों और घरों में स्वच्छ हवा (एसडीजी 11, 12)। इससे साँस की बीमारियों से पीड़ित और मरने वाले लोगों की संख्या कम होगी, खासकर बच्चों और बुजुर्गों के साथ-साथ सभी की भलाई और जीवन की गुणवत्ता (एसडीजी 3) में वृद्धि होगी।

हमारे जंगलों, पीट भूमि और महासागरों की रक्षा करने का मतलब है कि हम और आने वाली पीढ़ियाँ प्रकृति और उसकी पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं जैसे कि पानी के भीतर एक स्वस्थ जीवन और लाखों लोगों की आजीविकाएँ, तूफान या रेत के तूफान (एसडीजी14, 15) से सुरक्षित शहरों और गाँवों का आनंद ले सकेंगी।

10.2 जलवायु रणनीति से संबंधित विज़न एवं कार्य

हमारा प्रबंधन पहले से ही हमारी नेट-जीरो महत्वाकांक्षा को प्राप्त करने के लिए काम कर रहा है। गेल ने आने वाले वर्षों में 1 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य निर्धारित किया है, ताकि भारत के एनडीसी में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सके और गेल को आगे व्यापक बेंचमार्किंग परियोजनाओं और पहलों के साथ नेट-जीरो बनने में सक्षम बनाया जा सके। सभी प्रभागों के गेल कर्मचारी जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए निम्नलिखित दृष्टिकोण साझा करते हैं और ये हमें सतत विकास एवं नेट-जीरो प्राप्त करने के लिए एक साथ और रणनीतिक रूप से काम करने में सहायता करता है:

- यह सुनिश्चित करने के लिए कि स्वच्छ ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा और नेट-ज़ीरो व्यवसाय योजना

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 103-3

के लागत प्रभावी प्रावधान को बढ़ाकर जनता को कम कार्बन पदचिह्न के साथ सस्ती, विश्वसनीय और समकालीन ऊर्जा सेवाओं तक अधिक पहुँच प्राप्त हो। विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा निगमन, वैकल्पिक ईंधन जैसे संपीड़ित–बायोगैस और वैज्ञानिक तर्क एवं परीक्षण को लागू करके उत्सर्जन को कम करने हेतु नवीन प्रौद्योगिकी की संभावना की खोज कर रहे हैं।

- मध्य शताब्दी तक नेट ज़ीरो सीओ2 उत्सर्जन में परिवर्तन करके लक्ष्य 7 के कार्यान्वयन की दिशा में सहयोग और साझेदारी को सक्षम और बढ़ावा दे रहे हैं ताकि कार्बन मूल्य निर्धारण को शामिल करके पेरिस समझौते के लक्ष्यों को पूरा किया जा सके।
- जलवायु परिवर्तन के खिलाफ मजबूत कार्रवाई करने के लिए कंपनी की आपूर्ति श्रृंखला की क्षमता को मजबूत करते हुए जागरूकता, क्षमता और ज्ञान साझाकरण बढ़ा रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अनुकूलन और शमन दो रणनीतियाँ होती हैं। अनुकूलन वर्तमान या अनुमानित जलवायु परिवर्तनों के प्रति लचीलापन को बढ़ावा देगा और शमन ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करेगा, जिससे विश्व के औसत तापमान में वृद्धि के स्रोत को प्रभावी ढंग से संबोधित किया जा सकेगा। गेल विभिन्न परियोजनाओं और कार्यों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन उपायों को संबोधित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमने गेल नेट–जीरो को प्राप्त करने के लिए एक लक्ष्य निर्धारित करने की आवश्यकता को स्वीकार किया है, जो भारत के एनडीसी में योगदान देगा, जीवाश्म ईंधन फर्मों के लिए एक बेंचमार्क बनाएगा और कंपनी को कल के लिए लचीला बनाने हेतु विभिन्न विकल्पों की पेशकश करेगा।

10.2.1 अनुकूलन

जल जैसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता पर जलवायु परिवर्तन का स्पष्ट प्रभाव पड़ता है। इसीलिए, गेल में हमने पूरे बोर्ड में जल संरक्षण और प्रबंधन प्रणालियों को लागू किया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि पानी का उपयोग बुद्धिमानी से और जब भी संभव हो एक गोलाकार तरीके से किया जाता है। गेल की अनेक साइटों पर वृक्षारोपण और हरित पट्टी के विस्तार का उद्देश्य कार्बन सिंक के रूप में कार्य करते हुए भूजल स्तर को फिर से भरने में मदद करना है।

हर दिन, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के लिए प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और वित्तीय साधनों में परिवर्तन का क्षेत्र विकसित होता है। गेल में एक समर्पित आर एंड डी टीम को सर्वोत्तम प्रथाओं को लाने के लिए अनुसंधान करने हेतु प्रेरित किया जाता है जिससे सतत विकास और जलवायु परिवर्तन कार्रवाई में मदद मिलेगी।

ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों में परिवर्तन के लिए वित्तीय साधनों के संदर्भ में उचित क्षमता के साथ–साथ उत्सर्जन में योगदान करने वाली गतिविधियों के लिए जवाबदेही की आवश्यकता होती है। माना जाता है कि इन दोनों आवश्यकताओं से निपटने की रणनीति कार्बन मूल्य निर्धारण द्वारा हासिल की गई है। गेल जलवायु अनुकूलन और न्यूनीकरण के नए क्षेत्रों को उजागर करने के लिए अपनी व्यावसायिक गतिविधियों के भीतर आंतरिक कार्बन मूल्य निर्धारण लाने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण अपना रही है। गेल ने कार्बन के अपने आंतरिक मूल्य का पता लगाने के लिए पहले ही एक अध्ययन शुरू कर दिया है और परियोजना के परिणाम को 2023 तक प्रकाशित करने की कल्पना की गई है।

गेल ने तूफान, चक्रवात, भारी बारिश और बाढ़ के लिए कई स्थानों की भेद्यता का विश्लेषण किया है और ऐसी आपदाओं से पहले, दौरान और बाद में प्रत्येक विभाग और व्यक्ति के लिए महत्वपूर्ण कदमों की सिफारिश की है। निर्माण से पहले डिजाइन चरण के दौरान शमन उपायों को भी ध्यान में रखा जाता है। वर्तमान में भारत के तट के साथ सभी स्थलों पर बाढ़ की रोकथाम के उपाय लागू किए जा रहे हैं। हमारी आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा प्रबंधन योजना (ईआरडीएमपी), पीएनजीआरबी, घटना रिपोर्टिंग प्रणाली (आईआरएस), और निकासी मानक संचालन प्रक्रिया किसी भी आपदा के प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित करती है।

जागरूकता लाने और किसी भी दुर्घटना के दौरान क्या कार्रवाई की जानी चाहिए, इसकी तैयारी के लिए एक ऑनसाइट और ऑफसाइट मॉक ड्रिल आयोजित की जाती है। गेल में एक समर्पित आपदा प्रबंधन टीम के अन्तर्गत घटना से निपटने वाली टीम होती है और सेक्टर–1, नोएडा में डेटा सेंटर को प्रभावित करने वाली किसी भी आपदा का प्रबंधन करती है। हमारी कई प्रणालियाँ और तंत्र, हमारी डिजिटल पहल, जोखिम प्रबंधन योजना और हमारे आपूर्तिकर्ताओं से हमारे कोर और नॉन–कोर दोनों संचालनों से संबंधित वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति जैसे व्यापार निरंतरता सुनिश्चित करते हैं।

हमारी जलवायु संबंधी विस्तृत जानकारी, सीडीपी रिपोर्ट में देखी जा सकती है।

GRI 201-2

10.2.2 शमन

प्राकृतिक गैस कंपनी होने के नाते गेल एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। प्राकृतिक गैस स्वच्छ जीवाश्म ईंधन है, (कोयले की तुलना में 50% कम और तेल की तुलना में 20–30% कम सीओ$_2$ छोड़ती है) और शून्य–कार्बन ऊर्जा प्रणालियों की ओर स्थानांत्रित होने में सहायक साबित होगी।

गेल राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लाभ के लिए प्राकृतिक गैस और इसके अंशों के प्रभावी और आर्थिक उपयोग को तेज और अनुकूलित करने पर लगातार काम कर रही है। भारत सरकार कम उत्सर्जन वाले भविष्य में परिवर्तित होने में मदद देने के लिए 2030 तक भारत की ऊर्जा टोकरी में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को मौजूदा 6.7% से बढ़ाकर 15% करके गैस आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

10.3 गेल की परिकल्पित नेट–जीरो कार्य योजना

गेल भारत सरकार के विजन के अनुरूप डीकार्बोनाइजेशन क्षमताओं को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उपरोक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए गेल ने 2040 तक स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन में 100% कमी और स्कोप 3 उत्सर्जन में 35% की कमी प्राप्त करने के उद्देश्य से विज्ञान–आधारित महत्वाकांक्षा और कार्य योजना के माध्यम से अपनी नेट–जीरो यात्रा शुरू कर दी है। हमारा नेट–जीरो एक्शन प्लान चार स्तंभों पर आधारित है:

1. परिचालनात्मक डीकार्बोनाइजेशन
2. ऊर्जा परिवर्तन
3. कार्बन कैप्चर यूटिलाइजेशन एंड स्टोरेज–(सीसीयूएस)
4. ऑफसेटिंग

GRI 103-2, GRI 103-3

10.3.1 परिचालनात्मक डीकार्बोनाइजेशन

डीकार्बोनाइजेशन के अंतर्गत गेल द्वारा अपने संचालन की दक्षता में सुधार करके अपने प्रत्यक्ष इन–हाउस जीएचजी उत्सर्जन को कम करने के लिए, तकनीक और की गई पहलें अथवा बनाई गई योजनाएँ शामिल हैं। नियोजित/शुरू की गई विभिन्न पहलें हैं:

- **मीथेन उत्सर्जन को कम करना**

  मीथेन शक्तिशाली जीएचजी गैसों में से एक है। गैस उद्योग में मीथेन रिसाव, मीथेन वेंटिंग और नियमित मीथेन फ्लेयरिंग सामान्य गतिविधि है और उनके जीएचजी उत्सर्जन में महत्वपूर्ण योगदान देता है। गेल के मीथेन उत्सर्जन को कम करने के लिए हमने अपनी साइटों पर फ्लेयर गैस रिकवरी यूनिट्स (एफजीआरयू) स्थापित करने और जहाँ संभव हो वहाँ प्रत्यक्ष वेंटिंग के बजाय प्राकृतिक गैस की चमक बढ़ाने जैसी कई पहलें की हैं।

  हम अपने उद्योग सहयोगियों की मदद से प्रभावी रिसाव का पता लगाने और रिसाव कम करने वाले समाधान विकसित करने के लिए हमेशा ट्रांसमिशन के दौरान रिसाव को कम करने के लिए काम कर रहे हैं। साथ ही साथ आगरा क्षेत्र के तहत विभिन्न स्थानों पर लोअर एक्सक्लूसिव लिमिट (एलईएल) गैस डिटेक्टर स्थापित किए हैं ताकि स्टेशनों पर किसी भी गैस रिसाव की जाँच की जा सके। इसके अलावा लाइन पेट्रोलर्स के लिए 20 हैंड–हेल्ड एलईएल मीटर खरीदे गए थे ताकि पाइपलाइन सेक्शन में किसी भी गैस रिसाव की जाँच की जा सके। ये डिटेक्टर गैस को सीधे छोड़ने को कम करने में मदद करेंगे फलस्वरूप, उत्सर्जन को कम करेंगे। कैलारस–मालनपुर पाइपलाइन के लिए एक लीक डिटेक्शन सिस्टम (एलडीएस) भी लगाया गया है।

- **ऊर्जा दक्षता को बढ़ाना**

  गेल के पास एक समर्पित ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली है, जिसमें हमारी ऊर्जा प्रबलता को कम करने पर ध्यान दिया जाता है। अपनी ऊर्जा माँग को कम करने के लिए हमने अपनी ऊर्जा दक्षता बढ़ाने हेतु विभिन्न परियोजनाएँ शुरू की हैं।

हमने निम्नलिखित प्रमुख ऊर्जा–बचत पहलें की हैं:

- ₹60 करोड़ की लागत वाली एकीकृत एचवीजे पाइपलाइन नेटवर्क के लिए रिच–लीन गैस कॉरिडोर परियोजना जुलाई 2021 में शुरू हुई, जिसने गेल को एचवीजे पाइपलाइन नेटवर्क में स्थापित कंप्रेसर का कुशलतापूर्वक उपयोग

करने में सक्षम बनाया है और लगभग 0.22 एमएमएससीएमडी प्राकृतिक गैस को ईंधन गैस के रूप में बचाने का अनुमान है।

- गेल एनसीआर ओएंडएम ने डीबीएनपीएल में दबाव और प्रवाह नियंत्रण के लिए दादरी में एक 10" पीसीवी स्थापित और चालू किया है, जिसने ग्राहक की आवश्यकताएँ पूरी करने के लिए गेल को 24" दादरी–बबराला एचवीजे पाइपलाइन में पर्याप्त आपूर्ति दबाव सुनिश्चित करते हुए इस पाइपलाइन में इष्टतम इन्वेंट्री/लाइन पैक बनाए रखने में सक्षम बनाया है। यह संशोधन कुशल पाइपलाइन संचालन और बेहतर पाइपलाइन हाइड्रोलिक्स प्रबंधन के लिए फायदेमंद रहा है।
- 14 मार्च 2022 को खेड़ा कंप्रेसर स्टेशन पर 33 केवी/6.6 केवी बिजली स्रोत से प्राप्त जीईजी बिजली से ग्रिड बिजली की आपूर्ति को चालू करना।

हमने विभिन्न संयंत्र–विशिष्ट पहलें भी की हैं जैसे:

विजयपुर प्लांट

- सी2 सी3 की फ्लेयर गैस रिकवरी यूनिट (एफजीआरयू) को गेल विजयपुर में एलपीजी फ्लेयर हेडर से जोड़ने के लिए उसका उपयोग करके स्थापित किया गया था। इससे प्रति माह लगभग 0.2 एमएमएससीएम फ्लेयर गैस की बचत होगी। बचत की हुई गैस उपयोगिता बॉयलरों और एचआरएसजी में ईंधन गैस के रूप में उपयोग की जाएगी।
- डीवीपीएल (दहेज विजयपुर पाइपलाइन) कम्प्रेसर के लिए 2 एचआरएसजी (हीट रिकवरी स्टीम जनरेशन) की स्थापना। एचआरएसजी इकाई की क्षमता 17.5 टीपीएच एचपी भाप है जिससे अनुमान के अनुसार सालाना लगभग 12 एमएमएससीएम ईंधन गैस की बचत होगी।

गेल महाराष्ट्र में की गई पहलें: समान कार्य करने के लिए कम ऊर्जा का उपयोग

- महाराष्ट्र क्षेत्र के सभी एसवी/आईपी/ग्राहक टर्मिनलों के लिए पारंपरिक प्रकाश व्यवस्था को एलईडी से बदलना
- कुल आउटडोर लाइट (एचपीएमवी और एचपीएसवी) को 75 स्टेशनों पर बदला गया
- कुल 550 बल्बों को उच्च दक्षता वाले कम वाट क्षमता की खपत और बेहतर रोशनी वाली एलईडी रोशनी से बदला गया
- अनुमानित वार्षिक बचत लगभग ₹40 लाख प्रति वर्ष होने की उम्मीद है

हजीरा प्लांट

- ऊर्जा बचत परियोजना को अपनाया गया। सभी पुरानी एचपीएसवी/एचपीएमवी लाइटों को हाई मास्ट, मेन गेट, वॉच टावर आदि पर एलईडी से बदला गया। परियोजना की लागत लगभग ₹ 13.12 लाख थी। अनुमानित वार्षिक बचत ₹ 12.59 लाख मानी जाती है।
- नए बैटरी चार्जर की स्थापना के बाद बिजली की खपत में कमी करना: यह परियोजना मई 2021 में चालू की गई थी और इसका उद्देश्य पुरानी बैटरी को त्यागना और अधिक ऊर्जा–कुशल बैटरी स्थापित करना था।
- हजीरा कंप्रेसर स्टेशन पर कंप्रेसर सक्शन लाइन में एचएलपीएल हजीरा से एचवीजे कम्प्रेसर डिस्चार्ज में आरएलएनजी ग्रहण की सुविधा के लिए एक आइसोलेशन वाल्व की स्थापना के परिणामस्वरूप एचवीजे पाइपलाइन नेटवर्क में मिश्रण के लिए आरएलएनजी हेतु कोई अतिरिक्त संपीड़न आवश्यक नहीं होने के कारण ईंधन गैस की बचत हुई है।
- **नवीकरणीय ऊर्जा**

  गेल कार्बन पदचिह्नों को कम करने और राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा तंत्र में योगदान करने के लिए सौर पीवी परियोजनाएँ स्थापित करने का इरादा रखती है। उपरोक्त के अनुरूप गेल एक बड़े सौर ऊर्जा पोर्टफोलियो के उद्देश्य से सौर ऊर्जा क्षेत्र में विभिन्न अवसरों की खोज कर रही है। सौर ऊर्जा क्षेत्र में जैविक विकास के लिए गेल विभिन्न सरकारी एजेंसियों जैसे एसईसीआई, एनटीपीसी आदि द्वारा हरित क्षेत्र परियोजनाओं, मुख्य रूप से सौर परियोजनाओं को स्वतंत्र विद्युत उत्पादक (आईपीपी) के रूप में विकसित करने के लिए आगामी सौर निविदाओं में बोली लगाकर भाग लेने का इरादा रखती है। गेल 100 मेगावाट की न्यूनतम क्षमता वाली सौर निविदाओं में भाग लेगी और तब तक भाग लेना जारी रखेगी जब तक कि संचयी प्रदान की गई क्षमता 500 मेगावाट तक नहीं पहुँच जाती है।

  गेल अक्षय परियोजनाओं के कार्यान्वयन के माध्यम से अपने कार्बन पदचिह्नों को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है और उसकी कुल स्थापित क्षमता 131.75 मेगावाट वैकल्पिक ऊर्जा है। हमने 2025 तक सौर और पवन दोनों के माध्यम से और किसी भी अन्य नवीकरणीय स्रोत' के माध्यम से 1 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा को अपने उत्पादन पोर्टफोलियो में जोड़ने का लक्ष्य रखा है। इस संदर्भ में हम उसे प्राप्त करने के लिए अकार्बनिक और

जैविक दोनों प्रयास कर रहे हैं। हमने 1 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ₹ 6000 करोड़ की योजना बनाई है।

(इसमें सौर, पवन, सीबीजी, ग्रीन हाइड्रोजन आदि जैसी सभी स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाएँ शामिल हैं)*

10.3.2 परिवर्ती ऊर्जा

परिवर्ती ऊर्जा के अंतर्गत प्रौद्योगिकी स्थानांत्रण एवं ऊर्जा के मौजूदा स्रोत को बदलने के लिए की गई पहलें शामिल हैं। जबकि वर्तमान में गैस को एक स्वच्छ परिवर्ती ईंधन माना जाता है तथापि, नेट जीरो के संदर्भ में, गेल का मानना है कि यह महत्वपूर्ण है कि वैकल्पिक हरित ईंधन स्रोतों का भी पता लगाया जाए।

- **संपीडित बायोगैस (सीबीजी):**

  गेल और उसके सीजीडी संयुक्त उपक्रमों के साथ–साथ गेल गैस लिमिटेड और उसके संयुक्त उद्यमों ने विकासात्मक प्रयास के रूप में किफायती परिवहन के लिए एक स्थायी विकल्प प्रदान करने हेतु भारत सरकार के सतत विकल्प के लिए किफायती परिवहन (एसएएटीएटी) पहल के लिए रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की है और आशय पत्र जारी किए हैं। इससे सभी को फायदा होगा। गेल, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (सस्टेनेबल अल्टरनेटिव टुवड्र्स अफोर्डेबल ट्रांसपोर्टेशन) पहल में एक भागीदार है। इसके अंतर्गत, एक वैकल्पिक हरित परिवहन ईंधन के रूप में कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) को बढ़ावा दिया जाता है। कृषि अवशेष, गोजातीय खाद, गन्ना प्रेस मिट्टी, नगरपालिका ठोस अपशिष्ट, सीवेज उपचार संयंत्र अपशिष्ट, और अन्य अपशिष्ट/बायोमास स्रोत, एनारोबिक अपघटन के माध्यम से स्वचालित रूप से बायोगैस उत्पन्न करते हैं। इसे शुद्धिकरण के बाद संपीड़ित किया जाता है और सीबीजी लेबल किया जाता है, इसमें 95: से अधिक शुद्ध मीथेन होता है।

  संरचना और ऊर्जा क्षमता के संदर्भ में संपीड़ित बायोगैस व्यावसायिक रूप से उपलब्ध प्राकृतिक गैस के समान है। संपीडित बायोगैस, जिसमें सीएनजी के समान गुण होते हैं, इसका उपयोग वैकल्पिक, नवीकरणीय ऑटोमोटिव ईंधन के रूप में किया जा सकता है। देश में बायोमास की प्रचुरता के कारण आने वाले वर्षों में कम्प्रेस्ड बायोगैस में ऑटोमोटिव, औद्योगिक और वाणिज्यिक अनुप्रयोगों में सीएनजी को बदलने की क्षमता है। विविध स्रोतों से संपीड़ित बायोगैस के उत्पादन के लिए भारत की क्षमता लगभग 62 मिलियन टन प्रति वर्ष होने का अनुमान है।

GRI 302-4, GRI 302-5

सीबीजी के लाभों को समझते हुए, भारत सरकार ने वहनीय परिवहन के लिए सतत विकल्प (एसएएटीएटी) योजना की घोषणा की है। यह एक ऐसी पहल है जिसका उद्देश्य संपीड़ित बायो–गैस उत्पादन संयंत्र स्थापित करना और रुचि की अभिव्यक्तियों को आमंत्रित करके ऑटोमोबाइल ईंधन में उपयोग के लिए इसे बाजार में उपलब्ध कराना है। इस योजना के तहत गेल 2025 तक 400 सीबीजी संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया में है, जिसमें से 1184 टीपीडी की क्षमता के साथ संपीड़ित बायोगैस के उत्पादन के लिए 237 एलओआई जारी किए गए हैं।

गेल ने सीबीजी उत्पादन संयंत्र स्थापित करके सीबीजी व्यवसाय में उतरने का निर्णय भी लिया है। गेल राँची में 5 टीपीडी सीबीजी उत्पादन क्षमता का अपना पहला सीबीजी संयंत्र स्थापित कर रही है और राँची में सीबीजी संयंत्र की स्थापना के लिए नगर ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू) और संबंधित बुनियादी ढाँचे की आपूर्ति के लिए राँची नगर निगम के साथ 22 वर्षों के लिए एक रियायतयुक्त समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता पूरे भारत में सीजीडी कंपनियों के विभिन्न रिटेल आउटलेट्स को बायोमास/अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्रों से संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) के प्रावधान और आपूर्ति को सक्षम बनाएगा।

सीबीजी के संभावित सकारात्मक लाभ

- सीबीजी के लिए पराली/कृषि अवशेषों का उपयोग किया जा सकता है जिससे पराली जलाने से होने वाला वायु प्रदूषण कम हो सकता है।
- किसानों के लिए अतिरिक्त आय स्रोत
- उद्यमिता, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार को बढ़ावा देना
- जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन, कचरे से संबंधित उत्सर्जन को कम करना
- वाहनों में जीवाश्म ईंधन को बदलना, प्रत्यक्ष जीएचजी उत्सर्जन को कम करना
- प्राकृतिक गैस और कच्चे तेल के आयात में कमी

- **इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल**

  भारत सरकार ने तेल आयात को कम करने के लिए इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) की आपूर्ति करने हेतु 2022 तक 10% मिश्रण और 2025 तक 20% के लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध किया है।

भारत सरकार के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, गेल इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम के लिए 500 केएलपीडी 1जी (पहली पीढ़ी) अनाज आधारित इथेनॉल संयंत्र स्थापित करने की संभावना तलाश रही है। इस ई20 (इथेनॉल 20%, पेट्रोल 80%) ईंधन का उपयोग करने पर कार्बन मोनोऑक्साइड उत्सर्जन 30–50 प्रतिशत तक कम होने का अनुमान है।

- **ग्रीन हाइड्रोजन**

  भारत में वैकल्पिक ईंधन के रूप में हाइड्रोजन का उपयोग अपेक्षाकृत नया क्षेत्र है जिसके लिए विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियाँ व्यावसायिक संभावनाओं का मूल्यांकन कर रही हैं। गेल पायलट पैमाने पर पाइपलाइनों में प्राकृतिक गैस के साथ ग्रीन हाइड्रोजन के सम्मिश्रण की संभावनाओं का भी पता लगा रही है और ये सीजीडी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है। भविष्य में हाइड्रोजन एक नेट–जीरो अर्थव्यवस्था में परिवर्तित होने में, जीवाश्मों, नवीकरणीय ऊर्जा और बैटरी को एक पूरक भूमिका प्रदान कर सकता है।

  राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन के अनुरूप एक पायलट परियोजना के रूप में गेल ने प्राकृतिक गैस में 2% हाइड्रोजन मिश्रण करने के लिए पेसो से उचित अनुमोदन के बाद अवंतिका गैस लिमिटेड, इंदौर के सिटी गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क में ग्रीन हाइड्रोजन मिश्रण शुरू किया है। ग्रीन हाइड्रोजन सम्मिश्रण वर्तमान में 2% सम्मिश्रण के साथ बिना किसी अवलोकन के सफलतापूर्वक संचालित हो गया है। इसके अलावा, गेल द्वारा पेसो से 5% हाइड्रोजन सम्मिश्रण के लिए अनुमति हेतु आवेदन किया गया है। एनजी में हाइड्रोजन सम्मिश्रण के विभिन्न स्तरों के कारण सीजीडी/एनजी पाइपलाइन नेटवर्क पर एक प्रभाव अध्ययन भी एक सलाहकार के माध्यम से किया जा रहा है। गेल मध्य प्रदेश के गुना में 10 मेगावाट का ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र (भारत में सबसे बड़ा) स्थापित करने की प्रक्रिया में है।

10.3. कार्बन कैप्चर यूटिलाइजेशन एंड स्टोरेज (सीसीयूएस)

कार्बन कैप्चर यूटिलाइजेशन एंड स्टोरेज (सीसीयूएस) तकनीक में सीओ$_2$ को वायुमंडल में पहुँचने से हटाने के तरीके और तकनीक शामिल हैं। सीओ$_2$ को महत्वपूर्ण उत्सर्जन स्रोतों से प्राप्त किया जाता है और या तो इसे स्थायी रूप से संग्रहीत किया जाता है या इसका उपयोग किया जाता है।

गेल वर्तमान में कार्बन के उपयोग और भंडारण के लिए परियोजनाओं में भारी निवेश की संभावनाओं की खोज करते हुए विभिन्न पहलें कर रही है। वर्तमान में गेल ने व्यावहारिक सीसीयूएस प्रौद्योगिकी विकसित करने हेतु प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से 4 प्रमुख अनुसंधान एवं विकास/पायलट परियोजनाएँ शुरू की हैं। इन परियोजनाओं में शामिल हैं

- सीओ$_2$ से मेथनॉल और डीएमई (डाइमिथाइल ईथर) – आईआईटी –दिल्ली के सहयोग से
- सीओ$_2$ से पॉलीकार्बोनेट डायोल– आईआईएसईआर – तिरुपति के सहयोग से
- सीओ$_2$ से सिनगैस– आईआईपी देहरादून के सहयोग से

उपरोक्त तकनीकों के अलावा गेल ने सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ माइनिंग एंड फ्यूल रिसर्च (सीआईएमएफआर), धनबाद के सहयोग से पाता पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स में एक ओपन रेसवे तालाबों में माइक्रोएल्गे का उपयोग करके सीओ$_2$ (1टीपीडी) को ठीक करने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट भी लागू किया है। परीक्षण रन, जिसके लिए खुले तालाबों में उपयुक्त सूक्ष्म शैवाल उपभेदों के साथ शुरू किया गया है और वर्तमान में इसके विकास स्तर की निगरानी की जा रही है।

10.3.4 ऑफसेटिंग

ऑफसेटिंग में वह तकनीक और पहलें शामिल हैं जो उत्सर्जन की भरपाई के लिए हवा से उत्सर्जित कार्बन को कम करने/हटाने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। जबकि गेल अपने उत्सर्जन को कम करके शमन पदानुक्रम का पालन करके जितना संभव हो सके डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों को प्राप्त करने को प्राथमिकता दे रही है हम समझते हैं कि जीएचजी उत्सर्जन से बचने और कमी के आधार पर नेट–जीरो हासिल करना संभव नहीं है।

गेल अपने नेट ज़ीरो लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अंतिम उपाय के रूप में अपने उत्सर्जन को ऑफसेट करने हेतु प्रकृति आधारित विभिन्न समाधानों में निवेश/कार्यान्वयन करना चाहती है।

प्रकृति आधारित ऑफसेटिंगः गेल ने वित्त वर्ष 2021–22 में कुल 85,542 पौधे लगाए हैं, जिनमें से 75,800 पेड़ उनके पाता संयंत्र में लगाए गए थे। वित्त वर्ष 2022–23 में "मियावाकी वानिकी" तकनीक का उपयोग करके 1,50,000 और पेड़ लगाने के लक्ष्य के साथ गेल इस संख्या को और बढ़ाने की प्रक्रिया में है।

10.3.5 गेल की डीकार्बोनाइजेशन पहलों का सारांश

पहल/प्रौद्योगिकी का स्वरूप	गेल द्वारा की गई पहल/परियोजनाएँ
मीथेन उत्सर्जन में कमी	• फ्लेयर गैस रिकवरी यूनिट (एफजीआरयू) • लीकेज डिटेक्शन सिस्टम स्थापित करके ट्रांसमिशन लीकेज को कम करना
ऊर्जा दक्षता	• सीआईआई–ग्रीनको रेटिंग के अनुसार सभी भवनों को हरित भवनों में परिवर्तित करना • हीट रिकवरी स्टीम जनरेशन यूनिट (एचआरएसजी) स्थापित करना • एलईडी लाइट्स लगाना और विभिन्न पुराने घटकों को ऊर्जा–कुशल समकक्षों से बदलना • डीजल जेनरेटर को गैस आधारित जेनरेटर से बदलना
नवीकरणीय ऊर्जा	अक्षय ऊर्जा की वर्तमान स्थापित क्षमताः 131 मेगावाट है • 2025 तक 1 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य • 2030 तक 3 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य • पाता प्लांट में 2.4 मेगावाट का सोलर रूफटॉप • विजयपुर प्लांट में लगा 1.8 मेगावाट का सोलर ग्राउंड
ऊर्जा परिवर्तन	जैव ईंधनः 1. संपीडित बायोगैस (सीबीजी): • एसएटीएटी योजना के तहत 400 सीबीजी संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया में • वितरण पाइपलाइन में एनजी के साथ सीबीजी का सम्मिश्रण • डीजल बोट का सीबीजी बोट में परिवर्तन 2. इथेनॉल सम्मिश्रण 3. ग्रीन हाइड्रोजनः • गुना, मध्य प्रदेश में भारत के सबसे बड़े (10मेगावाट) ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र की स्थापना • एच–सीएनजी (हाइड्रोजन मिश्रित सीएनजी) के लिए पायलट अध्ययन • इलेक्ट्रोलाइजर निर्माण के लिए संयुक्त उद्यम बनाना
कार्बन कैप्चर यूटिलाइजेशन एंड स्टोरेज (सीसीयूएस)	गेल ने निम्नलिखित प्रौद्योगिकियों के लिए प्रमुख संस्थानों के साथ पायलट परियोजनाएँ शुरू की हैं: • सीओ$_2$ से मेथनॉल और डीएमई (डाइमिथाइल ईथर)–आईआईटी–दिल्ली के सहयोग से • सीओ$_2$ से पॉलीकार्बोनेट डीओल–आईआईएसईआर–तिरुपति के सहयोग से • सीओ$_2$ से सिनगैस–आईआईपी देहरादून के सहयोग से • माइक्रोएल्गे का उपयोग करके सीओ$_2$ निर्धारण
प्रकृति आधारित समाधान	• गेल "मियावाकी वानिकी" के तहत 1,50,000 पेड़ लगाने के लक्ष्य के साथ और अधिक पेड़ लगाने की सोच रही है। • गेल ने अपने पाता संयंत्र में भी 75,000 पेड़ लगाए हैं
हरित नवाचार का समर्थन	गेल ने हरित स्टार्ट–अप में निवेश करने और हरित प्रौद्योगिकियों के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए अपनी "पंख" पहल के तहत ₹100 करोड़ का कोष भी स्थापित किया है।

एनर्जी कॉन्क्लेव 2022

गेल ने कोलकाता में ऊर्जा परिवर्तन पर इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के **"एनर्जी कॉन्क्लेव 2022"** में भाग लिया।

गेल ने पूर्वी भारत के गैस उद्योग में सबसे हालिया प्रगति प्रस्तुत की और प्राकृतिक गैस आधारित अर्थव्यवस्था की ओर देश के बदलाव को बढ़ावा दिया। दर्शकों ने वायु प्रदूषण के खिलाफ गेल की **"हवा बदलो"** पहल की वीडियो फिल्म की प्रशंसा की।

11

80% प्रशिक्षण योग्यता के साथ 90.94% कर्मचारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम की पूर्णता

वर्ष 2021–2022 : में एफटीई प्रशिक्षण और विकास में औसत व्यय आईएनआर 10,039

वर्ष 2021–22 में एट्रीशन रेट 1.05%

हमारे कार्मिक

'प्रवृत्त और सशक्त जनबल

"अपने कार्मिकों के व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक विकास एवं प्रगति को पूरा करने के लिए गेल ने खुद को ऐसा कार्य वातावरण निर्मित करने पर केन्द्रित किया है जो उचित ढाँचे एवं तकनीकी से सुसज्जित हो। क्षेत्र के विशिष्ट नियोजक होने के नाते यह निष्पक्ष एवं भेदभाव रहित तरीकों को अपनाते हुए अपने कार्मिकों की भलाई के लिए समर्पित है। गेल अपने कुशल एवं सक्षम कार्य बल को अपने विकास एवं सफलता की आधारशिला के रूप में पहचानती है।"

हमारे कार्मिक हमारे स्थायी एवं विस्तृत व्यावसायिक दर्शन की नींव हैं। प्रति वर्ष मिलने वाली हमारी सफलता के वे अनिवार्य हिस्सा होते हैं। वे हमारी प्रतिवर्ष होने वाली उन्नति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वे हमारे प्रतिस्पर्धात्मक लाभ को बढ़ाने में गंभीर भूमिका निभाते हैं और मज़बूत तथा विविधता पूर्ण कम्पनी के निर्माण में वे हमारे सहायक होते हैं। इसलिए हमारा यह दृढ़ विश्वास है कि गेल के दीर्घ कालिक मूल्य सृजन के मूल में हमारे कार्मिक हैं।

गेल का कार्य वातारण साफ़ सुथरा और बिना किसी भेदभाव के प्रशंसनीय रहे हमारा प्रयास इसे सुनिश्चित करना है। लम्बी अवधि के करियर मौक़ों के साथ ही विकास के अवसरों को प्रदान कर श्रेष्ठ व्यक्तियों को आकर्षित करने और उन्हें बनाये रखने का हमारा प्रयास रहता है।हमारी दूरदर्शी निजी नीतियों द्वारा हमारा लक्ष्य कम्पनी के साथ–साथ उच्च क्षमता एवं प्रन्बंधकीय पेशेवरों के लम्बी–अवधि वाले विकास को निर्धारित करना है।

हमारा कार्मिक प्रस्ताव मूल्य (ईवीपी) आतंरिक एवं बाहरी उम्मीदवारों को लेकर नियोजित होता है जो हमारे संभावित कर्मचारियों के लिए सरल वापसी मूल्य निर्मित करता है। आतंरिक तौर पर हम इस बात को निश्चित करते हैं कि स्थापन व्यक्तियों की रुचियों एवं क्षमताओं के अनुरूप किया जाए और यदि आवश्यक हो तो उन्हें उनकी क्षमताओं को सुधारने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त हो।

गेल का मानव संसाधन अपने कर्मचारियों को उनकी पूर्ण क्षमता तक पहुंचाने के साथ ही कंपनी के मूल्य निर्माण में उनके योगदान के लिए सक्षम बनाने पर केन्द्रित है। हमारा लक्ष्य कार्मिक के शारीरिक एवं मानसिक कल्याण को सुनिश्चित करने, जानकारी देने और विशिष्ट कुशलता विकास तथा सम्बन्ध–निर्माण क्षमता के इर्द गिर्द घूमता है, यह व्यक्ति की उन मूल भावनाओं के अनुरूप होता है जो उसे एक संगठनात्मक वातावरण के उत्पादन कार्य में व्यस्त रखे और जीवन स्तर को ऊंचा उठाये। हम ऐसे वातावरण के निर्माण को लेकर प्रतिबद्ध हैं जो निम्न बिन्दुओं पर केन्द्रित होकर ऐसा माहौल निर्मित करे जो संस्थागत नागरिकता पर केन्द्रित हो:

- **विकास:** सीखने, रचनात्मकता और जानकारी के आदान–प्रदान के लिए ऐसा प्रेरक वातावरण प्रदान करे जो प्रशिक्षण और जीवन–पर्यंत सीखने के अवसरों का पर्याय हो।

GRI 102-44, GRI 103-2

- **अनुक्रमः** व्यक्ति को रोके रखने, विकसित करने एवं पालन–पोषण करने और प्रमुख पदों के उत्तराधिकारी बनाने के लिए योजना।
- **विविधता एवं समावेशः** विविधता को बनाए रखें, मानव क्षमता के विविध प्रवाह में प्रवेश करें और सभी क्रियान्वयन में पूर्व धारणाओं को हटाएं।
- **विश्वास एवं कल्याणः** निष्पक्ष श्रम स्तरों को अपनाएं, जिसमें बल पूर्वक या बाल श्रम को दूर करना और कर्मचारियों तथा व्यावसायिक साझेदारों को उचित पारिश्रामिक देना शामिल है।

11.1 कार्मिक कल्याण की पहल

गेल स्वयं को एक नियोक्ता के रूप में बेहतर बनाने की सतत यात्रा में है। हमारा प्रयास एक सकारात्मक, पोषित और सीखने का वातावरण निर्मित करना है। कई प्रगतिशील मानव संसाधन पहलों को लागू करने की झलक इस बात में दिखाई देती है कि कार्मिक के कल्याण की प्राथमिकता कैसी है। एचआर नीतियों का निरंतर मूल्यांकन निगमित मानव संसाधन रणनीति को संस्थागत रणनीति से जोड़ने के लिए किया जाता है जिससे परिवर्तित व्यावसायिक आवश्यकताओं का सामना और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ को संरक्षित किया जा सके।गेल की नीति में मानव संसाधन का परिग्रहण, (सेवा की सामान्य शर्तें एवं नियम, भर्ती की नीति और प्रक्रिया आदि), कार्मिक मुआवजा, (वेतनमान, मंहगाई भत्ता, स्थानांतरण लाभ आदि), कार्मिक लाभ (अवकाश नियम, चिकित्सीय उपस्थिति, गृह निर्माण अग्रिम राशि नियम आदि) प्रेरणा एवं विकास (प्रदर्शन प्रबंधन प्रणाली, उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु प्रोत्साहन आदि), सामान्य (शिकायत निवारण प्रक्रिया, सीडीए नियम) आदि।

गेल की दृष्टि और वर्तमान प्रस्तावों के मद्देनज़र, हम बिना किसी संशय के इस तथ्य का दावा कर सकते हैं कि कार्मिकों की आर्थिक स्थिति हमारी प्राथमिकता रही है, जिसका एक कुशल–संरचित मुआवजे के जरिए अच्छे से ध्यान रखा गया है। कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति के लिए बचत, उनको और उनके आश्रितों को 100% मेडिकल कवर प्रदान करने, सेवा निवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सीय सहायता देकर गेल की कार्मिक की आर्थिक स्थिति तक पहुँच समग्र रूप में रही है। इसी तरह समुदाय/सामजिक स्वास्थ्य कम्पनी के मूल्य के रूप में समाविष्ट किए गए हैं जिसकी शुरुआत कर्मचारियों की छोटी सी संख्या से हुई थी जो आज संयुक्त रूप से बढ़कर 4700+ का गेल परिवार बन गई है। हमारे टाउनशिप, कर्मचारियों और उनके परिवारों के साथ सांस्कृतिक एवं उत्सवीय समारोह एवं उनकी उपलब्धियों का मिलकर महोत्सव सभी इस बात के परिचायक हैं कि गेल के सभी समुदाय किस मजबूती से एक दूसरे से जुड़े हुए हैं।

ऐसे सामजिक बंधन कार्मिक नागरिकता की एक मज़बूत चेतना निर्मित करते हैं। इसके अलावा, कार्मिक सतर्कता जागरूकता सप्ताह, हिन्दी पखवाड़ा, विश्व पर्यावरण दिवस उत्सव, अग्नि सप्ताह आदि के दौरान होने वाली प्रतियोगिताओं में एक साथ मिलकर भागीदारी करते हैं।

मौजूदा महामारी के वातावरण में हमनें समस्त गेल के 575 कोविड योद्धाओं को पहचान कर उन्हें समर्पण के लिए सीएमडी/ कार्यकारी निदेशकों द्वारा प्रदत्त प्रशंसा प्रमाण–पत्र से सम्मानित किया।

स्पर्श की पहल

कोविड–19 की दूसरी लहर के चरम के दौरान अपनी–तरह–की एक परियोजना स्पर्श बनाई गई जिसका उद्देश्य कोविड से प्रभावित व्यक्तियों और उनके परिवारों को उपचारात्मक– स्पर्श देना था। स्पर्श की टीम ने कोविड कार्य बल को दैनिक सहयोग दिया और उनके साथ काम करते हुए कर्मचारियों को जितनी संभव हो शीघ्र चिकित्सा आपूर्ति दी जिसमें दवाईयां, बिस्तर, ऑक्सीजन कॉनसंट्रेटर्स आदि शामिल थे।

11.2 योग्यता परिग्रहण एवं विकास

गेल की महत्वाकांक्षा अपनी यात्रा में एक योग्य, प्रेरित और अभिनव कार्य बल को लेकर है जो राष्ट्र के भविष्य को उसकी समस्त ऊर्जा ज़रूरतों के लिए तैयार कर सके। जैसा कि यह स्वच्छ और हरित ऊर्जा में विविधिकृत है इसलिए ज़िम्मेदारी अधिक है। हमारी भर्ती नीति सतत रूप से हमारी व्यावसायिक आवश्यकताओं से जुड़ी है और ऐसे लोगों की भर्ती पर केन्द्रित है जो हमारे सम्पूर्ण मूल्यों और नज़रिए के साथ जुड़े होंगे।

मानव संसाधन भर्ती नीति के एक हिस्से के तौर पर हम एक संरचित और उद्देश्य निर्धारित पहुँच का उपयोग कर श्रेष्ठ प्रतिभा की खोज करते हैं। हमारी जनबल योजना के हिस्से के रूप में नियमित आधार पर हम नई भर्ती की ज़रुरत और उनके बदलते कौशल आवश्यकताओं को स्थिर कर विभिन्न स्थानों

GRI 103-2, GRI 103-3

और कार्यों की आवश्यकताओं से जुड़ने का विश्लेषण करते हैं।

हमारे प्रशिक्षण हस्तक्षेप के जरिए हम ऐसे वातावरण को निर्मित करने पर पूरा ज़ोर लगा देते हैं जो हमारे कर्मचारियों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुँचाने में और उनके करियर में आगे बढ़ने में मदद करता है। गेल की भर्ती टीम भविष्य के लिए तैयार कार्य बल के निर्माण में एक महती रणनीतिक भूमिका निभाती है जो गेल के लिए इस बढ़ती प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितता में विभेदक का काम करेगी।

हम कर्मचारियों का एक समूह निर्मित करना चाहते हैं जो विकास–केन्द्रित, लाभकारी और उत्साहित हो और हमारे साथ मिल कर आगे बढ़े।

11.3 विविध और समावेशी कार्यबल

विविध और समावेश (डीएंडआई) पिछले कुछ वर्षों से गेल की प्राथमिक सूची में रहे हैं। पिछले साल से जगहों के हर तरफ़ डीएंडआई पहल को लागू करने की मुहिम ने हर कार्यकेन्द्र पर रफ़्तार पकड़ ली है। एक विविध कार्य बल बेहतरीन नतीजों को लेकर गंभीर है। लोगों की भर्ती अलग अलग पृष्ठभूमियों, जेंडर्स और समुदायों से कर हम विविधता के लिए प्रयास कर रहे हैं। हमारी पारदर्शी एवं बढ़िया भर्ती प्रक्रियाओं ने हमें कई तरह की पृष्ठभूमियों से लोगों की भर्ती के लिए मदद की है, इस बात को सुनिश्चित करते हुए कि सभी के पास चाहे किसी भी जेंडर का हो जाति या शारीरिक क्षमता का हो बराबरी के अवसर हैं। हमारी भर्ती प्रक्रिया के दौरान हम विविधता और समावेश के आदर्शों से जुड़े रहकर सभी उम्मीदवारों का तटस्थता से मूल्यांकन करते हैं। हम स्थानीय क्षेत्रों से प्रतिभा की खोज में अपना समय और प्रयास लगाते हैं जिससे कि हम अधिक बहु–सांस्कृतिक एवं विविध स्टाफ निर्मित कर सकें। भारत के विविध राज्यों के उम्मीदवारों का बराबरी से ध्यान रखा जाता है।

विविधता और समावेश को ध्यान में रखते हुए गेल के बोर्ड द्वारा पारित भर्ती नीति को अपडेट रखने के लिए नियमित स्तर पर रूपांतरित करते रहते हैं।

कुल मिलाकर 12964 पुरुष और 380 महिला अनुबंधित श्रमिक अलग अलग कार्यशील कार्यकेन्द्रों पर हमारे कार्मिकों के एक अंग के रूप में काम करते हैं। हमारी सभी इकाइयों में हमारा कुल कार्यबल 3,621 पुरुष और 272 महिला प्रबंधन कर्मचारियों और 824 पुरुष और 36 महिला गैर–प्रबंधन कर्मचारियों का है। 3,676 पुरुष और 9 महिला गैर–प्रबंधन सुरक्षा के लोग हैं। इस वर्ष गेल ने 325 प्रशिक्षुओं, (275 पुरुष और 50 महिला) को रोज़गार दिया है। संस्था के गैर–प्रमुख कार्यो जैसे हाउस कीपिंग, रसोई भण्डार, बागबानी और सुरक्षा, के लिए बड़ी संख्या में 54 अस्थायी श्रमिकों को रोज़गार मिला है।

11.30.1 कार्मिक लाभ

प्रदर्शन और उपयुक्त नियम या नीतियाँ हमारे द्वारा हमारे कर्मचारियों को दिए जाने वाले लाभों को नियंत्रित करते हैं।

- गेल के सभी स्थायी कार्मिक कर्मचारी राज्य बीमा योजना, कामगार मुआवजा अधिनियम, एवं अन्य वैधानिक लाभों/भुगतानों के अंतर्गत भविष्य निधि राशि और अनुबंध श्रमिक राशि के हकदार होते हैं।
- पीएफ, ग्रेच्युटी, पेंशन और पोस्ट पीआरएमएस/डीपीई के दिशा निर्देश के अनुसार, ओ. एम. नंबर डब्ल्यू 02/0028/2017डीपीई (डब्ल्यूसी)–जीएल–XIII/17, मूल वेतन और मंहगाई भत्ता की अधिकतम सीमा 30% निर्धारित की गई है जो इन सेवानिवृत्ति लाभों में योगदान दे सकें।
- हमारी अधिकतर नीतियाँ और प्रयास हमारे कर्मचारियों के लिए ऐसा रचनात्मक और उत्पादक वातावरण बनाने के लिए केन्द्रित हैं। महिला कार्मिक भी मुआवजे के रूप में दो–साल की बाल संरक्षण छुट्टी ले सकती हैं। हम अपने कर्मचारियों को उनकी बेहतरीन योग्यता प्राप्ति के लिए सम्मानित करते हैं, जो उनकी पात्रता और निपुणता को सुधारता है।
- हमने कार्य बल प्रबंधन नीतियों के लिए आईटी प्रणालियों को लागू किया है। कार्यबल–सम्बंधित सारी जानकारियाँ एसएपी इआरपी के जरिए निगरानी और पकड़ में रहती हैं और हमारे कार्य बल की नीतियों के सुधार के लिए इनका व्यवस्थित विश्लेषण होता है।
- हमने मुद्रा रुपी प्रोत्साहन देने वाले कई कार्यक्रम लागू किए हैं जिन्हें सूचना वर्ष के दौरान जांचा–परखा और संशोधित किया जाता है जैसे

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 102-35, GRI 102-7, GRI 102-8, GRI 401-2

सजावट किराए पर/ खरीदने की योजना और पीसी/ सतही योजना, कार्मिक यात्रा पात्रता के सन्दर्भ में संशोधित योजना का प्रकाशन आदि। निरंतर काम की मांगें मानसिक और शारीरिक थकान ला देती हैं। इसलिए लॉक डाउन के समय सतत ऑन साईट जिम्मेदारियां निभाने वाले कर्मचारियों को प्रतिपूरक छुट्टियाँ दी गईं। वे कार्मिक जो कई राज्यों/क्षेत्राधिकारों द्वारा घोषित लॉक डाउन के पहले ही स्वीकृत छुट्टी पर थे वे जो अपनी छुट्टियाँ ख़त्म हो जाने के बाद भी अपने कार्य–केंद्र को सूचित नहीं कर पाए थे, उन्हें 'घर से काम' करने की अनुमति दे दी गई।

- वेतन, मजदूरी, सहायक भविष्य निधि, ग्रेच्युटी, अनुपयोगित छुट्टियों के एवज में नगद छुट्टियां, मुआवजा अनुपस्थितियाँ, सेवा निवृति–उतरार्ध चिकित्सीय लाभ और दूसरे अंतिम सीमा लाभ, जैसे कार्मिक लाभ के उदाहरण हैं। ये सभी लाभ हमारे मूल्यवान श्रमिकों को दिए जाते हैं।
- हमारे सभी स्थायी कार्मिक जीवन बीमा के अंतर्गत आते हैं। गेल कई तरह के कार्मिक लाभ प्रस्तावित करता है जो न्यूनतम क़ानूनी मापदंडों के ऊपर और परे जाते हैं, जैसे बाल उच्च शिक्षा अग्रिम योजना, गेल चिकित्सीय उपस्थिति नियम और मृत कर्मचारियों के आश्रित पारिवारिक सदस्यों के लिए राहत क़दम।

11.4 कार्मिक अनुबंध

पिछले कुछ सालों में संस्थाओं ने खुद को कर्मचारियों के अनुबंध और कार्य बल के अन्दर उनके अनुभव पर मज़बूती से केन्द्रित किया है। बेचैनी में बढ़ोतरी, तनाव के स्तरों और उत्तेजना के के बड़े मामलों का प्रभाव केंद्र और कर्मचारियों का अनुबंध। कार्मिक अनुबंध महामारी के उतरार्द्ध में कंपनियों की आवश्यकताओं के बजाए व्यक्तिगत आवश्यकताओं पर केन्द्रित हो जाएंगे और व्यक्ति–केन्द्रित अधिक हो जाएंगे।

कार्मिक अनुबंध को किसी कार्मिक को उसके काम में प्रयास करने हेतु प्रेरित करने के रूप में समझाया जा सकता है। एक अनुबंधित कार्मिक सीखने और ज्ञान पर केन्द्रित रहता है, टीम के प्रदर्शन के विषय में सोचता है, काम के प्रति भावनात्मक जुड़ाव रखता है और आतंरिक कारकों से उत्तेजित होता है। गेल मानता है कि उद्योग के नेतृत्व और लाभकारी टिकाऊ विकास को पाने के लिए एक अनुबंधित कार्यबल लम्बी अवधि के उद्देश्य को पाने की चाबी सिद्ध हो सकता है। सभी कर्मचारियों को पाने के लिए रास्तों की तलाश, ऊपर के प्रबंधकों से लेकर असेंबली पंक्ति श्रमिकों तक, दिन प्रति दिन की कॉर्पोरेट निरंतर गतिविधियों में निजी रूप से शामिल होना ये सब कारक है एक शानदार और टिकाऊ संस्था को बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

गेल में व्यक्ति भर्ती प्रक्रिया से संबद्ध होता है और जुड़कर सीखते, करियर की योजना बनाते हुए प्रगति के साथ निरंतर आगे बढ़ता है जब तक कि कार्मिक कंपनी को छोड़ता नहीं है। इस बात को सुनिश्चित करने के लिए कि जब वे कार्येकेन्द्र पर हों तो कार्मिक और उनका परिवार प्रमुख मनोरंजक या सेहत संबंधी किसी भी बात को भूलें नहीं, गेल की सुविधायें–खेलों, जिमों, और अन्य मनोरंजक सुविधाओं से सुसज्जित की जाती हैं, जो कार्मिक के अनुभव को मज़बूत बनाती हैं। इसके आगे खेलों की प्रोत्साहन नीतियों को लागू कर हम लोगों को हौसला देते हैं कि वे अधिक सक्रिय जीवन शैली को जियें।

गेल परिवार की एक इकाई की भूमिका निभाता है और कई तरह के समारोह की मेजबानी अपने संयंत्र/ कार्यालयों करता है जिससे सौहार्द एवं एक होने की भावनाओं का निर्माण हो सके।

सूचना काल के दौरान 10 शिकायतें कर्मचारियों की ओर से प्राप्त हुई और उनमें से 100% सुनी गईं। सूचना के वर्ष में किसी भी तरह का कार्मिक अनुबंध सर्वेक्षण नहीं किया गया।

गेल नेतृत्व को सम्मान स्वरुप हमनें एक आतंरिक–सूचनाओं वाली पुस्तक **"गेल इन स्नैपशॉट्स"** का विमोचन किया, जिसमें हमारे ही द्वारा ली गईं गेल संयंत्रों के प्रवेश द्वार, साइट्स, हैरत–में डालने वाले प्राकृतिक दृश्यों और उत्साह भरे सामाजिक उत्सवों की तस्वीरें थीं।

'जागरूक'–गेल का प्रकाशन

गेल के सतर्कता विभाग ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह समारोह पर एक पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक में प्रणाली के क्रियान्वयन के लिए भ्रष्टाचार को हटाने, पवित्रता, विश्वास और पारदर्शिता को सुनिश्चित करने के विषय पर कहा गया है।

GRI 401-2, GRI 406-1

भारत सरकार की आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत पहल

गेल (भारत) लिमिटेड ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' के समारोहों के अंतर्गत शहर गैस वितरण और संपीडित प्राकृतिक गैस के विषय में जागरूकता फैलाने के कार्यक्रम आयोजित किए। इस समारोह का आयोजक पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय था।

इसका वेब कास्ट गेल कर्मचारियों, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, तेल और गैस पीएसयू के कर्मचारियों और गेल प्रशिक्षण संस्थान के कई विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के बीच हाईब्रिड मोड से किया गया।

'सीजीडी – भारत के ऊर्जा क्षेत्र के लिए मान उत्पन्न करना,' और 'सीएनजी– सामान्य मिथक और सच्चाई' कार्यक्रम के दो सत्र थे।

11.5 क्षमता निर्माण

गेल का क्षमता निर्माण में निवेश का लक्ष्य इसकी प्रतिभा की पात्रता को सीखने की प्रक्रिया के जरिए मज़बूत करना है। हमें लगता है कि व्यक्तिगत योग्यता और पात्रता का विकास गेल की रणनीति को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए अत्यावश्यक है। सफल क्षमता निर्माण और साथ ही मौजूद संसाधन आधार के विस्तार के लिए हमने गेल में कई तरीके निर्मित किए हैं।

प्रबंधक भर्ती प्राथमिक तौर पर प्रवेश–स्तर पर की जाती है, जैसे प्रबंधक प्रशिक्षु और वरिष्ठ अधिकारी/ वरिष्ठ अभियंता के स्तर पर क्योंकि हमारा विश्वास अपने कर्मचारियों के विशिष्ट करियर प्रगति की संभावनाओं पर होता है। प्रवेश स्तर पर, कैम्पस चयन प्रक्रिया और एक खुली भर्ती प्रक्रिया दोनों ही का उपयोग प्रबंधकों को लेने के लिए किया जाता है। प्रबंधकों और गैर–प्रबंधकों के लिए भर्ती प्रक्रिया कई तरीकों से की जाती है जैसे खुली भर्ती, जीएटीइ और कैम्पस स्थापन।

गेल में कार्मिक का सम्पूर्ण विकास अन्य क्षेत्रों में से एक हमारा प्राथमिक केंद्र है। हम अपने कर्मचारियों को उनके नेतृत्व गुण और तकनीकी क्षमताओं के निर्माण को लेकर प्रोत्साहित करते हैं। बहु प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कौशल निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रमों, प्रदर्शन मूल्यांकन और प्रतिक्रया सत्रों के एक विविधतापूर्ण चुनाव की संलग्नता को हमारे कर्मचारियों को प्रदान कर उन्हें उनके करियर में आगे बढ़ने में मदद कर इसे संभव बनाया जाता है।

11.5.1 प्रशिक्षण और विकास

गेल अपने कर्मचारियों के लिए व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के अवसर अपने विविध प्रशिक्षण कार्यक्रमों द्वारा प्रदान करता है जो नियमित तौर पर किए जाते हैं। इन प्रशिक्षणों का उद्देश्य हमारे कर्मचारियों को नए बुनियादी कौशल को सीखने में मदद करना है जिससे वे तेल और गैस व्यवसाय में हो रहे नवीन आधुनिकीकरण के बारे में जान पाएं।

निरंतर रूप से जारी यह प्रक्रिया जिसमें व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों का सीखना और विकास शामिल है, जो इन्हें उद्योग की मौजूदा स्थितियों से ऊपर रख इनके प्रदर्शन और कौशल में सुधार करती है।सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए रोज़गार बढ़ाने में निरंतर सहायता प्रदान करने के लिए गेल ने 178 कौशल प्रबंधन एवं जीवन पर्यंत सीखने के कार्यक्रम आयोजित किए।

गेल प्रशिक्षण संस्थान

गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई) एक लम्बे समय से हमारे अनमोल मानव संसाधनों को अति आवश्यक ज्ञान देने और कई तरह के क्षेत्रों में अनुभव दिलाने के मंच के रूप में काम करता आया है। यह कर्मचारियों को भारत और विदेश के मौजूदा विषयों पर होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सम्मेलनों और संगोष्ठियों में जाने के लिए आर्थिक सहायता भी देता है जिससे उन्हें सीखने और कई तकनीकी और प्रबंधन क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ रहने के अवसर मिले। कर्मियों के चयन के लिए नीति विकास पर भी विचार किया जा रहा है।

गेल द्वारा निरंतर सीखने पर केन्द्रित होने के लिए कुछ क़दम उठाये गए हैं जिनमें शामिल हैं–

- **अभिविन्यास कार्यक्रम–** प्रबंधन से जुड़े प्रशिक्षुओं को उनके आबंटित क्षेत्र में 3 सप्ताह के अभिविन्यास कार्यक्रम में शामिल होने को कहा गया, जो एक आभासी तरीके के जरिए समाप्त हुआ जिसमें गेल के व्यवसाय से सम्बंधित मुख्य विषयों और संगठनात्मक पृष्ठभूमि का अवलोकन शामिल किया गया था। पार्श्व प्रवेशकों को भी 6 महीनों के लिए परामर्श प्रक्रिया दी गई थी।

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 404-2

- **नेतृत्व विकास–** अपने मध्यम से वरिष्ठ स्तर के प्रबंधकों की क्षमता के मूल्यांकन के लिए (मुख्य प्रबंधक/ उपमहाप्रबंधक), गेल वरिष्ठ प्रबंधन विकास केंद्र (एसएमडीसी) अभ्यास का आयोजन कर रहा है जो नेतृत्व विकास कार्यक्रम का एक हिस्सा होगा। इस अभ्यास का उद्देश्य वरिष्ठ प्रबंधकों के विकास की आवश्यकताओं का पता लगाना और साथ रिक्त स्थानों को भरने के लिए सात निर्धारित क्षमताओं का उपयोग कर विकास कार्यक्रमों का निर्माण करना है।

- **महामारी का प्रबंधन–**जैसा हम जानते हैं महामारी का समय सभी के लिए काफ़ी चुनौतियों वाला समय था लेकिन जीटीआई ने त्वरित प्रतिक्रिया करते हुए अपने प्रशिक्षण को आभासी तरीके में बदल दिया और माहामारी की मौजूदा स्थिति को देखते हुए बहुत कम कार्यक्रम शारीरिक रूप में आयोजित किए गए। गेल में हम लगातार ज्ञान को मजबूती देते हैं और अपने कार्यबल को अच्छी तरह से संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जरिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। वर्ष 2021–22 में हमने 27 प्रशिक्षण कार्यक्रम अपने 495 प्रबंधकों और 64 गैर–प्रबंधकों के साथ बीआरएसआर पर उनकी सूचना की समझ में सुधार के लिए उसके आदर्शों और कैसे यह गेल को कारोबार में सुगमता का लाभ देगा इस पर आयोजित किए।

- **संस्थान की एएसएमइ मान्यता–** जीटीआई, एएसएमइ जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रम बी 31.8 और 31.8 एस के लिए एक अधिकृत प्रशिक्षण प्रदाता (एटीपी) है, जो अमेरिकन सोसाइटी ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स (एएसएमइ) द्वारा मान्य हैं। एएसएमइ बी 31.8 के मानकों पर प्रशिक्षण के लिए जीटीआई के पास गेल के अन्दर और इसके आगे की भागीदारी के लिए 19 प्रमाणित प्रशिक्षक हैं।

- **ज्ञान प्रबंधन–** दिसंबर 2021 में 14वीं ज्ञान और अनुभव की साझीदारी वाली संगोष्ठी आयोजित हुई जिसमें 100 से ज़्यादा पेपर्स 5 विभिन्न श्रेणियों में प्राप्त हुए और प्रत्येक श्रेणी में संक्षिप्त–सूची चयन किए गए और विजेताओं को सब से श्रेष्ठ पेपर का सम्मान दिया गया। "हाइड्रोजन– भविष्य का संभावित ईंधन" विषय पर एक पैनल द्वारा चर्चा का भी आयोजन हुआ, जिसमें उद्योग एवं शिक्षा क्षेत्रों के वक्ताओं को उनके दृष्टिकोण साझा करने हेतु आमंत्रित किया गया था। आईआईटी बॉम्बे के और आईसीटी मुंबई के प्रोफेसरों, थिसेक्रूप के उद्योग विशेषज्ञ और गेल के उच्च स्तरीय प्रबंधक, पैनल में थे।

GRI 404-2

- **उद्योग–शैक्षणिक समुदाय सहयोग–** जीटीआई कर्मचारियों और हिस्सेदारों के प्रशिक्षण से आगे जाकर शैक्षणिक संस्थानों को सहयोग देने और छात्रों को प्रशिक्षुता के अवसर प्रदान करने जा रही है। अंडर–ग्रेजुएशन इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के साथ जुड़ कर विषय सम्बन्धी विशेषज्ञों/मेहमानों के साथ प्राकृतिक गैस इंजीनियरिंग के सत्रों का आयोजन करवाने के लिए। इसके आगे, जीटीआई ने आल इंडिया कौंसिल फॉर टेक्नीकल शिक्षा (एआईसीटीइ) को क्रियान्वयन की अग्रिम अवस्था में प्राकृतिक गैस इंजीनियरिंग और अर्थ शास्त्र को वैकल्पिक पाठ्यक्रम के रूप में आरम्भ करने का प्रस्ताव दिया है।

- **जीटीआई को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करना–** जीटीआई के पास संकाय का एक आधार है जिसमें व्यवसाय के बुनियादी क्षेत्र से सम्बंधित विषयों के विशेषज्ञ एक लम्बे अनुभव के साथ शामिल हैं। इसके अतिरिक्त प्रमुख विशेषज्ञता के लिए जीटीआई ने केन्द्रित कार्यक्रमों के लिए आतंरिक विशेषज्ञ निर्मित किए हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रमों इस प्रकार से डिज़ाइन और विकसित किया गया है कि विविध संकायों के बाहरी भागीदारों के लिए एक विलक्षण अनुभव बने सीखने का और जीटीआई को राजस्व बनाने में मदद मिले और वह अपनी छवि उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में निर्मित कर सके।

उत्कृष्टता का केंद्र प्रशिक्षण कार्यक्रमों का केंद्र क्षेत्र नीचे दी गईं तीन श्रेणियों में विस्तृत रूप से वर्गीकृत किया जा सकता है:–

(अ) रणनीति, नेतृत्व और व्यावसायिक जानकारी कार्यक्रम– इस श्रेणी के अंतर्गत कुछ मुख्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समावेश किया जाता है, जैसे: (i) बचाव और जोखिम प्रबंधन; (ii) घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय और आर्थिक परिदृश्य; (iii) व्यावसायिक योजना और विकास रणनीतियां; (iv) रणनीति सोच और प्रबंधन आदि।

(ब) प्रबंधन, कार्यकारी और प्रक्रिया विकास कार्यक्रम– इस श्रेणी के अंतर्गत कुछ मुख्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समावेश किया जाता है, जैसे: (i) अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में एलएनजी उद्योग विकास जिसमें

शिपिंग शामिल है; (ii) पॉलीमर व्यवसाय की वैश्विक प्रसंग में गतिशीलता; (iii) शहर गैस, सीएनजी; व्यावसायिक और क्रियान्वयन संभावना; (iv) वैकल्पिक ईंधन एवं नवीनीकृत ऊर्जा के बीच उभरती प्रोद्योगिकियां; (v) संविदागत विवादों और मध्यस्थता; (vi) परियोजना प्रबंधन।

(स) क्रियान्वयन, तकनीकी, आईटी और सुरक्षा कार्यक्रम - कुछ प्रमुख प्रशिक्षण कार्यक्रम जो इस श्रेणी के अंतर्गत आते हैं, जैसे: (i) अग्रिम प्रक्रिया नियंत्रण प्रणाली; (ii) प्रवाह मापी।

प्रशिक्षण और विकास पहल की सफलता को पता लगाने के लिए कुछ केपीआईएस नीचे दिए गए हैं:

- प्रशिक्षण प्रभाविकता अंक (%)
- वार्षिक प्रशिक्षण योजना का वास्तवीकरण %
- आतंरिक गड़बड़ी के रूप में प्रेषित सत्रों की संख्या
- बाहरी संगठनों को प्रेषित कार्यक्रमों की संख्या
- एसएमडीसी अभ्यास के लिए बाक़ी प्रबंधकों का संरक्षण प्रतिशत
- निर्देशन कार्यक्रम, ज्ञान साझेदारी संगोष्ठी आदि गतिविधियों का समय पर संचालन।

सूचना अवधि का प्रशिक्षण विवरण इस प्रकार है:

- गेल ने भ्रष्टाचार विरुद्ध नीतियों और प्रक्रियाओं पर अपने कर्मचारियों में से 4.52% को प्रशिक्षित किया जिसमें उच्च स्तर का प्रबंधन शामिल है।
- 178 (46,419 मानव घंटों के समतुल्य) का कौशल प्रबंधन और जीवन पर्यंत सीखने के सत्र सेवा निवृत कर्मचारियों और रोज़गारिता के बेहतर संक्रमण के लिए आयोजित किए गए।
- 8.81% कर्मचारियों को प्रशिक्षण के जरिए मानव अधिकार विषय पर जागरूक किया गया।
- 4.12% ने स्वीकार्यता के ऊपर प्रशिक्षण में उपस्थिति दी।
- स्वीकार्यता पर कई आतंरिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। वर्ष के दौरान पर्यावरण–संबंधित प्रशिक्षण और शिक्षा पर हुआ कुल खर्च आईएनआर 9.56 लाख था।
- प्रति पूर्ण–कालीन कार्मिक (एफटीइ) को औसतन 25.8 घंटे का प्रशिक्षण और विकास दिया गया और औसतन आईएनआर 10,039 प्रति एफटीइ प्रशिक्षण और विकास पर खर्च हुए।
- प्रशिक्षण पर कुल व्यय– ₹ 4.7 करोड़

प्रशिक्षण घंटे

औसत काम के घंटे प्रशिक्षण के प्रति वर्ष प्रति कार्मिक	वित्तीय वर्ष 2021–22
प्रबंधन–पुरुष	27.91
प्रबंधन–महिला	28.25
गैर–प्रबंधन–पुरुष	17.22
गैर–प्रबंधन –महिला	12.33
स्थायी कर्मचारियों का कुल	25.8

टीइआरई स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज महाविद्यालय के छात्रों के औद्योगिक भ्रमण का स्नैपशॉट जिसे गेल छायसा कंप्रेसर स्टेशन ने आयोजित किया

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 404-1, GRI 404-2, GRI 412-2

11.5.2 प्रोद्योगिकी का लाभ उठाना

ई–लर्निंग प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस) गेल में कर्मचारियों को तेल और गैस क्षेत्र में हुए नवीनतम विकास के बारे में अवगत कराने में मदद करता है। एलएमएस गेल में सीखने की पहुँच को और लचीलेपन को विस्तार देने के उद्देश्य से क्रियान्वित किया गया। यह प्रबंधन टूल के रूप में भी प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रम और क्रियान्वयन में इस्तेमाल किया जाता है। इस पूरी प्रक्रिया में गैर भेदभाव के आदर्शों को माना जाता है।

सिखाने की चीज़ों को प्रस्तुति, एनीमेशन, ऑडियो–विजुअल्स और अन्य पारस्परिक ई–लर्निंग अनुभवों के रूप में प्रेषित किया जाता है। एलएमएस ई–लर्निंग की एक विशाल लायब्रेरी से सुसज्जित रहता है जो गेल के व्यवसाय के लिए अति महत्वपूर्ण विषयों और मसलों के लिए होते हैं जिनमें अन्य दूसरों के बीच एएसएमइ/ एपीआई मानकों, ओएसआईडी मानकों, पीएनजीआरबी नियमों, एसओपीस शामिल होते हैं।

11.5.3 प्रशिक्षण रणनीति

वर्ष 2021–22 में 6 कार्यक्रम आयोजित किए गए जो क्षमता निर्माण संग गेल की 2030 की रणनीति से सम्बंधित थे, जिसमें 156 प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

2011 में "सारथी", एक सर्वोत्त्कृष्ट कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जो नए प्रबंधक प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण को लेकर सोचा गया था। कौशल प्रबंधन और जीवन पर्यंत सीखने के कार्यक्रम समूहों में प्रबंधन प्रशिक्षुओं के लिए आयोजित किए जाते हैं और वर्ष 2021–22 में 178 कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

11.6 निष्पादन प्रबंधन

गेल द्वारा निष्पादन प्रबंधन प्रक्रियाओं का क्रियान्वयन किया गया ना सिर्फ़ प्रतिक्रया और मूल्यांकन के माध्यम के रूप में बल्कि एक सकारात्मक दृष्टिकोण से कि किस तरह यह अंतिम तौर पर कर्मचारियों को अवसरों के लिए निर्देशन दे सकता है जिससे वे अपने निष्पादन में सुधार कर सकें, अपने प्रयासों को लेकर पहचान बना सकें और अपनी उपलब्धियों के लिए सम्मानित हो सकें। इससे निदेशकों एवं टीमों के मध्य बातचीत का एक सकारात्मक माहौल बनता है। गेल के पास मानक प्रणालियों कि व्यवस्था है जो कर्मचारियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करती है। हम अपने कर्मचारियों को एक बढ़िया–संरचित और प्रदर्शन से जुड़ा पीएमएस ढांचा प्रदान करते हैं जो व्यावसायिक उद्देश्यों से संलग्न होता है और एक स्पष्ट लक्ष्य स्थापना और लक्ष्य की निगरानी प्रदान करता है। व्यक्तिगत करियर उन्नति के लिए काफ़ी ज़ोर दिया जाता है। 360–डिग्री प्रतिक्रिया गतिविधि के जरिए निरंतर प्रोत्साहन एवं उत्साह का माहौल बनाया जाता है। कार्मिक अपने प्रदर्शन एवं आगे बढ़ने के लिए अपने सहकर्मियों, मालिकों और अपने अधीनस्थों से प्रतिक्रियाएं ले सकते हैं। गेल के सभी कार्मिक प्रति वर्ष निष्पादन पर प्रतिक्रियाएं और मूल्यांकन प्राप्त करते हैं।

GRI 404-3, GRI 404-2

11.7 नेतृत्व एवं उत्तराधिकार योजना

गेल में नेतृत्व के विकास को सदैव महत्वपूर्ण और एक आधारशिला के रूप में देखा गया है जो कर्मचारियों को व्यस्त रखने, प्रोत्साहित करने और भविष्य में और जिम्मेदारियों को लेने के लिए तैयार करता है। नेतृत्व विकास मानव संसाधन से जुडी समस्या और चुनौती का विषय है। जैसे जैसे गेल की उन्नति और विस्तार होता है, विकासशील नेतृत्व जो व्यवसाय को आगे बढ़ा सके यही संगठन की प्राथमिकता होती है। कार्मिक भी अधिक सक्रिय नेतृत्व अपने विभागों और काम में चाहते हैं जिससे वे स्वामित्व और संलग्नता की भावना को महसूस कर सके और यही पसंद संगठन की भी होती है क्योंकि इसके साथ काम के प्रति जवाबदेही भी निर्मित होती है।

बदलते व्यावसायिक परिदृश्य के साथ कम्पनी की रणनीति की दिशा को संगठनात्मक संरचना और सही मानव बल के स्थापन निर्णय के सहयोग की आवश्यकता होती है। यहाँ यह प्रासंगिक है कि परिश्रमी और व्यवस्थित प्रक्रिया जैसे पीएमएस ढांचा, डीपीसी, आदि सही कौशल की पहचान करने के लिए स्थापित किए गए थे जिससे उन्हें घरेलू और विदेशी जगहों पर मुख्य कार्यभार के लिए रखा जा सके।

11.7.1 गेल में उत्तराधिकार की योजना

गेल में उत्तराधिकारी की योजना का ढांचा प्राथमिक रूप से एक प्रबंधन विकास केन्द्रित उपक्रम है। इसका उद्देश्य एक संरचित ढाँचे को सही रखना है जिससे प्रतिभा समूह/ कौशल स्थापित उपलब्धता की गुणवत्ता और संख्या दोनों ही सन्दर्भो में एक क्षमतावान उत्तराधिकारी कम्पनी की व्यावसायिक योजना के अनुरूप मिल सके। पर्याप्त कौशल समूह की त्वरित उपलब्धता कंपनी को अप्रत्याशित रिक्तियों और/ या

व्यावसायिक आवश्यकताओं के मामलों में त्वरित निर्णय लेने में सहायता करेगी। गेल की उत्तराधिकारी योजना का ढांचा वरिष्ठ प्रबंधन कार्यकारी स्तरों में बोर्ड स्तर से तीन स्तरों के पदों पर लागू होता है। ये पद हैं कार्यकारी निदेशक(ई–9 ग्रेड), मुख्य महाप्रबंधक (ई–8 ग्रेड) और महाप्रबंधक (ई–7 ग्रेड)। आने वाली चुनौतियों के लिए हमारी तैयारियों के एक हिस्से के रूप में गेल ने नेतृत्व विकास और करियर योजना के लिए एकीकृत नेतृत्व विकास ढाँचे का ध्यान रखा है।

विकासीय ढाँचे में कई तरह के कौशल विकास व्यवधान शामिल हैं, जैसे:

- **360 डिग्री प्रतिक्रिया अभ्यास:** 360 डिग्री प्रतिक्रिया का उद्देश्य सम्बंधित प्रबंधकों तक उनके समकक्ष अधिकारियों, अधीनस्थों और वरिष्ठों के जरिए उपयुक्त प्रतिक्रया पहुंचाना है।
- **वरिष्ठ प्रबंधन विकास केंद्र (एसएमडीसी) अभ्यास:** एसएमडीसी एक टूल है जो यह सुनिश्चित करता है कि संगठन को बेहतर और अधिक प्रेरक नेतृत्व मिले। ई–5 ग्रेड और इससे ऊपर वरिष्ठ प्रबंधक के लिए एक वरिष्ठ प्रबंधन विकास केंद्र (एसएमडीसी) अभ्यास आयोजित किया जाता है। एसएमडीसी का पालन करते हुए प्रबंधकों को उच्च कोटि के बी–स्कूलों में क्षमता–विशिष्ट पुस्तकों और ई–लर्निंग मोडयुल्स का प्रशिक्षण दिया जाता है। ई–5 और इससे ऊपर पदों की महिला प्रबंधकों ने भी रूचि अनुसार निर्मित प्रबंधन विकास कार्यक्रमों में नेतृत्व पर भागीदारी की। इसके अतिरिक्त, सभी नव पदोन्नत ई7 और ई8 प्रबंधकों को संरचित प्रबंधन विकास कार्यक्रम दिया जाता है।

  गेल अपनी नेतृत्व क्षमताओं के विकास को प्राथमिकता देता है। हम एसएमडीसी अभ्यासों को व्यक्तिगत प्रबंधकों के विकास परिप्रेक्ष्य पर केन्द्रित होने के साथ, नेतृत्व विकास कार्यक्रम के हिस्से के रूप में निरंतर आयोजित करते हैं। ई–5 ग्रेड और इससे ऊपर के लगभग सभी वरिष्ठ प्रबंधकों को इस कार्यक्रम में आज की तारीख़ तक लिया जा चुका है।
- **केन्द्रित विकास कार्यक्रम:** गेल कार्यकारी निदेशक और मुख्य महाप्रबंधक स्तरों पर बोर्ड के पदों के लिए मूल्यांकन निर्माण कार्यक्रमों के जरिए कार्यकारी प्रबंधकों और वरिष्ठ प्रबंधकों को तैयार कर रहा है, जैसे निदेशकों के लिए मास्टर क्लास और बोर्ड रूम की प्रभाविकता, जिसमें गेल बोर्ड निदेशकों ने भागीदारी की थी। उभरते क्षेत्रों में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों जैसे नवीनीकरण और वैकल्पिक ऊर्जा (सौर और वायु ऊर्जा), जल मूल्य श्रृंखला, विशिष्ट रसायन खंड और अन्य आने वाले क्षेत्रों जैसे मोबिलिटी फ्यूचर, उद्योग 4.0 और स्वचालन नियमित रूप से आयोजित होते हैं जो गेल की रणनीति–2030 के उद्देश्यों को पूरा करते हैं, जो वैश्विक व्यवसाय के माहौल और भारत के भविष्य के विकास के गति मार्ग के अनुकूल है।

11.8 श्रम आचरण और मानव अधिकार

गेल काम की स्थिति, काम की जगह, सेहत और सुरक्षा में जीवन की गुणवत्ता से सम्बंधित पहलुओं को प्राथमिकता देता है। हम मूल मानव अधिकारों और नैतिक श्रम मानकों को अपने पूरे कार्यों के दौरान मज़बूत करने को प्रतिबद्ध हैं जिससे हम एक सही सामजिक ज़िम्मेदार संगठन बन सकें जो हमारे मिशन का हिस्सा है। श्रम नीति और प्रथाएं मानव अधिकारों और श्रम प्रथाओं संबंधी मामलों के लिए अंतर्राष्ट्रीय ढांचों से जुड़ी हैं (आईएलओ सम्मलेन शामिल)। मानव अधिकारों से सम्बंधित मुद्दों और प्रभावों पर व्याख्यान देने के लिए एक प्रभारी अधिकारी प्रत्येक इकाई / कार्यालय और स्थापना के लिए नियुक्त किया गया है।

गेल ने समान अवसर नीति के लिए आवश्यक एक मसौदा आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम, 2016 की धारा 21 के अंतर्गत तैयार किया है, जिसे पहले ही सामाजिक न्याय और सशक्तीकरण मंत्रालय को पंजीकरण के लिए भेजा जा चुका है।

गेल बाल श्रम को सख्ती से किसी भी रूप में मना करता है। किसी भी तरह के कामों के लिए जो मानव अधिकारों का उल्लंघन करें उसके लिए पूर्ण असहिष्णुता की नीति है। इस बात को सुनिश्चित करने के लिए कि कुछ कार्मिक और सुरक्षाकर्मी मानव अधिकारों के उल्लंघन के मसलों को लेकर संवेदनशील हैं। यही हमारे कॉन्ट्रैक्टर्स पर भी समान रूप से लागू होता है। इस बात पर सख्ती से अड़े रहना है और सुरक्षा कर्मियों को इस बात का प्रशिक्षण दिया गया है कि वे उम्र से नीचे वाले कामगार को अन्दर ना आने दें। 18–की उम्र वालों के साथ सिर्फ़ यही एक छूट रहेगी कि ये वही

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 404-3, GRI 407-1, GRI 408-1, GRI 409-1, GRI 410-1, GRI 412-2

लड़के होंगे जो सरकार द्वारा मान्य औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों या प्रशिक्षुओं में पंजीकृत हों। इस पूरे सूचना काल वर्ष में जिसका रिकॉर्ड है, इस दौरान कोई भी बाल श्रम, बलपूर्वक श्रम, या मजबूरी वश किए गए श्रम की घटना नहीं हुई।

सीधी भर्ती में अनुसूचित जातियों (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ी जातियों (ओबीसीएस) एवं दिव्यांग (पीडब्ल्यूडी) लोगों के लिए आरक्षण, छूट, सुविधाओं और अन्य लाभ के लिए हम राष्ट्रपति के आदेश और अन्य निर्देशों तथा भारत सरकार के दिशा निर्देशों का पालन करते हैं।

गेल अपने संगठन में बोलने की आज़ादी सुनिश्चित करता है। कई श्रमिक इकाई/ कार्मिक संगठनों का, जब तक वे क़ानून और गेल की आचरण संहिता का पालन करते हैं, गेल सम्मान करता है। गेल 'कार्मिक संगठनों', 'अधिकारी संगठनों' महिला फोरम्स, एससी/एसटी कार्मिक संगठनों अन्य जो संगठनों की स्वतंत्रता को बढ़ावा देते हैं और सामूहिक सहयोग करते हैं, को मान्यता देता है। गेल कार्मिक संगठन (जीईए) एक प्रतिनिधि संस्था जो गैर–प्रबंधकों के लिए जो भारत के विभिन्न क्षेत्रों में पदस्थ होते है का प्रतिनिधित्व करती है जैसे कार्यालयों/संयंत्रों/ स्थापनाओं, निगमित कार्यालय को छोड़कर और गेल कार्मिक संघ (जीकेएस) के, जो कॉर्पोरेट में पदस्थ गैर–प्रबंधकों का प्रतिनिधित्व करती है, दोनों ही प्रबंधन द्वारा मान्य की गई हैं। औद्योगिक सम्बन्ध टीम श्रमिक संबंधी विवादों को संभालने का काम करती हैं। वर्ष 2021–22 में औद्योगिक विवाद या किसी व्यवधान के कारण काम–के दिनों का नुकसान नहीं हुआ।

हम सामूहिक सौदेकारी को अपने संगठन में स्वीकारते हैं। हमारे 18.13% कार्मिक (गैर–प्रबंधक) सामूहिक सौदेकारी अनुबंध के अंतर्गत हैं। संगठन मूल्य के अनुसार हम पारिश्रमिक इक्विटी और गैर–भेदभाव के आदर्श का पालन करते हैं एवं यह पूरी तरह प्रदर्शन और मूल्यांकन पर निर्भर करता है। संवैधानिक सामाजिक सुरक्षा लाभ लागू विधियों के हिसाब से होते हैं। उपरोक्त के अतिरिक्त और भी कई गैर–संवैधानिक सामजिक सुरक्षा लाभ होते हैं।

संगठन के पेंशन लाभ सभी गेल कर्मचारियों को उपलब्ध हैं और सभी क़ानूनी मानकों के अनुरूप होते हैं। गेल इस बात को सुनिश्चित करती है कि उसकी सभी सुविधायें, जो पूरे भारत में फैली हैं, न्यूनतम वेतन नियंत्रण जो 1948 के न्यूनतम वेतन अधिनियम के अनुरूप हों। मूल वेतन न्यूनतम वेतन से कहीं अधिक है जो राज्यों के अनुसार भिन्न होता है। कार्मिक समूहों से नियमित बातचीत, श्रमिक अधिकारियों से तालमेल, औद्योगिक विवादों को सुलझाना, काम के केंद्र स्तर मुद्दों का अभिलेखन और विश्लेषण और संगठनों के साथ लम्बी–अवधि के समझौते, ये सभी इस बात के उदाहरण हैं कि गेल मानव अधिकारों और श्रमिक परम्पराओं के प्रति वचनबद्ध है, जिसमें न्यूनतम वेतन का प्रावधान भी शामिल है।

शिकायत निवारण प्रणाली

यहाँ कर्मचारियों की शिकायतें लेने के लिए एक ऑनलाइन प्रणाली है। पोर्टल तीन परतों वाली संरचना का उपयोग कर यह सुनिश्चित करता है कि शिकायतों का निवारण तुरंत हो और प्रणाली निगरानी में बनी रहे। सम्बंधित मानव संसाधन अधिकारी इन शिकायतों के पंजीयन करने और इनके पंजीकरण से 10 दिनों की समयावधि में हल करने के लिए जवाबदेह होते हैं। निवारण से असंतुष्टि की घटनाओं में, प्रणाली मसले को निगमित मानव संसाधन को भेजने की अनुमति देती है जिसे इसे 15 दिनों कि समयावधि में हल करना होता है। उस स्थिति में जब मामले का कोई हल ना निकल पाया हो, निदेशक (मा.सं.) को एक अपील की जा सकती है जिसका निर्णय बाध्य और अंतिम होगा। निदेशक (मा.सं.) को भी इस अपील को 15 दिनों की समयावधि में सुलझाना होगा।

किसी भी प्रकार की अनुचित श्रम परम्परा नहीं

स्थापित नीतियों और नियंत्रणों के द्वारा किसी भी प्रकार की अनुचित परंपरा को हतोत्साहित और सख्ती से दूर किया जाता है। कर्मचारियों को निमांकित का पालन करना होगाः

- आचरण संहिता
- सीडीए नियम
- स्थायी आदेश
- धोखा निवारण नीति
- मुखबिर नीति
- पीओएसएच नीति

GRI 102-1, GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 102-41, GRI 202-1, GRI 401-2, GRI 402-1, GRI 407-1, GRI 408-1, GRI 409-1, GRI 201-3, GRI 412-2

इस वर्ष 10 कर्मचारियों की शिकायतें पंजीकृत हुई और सभी सफलतापूर्वक सुलझा ली गईं।

नीतियों एवं आचरण संहिता के अलावा यह उम्मीद की जाती है कि कार्मिक उन दिशा निर्देशों का भी पालन करें जो समय समय पर प्रसारित की जा सकती हैं।

गेल प्रशिक्षण संस्थान अपने सभी कर्मचारियों के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करती है जो प्रबंधकों, गैर–प्रबंधकों, साथ ही अनुबंधधारियों के लिए होते हैं। इनका उद्देश्य उन्हें श्रमिक नियमों और मानव अधिकारों के प्रशिक्षित, जागरूक और संवेदनशील बनाना है। मानवाधिकार नीतियाँ नए आने वाले को गेल की वचनबद्धता और प्रक्रियाओं के प्रति संवेदनशील बना देती हैं। इसके साथ ही सभी सुरक्षा कर्मचारियों को सुरक्षा सेवाओं से जुड़े विशिष्ट मानव अधिकारों की प्रक्रियाओं के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाता है।

हम अपने कर्मचारियों को किसी भी प्रकार के उत्पीड़न का शिकार बनने से बचाने के लिए उचित क़दम उठाते हैं, जो हमारे इस वचनबद्धता का हिस्सा है कि हम अपने कर्मचारियों को सुरक्षित कार्यस्थल प्रदान करते हैं जिसे निश्चित करने के लिए एक स्पष्ट नीति पहले से स्थापित है जो कार्य स्थल में किसी ही प्रकार के सेक्सुअल उत्पीड़न पर रोक लगाती है।

यहाँ एक आतंरिक पीओएसएच समिति है जो 2013 के कार्य स्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न (रोकथाम, मनाही और निवारण) अधिनियम के अनुरूप एक वार्षिक रिपोर्ट तैयार करती है, जिसे कम्पनी सेक्रेटरी को भेजा जाता है। यह गेल की कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, मनाही और निवारण की नीति के अनुरूप सभी सन्दर्भों को शामिल करती है। वर्ष 2021–22 में यौन उत्पीड़न की कोई भी शिकायत नहीं थी।

कार्मिक की शिकायतों पर व्याख्यान के लिए समय समय पर कार्मिक संगठनों और प्रबंधन के बीच इकाई और कॉर्पोरेट स्तरों में मीटिंग्स आयोजित की जाती हैं। सूचना में किसी भी बदलाव के लिए हम 1947के अधिनियम की धारा 9ए का पालन करते हैं। ठेकेदारों को भी सभी अनिवार्य संवैधानिक रूप से लागू सामाजिक सुरक्षा लाभ, भविष्य निधि सहित ठेके पर रखे अपने सभी अनुबंध श्रमिकों को देना चाहिए।

'कार्मिक मुआवजा अधिनियम', 1923 या कार्मिक राज्य बीमा अधिनियम (इएसआई), 1948 के अंतर्गत अनुबंधित श्रमिक कवर और लाभान्वित होते हैं और ठेकेदार को नियमित आधार पर मृत्यु/विकलांगता अनुदान के लिए जीवन बीमा पालिसी भी मिलती है; साथ ही अनुबंधित श्रमिकों को व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रशासन (ओएसएचए) के अंतर्गत कवर किया जाता है।

हम इस बात का समर्थन करते हैं कि शालीन रोज़गार एक सामाजिक अधिकार है। हमने पूरा प्रयास किया है कि हम अपने कर्मचारियों को कार्य करने की उचित स्थितियां दे सकें, जिसमे उपयुक्त आवास भी शामिल है। गेल के सभी संचालन के लिए मानव अधिकारों की समीक्षाएं और प्रभाव आकलन नियमित आधार पर आयोजित किया जाता है। इस वित्तीय वर्ष में कोई भी कार्मिक ना तो निकाले गए और ना ही कोई रोज़गार में भेदभाव संबंधी शिकायत डाली गई।

11.9 कार्मिक कल्याण

गेल में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य साथ साथ चलते हैं और हम अपने कर्मचारियों के कल्याण का ध्यान रखते हैं। जब बात हमारे कार्य बल और समुदाय के स्वास्थ्य पर आती है तो कोई समझौता नहीं होता है। कर्मचारियों के शारीरिक और मानसिक कल्याण पर गेल में कोई समझौता नहीं होता है। कम्पनी की लम्बी अवधि की सफलता हमारे स्वस्थ कर्मी के सहयोग से ही संभव है।

वार्षिक व्यावसायिक स्वास्थ्य जांच के अलावा स्थायी और अनुबंधित कर्मचारियों के लिए पूर्ण स्वास्थ्य स्क्रीनिंग कार्यक्रम का प्रावधान है। हमारे आधिकारिक संयुक्त स्वास्थ्य और सुरक्षा समिति प्रबंधन में हमारे पूरे कार्यबल का प्रतिनिधित्व होता है। यह समिति स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति जागरूकता के सत्रों के आयोजन को लेकर काफ़ी गंभीर है। इनके सत्रों में फिटनेस, योग, तनाव प्रबंधन, जीवन शैली प्रबंधन और पोषण सत्र शामिल हैं। खेलों जैसे साइकिलिंग, बैडमिंटन आदि के आयोजन द्वारा स्वस्थ जीवन शैली को भी प्रोत्साहित किया जाता है। कार्य स्थल की सुरक्षा और क्षमता सुनिश्चित करने के लिए हम अपने कर्मचारियों को संचालन में बदलाव की सूचना 15 दिनों पहले दे देते हैं।

हमारी कॉर्पोरेट मेडिकल सेल (सीएमसी) नियमित तौर पर हमारे कर्मचारियों की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग करती है और व्यक्तिगत कार्मिक के स्वास्थ्य का ध्यान भी रखती है। गेल के किसी भी कार्मिक के लिए एक डॉक्टर हमेशा कॉर्पोरेट हेड क्वार्टर्स और संचालन साइट्स पर उपलब्ध रहता है।

अपने कर्मचारियों के लिए हम स्वास्थ्य जागरूकता

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 406-1, GRI 407-1, GRI 402-1 GRI 403-8

कार्यक्रम, जैसे व्यायाम, योग, तनाव प्रबंधन, जीवन शैली प्रबंधन और पोषण सत्रों, और साथ ही कई उत्सवों जैसे स्लो साइकिलिंग, बैडमिंटन और रंगोली प्रतियोगिताओं की मेज़बानी करते हैं। कोविड–19 की रोकथाम और इसके फैलाव को रोकने के लिए, विशिष्ट सावधानियां और विशेष जागरूकता व्याख्यान संयंत्र और कॉलोनियों में देने की योजना है।

'सभी का ध्यान'– महामारी के कारण सामाजिक जुड़ाव में कमज़ोरी एक खतरा बन गई है, गेल एक वीडियो प्रदर्शन के साथ 'परिवारों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस' उत्सव लेकर सामने आया। इस वीडियो में दिखाया गया है कि किस प्रकार लोग एक साथ मिलकर परिवारों की तरह बुजुर्गों को उनके दैनिक जीवन में उनके कामों में मदद कर सकते हैं जैसे किराना लाकर, बच्चों के कल्याण और मानसिक स्वास्थ्य को सुनिश्चित कर सकते हैं और अग्रिम पंक्ति के कर्मियों और सेवा प्रदाताओं को टीकाकरण के लिए प्रेरित कर सकते हैं। यह वीडियो रहवासियों को नई सामान्य आदतें जारी रखने के लिए भी प्रेरित करता है जैसे सफ़ाई, मास्क पहनना और भीड़ में दूरी बनाए रखना। कोविड–19 को उचित सावधानियों के साथ हराया जा सकता है।

स्वच्छता पखवाड़ा

श्री मनोज जैन, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गेल साथ ही दूसरे अधिकारियों ने स्वच्छता पखवाड़े के एक हिस्से के रूप में 'नो टू सिंगल–यूज़ प्लास्टिक' के लिए जागरूकता जगाई; इस दौरान एशियन गेम्स विलेज काम्प्लेक्स में प्रभात फेरी निकाली गई।

स्वच्छ और स्वस्थ जीवन को प्रोत्साहित करने के लिए गेल के लोगों ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ स्वच्छता किट बांटी जिसमें इको–फ्रेंडली बैग्स और मास्क्स शामिल थे।

12

आतंरिक लक्ष्य **95.00** के मुकाबले वर्ष 2021–22 के लिए एचएसई स्कोर **97.18**

सूचना के समय गेल **स्थापना** के दौरान किसी भी **बड़ी घटना** की सूचना नहीं मिली

वर्ष 2021–22 में **32** छुटपुट घटनाओं की सूचना

सभी के लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करना

गेल में हमारे कार्यबल, हिस्सेदारों, पड़ोसी समुदायों और जनता का स्वास्थ्य और सुरक्षा बड़े पैमाने पर हमारी प्राथमिकताओं में से एक है। स्वास्थ्य और सुरक्षा की परम्पराओं का समर्पण से आगे जाकर प्रबंधन एक शानदार संचालन को सुनिश्चित करता है; इस तरह हम अपने सुरक्षा प्रदर्शन में सुधार को लेकर हमेशा प्रयास करते रहते हैं। गेल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण नीति को बनाए रखते हैं इस प्रतिबद्धता के साथ कि स्वास्थ्य और सुरक्षा का वितरण और प्रचार हो, जोखिमों को कम करने और संचालन के स्वास्थ्य और सुरक्षा में सुधार के तरीके ढूंढें जा रहे हैं।

हम संगठन में स्वास्थ्य और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रहे हैं। हर महीने की 10 तारीख को गेल की हर ओ एंड एम साईट पर सुरक्षा दिवस मनाया जाता है। इस दिन, सभी प्रतिष्ठानों के अधिकारी प्रतिष्ठानों के सुरक्षा सम्बन्धी सन्दर्भों की अपनी न्याय सीमा के अंतर्गत समीक्षा करते हैं और आवश्यकता के अनुरूप ज़रूरी सुधार के लिए कदम उठाते हैं। मासिक सुरक्षा दिवस की विशेष रिपोर्ट समय–समय पर समीक्षा के लिए निदेशक(कों) तक जाने से पहले सम्बंधित क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशकों के पास जाती है। ये समीक्षाएं आगे की रणनीति और निर्णयों के लिए इनपुट का काम करती हैं। इसके साथ ही, हम सभी उपयुक्त क़ानूनी और सुरक्षा मानकों का पालन करते हैं।

12.1 निगमित एचएसई नीति

गेल लम्बी अवधि के लिए अपनी छवि निर्माण की कोशिशों में लगा रहता है। इसके लिए वह अपने संयंत्रों, पाइप लाइनों, जिसमें सीजीडी और कर्मचारी शामिल हैं, के व्यावसायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण से कोई समझौता नहीं करता। यह विश्वास हमारे मूल संगठनात्मक मूल्यों में अंतःस्थापित है।

गेल प्रतिबद्ध है

- नवीनतम तकनीकी को अपनाकर सुरक्षा, व्यासायिक स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण में एक नेतृत्व बन कर उभरना।
- डिज़ाइन, निर्माण, संचालन और इसकी सुविधाओं का राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर प्रबंधन जिससे सभी हिस्सेदारों, संयंत्रों, पाइप लाइनों, उपक्रमों और सम्बन्धित वातावरण की उचित सुरक्षा हो सके।
- जहां हम काम करते हैं उस देश में लागू वैधानिक नियमों एवं विनियमों का पालन करना।
- एचएसई संसाधनों को अनुकूलित करना और एचएसई प्रबंधन प्रणाली पर संरचनात्मक प्रशिक्षण देना जिसमें व्यवहार आधारित सुरक्षा (बीबीएस) और सभी प्रतिष्ठानों पर प्रभावी आपातकालीन तैयारी को सुनिश्चित करना शामिल है।
- गेल के कर्मचारियों के अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण के लिए व्यावसायिक सफ़ाई और नियमित चिकित्सा निगरानी और जोख़िम–आधारित निगरानी उपायों को लागू करना।

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 102-44, GRI 103-2, GRI 403-2, GRI 403-3, 403-7, GRI 416-1, GRI 416-2

- एक स्वच्छ और हरित वातावरण के लिए लागू प्रभावी कचरा प्रबंधन का इस्तेमाल जिसमें ई–कचरा और जैविक–चिकित्सीय कचरा शामिल है।
- सभी इच्छुक हिस्सेदारों के साथ एचएसई नीति और एचएसई प्रदर्शन साझा करना।

कुछ विशिष्ट नीति स्तरीय शुरुआती क़दम जो वर्ष 2021–22 में उठाये गए, निम्नानुसार हैं:

- संचालन और प्रबंधन में सुरक्षा के विशेष क्षेत्रों का पता लगाने के लिए नवीनतम/संशोधित पीएनजीआरबी/ ओआईएसडी विनियमों/ मानकों का ध्यान रखते हुए एचएसई अंक प्रणाली में संशोधन करना।
- क्रियान्वयन और सुरक्षा संदर्भों पर समान आंतरिक प्रशिक्षण मोडयूल्स ईडी (ओ एंड एम–निग.) द्वारा विधिवत अनुमोदित किये जा चुके हैं और लागू होने के लिए ओ एंड एम साइट्स पर वितरित किए जा चुके हैं।
- आपातकालीन तैयारी अभ्यास/मॉक ड्रिल के आयोजन के लिए एक समान प्रक्रिया तैयार की गई और सभी साइट्स पर वितरित हो चुकी है।
- बहु–अनुशासनात्मक टीम द्वारा अग्नि और सुरक्षा नीति में संशोधन।
- गेल के शहर गैस वितरण नेटवर्कों और सीएनजी/ एलसीएनजी के रिटेल आउटलेट्स के लिए एचएसइ अंक का कार्यान्वयन।

हम सभी कर्मचारियों को जिनमें संविदाकर्मी भी शामिल हैं सुरक्षित काम करने की आदतें और व्यवहार अपनाने को कहते हैं जिससे संगठन के अन्दर एक सकारात्मक एचएसई संस्कृति का निर्माण हो सके। किसी भी असुरक्षित क्रिया के होने पर, यदि वे रिपोर्ट करना उचित समझते हैं तो उन्हें इसका अधिकार दिया गया है।

हमारी एचएसई नीति का विस्तृत विवरण नीचे दी गई लिंक पर मिल सकता है https://www.gailonline.com/pdf/others/CorporateHSEPolicy.pdf

12.2 एचएसई प्रबंधन प्रणाली

स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (एचएसईएमएस) हमारे एचएसई दर्शन का एक अन्तरंग हिस्सा है। एचएसई प्रबंधन प्रणाली तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय मानकों के अनुरूप "पेट्रोलियम उद्योग में सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली" के लिए तैयार की गई थी। यह एक एकीकृत दृष्टिकोण है जिसका उद्देश्य संयंत्र और सुविधाओं के सभी मानकों को साथ लेते हुए कार्य स्थल की सुरक्षा का प्रबंधन करना है जिससे कर्मचारियों, उपकरणों, सामान और पर्यावरण के नुकसान में कमी लाई जा सके। तदनुसार, गेल के एचएसई प्रबंधन ने 18 तत्वों का समावेश किया है, जो गेल की गतिविधियों पर लागू होते हैं। एचएसई दस्तावेज़ प्रत्येक तत्व के लिए आवश्यकताओं और दिशा निर्देशों का एक सेट प्रदान करता है, जिससे गेल के सभी प्रतिष्ठानों पर इनका कार्यान्वयन हो सके।

नेतृत्व और प्रतिबद्धता, क्रियान्वयन और प्रबन्धन प्रक्रियाओं, कार्य परमिट प्रणालियों, थर्ड पार्टी की सेवाओं, प्रशिक्षण, घटना की सूचना, जांच और विश्लेषण, व्यावसायिक स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन कुछ विषय हैं जो एचएसईएमएस द्वारा कवर किए जाते हैं। हम अपने एचएसई प्रबंधन प्रणाली की प्रभाविकता को सुधारने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। हमारा प्रबंधन हमारी एचएसई नीति और एचएसईएमएस विनियमों का पालन करते हुए, पर्याप्त संसाधनों को प्रदान करने और कुशल कर्मियों को पदस्थ करने के लिए प्रतिबद्ध है।

धारा 41(जी) के अंतर्गत निर्धारित कारखाना अधिनियम, 1948, की वैधानिक आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ–साथ दिन प्रतिदिन की कार्य गतिविधियों के सुरक्षा मानक में सुधार के लिए सुरक्षा समिति(यों) का गठन किया गया है, जिसमें प्रबंधन और गैर–प्रबंधन कर्मी जिसमें ट्रेड–यूनियंस भी शामिल हैं। साईट–स्तरीय सुरक्षा समितियों की ज़िम्मेदारी हमारी क्रियाशील साइट्स की समग्र सुरक्षा पर निगरानी रखने की है। सुरक्षा समितियां तीन महीने में एक बार मिल कर स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रदर्शन से जुड़े मामलों को देखती हैं और उपचारात्मक तथा निवारण कार्यवाई पर निर्णय सुनाती हैं। गेल ने अपने मज़बूत एचएसई ढाँचे के परिणाम स्वरुप, स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रदर्शन में बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

12.2.1 एचएसई स्कोर का गेल में कार्यान्वयन

निरंतर निगरानी और एचएसई प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए एचएसई प्रबंधन प्रणाली और सुरक्षा पालन के सन्दर्भ में साइट्स के प्रदर्शन को समय–समय पर जांचा जाता रहे।

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 403-2, GRI 403-3, GRI 403-4, GRI 403-7, GRI 403-8, GRI 403-1

इसके अंत पर, ओ एंड एम साइट्स के प्रदर्शन को आंकने के लिए हमारे पास "एचएसई स्कोर" प्रणाली है। नेतृत्व और प्रतिबद्धता, कमर्चारियों की भागीदारियां, कार्य परमिट प्रणाली, जोखिम विश्लेषण, नाजुक सुरक्षा उपकरणों/उपकरण का प्रबंधन और निरीक्षण, आपातकालीन तैयारी, अनुपालन विनियमन आदि तत्वों के कार्यान्वयन के लिए यह प्रणाली प्रभावी ढंग से निगरानी का काम करती है। ऊत्पादन में बढ़ोतरी तथा जो भी कारोबारी ई गतिविधियों से जुड़े हैं उनके हौसलों में वृद्धि एचएसई स्कोर प्रणाली की उपयोगिता को प्रतिबिंबित करती है। ये फ़ायदे कार्यस्थल पर होने वाली दुर्घटनाओं, चोटों और बीमारियों में कमी के रूप में झलकते हैं।

गेल की सभी उपयुक्त साइट्स साईट के ओईसी/डब्ल्यू आईसी द्वारा विधिवत अनुमोदित अपने वार्षिक एचएसई योजना का वार्षिक प्रशिक्षण कैलंडर प्रस्तुत करती हैं। वार्षिक योजना के आधार पर अग्नि और सुरक्षा अधिकारी तथा ओ एंड एम अधिकारी अपनी सम्बंधित साइट्स पर कार्यक्रमों को पूरा करते हैं। कुछ सामान्य अभ्यास निम्नानुसार हैं :

- गेल के इंट्रानेट एचएसई स्कोर प्रणाली प्रविष्टि प्रणाली में नामित प्रबंधक द्वारा एचएसई प्रदर्शन की साईट अनुसार प्रविष्टिः प्रविष्टियाँ सम्बंधित ओआईसी / डब्ल्यूआईसी द्वारा एक बार फिर मान्य की जाती हैं।
- एचएसई स्कोर का निगमित एचएसई विभाग द्वारा संकलन और गणना मासिक रूप से की जाती है। एचएसई स्कोर हर साईट के मासिक सुरक्षा दिवस की चर्चा के एक हिस्सा होते हैं और सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाए जाते हैं।
- फंगश्नल निदेशक समय समय पर मासिक सुरक्षा दिवस निरीक्षण और एचएसई प्रदर्शन की अपवाद रिपोर्ट की समीक्षा करते रहते हैं।
- निगमित एचएसई अधिकारी उन साइट्स का उनके एचएसई प्रदर्शनों का प्रत्यक्ष सत्यापन करते हैं, जिनके सुरक्षा स्कोर काफ़ी ज्यादा होते हैं।

नवीनतम संशोधित पीएनजीआरबी/ओआईसीडी विनियमों/मानकों का ध्यान रखते हुए सुरक्षा के परिचालन और प्रबंधन के मुख्य प्रदर्शन क्षेत्रों का पता 2021–22 में एचएसई स्कोर प्रणाली में संशोधन करके किया गया था।

12.2.2 स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रदर्शन

एचएसई स्कोर प्रणाली के तंत्र द्वारा जिसमें लीडिंग और लैगिंग संकेतक शामिल रहते हैं गेल के परिचालन और प्रबंधन प्रतिष्ठानों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन प्रदर्शन का आकलन किया जाता है।

- गेल ने वर्ष 2021–22 में अपने आतंरिक लक्ष्य 95.00 के मुकाबले एक औसत "एचएसई स्कोर" 97.18 प्राप्त किया।
- पीएनआरबी, ओआईएसडी और एमओपीएनजी के घटना वर्गीकरण के अनुरूप, सूचना अवधि के दौरान गेल के प्रतिष्ठानों में किसी प्रकार की बड़ी घटना दर्ज नहीं की गई।
- वर्ष के दौरान 32 छोटी घटनाएं दर्ज हुईं। मूल कारणों तथा कम करने के उपायों का पता लगाने के लिए इन सभी घटनाओं की जाँच बहु–अनुशासनात्मक समिति द्वारा की गई, जिससे ऐसी घटनाएं दोबारा ना हों।

छोटी घटनाएं (संख्या में)

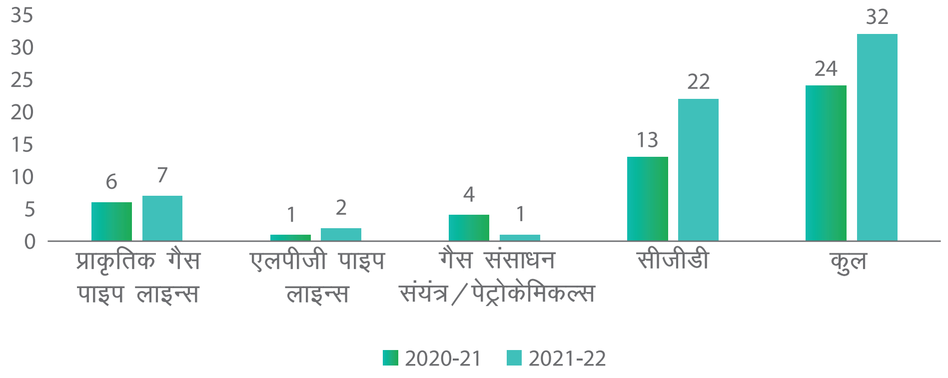

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 403-1, GRI 403-2, GRI 403-3, GRI 403-4

12.3 परिवहन सुरक्षा

हम प्राकृतिक गैस और लिक्विफाईड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के कारोबार में क्रॉस–कंट्री पाइप लाइन प्रणाली के जरिये हैं, जो परिवहन का सबसे सुरक्षात्मक तरीका है। इसके अतिरिक्त, तेल मार्केटिंग कम्पनियां जैसे एलओसीएल, बीपीसीएल, एचपीसीएल और गेल एलपीजी, प्रोपेन, पैंटेन और प्रोपाइलिन जैसे हाइड्रोकार्बस को सड़क परिवहन के द्वारा ले जाती हैं। सख्त़ वर्गीकरण, परिवहन सुरक्षा मूल्यांकन हमें संभावित आपदाओं, जोख़िमों, चोटों या किसी भी प्रकार के नुकसान से जो परिवहन और गैस वितरण के दौरान हो सकते हैं, को भांपने की अनुमति देता है। सामान्य कार्यान्वयन प्रक्रियाएं और विधियों का पालन वाजिब तरीकों से ख़तरों को कम/दूर करने के लिए किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, हम आपात स्थितियों में भाग लेने के साथ ही ज्वलनशील हाइड्रो कार्बन उत्पादों की पुनर्प्राप्ति में भी सहयोग/ सहायता प्रदान करते हैं, जो गेल के आस पास आपूर्ति संयंत्र(त्रों) में हुई पारागमन दुर्घटनायें जो गेल के अग्नि और सुरक्षा विभाग द्वारा प्रतिपादित होती हैं।

क्रॉस कंट्री पाइप लाइनों के लिए परिवहन सुरक्षा

- प्रति वर्ष होने वाले व्यक्तिगत जोख़िम (आईआरपीए) का पता करने के लिए क्रॉस कंट्री जोख़िम मूल्यांकन किया जाता है और जोख़िम को कम करने के लिए न्यूनीकरण क़दम उठाये जाते हैं।
- गेल एफ़एम रेडियो जिंगल्स द्वारा समुदाय के बीच पाइप लाइनों की सुरक्षा के लिए जागरूकता फैलाता है। पाइप लाइनों के आस पास रहने वालों के लिए सुरक्षा जागरूकता अभियान नियमित रूप से चलाए जाते हैं, जो उन्हें आरओयू क्षेत्र, नुकसान के संभावित नतीजों, रिसाव की सूचना के लिए कम्पनी से संपर्क की जानकारी और खाली कराने से पूर्व जानकारी देना आदि के बारे में सूचित करते हैं।
- क्रॉस कंट्री पाइप लाइनों के आस पास वाले गाँवों में पाइप लाइन की सुरक्षा को लेकर नुक्कड़ नाटक आयोजित किए जाते हैं।
- किसी भी आपातस्थिति के दौरान तेज़ी से संवाद के लिए, ऑल इंडिया टोल फ्री शॉर्ट की नंबर 15101, वर्तमान 1800118430 के अलावा शुरू किया गया है।
- आपात प्रबंधन के लिए नोएडा स्थित राष्ट्रीय गैस प्रबंधन प्रणाली हमारा नोडल केंद्र है।
- यदि कोई अतिक्रमण/संदिग्ध गतिविधियाँ हो रही हैं तो उनकी पहचान के लिए दैनिक पैदल गश्त आबादी/शहरी केन्द्रों और मासिक पैदल गश्त दूसरी जगहों पर की जाती है।
- संगठन के आस पास पैदल गश्त के लिए जीपीएस आधारित ऑनलाइन ट्रैकिंग का कार्यान्वयन।
- पीएनजीआरबी (प्राकृतिक गैस पाइप लाइनों के लिए समग्र प्रबंधन प्रणाली) विनियम 2012 के अनुरुप सम्पूर्ण क्रॉस कंट्री पाइप लाइनों के लिए समग्र प्रबंधन प्रणाली का पालन किया जाता है।

12.3.1 सड़क परिवहन सुरक्षा

आरटीओ–पीईएसओ की आवश्यकताओं और दृश्य निरीक्षण के अनुरूप उचित दस्तावेज़ों के सत्यापन के बाद ही ट्रकों को संयंत्र के अन्दर लदान की अनुमति दी जाती है। सड़क परिवहन सुरक्षा के कुछ महत्वपूर्ण उपाय नीचे दिए गए हैं:

- लदान से पहले सुरक्षा मानकों की समीक्षा के द्वारा हाइड्रोकार्बन टैंकर्स के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन आधारित "ख़तरनाक माल प्राधिकरण"
- नियमित कर्मचारियों द्वारा हाइड्रो कार्बन ट्रक टैंकर्स की शारीरिक जाँच
- हाइड्रोकार्बन उत्पाद के लदान से जुड़े कर्मियों को परिचालन से जुड़े ख़तरों और कम करने के उपायों से जागरूक कराने हेतु समय समय पर क्षमता निर्माण सत्र
- ट्रक खाड़ी पर रहने की सूचना दे तो उचित प्रवाह की जांच
- इस बात को सुनिश्चित करना कि ट्रकों में कोई नुकीली सामग्री ना हो जो बैग्स को नुकसान पहुंचाए
- नियमित अंतराल पर एलएचसी ट्रक टैंकर और ट्रक चालक को सड़क सुरक्षा/व्यक्तिगत सफ़ाई प्रशिक्षण

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 403-1, GRI 403-2, GRI 403-3

- सभी हाइड्रो कार्बन चालकों को आपात प्रबंधन और प्रसार की जानकारी के लिए परिवहन इमरजेंसी कार्ड (टीआरईएम) प्रदान किए गए
- चालकों को संयंत्र के अन्दर और बाहर के क्षेत्रों में सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के लिए निजी रूप से निर्देशन दिए

12.4 एसएपी–आधारित पर्यावरण, स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन (ईएचएसएम)

एसएपी–आधारित पर्यावरण, स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन (ईएचएसएम) का कार्यान्वयन किया गया जिसमें बहु क्रियात्मकता जैसे घटना प्रबंधन प्रणाली (सुरक्षा निरीक्षण, रिकॉर्डिंग कभी नहीं भूली जाती और घटना/ दुर्घटना), जोखिम का मूल्यांकन और नौकरी सुरक्षा का विश्लेषण, बदलाव का प्रबंधन और सुरक्षा अंकेषण/गतिविधि निगरानी

ईएचएसएम एसएपी के प्रभावों और लाभों में निम्नांकित शामिल हैं:

- घटना प्रबंधन, नौकरी सुरक्षा विश्लेषण, जोखिम मूल्यांकन और बदलाव के प्रबंधन के लिए समान प्रक्रियाओं की स्थापना
- अनुपालन पद्धति में बदलाव लाने के लिए निष्पक्षता और जवाबदेही में कार्य प्रवाह के प्रवेश द्वारा सुधार
- एक ही पोर्टल के जरिये संस्थानों/वैधानिक निकायों ख़ास तौर पर जैसे पीएनजीआरबी, ओईएसडी, पीईएसओ, फैक्ट्री निदेशालय और गेल के लिए घटना रिपोर्टों को तैयार करना
- गेल में नौकरी सुरक्षा विश्लेषण को लिंक करके कार्य परमिट प्रणाली को मज़बूत करना
- उपभोक्ता–सुलभ डैशबोर्ड को ओआईसी/ डब्ल्यूआईसी एसे समन्वयकों के लिए प्रयुक्त करवा कर निगरानी/

हमारे पास एक ऑनलाइन प्रणाली है जो सुरक्षा निरीक्षण को सूचित करने के लिए(असुरक्षा अधिनियम/स्थिति) सभी कर्मचारियों की पहुँच में रहती है जिसमें संविदा कर्मचारी भी शामिल हैं और ऑफ लाइन शिकायतें लेने के बजाए एक विकसित इंटरैक्टिव फॉर्म का इस्तेमाल करती है जिससे पोर्टल में ज़रा भी चूक नहीं होती। संविदा कर्मचारी ऐसी घटनाओं के बारे में अपने गेल परिवेक्षकों को सुधार करने के लिए सूचित कर सकते हैं।

वित्तीय वर्ष	सूचित किए गए सुरक्षा निरीक्षण की संख्या	संख्या बंद	संख्या प्रगति–में
2021-22	4182	3723	459
2020-21	5460	5026	434

12.5 सुरक्षा अंकेक्षण

एचएसई प्रबंधन प्रणाली दिशा निर्देशन और आपात तैयारी की योजना और प्रणाली के बढ़िया प्रदर्शन को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा अंकेक्षण नियमित आधार पर किए जाते हैं।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय आचार संहिता को ध्यान में रखते हुए जिसमें एएसएमई, एपीआई, ओईएस डी, पीएनजीआरबी, पीईएसओ, एनएफपीए जैसे मानक शामिल हैं डिज़ाइन, निर्माण, परिचालन और गेल के प्रतिष्ठानों का प्रबंधन किया जाता है। केंद्र एवं राज्य के विनियमों के अनुसार सुविधाओं का अंकेक्षण भी साथ ही किया जाता है जिससे कई एचएसई संदर्भों की अनुकूलता को सुनिश्चित किया जा सके।

पीएनजीआरबी और अन्य विनियमों, ओआईएसडी मानकों, प्रबंधन प्रशासन आदि के अनुरूप सुधार के क्षेत्रों का पता लगाने के लिए आंतरिक अंकेक्षण (अग्रिम अंकेक्षण और आंतरिक अंकेक्षण–सीओ) आंतरिक टीम द्वारा वर्ष में कम से कम एक बार किया जाता है। साथ ही, गेल की व्यावसायिक स्वास्थ्य दिशा निर्देशिका और पर्यावरण प्रबंधन की अनुकूलता को सुनश्चित करने के लिए एक आतंरिक अंकेक्षण व्यावसायिक स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन पर भी नमूने के आधार पर किया जाता है।

आतंरिक अंकेक्षण के अतिरिक्त, निर्माता के साथ वर्ष में एक बार प्रमुख प्रतिष्ठानों का बाहरी सुरक्षा अंकेक्षण ख़तरनाक रसायन का भंडारण–आयात नियमों 1989 के अनुरूप किया जाता है। गेल, एलपीजी भंडारण और सम्भालने की सुविधाओं, एनजी/एलपीजी पाइप लाइनों और सीजीडी नेटवर्क का तकनीकी और सुरक्षा अंकेक्षण एक थर्ड पार्टी एजेंसी द्वारा सुनिश्चित किया जाता है। ओआईएसडी, एमओपीएनजी की एक तकनीकी विंग, भारत सरकार, भी 3 से 4 वर्षों में एक बार अलग–अलग ओआईएसडी मानकों और दिशा

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 403-1, GRI 403-2, GRI 403-3

निर्देशन से समानुरूपता जांचने के लिए गैस प्रसंस्करण संयंत्रों, पेट्रो केमिकल्स और एनजी/ एलपीजी पाइप लाइनों का सुरक्षा अंकेक्षण करवाती है।

विभिन अंकेक्षणों के दौरान मिले सुझावों को समयबद्ध अनूरूपता सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन निगरानी प्रणाली में रिकॉर्ड कर लिया जाता है।

12.6 कर्मचारी सुरक्षाः व्यावसायिक स्वास्थ्य, प्रशिक्षण और आपातकालीन तैयारी

गेल ने अपने कर्मचारियों के लिए जिसमें संविदा कर्मचारी भी शामिल हैं स्वास्थ्य और सुरक्षा अभ्यासों का कार्यान्वयन किया है जो प्राथमिक रूप से स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली द्वारा संचालित होते हैं।

व्यावसायिक स्वास्थ्यः कॉर्पोरेट व्यावसायिक स्वास्थ्य समिति व्यावसायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की निगरानी के लिए त्रैमासिक बैठक करती है और इसकी प्रभावशीलता का आकलन आतंरिक बहु–अनुशासनात्मक टीमों द्वारा किये गए व्यावसायिक स्वास्थ्य अंकेक्षण के नतीजों का उपयोग करते हुए किया जाता है। व्यावसायिक दिशा निर्देशिका कई विषयों को समाहित करती है जिसमें साईट विशिष्ट व्यावसायिक स्वास्थ्य ढांचा, व्यावसायिक स्वास्थ्य समितियां, चिकित्सा निगरानी कार्यक्रम, स्वास्थ्य डाटा विश्लेषण और जैविक चिकित्सा अपशिष्ट, तथा अन्य शामिल हैं। कर्मचारियों के स्वास्थ्य का आकलन कर्मचारियों पर की जा रही चिकित्सा निगरानी द्वारा नियमित रूप से किया जाता है जबकि स्थायी कर्मचारियों की व्यावसायिक स्वास्थ्य–जांच उनकी सेहत का पता लगाने के लिए वर्ष में एक बार की जाती है।

हम स्वास्थ्य पर भी नियमित जागरूकता कार्यशाला आयोजित करते हैं। पूर्व निर्धारित मापदंडों पर आधारित कर्मचारी के स्वास्थ्य स्कोर गिने और रिकॉर्ड किए जाते हैं, जिन्हें कार्मिकों को बताया जाता है। हम कार्मिकों को स्वास्थ्य स्कोर सुधारने के तरीकों के बारे में भी बताते हैं। कर्मचारी की सेहत का विश्लेषण और उसमें सुधार करने के लिए हर साईट कर्मचारी स्वास्थ्य स्कोर्स पर आधारित एक संचयी स्वास्थ्य सूचकांक निर्मित करती है।

महामारी जैसी घटना में गेल में चिकित्सा सुविधाएं, टीकाकरण सुविधाएं और सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

कोविड 19 महामारी, जिसे कोरोना वायरस महामारी के नाम से भी जाना जाता है, वैश्विक चिंता का विषय है जिसनें 2019 से अब तक विश्व में कई सामजिक और आर्थिक दरारों को तोड़ के रख दिया। कोविड–19 के दौरान गेल ने प्रमुख कदम उठाए।

- कोविड–19 के मद्देनज़र उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया।
- गेल के सभी कर्मचारियों के लिए एक चेतावनी जारी की गई जिसके दिशा निर्देशन के अनुसार, उनसे मास्क पहनने, सामाजिक दूरी बनाए रखने और बार–बार हाथ धोने आदि को कहा गया।
- प्रत्यक्ष बैठकों को कम करने और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आधारित क्रियाएं
- कोविड–19 पर जागरूकता और प्रशिक्षण दिया गया।
- नोएडा के गेल प्रशिक्षण संस्थान में क्वारंटाइन सुविधा

12.7 गेल में व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा

प्रतिष्ठानों जैसेः पेट्रोकेमिकल्स, गैस प्रसंस्करण संयंत्र, प्राकृतिक गैस कंप्रेसर स्टेशंस और सम्बद्ध पाइप लाइन्स, एलपीजी पम्पिंग स्टेशन और सम्बद्ध पाइपलाइन्स और सीजीडी ये सभी प्राथमिक रूप से अधिभोक्ता और फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा संचालित होते हैं। साईट विशिष्ट एचएसई नीति कॉर्पोरेट एचएसई नीति के अनुपालन के लिए यथावत है।

स्थायी कर्मचारियों के लिए कुछ प्रमुख व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा अभ्यासों को लिया गया हैः

- संविदा श्रमिकों सहित कर्मचारियों के व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा करने के लिए त्रैमासिक सुरक्षा समिति की बैठकें, जिसकी अध्यक्षता अधिभोक्ता/फैक्ट्री प्रबंधक द्वारा की जाती है
- गेल में निगमित व्यावसायिक स्वास्थ्य समिति व्यावसायिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों की निगरानी के लिए त्रैमासिक बैठक करती हैं। इसके अनुसार व्यावसायिक स्वास्थ्य अंकेक्षण के नमूने के जरिये जो आतंरिक बहु–अनुशासनात्मक टीमों द्वारा वर्ष

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 403-1, GRI 403-2, GRI 403-3, GRI 403-6, GRI 403-8

2021–22 में खेड़ा और झाबुआ कंप्रेसर स्टेशन पर लिए गए, व्यावसायिक स्वास्थ्य प्रणाली/सुविधाओं का मूल्यांकन किया गया है।

- विभिन्न सुरक्षा और व्यावसायिक स्वास्थ्य मानकों पर चर्चा के लिए गेल के ओ एंड एम साइट्स पर सुरक्षा समिति की बैठकें आयोजित की गईं जिसमें प्रबंधन और गैर–प्रबन्धन सदस्य शामिल थे।
- वर्ष 2021–22 में गेल के प्रतिष्ठानों में कारखाना अधिनियम 1948 की परिधि के अन्दर, चिकित्सा सेवा विभाग द्वारा गेल के कर्मचारियों की व्यावसायिक स्वास्थ्य जांच, पैथोलॉजिकल परीक्षण के जरिये कोविड–19 के प्रोटोकॉल्स का पालन करते हुए की गई।
- नौकरी से जुड़े ख़तरों और जोख़िमों को पहचान कर और उन्हें कम करने के लिए कार्य सुरक्षा विश्लेषण के माध्यम से कार्य आधारित जोख़िम मूल्यांकन किया गया है।
- सभी कर्मचारियों को अनिवार्य व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण किट (सूती यूनिफार्म, सुरक्षा जूते और हेलमेट) दिए गए। कार्य स्थल पर व्यक्तिगत रक्षक उपकरण मैट्रिक्स प्रदर्शित किया गया है। पर्याप्त संख्या में निर्धारित व्यक्तिगत रक्षक उपकरण उपलब्ध कराये गए हैं और उनका उपयोग सुनिश्चित किया गया है। सभी कार्मिकों को उपकरण दिए गए हैं।
- संविदा श्रमिकों सहित कार्मिकों के सकारात्मक व्यवहार को दृढ़ बनाने के लिए 'अग्रिम व्यवहार आधारित सुरक्षा' लागू की गई है।
- सुरक्षा निगरानी के लिए ऑनलाइन सूचना प्रणाली स्थापित की गई है जो कर्मचारियों को आवश्यक और समयबद्ध क्रिया के लिए असुरक्षा क्रिया/स्थिति की सूचना देगी।
- कर्मचारियों की सेहत का आकलन करने के लिए प्रति वर्ष चिकित्सीय निगरानी।

12.7.1 ठेकेदार सुरक्षा

गेल की स्वास्थ्य और सुरक्षा नीतियों से ठेकेदार बंधे होते हैं। हर ठेकेदार को गेल द्वारा दिए गए स्वास्थ्य तरीके, नियमों और दिशा–निर्देशों का पालन करना होता है। हर ठेकेदार को नए कर्मी के ज्वाइन करने के समय उसका स्वास्थ चेक–अप प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होता है। संविदा कर्मचारियों जैसे कैंटीन कर्मी का व्यावसायिक स्वास्थ्य चेक–उप नियमित रूप से होता है। फर्स्ट ऐड केंद्र सुविधायें प्रदान करते हैं और आउट पेशेंट डिपार्टमेंट (ओपीडी) संविदा कर्मचारियों को इलाज। संविदा कर्मचारियों के लिए दैनिक जीवन में स्वास्थ्य सम्बंधित संवेदनशीलता का संचालन प्रमुख स्वास्थ्य विषयों पर व्याख्यान आयोजित कर किया जाता है।

एचएसई के संरचित सांचे में गेल के कर्मचारी और संविदा कर्मी शामिल रहते हैं। ओ एंड एम प्रतिष्ठानों में आतंरिक सुरक्षा प्रशिक्षण तैयार रहता है, जिसमें प्रशिक्षण अध्याय, जैसे व्यवहार आधारित सुरक्षा आदि रहते हैं, जो कर्मचारियों और संविदा कर्मियों को उनके कौशल, ज्ञान और क्षमता के स्तर को ऊंचा ले जाने के लिए और उनके एचएसई कार्यों को विकसित करने तथा एक प्रभावी सुरक्षा परंपरा को असरकारक बनाने के लिए दिए जाते हैं।

- नौकरी पर तैनाती से पहले सुरक्षा प्रशिक्षण/जागरूकता कार्यक्रम।
- कार्य परमिट प्रणाली का पालन किया जाता है और काम शुरू होने से पहले सभी श्रमिकों को सुरक्षा या टूल बॉक्स की जानकारी प्रदान की जाती है।
- साइट पर व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (सूती कपड़े, सुरक्षा जूते और हेलमेट) का उपयोग अनिवार्य रूप से किया जाता है।
- व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) मैट्रिक्स को विशेष कार्य के लिए उपयुक्त पीपीई के उपयोग के मार्गदर्शन के लिए रखा गया है।
- नौकरी–विशिष्ट व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) सभी को उपलब्ध कराया जाता है और इसके उपयोग को सख़्ती से सुनिश्चित किया जाता है।
- तैनाती से पहले ऊंचाई पर काम करने और कंटेनर में प्रवेश जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए श्रमिकों का स्वास्थ्य मूल्यांकन सुनिश्चित किया जाता है।
- संविदा कर्मचारियों को सुरक्षा के कई आयामों पर प्रशिक्षण देना जिसमें शामिल हैं फर्स्ट ऐड, फायर फाइटिंग पीपीई का उपयोग, कार्यस्थल के ख़तरे आदि।
- व्यवहार आधारित सुरक्षा (बीबीएस) गेल के सभी

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 403-1, GRI 403-2, GRI 403-3, GRI 403-6, GRI 403-8

प्रतिष्ठानों पर कार्यान्वित की जाती है सुरक्षित कार्य संस्कृति को विकसित करने, सभी कर्मचारियों को सशक्त और सक्षम बनाने, जिसमें संविदा कर्मचारी शामिल हैं, किसी भी असुरक्षित स्थिति/असुरक्षा क्रिया की सूचना कार्य स्थल की सुरक्षा को मज़बूत बनाने के लिए।

- मानक संचालन प्रक्रियाएं चलती रहती हैं। आवश्यक सुरक्षा सूचना, डाटा शीट्स, एसओपी आदि विशेष रूप से प्रदर्शित किए जाते हैं।
- प्रबंधन के दौरान संयंत्र के अन्दर परिसर में गैर–चिंगारी वाले उपकरण काम में लिए जाते हैं।
- श्रमिकों को विभिन्न तरीकों जैसे सुरक्षा सुझावों, सुरक्षा सप्ताह और पर्यावरण दिवस आदि में भाग लेने के लिए एक मंच प्रदान कर उनसे उनके सुझावों और प्रतिक्रियाओं को रखने के लिए प्रेरित किया जाता है जिससे एचएसई प्रबंधन प्रणाली में निरंतर सुधार होता रहे।
- हाइड्रोकार्बस और गैसों की सांद्रता का मूल्यांकन, प्रदीप्ति, शोर, पर्यावरण गुणवत्ता आदि सहित कार्य स्थल की नियमित निगरानी और यदि स्तर ऊपर जाता दिखाई दे तो नीचा करने की सिफ़ारिश, सलाह।

12.7.2 वर्ष 2021–22 में स्वास्थ्य और सुरक्षा पहल

हमने 51वां राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह 4–10 मार्च 2022 तक मनाया। माननीय अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक ने कर्मचारियों को सुरक्षा की शपथ दिलाई और राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस 2022 पर प्रभारी अधिकारी को संबोधित किया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक (बीडी) और निदेशक (परियोजना) ने भी सभी कर्मचारियों के सामने सुरक्षा के महत्व के विषय में अपने विचार प्रस्तुत किए। वित्त वर्ष 2021–22 की प्रमुख झलकियों में शामिल हैं:

- क्रियाशीलता और सुरक्षा पहलुओं पर समान आंतरिक प्रशिक्षण मॉड्यूल्स ईडी (ओ–एमसीओ) द्वारा विधिवत अनुमोदित किए गए थे और कार्यान्वयन के लिए ओ एंड एम साइट्स को परिसंचालित किया गया था।
- आपातकालीन तैयारी के लिए अभ्यास/मॉक ड्रिल आयोजित करने हेतु एक समान प्रक्रिया तैयार की गई और सभी साइट्स पर परिसंचालित की गई।
- अग्नि और सुरक्षा नीति में संशोधन
- गेल के शहर गैस वितरण नेटवर्कों और सीएनजी/एलसीएनजी के रिटेल आउटलेट्स के लिए एचएसई स्कोर लागू किया गया।
- एचएसई आयामों की समीक्षा के लिए फंग्शनल निदेशक(कों) की अध्यक्षता में 8 एचएसई समीक्षा बैठकों का आयोजन किया गया।
- वरिष्ठ स्तर की समिति कार्यकारी निदेशक (ओ एंड एम) की अध्यक्षता में एमबी लाल समिति की सिफ़ारिशों के अनुपालन की जांच करने पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स, पाता और जीपीयू विजयपुर, गांधार और वाघोडिया के दौरे पर गई।
- बाहर की एजेंसी एम/एस ब्यूरो वेरिटास द्वारा गेल विजयपुर (गेल कर्मचारी, अनुबंध कर्मचारी, सीआईएसएफ और अनुबंध सुरक्षा) का सुरक्षा जागरूकता सर्वेक्षण किया गया।
- व्यावसायिक स्वास्थ्य दिशा–निर्देशन के कार्यान्वयन की प्रभावित और इस पर चर्चा/समीक्षा करने के लिए कुल मिलाकर चार निगमित व्यावसायिक स्वास्थ्य समितियों की बैठकें आयोजित हुईं।
- निगमित एचएसई अधिकारियों ने ओ एंड एम साइट्स पर प्रत्यक्ष नौ अंकेक्षण अनुपालन जांच अंकेक्षण अनुमोदन के साथ अनुपालन के सत्यापन के लिए किए।
- सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए, गेल ने वार्षिक सुरक्षा प्लानर का पालन करते हुए निरीक्षण वर्ष 2021–22 में 50 क्रॉस–यूनिट आभासी अंकेक्षण/सुरक्षा अंकेक्षण और आयोजित किए।
- 20वां सुरक्षा जागरूकता सप्ताह सफलतापूर्वक संगठित और आयोजित किया गया, गेल की 42 जगहों पर कर्मचारियों, उनके परिवारों और संविदा कर्मियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।
- विद्युत नियमों और विनियमों के साथ सुरक्षा अनुपालन सुनिश्चित करने के दो विद्युत सुरक्षा ऑडिट किए गए।
- सुरक्षा संवेदीकरण पहल के जरिये गेल साइट्स पर 1089 कर्मचारियों, 301 परिवार के सदस्यों और 2512 संविदा श्रमिकों को संवेदनशील बनाया गया।

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 403-2, GRI 403-3, GRI 403-6, GRI 403-8

12.7.3 एचएसई प्रशिक्षण और पहल एफ वाय 2021–22

- गेल प्रशिक्षण संस्थान के सहयोग से 24 आचरण आधारित सुरक्षा और कोविड–19 कार्यशालाएं चलाईं। प्रशिक्षण सत्र को कर्मचारियों की तरफ़ से काफ़ी अच्छी प्रक्रिया मिली।
- घटना प्रबंधन प्रणाली, बदलाव का प्रबंधन, जोखिम मूल्यांकन और सुरक्षा अंकेक्षण पर ईएचएसएम एसए पी अभिज्ञता कार्यक्रम आयोजित किए।
- आपात कालीन प्रतिक्रिया और आपदा पर पीएनजीआरबी विनियमों आपदा प्रबंधन योजना, खुदरा आउटलेट वितरण, एकीकृत प्रबंधन प्रणाली, प्राकृतिक गैस पाइप लाइनों और शहर गैस वितरण नेटवर्कों, गैस प्रसंस्करण और रिफ़ाइनरीज़ आदि के लिए तकनीकी मानकों और स्तरों में विकास/संशोधन के एक हिस्से के रूप में आयोजत उप समितियों की विभन्न बैठकों में गेल के ओ एंड एम और एचएसई प्रबंधकों ने हिस्सा लिया।
- कर्मचारियों के लिए तीन विद्युतीय सुरक्षा वेबिनार्स आयोजित किए गए।
- यंग फायर – सुरक्षा प्रबंधकों को तैयार करने के लिए ज्ञान साझा करने के पांच सत्रों का आयोजन किया गया जिसमें 29 यंग फायर – सुरक्षा प्रबंधकों ने विभिन्न अग्नि सुरक्षा मानकों परअपने तकनीकी पेपर्स प्रस्तुत किए।

12.8 सम्मान और प्रशंसा

- गेल ने निम्नांकित सुरक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार, व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रदर्शन (ओएसएच) में और निम्नांकित श्रेष्ठ ओएसएच उपायों के कार्यान्वयन का इस्तेमाल करते हुए ख़तरों, कार्य क्षेत्र में घटनाओं और चोटों को कम करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता के लिए जीते:
- जीपीयू, वाघोडिया ने ब्रिटिश सुरक्षा परिषद से अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार जीता
- जीपीयू, वाघोड़िया ने ग्रो केयर सेफ्टी अवार्ड 2021 प्राप्त किया और प्लेटिनम का दर्जा हासिल किया
- जीपीयू, वाघोड़िया ने एपेक्स इंडिया फाउंडेशन नई दिल्ली से प्लेटिनम सेफ्टी अवार्ड 2021 प्राप्त किया
- गेल विजयपुर और कैलारस को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, यूपी चैप्टर से प्लेटिनम सुरक्षा पुरस्कार प्राप्त हुआ
- जीपीयू विजयपुर को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद का 2021 'सुरक्षा पुरस्कार' प्राप्त हुआ
- 2021 राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद पुरस्कार 'प्रश्न पत्र' गांधार और वाघोड़िया ने ग्रहण किया

केन्द्रीय क्षेत्र एचएसई सम्मलेन की रिपोर्ट

29.03.2022 को ईडी (ओ एंड एम सीआर) के मार्गदर्शन में केन्द्रीय क्षेत्र के एचएसई मिलन समारोह का आयोजन किया गया था। श्री एस.एस अग्रवाल, ईडी (ओ एंड एम सीआर) ने केंद्र क्षेत्र की इस 5वीं एचएसई बैठक का उद्घाटन किया और उद्घाटन समारोह में डॉ. एम.आई.ज़ेड अंसारी, संयुक्त सीसीई (पीईएसओ), श्री अरविंद शर्मा, उप निदेशक डीआईएस एच सहित गेल के अन्य अधिकारियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति बनाईं।

GRI 403-5

19वीं वार्षिक एचएसई कार्यशाला – सीएमडी ट्रॉफी सम्मान समारोह

श्री मनोज जैन, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री दीपक गुप्ता निदेशक (परियोजना) के साथ गेल प्रशिक्षण संस्थान ने नोएडा में 19वीं वार्षिक एचएसई कार्यशाला का उद्घाटन किया।

अपने उद्घाटन भाषण में, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेश ने इस बात पर ज़ोर दिया कि मौजूदा सुरक्षा स्तर में सुधार करते हुए संगठन में अत्याधुनिक तकनीकों जैसे हाइड्रोजन सम्मिश्रण, संचार और संचालन और आगामी परियोजनाओं के लिए नए सुरक्षा उपायों का एकीकरण किया जाए। उन्होंने यह भी सलाह दी कि आधुनिक अनुरूपण आधारित तकनीकी का एचएसई में अधिक पुरानी संपत्तियों के एकीकरण में लाभ उठाया जाए।

श्री दीपक गुप्ता, निदेशक (परियोजना) ने इस बात पर ज़ोर दिया कि स्वास्थ्य, सुरक्षा – पर्यावरण के सन्दर्भ में गेल की ब्रांड इमेज को मज़बूत किया जाए और किसी भी रिक्तता को ढूंढ कर उसे समय सीमा में समाप्त किया जाए।

13

वर्ष 2021–22 में एमएसईस से कुल **1,478 करोड़** रुपये की प्राप्ति की गई।

विभिन्न कार्य–स्थलों के आसपास **35** विक्रेता विकास कार्यक्रम आयोजित किए।

एससी/एसटी उद्यमियों के स्वामित्व वाली एमएसई वित्त वर्ष 2020–21 में **0.11%** से बढ़कर **1.9%** हो गई।

हमारे आपूर्तिकर्ता

गेल में आपूर्तिकर्ता हमारे एक प्रमुख हिस्सेदार हैं। हमारे प्रमुख और गैर–प्रमुख दोनों प्रचालनों को आवश्यक सामग्रियों, माल और सेवाओं की आपूर्ति कर ये एक केन्द्रीय भूमिका निभाते हैं, जिससे कि कारोबार निरंतर चलता रहे। इसीलिए हमारे आपूर्तिकर्ता हमारे कारोबार प्रचालन के मुख्य स्तंभ होते हैं।

हम अपने आपूर्तिकर्ताओं के साथ काम करने, संवाद करने और दीर्घकालिक साझेदारी निर्मित करने के लिए जागरूक प्रयास करते हैं। यह हमारी मूल्य श्रृंखला में स्पष्ट संवाद और पारदर्शी प्रचालन आवश्यक बना देता है। अपने आपूर्तिकर्ताओं से जुड़ने की हमारी प्रेरण ाा एक दीर्घकालीन आपसी हितकारी सम्बन्ध निर्मित करना है। हमारा लक्ष्य उनकी ज़रूरतों को समझना, उनकी क्षमताओं को आवश्यतानुसार निर्मित करना और उन्हें हमारे गतिशील दृष्टिकोण के साथ जोड़ना है।

13.1 प्रापण की कार्य प्रणाली

गेल में नैतिकतापूर्ण प्रापण हमारे मार्गदर्शी आदर्शों में से एक है, जो कम्पनी को वास्तविक एवं अवास्तविक मुनाफ़ों की ओर ले जाता है। हमारी सोर्सिंग कार्य प्रणालियां बेहतर पारदर्शिता, आपूर्तिकर्ताओं के साथ जुड़ने के अवसर, ब्रांड छवि को मज़बूत करना, अनिश्चितताओं को दूर करना जैसी बातों को सुनिश्चित कर हमारी संभावनाओं को निश्चित करती हैं। निरंतर विकास को सम्मिलित करने एवं आगे बढ़ाने के लिए पर्यावरणीय एंड सामजिक लाभों पर ज़ोर देते हुए इस बात को सुनिश्चित किया जाता है हमारी सभी सोर्सिंग कार्यप्रणालियाँ ज़िम्मेदारी पूर्वक आयोजित हों। सोर्सिंग के स्तर चयन और अनुपालन के प्रबंधन को ध्यान में रख हमारी प्रक्रियाओं का पालन किया जाता है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि हमारे आपूर्तिकर्ता जोख़िम–मुक्त हैं। हम यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारे सभी आपूर्तिकर्ता गेल द्वारा जारी सभी विनियमों और स्तरों का पालन करें। जो हमारी सुविधाओं के प्रचालन को व्यवधान रहित बना देता है। हमारे प्रापण कार्यप्रणाली के बारे में अतिरिक्त जानकारी नीचे दी गई है।

अ.जा/अ.ज.जा. के स्वामित्व वाले मध्यम एवं छोटे उद्यमों से प्रापण को बढ़ाने के लिए गेल अपने श्रेष्ठ प्रयास निम्न तरीके से कर रहा है:

- गेल ने सेवाओं/काम के टेंडर्स के लिए एक विशेष टाई–ब्रेकर कार्य प्रणाली अपनाई है। यदि न्यूनतम बोली (एल–1) के स्थान पर 2 या अधिक स्टार्ट–अप/नॉन–स्टार्ट बोली लगाने वालों के बीच टाई होता है, तो एलओए/आदेश के पारित होने के दौरान प्राथमिकता का निम्नांकित क्रम अपनाया जाएगा:
    - उस स्थिति में यदि बोली लगाने वालों में से कोई एक एमएसई अ.जा/अ.ज.जा. के स्वामित्व वाले उद्यमी की है, तो आदेश उसी बोली लगाने वाले को ही मिलेगा।
    - उस स्थिति में यदि बोली लगाने वाली एमएसई का स्वामित्व किसी महिला का है तो आदेश उसी बोली लगाने वाले को मिलेगा।
    - उस स्थिति में जब बोली लगाने वाला एमएसई है तो आदेश उसी बोली लगाने वाले को

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 308-1, GRI 408-1

मिलेगा। नहीं तो, पिछले वित्तीय वर्ष में जिस बोली लगाने वाले का कारोबार सबसे ज्यादा होगा उसे आदेश दे दिया जाएगा।

- अ.जा/अ.ज.जा. के स्वामित्व वाली एमएसई के लिए गेल नियमित तौर पर विशेष विक्रेता विकास कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। कार्यक्रमों के दौरान, प्रतिभागियों को गेल की ख़रीदी नीतियों के बारे में संक्षिप्त में बताया जाता है और अ.जा/अ.ज.जा. के स्वामित्व वाली एमएसई से प्रापण को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किये जाते हैं।
- अ.जा/अ.ज.जा. उद्यमियों के विकास के लिए मेसर्स एचपीसीएल के सहयोग से एक उद्यमिता विकास परियोजना (ईडीपी) का आयोजन वायेज़ेग में किया गया।
- अ.जा/अ.ज.जा. उद्यमियों के स्वामित्व वाले एमएसई की प्रतिभागिता को हमारे टेंडर्स में बढ़ाने के लिए और ऐसे ही और कारोबारों तक पहुँचने के लिए, देश भर के समाचार पत्रों में हिंदी, अंग्रेज़ी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं जैसे बंगाली, तेलुगु, तमिल आदि में विज्ञापन प्रकाशित किए गए।
- अ.जा/अ.ज.जा. उद्यमियों को विकसित करने के लिए एक उद्यमिता विकास परियोजना (ईडीपी) का आयोजन अ.जा/अ.ज.जा. युवा के लिए जयपुर में 18 से 31जुलाई तक किया गया।

13.2 अनुबंध की सामान्य शर्तें और अनुबंध को आकार देना

हम टेंडर और बिडिंग प्रक्रिया के जरिए अपने आपूर्तिकर्ताओं और विक्रेताओं को चुनते हैं। हितों के टकराव को पहचानना और दूर करना, हमारी प्राप्ति नीतियों के विरूद्ध अन्य उल्लंघन और नैतिक तथा क़ानूनी स्तरों पर जुड़ाव को सुनिश्चित करना इसमें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, अनुबंध की सामान्य शर्तें (जीसीसी) हमारे टेंडर दस्तावेज़ों का अन्तरंग हिस्सा बनती हैं। एक बार अनुबंध मिल जाने पर, सभी विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं को अनिवार्य रूप से जीसीसी की शर्तें माननी होती हैं।

हमारे निरंतरता केन्द्रित मूल्यांकन को मज़बूत करने के लिए हमारे आपूर्तिकर्ता जीसीसी के दिशा निर्देशों का पालन करते हैं और बोली लगाने वालों को इसकी सहमति अपनी बोली में देना पड़ती है। इसमें मानवाधिकार का एक अनुच्छेद शामिल होता है, जो सभी निवेश समझौतों और आपूर्तिकर्ताओं के अनुबंधों के एक हिस्सा होते हैं। साथ ही, हम अपने महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ताओं के लिए कार्यान्वयन और नियंत्रक आवश्यकताओं की निगरानी के लिए एक व्यापक और नियमित स्क्रीनिंग की प्रक्रिया का पालन करते हैं। मूल्यांकन के आधार पर हम अपने आपूर्तिकर्ताओं को निरंतरता की कार्य प्रणालियों को उनके प्रचालन में अपनाने को कहते हैं। हमें यह साझा करने में गर्व महसूस हो रहा है कि सूचना काल में हमारे आपूर्तिकर्ताओं द्वारा कोई भी नकारात्मक सामजिक या पर्यावरणीय प्रभाव निर्मित नहीं किए गए।

गेल में आपूर्तिकर्ताओं और विक्रेताओं की योग्यता प्रक्रियाः

पर्यावरण और सामजिक मानदंड के आधार पर आपूर्तिकर्ताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे आचार–संहिता और अनुपालन के साथ जुड़े रहें। गेल इन दोनों के साथ की निष्ठा पर निगरानी रखता है।

13.3 बाल श्रम के प्रति शून्य सहिष्णुता

बाल श्रम के प्रति एक ज़िम्मेदार संगठन होने के नाते हमारी नीति शून्य सहिष्णुता की है। हम सख्ती से इसका पालन करते हैं और हमारे परिसरों या हमारी आपूर्ति श्रृंखला में बाल श्रम को न समर्थन देते हैं और न ही बढ़ावा देते हैं। सभी सुरक्षाकर्मियों को प्रशिक्षित कर इस बात को सुनिश्चित किया गया है की वे किसी भी अवयस्क को संयंत्र/कार्यालय परिसरों में प्रवेश न करने दें और हमारे ठेकेदारों को भी किसी भी अवयस्क को भाड़े पर लेने की अनुमति नहीं है। अनुबंध दस्तावेज़ों में इसके प्रभाव पर एक उचित अनुच्छेद है। इसके अतिरिक्त, काम शुरू होने से पहले ठेकेदारों को गेल के अधिकारियों से इस बात की पुष्टि के लिए कि वे किसी भी बाल श्रमिक को नहीं ले रहे हैं, श्रम अनुमति लेना पड़ती है। हमारी सभी ईकाईयों में भी, हमारी श्रम नीतियाँ सरकार के इस नियम का पालन करती हैं कि रोज़गार की न्यूनतम आयु 18 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। सरकार द्वारा मान्यता–प्राप्त प्रशिक्षुता कार्यक्रमों और प्रशिक्षुओं को जो इसमें पंजीकृत होते हैं, सिर्फ़ वे ही किसी भी संचालन में 18 वर्ष की आयु सीमा के लिए अपवाद होते हैं।

गेल ने ऐसे किसी भी कार्य के प्रति शून्य–सहिष्णुता की नीति बनाए रखी है जो मानवाधिकार का उल्लंखन करता हो। इस बात को सुनिश्चित करने के लिए कि बाल और श्रम तथा बेगारी को दूर किया जाए और इस तरह का रोज़गार हमारे प्रचालन में कहीं ना हो हमनें इनके लिए भी शून्य– सहिष्णुता की नीति को मंजूर किया है। इस सूचना वर्ष में, बाल या बलात या जबरन

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 308-1, GRI 408-1, GRI 409-1, GRI 414-2, GRI 412-3

श्रम करवाने की कोई भी घटना दर्ज नहीं हुई है। इस बारे में हमने कड़े दिशानिर्देश देकर इसे लागू किया है, इस बात को सुनिश्चित करने के लिए कि हमारे आपूर्तिकर्ता भी शून्य–सहिष्णुता को बनाए रखे हैं।

13.4 विक्रेता शिकायत पोर्टल

गेल में, "विक्रेता शिकायत पोर्टल" के जरिए, हमारे पास हिस्सेदारों की शिकायतों को बताने के लिए एक सुविकसित तंत्र है। विक्रेता अपने अनुबंध से सम्बंधित शिकायतें इसमें लॉग कर सकते हैं। हमारी कॉर्पोरेट वेबसाइट वेंडर ग्रीवेंस पर इस पोर्टल की लिंक उपलब्ध है। (gail.co.in)

इसके साथ ही, गेल में इंटीग्रिटी पैक्ट प्रोग्राम के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए नियुक्त स्वतंत्र बाहरी निरीक्षकों को भी विक्रेता अपनी शिकायतें दर्ज करवा सकते हैं। 1 करोड़ रुपये से ज़्यादा वाले सभी टेंडरों में इंटीग्रिटी पैक्ट को शामिल किया गया है।

आपूर्तिकर्ताओं और ठेकेदारों की प्रतिक्रियाओं को प्रभावी रूप से लेने के लिए हमने विक्रेता प्रतिक्रिया पोर्टल भी आरम्भ किया है।

31.05.2022 को श्री रामेश्वर तेली, माननीय पेट्रोलियम – प्राकृतिक गैस और श्रम सशक्तीकरण राज्य मंत्री, भारत सरकार के दौरे की रिपोर्ट

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस और श्रम सशक्तीकरण राज्य मंत्री, माननीय श्री रामेश्वर तेली ने तेल और गैस के कई प्रतिष्ठानों जैसे ओएनजीसी, गेल आदि के दौरों के लिए अगरतला का दौरा किया। बैठक के दौरान, माननीय एमओएस (पीएनजी एवं श्रम) को गेल की उन्नतिकरण परियोजनाओं के साथ ही त्रिपुरा में गेल के प्राकृतिक गैस पाइप लाइन प्रतिष्ठानों और ओएंडएम गतिविधियों के बारे में अवगत कराया गया। माननीय मंत्री ने उसी दिन उनकी त्रिपुरा सरकार के मुख्यमंत्री के साथ होने वाली बैठक में त्रिपुरा राज्य में तेल – गैस पीएसयू की गतिविधियों की ब्रीफिंग के लिए गेल, ओएनजीसीएल, आईओसीएल – टीएनजीसीएल के प्रतिनिधियों को भाग लेने के लिए सलाह दी।

बैठक में डॉक्टर, मानिक लाल साहा, त्रिपुरा सरकार के मुख्यमंत्री को गेल की ओएंडएम और सीएसआर की गतिविधियों से अवगत कराया। गेल ने एडीएमपीएल पाइप लाइन के विषय में ताज़ा जानकारी दी जिसे 25.05.2022 को अधिकृत किया और सिर्फ एक पाइप लाइन जुड़ने से सिटी में आपूर्ति किए जा रहे गैस दबाव की गुणवत्ता 2–4 केजी/एसक्यू सीएम से सुधर कर 6–24 के जी/एसक्यूसीएम हो गई। मानानीय सीएम ने, 28.06.2022 को त्रिपुरा में होने वाले चुनाव के पहले इस पाइप लाइन के अधिग्रहण और लम्बे समय से रुके अगरतला शहर के आसपास कम दबाव की गैस के मुद्दे को सुलझाने के लिए गेल के किये गए प्रयासों की तारीफ़ की।

बैठक के दौरान, माननीय एमओएस एमओपीएंडएनजी ने अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को सलाह देते हुए उनके दौरे से अवगत कराते हुए, ज़ेरिबम के ज़रिए इम्फाल को जोड़ने वाली आईजीजीएल पाइपलाइन के काम में तेज़ी लाने को कहा और आगे सलाह देते हुए टीएनजीसीएल को त्रिपुरा के सामान्य जन के लाभ के लिए पीएनजी को शीघ्र गोमती जिले से जोड़ने को कहा।

डॉक्टर पी के गोयल, आईएएस, मुख्य सचिव उद्योग त्रिपुरा सरकार के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ बैठक का समापन हुआ।

GRI 408-1

कोल इंडिया लिमिटेड के साथ एलएनजी आपूर्ति की टर्मशीट पर हस्ताक्षर

27 अप्रैल, 2022 को गेल, कोलकाता ज़ोनल कार्यालय ने एमसीएल, लखनपुर के 02 एनओएस 100एमटी खनन डम्पर ट्रकों के दोहरे ईंधन रूपांतरण पायलट परियोजना हेतु एलएनजी आपूर्ति के लिए एलएनजी आपूर्ति टर्म शीट पर कोल इंडिया लिमिटेड के साथ हस्ताक्षर किए। टर्मशीट पर गेल की ओर से श्री असीम प्रसाद (जेडसीजीएम–जेडओआईसी) और कोल इंडिया लिमिटेड की ओर से श्री बी.वी.जे.एम राव ने हस्ताक्षर किए।

14

आत्मनिर्भर भारत के अभियान पर चलते हुए, स्थानीय आपूर्ति–कर्ताओं से **90%** कच्ची सामग्री और माल की निकासी की गई।

जीपीटीसी द्वारा दर्ज ग्राहकों की तकनीकी शिकायतों का **100%** समाधान

जीइएम के जरिए आदेश मूल्य, वित्त वर्ष 2020–21 में **1,033** करोड़ रुपये के मुकाबले वित्त वर्ष 2021–22 में बढ़कर **2,593** करोड़ रुपये हो गया

ज़िम्मेदार आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन

14.1 निरंतर प्रापण

उच्च–गुणवत्ता के उत्पादनों और सेवाओं के वितरण की क्षमता में हमारे आपूर्तिकर्ता एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अपनी निरंतरता के प्रदर्शन और उत्पादों की गुणवत्ता को उच्च बनाए रखने के लिए हम अक्सर अपने आपूर्तिकर्ताओं से जुड़ कर उनकी क्षमता को श्रेष्ठतम तरीके से बढ़ाने के लिए सहयोग करते हैं। हम अपने आपूर्तिकर्ताओं को इस बात के लिए प्रोत्साहित करते हैं कि वे आवश्यकताओं को पूरी करने के प्रति सख्त रहें, ख़ास तौर पर प्रमाणीकरण और प्रबंधन प्रणाली की गुणवत्ता, पर्यावरण प्रभाव एवं स्वास्थ्य और सुरक्षा को व्यवस्थित बनाए रखने में।

सभी बोली लगाने वालों को अनुबंध की सामान्य शर्तों को मानकर सहमति देना आवश्यक है। इसमें इस बात को निश्चत करना शामिल है कि वे समाज पर प्रभाव, पर्यावरण, श्रम तरीकों और मानवाधिकार मानकों की सभी शर्तें मानने को तैयार हैं। अधिक ऊर्जा क्षमता और टिकाऊ उत्पादों की प्राप्ति के लिए, गेल ने निम्नांकित उपाय सुझाएँ हैं:

ईंधन उपयोग के लिए टेंडर्स में कम्प्रेसर्स, टर्बाइन्स या जनरेटर्स इत्यादि की ख़रीदी के लिए पैमानों का निर्धारण।

- टेंडर्स में हरित संकुलन को शामिल करना
- विद्युत् उपकरण की स्टार रेटिंग करना
- सभी नई भवन निर्माण परियोजनाओं में हरित निर्माण संकल्पना का समावेश
- नए माल की आपूर्ति करने वाले आपूर्तिकर्ताओं को पुराना माल जैसे पीसी, लैपटॉप्स, कार्ट्रिजों को अनिवार्य रूप से वापस लेना
- नई बिजली और बिजली के सामान के लिए सिर्फ एलईडी की खरीद करना
- उपभोग के क्षेत्रों में बिजली खपत को कम करने के लिए स्वतः बंद हो जाने वाले विद्युत् उपकरण
- मान्यता प्राप्त आपूर्तिकर्ताओं से ही पुरानी बैटरियों का प्रापण
- विशेषताओं की दृष्टि से सभी नए खरीदे विद्युत् उपकरणों की रेटिंग कम से कम 3–स्टार होनी चाहिए
- घरेलू प्रापण को बढ़ावा देना और घरेलू निकासी को बढ़ावा देना, इस तरह आयात पर हमारी निर्भरता को कम करना

आत्मनिर्भर भारत (सेल्फ रिलायंट इंडिया) के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के कारण, हमारी अधिकतर आवश्यकताएं घरेलू स्तर पर ही पूरी हो जाती हैं। इस वित्त वर्ष में, करीब 95% कच्ची सामग्री और माल घरेलू आपूर्तिकर्ताओं से ही खरीदे गए हैं। घरेलू आपूर्तिकर्ता से यहाँ मतलब भारत के आपूर्तिकर्ताओं से है (सभी राज्यों को समान प्राथमिकता दी जाती है)। आत्म निर्भर भारत की इस यात्रा में गेल ने घरेलू बोली लगाने वालों की भागीदारी बढ़ाने के लिए कई उपाय अपनाएं हैं। इनमें में से कुछ उपाय नीचे दर्शाए गए हैं:

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 204-1, GRI 308-1, GRI 308-2

₹ 200 करोड़ से कम आईसीबी टेंडर्स नहीं

200 करोड़ रुपये से कम के टेंडर्स के लिए (ओईएम/स्वामित्व/आपातकालीन मामलों के सिवाय) अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली (आईसीबी) के आधार पर टेंडर्स नहीं बुलाये जाते हैं। असाधारण मामलों में जहां आईसीबी को 200 करोड़ रुपये तक के टेंडर बुलाने के विशेष कारण होते हैं, आईसीबी टेंडर को काम में लेने के लिए एक व्यापक प्रामाणिकता के साथ सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाता है। सचिव (समन्वय) और कैबिनेट सचिवालय ऊपर लिखित असाधारण मामलों में आईसीबी के आधार पर 200 करोड़ रुपये तक के टेंडर्स के प्रसंस्करण को मंजूरी देने के लिए उपयुक्त अधिकारी होते हैं।

प्रापण वरीयता नीति का कार्यान्वयन

गेल में सर्वोत्तम निरंतरता विधियों का पालन सुनिश्चित करने के लिए हमारी आपूर्ति श्रृंखला में विभिन्न ख़रीद वरीयता नीतियां लागू की गई हैं, जो स्थानीय विक्रेताओं को भी बढ़ावा देती हैं:

क) सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसईस) के लिए सार्वजनिक प्रापण नीति 2021

ख) मेक इन इंडिया (पीपीपी–एमआईआई) को प्रापण वरीयता प्रदान करने की नीति

ग) सार्वजनिक प्रापण नीति के आदेश 2017 आगे (मेक इन इंडिया को वरीयता), घरेलू रूप से निर्मित इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की खरीद को वरीयता प्रदान करने की नीति

घ) सार्वजनिक प्रापण नीति के आदेश 2017 के आगे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र के घरेलू रूप से निर्मित उत्पादों की ख़रीद को (मेक इन इंडिया को वरीयता) वरीयता प्रदान करने की नीति

ङ) सार्वजनिक प्रापण नीति के आदेश 2017 के आगे दूरसंचार से संबंधित घरेलू रूप से निर्मित उत्पादों, सेवाओं या कार्यों को (मेक इन इंडिया वरीयता) वरीयता के लिए नीति

च) घरेलू रूप से निर्मित लौह और इस्पात उत्पादों को वरीयता प्रदान करने की नीति

जी) उस बोली लगाने वाले से प्रापण पर प्रतिबंध जो भारत के साथ भूमि सीमा साझा करता है

गेल ने सूक्ष्म और छोटे उद्यमों के लिए सार्वजनिक प्रापण नीति (एमईसीस) लागू की है। नीति एमएसईस से 25% प्रापण का लक्ष्य रखती है और छोटे लक्ष्य 4% के सीमांत समुदायों के साथ उन एमएस ईस से जिनका स्वामित्व अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों का है और 3% माल प्रापण के लिए महिला उद्यमियों के स्वामित्व वाले। बताई गई नीति के अनुसार, वर्ष 2021–22 के दौरान, आपकी कम्पनी ने एमएसईस से कुल प्रापण के ₹1,478 करोड़ बनाये जो वार्षिक खरीद के कुल योग्य शुल्क का क़रीब 40.06% है जो एमएसईस के करीब ₹3,689 करोड़ के उत्पाद और दी गई सेवाएं हैं (जिसमें अ.जा/अ.ज.जा. एवं महिला उद्यमियों के स्वामित्व वाली एसएमसीस शामिल हैं)। साथ ही, एफ वाय 2021–22 में अ.जा/अ.ज. जा. के स्वामित्व वाली एमएसईस से खरीद 1.09% रही और वार्षिक योग्य शुल्क का हिसाब लगभग 3.01% है। इसके अतिरिक्त, गेल सरकार की उन सभी नीतियों को लागू करता है जो हमारी टिकाऊ सोर्सिंग में योगदान देती हैं, जैसे जो घरेलू लौह और स्टील उत्पादन में, वे नीतियाँ जो घरेलू उत्पादन, सेवाओं या टेलिकॉम से जुड़े कार्यों, घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों (डीएमईपी)– की बाज़ार पहुँच को वरीयता देती हैं। गेल ने एक स्टार्ट–अप नीति भी प्रस्तुत की है जिसमें पंजीकृत स्टार्ट अप्स को तकनीकी बीईसी से मिलने की अनिवार्यता में छूट मिलती है।

सभी बोली लगाने वालों को अनुबंध की हमारी सामान्य शर्तों की स्वीकार्यता को सहमति देनी होती है, जिसमें वे सम्बंधित सभी प्रावधानों से जुड़ने की सहमति देते हैं, जैसे (अ) समाज (ब) पर्यावरण (स) श्रम के तरीके (द) मनावाधिकार पहलुओं पर प्रभाव। इसके साथ ही, अधिकतर आवश्यकताएं घरेलू स्तर पर ही पूरी हो जाती हैं और लगभग 95% माल की घरेलू सोर्सिंग होती है।

वार्षिक प्रापण योजना और भविष्य की ख़रीद योजना की अपलोडिंग

एमएसईस के लिए गेल अपनी टेंडर वेबसाइट पर वार्षिक प्रापण की योजना नियमित रूप से अपलोड करता है। एमएसईस से पिछली तीन सालों के प्रापण का विस्तृत विवरण गेल की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसके साथ ही अगले पांच सालों के लिए भविष्य के प्रापण की योजना गेल वेबसाइट पर अपलोडेड है, इसकी लिंक सभी घरेलू विक्रेताओं के साथ साझा की गई है जिससे उत्पादन में उन्हें मदद मिल सके।

GRI 102-9, GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 204-1, GRI 308-1, GRI 308-2

विदेशी सहयोगी कंपनी के अनुभव पर आधारित भारतीय बोली लगाने वालों की योग्यता

जीओआई के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा और भारतीय बोली लगाने वालों की भागीदारी को मज़बूत करने के लिए गेल ने एक नीति प्रस्तुत की है जो भारतीय बोली लगाने वालों को उनके सहयोगी विदेशी बोली लगाने वालों की योग्यताओं के आधार पर वरीयता देती है।

आयात विकल्प के विकास के लिए आईएनडीईजी समूह की स्थापना

गेल में अपैक्स और साईट स्तरों पर आईनडीईजी समूहों की स्थापना की गई है और समितियों की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। आईएनडीईजी समूह का उद्देश्य देशी स्त्रोत सामग्रियों और सेवाओं को विकसित करना और विकल्पों, संरक्षित सामग्रियों और सेवाओं का आयात करना जिसकी आपूर्ति सिर्फ घरेलू विक्रेता ही कर सकें। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) ने एक तकनीकी समूह की स्थापना एक सम्पूर्ण– मेक इन इंडिया पोर्टल को विकसित करने के लिए की है जिसमें कई कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हैं जैसे ईआईएल, ओएनजीसी, आईओसीएल, जीएआईएल, बीपीसीएल, एचपीसीएल और ओआईएल। गेल सम्पूर्ण मेक इन इंडिया के पोर्टल निर्माण में सक्रिय भागीदारी कर रहा है जिससे भारतीय और विदेशी उत्पादकों को जो भारत तेल और गैस के क्षेत्र में उत्पादन की नींव रखने में रूचि दिखाते हों उनके लिए अवसर निर्मित किए जा सकें।

आपूर्तिकर्ताओं के साथ जुड़ने के लिए की गईं पहल

हमारे विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं के साथ कारोबार को आसान और सुविधापूर्ण बनाने के लिए गेल ने निम्नलिखित क़दम उठाएं हैं:

- लॉक डाउन समय में ठेकेदारों को श्रमिक भुगतान
- ठेकेदारों को शीघ्र भुगतान कर उन्हें नगदी प्रदान करना
- कोविड–19 को एक दैवीय आपदा मानते हुए अनुबंध की अवधि को 3 से 6 महीने तक के लिए बढ़ाना
- चालू और नए अनुबंध में सीपीबीजी को पहले के 10% से घटाकर 3% करना
- सीपीबीजी के प्रस्तुतिकरण के लिए समय सीमा में रियायत

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 308-1, GRI 308-2

सरकार द्वारा और आतंरिक पारदर्शी प्रक्रियाओं, दिशानिर्देशन और नीतियों का पालन करते हुए हम सामग्रियों और सेवाओं की खरीद करते हैं। इन सभी मामलों में टेंडर, पूर्व–टेंडर या पूर्व–बोली में बैठकों का आयोजन कर विक्रेता की भागीदारी एवं बोली लगाने की प्रक्रिया के लिए विक्रेताओं को शिक्षित करने को सुनिश्चित किया जाता है। उपरोक्त के अतिरिक्त विक्रेता बैठकें, एमएसईज़ मीट्स और उद्योग सम्मेलनों में प्रतिनिधित्व कुछ ऐसे क़दम हैं, जो विक्रेताओं के साथ प्रभावी तरीकों से जुड़ने के लिए उठाए गए हैं।

गेल ने एमएसईएस के साथ कई मीट्स आयोजित की हैं जिनमें एससी या एसटी उद्यमियों द्वारा भारत में चलाई जा रहीं भी शामिल हैं। इस वित्तीय वर्ष में वर्ष 2021–22 के अंतर्गत गेल ने 35 विक्रेता विकास कार्यक्रम अपने कई केन्द्रों में आयोजित किए हैं।

गेल में, हम अपने सभी विक्रेताओं/ आपूर्तिकर्ताओं कार्य केन्द्रों में संवाद मीट एवं विकास कार्यक्रमों का आयोजन अपने सभी कार्य केन्द्रों पर करते हैं। हमारे संवाद के दौरान विभिन्न पहलुओं पर बहुत सारी केस स्टडीज़ और प्रस्तुतियां, गेल की नीतियाँ दर्शाई जाती हैं, ख़ास तौर पर जो मेक इन इंडिया के तारतम्य में होती हैं। इसके साथ ही, हमारे संबंधों और आपूर्तिकर्ताओं के विकास को सुनिश्चित करने के लिए हमारे यहाँ विक्रेता कोचिंग कार्यक्रम होते हैं जो टेंडर प्रक्रिया और अनुबंध प्रबंधन को समझने में उत्पन्न रिक्तिता को दूर करने के लिए लक्षित होते हैं।

सलाह की तलाश में और अपनी चिंताओं को प्रदर्शित करने के लिए ईडी सीएवंपी सेल नाम की एक हेल्प डेस्क चालू की गई है, जहाँ अधिकारी टेंडरिंग और अनुबंध की प्रक्रियाओं के दौरान उत्पन्न हुए प्रश्नों और मुद्दों को भेज सकते हैं। प्रश्नों को उचित तरीके से संबोधित किया जाना चाहिए और एफएक्यू के रूप में शामिल किया जाना चाहिये। सूचना की अवधि में, क़रीब 45 प्रश्न ईडी–सी एवं पी सेल को संबोधित किए गए थे।

अन्य स्थायी सोर्सिंग पहलें:

- टेंडर दस्तावेज और कागज़ के उपयोग को कम करने के लिए एक स्तरीय दस्तावेज़, जीसीसी, हमारे डिजिटल पहल और ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस के हिस्से के तौर पर पहले ही से गेल की टेंडर वेब साईट पर उपलब्ध है।
- हरित पैकेजिंग को गेल के टेंडरों में एक प्रावधान के रूप में शामिल किया गया।

14.2 डिजिटल रूपांतरण

डिजिटल इंडिया अभियान के अंतर्गत, एक बढ़ते संगठन के नाते, गेल अपनी अधिकतर सेवाओं को डिजिटल करना चाहता है। डिजिटलीकरण हमारे हिस्सेदारों के बीच पारदर्शिता और विश्वास को बढ़ाता है। पिछले कुछ सालों में हमारे कारोबार के हर क्षेत्र में हमने डिजिटल तकनीक को शामिल किया है, जिससे हमारे हिस्सेदारों के साथ हमारे कार्यान्वयन और मूल्य स्थापित करने में बुनियादी परिवर्तन आया है। नई प्रणालियों और प्रक्रियाओं को व्यवस्थित कर, हम एक नई अर्थ व्यवस्था के निर्माण में सहयोग कर रहे हैं। इस सतत रूपांतरण की प्रक्रिया में हमनें कई ऑनलाइन प्रबंधन उपकरण जोड़े हैं जैसे बिल निगरानी प्रणाली, कैशलेस लेनदेन, फाइल चलन प्रणाली, पेपर लेस लेनदेन, आदि।

गेल की आईटी टीम और दूसरे विभागों के समन्वय के कारण, हम आतंरिक और बाहरी हिस्सेदारों को तुरंत समाधान देने में सक्षम हुए हैं। हमारी ख़रीद में, पारदर्शी, साफ़ सुथरे, प्रतियोगी तरीकों को सुनिश्चित करने के लिए गेल ने ई–टेंडरिंग की शुरुआत की है। इस पहल ने कागज़ की खपत को कम करने और संगठन द्वारा शुरू की गई हरित पहल में सहयोग दिया है। इसके साथ ही सीपीबीजी को जमा करने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए गेल ने इसे ऑनलाइन बैंकिंग के ज़रिये करने का विकल्प दिया है।

अधिकतम टेंडरों को ई–टेंडरिंग के ज़रिये ख़त्म करने के लिए शुल्क सीमा पुराने शुल्क 7 लाख रुपए से घटाकर 2 लाख रुपए कर दी गई है। ईएमडी जमा करने की प्रक्रिया को कारगर बनाने के लिए हमनें इसे ऑनलाइन बैंकिंग के ज़रिये करने का विकल्प दिया है। हमनें हमेशा सभी को समान अवसर देने पर यकीन किया है और साफ़ सुथरी और पारदर्शी प्रक्रिया का लक्ष्य रखा है। जब हम अपनी वेबसाईट पर टेंडर की प्रक्रिया कर रहे हों, तब कोई भी टेंडर जारी करने वाली साईट में जाए बिना बोली लगाने की प्रक्रिया में शामिल हो सकता है। बेहतर पहुँच के लिए हम समान आवश्यकता को समाचार पत्रों में भी प्रकाशित करते हैं। हमें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि वित्त वर्ष 2021–22 में सरकारी ई–मार्केटप्लेस (GeM) के माध्यम से हमारा ऑर्डर मूल्य वित्त वर्ष 2020–21 में रूपये 1,033 करोड़ की तुलना में रूपये 2,593 करोड़ है।

हमारे ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस के एक हिस्से के रूप में, डिजिटल इंडिया की पहल, कागज़ के उपयोग को कम करने और भारी तादाद में रिकाड्र्स को बंद करने के लिए हमारी गेल टेंडर वेब साईट पर एक स्तरीय दस्तावेज़ जीसीसी उपलब्ध है। परियोजनाओं में भारी मात्रा के अनुबंध दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर और प्रतिहस्ताक्षर के लिए गेल ने एक दस्तावेज़ प्रसार प्रणाली के रूप में प्रस्तुत किया है। सभी भारी दस्तावेज़ सम्बंधित गेल अधिकारी द्वारा कागज़ के इस्तेमाल को बचाने के लिए डिजिटल रूप में हस्ताक्षरित किए जाते हैं। यह डिजिटल हस्ताक्षर वाला दस्तावेज़ ठेकेदार को प्रतिहस्ताक्षर के लिए, ऑनलाइन भेजा जाता है।

इसके साथ ही, परियोजनाओं के विभिन्न चरणों में इज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए निम्न लिखित क़दम उठाये गए हैं:

अ. प्रदान पूर्व अवस्था

पूर्व–टेंडर बैठक: इसका उद्देश्य तकनीकी और वित्तीय योग्यता कसौटी, आवश्यकताओं और टेंडर के कार्य विस्तार पर व्यापक सुधार करना है। मूल्याँकन अवस्था के बीच उत्पन्न किसी भी जटिलता को यह दूर करता है। व्यापक वितरण के लिए पूर्व–टेंडर बैठक की विस्तृत जानकारी गेल की वेब साईट पर उपलब्ध है।

टेंडर्स को गेल और सरकार की वेब साईट पर अप लोड करना: सभी टेंडरों को गेल की टेंडर वेब साईट और सरकार की सम्बंधित वेबसाइट और सरकारी ई–मार्केटप्लेस (जीईएम) पर व्यापक प्रचार हेतु अप लोड किया जाता है। कोई भी बोलीदाता जो बोली मूल्यांकन मानदंड (बीईसी) को पूरा करता है, डाउनलोड कर सकता है और भाग ले सकता है। यह सभी पात्र बोलीदाताओं के लिए पारदर्शिता और समान अवसर सुनिश्चित करता है।

गेल की वेबसाइट पर अनुबंध की सामान्य शर्तों को अपलोड करना और निविदा दस्तावेजों में शामिल नहीं करना: निविदाओं की मात्रा और बोलियों के संदर्भ में कागज की खपत को कम करने के लिए उसके आकार को छोटा करना, जीसीसी गेल की निविदा वेबसाइट पर उपलब्ध है।

ई–टेंडरिंग: इस सुरक्षित प्लेटफार्म के ज़रिए टेंडरों को भेजने और लेने का काम इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से किया जाता है। ई–टेंडरिंग का सीमा–मूल्य कम करके 2 लाख रुपये कर दिया गया है।

एसएपी को लागू करना: एसएपी सभी कारोबारी

GRI 103-2, GRI 103-3

गतिविधियों के सभी लेनदेन और समीक्षा को एक मंच से करने की अनुमति देता है।

सभी टेंडर्स के लिए बोली लगाने वालों को आदर्श निर्देश (आईटीबी): गेल के सभी केन्द्रों पर बोली लगाने में समरूपता लाने की सुनिश्चितता और बोली लगाने वालों को उनकी बोली प्रस्तुत करने में सहयोग करना यही उद्देश्य है।

दस्तावेज़ प्रसार तंत्र: यह परियोजनाओं में भारी मात्रा के अनुबंध दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर और प्रतिहस्ताक्षर के लिए है। इसके अतिरिक्त, बोली लगाने वालों के लिए ईएमडी के ज़रिए ऑनलाइन बैंक लेन–देन और सुरक्षा निधि/अनुबंध प्रदर्शन सुरक्षा को आसान बनाना।

ओईएमएस के साथ नियमों और शर्तों के मानकीकरण को लेकर ओईएमस के साथ बैठक: गेल में ओईएम के साथ नियमों और शर्त में एकरूपता लाने के लिए यह ओईएम मामलों की प्रक्रियाओं में लगने वाले उच्चतम समय को भी कम करता है।

दस्तावेज़ प्रसार तंत्र: यह परियोजनाओं में भारी मात्रा के अनुबंध दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर और प्रतिहस्ताक्षर के लिए है।

बोली लगाने वालों के लिए ईएमडी के जरिए ऑनलाइन बैंक लेन–देन और सुरक्षा निधि/अनुबंध प्रदर्शन, सुरक्षा का **प्रस्तुतीकरण**।

विदेशी सहयोगी कम्पनी के अनुभव पर आधारित भारतीय बोली लगाने वालों की योग्यता: मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने और भारतीय बोली लगाने वालों की भागीदारी बढ़ाने के लिए विदेशी सहयोगी कम्पनी के अनुभव पर आधारित भारतीय बोली लगाने वालों को वरीयता एवं योग्यता देने के लिए एक योजना है।

बोली मूल्यांकन से सम्बंधित दस्तावेज़ों का सत्यापन एवं प्रमाणीकरण: जूरी से जुड़ी तीसरी पार्टी एजेंसी द्वारा प्रस्तुत बीईसी दस्तावेज़ों के सत्यापन का प्रावधान।

स्टार्ट–अप्स के लिए रियायतों के मानदंड: माल, कार्यों और सेवाओं की खरीद के लिए सभी स्टार्ट–अप्स को अग्रिम कारोबार और अनुभव के मापदंड से रियायतें दी जाती हैं।

सरकार की नीति पहलों का कार्यान्वयन: गेल सरकार की नीतियों को ठीक उसी तरह लागू कर रही है जैसी होनी चाहिए। इनमें से कुछ नीतियाँ इन सब पैमानों से सम्बंधित होती है जैसेः एमएसईज़ के लिए सार्वजनिक प्रापण नीति, प्रापण वरीयता (घरेलू विषय से जुडीं), घरेलू उत्पादित लौह और स्टील उत्पाद, घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, सेवाओं या टेलिकॉम सम्बंधित काम, घरेलू उत्पादित पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र के उत्पाद और भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले बोली लगाने वालों का पंजीकरण, दूसरों के अलावा।

गवर्नमेंट ई–मार्केट प्लेस के ज़रिए ख़रीद (जीईएम): जीईएम पर उपलब्ध सभी सामानों और सेवाओं का ब्यौरा जीईएम द्वारा रखा जाता है। गेल के सभी सामानों और सेवाओं पर जीईएम पर लाने के प्रयास चल रहे हैं, जो पारदर्शिता और क्षमता को बढ़ावा देता है। जीईएम ने गेल की माल ख़रीद और सेवाओं को संशोधित करते हुए वर्ष 2021–22 में 2,593 करोड़ मूल्य का आदेश शुल्क सरकार के ई–मार्केट प्लेस से हासिल किया है।

ब. प्रदान पश्चात अवस्था

किक ऑफ बैठक: अनुबंध प्राप्ति के बाद ईआईसी ठेकेदार के साथ एक किक ऑफ बैठक का आयोजन करती है। समझौते पर हस्ताक्षर, सीपीएस को जमा करवाना, जमा करवाने की सारिणी, चित्रकारी और दस्तावेज़ों को मान्यता, कार्य सारिणी और छोटे–मील के पत्थर, वे विषय हैं जो किक ऑफ बैठक में शामिल किए जाते हैं।

बिल निगरानी तंत्र: इस तंत्र के जरिए विक्रेताओं के बिलों को ट्रैक करके समय पर उनके भुगतान को सुनिश्चित किया जाता है। विक्रेता भी अपने बिलों का ट्रैक रख कर उनकी प्रगति देख सकते हैं।

कार्य अनुबंधों में सीपीबीजी की समीक्षा एवं सीपीबीजी को जमा करवाने की समय सीमा: प्राथमिक तौर पर कार्य अनुबंधों में सीपीबीजी 5% संशोधित किया गया था और बाक़ी 5% कटौती चालू बिलों से की गई थी। सीपीबीजी को जमा करवाने की समय सीमा सिद्ध कर दी गई है।

पाइप लाइन बिछाने के अनुबंध में लिए गए उपाय: 5% की दो किश्तें अग्रिम तौर पर जुटाई गई हैं। ब्याज की दर को एक वर्ष के लिए एमसीएलआर तक घटा दिया है और घटती बकाया राशि के आधार पर एसबीआई प्लस 2.0% पी.ए. चार्ज करता है। चालू बिलों का 70% भुगतान 7 दिनों के समय के अन्दर कर दिया जाता है। बढ़ी हुई रोक का मुआवजा ठेकेदारों को दिया जाता है।

कारोबार प्राप्य छूट प्रणाली (टीआरइडीएस) पर लेन–देन की कार्य पद्धतिः खरीददारों द्वारा देरी से किए भुगतान के चलते एमएसएमस अपनी कार्य शील

पूंजी के प्रबंधन में जिन चुनौतियों का सामना करता है, टीआरइडीएस ने उस पर व्याख्यान दिया। एमएसएमईस के प्राप्य कारोबार को वित्तीय सहायता देने के लिए टीआरइडीएस एक ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक संस्थागत तंत्र है। तीनों टीआरइडीएस मंचों पर गेल पहले ही से पंजीकृत है।

विक्रेता प्रतिक्रिया पोर्टल: किसी भी संगठन के आगे बढ़ने के लिए, हिस्सेदारों की प्रतिक्रियाएं महत्त्व रखती हैं आपूर्तिकर्ताओं और विक्रेताओं की प्रतिक्रिया को प्रभावी ढंग से लेने के लिए, एक विक्रेता प्रतिक्रिया पोर्टल चालू किया गया है।

विक्रेता शिकायत पोर्टल: आपूर्तिकर्ताओं की शिकायतों को लेने के लिए हमनें 'समाधान' नाम का एक पोर्टल विकसित और शुरू किया है।

अनुबंधों की स्वास्थ्य निगरानी: अनुबंधों के प्रबंधन और निष्पादन को सभी हिस्सेदारों की संतुष्टि के हिसाब से करने के लिए अनुबंधों की मासिक स्वास्थ्य निगरानी को लागू किया गया है। इसमें कई अनुबंध प्रबंधन मानकों को शामिल किया गया है जैसे दावे, उल्लंघन, सुधार, मुद्दे, विवाद आदि। रिपोर्टों को निर्धारित स्वरूप में मासिक तौर पर प्रबंधन के पास जमा किया जाता है।

अनुबंधों के त्रैमासिक समापन: अनुबंधों का प्रबंधन और निष्पादन सभी हिस्सेदारों की संतुष्टि से हो और अनुबंध का समापन आसानी से हो, इसे निश्चित करने के लिए गेल ने अनुबंधों के त्रैमासिक समापन को लागू किया।

पूर्व–विवाद समाधान तंत्र: अनुबंध के प्रबंधन के दौरान, अलग अर्थों, अनुबंध में स्पष्टता ना होने आदि के कारण यदि ठेकेदारों के साथ कोई विवाद पैदा होता है तो उसका हल समाधान तंत्र के जरिए कर दिया जाता है। इससे विवादों के शिकायतों में बदलने या क़ानूनी विवादों में बदलने की संख्या कम हो जाती है।

समझौता सलाहकार समिति (एसएसी): एसएसी के जरिए उचित समय में मुद्दों और विवादों का आपसी समाधान निकाल लिया जाता है। एसएसी में निर्विवाद ईमानदार और जनता में लोकप्रिय मध्यस्थ होते हैं। समझौता सलाहकार समिति विवाद के स्वैच्छिक समाधान की सुविधा देती है और हर पार्टी के विचार को दूसरी तक पहुंचाती है।

संशोधित विवाद समाधान तंत्र अनुच्छेद: गेल ने विवाद समाधान तंत्र की प्रक्रियाओं का सरलीकरण कर दिया है। वह पार्टी जो मध्यस्थता की मांग रखती है उसके पास दो विकल्प होते हैं या तो अस्थायी–मध्यस्थता का विकल्प चुन ले या फिर संस्थागत मध्यस्थता का विकल्प। आपूर्तिकर्ताओं के विक्रेता प्रदर्शन के मूल्यांकन की प्रक्रियाओं की समीक्षा की गई और पहले के लाल कार्ड (छुट्टी) के प्रावधान की जगह पीला कार्ड (वाच लिस्ट) जारी करने के सुझाव को प्रस्तुत किया गया।

अनुबंध प्रबंधन दस्तावेज़ (सीओएमएएनडी): बेहतर अनुबंध निष्पादन करने के लिए सीओएमएएनडी को ईआईसी के लिए जारी किया गया, जिसमें बेहतर अनुबंध प्रबंधन के लिए विभिन्न पहलू और प्रक्रियाएं थीं।

14.3 पुरस्कार और प्रशंसा

अपनी वार्षिक विक्रेता मीट 2022 में टाटा स्टील लिमिटेड–ग्लोबल वायर्स इंडिया ने गेल को "वैल्युएबल पार्टनर इन सस्टेनेबिलिटी" पुरस्कार से सम्मानित किया।

15

वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए गेल का ग्राहक संतुष्टि सूचीकांक **96%** है।

वित्तीय वर्ष 2021–22 में विभिन्न आंचलिक कार्यालयों में पंजीकृत शिकायतों का **100%** संतुष्टि से समाधान किया गया था।

गेल ने अपने **वेंडर अवार्ड्स 2022** में टाटा स्टील द्वारा सस्टेनेबिलिटी में **बहुमूल्य भागीदार** को पुरस्कृत किया।

हमारे ग्राहक

गेल में, हमारा मिशन विभिन्न घरों, उद्योगों और परिवहन क्षेत्र को पर्यावरण के अनुकूल ईंधन से जोड़कर पूरे देश के लोगों के जीवन में सुविधा और आराम को बढाना है। ग्राहकों को सकारात्मक अनुभव प्रदान करना और गुणवत्ता, नवीनता और जवाबदेही के माध्यम से मूल्य बढ़ाना, हमारे बिजनेस की वृद्धि का एक रणनीतिक स्तंभ है। हमारे ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण में ऑनलाइन पंजीकरण, भुगतान, प्राकृतिक गैस के उपभोग को स्वचालित रूप से रिकॉर्ड करने के लिए स्मार्ट मीटर्स और साथ ही उपयोगकर्ता की सुविधा के लिए मोबाइल एप्लीकेशन जैसी पहलें शामिल हैं। शिकायत का समाधान करने के लिए हमारे पास कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट (सीआरएम) सिस्टम, बिक्री के बाद की सेवाएं और साथ ही प्रश्नों का समाधान करने के लिए 24x7 ग्राहक सेवा केंद्र हैं। हम ग्राहक के अनुभव को बेहतर बनाने का प्रयास करते हैं और कस्टमर फीडबैक सर्वे, कस्टमर एंगेजमेंट पहलों और मार्केट रिसर्च के माध्यम से लगातार इसकी निगरानी करते हैं। यह समझ गेल को उत्पादों, सेवाओं और उसके दृष्टिकोण में सुधार करने में सक्षम बनाती है, इस प्रकार ग्राहक संतुष्टि और लंबे समय के संबंध सुनिश्चित करते हैं जो इसके बिजनेस की वृद्धि के आधार के रूप में काम करता है।

15.1 गेल के ग्राहक

हमारे ग्राहक इस प्रकार हैं:

- **प्राकृतिक गैसः** इस सेगमेंट में गेल के सबसे महत्वपूर्ण ग्राहक हैं:
  - **उर्वरक क्षेत्रः** प्राकृतिक गैस का मुख्य उपभोक्ता उर्वरक क्षेत्र है, जिसका गैस के हमारे कुल वितरण में 40% हिस्सा है
  - **बिजली क्षेत्रः** गेल आपूर्ति की जाने वाली कुल गैस की 60% से अधिक गैस की आपूर्ति आधारित पावर प्लांट को करता है
  - **अन्यः** इसमें स्टील, रिफाइनरीज़, स्पंज आयरन, पेट्रोकेमिकल और गेल का आंतरिक उपभोग शामिल है, जो हमारे गैस वितरण का 21% है।
- **प्राकृतिक गैस का परिवहनः** प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का आधारभूत ढांचा देश में विभिन्न बिजली, उर्वरक, सीजीडी और अन्य उद्योगों की मौजूदा/भविष्य की प्राकृतिक गैस की मांग को पूरा करने के लिए गैस के विभिन्न स्रोतों को गैस के विभिन्न बाजारों से जोड़ता है।
- **एलएलडीपीई और एचडीपीईः** गेल पूरे देश में फैल 1,650 से अधिक ग्राहकों को एलएलडीपीई और एचडीपीई की आपूर्ति करता है।
- **तरल(लिक्विड) हाइड्रोकार्बनः** विभिन्न उद्योग जैसे, घरेलू, वाणिज्यिक और ऑटो सेगमेंट लिक्विड हाइड्रोकार्बन बाजार में हमारे कुछ प्रमुख ग्राहकों में से एक हैं।

वर्तमान में, गेल के 405 घरेलू गैस ग्राहक और 309 आरएलएनजी ग्राहक हैं। सेक्टर के अनुसार विभाजन इस प्रकार किया गया है:

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 102-44, GRI 103-2

सेक्टर्स	घरेलू वित्तीय वर्ष 2021–22	घरेलू वित्तीय वर्ष 2021–22	आरएलएनजी वित्तीय वर्ष 2021–22	आरएलएनजी वित्तीय वर्ष 2021–22
उर्वरक	16	15	20	20
पावर	38	34	13	10
सीजीडी	214	172	46	38
अन्य	137	133	230	230
योग	**405**	**354**	**309**	**298**

15.2 ग्राहक की गोपनीयता

क्योंकि लोग ऑनलाइन ज्यादा समय बिताते हैं, इसलिए ग्राहक को गोपनीयता पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है। ग्राहकों की गोपनीयता में डाटा की सुरक्षा, मनचाहे उद्देश्य के लिए जानकारी/डाटा का इस्तेमाल करना, गोपनीयता बनाए रखना और जानकारी की चोरी या दुरुपयोग से बचना जैसे मुद्दे शामिल होते हैं।

हम अपने संग्रहित दस्तावेज़ों, रिकॉर्ड् और जानकारी की पूर्णता और सटीकता को बनाए रखने के अपने कर्तव्य को समझते हैं। बनाई गई, कैप्चर की गई और संग्रहित की गई सभी जानकारी हमारे दस्तावेज़ संरक्षण नीति का अनुपालन करती हैं। इसके अलावा, ग्राहक गोपनीयता गेल के करारों का एक अनिवार्य घटक है। इसमें जानकारी और डाटा को उसके मूल नियत उद्देश्य के लिए इस्तेमाल करना, गोपनीयता बनाए रखना और जानकारी और डाटा के दुरुपयोग या चोरी से बचाना शामिल है। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, ग्राहक की गोपनीयता के उल्लंघन का कोई भी मामला नहीं रिकॉर्ड किया गया था। गेल उस उद्योग के आधार पर ग्राहक की गोपनीयता (अंतिम उपभोक्ता और बिजनेस टू बिजनेस ग्राहक) की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त प्रयास करता है, जिसमें ग्राहक काम करता है:

- **आरएलएनजी:** गैस की आपूर्ति के अनुबंध और गैस की आपूर्ति हेतु क्रय करार में गोपनीयता का खंड शामिल होता है। तदानुसार, खरीदार और विक्रेता दोनों लेन–देन और व्यवसाय के बारे में जानकारी को कानून द्वारा अनुमत उद्देश्यों के लिए उपयोग करने को छोड़कर गोपनीय रखने के लिए बाध्य होते हैं।
- **घरेलू गैस:** गेल प्राकृतिक गैस की मूल्य श्रृंखला के बीच व्यवसायों की विस्तृत श्रृंखला को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति करता है और इसलिए इसका व्यापक ग्राहक आधार है। प्रत्येक प्रकार के ग्राहक के लिए एक अद्वितीय विक्रय प्रस्ताव होता है– संविदात्मक प्रावधान और वित्तीय करार। ग्राहकों के साथ उपनियमों को, चाहे वे अंतिम उपभोक्ता हो या बिजनेस–टू–बिजनेस ग्राहक, गोपनीय रखा जाता है। डेटा की सुरक्षा और इसके दुरुपयोग और चोरी को रोकने के उपाय लागू करने के लिए क्षेत्र के विशेषज्ञों से सलाह ली गई है।

15.3 उत्पाद की लेबलिंग

हमारे उत्पाद की लेबलिंग के माध्यम से, हम अपने ग्राहकों को उसके द्वारा खरीदे जाने वाले उत्पादों के सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाने का प्रयास करते हैं। गेल ने इस बात को सुनिश्चित करने के उपाय लागू किये हैं कि प्रदान की गई जानकारी पर्याप्त और सटीक हो। रिपोर्टिंग अवधि के भीतर, उत्पादों और सेवाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रभावों से संबंधित नियमों या स्वैच्छिक संहिताओं का अनुपालन न करने की कोई घटना रिकॉर्ड नहीं की गई थी।

उत्पाद की विशिष्ट जानकारी प्रदान करने के लिए हमारा दृष्टिकोण नीचे दिया गया है:

- **पॉलिमर्स:** उत्पाद की नीचे दी गई जानकारी को कपड़े के बुने 25 किग्रा. के मजबूत बोरों पर प्रदर्शित किया जाता है:
  - ग्रेड का नाम
  - बैच नंबर
  - निर्माता का विवरण
  - भारत में बना हुए
  - संग्रहित करने के निर्देशों के लिए प्रतीक
  - रिसाइकल करने की जानकारी
  - बोरों की हैंडलिंग के लिए निर्देश
  - कुल वजन
  - निर्माण के लिए बीआईएस लोगो
  - ग्राहक सहयोग के लिए संपर्क ईमेल

मौजूदा प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम, 2022 के अनुसार, उत्पाद के लेबल्स पेट्रोकेमिकल के सभी ग्राहको को गेल के उत्पाद को प्रतिबंधित एकल–उपयोग वाली प्लास्टिक की वस्तुओं का निर्माण करने के लिए उपयोग करने से रोकने वाला संदेश देते हैं। पॉलिमर उत्पादों की गुणवत्ता के संदर्भ में, गेल पॉलिमर टेक्नोलॉजी सेंटर (जीपीटीसी) आवश्यक के आधार पर गुणवत्ता प्रमाणपत्र जारी करता है।

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 418-1, GRI 416-2, GRI 417-1, GRI 417-2, GRI 417-3 GRI 419-1

एक जिम्मेदार कंपनी के तौर पर, गेल अपने ग्राहकों से गेल के पॉलिमर उत्पादों को प्रतिबंधित सीयूपी आइटमों को बनाने के लिए उपयोग न करने के लिए वचन मांगता है। गेल अपने पेट्रोकेमिकल उत्पादों के सुरक्षित उपयोग के लिए दिशा–निर्देशों के साथ टेक्निकल डेटा शीट (टीडीएस) और मटेरियल सेफ्टी डेटा शीट (एमएसडीएस) प्रदान करता है। गेल के पेट्रोकेमिकल उत्पादों के सुरक्षित उपयोग के लिए आंचलिक कार्यालयों में गेल के तकनीकी सेवा प्रतिनिधियों के साथ–साथ जीपीटीसी टीम द्वारा ग्राहकों को तकनीकी सहायता भी प्रदान की जाती है।

- लिक्विड हाइड्रोकार्बन (एचएचसी) उत्पादों का एक्स–वर्क के आधार पर थोक में विपणन किया जाता है और बेचा जाता है तथा ग्राहकों द्वारा परिनियोजित किये गए रोड टैकर्स और/(रेलवे वैगन्स में लोड करके भेजा जाता है। लाए जा रहे उत्पाद की तकनीकी और सुरक्षा संबंधी जानकारी स्थानीय कानूनों के अनुसार ट्रक टैंकर या रेल वैगन पर ही प्रदर्शित की जाती है और इसे संबंधित ग्राहक या ट्रांसपोर्टर द्वारा सुनिश्चित किया जाता है, चूंकि एलएचसी थोक में ले जाया जाता है, अतः अलग–अलग लेबल्स नहीं प्रदान किये जाते हैं। जब उन्हें सड़क के द्वारा ले जाया जाता है तो सुरक्षा की आवश्यकता के लिए टैंकर्स को स्पष्ट रूप से "ज्वलनशील उत्पाद" के रूप में लेबल किया जाता है। इसके अतिरिक्त, टैंकर्स पर उत्पाद का नाम, सुरक्षा संकेत, खतरनाक रसायन का संकेत, आपातकालीन संपर्क, ट्रांसपोर्टर का नाम और संपर्क भी प्रदर्शित किया जाता है।

15.4 ग्राहक संतुष्टि

हमारे मूलभूत मूल्य हमारे ग्राहकों की अपेक्षा से अधिक प्रदान करने और बेहतर उत्पाद प्रदान करके उनका पहला पसंदीदा भागीदार बनने के हमारे निरंतर प्रयास पर आधारित हैं। इसलिए हम ग्राहक की संतुष्टि को सुनिश्चित करते हैं और लंबे समय के व्यवसायिक विकास के लिए वफादार ग्राहक आधार बनाने का प्रयास करते हैं।

ग्राहक की संतुष्टि के स्तर और प्रतिक्रिया को समझकर हम अपनी रणनीति की समीक्षा करने और उसे पुनर्परिभाषित करने में सक्षम होते हैं और अंततः अपनी व्यवसायिक पहल के माध्यम से बेहतर सेवाएं और प्रस्ताव प्रदान करते हैं। हम अपने ग्राहक मूल्य प्रबंधन और ग्राहक संतुष्टि सूचकांक सर्वे के माध्यम से अपने ग्राहकों की प्रतिक्रियाओं को सुनते हैं। ग्राहक संतुष्टि सर्वे एक इन–हाउस, छमाही होने वाला, एक ऑनलाइन (एसएपी के माध्यम) सर्वे है, जिसे ग्राहकों की शिकायतों और प्रतिक्रियाओं को प्राप्त करने के लिए किया जाता है। ग्राहक की प्रतिक्रिया गुणवत्ता, वितरण (डिलिवरी), तकनीकी सहयोग आदि जैसे विभिन्न पैमानें पर स्कोर के रूप में ली जाती है। फिर ग्राहकों के द्वारा दी गई जानकारी को एक सूचकांक के रूप में परिवर्तित किया जाता है जिसे ग्राहक संतुष्टि सूचकांक (सीएसआई) कहा जाता है। व्यवसायिक सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए, सर्वे को विपणन विभाग के साथ साझा किया जाता है जो समाधान में तेजी लाने और ग्राहकों की वफादारी बढ़ाने के लिए काम करते हैं।

ग्राहक संतुष्टि सूचकांक (सीएसआई) ऑनलाइन सर्वे 2021–22

ग्राहक संतुष्टि सूचकांक (सीएसआई) ग्राहकों से उनकी प्रतिक्रिया एकत्र करने के लिए एक इन–हाउस प्रयास है। सभी सक्रिय ग्राहकों को उनकी पंजीकृत ईमेल आईडी पर एक लिंक भेजा जाता है। ग्राहक गुणवत्ता और सेवाओं के विभिन्न पैमानों पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हैं। उनकी प्रतिक्रिया को एसआईपी के माध्यम में एकत्र किया जाता है और उनका विश्लेषण किया जाता है। पर्यवेक्षण की गंभीरता को तुरंत और उचित रूप से कम किया जाता है और उसके बाद ग्राहकों को लूप को पूरा करने के लिए सूचित किया जाता है।

वित्तीय वर्ष 2021–22 में हमें ऑनलाइन सीएसआई–सर्वे के माध्यम से एनजी और आरएलएनजी वर्ग में ग्राहको के कुछ 16 सुझाव/पर्यवेक्षण प्राप्त हुए हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख हैं:

- **उत्पाद की गुणवत्ता:** एपीएम प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में ऊष्मीय मान, तरल संघनन में भिन्नता, अशुद्धता–धूल/पानी
- **उत्पाद की डिलिवरी:** एपीएम और आरएलएनजी गैस सप्लाई में मनचाही मात्रा, दबाव में उतार चढ़ाव की उपलब्धता
- **तकनीकी सहयोग:** गेल के प्रतिनिधि की विजिट को बढ़ाने की आवश्यकता है। तकनीकी सहयोग विपणन और कॉर्पोरेट ओ एंड एम विभागों ने सीएसआई–सर्वे की इन पर्यवेक्षण/प्रतिक्रियाओं के विरूद्ध शमन प्रदान किया है।

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 102-44

वर्तमान महामारी के दौरान, हम वर्चुअल बैठकों पर बहुत अधिक जोर देते हैं। हमने तकनीकी सहयोग, उत्पाद प्रतिक्रिया और नये उत्पाद के विकास के लिए प्रमुख और नए ग्राहकों के साथ वर्चुअल बैठकें की हैं।

ग्राहकों को संतुष्टि प्रदान करने की दिशा में हमारे निरंतर प्रयासों ने हमें वित्त वर्ष 2021–22 के लिए कुल मिलाकर, 96 का ग्राहक संतुष्टि सूचकांक प्राप्त करने में मदद की है:

- अधिक ग्राहक वफादारी के माध्यम से प्रभावी प्रबंधन और ग्राहकों को बनाए रखना
- गेल की ब्रांड वैल्यू और ग्राहक की पसंद में सुधार करना
- पहले अनछूए बाजारों को छूना
- अपना ग्राहक आधार बढ़ाना
- महत्वपूर्ण ग्राहको की चिंताओं को पहचानना
- ग्राहक द्वारा पहचाने गए असंतुष्टि के क्षेत्रों का समय से समाधान करना और उनका समय पर शमन करना

गेल को यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए उनका ग्राहक संतुष्टि सूचकांक 96 है।

15.5 ग्राहक की शिकायत का निवारण

एक सुलभ, कुशल और प्रभावी ग्राहक शिकायत निवारण प्रक्रिया गेल में उच्च ग्राहक संतुष्टि सुनिश्चित करने में एक प्रमुख तत्व है। उत्कृष्ट ग्राहक सेवा के लिए हमारी प्रतिबद्धता के एक हिस्से के रूप में हम उपयुक्त व्यावसायिक इकाइयों के साथ संचार करते हैं और मुद्दे का समाधान करने और हमारे ग्राहकों की शिकायतों का जितना जल्दी हो समाधान करने के लिए एक कार्य योजना तैयार करते हैं। एक बार प्राप्त होने पर ग्राहको की सभी शिकायतों को स्वीकार किया जाता है। जब समस्या का समाधान हो जाता है तो ईमेल या पत्र के माध्यम से ग्राहकों को सूचित किया जाता है।

ग्राहक अपनी शिकायतों को ऑनलाइन, पत्र, ईमेल के माध्यम से या विभिन्न आंचलिक कार्यालयो में उपलब्ध भौतिक शिकायत रजिस्टर के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से दर्ज कर सकते हैं। ग्राहक की ओर से कोई भी शिकायत प्राप्त होने पर शिकायत की प्रकृति के आधार पर निवारण तंत्र अलग–अलग हो सकता है

- वाणिज्यिक शिकायतों का समाधान आंचलिक स्तर पर किया जाता है।
- नीति संबंधी मामले निगमित कार्यालय को भेजे जाते हैं।
- तकनीकी शिकायतों को संबंधित विभाग को भेजा जाता है।
- हमारे पॉलीमर बिजनेस सेगमेंट के मामले में हमने ग्राहकों से प्राप्त सभी तकनीकी शिकायतों का समाधान करने के लिए ग्राहक शिकायत प्रबंधन नीति लागू है।

इसके अलावा, गेल के कस्टमर रिलेशनशिप मेनेजमेंट (सीआरएम) के माध्यम से प्राकृतिक गैस, पेट्रोकेमिकल, लिक्विड हाइड्रोकार्बन, गैस ट्रेडिंग और ट्रांसमिशन बिजनेस सेगमेंट के मौजूदा ग्राहक किसी भी समय गेल के वेबपेज के माध्यम से अपने बयान, शिकायतों और सुझावों को ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। ग्राहक सेवा अनुरोध कर सकते हैं, शिकायत दर्ज कर सकते हैं या विभिन्न प्रकार के तकनीकी मुद्दों, उत्पाद की गुणवत्ता और/या वाणिज्यिक मामलों में किसी घटना की रिपोर्ट कर सकते हैं। सीआरएम मॉड्यूल के माध्यम से दर्ज की गई शिकायत को प्रासंगिक आंचलिक कार्यालय को अग्रेसित किया जाता है जो समस्या का जल्द से जल्द समाधान करने के लिए हमारे तकनीकी, वित्त और विपणन टीमों के सहयोग से इन शिकायतों पर विधिवत रूप से ध्यान देते हैं। इसके अलावा, हमारे ई–सर्विसेज मॉड्यूल हमारे ग्राहकों को निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करते हैं:

- अपनी यूजर आईडी के रूप में अपने एसएपी कस्टमर कोड का इस्तेमाल करना
- सेवा अनुरोध करना और शिकायतें दर्ज करना
- शिकायत के साथ रिपोर्ट्स, टेक्स्ट और फोटोज़ संलग्न करने में सक्षम बनाता है
- सेवा अनुरोध या शिकायतों की स्थिति की ऑनलाइन निगरानी करना
- सेवा अनुरोध के साथ संलग्न की गई रिपोर्टस को ऑनलाइन देखना

जीपीटीसी पॉलिमर उत्पादों की गुणवत्ता से संबंधित चिंताओं का समाधान करता है और पॉलिमर ग्रेड्स पर उपभोक्ताओं की उत्पाद–संबंधी चिंताओं का समाधान करने में तकनीकी सहायता प्रदान करता है। वित्तीय वर्ष 2021 में जीपीटीसी में प्राप्त कुछ शिकायतों में शामिल हैं:

- पीएटीए पॉलिमर उत्पादों के लिए 36 तकनीकी शिकायत और 16 भौतिक शिकायतें
- पीसीपीएल पॉलिमर उत्पादों के लिए 36 तकनीकी शिकायत और 16 भौतिक शिकायतें

ग्राहक की तकनीकी शिकायतों पर जीपीटीसी टीम/आंचलिक टीएस द्वारा ग्राहक की संतुष्टि के अनुसार

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 102-44

समाधान किया गया था। जीपीटीसी में प्राप्त सभी तकनीकी शिकायतों का समाधान पाटा/बीसीपीएल टीम और आंचलिक पीसी मार्केटिंग ने संतुष्टिजनक ढंग से किया। भौतिक शिकायतों के समाधान के लिए अधिकारियों ने आवश्यक कार्रवाई की।

वित्तीय वर्ष 2021–22 में विशिष्ट आंचलिक कार्यालयों द्वारा (ए) तरल हाइड्रोकार्बन (एलएचसी) (बी) पेट्रोकेमिकल (पीसी) (सी) गैस विपणन के संबंध में प्राप्त ग्राहक की विशिष्ट शिकायतें और उनकी स्थिति नीचे दी गई है:

- **हैदराबाद अंचल:** कोई शिकायत नहीं प्राप्त हुई थी
- **मुंबई अंचल:** कोई शिकायत नहीं प्राप्त हुई थी
- **जयपुर अंचल:** कोई शिकायत नहीं प्राप्त हुई थी
- **चंडीगढ़ अंचल:** पीसी सेगमेंट में एक ग्राहक से शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसका एमएसजी पाटा के सहयोग से सफलतापूर्वक समाधान किया गया था। वित्तीय वर्ष 2021–22 के अंत में कोई शिकायत लंबित नहीं थी।
- **मार्केटिंग रिटेल:** एक शिकायत प्राप्त हुई थी जिसे प्लांट को भेज दिया गया था और जिसका सफलतापूर्वक समाधान किया गया था

इस रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान विभिन्न आंचलिक कार्यालयों में 62 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 100% का संतुष्टिजनक ढंग से समाधान किया गया। इसके अलावा, जीपीटीसी में प्राप्त तकनीकी शिकायतों का समाधान 100% ग्राहकों की संतुष्टि के लिए किया गया था। हमने भौतिक शिकायतों के समाधान के लिए भी आवश्यक कार्रवाई की है। सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) सेगमेंट में कुल 1,981 ग्राहक शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 85% का प्रबंधन द्वारा संतुष्टिजनक ढंग से समाधान किया गया था।

वित्त वर्ष 2021–22 का सीवीएम ऑफ़लाइन सर्वेक्षण

कस्टमर वैल्यू मैनेजमेंट (सीवीएम) ग्राहकों की प्रतिक्रिया को संदर्भित करता है जिसे एक तृतीय–पक्ष मूल्यांकन एजेंसी द्वारा एकत्र किया जाता है। ग्राहकों से प्रश्नों के एक सेट का उत्तर देने के लिए अनुरोध किया जाता है और उनकी प्रतिक्रिया दर्ज की जाती है। इसके बाद एजेंसी द्वारा इस प्रतिक्रिया का विश्लेषण किया जाता है और गेल के प्रबंधन के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। ग्राहकों की चिंताओं पर चर्चा की जाती है और विचार–विमर्श किया जाता है और विपणन विभाग द्वारा सुधारात्मक कार्य योजना साझा की जाती है। तदानुसार, उठाए गए कदमों को ग्राहकों के साथ साझा किया जाता है।

कस्टमर वैल्यू मैनेजमेंट (सीवीएम) सर्वे– उत्पाद की गुणवत्ता और सेवाओं पर ग्राहक से प्रतिक्रिया को ऑफलाइन मोड के रूप में तैयार प्रश्नावली के माध्यम से कैप्चर किया जाता है। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, ग्राहकों के विचारों को कैप्चर करने के लिए 150 सीवीएम विजिट्स आयोजित की गई थी।

सीवीएम सर्वे के अवलोकन को टीम द्वारा संबोधित किया गया और सुधारात्मक कार्यवाही की गई। जब उचित उपाय किये जाने के बाद, लूप को पूरा करने के लिए ग्राहक को सूचित किया गया।

15.6 ग्राहक के साथ जुड़ाव

हमारा प्रमुख ध्यान सबसे अच्छा एंड–टू–एंड ग्राहक अनुभव प्रदान करने पर है। पूरे वर्ष विभिन्न संपर्क बिंदुओं के माध्यम से ग्राहक से जुड़ना, हमें उनके भीतर भरोसे का स्तर बनाने में सक्षम बनाता है। ग्राहक संतुष्टि सर्वे और ग्राहक शिकायत तंत्र के अतिरिक्त, हमारी टीम हमारे ग्राहक सहभागिता कार्यक्रम के तहत कई प्लेटफार्म और केंद्रित पहल के माध्यम से जुड़ती है। ग्राहक सहभागिता पहल उत्पादों और हमारे पोर्टफोलियो के बारे में ग्राहकों के प्रश्नों को हल करने और हमारी सेवाओं के बारे में जागरूकता फैलाने करने पर केंद्रित है। लंबे समय का लक्ष्य ब्रांड की विश्वसनीयता बढ़ाना और संभावित ग्राहकों तक अपनी पहुंच बनाना भी है।

ग्राहक की आवश्यकताओं की समझ बनाने के लिए, हम तकनीकी और ग्राहक के ज्ञान का इस्तेमाल करते हैं। आरएलएनजी की मौजूदा कीमतों, पॉलिमर ग्रेड विशिष्ट छूट और एलएचसी उत्पाद की कीमतों के बारे में बाजार की जानकारी प्राप्त की जाती है और आवश्यक कार्रवाई के लिए हमारे निगमित कार्यालय को जानकारी दी जाती है। ग्राहकों के साथ गेल की मात्रा को जोड़ने के लिए कदम उठाए गए हैं और हमें और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए हमारे उत्पाद की कीमत और प्रस्ताव में सुधार किया गया है। ग्राहकों को गेल के पास उपलब्ध पोर्टफोलियो का मिश्रण पेश किया जाता है। मार्केटिंग रिटेल ने ग्राहकों को सिस्टम से सीधे मूल्य के बारे में अपडेट के बारे में सूचित करने के लिए एक एप्लिकेशन भी विकसित किया है।

गेल ने उपभोक्ताओं को सरकारी अपडेट और आवश्यक सेवाओं के बाधित होने या बंद होने के किसी भी जोखिम के बारे में सूचित करने के लिए तंत्र भी स्थापित किया है। ग्राहक को गैस की आपूर्ति और प्रेषण में किसी भी संभावित व्यवधान के बारे में ई–मेल और फोन कॉल के माध्यम से जल्द से जल्द सूचना

दी जाती है। गैस विपणन के लिए क्षेत्रीय नियंत्रण कक्ष किसी भी संभावित विलंब या व्यवधान के बारे में ग्राहको को सूचित करने के लिए चौबीसों घंटे उनके संपर्क में रहते हैं। हमारे पेट्रोकेमिकल लाइनों, प्लांट बंद होने गतिविधियों, ग्रेड की उपलब्धता और सरकारी विनियमन में बदलाव के संबंध में ई–मेल और फोन पर तुरंत सूचित किया जाता है।

उत्पाद और सेवाओं के सुरक्षित और जिम्मेदार तरीके से उपयोग करने के बारे में उपभोक्ता को सूचित और शिक्षित करने के लिए, उनके अनुबंध, एमओयू और हमारी विक्रय नीति में उत्पाद के उपयोग पर विशिष्ट जानकारी होती है। प्राकृतिक गैस, एलएचसी और पॉलीमर अनुभाग के संबंध में ग्राहकों को एमएसडीएस भी प्रदान किया जाता है। बेचे गए उत्पादों का प्रयोग करने के लिए ग्राहकों को आवश्यक वैधानिक लाइसेंस बनाए रखने की भी आवश्यकता होती है। ग्राहक से बातचीत भी, चाहे विज़िट के माध्यम से हों या बैठकों से हो, उत्पादों के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के बारे में जानकारी संप्रेषित करने के लिए एक प्रमुख माध्यम हैं। इसके अतिरिक्त, गेल का अग्नि और संरक्षा विभाग प्राकृतिक गैस के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के बारे में ग्राहकों को शिक्षित करने के लिए प्रदर्शन आयोजित करता है। इसके अलावा, हमारी सीजीडी कंपनी डाउनस्ट्रीम ग्राहकों को प्राकृतिक गैस के सुरक्षित उपयोग के बारे में शिक्षित करने के लिए संरक्षा प्रशिक्षण भी आयोजित करती है। ग्राहकों और जनता को किसी भी खतरनाक स्थिति में आवश्यक कार्रवाई के बारे में शिक्षित करने के लिए समय–समय पर मॉक ड्रिल भी की जाती है।

इसके अलावा, टीएएपीएमए और उनके प्रकाशन जैसे उद्योग संघों के माध्यम से ग्राहक जागरूकता की गतिविधियां आयोजित की गई, जिसमें गेल सक्रिय रूप से भाग लेता है। सक्षम जैसे हमारे जागरूकता अभियानों ने हमारे प्रयास में और अधिक मूल्य जोड़ा है।

ग्राहकों के साथ जुड़ने के लिए रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान की गई पहलें:

- महामारी के कारण ग्राहक के साथ अधिकतर बातचीत डिजिटल माध्यम से की गयी, और केवल कुछ ही भौतिक बैठकें की गईं। इन बैठकों का उद्देश्य ग्राहक की चिंताओ का समाधान करना, लगातार संबंध बनाए रखना और नए व्यावसायिक अवसरों का पता लगाना था। उदाहरण के लिए ब्लास्ट फर्नेस, कैल्सिनर्स, पावर प्लांट बॉयलर्स आदि जैसे अन्वेषित क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस के उपयोग पर चर्चा करने के लिए ग्राहकों के साथ बैठकें। इससे प्राकृतिक गैस के उपयोग के संभावित क्षेत्रों की पहचान करने, साथ ही संभावित कठिनाइयों पर ग्राहकों के विचार पाने और यह जानने में मदद मिली कि उन्हें समाप्त करने के लिए क्या किया जा सकता है।
- एलएनजी के रूप में प्राकृतिक गैस की भंडारण सुविधाओं को दिखाने और यह दिखाने के लिए संभावित ग्राहकों के साथ एलसीएनजी प्लांट की विजिट कि ऑटोमोटिव में एलएनजी के उपयोग और व्यापक दायरे को प्रदर्शित करने के लिए डीजल के प्रतिस्थापन के रूप में उपयोग करने के लिए इसे आसानी से वाहनों में कैसे भरा जा सकता है?
- सीजीडी कंपनियां डाउनस्ट्रीम ग्राहकों को प्राकृतिक गैस के सुरक्षित उपयोग के बारे में शिक्षित करने के लिए सुरक्षा प्रशिक्षण भी सुनिश्चित कर रही हैं। सुरक्षा के लिए किसी भी खतरे के मामले में की जाने वाली कार्रवाहियों के बारे में ग्राहकों और जनता को शिक्षित करने के लिए समय–समय पर मॉक ड्रिल की जाती है।
- यदि कोई मौजूदा अनुबंध/जीएसए समाप्त हो रहा है, तो आंचलिक कार्यालय अनुबंध के नवीनीकरण के लिए ग्राहकों से संपर्क करते हैं और ग्राहकों की मौजूदा आवश्यकता के आधार पर, गेल कॉरपोरेट मार्केटिंग के साथ आंतरिक विचार–विमर्श के बाद नए अनुबंध में प्रवेश करते हैं।
- गेल एकमात्र गैस कंपनी है जो गेल की वेबसाइट पर "ओपन एक्सेस पोर्टल" के माध्यम से अपनी विभिन्न एनजी पाइपलाइनों पर सामान्य वाहक क्षमता की बुकिंग के लिए शिपर्स (गैस आपूर्तिकर्ता/विपणक/गैस उत्पादक) को ऑनलाइन ओपन एक्सेस प्रदान करती है।
- पीएनजीआरबी ने 9वें, 10वें और 11वें बिडिंग राउंड में लगभग 201 भौगोलिक क्षेत्रों (जीए) में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क के विकास के लिए अनुमतियां प्रदान की हैं और इनमें से लगभग तीन–चौथाई जीए को गेल की पाइपलाइनों के माध्यम से सेवाएं प्रदान की जाएंगी। तदनुसार, गेल की पाइपलाइनों और सीजीडी नेटवर्क के बीच शीघ्रता से जुड़ने वाली कनेक्टिविटी के विकास के लिए गेल मीटरिंग स्किड्स जैसे लॉन्ग लीड आइटमो की तेजी से खरीद रहा है और सीजीडी

GRI 103-2, GRI 103-3

कनेक्टिविटी के तेजी से विकास के लिए कदम उठा रहा है।

गेल ने प्राकृतिक गैस के ग्राहकों को आगे की आपूर्ति के लिए गेल की ट्रंक, प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों के माध्यम से अपने पृथक, सीबीएम और डीएसएफ क्षेत्रों से गैस की निकासी के लिए विभिन्न पाइपलाइन इकाईयों/एलएनजी और एफएसआरयू टर्मिनलों और प्राकृतिक गैस उत्पादकों को टाई–इन कनेक्टिविटी/इंटर–कनेक्शन प्रदान किया है।

मौजूदा पाइपलाइनों में गैस के नए स्रोतों को जोड़ना: हाल ही में, केजी बेसिन, राजस्थान, कावेरी बेसिन और कोल बेड मीथेन (सीबीएम) में घरेलू गैस की और अधिक खोज हुई है। देश के पश्चिमी और पूर्वी दोनों तटों पर गैस आयात टर्मिनल भी उभर रहे हैं। इस प्रकार, गेल ने आगामी नए गैस स्रोतों को कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए कदम उठाए हैं ताकि इन नई खोजों से गैस की उपलब्धता गेल की पाइपलाइनों के साथ आने वाले ग्राहकों तक पहुंच सके। नए स्रोतों के साथ गेल के हाल ही के/आगामी गठबंधन में शामिल हैं:

क) **ओएनजीसी का मदनम:** मेमाथुर, कावेरी बेसिन पाइपलाइन नेटवर्क

ख) **ओएनजीसी का बंटुमिली:** उलुम्पुरु, केजी बेसिन पाइपलाइन नेटवर्क

ग) **ओएनजीसी का ओडालारेवु:** वोडसकुरु, केजी बेसिन पाइपलाइन नेटवर्क

घ) **ओएनजीसी का सुवाली:** कवास, इंटीग्रेटेड एचवीजे पाइपलाइन सिस्टम

ङ) **वेदांता की जया फील्ड जंबूसर:** दक्षिण गुजरात पाइपलाइन नेटवर्क

च) **जयगढ़ एलएनजी टर्मिनल:** दाभोल, डीयूपीएल–डीपीपीएल पाइपलाइन

छ) **सीबीएम बोकारो और झरिया:** जेएचबीडीपीएल नेचुरल गैस पाइपलाइन

ज) **शाडोल में सीबीएम गैस:** फूलपुर, इंटीग्रेटेड एचवीजे पाइपलाइन सिस्टम

- **अन्य ऑपरेटरों की पाइपलाइनों के साथ इंटर–कनेक्शन:** गेल ने क्रमशः अपने केजी बेसिन एनजी पाइपलाइन नेटवर्क, डीयूपीएल पाइपलाइन और एचवीजे पाइपलाइनों के साथ मैसर्स पीआईएल के ईडब्ल्यूपीएल (ओडुरु/महस्कल/अंकोट में) जैसे विभिन्न अन्य पाइपलाइन ऑपरेटरों को इंटरकनेक्शन प्रदान किया है। मैसर्स आईओसीएल की दादरी पानीपत एनजीपीएल (दादरी में) के साथ अपनी एचवीजे पाइपलाइन, मेसर्स जीएसपीएल की एचपी गुजरात गैस ग्रिड (दहेज) के साथ अपनी एचवीजे पाइपलाइन, जीआईजीएल की भटिंडा–जम्मू श्रीनगर एनजीपीएल (जालंधर में) के साथ अपने डीबीएनपीएल, आरजीपीएल (फूलपुर में) के साथ अपने इंटीग्रेटेड एचवीजे/जेएचबीडीपीएल, इस प्रकार लगभग सभी अन्य ऑपरेटरों को इसकी पाइपलाइनों तक पहुंच प्रदान करता है।
- **आगामी पाइपलाइनों के साथ इंटर–कनेक्शन:** गेल पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र को मुख्य ग्रिड से जोड़ने के लिए मेसर्स आईजीजीएल के आगामी इन्द्रधनुष गैस ग्रिड के साथ अपनी जेएचबीडीपीएल पाइपलाइन का इंटरकनेक्शन भी प्रदान करेगा। दक्षिणी क्षेत्र में, गेल अपने केजी बेसिन नेटवर्क को मेसर्स एपीजीडीसी की आगामी काकीनाडा–श्रीकाकुलम पाइपलाइन से जोड़ेगा। इसके अलावा, गेल अपनी दाभोल–बेंगलुरु पाइपलाइन और बेंगलुरु में अपनी आगामी केकेएमबीपीएल को मैसर्स आईओसीएल की आगामी एन्नोर–थिरुवल्लूर–बेंगलुरु–पुदुचेरी–नागापट्टनम–मदुरै तूतीकोरिन पाइपलाइन के साथ इंटरकनेक्शन भी प्रदान करेगा, इस प्रकार पूरे दक्षिणी क्षेत्र को मेन ग्रिड के साथ जोड़ देगा।
- भौगोलिक क्षेत्रों (जीए) को घरेलू गैस आवंटित करने के लिए, गेल ने सीजीडी में वर्चुअल पाइपलाइनों की एक अवधारणा शुरू की है, जिसे एमओपीएनजी द्वारा अनुमोदित किया गया है। यह मोड सीएनजी और पीएनजी को सीजीडी इकाइयों को संपीड़ित रूप में कैस्केड के माध्यम से या तरल रूप में एलएनजी टैंकरों के माध्यम से परिवहन को सक्षम बनाता है। फलस्वरूप, यह न केवल उन भौगोलिक स्थानों पर घरेलू गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने में सहायता करेगा जो किसी प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क से जुड़े नहीं हैं बल्कि ग्राहक आधार भी बढ़ाएंगे।
- शिपर्स के साथ संभावित संविदात्मक मुद्दों को सुलझाने के लिए, मैत्रीपूर्ण समाधान/समझौता/मध्यस्थता के माध्यम से मुद्दों का समाधन करने के लिए गैस ट्रांसमिशन एग्रीमेंट (जीटीए) में विवाद समाधान तंत्र को परिभाषित किया गया है।
- क्षमता बुकिंग के लिए, ओपन एक्सेस पोर्टल में अब डिजिटल सिग्नेचर की सुविधा शामिल है
- वित्तीय वर्ष 2021–22 में, हमारी टीम ने बाजार हिस्सेदारी और उत्पाद का प्रचार बढ़ाने के लिए इंजेक्शन मोल्डिंग, फिल्म सेक्टर, ब्लो मोल्डिंग,

रैफिया, पाइप सेक्टर आदि जैसे क्षेत्रों सहित भारत के प्रमुख ग्राहकों से मुलाकात की। महामारी के कारण जब मुलाकात संभव नहीं थी, तो हमें तकनीकी सहयोग, उत्पाद पर प्रतिक्रिया और नए उत्पाद के विकास के लिए प्रमुख और नए ग्राहकों साथ वर्चुअल बैठकों पर बहुत अधिक जोर दिया। पिछले कुछ वर्षों में, मूल्य–वर्धित सेवाओं के रूप में, जीपीटीसी टीम ने हमारे अग्रणी पॉलिमर ग्राहकों के परिसरों का दौरा किया। यह ग्राहकों के व्यवसाय की आवश्यकताओं, पॉलिमर प्रसंस्करण और मॉल्डिंग के सबंध में उनके द्वारा सामना की जा रही तकनीकी समस्याओं के साथ–साथ उनकी विशिष्ट चिंताओं के बारे में हमारी अंतर्दृष्टि को गहरा करता है। हमारे ग्राहकों की लगातार विकसित होने वाली आवश्यकताओं को समझने की दिशा में इन प्रयासों ने न केवल उनकी आवश्यकताओं को अनुकूल बनाने और उनके साथ सकारात्मक संबंध बनाने, बल्कि उत्पादों के विशिष्ट ग्रेड प्रचार करने में भी मदद की है। इसके अतिरिक्त, समस्या निवारण, बेहतर बैचों में गुणवत्ता सुधार के आकलन और नए उत्पाद विकास के लिए ग्राहकों के साथ कई प्रसंस्करण परीक्षण किए गए

- इसके अतिरिक्त, गेल के आंचलिक कार्यालय अपने संबंधित क्षेत्रों के ग्राहकों से उनकी प्राकृतिक गैस आवश्यकताओं, आपूर्ति से संबंधित समस्याओं, गैस आपूर्ति समझौते (जीएसए) आदि से संबंधित जानकारी एकत्र करने के लिए लगातार संपर्क में हैं। आंचलिक कार्यालय अनुबंधों और समझौतों की स्थिति की निगरानी भी करते हैं और अनुबंध नवीनीकरण के लिए और मौजूदा आवश्यकताओं को समझने के लिए ग्राहकों को सक्रिय रूप से संपर्क करते हैं। आंचलिक कार्यालय नये अनुबंधों में प्रवेश करने से पहले गेल के कार्पोरेट मार्केटिंग साथ आंतरिक रूप से विचार–विमर्श करते हैं। गेल ग्राहकों की बदलती जरूरतों के अनुकूल बनने और ग्राहक के बने रहने को सुरक्षित करने के लिए गेल संविदात्मक लचीलापन प्रदान करता है।

नोएडा (दिल्ली एनसीआर) में गेल पॉलिमर टेक्नोलॉजी सेंटर (जीपीटीसी) ग्राहक सतुष्टि सेवाएं, तकनीकी सहयोग और हमारे पेट्रोकेमिकल बिजनेस सेगमेंट के लिए पॉलिमर ग्रेड पर उत्पाद–संबंधी चिंताओं का समाधान प्रदान करता है। उनके ग्राहक सेवा और फीडबैक इंटरफेस नीचे दी गई गतिविधियां करते हैं:

- ग्राहक की शिकायत का निवारण
- गेल की ग्रेड्स के उचित चुनाव पर सहयोग
- उद्यम संबंधी मार्गदर्शन
- बाजार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गेल पेट्रोकेमिकल ग्रेड का विकास और संशोधन
- ग्राहक के लाभ के लिए एप्लिकेशन का विकास और प्रचार
- जागरूकता और नीति समर्थन के उद्देश्यों के लिए तकनीकी मंचों और व्यावसायिक संघों में भाग लेना और गेल का प्रतिनिधित्व करना
- अंचल कार्यालयों द्वारा ग्राहक सहभागिता पर अतिरिक्त पहलों नीचे उल्लेखित की गई हैं:
- **हैदराबाद अंचल:** पीसी और एलएचसी सेगमेंट के लिए, ग्राहक के साथ डिलिटल माध्यमों से बातचीत की गई। इसने महामारी के समय पर ग्राहक से जुड़ाव सुनिश्चित करने के लिए एक तंत्र के रूप में काम किया जब ग्राहक के परिसर में भौतिक रूप से मुलाकात संभव नहीं थी। एनजी सेगमेंट में, टीम अनुबंध प्रबंधन और उनकी समस्याओं या चिंताओं को दूर करने के लिए सभी ग्राहकों के साथ ई–मेल और टेलीफोन कॉल के माध्यम से लगातार संपर्क में है। गैस आपूर्ति और प्रेषण अनुबंधों को बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए मौजूदा ग्राहकों के साथ समय पर बैठकें आयोजित की गईं
- **मुंबई अंचल:** टीम ने ग्राहको के साथ अक्सर बातचीत, मुलाकात, भौतिक और वर्चुअल माध्यम से बैठकें और पॉलिमर ग्रेड्स के लिए उत्पाद विकास परीक्षण किए जिससे ग्राहकों को सटीक आवश्यकता की गहरी समझ प्राप्त हुई और इसलिए ग्राहकों की उच्च प्रतिधारण बना रहा
- **जयपुर अंचल:** जहां तक संभव रहा ग्राहकों के साथ भौतिक रूप से मुलाकात की गई। जहां पर मुलाकात पर प्रतिबंध था, फोन, वॉट्सएेप और वीडियो कॉल का इस्तेमाल किया गया था। जयपुर आंचलिक कार्यालय ने कई प्रमुख ग्राहकों का दौरा किया और इंटरैक्टिव बैठकें आयोजित की। वे पूरे राज्य के विभिन्न औद्योगिक समूहों में संभावित ग्राहकों के साथ भी जुड़ते हैं ताकि उन्हें प्राकृतिक गैस की सुरक्षा और उपयोग के बारे में जानकारी दी जा सके।
- **चंडीगढ़ अंचल:** जहां तक संभव रहा ग्राहकों के साथ भौतिक रूप से मुलाकात की गई। इसके अलावा, ग्राहकों के साथ ऑनलाइन और टेलीफोनिक बातचीत की गई थी।

16

वित्तीय वर्ष 2021–22 में, गेल ने **सीएसआर पहल** के तहत **204.97 करोड़ रूपये** खर्च किए।

'हवा बदलो' पहल के तहत–मुंबई से दिल्ली साइकिल से **1000 किमी ग्रीन राइड**

सीएसआर परियोजनाओं के **100%** लाभार्थी कमजोर/अधिकारहीन और वंचित लोग थे

हमारा समुदाय

16.1 हमारा समुदाय

किसी भी जिम्मेदार व्यवसाय का आधार एक ऐसा रिश्ते पर बना टिका होता है जिसे वह समुदाय के साथ साझा करता है। साझा मूल्य बनाना सभी कार्यवाहियों को मजबूत बनाता है जिसे हम गेल में करते हैं।

हमारी धारणा में, समावेशी विकास कभी भी कुछ करने के बाद का विचार नहीं हो सकता है, बल्कि इसके बजाय हमारी व्यवसायिक रणनीति का महत्वपूर्ण पहलू है। हमारा विशन और रणनीतिक उद्देश्य लोगों के जीवन में बदलाव करते हुए प्राकृतिक गैस के क्षेत्र में लीडर बनना है। स्थानीय समुदाय के साथ सीधी बातचीत ने हमें सबसे अत्यावश्यक जरूरतों की पहचान करने, कम विशेषाधिकार प्राप्त लोगों के जीवन को समझने और उपयुक्त रणनीतिक समाधान प्रदान करने की क्षमता दी है। हमने कम विशेषाधिकार प्राप्त लोगों और हाशिए पर रहे वर्गो को मजबूत बनाने के लिए कई सीएसआर कार्यक्रम शुरू किये हैं, जबकि प्रत्येक समुदाय की धारणा के अनोखेपन, अपेक्षाओं और चिंताओं को भी स्वीकार कर रहे हैं।

विभिन्न चैनलों के माध्यम से नियमित आधार पर स्थानीय समुदाय से जुड़े रहना हमें हस्तक्षेप की प्रगति के बारे में सूचित रहने और उनसे उनकी प्रतिक्रिया लेने में सक्षम बनाता है। हमारी विभिन्न सीएसआर परियोजना के विकास और क्रियान्वयन के लिए समुदाय की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह भरोसा बनाने में मदद करता है और हमारे लिए और समुदायों के लिए सकारात्मक सामाजिक–आर्थिक परिणामों के लिए आधार तैयार करता है।

16.2 सामाजिक प्रतिबद्धताएं

गेल स्थानीय समुदायों पर अपने व्यवसाय के संचालन के अनुकूल व प्रतिकूल प्रभावों को समझता है और उन्हें कम करने का प्रयास करता है। पूरी रिपोर्टिंग अवधि के दौरान हमारे संचालन का स्थानीय समुदायों पर कोई पर्याप्त नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा था।

हमारे उद्देश्य का एक भाग हमारे संचालन के स्थान पर स्थानीय और वंचित समुदायों के लिए परस्पर भरोसा और सम्मान बनाना है। परियोजना की योजना बनाने, डिजाइन, कार्यान्वयन और परिचालन की योजना बनाने में, हम हितकारक के परिपेक्ष्य को महत्व देते हैं। किसी भी परियोजना को शुरू करने से पहले हम स्थानीय समुदायों की चिंताओं और समस्याओं की जांच करते हैं, जो हमारी शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, स्थानीय समुदायों के साथ कोई महत्वपूर्ण असहमति या स्थानीय लोगों के अधिकारों का उल्लंधन दस्तावेजीकृत नहीं किया गया।

16.3 सीएसआर नीति

हमारी सेवाओं, आचरण और गतिविधियों के माध्यम से हम उन समुदायों में मूल्य सृजन करना चाहते हैं जिनमें हम अपनी सेवाएं देते हैं। गेल की सीएसआर नीति और सीएसआर नीति के परिचालन दिशा–निर्देश ऐसी सीएसआर पहल के कार्यान्वयन में सक्षम बनाते

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 102-44, GRI 103-2, GRI 413-1, GRI 413-2 GRI 411-1,

हैं जिसका लक्ष्य पहचाने गए लक्षित समूह होते हैं, जैसे गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोग(बीपीएल), अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), दिव्यांग व्यक्ति (पीडब्ल्यूडी) और गेल के कार्य केंद्रों के आसपास के समुदाय आदि।

गेल में सीएसआर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135(1) के अनुसार सीएसआर गतिविधियों की पहचान, डिजाइन और कार्यान्वयन पर प्रभावी ढंग से काम करता है। गेल में सीएसआर परियोजनाओं की कंपनी अधिनियम 2013, सीएसआर नियम 2014 और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा समय–समय पर अधिसूचित किये गए उनके अनुवर्ती संशोधन के अनुसार सीएसआर समिति की सिफारिशों पर बोर्ड द्वारा निगरानी और देखरेख की जाती है।

गेल रणनीतिक सीएसआर परियोजनाओं का कार्यान्वयन करके महत्वाकांक्षी जिले की सामाजिक और आर्थिक स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और उसने वित्तीय वर्ष 2021–22 में 16 महत्वाकांक्षी जिलों में ₹15.62 करोड़ खर्च किये हैं।

31 मार्च 2022 तक, सीएसआर समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैः

» श्री मनोज जैन, समिति के अध्यक्ष– सी एंड एमडी
» श्री एम.वी. अय्यर – निदेशक (व्यापार विकास), सदस्य
» श्री अखिलेश जैन – स्वतंत्र निदेशक, सदस्य
» श्री संजय कश्यप – स्वतंत्र निदेशक, सदस्य

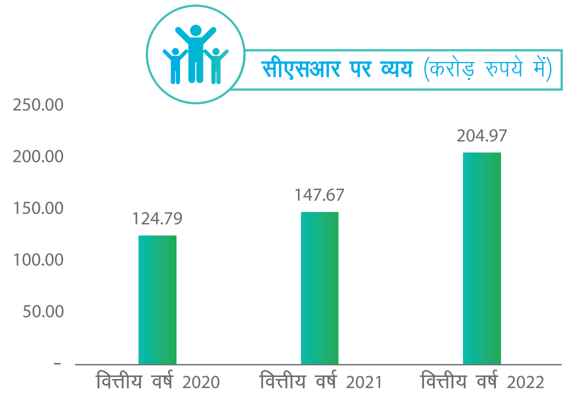

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग ने वित्तीय वर्ष 2021–22 में कई पहलें शुरू की है। गेल ने ₹204.97 करोड़ खर्च किये हैं जो पूर्ववर्ती तीन वर्ष के कुल औसत लाभ का लगभग 3% है। इसके अलावा, गेल ने कर्मचारियों के लिए क्षमता निर्माण की गतिविधियों जैसी आंतरिक प्रशासनिक गतिविधियों पर ₹8.26 करोड़ खर्च किये हैं।

16.4 गेल हृदय

"हृदय" पहल हमारा व्यापक कार्यक्रम है, जिसमें हम समुदायों के साथ जुड़ते हैं। हमारी टीम जीवन के सभी क्षेत्रों में लोगों को सामाजिक–आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास करती है और समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। गेल हृदय के तहत की गई सभी पहलें कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–VII और उसके संशोधनों में उल्लिखित गतिविधियों का पालन करती हैं।

"हृदय" के एक हिस्से के रूप में हमारा लक्ष्य सीएसआर प्राथमिकता वाले हमारे सभी सात क्षेत्रों में सामाजिक पूंजी को बनाकर हजारों वंचित लोगों के जीवन में सुधार करना है, जिसे स्थानीय समुदायों की जरूरतों और आवश्यकताओं का आकलन करके निर्धारित किया जाता है। इन गतिविधियों को समुदायों और गैर–सरकारी संगठनों (एनजीओ), कर्मचारी स्वयंसेवी और प्रत्यक्ष कार्पोरेट दान साथ सहयोग के माध्यम से पूरा किया जाता है। ये केंद्रित, मूल्य–संचालित विकासात्मक सीएसआर परियोजनाएं जुनून से प्रेरित होती हैं और हमारी प्रतिबंद्ध टीम की निष्ठा से संचालित होती हैं, जो कई लोगों तक पहुँचने और उन्हें प्रभावित करने में हमारी मदद करती हैं।

हमारी सीएसआर परियोजनाओं के सभी लाभार्थी कमजोर/अधिकारहीन और वंचित वर्गों के हैं। ये लाभार्थी गेल की संस्थापनाओं/पाइनलाइनों और कार्यालयों से 100 किमी के भीतर रहते हैं। इनमें से अधिकांश अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिलाएं, दिव्यांगजन आदि जैसे सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समूह शामिल होते हैं। हमें वित्त वर्ष 2021–22 में) भारत सरकार के एक मिशन 'स्वच्छता कार्य योजना' को आगे बढ़ाने के अपने प्रयासों पर गर्व है। गेल ने 'स्वच्छता कार्य योजना' के तहत ₹28.39 करोड़ खर्च किए हैं और स्वच्छता की स्थिति में सुधार करने और समुदायों के बीच जागरूकता फैलाने में योगदान दिया है।

गेल ने स्वास्थ्य और पोषण आधारित पहलों पर भी ₹143.63 करोड़ खर्च किये हैं और इस प्रकार स्वास्थ्य देखभाल और पोषण तक पहुँच की कमी को पूरा करने और एक स्वस्थ्य समाज का निर्माण करने के लिए योगदान दे रहा है।

GRI 411-1, GRI 413-2

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, गेल ने समुदायों और सार्वजनिक वस्तुओं के लिए बुनियादी ढांचे का विकास/सहयोग करने के लिए ₹69.19 करोड़ खर्च किये हैं, इस प्रकार राष्ट्र के विकास में सहायता कर रहे हैं।

निर्दिष्ट क्रियान्वयन एजेंसियां हमारी सीएसआर पहलों को कार्यान्वित करती हैं। गेल के सीएसआर कार्याक्रमों की क्रियान्वयन एजेंसियां पहचाने गए लाभार्थियों के साथ लगातार संचार करती रहती हैं। हमारे नोडल आधिकारी साइट का दौरा करके लाभार्थियों/समुदायों के साथ निरंतर बातचीत करते हैं। इन बातचीतों का इरादा असली आवश्यकताओं को समझना और अंतिम छोर पर सेवाएं प्रदान करके समुदाय की भागीदारी में सुधार करना है।

(राशि करोड़ रुपये में)

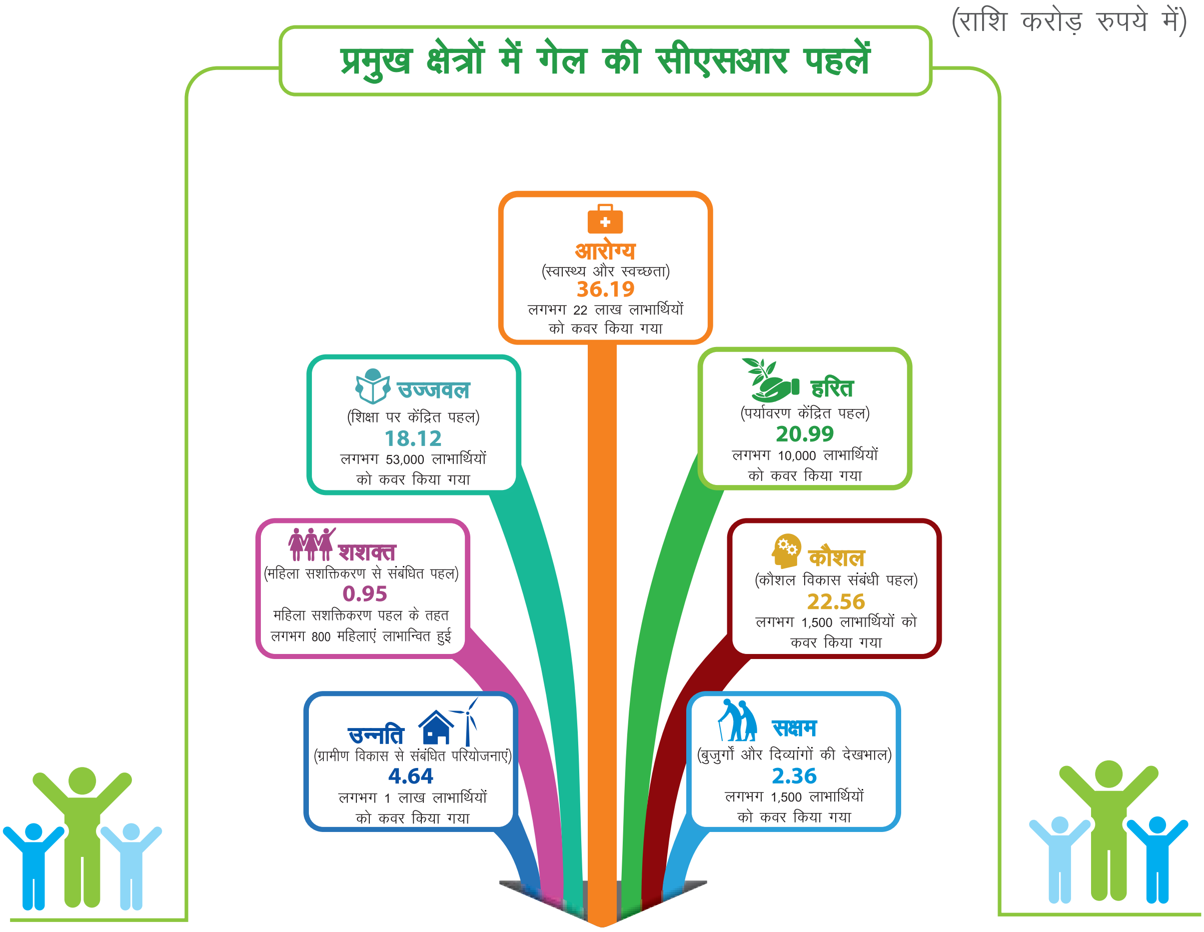

क्रम संख्या	हृदय का फोकस क्षेत्र	कुल निवेश (₹ करोड़ में)	सकारात्मक प्रभाव
1	गेल आरोग्य (स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता)	36.19	लगभग 22 लाख लाभार्थियों को कवर किया गया
2	गेल उज्जवल (शिक्षा पर केंद्रित पहल)	18.12	लगभग 53,000 लाभार्थियों को कवर किया गया
3	गेल कौशल (कौशल विकास से संबंधी पहल)	22.56	लगभग 1,500 लाभार्थियों को कवर किया गया
4	गेल शशक्त (महिला सशक्तिकरण से संबंधित पहल)	0.95	महिला सशक्तिकरण पहल के तहत लगभग 800 महिलाएं लाभान्वित हुई
5	गेल हरित (पर्यावरण पर केंद्रित पहल)	20.99	लगभग 10,000 लाभार्थियों को कवर किया गया
6	गेल उन्नति (ग्रामीण विकास से संबंधित परियोजनाएं)	4.64	लगभग 1 लाख लाभार्थियों को कवर किया गया
7	गेल सक्षम (बुजुर्गों और दिव्यांगों की देखभाल)	2.36	लगभग 1500 लाभार्थियों को कवर किया गया
8	अन्य – पीएम केयर्स, राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त खेलों को बढ़ावा देना, आपदा प्रबंधन, आदि निधि)	90.65	लगभग 1.25 लाख लोगों को कवर किया गया

16.4.1 गेल आरोग्य

गेल ऐसी पहल को कार्यान्वित करके स्वास्थ्य और स्वच्छता की समस्यों का समाधन करने के लिए सक्रिय कदम उठा रहा है जो ग्रामीण और आसुरक्षित क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं को सुलभ और किफायती बनाती है। ये प्रयास गेल की प्रमुख परियोजना, आरोग्य के माध्यम से किया किये जा रहे हैं।

गेल आरोग्य के उद्देश्य:

- स्थानीय समुदाय के स्वास्थ्य और स्वच्छता की सुविधाओं को बेहतर बनाना और स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न रोगों पर उनकी जागरूकता को बढ़ाना
- कम आय वाले निवासियों का सहयोग करना और स्वास्थ्य देखभाल संबंधी विभिन्न पहलों के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल तक उनकी पहुँच को बढ़ाना
- जल संरक्षण और सामुदायिक पोषण गतिविधियों की सुविधा प्रदान करना
- स्वास्थ्य और स्वच्छता के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए सरकारी पहलों का समर्थन और हिमायत करना
- लक्षित क्षेत्रों में पेय जल तक पहुंच और उपलब्धता को बढ़ना

वित्तीय वर्ष 2021–22 में गेल आरोग्य पहल के तहत कार्यक्रम

कोविड–19 का सामना करने के लिए पहलें

1. गेल ने कई राज्यों में 12 प्रेशर स्विंग एब्जॉर्प्शन (पीएसए) मेडिकल ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्रों की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और शुरूआत करके सहयोग प्रदान किया।
2. गेल द्वारा एमओपीएनजी के निर्देशन में तेल एवं गैस की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों की ओर से कुल 25,000 ऑक्सीजन सिलेंडर और रेगुलेटर्स खरीदे गए।
3. 60 मोबाइल मेडिकल यूनिटों, एसटीआई क्लिनिकों, कोविड रिस्पांस पहल, स्वास्थ्य शिविरों का परिचालन
4. गेल ने तेल और गैस सीपीएसई के साथ एक अन्य सहयोगात्मक प्रयास में 1000 ऑक्सीजन सिलेंडरों की खरीद के लिए योगदान दिया।
5. स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता की सुविधाएं
6. लगभग ₹36.19 करोड़ के योगदान से गेल आरोग्य के तहत विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रित पहलों के माध्यम से पूरे भारत में 43 जिलों के सुदूर क्षेत्रों में 22 लाख से अधिक वंचित लोगों को चिकित्सीय स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं प्रदान की गईं
7. कोविड–19 का सामना करने के लिए आपातकालीन स्थितियों में प्रधानमंत्री नागरिक सहयोग और राहत में योगदान, गेल और उसके कर्मचारियों ने 65 करोड़ रूपये का योगदान दिया
8. गेल की सभी सुविधाओं में कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए टीकाकरण शिविर स्थापित किये गए थे और 15–19 वर्ष के आयु वर्ग के लिए भी टीकाकरण आयोजित किया गया।

मोबाइल मेडिकल यूनिट्स (एमएमयू) के लिए सहयोग

इस परियोजना का उद्देश्य मोबाइल मेडिकल यूनिट्स (एमएमयू) के माध्यम से वहनीयता, सुलभता, जागरूकता और उपलब्धता को सुनिश्चित करते हुए, ग्रामीण क्षेत्रों में अतिसंवेदनशील लोगों को मुफ्त प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करना है। यह परियोजना अन्य राज्यों के बीच मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश और पंजाब में मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) को कवर करती हैं। पूरे भारत में 43 जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल की हमारी कई पहलों के तहत लगभग 22 लाख लाभार्थियों को कवर किया गया था। इस परियोजना के माध्यम से, वोकार्ड फाउंडेशन के साथ कई राज्यों में 56 मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) परिचालित हो रही हैं, क्योंकि यह यह क्रियान्वयन एजेंसी है। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, इस परियोजना पर लगभग ₹21.22 करोड़ खर्च किये गए हैं।

ट्रक ड्राइवरों के लिए एसटीआई और एचआईवी की रोकथाम, परीक्षण और उपचार के लिए सहयोग

परियोजना का उद्देश्य गेल की सुविधाओं के ड्राइवरों और क्लीनर्स को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करना है, जिसमें एचआईवी सहित यौन संचारित बीमारियों को रोकने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। इस लक्ष्य को जागरूकता गतिविधियों/सत्रों, लाभार्थियों के साथ पारस्परिक बातचीत, नुक्कड़ नाटकों, मोबाइल प्रदर्शनियों, परामर्श सेवाओं और गेल की विभिन्न सुविधाओं पर अन्न दान के माध्यम से प्राप्त किया गया था जैसे उत्तर प्रदेश के औरैया और मध्य प्रदेश के गुना में। संकल्प समाजसेवी संस्था के साथ सहयोग में गुना, मध्य प्रदेश में विजयपुर में भी एक जारूकता सत्र आयोजन किया गया था।

दिव्यांगजनों को सहायता और सहायक उपकरण के वितरण के लिए समर्थन

गेल सीएसआर की इस प्रमुख परियोजना के तहत, क्रियान्वयन एजेंसी भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एएलआईएमसीओ) ने पहचाने गए और पात्र प्राप्तकर्ताओं को कृत्रिम अंग, व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, कान की मशीन और अन्य उत्पाद प्रदान किये। प्रक्रिया में लाभार्थियों की संख्या और आवश्यक सहायक उपकरण की संख्या पता करने के लिए एक जिला–वार मूल्यांकन शिविर शामिल है। मूल्यांकन शिविर के बाद, वितरण शिविर में नामित लाभार्थियों को सहायक उपकरण प्रदान किये गए। वित्तीय वर्ष 2021–22 में, गेल ने उत्तर प्रदेश में औरैया, राजस्थान में कोटा और बूंदी के शिविरों के माध्यम से लगभग 543 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण और डिवाइसें वितरित की। गेल ने लोकसभा के माननीय अध्यक्ष श्री ओम बिरला की उपस्थिति में, राजस्थान के कोटा और बूंदी जिलों में दिव्यांगजनों को मोटर वाली ट्राईसाइकिल वितरित कीं।

स्वास्थ्य जांच शिविर, मोतियाबिंद के ऑपरेशन और चिकित्सा उपकरण के लिए सहयोग

इस पहल के तहत गेल ने राजस्थान में स्वास्थ्य जांच शिविर स्थापित करके स्वास्थ्य देखभाल के लिए सहयोग प्रदान किया है। इसके अलावा, गेल ने दिल्ली में वंचित लोगों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन करने के लिए और चिकित्सा उपकरणों के लिए अपना सहयोग दिया है। महावीर इंटरनेशनल, दिल्ली के सहयोग से इस पहल पर लगभग 40 लाख रुपये खर्च किए गए।

हैंडपंप लगवाने के लिए सहयोग

मूलभूत मानव अधिकारों की प्राप्ति के लिए स्वच्छता और सुरक्षित पेयजल आवश्यक है। गेल ने औरैया, उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में हैंडपंप लगवाने के लिए सहयोग किया है, जिससे पीने के पानी तक आसान पहुंच और ग्रामीण और हाशिए पर रहने वाले समुदायों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड के साथ साझेदारी में, गेल ने इस पहल (यूपीएसआईसीएल) पर लगभग 1 करोड़ रुपये का वित्त पोषण किया है।

16.4.2 गेल उज्जवल

उज्जवल गेल की शिक्षा पर केंद्रित परियोजना है। इस परियोजना का उद्देश्य कम विशेषाधिकार वाले लोगों की शिक्षा तक पहुँच को बढ़ाना है।

गेल उज्जवल का उद्देश्यः

- वंचित और हाशिए पर रहे समुदायों के बच्चों की शिक्षा के लिए आधारभूल ढांचे के विकास के लिए सहयोग करना।
- सरकारी स्कूलों की विभिन्न सुविधाओं की मरम्मत में मदद करना, जिसमें आईटी सुविधाएं, विज्ञान की प्रयोगशाला और उपकरणों और स्टेशनरी की खरीद शामिल है।

गेल ने कर्नाटक के धारवाड़ जिले के सरकारी स्कूलों और असम के स्कूलों में स्मार्ट टीचिंग क्लास की पहल में सहयोग किया। यह पहल छात्रों को खुद से पढ़ने की विधियों को अपनाने और कक्षा में शिक्षकों की प्रभावशीलता और उत्पादकता में सुधार करने के लिए हौसला बढ़ाती है। 2021–22 में गेल उज्जवल पहल के तहत इस कार्यक्रम के माध्यम से लगभग 53,000 छात्र लाभान्वित हुए थे।

वित्तीय वर्ष 2021–22 में गेल की उज्जवल पहल के तहत कार्यक्रम

उत्कर्ष पहल

यह परियोजना समाज के वंचित वर्गो से 260 मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति, विशेष आवासीय कोचिंग के माध्यम से और आईआईटी जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए परामर्श देकर शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने और उसे सुविधाजनक बनाने पर केंद्रित है।

वित्तीय वर्ष 2021–22 में, 2020–21 बैच के परिणामों की घोषणा की गई थी और इस परियोजना के तहत पंजीकृत कुल 180 छात्रों में से, 167 ने जेईई मेन्स में क्वालीफाई किया जो कुछ बैच का 93% है और 94 छात्रों ने जेईई एडवांस के लिए क्वालीफाइ किया था जो कुल बैच का 52: है।

स्कूलों की बुनियादी स्थितियों में सुधार

एक बच्चे का विकास बहुत हद तक स्कूल की बुनियादी सुविधाओं जैसे पीने के पानी, शौचालय और स्वच्छता से

प्रभावित होता है। गेल साई एजुकेशनल एंड हेल्थकेयर ट्रस्ट के सहयोग से आरओ प्लांट स्थापित करके आंध्र प्रदेश के स्कूलों में बुनियादी स्थितियों में सुधार करने में मदद कर रहा है। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान इस पहल पर लगभग ₹1.8 करोड़ खर्च कये गए हैं।

उन्नत विज्ञान प्रयोगशालाओं स्थापित करने में सहयोग

गेल ने केरल में कन्नूर के मुंडेरी जीएचएस स्कूल में कंप्यूटर सहित उन्नत विज्ञान प्रयोगशाला स्थापित करने में सहयोग किया है। गेल ने इस पहल पर जिला पंचायत कन्नूर के सहयोग से लगभग ₹50 लाख खर्च किए हैं।

असम और मध्य प्रदेश में भारत सरकार के अटल इनोवेशन मिशन के तहत सरकारी स्कूलों में 10 अटल टिंकरिंग लैब की स्थापना।

16.4.3 गेल कौशल

कौशल गेल सीएसआर की प्रमुख परियोजना है जिसका लक्ष्य कौशल विकास और जीविका में सुधार करना है। इसका मिशन विभिन्न कौशल विकास की पहलों के माध्यम से वंचित लोगों को सक्षम और सशक्त बनाना, और उन्हें रोजगार करने योग्य बनाना और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है।

गेल कौशल के उद्देश्य:

- समाज के गरीब और वंचित समुदायों को कौशल विकास का प्रशिक्षण प्रदान करना
- लाभार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कौशल विकास संस्थान (एसडीआई) की स्थापना करना
- सीएडी, वेब डिजाइन, डोमेस्टिक बीपीवी/बीपीओ, वेल्डिंग, इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रीशियन, सीएनसी ऑपरेटर, इंस्ट्रूमेंट टेक्नीशियन, रिटेल एसोशिएट और राजगीरी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उन्हें कौशल विकास संबंधी प्रशिक्षण प्रदान करके उनकी आजीविका में सुधार करके महिलाओं और युवाओं को सशक्त बनाना।

वर्ष 2021–22 में हाइड्रोकार्बन क्षेत्र, प्लास्टिक उत्पाद के निर्माण, कंप्यूटर चलाने, डेटा एंट्री ऑपरेटर, कटिंग टेलरिंग, ब्यूटी कल्चर, दृष्टिबाधित लोगों को व्यावसायिक प्रशिक्षण आदि से संबंधित प्रशिक्षण से लगभग 1,500 व्यक्ति लाभान्वित हुए। 1,200 से अधिक प्रशिक्षित लोगों को विभिन्न क्षेत्रों में सफलतापूर्वक रोजगार प्रदान किया गया है और वे अपनी घरेलू कमाई में मूल्यवान वित्तीय योगदान प्रदान कर रहे हैं।

वित्तीय वर्ष 2021–22 में गेल की कौशल पहल के तहत कार्यक्रम

कौशल विकास संबंधी प्रशिक्षण में सहयोग

गेल सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीपेट) के सहयोग से असम, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, त्रिपुरा और तमिलनाडु राज्य में वंचित और बेरोजगार युवाओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित करने में सहयोग कर रहा है। इस परियोजना की अवधि 2 वर्ष है और गेल ने इस परियोजना में ₹1.5 करोड़ का निवेश किया है।

गेल के छह कौशल विकास संस्थान (एसडीआई) (एसडीआई– रायबरेली, भुवनेश्वर, कोच्चि, विशाखापत्तनम, अहमदाबाद और गुवाहाटी) हैं। ये एसडीआई एमओपीएनजी के दिशा निर्देश में और भारत सरकार के 'कौशल भारत मिशन' के अनुरूप ऑयल पीएसई के सहयोगी प्रयास हैं।

महिलाओं को सशक्त बनाने में सहयोग

गेल दक्षिण दिल्ली में पंत नगर में रोजगार योग्यता और शिक्षा के माध्यम से किशोर लड़कियों और महिलाओं को सशक्त बनाने में सहयोग कर रहा है। यह परियोजना दो वर्ष की है और शेल्टर वेलफेयर एंड चैरिटेबल सोसाइटी के सहयोग से चल रही है और इसे ₹10 लाख का बजट आवंटित किया गया है।

गेल के स्किल स्कूल में नौकरी से जुड़ा कौशल प्रशिक्षण के लिए सहयोग

गेल ने राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के सहयोग से मध्य प्रदेश के गुना के गेल स्किल स्कूलों में नौकरी से जुड़े कौशल प्रशिक्षण को बढाया है और रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान इस उद्देश्य के लिए लगभग ₹1.14 करोड़ खर्च किये हैं।

16.4.4 गेल उन्नति

गेल का मानना है कि समाज की आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता उसके सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय की भलाई से अटूट रूप से जुड़ी हुई है। इस प्रकार गेल उन्नति को इन तीनों उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अवधारणात्मक रूप से तैयार किया गया है। विभिन्न पहलों के माध्यम से यह परियोजना ग्रामीण आजीविका को बढ़ाया देने का प्रयास करती है।

इस रिर्पोटिंग वर्ष के दौरान गेल ने उन्नति पहल के तहत समुदायों के लिए आधारभूत ढांचे के विकास और सहयोग पर ₹4.64 करोड़ खर्च किये है। इस परियोजना के हिस्से के रूप में लगभग 1,00,000 व्यक्ति लाभान्वित हुए हैं और इस परियोजना का मुख्य ध्यान स्वयं सहायता समूह बनाकर महिला सशक्तिकरण पर है।

वित्तीय वर्ष 2021–22 में हजीरा प्लांट ने सुवली सामुदायिक केंद्र, सुवली ग्राम पंचायत में रूफ टॉप आधारित ग्रिड कनेक्टेड फोटोवोल्टिक (पीवी) सौर सोलर पावर प्लांट की स्थापना का सहयोग करने की सीएसआर पहल की। इसका उद्देश्य ऊर्जा के स्थायी और अक्षय स्रोत अर्थात सौर ऊर्जा के उपयोग में सुधार करने के लिए सुवली ग्राम पंचायत का सहयोग करना था।

16.4.5 गेल सशक्त

गेल की सशक्त पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग की महिलाओं को सशक्त बनाना है। शुरू किये गए सभी हस्तक्षेप सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिशा–निर्देश और कंपनी अधिनियम, 2013 के नियमों के दिशा–निर्देशों के अनुरूप हैं।

वित्तीय वर्ष 2021–22 में, हमारे विभिन्न महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमों के माध्यम से 800 महिलाओं को सशक्त बनाया गया था।

16.4.6 गेल सक्षम

गेल सक्षम के तहत पहल विकलांग व्यक्तियों और बुजुर्गों के लिए ध्यान और देखभाल की आवश्यकता को पहचानता है और उनका समाधान करता है। इसमें विशेष आवश्यकताओं वाले लोगों को कान की मशीन और अन्य सहयोगी उपकरण करना शामिल है। यह दिव्यांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) को आत्मविश्वास, गरिमा की भावना हासिल करने और दूसरों पर निर्भरता को कम करने के साथ–साथ आजीविका के अधिक अवसर पाने में भी सहयोग करता है।

वित्तीय वर्ष 2121–22 में, गेल की सक्षम पहल के तहत लगभग 1500 लोग लाभान्वित हुए थे। इसके अलावा, 1000 दिव्यांगों (पीडब्ल्यूडी) को मदद और सहायक उपकरण प्रदान किये गए थे।

16.4.7 गेल हरित

गेल के विजन स्टेटमेंट में पर्यावरण के प्रति अंतर्निहित प्रतिबद्धता है। इसकी कुल मिलाकर निरंतरता रणनीति के एक हिस्से के रूप में गेल प्राकृतिक आवास और पारिस्थितिकी तंत्र की संवेदनशीलता के प्रति सचेत रहता है। इस प्रकार, हरित परियोजना के तहत, गेल पर्यावरण की सुरक्षा करके ग्रह को पुनर्स्थापित करने और अपने परिचालन के नकारात्मक प्रभाव की गंभीरता को कम करने पर ध्यान केंद्रित करता है।

वर्ष 2021–22 के दौरान इस पहल के तहत लगभग 10,000 लोग लाभान्वित हुए।

2021–22 में गेल हरित के तहत कार्यक्रम

सीएनजी श्मशान घाट स्थापित करने में सहयोग

गेल ने पर्यावरणीय स्थायित्व के लिए कटक और भुवनेश्वर में सीएनजी श्मशान घाट स्थापित करने में सहयोग प्रदान किया है। परियोजना की अवधि 3 वर्ष है और इस परियोजना के लिए आवंटित की गई राशि लगभग ₹16.37 लाख है।

वायु और जल प्रदूषण के स्तरों में सुधार करने के लिए सहयोग

गेल ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में डीजल वाली नाव को सीएनजी में बदलने की पहल शुरू की है जिससे वाराणसी में वायु और जल प्रदूषण के स्तर में काफी सुधार होगा। इस परियोजना के लिए लगभग ₹29.74 करोड़ आवंटित किए गए हैं। इस परियोजना की अवधि 3 वर्ष है और इसे वाराणसी नगर निगम के सहयोग से किया जा रहा है।

सिंगल यूज प्लास्टिक (एसयूपी) के उपयोग को काम करने के लिए सहयोग

गेल केरल के पलक्कड़ जिले में परम्बिकुलम टाइगर कंजर्वेशन फाउंडेशन के सहयोग से कोयररूट प्रशिक्षण इकाई के विस्तार का समर्थन कर रहा है, जो पौधे के अंकुर में इस्तेमाल किये जाने वाले पॉलीबैग को बायोडिग्रेडेबल कॉयर से बदल देगा, जिससे सिंगल यूज प्लास्टिक के कारण होने वाला प्रदूषण कम होगा। रिपोर्टिंग वर्ष में इस परियोजना पर लगभग ₹25 लाख खर्च किए गए हैं।

अक्षय ऊर्जा के स्रोतों को बढ़ावा देने के लिए सहयोग

गेल ने उत्तर प्रदेश के औरैया जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में वंचित परिवार को सोलर होम लाइट्स प्रदान की है, जिससे अक्षय ऊर्जा के स्रोतों को बढ़ावा दिया जा सके। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, इन पहल पर 19 लाख रूपये खर्च किये गए थे।

ग्रीन राइड– "एक पहल स्वच्छ हवा की ओर"

"हवा बदलो" पहल के तहत गेल द्वारा संचालित, वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों और स्वस्थ जीवन शैली के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मुंबई से दिल्ली तक साइकिल पर एक ग्रीन राइड का आयोजन किया गया। फिटनेस आईकन श्री मिलिंद सोमन दिल्ली पहुँचे जहां उन्होंने ग्रीन राइड का समापन किया। ग्रीन राइड का वातावरण 3 दिसंबर, 2021 को मुंबई से शुरू हुआ और नई दिल्ली पहुंचने से पहले महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और हरियाणा से होते हुए गुजरा। श्री मिलिंद सोमन ने विभिन्न स्थानों पर मीडिया से बातचीत की, पर्यावरणविदों, ग्रामीण छात्रों से मिले और स्वच्छ हवा के मुद्दे पर जागरूकता फैलाने के लिए उन्होंने अपने मार्ग पर पौधे लगाए। उन्होंने विभिन्न स्थानों पर गेल के कर्मचारियों के साथ भी बातचीत की और उनके साथ स्वास्थ्य, फिटनेस और पर्यावरण के मुद्दों पर चर्चा की।

16.5 आवश्यकता का विश्लेषण और प्रभाव का मूल्यांकन

हम लक्षित और सक्रिय परियोजनों के माध्यम से विभिन्न अवसर प्रदान करके सामुदायिक विकास का सहयोग करने के लिए विचारपूर्वक प्रयास कर रहे हैं। इन परियोजनाओं को समाज के लिए एक मूल्यवान प्रभाव बनाने के उद्देश्य से गहनता से मूल्यांकन के आधार पर कार्यान्वित किया जाता है।

हमारी परियोजनाओं के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए, हम सर्वे आयोजित करते हैं और प्रतिक्रियाएं एकत्र करते हैं और इस प्रकार, हमें मिली प्रतिक्रियाओं के आधार पर हमारे प्रयासों के सामाजिक प्रभाव को मापते हैं। हम अपनी महत्वपूर्ण पहलों का तीसरे पक्ष से भी मूल्यांकन करवाते हैं ताकि उनकी लंबी अवधि की व्यवहारिकता को सुनिश्चित किया जा सके।

हमारी सीएसआर पहलें हमारे ज्ञान और कौशल के अनुरूप है। फलस्वरूप, हमने लाभार्थियों के जीवन पर कुछ उल्लेखनीय प्रभाव डाले हैं। हम समझते हैं कि समुदाय पर कोई भी सेकेंडरी डेटा समुदाय की आवश्यकताओं को पूरी तरह से प्रमाणित नहीं कर सकता है। किसी भी सीएसआर परियोजना को शुरू करने के लिए आमतौर पर एक पूर्व–आवश्यकता के रूप में, एक अनिवार्य प्रारंभिक बेसलाइन सर्वे/आवश्यकता मूल्यांकन अध्ययन आयोजित किया जाता है। हम अपने सीएसआर कार्यक्रमों को अपनी सीएसआर नीति के अनुरूप डिजाइन करते हैं: गेल – दिल से हृदय कॉर्पोरेट https://gailonline.com/pdf/CSR/final_policy2010.pdf

आवश्यकता विश्लेषण

गेल की सीएसआर समिति स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं और मांगों के आधार पर सीएसआर पहलों का मूल्यांकन और अनुमोदन करता है। आवश्यकता विश्लेषण करने में निम्नलिखित चरण शामिल होते हैं:

- आवश्यकता की पहचान करने के लिए स्थानीय सीएसआर टीम फील्ड में मूल्यांकन करती है
- समुदायों, स्थानीय अधिकारियों और जिला प्रशासन से अनुरोध करती है
- तीसरे पक्षों द्वारा आवश्यकता का विश्लेषण
- अंतर्राष्ट्रीय संगठन और मंत्रालय रिपोर्ट्स, प्रकाशन और सर्वे जारी करते हैं
- जनप्रतिनिधियों से उनके निर्वाचन क्षेत्रों के लिए प्राप्त अनुरोध

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 413-1, GRI 412-1

प्रभाव का आकलन:

स्थाई और सहभागी तरीके से अधिक प्रभाव प्राप्त करने के लिए प्रभाव का आकलन करने के लिए निधि प्रदान की जाती है। गेल का सीएसआर अनुभाग और साइट समन्वयक विभिन्न एजेंसियों और शैक्षणिक संस्थान के सहयोग से प्रभाव का आकलन करते है।

प्रभाव के आकलन में एक एसडब्ल्यूओटी (शक्तियां, कमजोरियाँ, सुधार के अवसर/वृद्धि/संशोधन के अवसर और खतरे) विश्लेषण भी शामिल होता है, जो ‍ट टीम को परियोजनाओं की व्यवहार्यता, स्थिरता और सुधार के क्षेत्रों को निर्धारित करने में सक्षम बनाते हैं। प्रभाव का आकलन करने में बाहरी एजेंसी भी शामिल होती है। प्रभाव के आकलन के एक हिस्से के रूप में केस स्टडीज़, सफल कहानियां और इच्छुक पक्षों से भी जानकारी ली जाती है।

परियोजना की योजना बनाने, डिजाइन, कार्यान्वयन और परिचालन की योजना बनाने में हमारे लिए हितधारकों के दृष्टिकोण महत्वपूर्ण होता है। हालांकि किसी भी परियोजना को शुरू करते समय, हम स्थानीय समुदायों की चिंताओं और मुद्दों का समाधान करने को हमारी शीर्ष प्राथमिकता में एक मानते हैं।

वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान, गेल ने डेलॉइट, केपीएमजी और इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेज (आईपीई) के सहयोग से कई योग्य सीएसआर परियोजनाओं का तीसरे पक्ष से प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन करवाया। हमारा प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन हितधारक की भागीदारी को मापता है और यह सुनिश्चित करता है कि हमारी सीएसआर परियोजनाओं के माध्यम से समुदाय के अधिकतम लोग लाभान्वित हों। प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन के अंतर्गत आने वाली परियोजनाओं का विवरण निम्नलिखित है:

- गेल आरोग्य – 56 एमएमयू वाली मुफ्त बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल और प्राथमिक देखभाल सेवाओं का प्रावधान, जिसमें पूरे भारत के 43 जिले शामिल हैं।
- गेल उत्कर्ष – उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश केंद्रों में 200 छात्रों के लिए इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा के लिए विशेष आवासीय कोचिंग का प्रावधान
- सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी(CIPET) के माध्यम से सात राज्यों– असम, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान,

तेलंगाना, त्रिपुरा और उत्तर प्रदेश में वंचित/बेरोजगार युवाओं के लिए प्लास्टिक के उत्पाद के निर्माण में कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम।

- सरकारी स्कूलों में पेयजल एवं शौचालय की सुविधा, स्मार्ट क्लास की सुविधा में सहयोग करना
- हाइड्रोकार्बन सेक्टर स्किल काउंसिल (एचएसएससी), पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय और भारत सरकार के तहत छह एसडीआई के माध्यम से हाइड्रोकार्बन और अन्य संबद्ध उद्योगों में कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करना।

16.6 समुदाय की शिकायत का निवारण

हमारा मानना है कि सामाजिक बंधन बनाने से हमें एक दूसरे के प्रति अधिक पारदर्शी और जवाबदेह होने में मदद मिलती है। हम इसे अपने समुदायों की असुविधा को समझने के लिए नियमित आधार पर उनके साथ जुड़ने और उन्हें अपनी चिंताओं को व्यक्त करने, शिकायतों को दूर करने और उनके सामने आने वाली समस्याओं का समाधान खोजने के लिए एक तरीका प्रदान करने का स्थान बनाते हैं। इसी कारण से हमने अपने प्रत्येक कार्यालय में एक शिकायत प्रकोष्ठ बनाया है। सभी शिकायतों को एक ही सिस्टम में एकत्र और संग्रहीत किया जाता है और प्रत्येक शिकायत की अलग–अलग और समान महत्व के साथ गहनता से जांच की जाती है। इसके अलावा, इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, गेल को आंतरिक और बाहरी हितधारकों से 243 शिकायतें प्राप्त हुईं और उनमें से 100% का तत्काल समाधान किया गया।

भविष्य के लिए युवा कौशल को बढ़ाना

गेल (इंडिया) लिमिटेड सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीपेट) के माध्यम से युवाओं को 'प्लास्टिक के उत्पाद के निर्माण' में कौशल से लैस करने की दिशा में काम कर रहा है।

1300 लाभार्थियों को प्रशिक्षित किया गया है

प्लेसमेंट की दर 90% से अधिक है

GRI 103-2, GRI 103-3, GRI 413-1

17

"जीआरआई मानकों: विस्तृत विकल्प" के अनुसार

आईपीआईईसीए निरंतरता सूचना निर्देशन और टीसीएफडी अनुशंसाओं के अनुसार

ipieca TCFD

स्वतंत्र बाहरी आश्वासन संस्था द्वारा आश्वासित

प्रदर्शन एवं मानक

प्रदर्शन स्नैपशॉट्स

सामग्री खपत	इकाई	2019-20	2020-21	2021-22
एनजी परिष्कृत	एमएमएससीएम	19,648	17,499	30,502
उत्पादन बनाने के लिए एनजी (एलएचसी संकुचन)	एमएमएससीएम	1,856	1,807	1,704
एनजी को वापस पाइप लाइन भेजना	एमएमएससीएम	16,577	14,533	13,945

सामग्री खपत	इकाई	2019-20	2020-21	2021-22
फिटकरी	एमटी	418	498	562
क्लोरीन	एमटी	2	3	2
चिकनाई और ग्रीस	एमटी	207	176	207
मर्कप्टन	एमटी	18	21	18
मेथेनॉल	एमटी	171	309	218
अन्य रसायन और उत्प्रेरक	एमटी	7,457	7,930	6,549
सल्फ्यूरिक एसिड	एमटी	365	250	227
जल उपचार रसायन	एमटी	9,553	10,993	13,475
पैकिंग बैग	एमटी	4,100	4,231	3,832
कुल संयुक्त सामग्री	एमटी	18,191	20,179	21,257
पुनर्चक्रित सामग्री/ पुनः उपयोग	एमटी	17	12	15

ऊर्जा खपत* (जीजे)	2019-20	2020-21	2021-22
प्रत्यक्ष ऊर्जा	5,31,72,066	4,86,52,359	5,50,14,953
अप्रत्यक्ष ऊर्जा	17,00,595	19,29,828	19,83,078
नवीकरणीय ऊर्जा	95,903	81,049	1,13,711

GRI 301-1, GRI 301-2, GRI 302-1, GRI 302-2

ऊर्जा खपत* (जीजे)	2019-20	2020-21	2021-22
एनजी लपट से ऊर्जा	8,83,787	9,24,846	9,31,853
एलपीजी लपट से ऊर्जा	16,064	18,201	3,707
एनजी निकासन से ऊर्जा	18,57,622	4,22,113	4,78,334
एलपीजी निकासन से ऊर्जा	2,430	659	734
कुल ऊर्जा खपत	5,77,28,467	5,20,29,055	5,85,26,370

** कई साइट्स से प्रति ईंधन मात्रा ऊर्जा गणना की सूचना। अप्रत्यक्ष ऊर्जा सिर्फ़ ग्रिड बिजली से। ऊर्जा को किसी दूसरे रूप में नहीं खरीदा गया।*

*** एनजी और एलपीजी छोड़ने में खपत ऊर्जा को उत्सर्जन के लेखांकन के लिए ऊर्जा खपत के रूप में माना जाता है।*

ऊर्जा खपत (जीजे)	2019-20	2020-21	2021-22
डीज़ल की बचत	330	281	760
बिजली की बचत (जीजे)	21,139	8,149	50,891
एनजी की बचत (जीजे)	2,15,184	3,81,738	6,57,361
कुल बिजली बचत	2,36,653	3,90,168	7,09,012

बिजली की बिक्री* (जीजे)	2019-20	2020-21	2021-22
बिजली की बिक्री	29,848	18,776	5,537

** ऊर्जा किसी और रूप में नहीं बेची गई*

प्रत्यक्ष ऊर्जा खपत स्त्रोत (जीजे)	2019-20	2020-21	2021-22
डीज़ल	17,042	13,368	15,890
प्राकृतिक गैस	3,86,17,623	3,37,87,609	4,10,41,469
अवशिष्ट ईंधन	1,45,37,400	1,48,51,382	1,39,57,595
कुल प्रत्यक्ष ऊर्जा	5,31,72,065	4,86,52,359	5,50,14,953
कुल ऊर्जा प्रबलता (ऊर्जा खपत/कुल वार्षिक कारोबार)	805	920	640

नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादित (जीजे)	2019-20	2020-21	2021-22
वायु	5,98,938	5,13,559	5,49,347
सौर	30,348	31,318	31,836
कुल नवीकरणीय ऊर्जा	6,29,286	5,44,877	5,81,183

वायु उत्सर्जन*	इकाई	2019-20	2020-21	2021-22
एसपीएम	टन/वार्षिक	314	291	290
एनओएक्स	टन/वार्षिक	1,350	1,367	1,142

GRI 302-1, GRI 302-2, GRI 302-3, GRI 302-4, GRI 302-5, GRI 305-7

वायु उत्सर्जन*	इकाई	2019-20	2020-21	2021-22
सीओ	टन/वार्षिक	1,639	241	949
एसओएक्स	टन/वार्षिक	294	201	474
वीओसी	टन/वार्षिक	72	70	53
आर–134 ए	केजी/वार्षिक	451	507	713

** डेटा स्रोतः निकास निगरानी रिपोर्ट, पर्यावरण परीक्षण रिपोर्ट मासिक डेटा, एसपीसीबी रिपोर्ट। सभी प्रासंगिक वायु उत्सर्जन का खुलासा प्रति प्रक्रिया उत्सर्जन और एसपीसीबी/सीपीसीबी नियामक आवश्यकताओं के अनुसार किया जाता है।*

वायु उत्सर्जन*	इकाई	2019-20	2020-21	2021-22
आर–22 (ओडीएस)	केजी/वार्षिक	2,727	2,846	3,524

जीएचजी उत्सर्जन* (टीसीओ$_2$ई)	2019-20	2020-21	2021-22
कार्यक्षेत्र–1 उत्सर्जनों	39,56,930	32,81,058	41,33,249
कार्यक्षेत्र–2 उत्सर्जनों	3,87,358	4,19,125	4,34,135
कार्यक्षेत्र–3 उत्सर्जनों**	1,070	2,38,70,881	2,40,06,532
कुल जीएचजी उत्सर्जन	43,45,358	2,75,71,064	2,85,73,915
जीएचजी प्रबलता (जीएच जी उत्सर्जन (कार्यक्षेत्र–1 एवं कार्यक्षेत्र–2) टीसीओ$_2$ई में कारोबार ₹करोड़ में	61	65.5	50.0

** हमनें केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण (सीईए), भारत के उत्सर्जन कारकों और राष्ट्रीय ग्रीनहाउस गैस सूचियों के लिए आईपीसीसी दिशा निर्देशकों से काम में लिया था, 2006 ग्रीन हाउस गैस सूचियों का उपयोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उत्सर्जन को कार्य क्षेत्र–1 और कार्यक्षेत्र–2 के आकलन के लिए किया है। मीथेन के उत्सर्जन कार्यक्षेत्र–1 के उत्सर्जनों में शामिल किये जाते हैं।*

*** कार्यक्षेत्र 3 के उत्सर्जन में कारोबारी यात्रा से सम्बंधित सीओ2 का उत्सर्जन शामिल है। कार्यक्षेत्र–3 के उत्सर्जनों की सूचना निम्नांकित साइट्स के द्वारा दी गईः मानसपुरा, विजयपुर, वाइजेग, पाता, जामनगर, बेंगलुरु, खेरा, चेरल्लापल्ली और कार्य क्षेत्र 3 के उत्सर्जनों को भी श्रेणी में शामिल करते हैं (बिके हुए उत्पाद का उपयोग)।*

जीएचजी बचत (टीसीओ$_2$ई के बराबर)	2019-20	2020-21	2021-22
डीज़ल	24	21	56
बिजली	4,862	1,788	11,593
एनजी बचत	12,072	21,415	36,878
कुल जीएचजी बचत	16,958	23,224	48,527

जल प्रदर्शन (मिलियन एम^3)	2019-20	2020-21	2021-22
कुल जल खपत	26.20	23.10	22.19
कुल उत्पादित अपशिष्ट जल	2.34	2.20	2.31
अपशिष्ट जल निर्वहन	1.60	1.50	1.64
पुनर्चक्रित/पुनरुपयोग	0.80	0.88	0.72

GRI 303-3, GRI 303-4, GRI 303-5, GRI 305-1, GRI 305-2, GRI 305-3, GRI 305-4, GRI 305-5, GRI 305-6, GRI 305-7

स्त्रोतों द्वारा जल निकासी (पैमाना) (मिलियन एम³)	2019-20	2020-21	2021-22
नगरपालिका जल आपूर्ति (या अन्य जनोपयोगी सेवाओं से)	0.47	1.50	1.69
शुद्ध सतही जल (तालाब, नदियों आदि)	25.40	21.30	20.22
शुद्ध भूजल	0.34	0.30	0.28

सभी क्षेत्रों से जल दबाव के साथ कुल जल निकासी (गांधार, जामनगर, झाबुआ) (मिलियन एम³)*	2019-20	2020-21	2021-22
भूजल	0.03	0.02	0.03
नगरपालिका आपूर्ति	-	1.06	1.24
सतही जल (नदी, समुद्र, झील)	1.33	-	-
कुल जल खपत	1.36	1.08	1.26

** इन सभी साइट्स पर उत्पादित अपषिश्ट जल को पुनर्चक्रित किया जाता है। संयंत्र की सीमा के बाहर अपशिष्ट जल की निकासी नहीं की जाती है।*

अपशिष्ट उत्पादन	2019-20	2020-21	2021-22
ख़तरनाक			
बॉस्केट फिल्टर अपशिष्ट (एमटी)	214.70	2.57	800.54
जैव–चिकित्सा अपशिष्ट (एमटी)	0.57	0.25	3.59
रिक्त ड्रम्स (एमटी)	68.55	75.57	48.72
ईटीपी गाढ़ा कीचड़ (एमटी)	-	-	-
ई–अपशिष्ट (एमटी)	94.48	13.44	6.83
तेलीय कीचड़ (एमटी)	1,906.00	3,670.00	430.00
मैला तेल (लीटर)	5,90,170.40	25,26,144.00	32,25,306.50
टार (एमटी)	12.20	14.80	17.40
इस्तेमाल की गई बैटरियां (संख्या)	1,853.00	1,585.00	239.00
उपयोग हुआ ल्यूब ऑयल (लीटर)	90,776.50	78,148.00	88,413.68
उपयोग हुआ तेल (लीटर)	86,643.00	95,340.00	45,592.38
गैर ख़तरनाक			
केबल्स (एमटी)	46.47	21.64	18.25
कैंटीन अपशिष्ट (एमटी)	532.61	16.06	16.30
सिरामिक सामग्री (एमटी)	6.21	-	7.72
मेटल स्क्रेप (एमटी)	1,248.87	667.18	1,677.12
विविध अपशिष्ट (एमटी)	55.81	193.40	25.27
मोलेक्यूलर सिव (एमटी)	189.70	115.91	63.97
कागज़ खपत (एमटी)	23.09	19.83	12.72
प्लास्टिक स्क्रेप (एमटी)	40.20	134.73	249.68
सिलिका जेल (एमटी)	75.50	51.27	57.27
खर्च हुआ एल्यूमिना (एमटी)	1,135.00	1,237.30	1,158.30
टायर (संख्या)	-	466.00	517.00

GRI 303-3, GRI 303-5, GRI 303-1, 306-3, 306-4, 306-5

अपशिष्ट उत्पादन	2019-20	2020-21	2021-22
उपयोग हुए बैग फिल्टर (संख्या)	3,349.00	4,087.00	4,307.00
उपयोग हुआ उपभोग्य (एमटी)	1.14	0.39	2.76
वूडेन स्क्रेप (एमटी)	568.55	263.88	151.83

अपशिष्ट निष्कासन के प्रकार	2019-20		2020-21		2021-22	
	तरल (लीटर)	ठोस (एमटी)	तरल (लीटर)	ठोस (एमटी)	तरल (लीटर)	ठोस (एमटी)
जलाना	0	2,157.00	0	4,003.28	0	713.24
भूमि भराव	0	127.10	0	216.05	1.50	21.00
ऑनसाइट स्टोरेज	7,860.00	22.60	2,360.00	105.67	4,110.20	2.03
पुनर्चक्रण	7,59,689.40	3,169.81	26,97,272.00	6,191.89	23,26,082.00	2,594.00

निष्कासन (वित्त वर्ष 2021-22)	ख़तरनाक	गैर–ख़तरनाक
जलाना (एमटी)	450.90	262.34
भूमि भराव (एमटी)	0.19	20.81
साईट पर		
तरल (लीटर)	4,110.20	NA
ठोस (एमटी)	0.03	3.68
पुनर्चक्रण		
तरल (लीटर)	23,26,082	NA
ठोस (एमटी)	40.61	2,553.39

उपयुक्त अवस्था/साईट पर संचयन और जल निष्कासन के लिए केन्द्रीय विनियमों का पालन किया जाता है। कुछ अपशिष्टों (जैसे बैटरी, टायर आदि) को साईट/कार्यालय में संख्या में गिन कर सामग्री के औसत भार के हिसाब से एमटी में बदल दिया जाता है।

पर्यावरण व्यय (आईएनआर मिलियन)	2019-20	2020-21	2021-22
अपशिष्ट का उपचार और निष्कासन	21.54	69.79	78.37
प्रदूषण नियंत्रण में उपयोग हुए उपकरणों का मूल्य–ह्रास और प्रबंधन	31.7	37.68	32.65
पर्यावरणीय प्रबंधन के लिए बाहरी सेवाएं	18.57	7.33	8.43
प्रबंधन प्रणालियों के लिए बाहरी सेवाएं	3.07	1.05	3.54
सामान्य पर्यावरणीय प्रबंधन गतिविधियों के लिए कर्मी खर्च	72.6	71.94	85.52
स्वच्छ टेक्नोलॉजी को लगाने में हुआ व्यय	14.85	101.72	16.29
पर्यावरणीय ऋण के लिए बीमा	53.55	41.93	35.77
अन्य पर्यावरणीय व्यय	32.5	33.64	40.79
कुल पर्यावरणीय व्यय	248.38	365.08	301.37
पर्यावरणीय जुर्माना	0	0	0

306-3, 306-4, 306-5

कुल ऊर्जा व्यय (विवरण) (₹ करोड़)	2019-20	2020-21	2021-22
ऊर्जा व्यय	367.92	412.49	385.79
ईंधन का उपयोग गैस के रूप में	2,107.63	1,280.84	1,762.44
जल व्यय	19.68	17.69	20.66
कुल व्यय	2,495.23	1,711.02	2,168.89

स्थायी कर्मचारियों का स्वास्थ्य एवं सुरक्षा	इकाई	2019-20	2020-21	2021-22
प्रबंधन प्रतिनिधियों की सुरक्षा समितियाँ	संख्या	293	264	247
सुरक्षा समितियों में गैर–प्रबंधन प्रतिनिधि	संख्या	215	190	183
चूक के मामले–पुरुष	संख्या	1,399	1,050	1,036
चूक के मामले–महिला	संख्या	16	3	99
मामूली चोटें–पुरुष	संख्या	0	0	0
मामूली चोटें–महिला	संख्या	0	0	0
सूचना योग्य चोटें–पुरुष	संख्या	0	0	0
सूचना योग्य चोटें–महिला	संख्या	0	0	0
सूचना योग्य चोटों के कारण व्यर्थ हुए दिन–पुरुष	संख्या	0	0	0
सूचना योग्य चोटों के कारन व्यर्थ हुए दिन–महिला	संख्या	0	0	0
मौतें–पुरुष	संख्या	0	0	0
मौतें–महिला	संख्या	0	0	0
प्राथमिक चिकित्सा के मामले–पुरुष	संख्या	42	17	5
प्राथमिक चिकित्सा के मामले–महिला	संख्या	0	0	0
श्रम–घंटों में काम–पुरुष	मिलियन–श्रम–घंटे	6.09	5.7	4.2
श्रम–घंटों में काम–महिला	मिलियन–श्रम–घंटे	0.28	0.3	0.16
व्यावसायिक बीमारियाँ–कर्मचारी–पुरुष	संख्या	0	0	0
व्यावसायिक बीमारियाँ–कर्मचारी–महिला	संख्या	0	0	0

स्थायी कर्मचारियों का स्वास्थ्य एवं सुरक्षा	इकाई	2019-20	2020-21	2021-22
एलटीआईएफआर–पुरुष	सूचना योग्य चोटें प्रति मिलियन काम के घंटों में हुआ काम	0	0	0
एलटीआईएफआर–महिला	सूचना योग्य चोटें प्रति मिलियन काम के घंटों में हुआ काम	0	0	0
गंभीरता दर–कुल	बरबाद दिन प्रति मिलियन–काम–के घंटे	0	0	0
हताहत दर–पुरुष	मौतें प्रति मिलियन–काम के घंटे	0	0	0
हताहत दर–महिला	मौतें प्रति मिलियन–काम के घंटे	0	0	0

GRI 403-9, 403-10

संविदा कर्मचारियों का स्वास्थ्य एवं सुरक्षा	इकाई	2019-20	2020-21	2021-22
चूक के मामले–पुरुष	संख्या	312	215	177
चूक के मामले–महिला	संख्या	4	4	0
मामूली चोटें–पुरुष	संख्या	0	0	0
मामूली चोटें–महिला	संख्या	0	0	0
सूचना योग्य चोटें–पुरुष	संख्या	1	1	0
सूचना योग्य चोटें–महिला	संख्या	0	0	0
सूचना योग्य चोटों के कारण व्यर्थ हुए दिन–पुरुष	संख्या	11	16	28
सूचना योग्य चोटों के कारण व्यर्थ हुए दिन–महिला	संख्या	0	0	0
मौतें–पुरुष	संख्या	0	0	0
मौतें–महिला	संख्या	0	0	0
प्राथमिक चिकित्सा मामले–पुरुष	संख्या	212	187	104
प्राथमिक चिकित्सा मामले–महिला	संख्या	0	11	1

संविदा कर्मचारियों का स्वास्थ्य एवं सुरक्षा	इकाई	2019-20	2020-21	2021-22
कार्यरत श्रम घंटे–पुरुष	मिलियन–श्रम घंटे	24.2	24.3	21.7
कार्यरत श्रम घंटे–महिला	मिलियन–श्रम घंटे	0.41	0.35	0.33
व्यावसायिक बीमारियाँ–संविदा कर्मचारी–पुरुष	संख्या	0	0	0
व्यावसायिक बीमारियाँ–संविदा कर्मचारी–महिला	संख्या	0	0	0
एलटीआईएफआर–पुरुष	सूचना योग्य चोटें प्रति मिलियन–कार्यरत श्रम घंटे	0.04	0.04	0.046
एलटीआईएफआर–महिला	सूचना योग्य चोटें प्रति मिलियन–कार्यरत श्रम घंटे	0	0	0
गंभीरता दर–कुल	व्यर्थ दिन प्रति मिलियन–कार्यरत श्रम घंटे	0.45	0.7	1.27
हताहत दर– पुरुष	हताहत प्रति मिलियन–कार्यरत श्रम घंटे	0	0	0
हताहत दर–महिला	हताहत प्रति मिलियन–कार्यरत श्रम घंटे	0	0	0
प्राथमिक चिकित्सा मामले–महिला	संख्या	0	11	1

स्थायी कर्मचारियों का वितरण (संख्या)	2019-20	2020-21	2021-22
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7–ई9)–पुरुष	303	322	348
वरिष्ठ प्रबंधन(ई7–ई9)–महिला	7	8	8

GRI 102-8, GRI 403-9, 403-10, GRI 405-1

स्थायी कर्मचारियों का वितरण (संख्या)	2019-20	2020-21	2021-22
स्थायी कर्मचारी वितरण (संख्या)	1680	1707	1684
मध्य प्रबंधन (ई4–ई6)–पुरुष	85	85	108
मध्य प्रबंधन (ई4–ई6)– महिला	1485	1511	1583
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0–ई3)–पुरुष	171	163	156
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0–ई3)–महिला	905	856	825
गैर–प्रबंधन (एस0–एस7)–पुरुष	40	38	36
गैर–प्रबंधन (एस0–एस7)–महिला	0	0	0
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7–ई9) : <30 वर्ष की उम्र	56	66	62
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7–ई9) : 30 से 50 वर्ष की उम्र	254	264	294
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7–ई9) : >50 वर्ष की उम्र	0	1	0
मध्य प्रबंधन (ई4–ई6) : <30 वर्ष की उम्र	1199	1193	1201
मध्य प्रबंधन (ई4–ई6) : 30 से 50 वर्ष की उम्र	566	607	591
मध्य प्रबंधन (ई4–ई6) : >50 वर्ष की उम्र	444	496	703
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0–ई3) : <30 वर्ष उम्र	781	713	577
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0–ई3) : 30 से 50 वर्ष उम्र	431	465	459
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0–ई3) : >50 वर्ष उम्र	239	186	185
गैर प्रबंधन (एस0–एस7) : <30 वर्ष उम्र	580	587	550
गैर प्रबंधन (एस0–एस7) : 30 से 50 वर्ष उम्र	126	121	126
वित्त वर्ष के दौरान लिए गए नए कर्मचारी : पुरुष	242	146	231
वित्त वर्ष के दौरान लिए गए नए कर्मचारी : महिला	33	10	18

विवरण	कुल	पुरुष		महिला	
		संख्या	%	संख्या	%
विक्लांग व्यक्ति					
स्थायी कर्मचारी	62	56	90	6	10
स्थायी कामगार	34	29	85	5	15
स्थायी के अलावा अन्य	7	7	100	0	0
कुल विभिन्न क्षमता वाले कर्मचारी	96	85	89	11	11

संविदा कर्मी वितरण (संख्या)	2019-20	2020-21	2021-22
सुरक्षा कर्मी–पुरुष	1,872	1,878	3,676
सुरक्षा कर्मी–महिला	4	4	9
नियमित अनुबंधित कर्मी–पुरुष	11,842	12,997	12,694
नियमित अनुबंधित कर्मी–महिला	382	382	380

GRI 102-8, GRI 401-1, GRI 405-1

संविदा कर्मी वितरण (संख्या)	2019-20	2020-21	2021-22
प्रशिक्षु की कुल संख्या–पुरुष	912	444	275
प्रशिक्षु की कुल संख्या–महिला	161	101	50

विवरण	वित्त वर्ष 2021–22 (वर्तमान वित्त वर्ष में कारोबार दर			वित्त वर्ष 2021–22 (पिछले वित्त वर्ष में कारोबार दर)			वित्त वर्ष 2019–20 (पिछले के पिछले वित्त वर्ष में कारोबार दर)		
	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
स्थायी कर्मचारी	4.82%	3.73%	4.75%	2.84%	3.77%	2.91%	2.91%	5.09%	3.06%
स्थायी कामगार	2.16%	2.74%	2.19%	2.43%	2.63%	2.44%	1.24%	0.00%	1.22%

प्रशिक्षण (काम के घंटे)	2019-20	2020-21	2021-22
प्रबंधन कर्मचारी (प्रत्यक्ष)–पुरुष	1,38,976.00	72,297.00	98,979.50
प्रबंधन कर्मचारी (प्रत्यक्ष)–महिला	11,600.00	7,180.00	7,457.50
गैर–प्रबंधन कर्मचारी (प्रत्यक्ष)–पुरुष	33,280.00	13,055.00	14,881.00
गैर प्रबंधन कर्मचारी (प्रत्यक्ष)–महिला	1,752.00	609.00	481.00
अनुबंधित कामगार (संचालन)–पुरुष	69,031.00	57,360.30	1,57,106.00
अनुबंधित कामगार (संचालन)–महिला	1,534.00	1,270.25	817.00
स्थायी कर्मचारी–दिव्यांग	3,296.00	1,581.00	2,411.50
प्रशिक्षण के कुल घंटे (स्थायी एवं अनुबंधित कर्मचारी)	2,59,469.00	1,53,352.55	2,82,133.50

पितृत्व अवकाश के बाद काम पर लौटे कर्मचारी	लिंग	2019-20	2020-21	2021-22
पितृत्व अवकाश के अधिकारी कर्मचारियों की संख्या	पुरुष	4,710	4,401	4,446
	महिला	307	304	308
पितृत्व अवकाश ले चुके कर्मचारियों की संख्या	पुरुष	136	153	155
	महिला	10	15	15
पितृत्व अवकाश समाप्ति पर काम पर लौटे कर्मचारियों की संख्या	पुरुष	133	149	152
	महिला	15	9	10
पितृत्व अवकाश समाप्ति के बाद काम पर लौटे वे कर्मचारी जो अभी भी 12 महीनों तक के लिए काम पर रखे गए थे	पुरुष	136	132	152
	महिला	14	9	8
पितृत्व अवकाश के बाद काम पर लौटे कर्मचारियों की प्रतिधारण दर	पुरुष	98.50%	99.24%	99.35%
	महिला	70%	60%	100%

GRI 102-8, GRI 401-1, GRI 401-3

ख़रीदी दर्शाना	2019-20	2020-21	2021-22
माल और आपूर्ति की कुल ख़रीद आईएनआर करोड़ में	5,097.00	7,201.60	8,961.00
स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं से कुल माल और आपूर्ति की ख़रीदी आईएनआर करोड़ में	4,788.20	6,769.20	8,169.00
पर्यावरणीय मानदंड के माध्यम से जांचे गए नए आपूर्तिकर्ताओं का प्रतिशत	100.00	100.00	100.00
श्रम अभ्यास मानदंड के माध्यम से जांचे गए नए आपूर्तिकर्ताओं का प्रतिशत	100.00	100.00	100.00
मानव अधिकार मानदंड के माध्यम से जांचे गए नए आपूर्तिकर्ताओं का प्रतिशत	100.00	100.00	100.00
सामाजिक प्रभाव मानदंड के माध्यम से जांचे गए नए आपूर्तिकर्ताओं का प्रतिशत	100.00	100.00	100.00
समाज पर महत्वपूर्ण वास्तविक और गंभीर नकारात्मक प्रभाव वाले पहचाने गए आपूर्तिकर्ताओं का प्रतिशत	0	0	0
समाज पर महत्वपूर्ण वास्तविक और गंभीर नकारात्मक प्रभाव डालने वाले आपूर्तिकर्ताओं का प्रतिशत जिन्हें पहचाना गया और जिनसे सम्बन्ध ख़त्म किए गए	0	0	0

GRI 102-9, GRI 414-1

स्वतंत्र आश्वासन वक्तव्य

परिचय

गेल (इंडिया) लिमिटेड {(इसके बाद 'गेल' के संक्षिप्त रूप में} ने 1 अप्रैल 2021 से 31मार्च 2022 तक की रिपोर्टिंग अवधि के लिए अपनी स्थिरता रिपोर्ट (रिपोर्ट) का एक स्वतंत्र आश्वासन देने के लिए "ब्यूरो वेरिटाज़" को नियुक्त किया है। आश्वासन, आश्वासन मानक AA1000AS-v3 और जीआरआई की आवश्यकताओं के अनुसार आयोजित किया गया है।

इस आश्वासन के लिए शामिल सुविधाओं मे पांच स्थानों (पाता, विजयपुर, वाघोदिया, गंधार), पाटा में एक पेट्रोकेमिकल संयंत्र, आठ प्राकृतिक गैस कम्प्रेसर स्टेशन, (हज़ीरा, वाघोदिया, झाबुआ, खेड़ा, विजयपुर, दबियापुर, कैलारस और चैनसा) दस एलपीजी पम्पिंग/रिसीविंग स्टेशन (लोनी, मनसारामपुरा, नसीराबाद, आबू रोड, समाखिआली, जामनगर, कांडला, वाइजेग, जी कोंदुरु और चेर्लापल्ली), आठ क्षेत्रीय पाइपलाइन ऑफिस (एनसीआर, बड़ौदा, मुंबई, पुदुचेरी, राजमंड्री, अगरतला और डीबीपीएल), कॉर्पोरेट ऑफिस नई दिल्ली में ऑफिस बिल्डिंग, दो गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई)(नोएडा और जयपुर) और जुबली टॉवर नोएडा में ऑफिस, नोएडा में इन्फो–हब, क्षेत्रीय विपणन कार्यालय।

सीमाएं

यह आश्वासन की सीमा के अन्दर उल्लिखित खुलासे की सीमाओं, परिभाषित रिपोर्टिंग सीमा के बाहर डेटा और जानकारी, कंपनी की रणनीति और वित्तीय प्रदर्शन से सम्बंधित डेटा और रिपोर्ट में उल्लिखित अन्य कड़ियों के अंतर्गत है। आश्वासन के दायरे में रिपोर्ट में वे बयान शामिल नहीं है जो कम्पनी के दृष्टिकोण, रणनीति, उद्देश्य, अपेक्षा, आकांक्षा, विश्वास, या इरादे, रिपोर्ट में प्रतिस्पर्धी दावों का करते हैं (भारत में पहली बार, भारत में पहली बार, पहली बार, अपनी तरह का, इत्यादि, यदि कोई हो तो)

गेल के कार्य क्षेत्र और भौगोलिक सीमाओं के बाहर की गतिविधियों और कार्यान्वयन पर जिनका सन्दर्भ इस रिपोर्ट में है, साथ ही साथ किसी भी अन्य संस्था द्वारा कार्यान्वयन ले लेने पर जो "गेल" से जुड़ी हो या जिसका व्यावसायिक सम्बन्ध हो, आश्वासन का विस्तार नहीं होता है।

स्वतंत्रता

एश्योरेंस टीम के किसी भी सदस्य का "गेल", इसके निदेशकों, प्रबंधकों या अधिकारियों के साथ इस असाइनमेंट के लिए आवश्यक व्यावसायिक संबंध नहीं है। हमने यह सत्यापन स्वतंत्र रूप से किया है और हितों का कोई टकराव नहीं हुआ है। एश्योरेंस टीम को पर्यावरणीय, सामाजिक, नैतिक और स्वास्थ्य और सुरक्षा सूचना, सिस्टम और प्रक्रियाओं पर आश्वासन देने का व्यापक अनुभव है, जो स्थिरता रिपोर्टिंग के आश्वासन के लिए ब्यूरो वेरिटास मानक पद्धति की उत्कृष्ट समझ है।

गेल का उत्तरदायित्व

गेल जीआरआई मानकों के अनुसार रिपोर्ट तैयार करने और प्रकट किए गए डेटा और जानकारी पर प्रभावी आंतरिक नियंत्रण बनाए रखने के लिए ज़िम्मेदार है।

सत्यापनकर्ता का उत्तरदायित्व

एश्योरेंस स्टेटमेंट पूरी तरह से "गेल" के लिए "गेल" और ब्यूरो वेरिटास के बीच एश्योरेंस एंगेजमेंट कॉन्ट्रैक्ट के प्रशासी संविदात्मक नियमों और शर्तों के अनुसार बनाया गया है। जिस हद तक कानून अनुमति देता है, हम इस आश्वासन रिपोर्ट के लिए या नीचे दिए गए पैराग्राफ में बताए गए हमारे निष्कर्षों के लिए "गेल" के अलावा किसी अन्य पार्टी के लिए कोई जिम्मेदारी नहीं लेते हैं और किसी भी अन्य पार्टी के लिए कोई दायित्व स्वीकार नहीं करते हैं।

GRI 102-56

आश्वासन का दायरा और स्तर

ब्यूरो वेरिटास को निम्न के लिए मध्यम स्तर टाइप 2 आश्वासन प्रदान करने के लिए लगाया गया है:

- मानक AA1000AS-v3 में निर्धारित समावेशिता, भौतिकता और जवाबदेही के सिद्धांतों का पालन
- रिपोर्टिंग में आवश्यक निर्धारित सटीकता, संतुलन, स्पष्टता, तुलनीयता, विश्वसनीयता और समयबद्धता के सिद्धांतों का जीआरआई मानकों की व्यापक अनुरूपता के अनुसार पालन करें।
- "तदानुसार–व्यापक" रिपोर्टिंग के लिए, सामान्य प्रकटीकरण और विषय विशिष्ट प्रकटीकरणों का समर्थन करते हुए, निम्न जीआरआई मानकों की आवश्यकता:

सामान्य प्रकटीकरण और प्रबंधन पहुँच (जीआरआई 102, जीआरआई 103)

सामान्य प्रकटीकरण पर दी गई जानकारी साथ ही प्रबंधन द्रष्टिकोण के अनुसार 'अनुरूपता' हेतु प्रकटीकरण आवश्कताओं के अनुसार–रिपोर्टिंग का विस्तृत विकल्प।

- प्रकटीकरण 102–1 से 102–13 (संगठनात्मक प्रोफाइल)
- प्रकटीकरण 102–14 से 102–17 (रणनीति)
- प्रकटीकरण 102–16 से 102–17 (नैतिकता और सत्यता)
- प्रकटीकरण (शासन)
- प्रकटीकरण (हिस्सेधारकों की वचनबद्धता)
- प्रकटीकरण (रिपोर्टिंग प्रक्रिया)
- प्रकटीकरण (प्रबंधन द्रष्टिकोण)

विषय विशिष्ट प्रकटीकरण

नीचे पहचान कर दिए गए सामग्री विषयों के लिए प्रदर्शन संकेतक

आर्थिक

- प्रकटीकरण 201–1 से 201–4 (आर्थिक प्रदर्शन)
- प्रकटीकरण 201–1 से 201–4 (आर्थिक प्रदर्शन)
- प्रकटीकरण 20–1 एवं 203–2–(अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव)
- प्रकटीकरण 204–1 (ख़रीदी कार्यप्रणाली)
- प्रकटीकरण 205–1 से 205–3 (भ्रष्टाचार विरोधी)
- प्रकटीकरण 206–1 (प्रतिस्पर्धी विरोधी व्यवहार)

पर्यावरण

- प्रकटीकरण 301–1 से 301–3 (सामग्री)
- प्रकटीकरण 302–1 से 302–5 (ऊर्जा)
- प्रकटीकरण 303–1 से 303–5 (जल और बहिस्त्राव)
- प्रकटीकरण 304–1 से 304–4 (जैव विविधता)
- प्रकटीकरण 305–1 से 305–7 (उत्सर्जन)
- प्रकटीकरण 306–1 से 306–5 (अपशिष्ट)
- प्रकटीकरण 307–1 (अनुपालन)
- प्रकटीकरण 308–1 से 308–2 (आपूर्तिकर्ता पर्यावरण मूल्यांकन)

समाजिक

- प्रकटीकरण 401–1 से 401–3 (रोज़गार)
- प्रकटीकरण 402–1 (श्रम/प्रबंधन सम्बन्ध)
- प्रकटीकरण 403–1 से 403–10 (व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा)
- प्रकटीकरण 404–1 से 404–3 (प्रशिक्षण एवं शिक्षा)
- प्रकटीकरण 405–1 और 405–2 (विविधता और सामान अवसर)

- प्रकटीकरण 406–1 (गैर भेदभाव)
- प्रकटीकरण 407–1 (संगठन और सामूहिक सौदेबाज़ी की स्वतंत्रता)
- प्रकटीकरण 408–1 (बाल श्रम)
- प्रकटीकरण 409–1 (जबरन या अनिवार्य श्रम)
- प्रकटीकरण 410–1 (सुरक्षा अभ्यास)
- प्रकटीकरण 411–1 (स्वदेशी व्यक्तियों के अधिकार)
- प्रकटीकरण 412–1 से 412–3 (मानव अधिकार मूल्यांकन)
- प्रकटीकरण 413–1 और 413–2 (स्थानीय समुदाय)
- प्रकटीकरण 414–1 औए 414–2 (आपूर्तिकर्ता सामजिक मूल्यांकन)
- प्रकटीकरण 415–1 (सार्वजनिक नीति)
- प्रकटीकरण 416–1 से 416–3 (ग्राहक स्वास्थ्य और सुरक्षा)
- प्रकटीकरण 417–1 से 417–3 (विपणन और लेबलिंग)
- प्रकटीकरण 418–1 (ग्राहक गोपनीयता)
- प्रकटीकरण 419–1 (सामजिक आर्थिक अनुपानल)

ली गईं गतिविधियाँ

ब्यूरो वेरिटास ने इस आश्वासन के लिए निम्नलिखित गतिविधियों की ज़िम्मेदारी ली

I. गेल की सम्बंधित स्थिरता टीम के साथ साक्षात्कार

II. निम्नलिखित स्थानों पर साईट के दौरे का आयोजन किया– नई दिल्ली में गेल का कॉर्पोरेट ऑफिस, नोएडा का जुबिली टॉवर, गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई) नोएडा में, गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई) जयपुर में, भारत में स्थित पांच परिचालन स्थल यानी गैस प्रसंस्करण इकाई और पाटा (यूपी) में पेट्रोकेमिकल संयंत्र, विजयपुर (एमपी) में गैस प्रसंस्करण इकाई और कम्प्रेसर स्टेशन और वघोदिया (गुजरात) में और मंसारामपुरा (राजस्थान)। और मुंबई और हज़ीरा (गुजरात) के कम्प्रेसर स्टेशन में वर्चुअल ऑडिट का आयोजन किया गया।

III. गेल द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजी साक्ष्य की समीक्षा

IV. नमूनों के आधार पर रिपोर्ट और सम्बंधित कार्यपत्रकों में प्रदत्त प्रदर्शन डेटा की समीक्षा और इसके स्त्रोत की डेटा ट्रेल

V. डेटा के संग्रह, एकत्रीकरण, विश्लेषण के लिए गेल के डेटा और सूचना प्रणाली की समीक्षा।

VI. गेल द्वारा सुविधा प्रदान की गई हितग्राही एंगेजमेंट कार्यशाला के सम्बन्ध में बनाए गए रिकाड्र्स की समीक्षा हितग्राही एंगेजमेंट गतिविधियों की समीक्षा।

VII. जीआरआई पैमानों में उल्लेखित सम्बंधित आर्थिक, पर्यावरण और सामाजिक विषयों के अंतर्गत रिपोर्ट किए गए डेटा के संरेखण की जांच करने के लिए रिपोर्ट की प्रतीक्षा।

निष्कर्ष

सामान्य स्तर की टाइप 2 आश्वासन प्रक्रियाओं और मिले हुए साक्ष्यों के आधार पर हमें ऐसा कुछ भी नहीं लगा जिससे ये विश्वास हो कि सभी भौतिक मामलों में रिपोर्ट जीआरआई मानकों और एए 1000 एएस वी३ की रिपोर्टिंग आवश्यकताओं के अनुसार नहीं है।

अवलोकन और सिफारिशें

- **समावेशिता का सिद्धांतः** अपने हितग्राहियों के साथ जुड़ने में गेल ने समावेशिता का सिद्धांत को अपनाया है। विभिन्न विभाग अपने हितग्राहियों के साथ विभिन्न चैनलों के माध्यम से नियमित रूप से जुड़ते हैं।
- **मटेरियलिटी का सिद्धांतः** ख़ास भौतिक मुद्दों की रिपोर्ट करने के लिए गेल ने भौतिक निर्धारण की एक व्यवस्थित प्रक्रिया का पालन किया है।

- **उत्तरदायित्व का सिद्धांतः** अपने हितग्राहियों के लिए गेल ने जवाबदेही के सिद्धांत को लागू किया है, प्रमुख हितग्राहियों द्वारा उठाये गए किसी भी मुद्दे का जवाब देने के लिए कम्पनी के पास एक सुचारू प्रणाली है।
- **प्रभाव का सिद्धांतः** गेल ने कुछ ख़ास पर्यावरणीय, शासन और सामाजिक विषयों को पहचाना, मापा और उनके प्रभाव का खुलासा किया है।

रिपोर्ट के पूरे सारांश को प्रभावित किए बिना निम्न सुझाव दिए जाते हैं।

- गेल अपनी सभी साइटों/पाइप लाइनों पर होने वाले मीथेन उत्सर्जन की नियमित निगरानी के लिए एक एसओपी विकसित करने पर विचार कर सकता है।
- गेल अपनी प्रत्यक्ष एनजी निकासी को कम करने पर विचार कर सकता है।
- आधुनिक उत्सर्जन कारकों को शामिल करने के लिए गेल जीएचजी उत्सर्जन गणना हेतु अपने एसओपी को अपडेट करने पर विचार कर सकता है।
- गेल अपने डेटा संग्रह सॉफ्टवेयर को अपडेट करने पर विचार कर सकता है, जिसमें स्कोप 3 डेटा संग्रह के लिए टेम्पलेट शामिल है।
- टीसीएफडी के अनुरूप गेल अपनी सभी साइटों के लिए जलवायु परिवर्तन विश्लेषण (परिद्रश्य विश्लेषण) और जोखि़म मूल्यांकन करने पर विचार कर सकता है।
- अपनी परिचालन सीमाओं में मोजूद जैव विविधता और अन्य सम्बंधित विषयों पर गेल स्वतंत्र अनुसन्धान करने पर विचार कर सकता है, जिसमें आईयूसीएन सूची एवं राष्ट्रीय संरक्षण सूचियों में शामिल प्रजातियाँ शामिल हैं।
- अपने सभी उत्पादों से जुड़े पर्यावरणीय प्रभाव और जोखि़म की पहचान के लिए गेल अपने सभी उत्पादों का जीवन चक्र मूल्यांकन (एलसीए) आयोजित करने पर विचार कर सकता है।
- गेल कॉर्पोरेट और साईट दोनों स्तरों पर नियमित और व्यवस्थित पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभाव आकलन करने के लिए एक रूपरेखा विकसित करने पर विचार कर सकता है।
- गेल जल संतुलन गणना के सम्बन्ध में गणनाओं और अनुमाओं के लिए एक मानकीकृत मैनुअल विकसित करने पर विचार कर सकता है। इसके अलावा सभी साइटों के पुनर्नवीनीकृत पानी की गुणवत्ता और मात्रा की निगरानी के लिए एसओपी भी विकसित किए जा सकते हैं।

कल्याण डे
प्रमुख आश्वासक

संजय पाटनकर
तकनीकी समीक्षक

AA1000
Licensed Report
000-137/V3-H23EZ

दिनांकः 16/08/2022
स्थानः मुंबई, भारत

जीआरआई विषय सूचकांक

विषय सूचकांक सर्विस 2022

जीआरआई सामग्री सूचकांक सेवा के लिए, जीआरआई सेवाओं ने समीक्षा की कि जीआरआई सामग्री सूचकांक प्रस्तुत किया गया है और सभी प्रकटीकरणों की सन्दर्भ रिपोर्ट के मुख्य भाग में उपयुक्त अनुभागों के साथ संरेखित है।

जीआरआई स्तर	प्रकटीकरण	प्रकटीकरण का सन्देश	पृष्ठ क्रमांक	छूट	
				कारण	स्पष्टीकरण
जीआरआई101: फाउंडेशन 2016 (जीआरआई 101 में कोई प्रकटीकरण शामिल नहीं है)					
जीआरआई 102: सामान्य प्रकटीकरण 2016	102-1	संस्था का नाम	2, 26, 71		
	102-2	गतिविधियाँ, ब्रांड, उत्पाद और सेवाएँ	26, 30		
	102-3	मुख्यालय का स्थान	27		
	102-4	संचालन का स्थान	26		
	102-5	स्वामित्व और क़ानूनी रूप	26, 27		
	102-6	सेवा दिए गए बाज़ार	26		
	102-7	संगठन का पैमाना	26, 30, 32, 64, 110		
	102-8	कर्मचारियों एवं अन्य काम करने वालों की जानकारी	2, 110, 164, 165, 166		
	102-9	आपूर्ति श्रृंखला	10, 66, 83, 84, 135, 167		
	102-10	संगठन और उसकी आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण परिवर्तन	10, 30, 66		
	102-11	सावधानी के सिद्धांत या दृष्टिकोण	58		
	102-12	बाहरी पहल	12, 36, 68, 69, 74, 87, 89, 90		
	102-13	संगठन की सदस्यता	62		
	102-14	वरिष्ठ निर्णयकर्ता का वक्तव्य	4		
	102-15	प्रमुख प्रभाव, जोख़िम और अवसर	57-59		
	102-16	मूल्य, सिद्धांत, मानक और व्यवहार के तरीके	28, 50, 52		

GRI 102-55

जीआरआई स्तर	प्रकटीकरण	प्रकटीकरण का सन्देश	पृष्ठ क्रमांक	छूट	
				कारण	स्पष्टीकरण
जीआरआई 102: सामान्य प्रकटीकरण 2016	102-17	सलाह के लिए तंत्र और नैतिकता के लिए चिंता	52		
	102-18	नियंत्रण संचरना	34, 46, 47		
	102-19	प्रतिनिधि प्राधिकरण	46		
	102-20	आर्थिक, सामाजिक और पर्यावर्णीय विषयों के लिए कार्यकारी स्तर की ज़िम्मेदारी	34, 38, 46		
	102-21	आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक विषयों पर हितधारकों से परामर्श करना	39, 46		
	102-22	सर्वोच्च नियंत्रण निकाय और उसकी समितियों की संरचना	46, 47		
	102-23	सर्वोच्च नियंत्रण निकाय के अध्यक्ष	46		
	102-24	सर्वोच्च नियंत्रण निकाय के अध्यक्ष को नामांकित करना और चुनना	46		
	102-25	हितों का टकराव	49		
	102-26	उद्देश्य, मूल्य और रणनीति निर्धारित करने में सर्वोच्च शासन निकाय की भूमिका	48		
	102-27	सर्वोच्च शासन निकाय का सामूहिक ज्ञान	46		
	102-28	सर्वोच्च शासन निकाय के प्रदर्शन का मूल्यांकन	48		
	102-29	आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों की पहचान और प्रबंधन	34, 39, 46		
	102-30	जोखिम प्रबंधन प्रक्रियाओं की प्रभावशीलता	3, 34, 57, 58		
	102-31	आर्थिक, पर्यावरण और सामाजिक विषयों की समीक्षा	3, 34		
	102-32	स्थिरता रिपोर्टिंग में सर्वोच्च शासन निकाय की भूमिका	3, 34		
	102-33	प्रमुख चिंताओं पर संवाद	54		
	102-34	महत्वपूर्ण चिंताओं की कुल संख्या और उनकी प्रकृति	54		
	102-35	पारिश्रमिक नीतियां	48, 110		
	102-36	पारिश्रमिक निर्धारित करने की प्रक्रिया	48		
	102-37	पारिश्रमिक में हितधारकों की भागीधारी	48		
	102-38	कुल वार्षिक मुआवज़ा अनुपात	49		

जीआरआई स्तर	प्रकटीकरण	प्रकटीकरण का सन्देश	पृष्ठ क्रमांक	छूट	
				कारण	स्पष्टीकरण
जीआरआई 102: सामान्य प्रकटीकरण 2016	102-39	कुल वार्षिक खपत अनुपात में बढ़ा हुआ प्रतिशत	49		
	102-40	हितधारकों के समूह की सूची	38		
	102-41	समूहिक सौदेबाजी अनुबंध	117		
	102-42	हितधारकों को पहचानना और चुनना	38		
	102-43	हितधारकों की संलग्नता से जुड़ाव	39, 54		
	102-44	मुख्य विषय और ज़ाहिर की गई चिंता	39-42, 108, 140, 148		
	102-45	संयुक्त वित्तीय कथनों में शामिल संस्थाएं	3		
	102-46	रिपोर्ट विषय और सीमा विषयों को परिभाषित करना	3		
	102-47	सामग्री विषय की सूची	43, 44, 45		
	102-48	जानकारी के पुनः कथन	3		
	102-49	रिपोर्टिंग में बदलाव	2, 3		
	102-50	रिपोर्टिंग समय	2		
	102-51	वर्तमान रिपोर्ट की तारीख़	2		
	102-52	रिपोर्टिंग चक्र	2		
	102-53	रिपोर्ट से सम्बंधित प्रश्नों के लिए संपर्क बिंदु	3		
	102-54	जीआरआई स्तरों के अनुसार रिपोर्टिंग के दावे	3		
	102-55	जीआरआई विषय सूचकांक	172		
	102-56	बाहरी आश्वासन	3, 168		
सामग्री विषय					
आर्थिक प्रदर्शन					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और उसकी सीमा का विवरण	44, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और उसके घटक	66, 67		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	66, 67		
जी आर आई 201: आर्थिक प्रदर्शन 2016	201-1	प्रत्यक्ष उत्पादित आर्थिक मूल्य और वितरण	3, 17, 67		
	201-2	मौसम परिवर्तन के कारण वित्तीय उलझनें और अन्य जोख़िम और अवसर	57, 58, 59, 102		

जीआरआई स्तर	प्रकटीकरण	प्रकटीकरण का सन्देश	पृष्ठ क्रमांक	छूट	
				कारण	स्पष्टीकरण
जीआरआई 201: आर्थिक प्रदर्शन 2016	201-3	लाभ योजना दायित्व और अन्य सेवानिवृत योजनाओं का विवरण	117		
	201-4	सरकार से प्राप्त वित्तीय सहयोग	27, 66, 68, 69, 70		
बाज़ार उपस्थिति					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	43, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	10, 11, 29, 46		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	10, 11, 29, 46		
जीआरआई 201: आर्थिक प्रदर्शन 2016	202-1	स्थानीय न्यूनतम मज़दूरी की तुलना में जेंडर द्वारा स्तरीय प्रवेश–स्तर की मज़दूरी का अनुपात	49, 117		
	202-2	स्थानीय समुदाय से लिए गए वरिष्ठ प्रबंधन का अनुपात	46		
ख़रीद कार्यप्रणाली					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	44, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	130, 131		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	130, 131		
जीआरआई 204: ख़रीद कार्यप्रणाली 2016	204-1	घरेलू आपूर्तिकर्ताओं पर व्यय का अनुपात	17, 134, 135		
भ्रष्टाचार–विरोधी					
जी आर आई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	44, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	50-53		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	50-53		
जी आर आई 205: भ्रष्टाचार विरोधी 2016	205-1	भ्रष्टाचार संबंधी जोख़िमों का कार्यन्वयन मूल्यांकन	50, 52		
	205-2	भ्रष्टाचार विरोधी नीतियों और प्रक्रियाओं के बारे में प्रसार और प्रशिक्षण	50, 52, 54		
	205-3	भ्रष्टाचार घटनाओं के पक्के मामले और उठाये गए क़दम	50, 52		

जीआरआई स्तर	प्रकटीकरण	प्रकटीकरण का सन्देश	पृष्ठ क्रमांक	छूट	
				कारण	स्पष्टीकरण
गैर–प्रतियोगी व्यवहार					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	44, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	50-53		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	50-53		
जी आर आई 206: गैर प्रतियोगी व्यवहार 2016	206-1	गैर–प्रतियोगी व्यवहार, अविश्वासी और एकाधिकार कार्य प्रणालियों के लिए क़ानूनी कार्यवाई	52-54		
सामग्री					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	43, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	130, 136		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	130, 136		
जीआरआई 301: सामग्री	301-1	भार या मात्रा के हिसाब से सामग्री का उपयोग	158		
	301-2	पुनःचक्रीय निविष्ट सामग्री का उपयोग	158		
	301-3	पुनः प्राप्त उत्पाद और उनकी पैकिंग सामग्री		मान्य नहीं	प्राकृतिक गैस उत्सर्जन और उत्सर्जन के मामले में उत्पाद पैकेजिंग पर पुनः दावा करने में कोई अर्थ नहीं है। गेल की पोलीमर पैकिंग द्वितीयक और तृतीयक बाज़ार के जरिए पुनर्चक्रित होती है।
ऊर्जा					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	43, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	80, 90		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	80, 90		
जीआरआई 302: ऊर्जा 2016	302-1	संगठन के अन्दर ऊर्जा खपत	20, 90-91, 158,159		
	302-2	संगठन के बाहर ऊर्जा खपत	20, 90, 91, 158,159		
	302-3	ऊर्जा तीव्रता	20, 159		

<table>
<tr><th rowspan="2">जीआरआई स्तर</th><th rowspan="2">प्रकटीकरण</th><th rowspan="2">प्रकटीकरण का सन्देश</th><th rowspan="2">पृष्ठ क्रमांक</th><th colspan="2">छूट</th></tr>
<tr><th>कारण</th><th>स्पष्टीकरण</th></tr>
<tr><td rowspan="2"></td><td>302-4</td><td>ऊर्जा खपत की कमी</td><td>20, 81, 90-92, 105, 159</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>302-5</td><td>उत्पादों और सेवाओं की ऊर्जा आवश्यकताओं में कमी</td><td>90-92, 105, 159</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td colspan="6">सामग्री</td></tr>
<tr><td rowspan="3">जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016</td><td>103-1</td><td>सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण</td><td>43, 45</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>103-2</td><td>प्रबंधन पहुँच और इसके घटक</td><td>93</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>103-3</td><td>प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन</td><td>93</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td rowspan="5">जीआरआई 303: जल और प्रवाह 2018</td><td>303-1</td><td>जल एक साझा संसाधन पर वार्तालाप</td><td>93, 94</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>303-2</td><td>जल निकासी प्रबंधन—सम्बंधित प्रभाव</td><td>93, 94,</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>303-3</td><td>जल निकासी</td><td>93,160, 161</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>303-4</td><td>जल स्त्राव</td><td>160</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>303-5</td><td>जल खपत</td><td>21, 94, 160, 161</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td colspan="6">जैव विविधता</td></tr>
<tr><td rowspan="3">जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016</td><td>103-1</td><td>सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण</td><td>44, 45</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>103-2</td><td>प्रबंधन पहुँच और इसके घटक</td><td>87</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>103-3</td><td>प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन</td><td>87</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td rowspan="4">जीआरआई 304: जैव विविधता 2016</td><td>304-1</td><td>स्वामित्व वाली क्रियाशील साइट्स, प्रबंधन, या लगी हुई, सुरक्षित क्षेत्रों या सुरक्षित क्षेत्र के बाहर उच्च जैव विविधता मूल्य वाले क्षेत्र</td><td>87-89</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>304-2</td><td>जैव विविधता पर गतिविधियों, उत्पादों और सेवाओं के प्रभावी प्रभाव</td><td>87-89</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>304-3</td><td>पुनर्स्थापित या सुरक्षित निवास</td><td>87-89</td><td>लागू नहीं</td><td>गेल की 10किमी साईट के भीतर नहीं</td></tr>
<tr><td>304-4</td><td>आईयूसीएन रेड लिस्ट नस्लें और राष्ट्रीय संरक्षण की नस्लों वाली सूची कार्यान्वयन के कारण प्रभावित क्षेत्रों के निवास</td><td>87</td><td>लागू नहीं</td><td>गेल की 10किमी साईट के भीतर नहीं</td></tr>
</table>

जीआरआई स्तर	प्रकटीकरण	प्रकटीकरण का सन्देश	पृष्ठ क्रमांक	छूट	
				कारण	स्पष्टीकरण
उत्सर्जन					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	43, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	91		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	91		
जीआरआई 305: उत्सर्जन 2016	305-1	प्रत्यक्ष (कार्य क्षेत्र 1) जीएच जी उत्सर्जन	20, 160		
	305-2	अप्रत्यक्ष ऊर्जा (कार्य क्षेत्र 2) जीएचजी उत्सर्जन	20, 160		
	305-3	अन्य अप्रत्यक्ष (कार्य क्षेत्र 3) जीएचजी उत्सर्जन	20, 160		
	305-4	जीएचजी उत्सर्जन तीव्रता	20, 160		
	305-5	जीएचजी उत्सर्जन में कमी	20, 160		
	305-6	ओज़ोन को नष्ट करने पदार्थों का उत्सर्जन (ओडीएस)	160		
	305-7	नाइट्रोजन ऑक्साइड्स (एन ओएक्स), सल्फर ऑक्साइड्स (एसओएक्स) और अन्य प्रमुख वायु उत्सर्जन	159,160		
अपशिष्ट					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	43, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	94- 96		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	94-96		
जीआरआई 306: अपशिष्ट 2020	306-1	अपशिष्ट उत्पादन और प्रमुख जल सम्बंधित प्रभाव	94-96		
	306-2	प्रमुख अपशिष्ट–संबंधी प्रभावों का प्रबंधन	94-96		
	306-3	अपशिष्ट उत्पादन	161,162		
	306-4	निकासी से मोड़ा गया अपशिष्ट	95,161,162		
	306-5	निकासी के लिए निर्देशित अपशिष्ट	161,162		
पर्यावरणीय अनुपालन					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	44, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	80		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	80		
जी आर आई 307: पर्यावरणीय अनुपालन 2016	307-1	पर्यावरणीय नियमों और विनियमों के साथ गैर–अनुपालन	80		

जीआरआई स्तर	प्रकटीकरण	प्रकटीकरण का सन्देश	पृष्ठ क्रमांक	छूट	
				कारण	स्पष्टीकरण
आपूर्तिकर्ता पर्यावरणीय मूल्यांकन					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	44, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुंच और इसके घटक	134 – 136		
	103-3	प्रबंधन पहुंच का मूल्यांकन	134 -136		
जीआरआई 308: आपूर्तिकर्ता पर्यावरणीय मूल्यांकन 2016	308-1	पर्यावरणीय पैमाने का उपयोग कर स्क्रीन किए गए नए आपूर्तिकर्ता	130, 131, 134-136		
	308-2	आपूर्ति श्रृंखला में नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव और की गई कार्यवाई	134-136		
रोज़गार					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	43, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	109, 110		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	109, 110		
जीआरआई 401: रोज़गार 2016	401-1	नए कर्मचारियों की नियुक्ति और उनका लेनदेन	19, 165, 166		
	401-2	स्थायी कर्मचारियों को प्रदान किए गए लाभ जो अस्थायी और अंश–कालीन कर्मचारियों को नहीं दिए जाते	110-111, 117		
	401-3	पितृत्व अवकाश	166		
श्रमिक / प्रबंधन सम्बन्ध					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	43,45		
	103-2	प्रबंधन पहुंच और इसके घटक	118		
	103-3	प्रबंधन पहुंच का मूल्यांकन	118		
जीआरआई 402: श्रमिक / प्रबंधन सम्बन्ध 2016	402-1	कार्यान्वयन में बदलाव से सम्बंधित न्यूनतम सूचना अवधि	117, 118		
सामग्री					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	43, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुंच और इसके घटक	120, 121		
	103-3	प्रबंधन पहुंच का मूल्यांकन	120, 121		

जीआरआई स्तर	प्रकटीकरण	प्रकटीकरण का सन्देश	पृष्ठ क्रमांक	छूट	
				कारण	स्पष्टीकरण
जी आर आई 403: व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा 2018	403-1	व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली	121-126		
	403-2	ख़तरा पहचानना, जोख़िम मूल्यांकन और घटना की जांच	77, 57,120-127		
	403-3	व्यावसायिक स्वास्थ्य सेवाएं	120 - 127		
	403-4	व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा पर कार्यकर्ता से भागीदारी, परामर्श और संवाद	121-122		
	403-5	व्यवसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा पर कार्मिक शिक्षण	128		
	403-6	कार्मिक के स्वास्थ्य की प्रगति	125-127		
	403-7	व्यावसायिक संबंधो के जरिए प्रत्यक्ष जुड़े व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रभाव की रोकथाम और अल्पीकरण	120-121		
	403-8	व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के अंतर्गत लिए गए कार्मिक	118, 121, 125-127		
	403-9	कार्य–संबंधी चोट	163-164		
	403-10	कार्य–सम्बन्धी बुरा स्वास्थ्य	163-164		
प्रशिक्षण और शिक्षा					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	43, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	112		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	112		
जीआरआई 404: प्रशिक्षण और शिक्षा 2016	404-1	प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी औसत घंटे प्रशिक्षण	114		
	404-2	कर्मचारी के कौशल को उन्नत बनाने के लिए कार्यक्रम और संक्रमण सहयोगी कार्यक्रम	112-115		
	404-3	नियमित प्रदर्शन और करियर विकास की समीक्षा प्राप्त करने वाले कर्मचारियों का प्रतिशत	115-116		
विविधता और समान अवसर					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	43, 45, 46		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	46, 110		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	46, 110		

जीआरआई स्तर	प्रकटीकरण	प्रकटीकरण का सन्देश	पृष्ठ क्रमांक	छूट	
				कारण	स्पष्टीकरण
जीआरआई 405: विविधता और सामान अवसर 2016	405-1	प्रबंधक निकाय और कर्मचारियों की विविधता	19, 46-47, 164, 165		
	405-2	महिलाओं के मूल वेतनमान और पारिश्रमिक का पुरुषों के मुकाबले अनुपात	49		
भेदभाव रहित					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	43, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	118		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	118		
जीआरआई 406: भेदभाव रहित 2016	406-1	भेदभाव की घटनाएं और सुधार की कारवाई	111, 118		
संस्था और सामूहिक सौदाकारी की स्वतंत्रता					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	43, 44, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	116, 117		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	116, 117		
जीआरआई 407: संस्था और सामूहिक सौदाकारी की स्वतंत्रता 2016	407-1	कार्यान्वयन और आपूर्तिकर्ता जिसमें संस्था और सामुहिक सौदाकारी की स्वतंत्रता में जोख़िम हो सकता है	116-118		
बाल श्रम					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	44, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	116, 117, 131		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	116, 117, 131		
जीआरआई 408: बाल श्रम 2016	408-1	कार्यान्वयन और आपूर्तिकर्ता बाल श्रम की घटनाओं पर प्रमुख तौर से जोख़िम में	116, 117, 130-132		
दबाव या अनिवार्य श्रम					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	44,45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	116		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	116		
जीआरआई 409: दबाव या अनिवार्य श्रम 2016	409-1	दबाव या अनिवार्य श्रम के कार्यान्वयन और आपूर्तिकर्ता प्रमुख तौर पर जोख़िम में	116, 117, 131		

जीआरआई स्तर	प्रकटीकरण	प्रकटीकरण का सन्देश	पृष्ठ क्रमांक	छूट	
				कारण	स्पष्टीकरण
सुरक्षा कार्य प्रणालियाँ					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	43, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	110		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	110		
जीआरआई 410: सुरक्षा कार्य प्रणालियाँ	410-1	मानवाधिकार नीतियों और प्रक्रियाओं से प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मी	116		
देशी लोगों के अधिकार					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	43, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	148		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	148		
जीआरआई 411: देशी लोगों के अधिकार 2016	411-1	देशी लोगों के अधिकारों के उल्लंघन की घटनाएं	148-149		
मानवाधिकार मूल्यांकन					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	44, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	116		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	116		
जीआरआई 412: मानवाधिकारों का मूल्यांकन 2016	412-1	कार्यान्वयन जो मानवाधिकारों समीक्षाओं या असर डालने वाले मूल्यांकन के अधीन रहे हैं	156		
	412-2	मानवाधिकारों की नीतियों और प्रक्रियाओं का कर्मचारियों को प्रशिक्षण	114, 116, 117		
	412-3	कार्यान्वयन जो मानवाधिकारों समीक्षाओं या असर डालने वाले मूल्यांकन के अधीन रहे हैं	131		
स्थानीय समुदाय					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	43, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	148		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	148		
जीआरआई 413: स्थानीय समुदाय 2016	413-1	स्थानीय समुदायों की संलग्नता से कार्यान्वयन, असरकारक मूल्यांकन	80, 148, 156, 157		
	413-2	प्रमुख वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों के साथ स्थानीय समुदायों पर कार्यान्वयन	148, 149		

जीआरआई स्तर	प्रकटीकरण	प्रकटीकरण का सन्देश	पृष्ठ क्रमांक	छूट	
				कारण	स्पष्टीकरण
आपूर्तिकर्ता सामाजिक मूल्यांकन					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और उसकी सीमा की व्याख्या	44, 45		
	103-2	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	134-136		
	103-3	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	134-136		
जीआरआई 414: आपूर्तिकर्ता सामाजिक मूल्यांकन	414-1	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	167		
	414-2	आपूर्ति श्रृंखला पर नकारात्मक प्रभाव और उठाये गए क़दम	131		
सार्वजनिक नीति					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	44, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	64		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	64		
जीआरआई 415: सार्वजनिक नीति 2016	415-1	राजनीतिक योगदान	66		
ग्राहक स्वास्थ्य और सुरक्षा					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	43, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	140, 142, 145		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	140, 142, 145		
जी आर आई 416: ग्राहक स्वास्थ्य और सुरक्षा 2016	416-1	उत्पाद और सेवा श्रेणियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रभावों का मूल्यांकन	77, 78, 79, 120		
	416-2	उत्पादों और सेवाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रभावों को ध्यान में रखते हुए गैर–अनुपालन की घटनाएं	120, 141		
मार्केटिंग और लेबलिंग					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	44, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	141		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	141		

जीआरआई स्तर	प्रकटीकरण	प्रकटीकरण का सन्देश	पृष्ठ क्रमांक	छूट	
				कारण	स्पष्टीकरण
जीआरआई 417: मार्केटिंग और लेबलिंग 2016	417-1	उत्पादन और सेवा जानकारी और लेबलिंग के लिए आवश्यकताएं	141		
	417-2	गैर–अनुपालन की घटनाएं उत्पाद और सेवा जानकारी और लेबलिंग को ध्यान में रखते हुए	141		
	417-3	गैर–अनुपालन की घटनाएं उत्पाद और सेवा जानकारी मार्केटिंग प्रसार को ध्यान में रखते हुए	141		
ग्राहक गोपनीयता					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और इसकी सीमा का विवरण	44, 45		
	103-2	प्रबंधन पहुँच और इसके घटक	35, 80		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	35, 80		
जीआरआई 418: ग्राहक गोपनीयता 2016	419-1	ग्राहक गोपनीयता के उल्लंघन और ग्राहक डेटा के नुकसान को ध्यान में रखते हुए प्रामाणिक शिकायतें	53, 80, 82, 141		
सामजिक–आर्थिक अनुपालन					
जीआरआई 103: प्रबंधन पहुँच 2016	103-1	सामग्री विषय और उसकी सीमा का वर्णन	44, 45		
	103-2	प्रबंधन की पहुँच और उसके घटक	35, 80		
	103-3	प्रबंधन पहुँच का मूल्यांकन	35, 80		
जी आर आई 419: सामाजिक–आर्थिक अनुपालन 2016	419-1	सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में नियमों और विनियमों के साथ गैर–अनुपालन	53, 80, 82, 141		

सस्टेनेबिलिटी एकाउंटिंग स्टैण्डर्ड बोर्ड के साथ संलग्नता

विषय	कोड	लेखांकन मापन	रिपोर्ट विभाग/अध्याय	पृष्ठ
ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन	ईएम–एमडी –110ए.1	कुल वैश्विक कार्य क्षेत्र 1 उत्सर्जन, मीथेन प्रतिशत, उत्सर्जन–सीमा विनियमों के अंतर्गत प्रतिशत लिया गया	प्रदर्शन और स्तर	158
	ईएम–एम डी–110ए.2	कार्य क्षेत्र 1 उत्सर्जन के प्रबंधन हेतु, लम्बी–अवधि और अल्प–अवधि रणनीति की योजना एवं उस पर चर्चा, उत्सर्जन की कमी के लक्ष्य और उन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए किया गया प्रदर्शन और उसका विश्लेषण	मौसम परिवर्तन–मौसम रणनीति के अनुसार दृष्टिकोण एवं क्रिया	102-104, 107, 160
वायु गुणवत्ता	ईएम–एम डी–120ए.1	निम्नांकित प्रदूषकों का वायु उत्सर्जनः (1) एनओएक्स (एनटूओ छोड़कर), (2) एसओ एक्स, (3)विस्फोटक जैविक यौगिक (वीओसीएस), और (4) अभिकण (पीएम10)	प्रदर्शन और स्तर	159-160
पारिस्थितिकी प्रभाव	ईएम–एम डी–160ए.1	सक्रिय कार्यान्वयन के लिए पर्यावरणीय प्रबंधन नीतियों का विवरण	ऊर्जा और पर्यावरण–जैव विविधता	80, 88
	ईएम–एम डी–160ए.2	सुरक्षित संरक्षण स्थिति के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में स्वामित्व वाली, लीज़ और/या कार्यान्वित भूमि या लुप्तप्राय प्रजातियों का प्रतिशत	ऊर्जा और पर्यावरण–जैव विविधता	87
	ईएम–एम डी–160ए.3	स्थलीय क्षेत्र में हेरा फेरी; प्रभावित क्षेत्र का प्रतिशत जो वापस लिया गया	ऊर्जा और पर्यावरण–जैव विविधता	87
	ईएम–एम डी–160ए.4	फैले हुए हाइड्रोकार्बन की संख्या और कुल मात्रा, आर्कटिक में मात्रा, तटीय रेखा पर प्रभाव डालती मात्रा ईएसआई रैंकिंग 8–10 और मात्रा जो वापस हासिल हुई	ऊर्जा और पर्यावरण	मान्य नहीं
प्रतियोगी व्यवहार	ईएम–एम डी–520ए.1	संघीय पाइप लाइन और संग्रहण विनियमों के साथ क़ानूनी प्रक्रियाओं के कारण हुआ कुल आर्थिक नुकसान	कार्यान्वयन विशिष्टता–ज़िम्मेदार पाइपलाइन एकीकृत प्रबंधन प्रणाली	78
कार्यान्वयन सुरक्षा, आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया	ईएम–एम डी–540ए.1	सूचन योग्य पाइपलाइन घटनाओं की संख्या, प्रतिशत महत्वपूर्ण	कार्यान्वयन विशिष्टता	78-80
	ईएम–एम डी–540ए.2	(1)प्राकृतिक गैस और (2) निरीक्षित खतरनाक तरल पाइप लाइन	कार्यान्वयन विशिष्टता	78
	ईएम–एम डी–540ए.3	रेल परिवहन से (1) दुर्घटना ब्यौरा और (2) गैर–दुर्घटना ब्यौरा (एनएआर एस) की संख्या	कार्यान्वयन विशिष्टता	78

विषय	कोड	लेखांकन मापन	रिपोर्ट विभाग/अध्याय	पृष्ठ
कार्यान्वयन सुरक्षा, आपातकालीन तैयारी एवं प्रतिक्रिया	ईएम–एम डी–540ए.4	प्रबंधन प्रणालियों की चर्चा सम्पूर्ण मूल्य श्रृंखला और जीवन चक्रों के जरिए सुरक्षा और आपातकालीन तैयारी की संस्कृति को एकीकृत किया करती थी	कार्यान्वयन विशिष्टता	78
जल प्रबंधन	ईएम–एम डी–140ए.1	(1) कुल जल निकासी, (2) कुल जल खपत, प्रत्येक क्षेत्र के उच्च या सर्वोच्च बेसलाइन जल दबाव का प्रतिशत	प्रदर्शन और स्तर	161
	ईएम–एम डी–140ए.3	जल गुणवत्ता परमिटों, मानकों और विनयमों से जुड़ी गैर–अनुपालन की घटनाओं की संख्या	कार्यान्वयन विशिष्टता	80
ख़तरनाक सामग्री प्रबंधन	ईएम–आरएम –150ए.1	उत्पादित खतरनाक अपशिष्ट की मात्रा; पुनर्चक्रीय प्रतिशत	प्रदर्शन और स्तर	161
	ईएम–आरएम –150ए.2	(1) भूमिगत संग्रह टैंक्स की संख्या (यूएसटीएस), (2) यू एसटी उत्सर्जन सफ़ाई की संख्या और (3) यूएसटी वित्तीय आश्वासन फंड्स का राज्यों में प्रतिशत	कार्यान्वयन विशिष्टता	80
कार्यबल स्वास्थ्य और सुरक्षा	ईएम–आरएम –320ए.1	(1) कुल घटना रिकॉर्ड दर (टीआरआईआर). (2) मौत दर, (3) ज़रा सी चूक की फ्रीक्वेंसी दर,(4) अनुबंधित कर्मचारी	सभी के लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करना–कर्मचारी सुरक्षा, व्यावसायिक स्वास्थ्य और गेल में सुरक्षा	163, 164, 165, 166
	ईएम–आरएम –320ए.2	प्रबंधन प्रणालियों की चर्चा सुरक्षा संस्कृति का एकीकरण करती थी	सभी के लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करना	120, 121, 122
उत्पाद विशिष्टीकरण और स्वच्छ ईंधन मिश्रण	ईएम–आरएम –410ए.1	अविकल्पी पुनर्नवीनीकरण मात्रा का प्रतिशत,(2) नवीनीकृत ईंधन का उत्पादन,(2) 'पृथक' नवीनीकरण पहचान संख्याओं की ख़रीद (आर आईएन)	कारोबार प्रगति–पुनर्नवीनीकरण ऊर्जा	73-74, 90, 159
	ईएम–आरएम –410ए.2	कुल समझा जा सकने वाला बाज़ार और आधुनिक जैव ईंधन और सम्बंधित ढाँचे के लिए बाज़ार का हिस्सा	कारोबार प्रगति–पुनर्नवीनीकरण ऊर्जा	73-74
एकीकृत मूल्य निर्धारण और पारदर्शिता	ईएम–आरएम –520ए.1	कीमत लगाने और कीमत में हेरा फेरी करने से सम्बंधित क़ानूनी प्रक्रियाओं के परिणाम स्वरुप कुल आर्थिक नुकसान	कार्यान्वयन विशिष्टता	82
क़ानूनी एवं विनियम पर्यावरण का प्रबंधन	ईएम–आरएम –530ए.1	सरकार के विनियमों और/या नीति प्रस्तावों जो उद्योग के पर्यावरणीय और सामाजिक कारकों पर असर डालते हैं उनसे सम्बंधित कॉर्पोरेट की स्थितियों की चर्चा	मज़बूत शासन और कारोबार लचीलापन–शासन और जोख़िम प्रबंधन	59

विषय	कोड	लेखांकन मापन	रिपोर्ट विभाग/अध्याय	पृष्ठ
गंभीर घटना जोखिम प्रबंधन	ईएम–आरएम –540ए.1	प्रक्रिया सुरक्षा घटना (पीएस ई) प्राथमिक नियंत्रण के नष्ट होने की दरें (एलओपीसी) अधिक प्रभाववाली (टियर 1) और कम प्रभाव वाली (टियर 2)	कार्यान्वयन विशिष्टता	78
	ईएम–आरएम –540ए.2	सुरक्षा प्रणालियों मापक दर को चुनौतियां	कार्यान्वयन विशिष्टता	77
	ईएम–आरएम –540ए.3	टियर 4 मापकों के जरिए कार्यान्वयन अनुशासन और प्रबंधन प्रणाली प्रदर्शन के मापन की चर्चा	कार्यान्वयन विशिष्टता	76, 77

आईपीआईईसीए से संलग्नता

आईपीआईईसीए मापक	रिपोर्ट विभाग / अध्याय	पृष्ठ क्रमांक
जीओवी–1: शासन की पहुँच	मज़बूत शासन और लचीला कारोबार	46
जीओवी–2: प्रबंधन प्रणालियाँ	मज़बूत शासन और लचीला कारोबार	46
जीओवी–3: भ्रष्टाचार निवारण	मज़बूत शासन और लचीला कारोबार	50, 52
जीओवी–4: मेजबान सरकार के भुगतान में पारदर्शिता	मज़बूत शासन और लचीला कारोबार–टैक्स रणनीति	53
जीओवी–5: सार्वजनिक वकालत और पैरवी	मज़बूत शासन और व्यापारिक लचीलापन–गठबन्धनों और गठजोड़ की वकालत	62
सीसीई–1: मौसम शिकायत और रणनीति	मौसम परिवर्तन: मौसम रणनीति से सम्बंधित दृष्टिकोण और क्रिया	101
सीसीई–2: मौसम परिवर्तन और अवसर	मौसम परिवर्तन: मौसम रणनीति से सम्बंधित दृष्टिकोण और क्रिया	101
सीसीई–3: लोअर–कार्बन तकनीकी	मौसम परिवर्तन	103-107
सीसीई–4: ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन	ऊर्जा और पर्यावरण: उत्सर्जन प्रबंधन	160
सीसीई–5: मीथेन उत्सर्जन	मौसम परिवर्तन: पहल	103
सीसीई–6: ऊर्जा उपयोग	ऊर्जा और पर्यावरण : ऊर्जा प्रबंधन	90-91, 158,159
सीसीई–7: गैस भड़कना	मौसम परिवर्तन: पहल	103, 159, 160
ईएनवी–1: स्वच्छ जल	ऊर्जा और पर्यावरण: ज़िम्मेदार जल प्रबंधन	93, 160
ईएनवी–2: जल निकासी	ऊर्जा और पर्यावरण: ज़िम्मेदार जल प्रबंधन	93, 160
ईएनवी–3: जैव विविधता नीति और रणनीति	ऊर्जा और पर्यावरण: जैव विविधता प्रबंधन	87
ईएनवी–4: सुरक्षित एवं जैव विविधता संरक्षण के लिए प्राथमिक क्षेत्र	ऊर्जा और पर्यावरण: जैव विविधता प्रबंधन	87
ईएनवी–5: हवा में उत्सर्जन	ऊर्जा और पर्यावरण: उत्सर्जन प्रबंधन	92-93, 150-160
एसएचएस–1: सुरक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षित संलग्नता	सभी के लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करना	120-128
एसएचएस–2: कार्यबल स्वास्थ्य	सभी के लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करना	120-128

आईपीआईईसीए मापक	रिपोर्ट विभाग/अध्याय	पृष्ठ क्रमांक
एसएचएस–3: व्यावसायिक चोट और बीमारी की घटनाएं	सभी के लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करना	120-128
एसएचएस–4: परिवहन सुरक्षा	सभी के लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करना	120-128
एसएचएस–5: उत्पाद प्रबंधन	हमारे उपभोक्ता–उत्पाद लेबल लगाना	141
एसएचएस–6: प्रक्रिया सुरक्षा	स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करना	120-128
एसएचएस–7: सुरक्षा जोखिम प्रबंधन	सभी के लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करना–ठेकेदार सुरक्षा	120-128
एसओसी–1: मानवाधिकार मद्देनज़र परिश्रम	हमारे कर्मचारी–श्रमिक कार्य प्रणाली और मानवाधिकार	116-118
एसओसी–2: आपूर्तिकर्ता और मानवाधिकार	हमारे कर्मचारी– श्रमिक कार्य प्रणाली और मानवाधिकार	116-118
एसओसी–3: सुरक्षा और मानवाधिकार	हमारे कर्मचारी– श्रमिक कार्य प्रणाली और मानवाधिकार	116-118
एसओसी–5: कार्यबल विविधता और समावेश	हमारे कर्मचारी	110
एसओसी–6: कार्यबल संलग्नता	हमारे कर्मचारी	111
एसओसी–7: कार्यबल प्रशिक्षण और विकास	हमारे कर्मचारी	112
एसओसी–8: कार्यबल गैर–विरोध और शिकायत प्रक्रिया	हमारे कर्मचारी	117
एसओसी–9: स्थानीय समुदाय का प्रभाव और संलग्नता	हमारे समुदाय	148
एसओसी–10: देशी लोग	हमारे समुदाय	148
एसओसी–12: समुदाय शिकायत प्रक्रिया	हमारे समुदाय	157
एसओसी–13: सामाजिक निवेश	हमारे समुदाय	148-155
एसओसी–14: घरेलू ख़रीद और आपूर्तिकर्ता विकास	हमारे आपूर्तिकर्ता	134
एसओसी–15: घरेलू भर्ती प्रक्रियाएं	हमारे कर्मचारी	110

यूएनजीसी और आईएसओ 26000:2010 अनुच्छेद

विभाग	यूएनजीसी सिद्धांत	आईएसओ 26000:2010 अनुच्छेद
हमारे हिस्सेदारों का समावेश और महत्त्व	सिद्धांत 1 सिद्धांत 6 सिद्धांत 7	4.2, 4.5, 5.2, 5.3, 6.3.6-6.3.7, 6.3.10, 6.7.1-6.7.6, 6.8.1-6.8.3, 7.3.2- 7.3.4, 7.5.3, 7.8
मज़बूत शासन और कारोबारी लचीलापन	सिद्धांत 10 सिद्धांत 7	4.3, 4.4, 6.2, 6.3.5, 6.3.6, 6.6.1, 6.6.3, 6.6.5, 6.6.6, 7.4.3, 7.7.5
जोख़िम प्रबंधन	सिद्धांत 10 सिद्धांत 7	4.3, 6.2.3, 6.3.5, 6.3.4
कारोबार प्रगति	सिद्धांत 9	6.6.1-6.6.2, 6.6.4, 6.6.6, 6.8.1–6.8.3, 6.8.1-6.8.9
कार्यान्वयन विशिष्टता	सिद्धांत 8 सिद्धांत 9	4.6, 6.5.3-6.5.6, 6.6.6
ऊर्जा और पर्यावरण	सिद्धांत 7 सिद्धांत 8 सिद्धांत 9	6.5.1, 6.5.2, 6.5.3, 6.5.4, 6.5.5, 6.5.6
मौसम परिवर्तन	सिद्धांत 7 सिद्धांत 8 सिद्धांत 9	6.5.5
हमारे कर्मचारी	सिद्धांत 1 सिद्धांत 2 सिद्धांत 3 सिद्धांत 4 सिद्धांत 5 सिद्धांत 6	4.5, 4.8, 5.2, 5.3, 6.3.1-6.3.8, 6.3.10, 6.4.1,6.4.7,6.5.1-6.5.2 6.7.8 – 6.7.9, 6.8.1-6.8.9
सभी के लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करना	सिद्धांत 6	6.4.5, 6.4.6, 6.5.3, 6.8.8
हमारे आपूर्तिकर्ता	सिद्धांत 1 सिद्धांत 2 सिद्धांत 7 सिद्धांत 10	4.4, 4.5, 4.6, 4.7, 6.3.1-6.3.8, 6.3.10, 6.6, 6.7.3, 6.7.4, 6.7.6, 6.7.9, 6.7.1-6.7.2, 7.3.1
ज़िम्मेदार आपूर्तिकर्ता श्रृंखला प्रबंधन		
हमारे उपभोक्ता	सिद्धांत 1 सिद्धांत 2	6.7.1 – 6.7.9
हमारा समुदाय	सिद्धांत 1 सिद्धांत 2	5.2.1, 5.2.2, 5.2.3, 6.8.1 – 6.8.9, 6.6.7
प्रदर्शन और स्तर	सिद्धांत 7 सिद्धांत 8 सिद्धांत 9	4.6, 6.4.3, 6.4.4, 6.4.6, 6.5.3-6.5.5, 6.5.8

यूएनएसडीजीएस के साथ संलग्नता

सतत विकास लक्ष्य	(एसडीजीएस) विवरण	गेल की पहलें	एसआर कवरेज (अध्याय)
एसडीजी 01. कोई ग़रीबी नहीं	ग़रीबी को सभी तरीके से ख़त्म करना, सभी जगह	» गेल सीएसआर पहल के अंतर्गत गेल कौशल, उन्नति और सशक्ति पहल	हमारा समुदाय
एसडीजी 02. शून्य भूख	भूख का खात्मा करना, खाद्य सुरक्षा हासिल करना, पोषण सुधारना और निरंतर कृषि को बढ़ावा देना	» गेल सीएसआर पहल के अंतर्गत गेल कौशल, उन्नति और सशक्ति पहल	हमारा समुदाय
एसडीजी 03. अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण	सभी उम्र में सभी के लिए स्वास्थ्य पूर्ण जीवन सुनिश्चित करना और कल्याण भावना को बढ़ावा देना	» कर्मचारी अनुबंध गतिविधियाँ » व्यवहार–आधारित सुरक्षा » एचएसई प्रबंधन प्रणाली » कोविड–19 सावधानी उपाय » हृदय कार्यक्रम के अंतर्गत गेल आरोग्य पहल » नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए कॉर्पोरेट मेडिकल सेल	कार्यान्वयन विशिष्टता, स्वास्थ्य और सुरक्षा, हमारा समुदाय, हमारे लोग, कोविड–19 को रोकने के लिए हमारे प्रयास
एसडीजी 04. गुणवत्ता शिक्षा	समावेशी और सामान गुणवत्ता शिक्षा सुनिश्चित करना और जीवनपर्यंत सभी के लिए सीखने के अवसरों को बढ़ावा देना	» गेल सीएसआर पहल के अंतर्गत गेल कौशल, उन्नति और सशक्ति पहल	हमारा समुदाय
एसडीजी 05. लिंग समानता	लिंग समानता हासिल करना और सभी महिलाओं तथा लड़कियों को सशक्त करना	» विविधता समावेश भर्ती प्रक्रिया के लिए » सीएसआर पहल के अंतर्गत गेल शक्ति पहल	हमारा समुदाय, हमारे लोग
एसडीजी 06.स्वच्छ जल और स्वच्छता	सभी के लिए जल की उपलब्धता और निरंतर प्रबंधन को सुनिश्चित करना	» जल प्रबंधन » अपशिष्ट प्रबंधन » सीएसआर पहल के अंतर्गत गेल आरोग्य पहल	ऊर्जा और पर्यावरण, हमारा समुदाय
एसडीजी 07. सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा	सभी के लिए सस्ती, विश्वसनीय, टिकाऊ और आधुनिक ऊर्जा तक पहुँच सुनिश्चित करना	» सौर आधारित ऊर्जा परियोजना के लिए बीएचईएल के साथ साझेदारी » ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली » सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापन » मुंबई पाइप लाइन नेटवर्क » राष्ट्रीय गैस ग्रिड का विकास » संपीडित बायोगैस	ऊर्जा और पर्यावरण, मौसम परिवर्तन

सतत विकास लक्ष्य	(एसडीजीएस) विवरण	गेल की पहलें	एसआर कवरेज (अध्याय)
एसडीजी 08. शालीन काम और आर्थिक प्रगति	स्थायी, समावेशी और सतत आर्थिक विकास, सभी के लिए पूर्ण और उपयोगी रोज़गार और सभी के लिए शालीन काम को बढ़ावा देना	» स्टार्ट–अप इंडिया में गेल का योगदान » कारोबार करने में पारदर्शिता » शिकायत निवारण प्रक्रिया » कार्यबल प्रबंधन » गेल कौशल » प्रबंधन विकास प्रणाली » प्रबंधन प्रणाली सीखना	ऊर्जा और पर्यावरण, हमारे लोग, हमारे उपभोक्ता, हमारे आपूर्तिकर्ता, कारोबार प्रगति
एसडीजी 09. उद्योग, नवीनीकरण और ढांचा	लचीला ढांचा बनाना, समावेशी और सतत औद्योगीकरण तथा नवीनीकरण को प्रोत्साहन देना	» स्टार्ट–अप इंडिया के लिए गेल का योगदान » डिजिटल रूपांतरण » बाज़ार की जगह (जीईएम) और व्यवसाय » ख़रीद के लिए प्राप्य छूट प्रणाली (टीआरईडीस) » कार्यबल प्रबंधन » सीएसआर पहल के अंतर्गत गेल उज्जवल पहल » साइट्स की हरित कम्पनी का मूल्यांकन » निर्माण प्रबंधन योजना (सी एमपी)	गेल झलकियाँ, ऊर्जा और पर्यावरण, हमारे लोग
एसडीजी10. घटी हुई असमानताएं	स्वयं से और राष्ट्रों से असमानता को कम करना	» सीएसआर पहल के अंतर्गत गेल की सशक्ति पहल » सीएसआर पहल के अंतर्गत गेल की सक्षम पहल » अनुबंध की सामान्य शर्तें » गेल में सार्वजनिक खरीद नीति » गेल स्वदेशीकरण (आईएनडीईजी) समूह मीट्स » स्थानीय खरीद	हमारा समुदाय, हमारे लोग, हमारे आपूर्तिकर्ता, शासन और जोखिम प्रबंधन
एसडीजी11. स्थायी शहर और समुदाय	शहरों और मानव बस्तियाँ को समावेशी, सुरक्षित, लचीला और स्थायी बनाना	» एसआईए (सोशल इम्पैक्ट असेसमेंट) » गेल सीएससार की कोविड–19 के प्रभावों को रोकने के लिए पहल » गेल का स्टार्ट–अप इंडिया में योगदान » गेल आरोग्य » गेल उन्नति » हवा बदलो अभियान	कार्यान्वयन विशिष्टता

सतत विकास लक्ष्य	(एसडीजीएस) विवरण	गेल की पहलें	एसआर कवरेज (अध्याय)
एसडीजी 12. उत्तरदायित्वपूर्ण खपत और उत्पादन	सतत खपत और पैटर्न्स उत्पादन को सुनिश्चित करना	» समृद्ध संकरे कॉरिडोर का कार्यान्वयन » ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली » गेल की साइट्स और टाउन शिप्स में ऊर्जा–बचत उपक्रम » जल प्रबंधन » अपशिष्ट प्रबंधन » स्टार्ट–अप इंडिया को योगदान » कुल गुणवत्ता प्रबंधन (टीक्यूएम) » एकीकृत प्रबंधन प्रणाली (आईएमएस)	कार्यान्वयन विशिष्टता, ऊर्जा और पर्यावरण, मौसम परिवर्तन
एसडीजी 13. मौसम क्रिया	मौसम परिवर्तन और उसके प्रभावों का सामना करने के लिए अत्यावश्यक क़दम उठाना	» निरंतरता नीति » समृद्ध संकरे कॉरिडोर का कार्यान्वयन » पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली » ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली » जैव विविधता प्रबंधन » उत्सर्जन प्रबंधन » स्टार्ट–अप इंडिया में गेल का योगदान » मौसम परिवर्तन जोख़िम का सामना » हरित ख़रीद » स्थानीय ख़रीद » कार्बन फुटप्रिंट को मापने के लिए स्टेट–ऑफ–आर्ट डिजिटल तकनीकी » सीएनजी मोबाइल रिफ्यूलिंग » मियावाकी तकनीकी का पालन करते हुए वन रोपण » कार्बन फुटप्रिंट को मापने के लिए स्टेट–ऑफ–आर्ट डिजिटल तकनीकी » 1 गीगावाट पुनर्नवीनीकरण ऊर्जा का लक्ष्य » तटीय विनियमन क्षेत्र निकासी	कार्यान्वयन विशिष्टता, ऊर्जा और पर्यावरण, मौसम परिवर्तन
एसडीजी 14. पानी के नीचे का जीवन	सतत विकास के लिए महासागरों, सागरों और समुद्री संसाधनों का संरक्षण और निरंतर उपयोग	» कार्यान्वयन विशिष्टता ढांचा » जैव विविधता प्रबंधन » जल प्रबंधन » ह्रदय कार्यक्रम के अंतर्गत गेल हरित पहल » ईआईए (एनवायरनमेंट इम्पैक्ट असेसमेंट)	कार्यान्वयन विशिष्टता, ऊर्जा और पर्यावरण, मौसम परिवर्तन, हमारा समुदाय

सतत विकास लक्ष्य	(एसडीजीएस) विवरण	गेल की पहलें	एसआर कवरेज (अध्याय)
एसडीजी 15. भूमि पर जीवन	स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्रों की सुरक्षा, पुनर्निर्माण और दीर्घकालिक उपयोग, वनों का निरंतर प्रबंधन, मरूस्थलीकरण का सामना करना और रोकना और भूमि का निम्नीकरण और जैव विविधता के नुकसान को रोकना	» पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली » जैव विविधता प्रबंधन » अपशिष्ट प्रबंधन » ह्दय कार्यक्रम के अंतर्गत गेल की हरित पहल » हरित ख़रीद » स्थानीय ख़रीद » हवा बदलो अभियान	कार्यान्वयन विशिष्टता, ऊर्जा और पर्यावरण, मौसम परिवर्तन, हमारा समुदाय, हमारे आपूर्तिकर्ता
एसडीजी 16. शान्ति, न्याय और मज़बूत संस्थाएं	सतत विकास के लिए शांतिपूर्ण एवं समाहित समुदायों को बढ़ावा देना, सभी के लिए न्याय की पहुँच प्रदान करना और सभी स्तरों पर प्रभावी, जवाबदेही तथा समाहित संस्थानों का निर्माण करना	» नैतिकता और एकीकरण » कारोबार करने में पारदर्शिता » श्रमिक कार्य प्रणालियां » अनुबंध की सामान्य शर्तें » हिस्सेदार अनुबंध » उपभोक्ता संतुष्टि सर्वे	कार्यान्वयन विशिष्टता, ऊर्जा और पर्यावरण, मौसम परिवर्तन, हमारा समुदाय, हमारे आपूर्तिकर्ता
एसडीजी 17. लक्ष्य के लिए साझीदारी	सतत विकास के लिए कार्यान्वयन के स्त्रोतों को मज़बूत करना और वैश्विक साझीदारी को फिर से सक्रिय करना	» स्टार्ट–अप इंडिया के लिए गेल का योगदान » टीईआरआई के साथ साझेदारी » निरंतरता के लिए गेल का सहयोग » जीओआई की पहल आल्टरनेटिव टुवड्र्स अफोर्डेबल ट्रांसपोर्टेशन (एसएटीएटी) » गेल के स्टार्ट–अप की पहल 'पंख' » ग्लोबल के संस्थापक सदस्य » रिपोर्टिंग की शुरुआत (जी आरआई) फोकल पॉइंट » भारत की निरंतरता और पारदर्शी संकाय	हिस्सेदार अनुबंध और महत्त्व, मौसम, शासन और जोख़िम प्रबंधन

टीसीएफडी सिफ़ारिशों के साथ संयोजन

टीसीएफडी	विभाग/ अध्याय	पृष्ठ सं.
शासन		
क) मौसम –संबंधी जोखिमों और अवसरों पर बोर्ड की निगरानी का विवरण करें।	गेल में निरंतरताः सतत विकास संचालन समिति	34-36
ख) मौसम –संबंधी जोखिमों और अवसरों के मूल्यांकन और प्रबंधन में प्रबंधन की भूमिका का वर्णन करें।	गेल में निरंतरताः सतत विकास संचालन समिति	34-36
रणनीति		
क) मौसम–संबंधी जोखिमों और अवसरों की पहचान संगठन द्वारा लघु, मध्यम और लम्बी अवधि के रूप में किए जाने का विवरण करें।	मौसम परिवर्तनः मौसम रणनीति के अनुसार दृष्टिकोण और क्रिया	101
ख) मौसम–संबंधी जोखिमों और अवसरों का संगठन के कारोबारों, रणनीतियों और वित्तीय योजनाओं पर पड़े प्रभाव का वर्णन करें।	मौसम परिवर्तनः मौसम रणनीति के अनुसार दृष्टिकोण और क्रिया	101
ग) विभिन्न मौसम–संबंधी परिदृश्यों जिसमें 2 डिग्री सेंटीग्रेड या इससे कम का परिदृश्य शामिल है को ध्यान में रखते हुए संगठन की रणनीति में लचीलेपन का वर्णन करें।	मौसम परिवर्तनः मौसम परिवर्तन और सतत विकास	103-107
जोखिम प्रबंधन		
क) मौसम–संबंधी जोखिमों को पहचानने और मूल्यांकन करने के लिए संगठन की प्रक्रियाओं का वर्णन करें	मज़बूत शासन और कारोबारी लचीलापनः जोखिम प्रबंधन	100-107
ख) मौसम–संबंधी जोखिमों के प्रबंधन के लिए संगठन की प्रक्रियाओं का वर्णन करें	मौसम परिवर्तनः मौसम रणनीति के अनुसार दृष्टिकोण और क्रिया	100-107
ग) किस तरह से मौसम –संबंधी जोखिमों को पहचानने, मूल्यॉंकन करने और प्रबंधन की प्रक्रियाएं संगठन के समस्त प्रबंधन से जुड़ी हुई हैं।	मज़बूत शासन और कारोबारी लचीलापनः जोखिम प्रबंधन	100-107
मापन और लक्ष्य		
क) अपनी रणनीति और जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए संगठन द्वारा मौसम–संबंधी जोखिमों और अवसरों के मूल्यांकन में मापन के उपयोग का प्रकटीकरण।	प्रदर्शन और स्तर	100-107, 160
ख) कार्य क्षेत्र 1, कार्य क्षेत्र 2 और, यदि उचित हुआ, कार्य क्षेत्र 3 ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन और सम्बंधित जोखिम का प्रकटीकरण	प्रदर्शन और स्तर	160
ग) संगठन द्वारा मौसम–सम्बंधित जोखिमों और अवसरों के प्रबंधन में लक्ष्यों का उपयोग समझाएं और साथ ही लक्ष्य के मुकाबले प्रदर्शन।	मौसम परिवर्तनः मौसम रणनीति सम्बंधित दृष्टिकोण और क्रिया	100-107

बिज़नेस रेस्पोंसिबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट

गेल (इंडिया) लिमिटेड पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपी एवं एनजी) के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत सरकारी कम्पनी है। एक ज़िम्मेदार कम्पनी के रूप में, हमारी हमेशा से कोशिश रही है कि हम जीओआई के सभी नियमों और विनियमों का पालन करें। इस उद्देश्य के लिए, गेल ने बिज़नेस रेस्पोंसिबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट (बीआरएसआर) को स्वीकार किया है जो एसईबीआई के सर्कुलर (एसईबीआई/एचओ/सीएफडी/सीएमडी–2/पी/सीआईआर/2021/562/दिनांक 10 मई 2021) के हिसाब से दर्शाती है कि कम्पनी ने पर्यावरण, सामाँजिक और प्रशासनिक दृष्टिकोण से कई क़दम उठाएं हैं जो वित्त वर्ष 2021–22 की वार्षिक रिपोर्ट का एक हिस्सा है। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2021–22 सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट बीआरएसआर की प्रकटीकरण आवश्यकताओं को भी शामिल करती है।

बीआरएसआर की रिपोर्ट सभी सामान्य प्रकटीकरण, प्रबंधन और प्रक्रिया प्रकटीकरण, और सिद्धांत अनुसार प्रदर्शन के प्रकटीकरण को शामिल करती है। नीचे दी गई तालिका बीआरएसआर की आवश्यकताओं को उचित सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट के साथ दिखाती है। विस्तृत बिज़नेस रेस्पोंसिबिलिटी एवं सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट हमारे वित्त वर्ष 2021–22 की वार्षिक रिपोर्ट के साथ दी गई है (https://www.gailonline.com/pdf/InvestorsZone/AnnualReports/GAILAnnualReport202122Final.pdf)

बीआरएसआर के विभाग और सिद्धांत	सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट के विभाग
विभाग एः सामान्य प्रकटीकरण	सूचना विषयक, सीएमडी और निदेशकों से सन्देश, गेल् की झलकियाँ, गेल एक नज़र में, मज़बूत शासन और कारोबारी लचीलापन, कारोबार प्रगति, हमारे कर्मचारी, हमारे उपभोक्ता, प्रदर्शन और स्तर
विभाग बीः प्रबंधन और प्रक्रिया प्रकटीकरण	सूचना विषयक, सीएमडी और निदेशकों से संदेश, मज़बूत शासन और कारोबारी लचीलापन, कार्यान्वयन विशिष्टता, ऊर्जा और पर्यावरण, हमारे कर्मचारी, ज़िम्मेदार आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, हमारे समुदाय
विभाग सीः सिद्धांत अनुसार प्रदर्शन खुलासा	
सिद्धांत 1	कारोबारी लचीलापन, कार्यान्वयन विशिष्टता, हमारे कर्मचारी, हमारे समुदाय, प्रदर्शन और स्तर
सिद्धांत 2	ऊर्जा और पर्यावरण, ज़िम्मेदार आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
सिद्धांत 3	हमारे कर्मचारी, सभी के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सुनिश्चित करना, प्रदर्शन और स्तर
सिद्धांत 4	हमारे हिस्सेदार समावेश और महत्त्व
सिद्धांत 5	हमारे कर्मचारी, हमारे आपूर्तिकर्ता
सिद्धांत 6	कार्यान्वयन विशिष्टता, ऊर्जा और पर्यावरण, मौसम परिवर्तन, प्रदर्शन और स्तर
सिद्धांत 7	मज़बूत शासन और कारोबारी लचीलापन
सिद्धांत 8	गेल की विशिष्टता, मज़बूत शासन और कारोबारी लचीलापन, हमारे कर्मचारी, हमारे आपूर्तिकर्ता, ज़िम्मेदार आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, हमारे उपभोक्ता, हमारे समुदाय
सिद्धांत 9	कारोबार प्रगति, हमारे उपभोक्ता, हमारे समुदाय

हरित ऊर्जा की दिशा में अग्रसर

गेल में हम, अपने संसाधनों को दिशा देते हुए और अपनी ऊर्जा पर केन्द्रित होकर हरित भविष्य का रास्ता तैयार करते हैं। गेल ने यह अभियान प्राकृतिक गैस में अपना नेतृत्व देकर आरम्भ किया। गेल अपने सिटी गैस वितरण के माध्यम से अपने कार्यान्वयन का निरंतर विस्तार करते हुए भारत के शहरों और कस्बों में ज़िंदगियों को स्वच्छ ईंधन–सीएनजी और पीएनजी से ऊर्जावान बना रहा है। हम राष्ट्र में राष्ट्रीय ग्रिड को आकार देने में भी सहायक रहे हैं। आगे क़दम बढाते हुए गेल ने अपनी ऊर्जा टोकरी को विस्तार देते हुए हवा, सौर, सीबीजी और हाइड्रोजन ऊर्जा का इस्तेमाल करते हुए भारत की निरंतर प्रगति के लिए हरित ईंधन प्रदान किया है। गतिशील भविष्य के लिए हमारे अनंत प्रयास ही हरित ऊर्जा के लिए सहयोग की कहानी है।

गेल (इंडिया) लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय : 16, भीकाएजी कामा प्लेस, आर. के. पुरम, नई दिल्ली–110066

वेबसाइट : www.gailonline.com